

# वार्षिक प्रतिवेदन

2018-19





वार्षिक प्रतिवेदन  
2018-19





## विभिन्न एजेंसियों द्वारा आईआईटी भुवनेश्वर की रैंकिंग -2018-19

### राष्ट्रीय एजेंसियां

NIRF-2019



Engineering-17th  
Overall- 46th

CAREER 360 -2019

Engineering-10th  
Overall-22nd  
*(Rank among Public Institute)*



Times Engineering Institute Rankings -2019



Overall-9th  
Research Capability-2nd  
Placement- 4th

INDIA TODAY-2019



Engineering-9th  
*(Rank among Government College)*

THE WEEK-2019 (HANSA RESEARCH GROUP)

Engineering-15th  
*(Rank among Engineering College)*



### अंतरराष्ट्रीय एजेंसियां

THE University Impact Ranking-2019



World – 301+

THE Times Higher Education Young University Rankings-2019

Overall-151th-200<sup>th</sup>



THE Emerging Economics University Ranking-2019



Overall-153rd

THE Asia University Ranking 2019

Asia-131st



QS World University Ranking- (INDIA) 2019



2018- 21st

QS World University Ranking- (BRICs) 2019

2018- 107<sup>th</sup>





## विषय-सूची

निदेशक की कलम से	: 1
अधिशाली मंडल	: 13
वित्त समिति	: 15
भवन निर्माण समिति	: 15
वरिष्ठ सभा	: 16
प्रशासन	: 19
प्राध्यापक प्रभारी तथा सह-समन्वयकगण	: 21
भा.प्रौ.सं.भुवनेश्वर के बारे में	: 26
दूरदर्शिता और लक्ष्य	: 27
लक्ष्य तथा रणनीतियाँ	: 28
पर्यावरण अनुकूल परिसर बनाने के लिए संस्थान द्वारा की गई पहल	: 39
शैक्षणिक	: 42
विद्यापीठ	: 61
उत्कृष्टता का केंद्र	: 77
हमारे संकाय	: 94
प्रकाशन	: 110
अनुसंधान,विकास और सहयोग	: 174
चल रही प्रायोजित अनुसंधान परियोजनाएं	: 176
2018-19 के लिए परियोजनाओं की सलाहकारिता और विकास	: 183
बौद्धिक संपदा अधिकार(आईपीआर)	: 188



संकाय सदस्यों द्वारा आमंत्रित व्याख्यान और प्रस्तुति	: 189
संगोष्ठियों/सम्मेलनों/कार्यशालाओं में प्रतिभागिता	: 201
आयोजित संगोष्ठियाँ सम्मेलनों/कार्यशाला	: 209
आयोजित जीआईएएन कार्यक्रम	: 212
संस्थान में आयोजित संगोष्ठियां	: 213
पुरस्कार/सम्मान/फ़ैलोशिप/उद्योग इंटरनशिप/छात्रवृत्ति/सदयस्ता	: 218
विशिष्ट आगंतुक	: 222
केंद्रीय पुस्तकालय	: 225
सीआईटीएससी	: 230
वृत्तिक विकास प्रकोष्ठ	: 231
स्टार्ट अप केंद्र	: 236
राजभाषा एकक	: 242
घटनाक्रम	: 247
छात्रों की गतिविधियाँ	: 293
वित्तीय सूचना	: 326
वित्तीय वर्ष 2018-19 के लिए अनु. तथा वि. की प्राप्ति तथा भुगतान विवरण	: 328





### प्रो.रत्नम वी.राजकुमार

निदेशक, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भुवनेश्वर

निदेशक की कलम से.....

यह वर्ष भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर के अस्तित्व का ग्यारहवां वर्ष है। प्रारंभिक सात वर्षों के दौरान, संस्थान 180 छात्रों के बी.टेक अन्तर्ग्रहण सहित पारगमन सुविधाओं के साथ कार्य कर रहा था। पिछले चार साल बहुत महत्वपूर्ण रहे, जिसमें हमने एक अभूतपूर्व वृद्धि हासिल की और अब संस्थान पूरी तरह स्थायी परिसर से संचालित हो रहा है। 420 के वर्तमान अन्तर्ग्रहण के साथ, जो एक अभूतपूर्व वृद्धि है।

संस्थान ने वैश्विक क्षमता हासिल करने की दिशा में कई मोर्चों पर कई अग्रणी पहल की हैं:

- सभी मोर्चों में संस्थान के मानकों का विकास अंतरराष्ट्रीय स्तर पर है।
- निकट-वैश्विक श्रेणी के बुनियादी ढांचे का निर्माण – संस्थान पहले से ही शीर्ष कुछ परिसरों में से एक है।
- गुणवत्ता संकाय और विदेशी मूल के संकाय के लिए वैश्विक खोज।
- संस्थान के शैक्षणिक कार्यक्रमों का अंतर्राष्ट्रीयकरण।
- शिक्षण और अनुसंधान में पेशेवर जवाबदेही को बढ़ाना।
- अनुसंधान में मात्रा की तुलना में गुणवत्ता को प्रोत्साहित करना।
- उच्च औद्योगिक और सामाजिक प्रासंगिकता के अनुसंधान पर अंतर्राष्ट्रीय सहयोग स्थापित करना।
- अगले 3 वर्षों में पीएचडी शोध छात्रों का अन्तर्ग्रहण दोगुना करना।

शिक्षण और अनुसंधान में उत्कृष्टता प्राप्त करने की समर्पित भावना के साथ समग्र शिक्षा प्रक्रिया के अंतःक्रिया के माध्यम से पिछले चार वर्षों में संस्थान की कुछ उल्लेखनीय उपलब्धियाँ इस प्रकार हैं :

- मानकों में सुधार (शिक्षण, अनुसंधान, संकाय चयन, पारदर्शिता, शासन, जवाबदेही, सुरक्षा, साफ-सफाई, आदि)।
- पिछले दो वर्षों के दौरान, बीटेक और पीएचडी छात्रों का अन्तर्ग्रहण दोगुना करना

- संस्थान ने पहली बार देश में कुल सीटों की संख्या में वृद्धि के बावजूद बी.टेक प्रवेशों की रैंक सुधार दर्ज किया,
- पिछले तीन वर्षों के दौरान, संस्थान में नियोजन तीन गुना और औसत वेतन में डेढ़ गुना वृद्धि हुई है,
- छात्रों के 80% नियोजन मुख्य उद्योग में रहे हैं, जो कि देश में अब तक हुई नियोजनों से अलग एक बहुत ही वांछनीय घटना है,
- संस्थान ने विदेशी मूल के संकाय को बढ़ाने में पहली सफलता हासिल की है और तीन सहयोगियों के रोल में होने के साथ फिलहाल प्रयास जारी है, 8 से 24 महीने की अवधि के लिए असाइनमेंट के साथ कई अन्य लोग पाइप लाइन में है,
- 2015-18 के दौरान उद्यमिता में अभूतपूर्व वृद्धि देखी गई, इनक्यूबेटर, स्टार्ट-अप सेंटर की स्थापना और 2017 के अंत तक भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर रिसर्च एंड एंटरप्रेन्योरशिप पार्क के लिए स्टेज की स्थापना।

अब, मैं निकट भविष्य में वैश्विक वर्ग के एक संस्थान के निर्माण का सपना को पूरा करने की ओर अग्रसर, वर्ष 2018-19 के उपलब्धियों और महत्वपूर्ण मील के पत्थर पर जोर देते हुए हमारी यात्रा का एक संक्षिप्त विवरण आपके साथ साझा करने का विशेषाधिकार लेता हूं।

#### संस्थागत रैंकिंग में संस्थान का प्रदर्शन :

हाल के दिनों में की गई रणनीतिक पहलों ने न केवल संस्थान के विकास को बढ़ावा दिया है, बल्कि दोनों राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय परिदृश्य में संस्थान के रैंकिंग प्रदर्शन में महत्वपूर्ण वृद्धि हुई है। एनआईएफटी द्वारा भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर को अखिल भारतीय इंजीनियरिंग संस्थागत रैंकिंग में 2018-19 में 17 वें स्थान पर रखा गया है, और एनआईआरएफ द्वारा ऑल इंडिया ओवरऑल रैंक 2017-18 में 51 वें स्थान से 46 वें स्थान पर पहुंच गया। इंडिया टुडे पत्रिका की रैंकिंग के अनुसार, भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर की रैंक सरकारी कॉलेजों की श्रेणी में 10 वें स्थान से 9 वें स्थान पर पहुंच गई; द वीक हंसा रिसर्च इंजीनियरिंग में, रैंक 26 वें स्थान से 15 वें स्थान पर पहुंच गई; टाइम्स इंजीनियरिंग सर्वेक्षण में, रैंक 20 वें स्थान से 9 वें स्थान पर पहुंच गया; करियर 360 इंजीनियरिंग में, रैंक 16 वें स्थान से 10 तक पहुंच गई। इस वर्ष, हमारे संस्थान ने उच्च शिक्षा रैंकिंग क्यूएस और टाइम्स में भी भाग लिया। यह संस्थान भारत में 601-800 रैंकिंग में (1258 संस्थानों में से) है और टाइम्स हायर एजुकेशन (टीएचई) रैंकिंग में कुछ अन्य संस्थानों (49 संस्थानों के बीच) के साथ 10 वें स्थान पर, जहां यह भारत में 3 वें स्थान पर है। इंस्टीट्यूट ने द इमर्जिंग इकोनॉमी यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2019 में 153 वें स्थान पर, एशिया यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2019 में 131 वें, द यंग यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2019 में 151-200 और यूनिवर्सिटी इंपैक्ट रैंकिंग 2019 में 301+ रैंक हासिल की। इस साल संस्थान ने क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी इंडिया रैंकिंग में 21 वें और क्यूएस ब्रिक्स विश्वविद्यालय रैंकिंग में 107 वें स्थान पर रही। बढ़ते चलन के जारी रहने की उम्मीद है।

**शैक्षणिक कार्यक्रम:**

पर्याप्त सक्षम टेक्नोक्रेट्स और वैज्ञानिकों को प्रदान करने के लिए और बदलते परिदृश्य के साथ तालमेल रखते हुए, भा.प्रौ.सं.भुवनेश्वर ने वर्तमान 2133 छात्रों (बी.टेक -1349, एम.टेक - 334, एम.एससी - 155 और पीएच.डी -295) के साथ अपने छात्र अन्तर्ग्रहण में काफी वृद्धि की है। संस्थान में 135 पूर्णकालिक संकाय सदस्यों, 24 अधिकारियों (नियमित आधार पर 19 और अनुबंध पर 5) और अन्य सहायक कर्मचारियों का एक स्पेक्ट्रम है। इस साल हमने पावर इलेक्ट्रॉनिक्स और ड्राइव्स, मैनुफैक्चरिंग इंजीनियरिंग और जियोटेक्निकल में तीन नए एम टेक कार्यक्रम की शुरुआत की। अंडरग्रेजुएट कार्यक्रमों की अन्तर्ग्रहण की संख्या 350 से बढ़ाकर 419, एम.टेक और पीएच.डी. में क्रमशः 172 और 246 से 360 और 400 कर दी गयी है साथ ही वर्ष 2019-20 के लिए आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्लूएस) के लिए 5% आरक्षण पर कार्यान्वयन किया है।

**कायाकल्प और अभिविन्यास (आर एंड ओ) नए छात्रों के लिए कार्यक्रम:**

जेईई कोचिंग के बर्न आउट सिंड्रोम को दूर करने के लिए, संस्थान ने एक सेमेस्टर लंबे कायाकल्प और ओरिएंटेशन (आर एंड ओ) कार्यक्रम का आयोजन किया। आर और ओ कार्यक्रम बहुत ही नवीन और अद्वितीय प्रकृति की है, जिसका उद्देश्य छात्रों को जेईई में सफलता के लिए इंटरमीडिएट स्तर पर परीक्षा केंद्रित तैयारी और अध्ययन के प्रभावों से बदलने में मदद करना है, जो उन्हें भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर में इंजीनियरिंग समस्या समाधान के साथ एक सशक्त छात्र को बनाता है। इस कार्यक्रम में निदेशक, शैक्षणिक और छात्र मामलों के संकायाध्यक्ष, विद्यापीठों के प्रमुखों, संकाय के सदस्यों द्वारा ओरिएंटेशन व्याख्यान, विभिन्न विद्यापीठों के संकाय सदस्यों और निदेशक द्वारा 'परिचय इंजीनियरिंग पर एक विस्तृत सत्र' और एक प्रश्नावली "खुद को जानें " शामिल हैं, जो निदेशक द्वारा बनाया गया। इस कार्यक्रम के एक भाग के रूप में, नए प्रवेशकों को निकटवर्ती विरासत स्थल जैसे कोणार्क मंदिर, धौली, खंडगिरि, उदयगिरि, एकमरा और बारूनी हिल यात्रा के लिए भेजा जाता है और उन्हें इलाके से परिचित कराते हैं और उन्हें इतिहास और संस्कृति से अवगत कराते हैं। इन कार्यक्रम में श्री श्री विश्वविद्यालय, कटक द्वारा संचालित 'यस+' नाम से 26 - 28 जुलाई 2019 की अवधि के दौरान तीन दिवसीय व्यक्तित्व विकास कार्यक्रम भी शामिल है। इसके अलावा, भारतीय दर्शनशास्त्र अनुसार जीवन, सफलता और असफलता, जीने का प्राकृतिक ढंग पर एक श्रृंखला व्याख्यान, विज्ञान और प्रौद्योगिकी और समाज पर प्रेरक व्याख्यान का आयोजन किया जाता है। कार्यक्रम में टीम निर्माण क्षमता, रचनात्मकता एवं नेतृत्व विकसित करने में छात्रों की मदद, स्वतंत्र सोच, तनाव प्रबंधन और मन पर नियंत्रण करने के हमारे उद्देश्य के अनुरूप था। संस्थान एक स्वस्थ और सक्रिय जीवन शैली के लिए, छात्रों को जीवन कौशल पर व्याख्यान, साइकिल संस्कृति, योग, अपनाने पर जोर देता है।

**अनुसंधान और विकास गतिविधियाँ:**

अनुसंधान और विकास गतिविधियों ने समय के साथ तेजी से प्रगति की है और पिछले एक साल में काफी प्रगति हुई है। विभिन्न वित्त पोषण एजेंसियों द्वारा वर्ष (2018-19) के दौरान संस्थान को लगभग रुपये 20.37 करोड़ की कुल 72 प्रायोजित अनुसंधान और परामर्श परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है। इन स्वीकृत परियोजनाओं के अलावा, संकाय सदस्यों द्वारा विभिन्न फंडिंग एजेंसियों को पिछले एक वर्ष के दौरान लगभग 70 करोड़ रुपये के 90 परियोजना प्रस्ताव प्रस्तुत किए गए हैं। हमारे संकाय सदस्यों ने एमएचआरडी की प्रमुख पहलों में भाग लिया जैसे कि इंप्रिंट, उत्तरअविष्कारयोजना (युएई), स्वच्छ कार्य योजना, फिस्ट और उन्नत भारत अभियान (युबीए)

आदि। हाल ही के कुछ उद्योग-अकादमियों के सहयोग और आरएंडडी पहल के साथ-साथ राष्ट्रीय / राज्य मिशनों से जुड़ी परियोजनाएं उद्धृत करने योग्य हैं और ये हैं:

- 17 फरवरी, 2019 को ओडिशा अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी (ओआरईडीए) के साथ एक व्यापक आधारित अनुसंधान सहयोग समझौते पर हस्ताक्षर किए गए थे, ताकि ओआरईडीए को उनके मिशन "रूप टॉप सोलर सिस्टम के लिए राज्य नीति" में तकनीक सहायता और सलाह प्रदान की जा सके।
- संयुक्त-पीएचडी की संभावना का पता लगाने के लिए ऑकलैंड विश्वविद्यालय के साथ एक अंतरराष्ट्रीय शोध पहल की गई थी, जो संभावित संस्थानों जैसे कि सिविल और पर्यावरण इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रिकल और कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग कार्यक्रम, इंटरनशिप और सहयोगी अनुसंधान परियोजनाओं आदि में दो संस्थानों के बीच शैक्षिक आदान-प्रदान और सहयोग के लिए किया गया था।
- मैटलर्जिकल इंजीनियरिंग मैटेरियल्स साइंस एंड इंजीनियरिंग और मैकेनिकल इंजीनियरिंग के दो क्षेत्रों के बीच सहयोगात्मक अनुसंधान और ज्ञान और तकनीकी ज्ञान का आदान-प्रदान को बढ़ावा देने के लिए 13 अप्रैल 2019 को सीएसआईआर-मिनरल्स एंड मैटेरियल्स टेक्नोलॉजी (आईएमएमटी) भुवनेश्वर के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

#### अनुसंधान प्रकाशन और पेटेंट:

पिछले वर्ष (2018) के दौरान संस्थान ने 578 से अधिक शोध पत्र प्रकाशित करके नया ज्ञान बनाने में योगदान दिया, जिसमें राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं के 436 शोध पत्र और उच्च प्रभाव कारक 9 बुक-चैप्टर और 133 पेपर भारत और विदेशों के विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रस्तुत किया गया था और 4 पेटेंट दायर किए गए हैं।

#### सहयोगात्मक अनुसंधान:

संस्थान बहुत सक्रिय रूप से दुनिया भर के कई प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों और अनुसंधान संगठनों के साथ सहयोगात्मक अनुसंधान में लगा हुआ है। कुछ सहयोगी विश्वविद्यालयों में शामिल हैं, पश्चिमी ओंटारियो विश्वविद्यालय, लंदन; मैसाचुसेट्स डार्टमाउथ विश्वविद्यालय; उत्तरी टेक्सास विश्वविद्यालय, संयुक्त राज्य अमेरिका; वारविक विश्वविद्यालय, ब्रिटेन के वारविक विनिर्माण समूह (डब्ल्यूएमजी); बफेल विश्वविद्यालय एक न्यूयॉर्क राज्य विश्वविद्यालय, संयुक्त राज्य अमेरिका (SUNYAB); डॉ. दाश फाउंडेशन, यूएसए; यांत्रिकी निर्माण के इंजीनियरिंग केंद्र, शंघाई जिओ टोंग विश्वविद्यालय, चीन; होहेनहेम विश्वविद्यालय, जर्मनी; ऑकलैंड विश्वविद्यालय और कई अन्य प्रतिष्ठित संयुक्त अनुसंधान, छात्र इंटरनशिप और संकाय के दौरे के लिए लगभग 52 संकाय सदस्यों और 6 छात्रों ने विदेशी देशों का दौरा किया। संस्थान में शैक्षणिक, अनुसंधान और अन्य सहयोगी कार्यक्रमों के लिए प्रतिष्ठित आगंतुकों की संख्या भी असंख्य थी।

#### संकाय मामलों:

प्रशंसित विश्वविद्यालयों में भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर के बारे में मूल्यांकन: निदेशक, प्रो.आर.वी.राजकुमार के नेतृत्व में संकयधक्षों की एक टीम ने मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमआईटी), स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी, दक्षिण कलिफोर्निया यूनिवर्सिटी, हार्वर्ड विश्वविद्यालय, प्रिंसटन विश्वविद्यालय, ऑस्टिन में टेक्सास विश्वविद्यालय, आर्लिंगटन, कॉलेज स्टेशन और रटगर्स विश्वविद्यालय जैसे कुछ प्रतिष्ठित और अत्यधिक प्रशंसित विश्वविद्यालयों /संस्थानों का दौरा किया और डॉक्टरल छात्रों और पोस्ट-डॉक्टरल उम्मीदवारों को संबोधित किया जिसका

उद्देश्य भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर में संकाय के पदों के लिए आवेदन आमंत्रित करने और उपलब्ध स्रोतों से गुणवत्ता संकाय की भर्ती की संभावना का पता लगाना था और इसके लिए इस टीम ने इन संस्थानों के कुछ प्रोवोस्ट/ डीन / अन्य वरिष्ठ प्रोफेसरों के साथ बातचीत की। इस सहयोगी अनुसंधान और शैक्षणिक गतिविधियां जो 26.07.2019 से 07.08.2019 तक की थीं को बोर्ड के 31 वीं बैठक जो 09.07.2018 को आयोजित हुई थीं में अनुमोदित थी।

### छात्र गतिविधियाँ:

सामाजिक - सांस्कृतिक और खेल प्रतियोगिताओं में छात्रों द्वारा ईनाम और पुरस्कार जीते: तकनीकी और सामाजिक-सांस्कृतिक परिषदों के समाजों ने कई प्रतियोगिताओं में भाग लिया और भुवनेश्वर और उसके आसपास की प्रतियोगिताओं में जीत हासिल की और संस्थान को गौरवान्वित किया। इंटर भा.प्रौ.सं. स्पोर्ट्स मीट, इंटर भा.प्रौ.सं. कल्चरल मीट और इंटर भा.प्रौ.सं. टेक मीट के नतीजों में जबरदस्त सुधार हुआ है। संस्थान में बनाई गई नवीन शिक्षण उत्कृष्टता ने परिणाम देने शुरू कर दिए। छात्र समूहों ने सम्मेलनों सहित संस्थागत प्रतियोगिताओं में कई पुरस्कार जीते जो निम्नलिखित हैं :

- टीम प्रज्वला ने प्रतिष्ठित एनआरडीसी नेशनल बर्डिंग इनोवेटर्स अवार्ड - 2018 जीता। साथ ही टाटा कम्युनिकेशंस द्वारा आयोजित ग्रैंड इंडिया आईओटी इनोवेशन चैलेंज भी जीता। स्मार्टइंडिया हैकाथॉन में तीसरा स्थान जीता।
- एसएमएमएमई के शिवूमेहर, गुरुदेव सिंह और हिमांशुपरिदा - ने टाटा मोटर्स द्वारा आयोजित टी-स्कूलों के लिए ग्रैंडरवर सीजन 7 के ग्रैंड फिनाले में दूसरा पुरस्कार जीता।

### आधारभूत संरचना निर्माण:

वित्तीय वर्ष 2016-17 के अंत में, एमएचआरडी, भारत सरकार ने 2500 की छात्र शक्ति के लिए सभी तरह से संस्थान को पूरी तरह से विकसित करने के लिए चरण -2 निर्माण के लिए संस्थान को रुपये 850 करोड़ मंजूर किए। संस्थान ने प्रतिस्पर्धी बोली प्रक्रिया के माध्यम से एनबीसीसी को पीएमसी के रूप में चुना और इसके लिए बहुत सावधानीपूर्वक नियोजन प्रक्रिया की चरण - 2 भवनों का शीघ्र आरंभ और पूर्ण होना था। मास्टर प्लान में कई सुधार किए गए हैं जिनमें शैक्षणिक और आवासी स्पाइन सृजन भी शामिल है।

छात्रों के आवास की तत्काल आवश्यकता को पूरा करने के लिए, अप्रैल 2017 में एक नए बॉयज हॉस्टल (800 सीटर) और एक गर्ल्स हॉस्टल (400 सीटर) के निर्माण को अन्य कार्यों से पहले सम्मानित किया गया था और यह अक्टूबर 2018 तक पूरा होने वाला था। इमारतें लगभग पूरी हो चुकी, 15 जुलाई 2019 को इनका उद्घाटन किया गया था और छात्रों को 17 जुलाई 2019 से आंशिक (आधा) समायोजित किया गया था। हालांकि, देर के बावजूद इन दोनों छात्रावासों को 30 सितंबर 2019 तक सभी मामलों में पूरा किया जाना है।

मेसर्स सिम्प्लेक्स इन्फ्रास्ट्रक्चर द्वारा नवंबर 2017 से निम्नलिखित प्रमुख इमारतों और भवनों का निर्माण शुरू हो गया है। फरवरी 2019 को पूरा करने की निर्धारित तिथि थी जो ठेकेदार द्वारा अपर्याप्त कार्यबल पावर तैनाती और एनबीसीसी से कुछ अप्रभावी होने के कारण देरी हुई। इन इमारतों का अधिकांश हिस्सा मार्च-जून 2020 तक पूरा होने की उम्मीद है।

हालांकि फरवरी 2019 को पूरा करने की निर्धारित तिथि थी, ठेकेदार द्वारा काम की धीमी प्रगति के कारण जून 2020 तक पूरा होने की उम्मीद है।

दक्षता हॉस्टल का निर्माण, एसआईएफ बिल्डिंग का विस्तार, एसबीएस बिल्डिंग का विस्तार और एसएमएस बिल्डिंग का विस्तार नवंबर 2019 में पूरा होने की निर्धारित तिथि के साथ मेसर्स श्रीजिकृपा प्रोजेक्ट्स लिमिटेड

द्वारा प्रगति पर है। मेसर्स ललितेन्दु सतपथी द्वारा सीवरेज लाइन नेटवर्क का काम चल रहा है। पूरा होने की निर्धारित तिथि जुलाई 2019 थी। कार्य प्रगति बहुत धीमी है और नवंबर 2019 तक पूरा होने की उम्मीद है।

उपर्युक्त कार्य के अलावा, निम्नलिखित कार्यों को पूर्ण परिसर विकसित करने के लिए शुरू किया गया है: बाहरी विकास कार्य जिसमें शामिल हैं

- मैदान, प्ले कोर्ट, सड़क, फुटपाथ, नालियां, ओपन एयर थिएटर, पार्किंग और भूनिर्माण,
- एससीएडीए के साथ सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) प्रणाली।

बाह्य विकास कार्यों को मेसर्स श्रीत्रिकृपा परियोजना लिमिटेड.को प्रदान किया जाता है। प्रारंभ होने की तिथि और पूर्ण होने की निर्धारित तिथि क्रमशः मार्च 2019 और दिसंबर 2019 है और समय से पूरा होने की उम्मीद है।

निर्माण कार्यों में देरी हुई है जिसके कारण आक्रामक योजनाबद्ध विकास के लिए अपनी योजनाओं को लागू करने में भा.प्रौ.सं. को प्रभावित किया है।

#### ग्रीन कैंपस पहल:

भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर ने परिसर को पारिस्थिति के अनुकूल बनाने के लिए निम्नलिखित हरित परिसर पहल को अपनाया:

**वृक्षारोपण पहल:** भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर का मानना है कि स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए प्रकृति का पोषण सबसे अच्छा तरीका है। इसलिए, हमने परिसर में उत्कृष्ट परिदृश्य और हरियाली बनाए रखते हुए एक सकारात्मक, कल्याण और रचनात्मक वातावरण बनाया। पिछले तीन वर्षों के दौरान 30,000 से अधिक पेड़ लगाए गए हैं। विदेशी और देशी सदाबहार और पर्णपाती फूल विदेशी और प्रवासी पक्षियों को आकर्षित करने के लिए स्वस्थ इको-सिस्टम बनाने के लिए पेड़ों और पौधों को चुना गया था। वायुमंडल में ऑक्सीजन और कार्बन डाइऑक्साइड के बीच संतुलन बनाए रखने में मदद करने के लिए हमारे परिसर की चारदीवारी के साथ विशाल सागौन वृक्षारोपण पूरा किया गया था।

**साइकिल फ्रेंडली कैम्पस इनिशिएटिव:** भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर ने छात्रों द्वारा पावर वाहन के उपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया और छात्रों, शिक्षकों, कर्मचारियों और समुदाय के स्वास्थ्य लाभ को बढ़ावा देने और पर्यावरणीय जोखिम कारकों को नियंत्रित करने के लिए "साइकिलिंग संस्कृति" को शामिल किया गया | संस्थान ने "साइकिल फ्रेंडली कैम्पस" बनाने के लिए साइकिल इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट प्लान की शुरुआत की है और विद्यापीठों एवं छात्रावासों के बीच साइकिल की सवारी के लिए सुविधाजनक ट्री लाइनेड साइकिल पथ, और प्रत्येक भवन में साइकिल पार्किंग बुनियादी ढांचे के निर्माण की पहल की है।

**ऊर्जा-संचयन पहल:** भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर ने कार्बन के पदचिह्न और पारंपरिक स्रोतों पर निर्भरता को कम करने के लिए मौजूदा इमारत की छत पर 0.49 मेगावाट की क्षमता के साथ एक सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित और चालू किया। यह सुविधा मई 2019 में आये फोनी तूफान दौरान पूरी तरह से उड़ गया | भा.प्रौ.सं. इसे चालू करने वाली एजेंसी मेसर्स एस. आर. कॉर्पोरेट से उनके अपने खर्चे ऑफ़ पुनः स्थापित करने के प्रयास कर रहा है क्योंकि यह उनकी खराब कारीगरी का नतीजा था जो 185 की.मी. से कम हवा को बर्दास्त नहीं कर पाया जबकि भा.प्रौ.सं. की आवश्यकता अनुसार उनका वादा 200 की.मी. की हवा को बर्दास्त करना था |



**जल-संचयन पहल:** भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर ने छत पर वर्षा जल संचयन और सतही वर्षा जल संचयन संरचना का निर्माण शुरू किया है, और परिसर को शून्य-निर्वहन बनाने के लिए एक अपशिष्ट प्रबंधन प्रणाली और अपशिष्ट जल पनाह भरण प्लांट की स्थापना की है।

**ग्रीन बिल्डिंग:** इमारतें गृह (इंटीग्रेटेड हैबिटेट असेसमेंट के लिए ग्रीन रेटिंग) 4 और 5 की तहत हैं। भवन निर्माण का कार्य फ्लाइ ऐश ब्लॉकों का उपयोग किया जाता है जो न केवल पर्यावरण के अनुकूल होते हैं, बल्कि भवन को ठंडा और स्वच्छ रखते हैं।

**पर्यावरण के अनुकूल अपशिष्ट निपटान:** भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर ने बायोडिग्रेडेबल और गैर-बायोडिग्रेडेबल श्रेणियों के साथ डस्टबिन तैनात किए।

**पूर्व छात्र गतिविधियाँ:** संस्थान में पूर्व छात्र और अंतर्राष्ट्रीय संबंध कार्यालय पूर्व छात्रों के लिए बाह्य -सामने की खिड़की के रूप में कार्य करता है जो संस्थान की कई सुविधाओं और सेवाओं का विस्तार पूर्व छात्रों के लिए करता है। भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर ने पूर्व छात्र डेटाबेस तैयार किया है जो सभी पूर्व छात्रों को आपस में जोड़े रखने की कड़ी है।

पूर्व छात्र परिषद् ने 12 से 14 अप्रैल, 2019 तक स्थायी परिसर में दूसरा पूर्व छात्रों की बैठक का आयोजन किया है, जिसके दौरान कई पूर्व छात्रों ने नए स्थाई परिसर को देखा और संकायों के साथ बातचीत की। अमेरिका और ब्रिटेन के प्रवासी पूर्व छात्र वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए इस सम्मलेन से जुड़े। पूर्व छात्रों की एसोसिएशन ने पूर्व छात्रों की वेबसाइट और द्वि-वार्षिक समाचार पत्र, स्पेगेटी 'को सफलतापूर्वक लॉन्च किया। एलुमनी सेल के साथ, पूर्व छात्रों की एसोसिएशन ने 'आस्क योर एलुमनी' श्रृंखला शुरू की, जो पहले से ही हमारे प्रमुख पूर्व छात्रों जिसमें श्री अरविंद शंका भी शामिल हैं, हाल ही में फोर्ब्स 30 के तहत 30 एशिया के लिए नामांकित, से सीधे छात्रों के साथ बातचीत हुई। इसके अलावा पूर्व छात्र सेल ने छात्रों के लिए 'मेंटरशीप' कार्यक्रम का आगाज किया ताकि छात्र उनके ज्ञान एवं अनुभव से सीख सकें और वेबसाइट पर उपलब्ध पूर्व छात्रों का अनुभव जान सकें। संस्थान के अस्तित्व के कुछ ही समय के भीतर कुछ पूर्व छात्रों का चयन भारतीय प्रशासनिक सेवाओं और भारतीय इंजीनियरिंग सेवाओं में हो गए हैं। हमारे 15 से अधिक पूर्व छात्रों ने अपने स्वयं के स्टार्ट-अप की स्थापना की। बड़ी संख्या में हमारे पूर्व छात्र विदेशों के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में उच्च अध्ययन कर रहे हैं।

#### उद्यमिता और स्टार्टअप गतिविधि:

भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर अपने छात्रों के बीच उद्यमिता संस्कृति के पोषण के अपने लक्ष्य के लिए प्रतिबद्ध है।

**ई सेल गतिविधियाँ:** भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर का ई सेल प्रौद्योगिकी इनक्यूबेटर चलाता है और कार्यशालाओं, वार्ता, पैनल चर्चा और प्रतियोगिताओं के माध्यम से छात्रों को अपनी उद्यमशीलता क्षमताओं को समृद्ध करने और बढ़ाने के लिए बहुत आवश्यक मंच प्रदान करता है। 18-20 जनवरी, 2019 के दौरान आयोजित ई-शिखर सम्मेलन, ई सेल के 3 दिवसीय प्रमुख कार्यक्रम में प्रेरक वार्ता सहित कई उल्लेखनीय गतिविधियाँ देखी गईं। इसके अलावा, देश भर में विभिन्न कॉलेजों में प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया और 150 प्रतिभागियों को ई-समिट 19 में भाग लेने के लिए शॉर्टलिस्ट किया गया।

**एमएसएमई, ओडिशा के लिए नोडल एजेंसी:** स्टार्टअप ओडिशा की पहल को बढ़ावा देने के लिए भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर को एमएसएमई विभाग, ओडिशा सरकार द्वारा एक नोडल एजेंसी के रूप में नामित किया गया है।

#### प्रौद्योगिकी ऊष्मायन केंद्र गतिविधियां

ई-सेल संस्थान के प्रौद्योगिकी उद्भवन केन्द्र की भी देखरेख करता है, जो अंतिम वर्ष के छात्रों और शिक्षकों को उनकी तकनीकी को समझने और उन्हें उद्भवन विचारों को व्यावहारिक उत्पादों में बदलने में मदद करता है। यह गतिविधि 2016 में शुरू की गई थी, वर्ष 2018-19 में भी, छात्रों और संकाय सदस्यों ने टीआईसी के तहत वित्त पोषण के लिए आवेदन किया था और मेटल फोम और बायोफ्यूल के क्षेत्रों में कार्यशील उत्पाद / तकनीक सम्मिलित दो परियोजनाओं को चुना गया था। अन्य पहले से चल रहे एलओटी परियोजनाओं को एक वर्ष के लिए विस्तार दिया गया था।

स्टार्टअप केंद्र: भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर और उसके आस-पास नवाचार संचालित उद्यमिता की संस्कृति को विकसित करने के केंद्र के समग्र उद्देश्य के साथ भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर में एक स्टार्टअप केंद्र स्थापित किया गया है। वर्तमान में 4 स्टार्टअप इस केंद्र से जुड़े हैं।

#### अनुसंधान और उद्यमिता पार्क:

भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर ने अक्टूबर 2017 में उद्यमिता, अनुसंधान और स्टार्टअप गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर रिसर्च एंड एंटरप्रेन्योरशिप पार्क, एक सेक्शन-8 (लाभ के लिए नहीं) कंपनी चलाने के लिए रजिस्ट्रार ऑफ कंपनियों (आरओसी) से लाइसेंस और निगमन प्रमाण पत्र प्राप्त किया। ऑगमेंटेड रियलिटी और वर्चुअल रियलिटी (वीएआरओई) में उत्कृष्टता केंद्र पार्क के तहत काम कर रहा है और यह संवर्धित वास्तविकता और आभासी वास्तविकता के क्षेत्र में कई परियोजनाओं पर सक्रिय रूप से अनुसंधान कर रहा है।

#### सतत शिक्षा कार्यक्रम (सीईपी):

सतत शिक्षा भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर के आउटरीच कार्यक्रमों का एक हिस्सा है जो विज्ञान और प्रौद्योगिकी का पदोन्नति और विस्तार समाज के भलाई हेतु करने के लिए हाथ बढ़ता है, इसके अलावा शिक्षण और अनुसंधान पर मुख्य ध्यान दिया जाता है।

पिछले वर्ष के दौरान विद्वान विचारों के आदान-प्रदान और अनुसंधान सहयोग को बढ़ावा देने के लिए संस्थान द्वारा पंद्रह सम्मेलनों और कार्यशालाओं का आयोजन किया गया है। यह उल्लेख करना है कि "नेशनल फ्रंटियर्स ऑफ इंजीनियरिंग" का 13 वां वार्षिक संगोष्ठी भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर द्वारा सफलतापूर्वक आयोजित किया गया था और देश के प्रतिष्ठित शिक्षाविदों सह शोधकर्ताओं द्वारा चार विषयगत क्षेत्रों जैसे 1. संवर्धित वास्तविकता (एआर) और आभासी वास्तविकता (वीआर); 2. स्मार्ट ग्रिड; 3. सामग्री और विनिर्माण प्रौद्योगिकी में प्रगति; और 4. अगली पीढ़ी के परिवहन प्रणाली पर व्याख्यान दिया गया। भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर ने "जिला और ब्लॉक स्तर के शिक्षा अधिकारियों के क्षमता निर्माण" पर कार्यशालाओं की एक श्रृंखला के आयोजन कर स्कूली और मास शिक्षा विभाग, ओडिशा सरकार को अपना समर्थन दिया है।

#### गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम (क्यूआईपी):

अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) ने गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम (क्यूआईपी) को मंजूरी दे दी है, शैक्षणिक वर्ष 2019-20 में भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर को क्यूआईपी केंद्र के रूप में चुना गया है। "गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम" के तहत भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर ने जुलाई 2019 में इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग, मैकेनिकल इंजीनियरिंग और सिविल इंजीनियरिंग जैसे विभिन्न शाखाओं में डॉक्टरल डिग्री कार्यक्रमों के लिए डिग्री स्तर के इंजीनियरिंग संस्थानों के पांच प्रायोजित तकनीकी संकायों को भर्ती किया है।

#### ग्लोबल इनिशिएटिव ऑफ़ एकेडमिक नेटवर्क (जीआन):

भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय के फ्लैगशिप कार्यक्रमों में से एक - जीआन (अकादमिक नेटवर्क की वैश्विक पहल) की शुरुआत विदेशों से आगंतुक संकाय सदस्यों को आमंत्रित कर अल्पावधि पाठ्यक्रम देना है

और लगभग 34 ऐसे कार्यक्रमों को मंजूरी मिली है उनमें से 33 को विदेशी मूल के प्रसिद्ध प्रोफेसरों एवं विदेशी विश्वविद्यालयों में कार्यरत भारतीय मूल के नामचीन प्रोफेसरों के सहयोग से पूरा किया जा चुका है।

#### शैक्षणिक और अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए योजना सहयोग (एसपीएआरसी):

मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के फ्लैगशिप कार्यक्रमों में से एक - एसपीएआरसी (शैक्षणिक और अनुसंधान को बढ़ावा देने और सहयोग के लिए योजना) | इस योजना का मुख्य उद्देश्य भारत में शोध वातावरण को बढ़ाना एवं भारत के उच्च रैंक संस्थान एवं विदेश के उच्च रैंक संस्थानों के बीच शैक्षणिक एवं अनुसंधान सहयोग को बढ़ावा देना है | ग्यारह प्रमुख अनुसंधान परियोजनाओं को पहले ही मंजूरी दे दी गई है और अंतर्राष्ट्रीय प्रोफेसरों ने भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर में पढ़ाना भी शुरू कर दिया है। भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर ने शोध छात्रों को इन प्रतिष्ठित विदेशी प्रोफेसरों और भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर संकाय के संयुक्त मार्गदर्शन में काम करने के लिए सुविधाओं को बढ़ाया है। इस संस्थान को दूसरी और तीसरी पीढ़ी के भा.प्रौ.सं. में सबसे बड़ी संख्या में यह योजना स्वीकृत हुई है।

**पीएम युवा:** इसके अलावा, माननीय प्रधान मंत्री की दृष्टि को क्रियान्वित करने और पीएम-यूवीए को लागू करने में योगदान देने में, भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर को 60 अनुमानित संस्थानों वाले पूर्वी क्षेत्र के लिए नोडल ई-हब के रूप में पहचाना गया है।

#### आउटरीच कार्यक्रम:

भा.प्रौ.सं. की उपस्थिति का लाभ इसके आस-पास के पिछड़े क्षेत्रों को पहुँचाने के उद्देश्य से भारत सरकार ने उन्नत भारत अभियान को स्थापित शुरू किया और भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर ने एक बहुत ही उत्साही आउटरीच कार्यक्रम शुरू हुआ। संस्थान अपने आउटरीच कार्यक्रम के तहत पिछले वर्ष के दौरान कई गतिविधियाँ का आयोजन किया जो निम्नलिखित है।

**ओपन हाउस एंड एस एंड टी प्रदर्शनी:** स्थापना दिवस (12 फरवरी) पर, संस्थान हर साल ओपन हाउस आयोजित करता है, और हाई स्कूल से लेकर पोस्ट-ग्रेजुएट छात्रों तथा जनता के लिए हर साल ज्ञान और प्रौद्योगिकी का प्रदर्शन करता है, इस वर्ष भी 250 से अधिक अनुसंधान उत्कृष्टता परियोजनाओं को भव्य रूप में प्रदर्शनी के माध्यम से बड़े पैमाने पर प्रदर्शित किया गया जिसने समाज के बड़ी संख्या (7000 – 8000) को अपनी ओर आकर्षित किया।

**भा.प्रौ.सं. रैंक्स और एस्पिरेंट्स के साथ ओपन हाउस डे और इंटरैक्टिव सेशन:** संस्थान हर साल और वर्तमान शैक्षणिक वर्ष में भी ओपन हाउस डे और इंटरैक्टिव सेशन आयोजन करता है, 18 जून 2019 को लगभग 150 उम्मीदवारों और रैंक धारकों ने भा.प्रौ.सं. शिक्षा और प्रवेश की प्रक्रिया के बारे में ज्ञानवर्धक सत्र में भाग लिया।

**उन्नत भारत अभियान (यूबीए) गतिविधियाँ: संस्कार वर्ग:** ये योग, रचनात्मक खेल, गीत और कहानी के साप्ताहिक सत्र हैं। इस प्रक्रिया में, बच्चों को शारीरिक, भावनात्मक और आध्यात्मिक संस्कृति का विकास करवाया जाता है।

**छात्रों को प्रयोगशाला प्रदर्शनी:** यूबीए टीम के सदस्यों द्वारा यूबीए द्वारा स्थापित विज्ञान प्रयोगशालाओं द्वारा अपने गोद लिए गए गांवों अरगुल, खुदूपुर, पोडापाडा और पादनपुर में साप्ताहिक दौरे किए जाते हैं और छात्रों को संस्थान की आधुनिक प्रयोगशालाओं में भी लाया जाता है।

**स्वास्थ्य और स्वच्छता शिविर:** डॉक्टरों ने गोद लिए गए गांवों में उपस्थित लोगों के लिए निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण किया और पर्चे के आधार पर रोगियों को मुफ्त दवाएं प्रदान की गईं। सुंदरिया उच्च प्राथमिक विद्यालय के हेड मिस्ट्रेस को एक फर्स्ट ऐड किट भेंट की गई।

**चित्रकला और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता:** एक पेंटिंग और क्विज़ प्रतियोगिता और ड्राइंग प्रतियोगिताएं दो स्तरों पर आयोजित की गयी : "भारत" थीम पर जूनियर (कक्षा IV - VI) और सीनियर (कक्षा VII - VIII)।

**वृक्षारोपण अभियान:** संस्थान में ग्रीन कैंपस ड्राइव के अलावा, ग्रीन इंडिया बनाने के लिए, विशेष रूप से चक्रवात फैनी के बाद हमारे आसपास के हरियाली बनाने के लिए, हमारे संस्थान ने कई वृक्षों को यूवीए और बागवानी विभाग के सहयोग से अरगुल गाँव में विभिन्न पौध किस्मों जैसे कि नीम, बाबुल, बहला, आम, सीशू, देवदू, कृष्णछुड़ा आदि को लगाकर वृक्षारोपण अभियान चलाया।

**विज्ञानज्योति कार्यक्रम:** विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) की एक पहल, विज्ञान प्रौद्योगिकी के लिए इंटरमीडिएट की शिक्षा प्राप्त छात्राओं में उत्साह बढ़ाने और इंजीनियरिंग में गर्ल्स स्टूडेंट्स की शिक्षा को बढ़ावा देने में संस्थान ने एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

**स्वच्छ भारत कार्यक्रम:** स्वच्छ भारत के तहत स्वच्छ भारत बनाने के भारत के प्रधान मंत्री की पहल के अंतर्गत, संस्थान सच्ची भावना और सावधानी पूर्वक कार्रवाई कर पालन करता है, यह छात्र फ्लैगशिप कार्यक्रम एनएसएस गतिविधि के तहत एक अनिवार्य कार्यक्रम है।

**एक भारत श्रेष्ठ भारत (ईबीएसबी):** संस्थान ने बड़ी संख्या में छात्रों, कर्मचारियों और संकायों की भागीदारी के साथ राज्यों के सांस्कृतिक पहलुओं को प्रदर्शित करने के लिए देश के दो राज्यों की जोड़ी के सभी आयोजन किए, जिसे मानव संसाधन विकास मंत्रालय (एमएचआरडी), नई दिल्ली द्वारा बहुत सराहा गया है।

**ईशान विकास कार्यक्रम:** संस्थान में तीन सप्ताह के कार्यक्रम को कार्यशाला के माध्यम से उत्तर-पूर्व क्षेत्र के छात्रों को उच्च स्तर की शिक्षा एवं उत्कृष्टता के लिए प्रोत्साहित किया गया, और इसके द्वारा क्षेत्र की प्रतिभा और सांस्कृतिक पहलुओं को भी दूसरों को दिखाया गया।

**कैरियर डेवलपमेंट सेल (सीडीसी):** 2018-19 में कैंपस प्लेसमेंट के लिए भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर में आने वाले नए रिक्तर्स में बहुत महत्वपूर्ण वृद्धि, के अलावा पिछले वर्ष के अधिकांश रिक्तर्स के दोहराए जाने के लिहाज से महत्वपूर्ण रहा है, जो हमारे छात्रों की गुणवत्ता में आस्था/विश्वास का संकेत देते हैं।

**निम्नलिखितनुसार प्लेसमेंट सीजन 2018-19 की मुख्य विशेषताएं हैं :**

- यूजी के कुल 121 छात्रों को नियुक्ति प्रस्ताव मिले।
- अंडरग्रेजुएट प्लेसमेंट लगभग 90% है।
- प्रति वर्ष उच्चतम घरेलू सीटीसी की पेशकश 39.02 लाख थी।
- एम.टेक के करीब 70% छात्र को नियुक्ति मिली।
- संस्थान द्वारा सभी भा.प्रौ.सं. के बीच नौकरी के उच्चतम प्रस्ताव मुख्य उद्योगों से प्राप्त हुए हैं।
- 2018-19 कैंपस ड्राइव में लगभग 70 कंपनियों ने भाग लिया है।
- यूजी के लिए औसत वेतन 11.44 लाख प्रति वर्ष है।

- ईसरो,आईओसीएल,एनसीसीबीएम जैसे पीएसयू ने कैंपस प्लेसमेंट में भाग लिया।
- इस वर्ष गोल्डमैन सचस, जीई इंडिया, हनीवेल, मारुति सुजुकी, महिंद्रा एंड महिंद्रा, इंफोसिस, टीसीएस आरएंडडी, एडोब, टाटा बीएसएल जैसी एमएनसी कंपनियों ने प्लेसमेंट में भाग लिया।
- "तीसरे वर्ष के छात्रों को अमेज़न, गोल्डमैन सचस,गो जेक, माइक्रोसॉफ्ट, एमएक्यू सॉफ्टवेयर, मैथवर्क्स,इट्रियम, जिंदल स्टेनलेस, टाटा स्टील, विप्रो जैसे प्रतिष्ठित उद्योगों से इंटरनशिप की पेशकश मिली है।उनमें से कई आरएंडडी संगठनों जैसे एटीआरईई,बीएआरसी,टीसीएस और आईओडब्ल्यू स्टेट यूनिवर्सिटी, सिंगापुर यूनिवर्सिटी, शंघाई जिओ टोंग यूनिवर्सिटी जैसे विदेशी विश्वविद्यालय के इंटरनशिप में लगे हुए हैं।

### प्रतिष्ठित आगंतुक:

विभिन्न हस्तियों की एक असंख्य संख्या ने विभिन्न अवसरों पर संस्थान का दौरा किया और संकाय, छात्रों और कर्मचारियों को संबोधित किया। परिसर में 75 से अधिक गणमान्य व्यक्तियों ने दौरा किया।

### महिला कल्याण समिति (डब्ल्यूडब्ल्यूसी):

डब्ल्यूडब्ल्यूसी,भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर ने क्रमशः 9 और 22 नवंबर 2018 को "वर्कप्लेस एट वुमन एट वर्कप्लेस एक्ट 2013" और "राइट्स ऑफ वर्किंग वुमन" पर एक कार्यशाला आयोजित की। कार्यक्रमों के लिए संसाधन व्यक्ति थे, नम्रता चड्ढा (सोशल वर्कर, आईसीसी के सदस्य, भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर), वकील रलाक्ष्मी दास (बाल कल्याण समिति, ओडिशा की सदस्य) और सलाहकार स्नेहांजलि मोहांती (सदस्य, ओडिशा राज्य महिला आयोग)। डब्ल्यूडब्ल्यूसी द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस समारोह -2019 के एक भाग के रूप में तीन दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में "रिश्तों को संभालने" पर व्याख्यान के साथ-साथ थीम आधारित प्रतियोगिताएं शामिल थीं। सुश्री अमृता दास आईपीएस, (सहायक निदेशक, सरदार वल्लभभाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस अकादमी हैदराबाद) ने महिला दिवस समारोह को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित किया।

**कंप्यूटर और आईटी सेवा सेल (सीआईटीएससी):**सीआईटीएससी टीम ने भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर में सभी कार्यक्रमों/ पाठ्यक्रमों के लिए कक्षा में छात्रों की उपस्थिति लेने के लिए बायोमेट्रिक उपस्थिति प्रणाली लागू की। अरगुल में भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर स्थायी परिसर में आवासीय क्षेत्रों (फैकल्टी क्वार्टर) के लिए विस्तारित एकीकृत संचार प्रणाली (टेलीफोन एक्सचेंज) की सुविधा। सीआईटीएससी ने भी भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर स्थायी परिसर में कैम्पस एरिया नेटवर्क के दूसरे चरण की योजना बनाई, जिसे जल्द ही लागू किया जाना है। सीआईटीएससी इन-हाउस टीम ने भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर के लिए अतिरिक्त एंटरप्राइज रिसोर्स प्लानिंग मॉड्यूल विकसित और कार्यान्वित किया।

### वर्ष के स्नातक:

मुझे यह घोषणा करते हुए बहुत खुशी हो रही है कि इस वर्ष के दीक्षांत समारोह में, 152 बी.टेक, 105 एम.टेक, 67 एम.एससी., और 32 पीएचडी छात्रों को उनकी डिग्री प्राप्त हुई, कुल 356, जो पिछले वर्ष की तुलना में काफी अधिक संख्या है। पिछले वर्षों में प्रति वर्ष उत्पादित पीएचडी छात्रों के दोगुने से अधिक बढ़ोतरी संतोषजनक है और मैं यह आश्वासन देना चाहूंगा कि आने वाले दो वर्षों के भीतर यह दोगुना हो जाएगा।

**अन्य गतिविधियां:**

संस्थान ने 73 वें स्वतंत्रता दिवस, 70 वें गणतंत्र दिवस, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, अभियंता दिवस, सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2018, यूनिटी रन, शहीद दिवस, मातृभाषा दिवस, राष्ट्रीय विज्ञान दिवस, आतंकवाद-विरोधी दिवस, रक्तदान शिविर, चिकित्सा जैसे कई कार्यक्रमों का अवलोकन और जश्न मनाया। चेक-अप कैंप, सिस्टम एब्यूज पर कार्यक्रम, सेंटर ऑफ़ एकसीलेस पर मीडिया का दौरा, विश्व दूरसंचार और सूचना सोसायटी दिवस पर कार्यशाला के अलावा नियमित राष्ट्रीय कार्यक्रम में बड़ी मात्र में छात्रों, संकाय सदस्यों और कर्मचारियों ने भाग लिया।

**आभार :**

यह संस्थान और इसकी संपूर्ण गतिविधियाँ सभी हितधारकों - हमारे संकाय, छात्रों और स्टाफ; एजेंसियों और अन्य संगठनों और हमारे पूर्व छात्रों, आर एंड डी और कंसल्टेंसी प्रोजेक्ट पेशेवरों, प्रायोजित करने वाले उद्योगों की पूर्ण भागीदारी और समर्थन के बिना हासिल नहीं की जा सकती थीं। यह संस्थान मानव संसाधन विकास मंत्रालय भारत सरकार उसके निरंतर प्रोत्साहन और समर्थन के लिए को आभार प्रकट करता है।

इससे पहले कि मैं समाप्त करूं, मैं सभी स्नातक छात्रों, पुरस्कार विजेता और पदक विजेताओं को बधाई देता हूँ और उनके जीवन में सभी खुशी, पेशेवर सफलता और पूर्णता की कामना करता हूँ।

जय हिन्द!

प्रो. आर. वी. राजकुमार  
21 अक्टूबर 2019

## अधिशाली मंडल

### अध्यक्ष

श्री पंकज रमनभाई पटेल  
अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक  
कैडिला हेल्थकेयर लिमिटेड, अहमदाबाद  
(10.02.2019 तक)



प्रो. रत्नम वी. राजकुमार  
निदेशक, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भुवनेश्वर  
(11.02.2019 से)



### सदस्य

प्रो. रत्नम वी. राजकुमार  
निदेशक, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भुवनेश्वर



प्रो. एस. परशुरामन  
निदेशक, टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ़ सोशल साइंसेज, मुंबई,  
(05.03.2019 से)



प्रो. रामकृष्ण रामास्वामी  
भौतिक विज्ञान विद्यापीठ  
जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय,  
नई दिल्ली, (05.03.2019 से)



श्री रविंद्र नाथ नायक  
पूर्व सीएमडी, पावरग्रिड कार्पोरेशन ऑफ़ इंडिया  
लिमिटेड, गुडगाँव, (05.03.2019 से)





**प्रो. आर के पंडा**

प्रध्यापक, आधारिक सरंचना विद्यापीठ  
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भुवनेश्वर



**श्री संजय कुमार सिंह, आईएएस**

प्रमुख सचिव  
अयुक्त-सह-सचिव, कौशल विकास और तकनीकी शिक्षा  
ओडिशा सरकार भुवनेश्वर



**डॉ. एस.एस.संधू, आईएएस**

अतिरिक्त सचिव(टीई)  
मानव संसाधन विकास मंत्रालय, नई दिल्ली  
(06.03.2019 से)



**कोमोडोर वी.के.जेटली,**

आईएनस(अवकाश प्राप्त), अध्यक्ष, सी-क्यूब कंसल्टेंट्स, सी-  
क्यूब कांडक्ट्स प्रोग्राम्स इन बिज़नेस, उत्कृष्टता, ई दिल्ली-  
110077, (06.03.2019 से)



**डॉ.वी के तिवारी**

प्रोफेसर एवं भूतपूर्व प्रमुख  
(यंत्रसमूह व्यवस्था, श्रमदक्षता शास्त्र एवं सुरक्षा साधन),  
कृषि और खाद्य इंजीनियरिंग विभाग और ग्रामीण विकास  
केंद्र, भा.प्रौ.सं. खड़गपुर, (06.03.2019 से)



**प्रो.वी.आर.पेदिरेद्दी**

प्राध्यापक, आधारीय विज्ञान विद्यापीठ  
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भुवनेश्वर



**सचिव**

**श्री देबराज रथ**

कुलसचिव (प्रभारी)  
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भुवनेश्वर





## वित्त समिति

### अध्यक्ष

श्री पंकज रमनभाई पटेल  
अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक  
कैडिला हेल्थकेयर लिमिटेड, अहमदाबाद  
(10.02.2019 से)

प्रो.रत्नम वी.राजकुमार  
निदेशक, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भुवनेश्वर  
(11.02.2019 से)

### सदस्य

प्रो.रत्नम वी.राजकुमार  
निदेशक, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भुवनेश्वर

प्रो.रामकृष्ण रामास्वामी  
भौतिक विज्ञान विद्यापीठ  
जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली  
(05.03.2019 से)

डॉ.एस.एस.संभू, आईएएस  
अतिरिक्त सचिव(टीई)  
मानव संसाधन विकास मंत्रालय, नई दिल्ली

प्रो.आर.के पंडा  
प्राध्यापक, आधारीक संरचना विद्यापीठ  
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भुवनेश्वर

सुश्री दर्शना एम डाबरल  
जेएस एवं एफए, उच्च शिक्षा विभाग  
मानव संसाधन विकास मंत्रालय  
भारत सरकार, शास्त्री भवन, नई दिल्ली

सचिव  
श्री देबराज रथ  
कुलसचिव(प्रभारी)  
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भुवनेश्वर

## निर्माण एवं कार्य समिति

### अध्यक्ष

प्रो.रत्नम वी.राजकुमार  
निदेशक, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भुवनेश्वर

### सदस्य

श्री एस.आर.सेठी  
मुख्य अभियंता, भवन  
पीडब्लूडी, ओडिशा सरकार, भुवनेश्वर

प्रो.आर.के पंडा  
प्राध्यापक, आधारीक संरचना विद्यापीठ  
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भुवनेश्वर

श्री आर.के.शमी  
मुख्य अभियंता, सीपीडब्लूडी, पोखारिपुट, भुवनेश्वर

डॉ.प्रशांत कुमार साहु  
अध्यक्ष, विद्युत विज्ञान विद्यापीठ  
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भुवनेश्वर

श्री.एस.साहु  
वरिष्ठ महाप्रबंधक(टी), सीईएसयू,  
ओडिशा सरकार, भुवनेश्वर

सचिव  
श्री देबराज रथ  
कुलसचिव(प्रभारी)  
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भुवनेश्वर

## वरिष्ठ सभा

प्रो.आर.वी.राजकुमार	अध्यक्ष(पदेन)	निदेशक, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भुवनेश्वर
प्रो.सुजीत रॉय	सदस्य	प्रध्यापक,आधारीय विज्ञान विद्यापीठ(रसायन विज्ञान)/ अध्यक्ष एसएमएम और एमई
प्रो.प्रवास रंजन साहु	सदस्य	संकायाध्यक्ष, (शैक्षणिक मामले) 27.03.2018 से
प्रो.वी.आर.पेदिरेड्डी	सदस्य	संकायाध्यक्ष,(छात्र मामले)
प्रो.एस.के.महापात्र	सदस्य	संकायाध्यक्ष,सीई/संकयध्यक्ष,एए और आईआर/ अध्यक्ष,एसएचएसएस और एम
प्रो. आर के पंडा	सदस्य	संकायाध्यक्ष,(आर एंड डी) /अध्यक्ष, आधारिक सरंचना विद्यापीठ
प्रो.एस.के.नायक	सदस्य	संकायाध्यक्ष (एफएंडपी), संकायाध्यक्ष के रूप में (एफएंडपी) (01.11.2017 से)
डॉ.टी.वी.एस.शेखर	सदस्य	अध्यक्ष, आधारीय विज्ञान विद्यापीठ
डॉ.पी.के.साहु	सदस्य	अध्यक्ष, विद्युत विज्ञान विद्यापीठ
डॉ.सत्यनारायण पाणिग्राही	सदस्य	अध्यक्ष, यांत्रिक विज्ञान विद्यापीठ
डॉ.संदीप पटनायक	सदस्य	अध्यक्ष, पृथ्वी,महासागर एवं जलवायु विज्ञान विद्यापीठ
प्रो.ब्रह्म देव	सदस्य	प्रध्यापक, शैक्षणिक समन्वयक,एमएम एवं एमई 04.01.2018 से
प्रो.पी सी पांडे	सदस्य	अभ्यागत प्रध्यापक, पृथ्वी,महासागर एवं जलवायु विज्ञान विद्यापीठ (संस्थान छोड़ दिया)
प्रो.गणपति पंडा	सदस्य	प्रध्यापक, विद्युत विज्ञान विद्यापीठ 27.03.2018 से
प्रो.यू.सी.महांती	सदस्य	अभ्यागत प्रध्यापक, पृथ्वी,महासागर एवं जलवायु विज्ञान विद्यापीठ
प्रो.वी आर यारिकलापुडी	सदस्य	अभ्यागत प्रध्यापक,आधारीय विज्ञान विद्यापीठ (गणित)
प्रो.जयंत पाल	सदस्य	अभ्यागत प्रध्यापक, विद्युत विज्ञान विद्यापीठ (18.05.2018 से कार्यमुक्त)
प्रो.अशोक कुमार कपूर	सदस्य	अभ्यागत प्रध्यापक, आधारीय विज्ञान विद्यापीठ (फिजिक्स) (31.12.2017 से कार्यमुक्त)
प्रो.प्रताप कुमार जगदेव महापात्र	सदस्य	अभ्यागत प्रध्यापक, यांत्रिक विज्ञान विद्यापीठ एवं शैक्षणिक समन्वयक,एचएसएस एवं एम (19.04.2019 से कार्यमुक्त)
प्रो.ब्रीज कुमार डिंडाव	सदस्य	अभ्यागत प्रध्यापक,खनिज,धातुकर्म और पदार्थ अभियांत्रिकी विद्यापीठ
प्रो.एच के मिश्र	सदस्य	अभ्यागत प्रध्यापक, पृथ्वी,महासागर एवं जलवायु विज्ञान विद्यापीठ
प्रो.तियान चेंग झांग	सदस्य	अभ्यागत प्रध्यापक,आधारिक सरंचना विद्यापीठ
प्रो.एन सी साहु	सदस्य	प्राध्यापक, विद्युत विज्ञान विद्यापीठ (27.03.2018 से)

प्रो.रामभट्टला जी.शास्त्री	सदस्य	अभ्यागत प्रध्यापक, पृथ्वी,महासागर एवं जलवायु विज्ञान विद्यापीठ (03.07.2018 से)
प्रो.कृष्णामाचर प्रसाद	सदस्य	अभ्यागत प्रध्यापक, विद्युत विज्ञान विद्यापीठ (16.07.2018 से 17.12.2018 तक)
प्रो.गोदाबारिशा मिश्र	सदस्य	अभ्यागत प्रध्यापक, एचएसएस एवं एम विद्यापीठ (16.08.2018 से)
प्रो.वी.चंद्रशेखर	बाह्य सदस्य	निदेशक,एनआईएसईआर,भुवनेश्वर (23.03.2019 तक)
प्रो.गोपाल कृष्णा नायक	बाह्य सदस्य	निदेशक,आईभा.प्रौ.सं., भुवनेश्वर (23.03.2019 तक)
श्रीमती.कुमकुम महांती	बाह्य सदस्य	गीता गोविंदा चैरिटेबल ट्रस्ट, भुवनेश्वर (23.03.2019 तक)
प्रो.सुधाकर पंडा	बाह्य सदस्य	निदेशक,एनआईएसईआर,भुवनेश्वर (24.03.2019 से)
प्रो.गोपाल कृष्णा नायक	बाह्य सदस्य	निदेशक,आईभा.प्रौ.सं., भुवनेश्वर (24.03.2019 से)
प्रो.राधामाधब दाश	बाह्य सदस्य	कुलपति,श्री जगन्नाथ संस्कृत विश्वविद्यालय,पूरी (24.03.2019 से)
डॉ.मनोरंजन सतपथी	बाह्य सदस्य	सह प्राध्यापक, विद्युत विज्ञान विद्यापीठ (24.03.2019 से अगले दो वर्ष के लिए नवीकरण)
डॉ.ए के ओझा	बाह्य सदस्य	सह प्राध्यापक, आधारीक विज्ञान विद्यापीठ (23.03.2019 तक)
डॉ.निहारिका महापात्र	बाह्य सदस्य	सहायक प्राध्यापक, आधारीय विज्ञान विद्यापीठ (23.03.2019 तक)
डॉ.पार्थ प्रतिम दे	बाह्य सदस्य	सहायक प्राध्यापक, आधारीक सरंचना विद्यापीठ (23.03.2019 तक)
डॉ.सूभंकर पति	बाह्य सदस्य	सहायक प्राध्यापक, एमएम एवं एमई विद्यापीठ (23.03.2019 तक)
डॉ.अमृता सतपथी	बाह्य सदस्य	सहायक प्राध्यापक, एचएसएस एंड एम विद्यापीठ (23.03.2019 तक)
डॉ.सब्यसाची पाणी	सदस्य	सहायक प्राध्यापक, आधारीय विज्ञान विद्यापीठ (24.03.2019 से)
डॉ.पुसपेंदु भुईया	सदस्य	सहायक प्राध्यापक, आधारीक सरंचना विद्यापीठ (24.03.2019 से)
डॉ.अनिमेश मंडल	सदस्य	सहायक प्राध्यापक, एचएसएस एंड एम विद्यापीठ (24.03.2019 से दो वर्ष के लिए)
डॉ.सीमा बाहिनिपति	सदस्य	सहायक प्राध्यापक, आधारीय विज्ञान विद्यापीठ (24.03.2019 से दो वर्ष के लिए)
डॉ.राजकुमार गुडुरु	सदस्य	सहायक प्राध्यापक, एचएसएस एंड एम विद्यापीठ (24.03.2019 से दो वर्ष के लिए)
डॉ.शांतनु पाल	सदस्य	सहायक प्राध्यापक, आधारीय विज्ञान विद्यापीठ/वार्डन
डॉ.एस. महापात्र	सदस्य	अध्यक्ष,जीमखाना
डॉ.राजेश रोशन दाश	सदस्य	अध्यक्ष/ सहायक प्राध्यापक, आधारीय विज्ञान विद्यापीठ
डॉ.चंद्रशेखर बाहिनिपति	सदस्य (पदेन)	अध्यक्ष, जेईई के रूप में निरंतर कार्यकाल (01.08.2018 से)

डॉ.सुभ्रांशु रंजन सामंतराय	सदस्य (पदेन)	अध्यक्ष, जीएटीई के रूप में निरंतर कार्यकाल (01.08.2018 से)
डॉ.राजन झा	सदस्य (पदेन)	अध्यक्ष, जाम के रूप में निरंतर कार्यकाल (01.08.2018 से)
डॉ. बिभूतीभूषण साहु	सदस्य	उप पुस्तकालय अध्यक्ष, केंद्रीय पुस्तकालय
श्री समीरन मंडल	सदस्य	शोधकर्ता, पृथ्वी, महासागर एवं जलवायु विज्ञान विद्यापीठ (28.02.2019 तक)
श्री.सिद्धार्थ कुमार	आमंत्रित विद्यार्थी	शोधकर्ता, एचएसएस एंड एम विद्यापीठ (01.03.2019 से )
श्री.पुनीत आर	आमंत्रित विद्यार्थी	उपाध्यक्ष, जीमखाना
श्री देबराज रथ	सचिव	कुलसचिव(प्रभारी, भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर)

**प्रशासन****निदेशक**

प्रो.रत्नम वी.राजकुमार

**संकायाध्यक्ष**

संकायाध्यक्ष (शैक्षणिक कार्य)

प्रो.प्रभास रंजन साहु

ईमेल:deanac@iitbbs.ac.in

संकायाध्यक्ष (संकाय एवं योजना)

प्रो.सरोज कुमार नायक

ईमेल:deanf@iitbbs.ac.in

संकायाध्यक्ष (अनुसंधान एवं विकास)

प्रो. आर के पंडा

ईमेल:deanrd@iitbbs.ac.in

संकायाध्यक्ष (छात्र कार्य)

प्रो.वी आर पेदिरेड्डी

ईमेल:deansa@iitbbs.ac.in

संकायाध्यक्ष (सतत शिक्षा) एवं संकायाध्यक्ष (पूर्व

छात्र कार्य एवं अंतरराष्ट्रीय संबंध)

प्रो.स्वरूप कुमार महापात्र

ईमेल:deance@iitbbs.ac.in

deanaa@iitbbs.ac.in

**विद्यापीठाध्यक्ष**

आधारीय विज्ञान विद्यापीठ

डॉ.टी.वी.एस.शेखर

ईमेल:hos.sbs@iitbbs.ac.in

पृथ्वी,महासागर एवं जलवायु विज्ञान विद्यापीठ

डॉ.संदीप पटनायक

ईमेल:hos.seoc@iitbbs.ac.in

विद्युत विज्ञान विद्यापीठ

डॉ.प्रशांत कुमार साहु

ईमेल:hos.ses@iitbbs.ac.in

मानविकी,सामाजिक विज्ञान एवं प्रबंध विद्यापीठ

प्रो.स्वरूप कुमार महापात्र

ईमेल:hos.hss@iitbbs.ac.in

आधारिक संरचना विद्यापीठ

प्रो. आर के पंडा

ईमेल:hos.sif@iitbbs.ac.in

यांत्रिक विज्ञान विद्यापीठ

डॉ.सत्यनारायण पाणिग्राही

ईमेल:hos.sms@iitbbs.ac.in

खनिज,धातुकर्म एवं पदार्थ अभियांत्रिकी विद्यापीठ

प्रो.सुजीत राँय

ईमेल:hos.smmme@iitbbs.ac.in

**अधिकारी**

श्री देबराज रथ

कुलसचिव(प्रभारी)

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भुवनेश्वर

ईमेल:registrar@iitbbs.ac.in

श्री देबराज रथ

संयुक्त कुलसचिव

ईमेल:jtregistrar@iitbbs.ac.in

श्री बिमलेंदू महांती

अधिक्षक अभियंता(सिविल)

ईमेल:se.civil@iitbbs.ac.in

डॉ बिभूतीभूषण साहु

उप पुस्तकालयाध्यक्ष

ईमेल:dylibrarian@iitbbs.ac.in

श्री मानस कुमार बेहेरा  
सहायक कुलसचिव  
ईमेल:ar.est@iitbbs.ac.in,  
ar.ce@iitbbs.ac.in

डॉ.शैलेन्द्र नारायण राउतराय  
सहायक कुलसचिव  
ईमेल:ar.rd@iitbbs.ac.in

श्री प्रदीप कुमार साहु  
सहायक कुलसचिव  
ईमेल:ar.acad@iitbbs.ac.in

श्री के.साईकिरण  
सहायक कुलसचिव  
ईमेल:saikiran@iitbbs.ac.in

श्री रवि कुमार पटनायक  
सीडीपीओ  
ईमेल:tpo.cdc@iitbbs.ac.in

डॉ.गगनदीप कौर मक्कर  
छात्र सलाहकार  
ईमेल:gagandeep@iitbbs.ac.in

श्री संकु दास, सिस्टम अभियंता  
ईमेल:sanku@iitbbs.ac.in

श्री चंद्र वाडे, प्रोग्रामर  
ईमेल:chandra@iitbbs.ac.in

श्री के रबीन कुमार डोरा  
कार्यकारी अभियंता(सिविल)  
ईमेल:rabindora@iitbbs.ac.in

श्री विश्वरंजन प्रधान  
सहायक कार्यकारी अभियंता(विद्युत)  
ईमेल:biswaranjan@iitbbs.ac.in

लेफ्टिनेंट कमांडर राज कुमार  
मुख्य सुरक्षा अधिकारी  
ईमेल:cso@iitbbs.ac.in

डॉ नब किशोर पटनायक  
चिकित्सा अधिकारी  
ईमेल:nkpatnaik@iitbbs.ac.in

डॉ मंसूर अहमद खान  
चिकित्सा अधिकारी  
ईमेल:mansoor@iitbbs.ac.in

डॉ अशिमा सरखेल, चिकित्सा अधिकारी  
ईमेल:ashimasarkhel@iitbbs.ac.in

डॉ सुभासिस नाग, चिकित्सा अधिकारी  
ईमेल:subhasish@iitbbs.ac.in

श्री प्रसन्न कुमार दास, ओएसडी(एफ एंड ए)  
ईमेल:prasanna@iitbbs.ac.in

श्री सुशांत कुमार पोद्दार  
ओएसडी(शैक्षणिक)  
ईमेल:osd.academics@iitbbs.ac.in

श्री शालीन शशिधरन नायर  
जन संपर्क अधिकारी  
ईमेल:pro@iitbbs.ac.in

दिव्या यूड्ढकॉडा  
चिकित्सा अधिकारी  
ईमेल:divyak@iitbbs.ac.in

श्री कुलमणि नायक  
ओएसडी (स्थापना)  
ईमेल:kulamani@iitbbs.ac.in

डॉ स स यादव  
ओएसडी (खेल)  
ईमेल:ssyadav@iitbbs.ac.in

## पीआईसी,अध्यक्ष,सह-समन्वयक,वार्डन और जीमखाना

क्रम संख्या	नाम,पदनाम,विद्यापीठ	पद
	<b>प्रभारी प्राधिकारी</b>	
1	डॉ.गौरव बरतरिया यांत्रिक विज्ञान विद्यापीठ	पीआईसी-ई-सेल
2	डॉ अरुण कुमार प्रधान यांत्रिक विज्ञान विद्यापीठ	पीआईसी-प्रशिक्षण एवं स्थानन (वृत्तिक विकास प्रकोष्ठ)
3	डॉ.मिहिर कुमार पंडित यांत्रिक विज्ञान विद्यापीठ	पीआईसी-अतिथि गृह
4	प्रो.वी.आर.पेदिरेद्दी आधारीय विज्ञान विद्यापीठ	पीआईसी-स्थायी परिसर
5	प्रो.वी.आर. पेदिरेद्दी आधारीय विज्ञान विद्यापीठ	पीआईसी-सुरक्षा
6	डॉ.पी.के.साहु विद्युत विज्ञान विद्यापीठ	पीआईसी-[नेटवर्क एवं सुरक्षा]
7	डॉ.आर.आर दाश आधारीय विज्ञान विद्यापीठ	पीआईसी-यातायात सेवा
8	डॉ.एम.सबरिमलाई मणिकंदन विद्युत विज्ञान विद्यापीठ	पीआईसी-बागवानी
9	डॉ.श्रीनिवास भास्कर करंकी विद्युत विज्ञान विद्यापीठ	पीआईसी-परामर्श सेवा
10	डॉ.सत्यनारायण पाणिग्राही यांत्रिक विज्ञान विद्यापीठ	पीआईसी-आईपीआर
11	डॉ.सी.एन.भेंडे विद्युत विज्ञान विद्यापीठ	पीआईसी-संस्थान की संगोष्ठी
12	डॉ. अद्वय मित्र विद्युत विज्ञान विद्यापीठ	पीआईसी-वेब सेवा
13	डॉ.बालकृष्ण पमुलापर्थी विद्युत विज्ञान विद्यापीठ	पीआईसी- विद्युत् कार्य
14	डॉ.श्रीनिवास पिनिसेटी विद्युत विज्ञान विद्यापीठ	पीआईसी-ईआरपी
15	डॉ.मनोरंजन सतपथी विद्युत विज्ञान विद्यापीठ	पीआईसी-संवर्धित वास्तविकता एवं आभासी वास्तविकता की उत्कृष्टता केंद्र
16	डॉ राज कुमार सिंह पृथ्वी,महासागर एवं जलवायु विज्ञान	पीआईसी-राजभाषा एकक
17	डॉ योगेश भुमकर यांत्रिक विज्ञान विद्यापीठ	पीआईसी-स्टार्ट अप केंद्र
18	डॉ. राजन झा आधारीय विज्ञान विद्यापीठ	पीआईसी-परीक्षा
19	डॉ. मानस एम.महापात्र यांत्रिक विज्ञान विद्यापीठ	पीआईसी-समय सारणी

20	डॉ. स. अय्यालसोमयाजुला यांत्रिक विज्ञान विद्यापीठ	पीआईसी- ईमेल व्यवस्थापक
	<b>अध्यक्ष/सभापति</b>	
21	प्रो.सुजीत रॉय आधारीय विज्ञान विद्यापीठ	अध्यक्ष-संस्थान की क्रय समिति
22	डॉ.पी.के.साहु विद्युत विज्ञान विद्यापीठ	अध्यक्ष-सीआईटीएससी
23	डॉ.भरतराम रामकुमार विद्युत विज्ञान विद्यापीठ	सहायक अध्यक्ष-सीआईटीएससी
24	डॉ.पी.आर.साहु विद्युत विज्ञान विद्यापीठ	अध्यक्ष-सीपीएम
25	डॉ.आर.आर.दाश आधारिक संरचना विद्यापीठ	अध्यक्ष- केंद्रीय पुस्तकालय
26	डॉ.मानस एम. महापात्र यांत्रिक विज्ञान विद्यापीठ	अध्यक्ष-सीआईएफ [केंद्रीय उपकरण सुविधा
27	डॉ.अनिमेष मंडल एमएम एवं एमई विद्यापीठ	सह-अध्यक्ष-सीआईएफ [केंद्रीय उपकरण सुविधा
28	डॉ.सी.भामिदिपति आधारीय विज्ञान विद्यापीठ	अध्यक्ष-जेईई
29	डॉ.राजन झा आधारीय विज्ञान विद्यापीठ	अध्यक्ष-जेएएम
30	डॉ.सुभ्रांशु रंजन सामंतराय विद्युत विज्ञान विद्यापीठ	अध्यक्ष-जीएटीई
31	डॉ.रम्या नीलान्चेरी आधारिक संरचना विद्यापीठ	अध्यक्ष-डब्लूडब्लूसी
	<b>सह-समन्वयक</b>	
32	डॉ.सूभंकर पति एमएम एवं एमई विद्यापीठ	सह-समन्वयक- शैक्षणिक मामले एवं अन्तराष्ट्रीय संबध
33	डॉ.स्नेहसिस चौधारी विद्युत विज्ञान विद्यापीठ	सह-समन्वयक-ईएए,एनएसएस प्रोग्रामस अधिकारी
34	डॉ.राजकुमार गुडुरु एचएसएस एंड एम विद्यापीठ	सह-समन्वयक-समाचारपत्र समिति
35	डॉ.सीमा बाहिनपतिमा आधारीय विज्ञान विद्यापीठ	सह-समन्वयक,युबीए कार्यक्रम
36	डॉ.ताराकांत नायक आधारीय विज्ञान विद्यापीठ	सह-समन्वयक,युबीए कार्यक्रम
37	डॉ. हनुमंत राऊ आधारिक संरचना विद्यापीठ	सह-समन्वयक-ईएए
38	प्रो.गोदाबारिशा मिश्र एचएसएस एवं एम विद्यापीठ	शैक्षणिक समन्वयक



39	प्रो.ब्रह्म देव एमएम एवं एमई विद्यापीठ	शैक्षणिक समन्वयक
	<b>वार्डन</b>	
40	डॉ शांतनु पाल आधारीय विज्ञान विद्यापीठ	वार्डन
41	डॉ.श्रीनिवास बी.करंकी विद्युत् विज्ञान विद्यापीठ	सहायक वार्डन(लडके)
42	डॉ.योगेश जी.भूमकर यांत्रिक विज्ञान विद्यापीठ	सहायक वार्डन(लडके)
43	डॉ.सौरभ सिल पृथ्वी,महासागर एवं जलवायु विज्ञान	सहायक वार्डन(लडके)
44	डॉ.भरतराम रामकुमार विद्युत् विज्ञान विद्यापीठ	सहायक वार्डन(लडके)
45	डॉ.मीनू रामदास आधारिक संरचना विद्यापीठ	सहायक वार्डन(लडकियाँ)
	<b>जीमखाना</b>	
46	डॉ.शंकरसन महापात्र विद्युत् विज्ञान विद्यापीठ	अध्यक्ष,जीमखाना
47	डॉ.कौशिक दास एमएम एवं एमई विद्यापीठ	कोषाध्यक्ष- छात्र जीमखाना
48	डॉ.एन.बी.पुहान यांत्रिक विज्ञान विद्यापीठ डॉ.तबरेज़ खान आधारीय विज्ञान विद्यापीठ	सलाहकार- विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, छात्र जीमखाना
49	डॉ.वेणुगोपाल अरुमुरु यांत्रिक विज्ञान विद्यापीठ	सलाहकार,छात्र जीमखाना की विज्ञान एवं खेल गतिविधियां
50	डॉ.मिहिर कुमार पंडित यांत्रिक विज्ञान विद्यापीठ	सलाहकार,छात्र जीमखाना की क्रय समिति
51	डॉ.वी.पंडू रंगा यांत्रिक विज्ञान विद्यापीठ	सलाहकार,छात्र जीमखाना की वित्त समिति
52	प्रो.पी.के.जे.महापात्र यांत्रिक विज्ञान विद्यापीठ	सलाहकार,छात्र जीमखाना की उद्दिता सेल [ई-सेल]
53	डॉ.अंकुर गुप्ता यांत्रिक विज्ञान विद्यापीठ	सलाहकार-संकाय

**कर्मचारी****निदेशक कार्यालय**

श्री सुरेन्द्रनाथ पात्र [सचिव]  
रमेश चन्द्र बिस्वाल [ड्राईवर]

**कुलसचिव कार्यालय**

श्री प्रदीप कुमार पटनायक [व्यक्तिगत सचिव]

**संकायाध्यक्ष (संकाय एवं योजना कार्यालय )**

श्री सत्यव्रत घोष (कनिष्ठ अधिक्षक)

**संकायाध्यक्ष सतत शिक्षा कार्यालय**

श्री मार्शल टुडू [सहायक (कनिष्ठ सहायक)]

**स्थापना अनुभाग**

श्रीमती जिगन्याषा बेहेरा (कनिष्ठ अधिक्षक)  
श्रीमती स्मृति स्मरणिका कुमार (कनिष्ठ सहायक)  
श्री अरूप कुमार पंडाब (कनिष्ठ सहायक)

**वित्त एवं लेखा अनुभाग**

अजित कुमार साहु (कनिष्ठ लेखा अधिकारी)  
श्री संबित रंजन महांती (कनिष्ठ अधिक्षक)  
श्रीमती सुहाना परवीन (कनिष्ठ लेखा अधिकारी)  
श्री रघुनाथ बेहेरा (कनिष्ठ लेखा अधिकारी)  
श्री गुरु प्रसाद साहु (कनिष्ठ लेखा अधिकारी)

**अनुसंधान एवं विकास**

श्री गिरीश कुमार पित्ता (कनिष्ठ अधिक्षक)  
श्री अनिरुद्ध बाई (कनिष्ठ अधिक्षक)

**भंडार एवं क्रय**

श्रीमती निबेदिता पटनायक (कनिष्ठ अधिक्षक)  
श्री राजसेखर बेंडी (कनिष्ठ अधिक्षक)

**शैक्षणिक अनुभाग**

श्री सत्यजीत सारंगी (कनिष्ठ अधिक्षक)  
श्री अभिमन्यू महल (कनिष्ठ अधिक्षक)  
श्री सुशांत कुमार पृष्ठि (कनिष्ठ सहायक)  
श्री गौरी शंकर मिश्र (कनिष्ठ सहायक)

**केंद्रीय पुस्तकालय**

श्रीमती संगीता साहु(वरिष्ठ पुस्तकालय सूचना सहायक)

**सीआईटीएससी**

श्री रबीनसन बेहेरा (सहयोगी नेटवर्क प्रबंधक)

**अभियांत्रिकी अनुभाग**

ईआर.दीप्ती रंजन पटनायक [कनिष्ठ अभियंता (सिविल)]  
श्री अभिषेक दास [कनिष्ठ अभियंता(विद्युत्)]  
श्री गजेन्द्र बेहेरा [कनिष्ठ अभियंता(विद्युत्)]  
श्री रुपेश कुमार प्रधान [कनिष्ठ अभियंता(सिविल)]

**छात्र जीमखाना**

श्रीमती सुनीता वर्मा [शारीरिक प्रशिक्षण प्रशिक्षक]  
श्री बिस्वजीत पेगु [शारीरिक प्रशिक्षण प्रशिक्षक]  
श्री रविंदर कुमार सागर [शारीरिक प्रशिक्षण प्रशिक्षक]

**आधारीय विज्ञान विद्यापीठ**

श्री निहार रंजन पंडा (कनिष्ठ तकनीकी अधिक्षक)  
श्री तारपडा दे (कनिष्ठ तकनीशियन)  
श्री समीर कुमार जेना (कनिष्ठ प्रयोगशाला सहायक)  
श्री नरेश कोप्पुला (कनिष्ठ प्रयोगशाला सहायक)

**विद्युत् विज्ञान विद्यापीठ**

श्रीमती मधुस्मिता दिव्यदर्शिनी महापात्र (कनिष्ठ तकनिशियन अधिक्षक)  
श्री संतोश कुमार साहु [कनिष्ठ तकनिशियन अधिक्षक]  
श्री विक्रम रंजन बेहेरा [कनिष्ठ तकनिशियन]  
श्री दिलिप कुमार बिसवाल [कनिष्ठ तकनिशियन]  
श्री बीराट केशरी नन्द [कनिष्ठ तकनिशियन ]  
श्री राजमोहन बेहेरा [कनिष्ठ तकनिशियन]  
श्री ब्रजमोहन महापात्र [जूनियर तकनीशियन]  
श्री मृणाल दत्ता [जूनियर तकनीशियन]  
श्री एस्के ताजुद्दीन अहमद [जूनियर तकनीशियन]  
श्री कृष्ण चंद्र नायक [जूनियर तकनीशियन]

**आधारिक सरंचना विद्यापीठ**

श्रीमती सुप्रियारानी महांती [कनिष्ठ तकनिशियन अधिक्षक]  
श्री समीर कुमार सेठी [कनिष्ठ तकनिशियन अधिक्षक]

**बागवानी**

श्री कमीरेड्डी विस्वेस्वारा रेड्डी [बागवान]

**केंद्रीय प्रेषण**

श्रीमती सौरावी बेहेरा (कनिष्ठ सहायक)

**चिकित्सा एकक**

प्रभावती एम [स्टाफ नर्स]

सोनिया जॉन [स्टाफ नर्स]

श्रीमती स्वर्णलता स्वाई [स्टाफ नर्स]

श्री श्रीनिबाश पाणिग्राही [फार्मासिस्ट]

**स्वास्थ्य एवं स्वच्छता एकक**

श्री प्रदीप कुमार पोद्दार [स्वच्छता निरीक्षक]

**सुरक्षा एकक**

श्री तपन कुमार महापात्र [सहायक सुरक्षा अधिकारी]

अकस्मिका सारंगी [कनिष्ठ तकनीशियन]

श्री सौभाग्य कुमार बेहेरा [कनिष्ठ तकनीशियन]

**यांत्रिकी विज्ञान विद्यापीठ**

श्री आलोक कुमार नायक [कनिष्ठ तकनीकी अधीक्षक]

श्री मलाया कुमार राउतराय [कनिष्ठ तकनीकी अधीक्षक]

श्री सिद्धार्थ विस्वाल [कनिष्ठ सहायक]

श्री दिलीप कुमार साहू [कनिष्ठ तकनीशियन]

श्री सुनील कुमार प्रधान [कनिष्ठ तकनीशियन]

श्री विभूति मोहंती [कनिष्ठ तकनीशियन]

श्री पूर्णेंदु कुमार बिसोई [कनिष्ठ तकनीशियन]

**खनिज, धातुकर्म एवं पदार्थ अभियांत्रिकी विद्यापीठ**

श्री रामकृष्ण पन्तंगी [कनिष्ठ तकनीशियन]

अधीक्षक]

सोनू कुमार गोयल [कनिष्ठ प्रयोगशाला सहायक]

## भा. प्रौ. सं. भुवनेश्वर के बारे में

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भुवनेश्वर की स्थापना भारत सरकार द्वारा 2008 में प्रौद्योगिकी संस्थान अधिनियम 1961 के तहत 2012 तक के संशोधनों के साथ की गई है। इस अधिनियम 24 मार्च 2011 को लोकसभा और 30 अप्रैल 2012 को राज्यसभा द्वारा पारित किया गया था। भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय (उच्च शिक्षा विभाग) द्वारा प्रौद्योगिकी संस्थान अधिनियम, 1961 में संशोधन की अधिसूचना के साथ 29 जून 2012 से भा. प्रौ. सं. भुवनेश्वर राष्ट्रीय महत्व का संस्थान बन गया एवं इसे भारत का राजपत्र में प्रकाशित किया गया।

संस्थान ने 22 जुलाई 2008 से भा.प्रौ.सं. खड़गपुर के परिसर से कार्य करना शुरू किया और 22 जुलाई 2009 को अपना परिचालन भुवनेश्वर शहर में स्थानांतरित किया। संस्थान ने अंतर-अनुशासनात्मक अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए विभागों के बजाय विद्यापीठों की अवधारणा को अपनाया है। वर्तमान में यहाँ 7 विद्यापीठ शैक्षणिक कार्यक्रम की पेशकश कर रहे हैं।

वर्तमान में संस्थान के शैक्षणिक कार्यक्रमों के अंतर्गत कंप्यूटर विज्ञान, सिविल, विद्युत, ईसीई, यांत्रिक आभियांत्रिकी, धातु विज्ञान और पदार्थ आभियांत्रिकी में बी टेक (ऑनर्स) शामिल हैं। संस्थान शैक्षणिक वर्ष 2016-17 से 10 छात्रों की भर्ती के साथ यांत्रिक और सिविल में संयुक्त डिग्री पाठ्यक्रम भी प्रदान कर रहा है। संस्थान 2 वर्षीय एम.एससी और एम टेक पाठ्यक्रम भी प्रदान करता है। संस्थान ने शैक्षणिक सत्र 2009-2010 से डॉक्टरेट कार्यक्रम शुरू किया और जुलाई 2012 से संयुक्त एमटेक-पीएचडी कार्यक्रम में प्रवेश की पेशकश की। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, भुवनेश्वर योजना, वास्तुकला और डिजाइन का एक नया विद्यापीठ शुरू करने की भी योजना बना रहा है। इस विद्यापीठ में तीनों विषयों में स्नातक, स्नातकोत्तर और पीएचडी कोर्स की पेशकश की जाएगी। संस्थान में कार्य करने वाला यह आठवां स्कूल होगा। वर्तमान में दो अन्य भा.प्रौ.सं. जैसे भा.प्रौ.सं. खड़गपुर और रुड़की में ऐसे पाठ्यक्रम चलता है।

यह संस्थान ने मोटे तौर पर प्रतिपालक संस्थान भा. प्रौ. सं. खड़गपुर के पाठ्यचर्या, पाठ्यक्रम, पाठ्यविवरण और अन्य शैक्षणिक विनियमों को अपनाया है। इसकी शैक्षणिक पद्धति छात्र केंद्रित और भागीदारी सीखने पर जोर देता है। शैक्षणिक कार्यक्रम एक नवोदित उद्यमी के लिए बहुत प्रासंगिक पाठ्यक्रमों से लैस हैं, पूरे संस्थान को प्रौद्योगिकी इनक्यूबेटर के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है और स्टार्ट-अप के लिए संस्थान में 40,000 वर्गफुट का क्षेत्र छात्रों के लिए उपलब्ध है।

संस्थान व्यक्तित्व निर्माण, रचनात्मकता, अभिनव मानसिकता और क्षमता को पोषण करना चाहे यह विज्ञान या प्रौद्योगिकी या प्रबंधन में हो या मानव उत्कृष्टता के अन्य क्षेत्रों में हो, आने वाले कल के नेताओं को तैयारी के उद्देश्य से समग्र शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। यह संस्थान एक युवा मन के लिए किसी भी मार्ग को चुनने और एक चुने हुए क्षेत्र में अनुसंधान करने के लिए अवसर प्रदान करने के अलावा उत्कृष्टता प्रदान करने के लिए पर्याप्त अवसर प्रदान करता है। संस्थान हरित, स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, कुशल और प्रभावी शासन, प्रभावी स्वास्थ्य सेवाएँ, सुरक्षा, समानता और आत्मज्ञान सहित एक स्वस्थ वातावरण बनाने के लिए भी प्रतिबद्ध है।

संस्थान ने शैक्षणिक सत्र 2015-16 से अरगुल स्थित अपने स्थायी परिसर से सभी शैक्षणिक कार्य शुरू कर दिया है। संस्थान का अंतिम स्थानांतरण 14 जुलाई, 2018 को की गई थी, जहाँ पद परिचालन पूरा प्रशासनिक रूप से चालू हो गया। यह संस्थान व्यक्तित्व के सभी पहलुओं- शैक्षणिक, अनुसंधान, सांस्कृतिक, खेल, नैतिक और सामाजिक जिम्मेदारी-अच्छी तरह से योग्य संकाय सदस्य, अत्याधुनिक बुनियादी सुविधाएँ प्रदान करता है जो व्यक्तित्व के सभी पहलुओं में छात्रों के कौशल समुह के तेजी से विकास के लिए एक अनुकूल वातावरण प्रदान करता है। विश्व भर में विदेशी विश्वविद्यालयों, उद्योगों और संस्थानों के साथ हमारे संस्थान के कई सहयोग छात्रों को शिक्षा, अनुसंधान और उद्योग में वैश्विक प्रवृत्तियों को उजागर करने के लिए एक अवसर प्रदान करता है। इंटरनशिप, अनुसंधान परियोजनाओं और विनिमय कार्यक्रमों के लिए राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय दोनों कार्यकाल में पर्याप्त अवसर हमारे छात्रों के बीच एक प्रमुख प्रवृत्ति रही है। पिछले 10 साल में संस्थान ने 600 छात्रों (बीटेक, एमटेक, पीएचडी, एमएससी आदि) को डिग्री प्रदान कर चुका है।

पिछले 10 वर्षों के दौरान, संस्थान के संकाय सदस्यों और छात्रों ने प्रतिष्ठित राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं और सम्मेलनों में 1850 से अधिक मूल शोध पत्र प्रकाशित करके ज्ञान बढ़ाने में योगदान दिया है। सम्मेलनों और प्रतियोगिताओं में छात्रों ने कई पुरस्कार भी जीते।

देश के शीर्ष तकनीकी संस्थानों में इस संस्थान को अच्छा स्थान दिया गया है। भा. प्रौ. सं. भुवनेश्वर को 2018 में राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) ने तकनीकी श्रेणी में 18वें स्थान पर रखा था। भा. प्रौ. सं.भुवनेश्वर को 2018 में इंडिया टुडे द्वारा भारत में 10वें स्थान पर, भारत के भीतर 2018 में आई3आरसी टाइम्स द्वारा अभियांत्रिक इंस्टीट्यूट रैंकिंग में 20वें (150 इंजीनियरिंग कॉलेजों में से), टाइम्स हायर एजुकेशन द्वारा भारत में 10वां, दुनिया भर में 601-800 रैंक (1258 संस्थानों में), भारत के भीतर 21वीं रैंक, ब्रिक्स देशों के भीतर 107 वीं रैंक, भारत के भीतर 20वीं रैंक, टाइम्स हायर एजुकेशन इमर्जिंग इकोनॉमीज यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2019 द्वारा उभरते देशों के भीतर 153 वां रैंक और भारत बेस्ट पब्लिक इंजीनियरिंग में 10वीं रैंक और भारत के सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालयों की करियर 360 पत्रिका रैंकिंग के अनुसार भारत में सार्वजनिक संस्थानों के बीच कुल 22 रैंक है और इंडिया टुडे एमडीआरए सर्वेक्षण द्वारा भारत में सरकारी श्रेणी में 9वें स्थान पर रखा गया है।

### दूरदर्शिता और लक्ष्य

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भुवनेश्वर को भा.प्रौ.सं. नाम का ब्रांड विरासत में मिला है। यह तथ्य स्वयं संस्थान पर आरोप लगाता है कि वह न केवल अपनी विरासत के योग्य हो बल्कि नवीनताओं की दिशा में एक मार्ग पटकथा लिखकर अपने दम पर विशिष्ट और प्रतिष्ठित हो। नीचे प्रस्तुत दूरदर्शिता, मिशन, लक्ष्य और रणनीतियों (लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए) और भा. प्रौ. सं. भुवनेश्वर के मूल मूल्यों के लिए विवरण हैं।

### दूरदर्शिता

"हम अपने विशिष्ट ज्ञान के लिए दुनिया में एक उच्च सम्मानित संस्थान होंगे"

### लक्ष्य

- अपने आप को एक सीखने वाले समुदाय का आकार देना- जहाँ हम काम करते हैं, सुनते हैं और एक दूसरे का सम्मान करते हैं।

- संकाय, शोधकर्ताओं और छात्रों को अनुशासन सीमाओं के पार सहक्रियात्मक रूप से काम करने के लिए प्रोत्साहित करना और सुविधा प्रदान करना।
- नवाचार और आविष्कार, डिजाइन और निर्माण और उद्यमशीलता में छात्रों में उत्साह की भावना का संचार करने के लिए बढ़ावा देना।
- रचनात्मकता और संज्ञानात्मक सोच को सुगम बनाने के लिए गतिशील, लचीला और समग्र रूप से डिजाइन किये गए पाठ्यक्रम को विकसित करना और आगे बढ़ाना।
- उद्योग और संस्थान के बीच उत्पादक भागीदारी के लिए प्रयास करना।

### लक्ष्य और रणनीतियाँ

**बौद्धिक विकास और कौशल अधिग्रहण का समर्थन करने वाले विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी शैक्षणिक कार्यक्रमों और माहौल को बढ़ावा देना**

- पाठ्यक्रम विकास और वितरण में गंभीर रूप से विश्लेषण करना और नए ज्ञान को प्रभावी ढंग से संश्लेषित करने और लागू करने की योग्यता के लिए कौशल को बढ़ावा देना।
- सीखने की प्रक्रिया में क्षेत्र, राज्य, राष्ट्र और दुनिया की बदलती जरूरतों को पूरा करना।
- एक विविध, पूरी तरह से लगे हुए, शिक्षार्थी केंद्रित परिसर वातावरण बनाना।
- अंतरराष्ट्रीय इंटरनशिप, औद्योगिक परियोजना के अवसरों, छात्र विनिमय और विदेशों में अध्ययन भागीदारी को सुविधाजनक बनाकर छात्रों की राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धात्मकता को मजबूत करना।
- खोज विज्ञान और समाधान विज्ञान पर बराबर जोर देना।
- कक्षाओं में अनुसंधान प्रारंभ करना।

### विश्व स्तरीय अंतःविषय अनुसंधान और शोध के प्रयासों का विस्तार करना

- विशिष्ट अनुसंधान कार्यक्रमों को बढ़ावा देना जो वास्तविक जीवन के साथ-साथ भविष्य के मुद्दों को संबोधित करें।
- विभिन्न विद्यापीठों के भीतर और उस में एकीकृत और सहक्रियात्मक अंतःविषय अनुसंधान को मजबूत करना।
- अर्थव्यवस्था के सभी क्षेत्रों के भागीदारों के साथ जुड़कर संस्थान के अनुसंधान आधार और समर्थित बुनियादी ढांचे को व्यापक और मजबूत करना।
- विश्व स्तरीय संकाय सदस्यों, पोस्टडॉक्टरल फेलो, डॉक्टरल और स्नातकोत्तर छात्रों के प्रतिभा का पूल बनाना।
- एक उत्कृष्ट सहायक कर्मचारी संरचना बनाएँ और नियमित रूप से उनकी दक्षताओं को अपग्रेड करना।
- विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी आधार पर बौद्धिक गुणों और प्रोटोटाइप के भंडार में खुद को विकसित करना।

**प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग के माध्यम से जीवन की गुणवत्ता में सुधार करके एक स्वस्थ समाज को बनाए रखने में समर्थन और सुदृढिकरण प्रदान करना**

- सामुदायिक संगठन और सामाजिक उद्यम को सुविधाजनक बनाने और बढ़ावा देने के लिए एक संस्थागत संरचना स्थापित करना।
- संस्थान के प्रचार संबंधी दिशा निर्देशों में सामुदायिक संबंध स्थापित करना।

- सामुदायिक विकास में संकाय और छात्रों के प्रयासों को प्रोत्साहित और पुरस्कृत करना। आधिकारिक बयानों और प्रतिलेखों में प्रयासों और लाभों को स्वीकृति देना।

### संस्थान के लिए एक मजबूत और टिकाऊ आर्थिक आधार की स्थापना

- सुदृढ़ कोष बनाने के लिए प्रायोजित परियोजनाओं, परामर्श और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण को प्रोत्साहित करना और सुविधाजनक बनाना।
- प्रायोजित कुर्सियों और छात्रवृत्ति के लिए बंदोबस्ती को आकर्षित करने के लिए ब्रांड मूल्य का उपयोग करना।
- विशेष रूप से सार्वजनिक निजी साझेदारी के माध्यम से संस्थान प्रयोगशालाओं से विकसित उभरती प्रौद्योगिकियों के व्यावसायीकरण में उद्यमशीलता के प्रयासों का समर्थन करना।

### एक स्वस्थ और मजबूत भा. प्रौ. सं. भुवनेश्वर परिवार का निर्माण

- एक सकारात्मक कामकाजी वातावरण को बढ़ावा देना और बनाए रखना तथा एक बेहतर सेवा गुणवत्ता बनाए रखना।
- पेशेवर विकास के अवसरों के विस्तार के माध्यम से कर्मचारियों के कौशल में सुधार करना।
- संस्थान की कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारियों को अत्यंत ईमानदारी के साथ निभाना।
- सक्रियता के सह-और पाठ्येतर गतिविधियों को पोषण करना और बनाए रखना।
- निष्पक्षता, विश्वास और परस्पर सम्मान के माध्यम से संबंध के लिए एक माहौल बनाए रखना।

### परिसर के बारे में बुनियादी/मूल मूल्य

#### बुनियादी/मूल मूल्य

- छात्रों को नवाचार और आविष्कार की दिशा में यात्रा पर तैयार कर नवोदित इंजीनियरों और वैज्ञानिकों के रूप में सम्मान करना।
- विचार और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का पोषण और पूछताछ की भावना को प्रोत्साहित करना।
- प्रत्येक व्यक्ति को उसकी पूरी क्षमता बढ़ाने के लिए सशक्त बनाना।
- दूसरों की राय और अधिकारों का सम्मान करना।

### भा. प्रौ. सं. भुवनेश्वर है रैगिंग फ्री

संस्थान दृढ़ता से रैगिंग विरोधी नीति का पालन करता है और इसे सच्ची कार्य भावना के माध्यम से लागू करता है। संस्थान यह प्रणाली सही रूप से लागू हो, यह सुनिश्चित करने के लिए बारीकी से निगरानी सहित समय समय पर कार्यवाही करता है। इसके अलावा प्रशासन, संबंधित संकाय और कर्मचारियों को नए शामिल होनेवाले फ्रेशर के साथ साथ वरिष्ठ छात्रों को संस्थान की नीति के बारे में मूल्यांकन करने और उन्हें नए के साथ बातचीत की अच्छी प्रथाओं और व्यक्तित्व निर्माण के प्रति भाईचारे का विकास के बारे में परामर्श देने के लिए कई बैठकों का आयोजन करता है।

### रैगिंग विरोधी गतिविधियाँ

डीन (एसए), वार्डन और संकाय सदस्यों के सहयोग द्वारा इस संस्थान को रैगिंग मुक्त बनाने के लिए परिसर में चलनेवाला गतिविधियों पर बारीकी से नजर रखता है। फ्रेशर्स के दिमाग में आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए, संकाय नियमित रूप से छात्रावासों का दौरा करते हैं ताकि फ्रेशर्स और वरिष्ठ छात्रों के बीच अच्छी और सही बातचीत का सुनिश्चित किया जा सके और प्रारम्भिक कुछ महीनों के दौरान छात्रावास में रातें बिताते हैं।



**परिसर के बारे में**

भा. प्रौ. सं.भुवनेश्वर का स्थायी परिसर 936 एकड़ जमीन में फैला हुआ है। यह बरुणेइ पहाड़ी के तलहटी में अवस्थित है, जो अपने समृद्ध इतिहास के लिए प्रसिद्ध है। परिसर एक अद्वितीय शांत और प्रदूषण मुक्त शैक्षणिक वातावरण प्रदान करता है। परिसर में शैक्षणिक क्षेत्र, आवासीय क्षेत्र, प्रशिक्षण केंद्रों और अनुसंधान पार्क के लिए क्षेत्र शामिल हैं। छात्र'नाइजर'छात्रावास में भी रह रहे हैं।

**महानदी आवासिक भवन**

800 क्षमतावाले छात्रों का छात्रावास मेस सुविधाएँ; आधुनिक और अच्छी तरह से सुसज्जित रसोई; जिम और शारीरिक स्वास्थ्य; बास्केटबॉल और वॉलीबॉल कोर्ट; बैडमिंटन और टेबल टेनिस कोर्ट; मीडिया मनोरंजन कक्ष; सौर प्रकाश प्रणाली; 24 घंटे उच्च सतर्क सुरक्षा प्रणाली व्यवस्था; व्यक्तिगत छात्रावास के कमरे में गीगाबिट ईथरनेट; एटीएम सुविधाएँ

**सुवर्ण रेखा आवासिक भवन**

200 क्षमतावाले छात्रा (महिला) छात्रावास, स्वतंत्र मेस सुविधाओं; आधुनिक और अच्छी तरह से सुसज्जित रसोईघर; बास्केटबॉल और वॉलीबॉल कोर्ट; सौर प्रकाश प्रणाली व्यवस्था; 24 घंटे हाई अलर्ट सुरक्षा प्रणाली; व्यक्तिगत छात्रावास के कमरे में गीगाबिट ईथरनेट

**स्वास्थ्य केंद्र**

- चिकित्सालय - पुरुष
- चिकित्सालय - महिला
- अनुभवी चिकित्सकों की चौबीसों घंटे उपलब्धता
- सुसज्जित एंबुलेंस सुविधा
- पैरामेडिकल स्टाफ नर्स कर्मचारी
- जीवन रक्षक दवाएं

**खेल सुविधा**

- क्रिकेट के मैदान
- वॉलीबॉल कोर्ट
- बास्केटबॉल कोर्ट
- टेबल टेनिस कमरा





संकाय और कर्मचारियों के लिए आवासीय सुविधा

- 80 क्वार्टर वाले फैकल्टी क्वार्टर ब्लॉक
- 40 कमरे वाले अतिथि भवन
- कर्मचारियों के लिए 40 आवासिक भवन
- छोटा बाज़ार
- 200 बैठने की सुविधा वाली सामुदायिक केंद्र



स्टाफ क्वार्टर



कम्युनिटी हॉल



शॉपिंग मॉल



अतिथि भवन

गेस्ट हाउस में संलग्न बाथरूम और सभी आधुनिक सुविधाओं के साथ कुल 42 एकल और डबल बिस्तर वाले वातानुकूलित कमरे शामिल हैं। ऑनलाइन बुकिंग और ई-पेमेंट की सुविधा उपलब्ध है।

शैक्षणिक क्षेत्र



प्रशासनिक भवन



प्रथम वर्ष प्रयोगशाला परिसर



विद्युत् विज्ञान विद्यापीठ



आधारीय विज्ञान विद्यापीठ



यांत्रिक विज्ञान विद्यापीठ



आधारिक संरचना विज्ञान विद्यापीठ



कार्यशाला परिसर

**द्वितीय चरण के निर्माण**

एमएचआरडी ने भा.प्रौ.सं.भुवनेश्वर के फेज -1 और 2 कंस्ट्रक्शन के लिए 1260 करोड़ रुपए मंजूर किए हैं। 1260 करोड़ रुपये में से भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर ने फेज -1 के लिए 410 करोड़ की प्रारंभिक अनुमानित लागत को मंजूरी दी थी और सीपीडब्ल्यूडी को ए/ए और ई/एस दिया गया था और एनबीसीसी (इंडिया) लिमिटेड को भा.प्रौ.सं.भुवनेश्वर के द्वितीय चरण के निर्माण के लिए परियोजना प्रबंधन सलाहकार नियुक्त करके चरण-2 निर्माण के लिए 850 करोड़ रुपये के खर्च की योजना बनाई गई थी। मार्च 2019 तक संस्थान के अवस्थापना विकास के लिए 850 करोड़ रुपये खर्च किए जाने हैं।

एनबीसीसी द्वारा निम्नलिखित भवनों/सुविधाओं का निर्माण पीएमसी के रूप में किया जा रहा है।

क्र.नं	काम का नाम	क्षेत्रफल (वर्ग मीटर)	प्रारंभ की तारीख	पूरा होने की संभावित तारीख
<b>A) कार्य प्रगति पर है</b>				
मेसर्स कृष्णा बिल्डर्स (मूल्य 87.88 करोड़ से सम्मानित)				
1.	छात्रों का छात्रावास (800 सीटर) -1 नं.	24504	20.04.2017	30.06.2019
2.	छात्रा का छात्रावास (400 सीटर) -1 नं.	15043		
मेसर्स सिंप्लेक्स इंफ्रास्ट्रक्चर्स लिमिटेड (सम्मानित मूल्य 524.12 करोड़)				
1.	छात्रों का छात्रावास (800 सीटर)-1 नं.	24504	27.11.2017	30.11.2019
2.	टाइप - ए संकाय आवास (44 नग) - 2 इकाई	11342		
3.	टाइप -बी संकाय आवास - 4 यूनिट्स (88 नं.)	20658		
4.	टाइप -सी संकाय आवास - 3 यूनिट्स (66 नं.)	13710		
5.	टाइप -डी कर्मचारीआवास - 2 यूनिट (44 नं.)	6733		
6.	निर्देशक का बंगला	506		
7.	छात्र गतिविधि केंद्र (स्विमिंग पूल सहित 50 x 25M)	4509		
8.	औषधालय	1224	27.11.2017	30.11.2019
9.	प्रेक्षागृह (1500 क्षमता)	5281		
10.	खनिज, धातुकर्म और सामग्री, इंजीनियरिंग के स्कूल	3648		
11.	पृथ्वी महासागर और जलवायु विज्ञान के स्कूल	3648		
12.	मानविकी, सामाजिक विज्ञान और प्रबंधन के स्कूल	1582		
13.	केंद्रीय कार्यशाला	2554		

14.	केंद्रीय अनुसंधान और उपकरण सुविधाएं	2508		
15.	व्याख्यान थिएटर (60 सीटर क्लास रूम-48 नग, 120 सीटर क्लास रूम-22 नग, 240 सीटर क्लास रूम- 4 नग।)	26354		
<b>मेसर्स एसएनएस इंफ्राकॉनप्राइवेटलिमिटेड। लिमिटेड (सम्मानित मूल्य 29.29 करोड़)</b>				
1.	वाणिज्यिक परिसर (शैक्षणिक)	1443	01.06.2018	30.11.2019
2.	वाणिज्यिक परिसर (आवासीय)	1143		
3.	एसईएस भवन का विस्तार	8468		
<b>मेसर्स ललितेंदुसत्थी (सम्मानित मूल्य 13.63 करोड़)</b>				
1.	अरगुल कैंपस में एसटीपी के साथ सीवरेज नेटवर्क का निर्माण		14.11.2018	13.07.2019
<b>मेसर्स श्रीजिक्पा प्रोजेक्ट्स लिमिटेड(सम्मानित मूल्य 49.32 करोड़)</b>				
1.	दक्षता छात्रावास	7555	14.12.2018	13.11.2019
2.	सामान्य विज्ञान के स्कूल का विस्तार	2564		
3.	यांत्रिक विज्ञान स्कूल का विस्तार	3128		
4.	आधारिक संरचना स्कूल का विस्तार	3105		
<b>मेसर्स श्रीजिक्पा प्रोजेक्ट्स लिमिटेड (सम्मानित मूल्य 55.26 करोड़)</b>				
1.	बाहरी विकास कवर कार पार्किंग कार्य, ओपन एयर थिएटर कार्य, (ग्रीन रूम के साथ), बास्केटबॉल, वॉली बॉल, लॉन टेनिस, ओपन कार, साइकिल पार्किंग, स्पोर्ट्स स्टेड कार्य, उपकरण कक्ष, फुटबॉल ग्राउंड और एथलेटिक ट्रैक कार्य, एलटीसी सर्कल, रोड, फुटपाथ और ड्रेन काम, वाटरबॉडी सहित स्कूल रिंग हार्ड और सॉफ्ट लैंडस्केपिंग, लेक्चर हॉल रिंग हार्ड और सॉफ्ट लैंडस्केप जिसमें तीन नग शामिल हैं, लिली पूल और जल प्रणाली कार्य, क्रिकेट, भाला/चक्र फेंक क्षेत्र, हॉकी ग्राउंड और बैठने की जगह, बाहरी नलसाजी, बाहरी बिजली और स्विमिंग पूल उपकरण और संतुलन टैंक कार्य।		03.03.2019	02.12.2019
<b>मेसर्स जेएम एनविरो टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड (स्काडा सिस्टम के साथ एसटीपी)</b>				
1.	स्काडा प्रणाली के साथ एसटीपी			30.11.2019
ख.	शीघ्र ही होगा टेंडर			
1.	रसोई और बहु उद्देशीय हॉल सहित सामने आम ब्लॉक के साथ लड़कों के हॉस्टल-4 (एक विंग) का निर्माण			



फेज 2-निर्माण डीटी की तस्वीरें 31.03.2019

शैक्षणिक ब्लॉक



प्रेक्षागृह : तल मंजिलतक स्ट्रक्चरल काम पूरा हुआ और स्तम्भ का काम चल रहा है



केंद्रीय कार्यशाला: संरचनात्मक कार्य पूरा ब्लॉक कार्य और परिष्करण कार्य प्रगति पर है



SEOCS पहली मंजिल छत स्लैब प्रगति पर है, तल मंजिल और पहली मंजिल में ब्लॉक काम प्रगति पर है



SHSSM पहली मंजिल छत स्लैब पूरा हो गया है और अंतिम दौर का काम प्रगति पर है



SMMME पहली मंजिल छत स्लैब प्रगति पर है और तल मंजिल, पहली मंजिल पर ब्लॉक काम प्रगति पर है



एलटीसी - 1: दूसरी मंजिल छत स्लैब प्रगति पर है और तल मंजिल, पहली मंजिल में ब्लॉक काम प्रगति पर है



एलटीसी - 2 : पहली मंजिल छत स्लैब पूरा तल और पहली मंजिल में ब्लॉक कामप्रगति पर है



एलटीसी - 3: दूसरी मंजिल की छत स्लैब का काम प्रगति पर है, तल और पहली मंजिल पर काम चल रहा है



सीआरआईएफ: तल मंजिलकी छत का स्लैब पूरा हो गया और तल मंजिल के लिए ब्लॉक का काम चल रहा है



व्यावसायिक परिसर (शैक्षणिक): प्लिंथ बीम काम पूरा और स्तम्भ का काम चल रहा है



एसईएस (विस्तार) : ए-विंग



एसईएस (विस्तार) बी - विंग



एसबीएस (विस्तार): फाउंडेशन का काम पूरा और कोलू एमएन SIF (विस्तार)



आवासीय ब्लॉक



निदेशक बंगला प्लास्टरिंग का काम चल रहा है



छात्रा निवास -2



छात्रावास -3



छात्रावास -3 (एक विंग)



छात्रावास -3 (बी विंग)



टाइप -A1 और A2 आवास: A1 और दूसरी मंजिल की छत स्लैब में पूरा हुआ 6 वीं मंजिल की छत स्लैब A2 क्वार्टर में पूरा



टाइप-बी 1 और बी 2 आवास: 6वीं मंजिल की छत का स्लैब पूरा



टाइप-बी 3 और बी 4 आवास: बी 3 में तल मंजिल छत स्लैब पूरा हुआ और बी 4 में तीसरी मंजिल की छत स्लैब पूरा हुआ



टाइप-सी 1, सी 2 और सी3 आवास : दूसरी मंजिल की छत स्लैब पूरा, सी 2 में ग्राउंड फ्लोर की छत का स्लैब पूरा हुआ और सी 3 में तीसरी मंजिल की छत स्लैब पूरा हो गया



टाइप C3 आवास :तीसरी मंजिल छत स्लैब पूरा हुआ है



टाइप-डी 1 और डी 2 आवास : डी 1 में पहली मंजिल की छत स्लैब में पूरा हुआ और डी 2 में छत स्लैब भी पूरा हुआ है



डिस्पेंसरी: तल मंजिल की छत का स्लैब पूरा हो गया और पहली मंजिल में स्तंभ का काम चल रहा है



छात्र गतिविधि केंद्र: संरचनात्मक कार्य पूरा बास्केटबॉल और बैडमिंटन कोर्ट को छोड़कर



स्विमिंग पूल



वाणिज्यिक परिसर (आवासीय): शटरिंग



दक्षता छात्रावास: काम प्रक्रिया में है, नींव के ऊपर स्तंभका काम चल रहा है।





बीएच-3 के सामने की ओर सीवरेज नेटवर्क (आवासीय)



डिस्पेंसरी के सामने सीवरेज नेटवर्क (आवासीय)



बाहरी विकास कार्य के लिए फुटबॉल ग्राउंड में जमीन पर का काम चालू हैं



पृथ्वी बाहरी विकास कार्य के लिए क्रिकेट ग्राउंड में जमीन पर काम चालू है



बाहरी विकास कार्य के लिए हॉकी ग्राउंड में जमीन का काम



बाहरी विकास के काम के लिए बास्केटबॉल कोर्ट में जमीन पे काम चालू हैं

### पर्यावरण अनुकूल परिसर पहल

भा. प्रौ. सं. भुवनेश्वर का परिसर को पर्यावरण अनुकूल बनाने के और विदेशी और स्वदेशी पर्णपाती और शंकुधारी पेड़ और पौधों (लंबे जीवन के लंबे समय तक ऊँचे पेड़, फूल और औषधीय पेड़, फलों के पेड़, खजूर और चीड़ के पेड़) सहित हरियाली और अधिक जीवंत लगने के लिए 2015 में बागवानी गतिविधि शुरू की गई थी। अगले पंचवर्षीय योजना में, बागवानी के लिए केंद्र का मुख्य ध्यान है की नए निर्माण वाले क्षेत्रों में देशी भूनिर्माण करना और इमारतों के पास औषधीय पौधों से सजी हरे-भरे बगीचों के सजावटी के साथ उद्यान बनाना है जो परिसर के छात्रों और निवासियों के लिए स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण को बनाए रखते हैं। पानी और व्यय दोनों को बचाने के लिए परिसर में स्वायत्त जल सिंचाई प्रणाली स्थापित की जाएगी। बागवानी अनुभाग केवल जैविक उर्वरकों का उपयोग करने के बारे में सख्त है।



### पौधरोपण पहल:

भा. प्रौ. सं. भुवनेश्वर का मानना है कि प्रकृति को पोषित करने से रचनात्मकता को बढ़ावा और परिसर में भूनिर्माण और हरियाली की मात्रा बढ़ाने का सबसे अच्छा तरीका है जिससे समुदाय के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। पिछले दो साल में 33000 से ज्यादा पेड़ लगाए जा चुके हैं। विदेशी और देशी पर्णपाती और शंकुधारी पेड़ों और पौधों की और विदेशी और प्रवासी पक्षियों को आकर्षित करने के लिए स्वस्थ गूँज प्रणाली बनाने के लिए चुना गया था। एवेन्यू के पेड़ सुखद गंध प्रदान करके हमें शांत और आराम दे सकते हैं। बड़े पैमाने पर सागौन वृक्षारोपण हमारे परिसर की चारदीवारी के साथ पूरा किया गया था ताकि वातावरण में ऑक्सीजन और कार्बन डाइऑक्साइड के बीच संतुलन बनाए रखने में मदद मिल सके।



### साइकिल अनुकूल परिसर पहल

भा. प्रौ. सं. भुवनेश्वर ने छात्रों द्वारा बिजली वाहन के उपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया गया और छात्रों, संकाय, कर्मचारियों और समुदाय के स्वास्थ्य लाभों पर विचार करके और पर्यावरण जोखिम कारकों को नियंत्रित करने के लिए "साइकिल संस्कृति" को शामिल किया। संस्थान ने स्कूलों और छात्रावासों के बीच एक साइकिल की सवारी करने और प्रत्येक भवन में साइकिल पार्किंग बनाने के लिए टिकाऊ और सुविधाजनक पेड-लाइन साइकिल पथ प्रदान करके "साइकिल अनुकूल परिसर " बनाने के लिए साइकिल आधार भूत संरचना विकास योजना शुरू किया है।

### ऊर्जा संचयन पहल

भा. प्रौ. सं.भुवनेश्वर ने कार्बन पदचिह्न को कम करने और ऊर्जा के पारंपरिक स्रोतों पर निर्भरता को कम करने के लिए इमारत की छतों पर सोलर पैनल लगाए हैं।

### जल संचयन पहल

भा. प्रौ. सं. भुवनेश्वर ने छत का वर्षा जल संचयन और सतह वर्षा जल संचयन बुनियादी ढांचे का निर्माण शुरू किया है और एक अपशिष्ट प्रबंधन प्रणाली और अपशिष्ट जल पुनर्चकण यंत्र स्थापित किया है।

### ग्रीन बिल्डिंग

इमारतें गृह (एकीकृत आवास मूल्यांकन के लिए ग्रीन रेटिंग) 4 और 5 अनुरूप हैं। इमारत निर्माण पर्यावरण के अनुकूल उत्पाद के रूप में मान्यता प्राप्त फ्लाइ ऐश ईटों का उपयोग करके किया जाता है क्योंकि यह इमारत को ठंडा और स्वच्छ वातावरण रखने में मदद करता है, और कृषि भूमि को भी बचाता है जिसका उपयोग मिट्टी की ईटों के निर्माण के लिए किया जाता है।

### पर्यावरण के अनुकूल अपशिष्ट निपटान

भा. प्रौ. सं. भुवनेश्वर ने बायोडिग्रेडेबल और नॉन बायोडिग्रेडेबल श्रेणियों के साथ कूड़ेदान तैनात किए गए हैं।

### भा. प्रौ. सं.भुवनेश्वर है रैगिंग फ्री

संस्थान दृढ़ता से रैगिंग विरोधी नीति का पालन करता है और इसे सही कार्यों की भावना के माध्यम से लागू करता है। संस्थान यह सुनिश्चित करने के लिए बारीकी से निगरानी सहित समय समय पर कार्रवाई करता है कि प्रणाली लागू हो। इसके अलावा प्रशासन, संबंधित संकाय और कर्मचारियों को नव जुड़ने वाले नए के साथ साथ ही वरिष्ठ छात्रों को संस्थान की नीति के बारे में मूल्यांकन करने और उन्हें नए के साथ बातचीत की अच्छी प्रथाओं और व्यक्तित्व निर्माण के प्रति भाईचारे का विकास के बारे में परामर्श देने के साथ कई बैठकों का आयोजन करता है। संक्याध्यक्ष (छात्र मामले) परिसर में वार्डन और संकाय सदस्यों के सहयोग द्वारा यह संस्थान को रैगिंग मुक्त बनाने के गतिविधियों पर बारीकी से नजर रखते हैं। फ्रेशर्स के मन में विश्वास का निर्माण करने के लिए, संकाय नियमित रूप से छात्रावासों का दौरा करते हैं ताकि फ्रेशर्स और वरिष्ठ छात्रों के बीच सही बातचीत सुनिश्चित की जा सके और शुरुआती कुछ महीनों के दौरान छात्रावास में रातें बिताते हैं।



## शैक्षणिक

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भुवनेश्वर भारत के कुलीन प्रौद्योगिकी संस्थानों में से एक है जो उच्च गुणवत्ता वाली अनुसंधान और विकास गतिविधियों और समग्र शिक्षा के प्रति प्रतिबद्धता के माध्यम से ज्ञान और नवाचार के निरंतर निर्माण से प्रेरित है। संस्थान का उद्देश्य उद्योग के साथ उत्पादक साझेदारी के माध्यम से छात्रों के बीच रचनात्मकता और संज्ञानात्मक सोच को सुगम बनाने के लिए तैयार किए गए गतिशील और लचीले पाठ्यक्रम को विकसित करना और आगे बढ़ाना है। संस्थान अपने 7 विद्यापीठों में बीटेक के 6 नं., दोहरी डिग्री कार्यक्रमों की 9 नं., एम. एससी. 5 नं., एम टेक 11 नं. और पी. एच. डी. पाठ्यक्रम प्रदान करता है। उक्त पाठ्यक्रमों में शैक्षणिक वर्ष 2018-19 के लिए प्रवेश क्रमशः 20 और 25 जुलाई, 2018 को हुआ था। बीटेक के छात्रों का दाखला 350 से बढ़कर 369 हो गई जो महिला छात्रों के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है, जिसमें भा. प्रौ. सं. भुवनेश्वर की दूसरी तीसरी पीढ़ी के भा. प्रौ. सं. में सबसे अधिक प्रवेश है। जेईई के माध्यम से पेश की गई 369 सीटों में से 354 छात्र (पिछले साल के 2 तैयारी कोर्स पूरे किए गए छात्र इस साल शामिल हुए) बीटेक में शामिल हुए और ड्यूल डिग्री कार्यक्रम और 5 छात्र अन्य विद्यापीठों के कोर्स में शामिल हुए, 100 सीटों में से 75 छात्र एम. एससी. में शामिल हुए और 160 में से 156 (डीआरडीओ के 3 प्रायोजित छात्रों सहित) छात्र विभिन्न एमटेक कार्यक्रमों में शामिल हुए, 90 छात्रों पी. एचडी. में शामिल हुए। इस साल लगभग सभी सीटें भर चुकी हैं। सीओएपी के माध्यम से एमटेक एडमिशन काफी सफल रहा। स्नातक कार्यक्रमों के लिए छात्रों द्वारा कंप्यूटर विज्ञान, इलेक्ट्रॉनिक व संचार, विद्युत अभियांत्रिकी विषयों का विकल्प चुनने के लिए सामान्य प्रवृत्ति का प्रयोग किया गया। शैक्षणिक वर्ष 2018-19 से, कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी में दो उप-विशेषज्ञताओं के साथ एक नया एमटेक कोर्स साइबर सुरक्षा और फोरेंसिक और डेटा विश्लेषण शुरू किए गए थे। संस्थान में 1767 छात्र हैं (बीटेक - 1101, एमटेक - 262, एम.एससी - 142, और पीएचडी - 262)।



भा. प्रौ. सं. भुवनेश्वर के सामुदायिक केंद्र अरगुल परिसर में रविवार, 22 सितंबर 2018 को सातवाँ वार्षिक दीक्षांत समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के सचिव प्रो आशुतोष शर्मा ने मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए। इस अवसर पर बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के अध्यक्ष पंकज रमनभाई पटेल, भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर के निदेशक प्रो. रत्नम वी राजकुमार व अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।



कुल 332 स्नातकों में से 211 (108 बीटेक, 51 एमटेक, 46 एम एससी, और 6 पीएचडी) छात्रों को अवार्ड दिया गया। इस दौरान विद्यार्थियों को डिग्रियां प्रदान की गईं। बीटेक (यांत्रिक अभियांत्रिकी) से श्री नंदुरी दिवाकरको सभी बीटेक शाखाओं के बीच टॉप करने के लिए भारत के राष्ट्रपति का स्वर्ण पदक से और एमटेक (परिवहन अभियांत्रिकी) की सुश्री देबलीना मुखर्जी को सभी एमटेक कार्यक्रमों के बीच टॉप करने के लिए अनुपस्थिति में निदेशक स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया और एम एससी (रसायन विज्ञान) के श्री सयान राँय को एम एससी के सभी विषयों में टॉप करने के लिए निदेशक का स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया। कई अन्य मेडल और अक्षय निधि पुरस्कार भी बांटे गए।

## 2018 -19 की अकादमिक जानकारी

### कार्यक्रम

4 वर्षीय बीटेक कार्यक्रम	सिविल अभियांत्रिकी, विद्युत अभियांत्रिकी, यांत्रिक अभियांत्रिकी, कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी, धातुकर्म और पदार्थ अभियांत्रिकी, इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार अभियांत्रिकी
5 साल की दोहरी डिग्री (बीटेक + एमटेक)	यांत्रिक अभियांत्रिकी में बी टेक + यांत्रिक प्रणाली अभिकल्प में एम टेक, यांत्रिक अभियांत्रिकी में बी टेक + तापीय विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में एमटेक, यांत्रिक अभियांत्रिकी में बीटेक + विनिर्माण अभियांत्रिकी में एमटेक, सिविल अभियांत्रिकी में बी टेक + संरचनात्मक अभियांत्रिकी में एमटेक, सिविल अभियांत्रिकी में बी टेक + परिवहन अभियांत्रिकी में एमटेक, सिविल अभियांत्रिकी में बीटेक +परिवहन अभियांत्रिकी में एमटेक, सिविल अभियांत्रिकी में बी टेक, पर्यावरण अभियांत्रिकी में बीटेक; कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में बीटेक+कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में एमटेक, विद्युत अभियांत्रिकी में बीटेक+पावर इलेक्ट्रॉनिक्स एवं ड्राइव्स में एमटेक, धातुकर्म एवं पदार्थ अभियांत्रिकी बी टेक + एमटेक इन में पदार्थ विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में एमटेक
एम टेक प्रोग्राम	जलवायु विज्ञान और प्रौद्योगिकी, इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार अभियांत्रिकी, परिवहन अभियांत्रिकी, संरचनात्मक अभियांत्रिकी, धातुकर्म और पदार्थ अभियांत्रिकी, यांत्रिक

	प्रणाली अभिकल्प, तापीय विज्ञान एवं अभियांत्रिकी, पावर सिस्टम अभियांत्रिकी, पर्यावरण अभियांत्रिकी, जल संसाधन अभियांत्रिकी, कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी
संयुक्त एमएससी-पीएचडी कार्यक्रम	भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, गणित विज्ञान, भूविज्ञान, वातावरण और महासागर विज्ञान
पीएचडी कार्यक्रम	आधारीय विज्ञान विद्यापीठ, पृथ्वी, महासागर और जलवायु विज्ञान विद्यापीठ, विद्युत विज्ञान विद्यापीठ, मानविकी, सामाजिक और प्रबंधन विज्ञान विद्यापीठ, आधारिक संरचना विद्यापीठ, यांत्रिक विज्ञान विद्यापीठ, खनिज, धातुकर्म और पदार्थ अभियांत्रिकी विद्यापीठ

## वर्षवार स्वीकृत (अनुमोदित) दाखिला

शैक्षणिक कार्यक्रम	2018-19	2017-18	2016-17	2015-16
बीटेक और दोहरी डिग्री	350	350	260	180
एमटेक	173	154	130	130
संयुक्त एम एस सी - पीएचडी	100	100	100	100
पीएचडी			360	

## विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रमों में छात्रों की वर्षवार भर्ती संख्या

साल	बी टेक और दोहरी डिग्री	एमटेक	एम एससी	पी एचडी.	कुल
2010-11	126			25	151
2011-12	112			21	133
2012-13	113	42		50	205
2013-14	148	50	57	44	299
2014-15	164	71	71	48	354
2015-16	162	74	76	58	370
2016-17	249	106	73	61	489
2017-18	338	125	70	51	584
2018-19	354 *	156	75	90	675

\* अधिसंख्य महिला छात्र और प्रारंभिक पाठ्यक्रम सहित छात्रों को पूरा किया

## कुल वास्तविक छात्र संख्या (2018-19)

कार्यक्रम	पुरुष छात्रों की संख्या	महिला छात्रों की संख्या	छात्रों की कुल संख्या	राज्य के भीतर	राज्य के बाहर	आर्थिक रूप से पिछड़े	सामाजिक रूप से पिछड़े (अनु. जाति, अनु. जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग)
बीटेक	984	117	1101	45	1056	356	543
एमटेक	207	55	262	88	174	65	116
एमएससी.	112	30	142	28	114	52	73
पीएचडी	217	45	262	101	161	----	62

कोर्स के हिसाब से छात्र संख्या  
बीटेक और दोहरी डिग्री:

क्र. सं.	कार्यक्रम का नाम	अनुमोदित दाखिला	2018-19 में दाखिला लिए छात्रों की संख्या*		2018-19 में छात्रों की कुल संख्या*		2017-18 में उत्तीर्ण हुए छात्रों की कुल संख्या		2018-19 में उत्तीर्ण छात्रों की कुल संख्या (स्प्रिंग एंड सेमिस्टर परीक्षा तक)	
			पुरुष	महिला	पुरुष	महिला	पुरुष	महिला	पुरुष	महिला
1	बीटेक (सिविल अभियांत्रिकी)	50	42	7	149	15	30	4	28	2
2	बीटेक (विद्युत अभियांत्रिकी)	50	46	7	162	18	35	3	24	4
3	बीटेक (कंप्यूटर विज्ञान एंड अभियांत्रिकी)	50	43	8	168	23	36	7	34	7
4	बीटेक (इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन अभियांत्रिकी)	40	34	6	104	19				
5	बीटेक (यांत्रिक अभियांत्रिकी)	50	44	7	157	11	38	0	30	1
6	बीटेक (धातुकर्म और पदार्थ अभियांत्रिकी)	20	17	4	61	6	9	0	10	0
7	दोहरी डिग्री (यांत्रिक अभियांत्रिकी में बी टेक + यांत्रिक प्रणाली अभिकल्प में एम टेक )	10	10	2	31	3				
8	दोहरी डिग्री (यांत्रिक अभियांत्रिकी में बीटेक + तापीय विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में एम टेक)	10	10	1	30	1				
9	यांत्रिक अभियांत्रिकी में बी टेक + विनिर्माण अभियांत्रिकी में एम टेक)	10	8	2	18	2				

10	दोहरी डिग्री (सिविल अभियांत्रिकी में बी टेक + स्ट्रक्चरल अभियांत्रिकी में एम टेक)	10	8	2	21	5				
11	दोहरी डिग्री (सिविल अभियांत्रिकी में बी टेक + परिवहन अभियांत्रिकी में एम टेक)	10	8	2	23	4				
12	सिविल अभियांत्रिकी में बी टेक + पर्यावरण अभियांत्रिकी में एम टेक)	10	7	2	14	2				
13	कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में बी टेक + कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में एमटेक,	10	8	2	18	4				
14	विद्युत अभियांत्रिकी में बी टेक + पावर इलेक्ट्रॉनिक्स और ड्राइव में एम टेक	10	8	2	17	3				
15	धातुकर्म और पदार्थ अभियांत्रिकी में बी टेक + पदार्थ विज्ञान अभियांत्रिकी में एमटेक	10	6	1	11	1				
<b>कुल:</b>		<b>350</b>	<b>299</b>	<b>55</b>	<b>984</b>	<b>117</b>	<b>148</b>	<b>14</b>	<b>126</b>	<b>14</b>

\* अधिसंख्य महिला छात्र और प्रारंभिक पाठ्यक्रम सहित छात्रों को पूरा किया

### एमटेक

क्र. सं.	कार्यक्रम का नाम	अनुमोदित दाखिला	2018-19 में प्रवेश करने वाले छात्रों की संख्या		2018-19 में छात्रों की कुल संख्या		2017-18 में उत्तीर्ण छात्रों की संख्या		2018-19 में उत्तीर्ण छात्रों की कुलसंख्या (स्प्रिंग एंड सेमिस्टर परीक्षा तक)	
			पुरुष	महिला	पुरुष	महिला	पुरुष	महिला	पुरुष	महिला
1	इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार अभियांत्रिकी	18	14	1	21	7	10	4	8	5
2	पावर सिस्टम अभियांत्रिकी	18	12	3	18	8	10	4	8	3
3	कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी	18	9	7	9	7				



4	यांत्रिक प्रणाली अभिकल्प	18	17	1	31	1	13	1	13	0
5	तापीय विज्ञान और अभियांत्रिकी	18	17	1	32	1	16	0	16	0
6	सिविल अभियांत्रिकी						1	0		
7	स्ट्रक्चरल अभियांत्रिकी	12	8	2	14	5	4	4	6	2
8	परिवहन अभियांत्रिकी	10	8	1	16	2	3	4	8	1
9	पर्यावरण अभियांत्रिकी	12	7	3	12	4			4	1
10	जल संसाधन अभियांत्रिकी	12	4	6	9	8			5	2
11	जलवायु विज्ञान और प्रौद्योगिकी	18	14	2	25	6	3	3	10	5
12	धातुकर्म और पदार्थ अभियांत्रिकी	19	15	4	20	6	9	2	5	2
कुल:		173	125	31	207	55	69	22	83	21

## एमएससी.

क्र. सं.	कार्यक्रम का नाम	स्वीकृत (अनुमोदित) दाखिला	2018-19 में प्रवेश करने वाले छात्रों की संख्या		2018-19 में छात्रों की कुल संख्या		2017-18 में उत्तीर्ण छात्रों की संख्या		2018-19 में उत्तीर्ण छात्रों की कुल संख्या (स्प्रिंग एंड सेमिस्टर परीक्षा तक)	
			पुरुष	महिला	पुरुष	महिला	पुरुष	महिला	पुरुष	महिला
1	रसायन विज्ञान	20	9	7	24	9	10	6	15	2
2	भौतिकी	20	12	4	25	8	10	6	0	0
3	गणित	20	12	4	31	6	13	5	17	2
4	भूविज्ञान	20	13	5	23	7	9	6	10	2
5	वातावरण और महासागर विज्ञान	20	9	0	9	0	2	2	13	4
कुल:		100	55	20	112	30	44	25	55	10

## पीएचडी

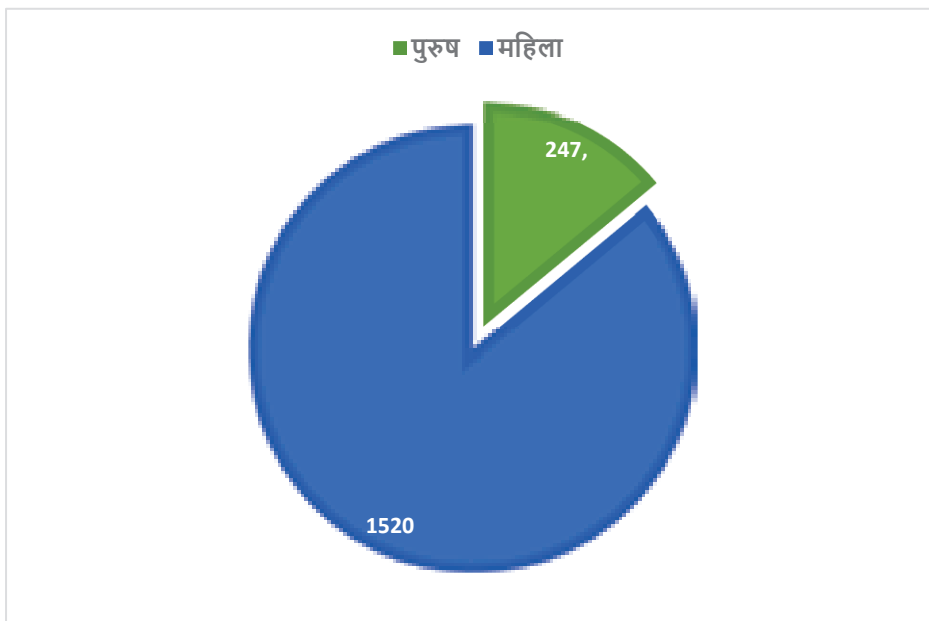
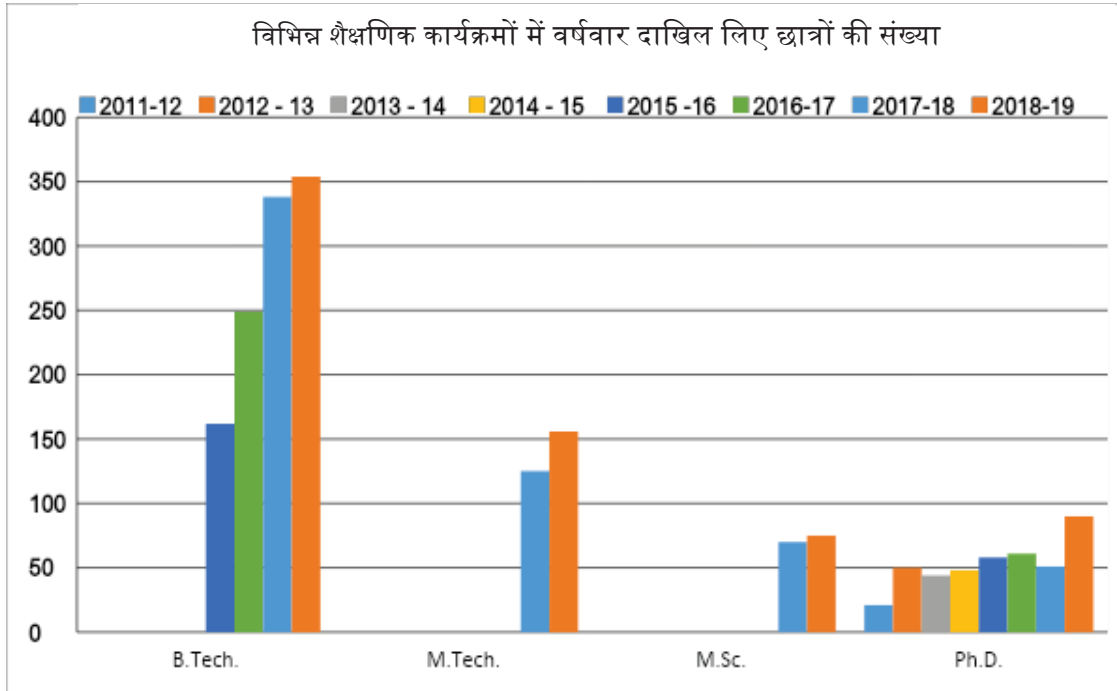
क्र. सं.	पाठ्यक्रम का नाम /स्कूल	अनुमोदित दाखिला	2018-19 में प्रवेश करने वाले छात्रों की संख्या		छात्रों की कुल संख्या 2018-19		2017-18 में उत्तीर्ण छात्रों की संख्या		2018-19 में उत्तीर्ण छात्रों की कुलसंख्या (स्प्रिंग एंड सेमिस्टर परीक्षा तक)	
			पुरुष	महिला	पुरुष	महिला	पुरुष	महिला	पुरुष	महिला
1	आधारीय विज्ञान विद्यापीठ	360	22	8	61	14	3		4	5
2	पृथ्वी, महासागर और जलवायु विज्ञान विद्यापीठ		3	0	21	7				
3	विद्युत विज्ञान विद्यापीठ		17	2	44	9	1	1	4	1
4	मानविकी, सामाजिक विज्ञान और प्रबंधन विद्यापीठ		1	5	5	6	1	1		
5	आधारिक संरचना विद्यापीठ		12	0	37	5	1		1	1
6	यांत्रिक विज्ञान विद्यापीठ		10	0	37	1	2		2	0
7	खनिज, धातुकर्म और पदार्थ अभियांत्रिकी विद्यापीठ		10	0	22	4				
कुल:			75	15	227	46	8	2	11	7

## शैक्षणिक वर्ष 2018-19 के लिए प्रत्येक छात्र का कुल शुल्क (प्रति सेमिस्टर)

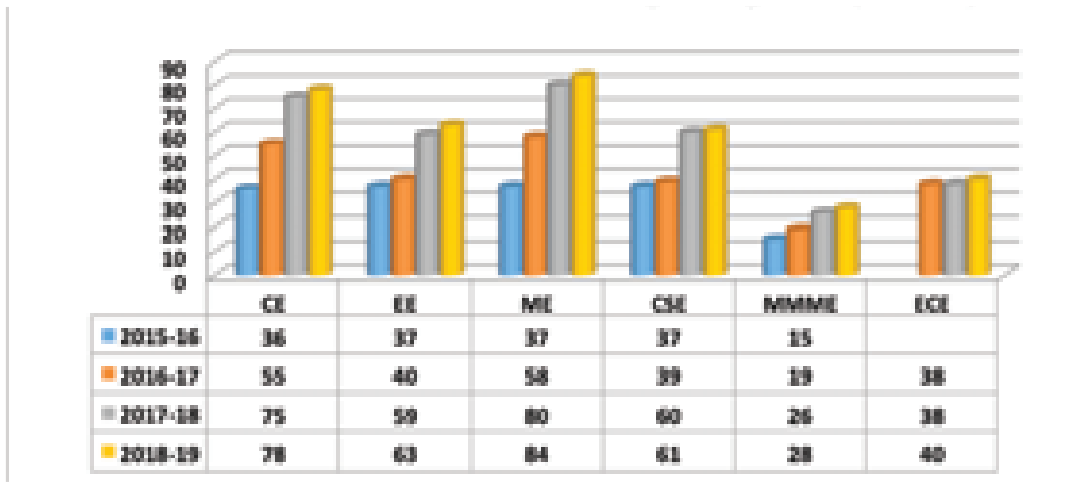
	सामान्य	ओबीसी-एनसीएल	एससी/एसटी	प्रायोजित
बीटेक	1,47,568.00	1,47,568.00	47,568.00 *	लागू नहीं
एमटेक	52,568.00	52,568.00	47,568.00	72,068.00
एमएससी	47,568.00	47,568.00	47,568.00	लागू नहीं
पीएचडी	50,068.00	50,068.00	47,568.00	49,568.00

\* दिव्यांग उम्मीदवार सहित

**2018-19 तक विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रमों का ग्राफिकल प्रस्तुतिकरण**  
(प्रवेश रिकॉर्ड के आधार पर)

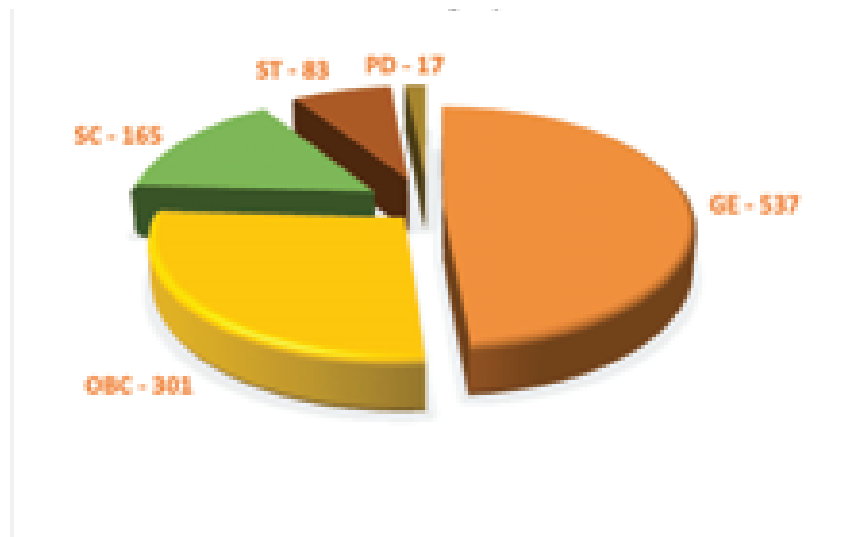


बीटेक और दोहरी डिग्री प्रोग्राम

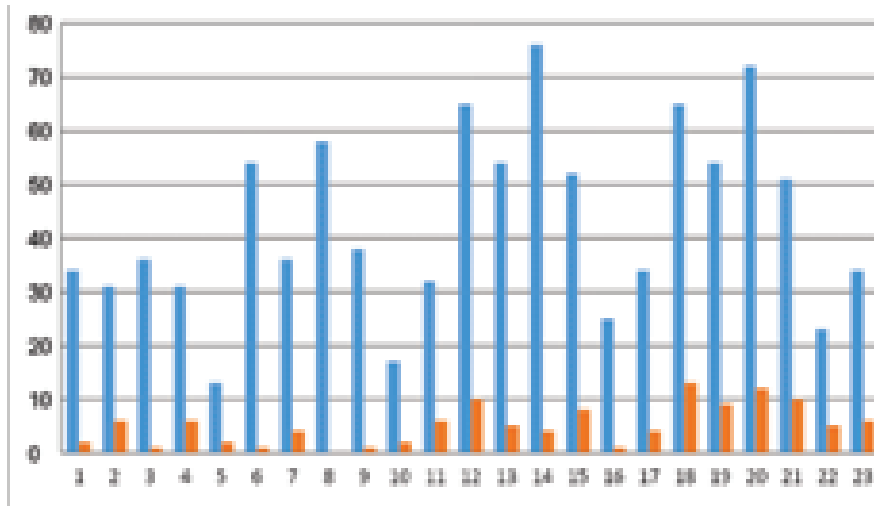


\*

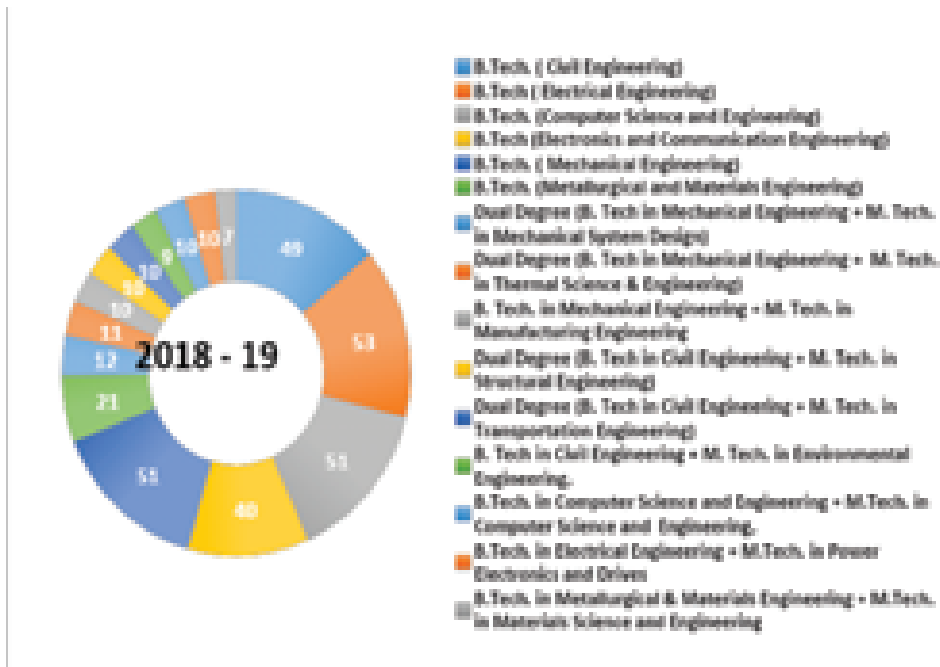
लिंगावार छात्रों की संख्या



लिंगवर बी.टेक छात्रों की संख्यायिकी

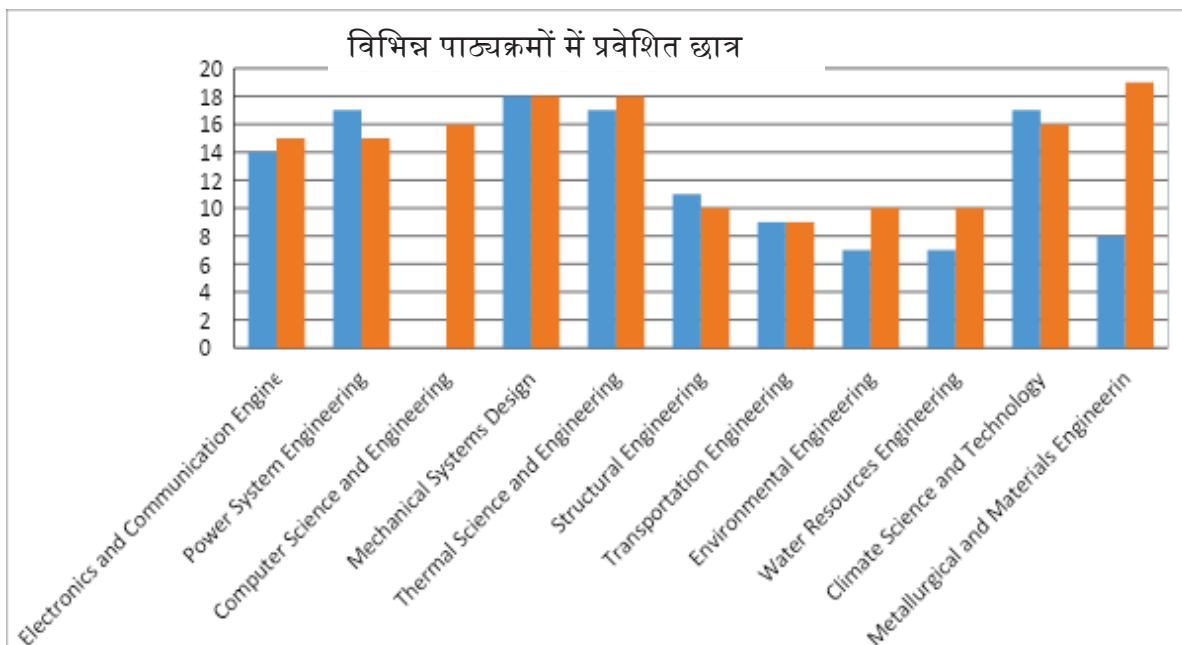
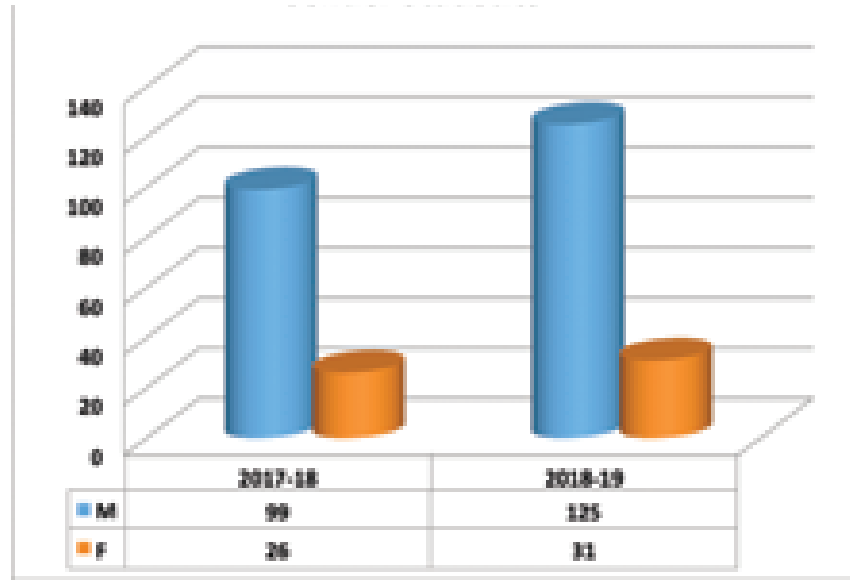


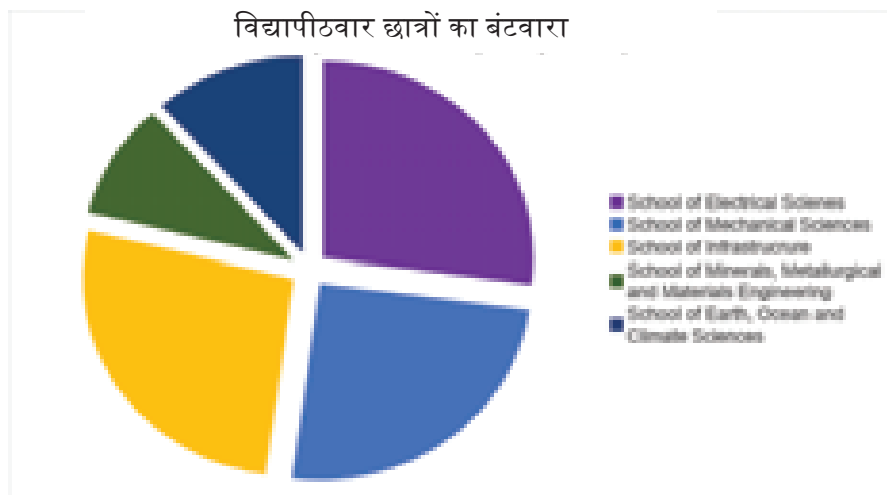
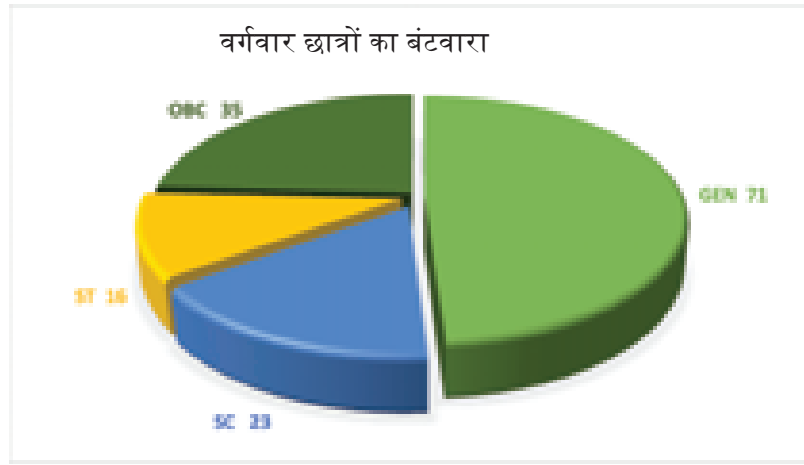
विभिन्न कार्यक्रमों में प्रवेशित छात्र



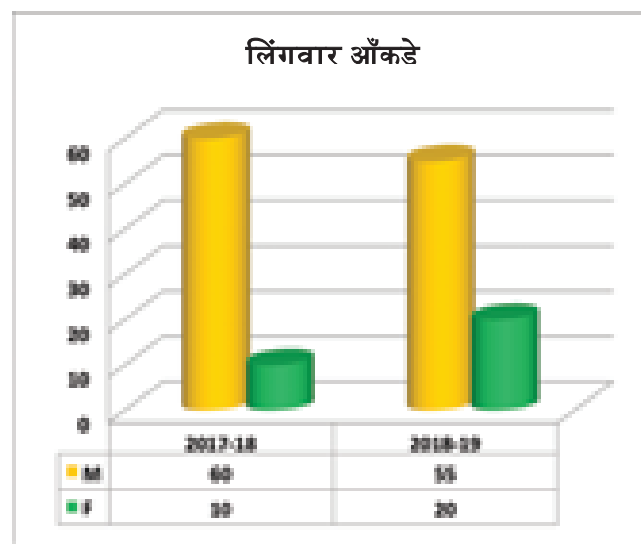
एम टेक प्रोग्राम

लिंगवार आँकड़े

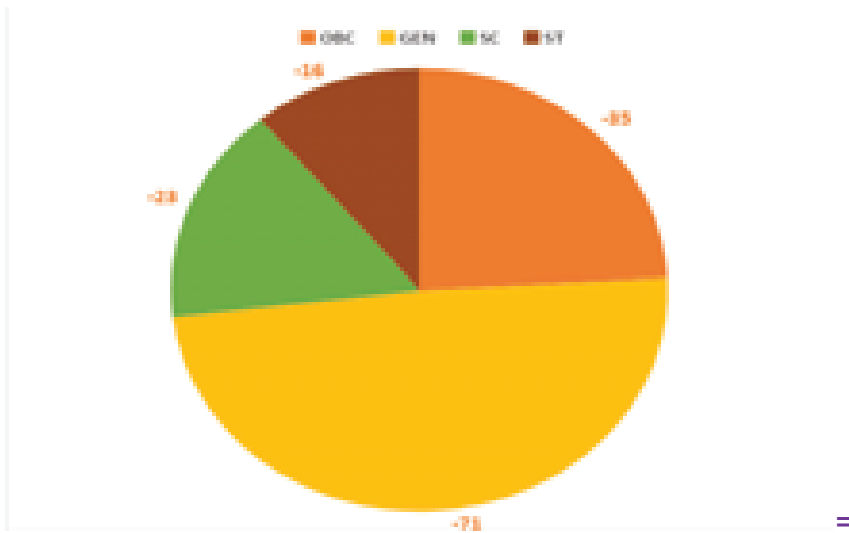




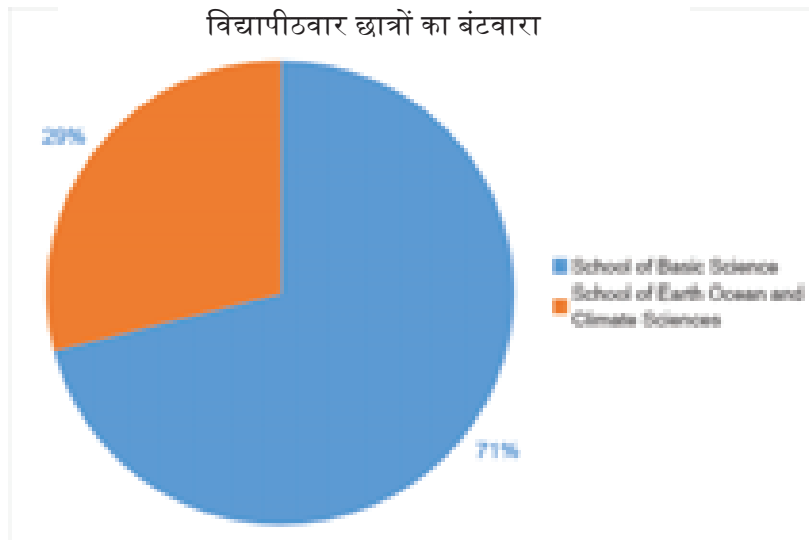
### संयुक्त एम एससी - पीएचडी कार्यक्रम



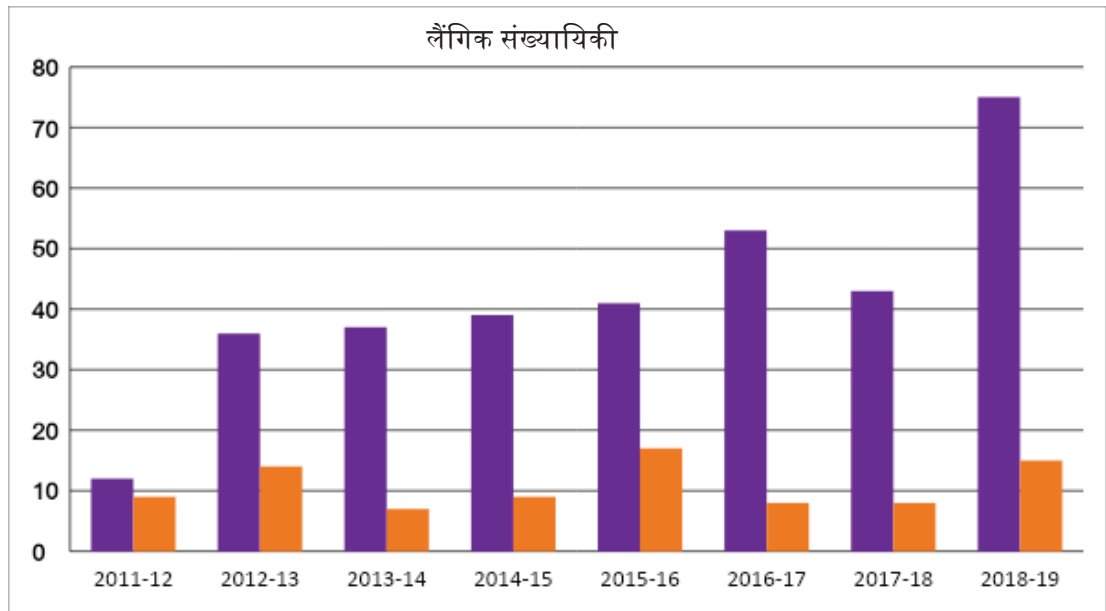
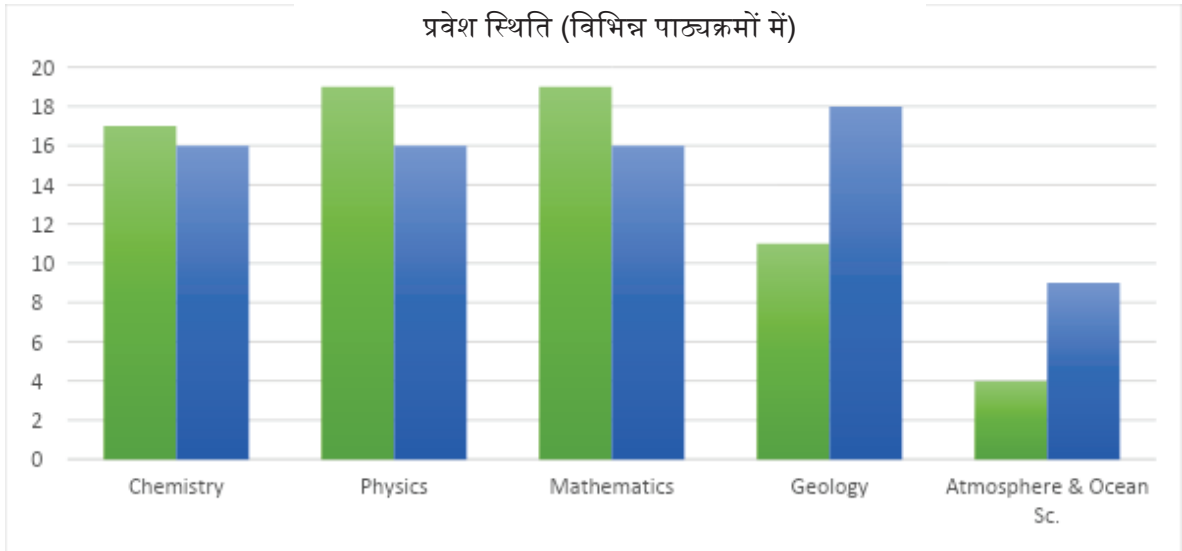
विभिन्न वर्गों में छात्रों की वितरण



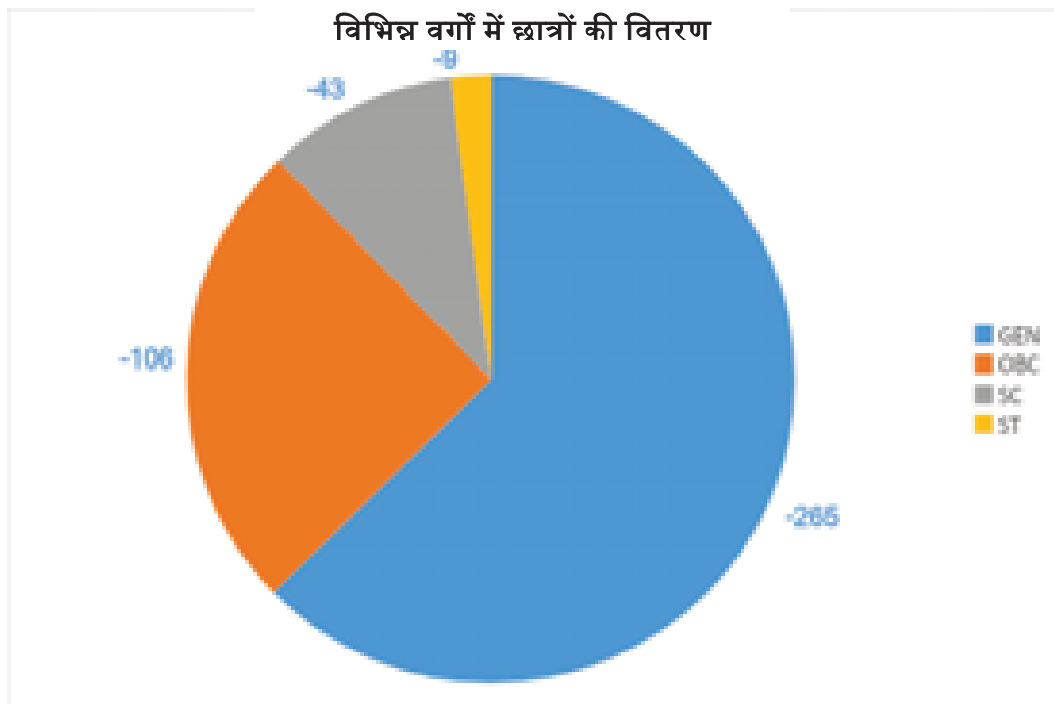
विद्यापीठवार छात्रों का बंटवारा



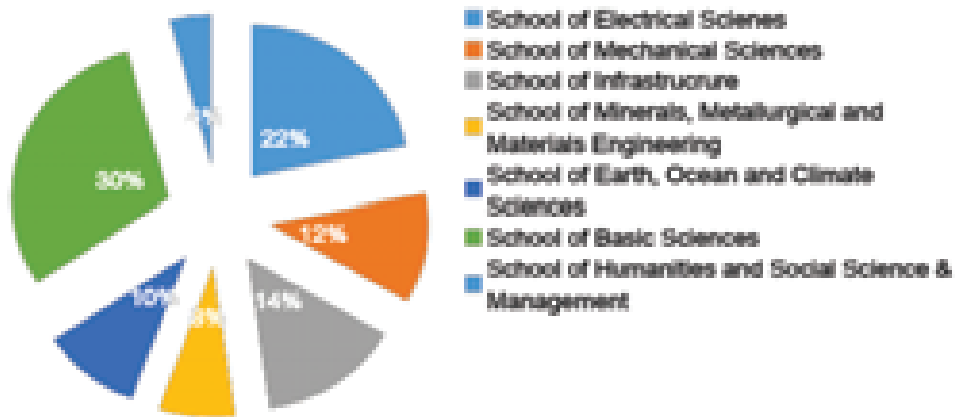




पीएचडी कार्यक्रम



विद्यापीठवार छात्रों का बंटवारा  
बिद्ययापीठ वार शोधछात्रों का प्रतिनिधित्व



## ग्रेजुएशन डेटा (पिछले तीन साल)

ग्रेजुएशन डेटा 2016				
विषय	पीएचडी.	एमटेक	एमएससी.	बी टेक
सिविल अभियांत्रिकी	1	5	-	30
विद्युत अभियांत्रिकी	2		-	43
इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार अभियांत्रिकी	-	14	-	-
यांत्रिक अभियांत्रिकी	-	-	-	37
पदार्थ विज्ञान और अभियांत्रिकी	-	9	-	-
जलवायु विज्ञान और प्रौद्योगिकी	-	5	-	-
यांत्रिक प्रणाली अभिकल्प	-	1	-	-
पवर सिस्टम अभियांत्रिकी	-	14	-	-
तापीय विज्ञान और अभियांत्रिकी	-	7	-	-
आधारीय विज्ञान विद्यापीठ	3	-	-	-
विद्युत विज्ञान विद्यापीठ		-	-	-
मानविकी, सामाजिक विज्ञान और प्रबंधन विद्यापीठ	1	-	-	-
आधारिक संरचना विद्यापीठ	-	-	-	-
वातावरण और महासागर विज्ञान	-	-	11	-
रसायन विज्ञान	-	-	13	-
भूविज्ञान	-	-	15	-
गणित विज्ञान	-	-	15	-
भौतिकी विज्ञान	-	-	15	-
कुल:	7	55	69	110

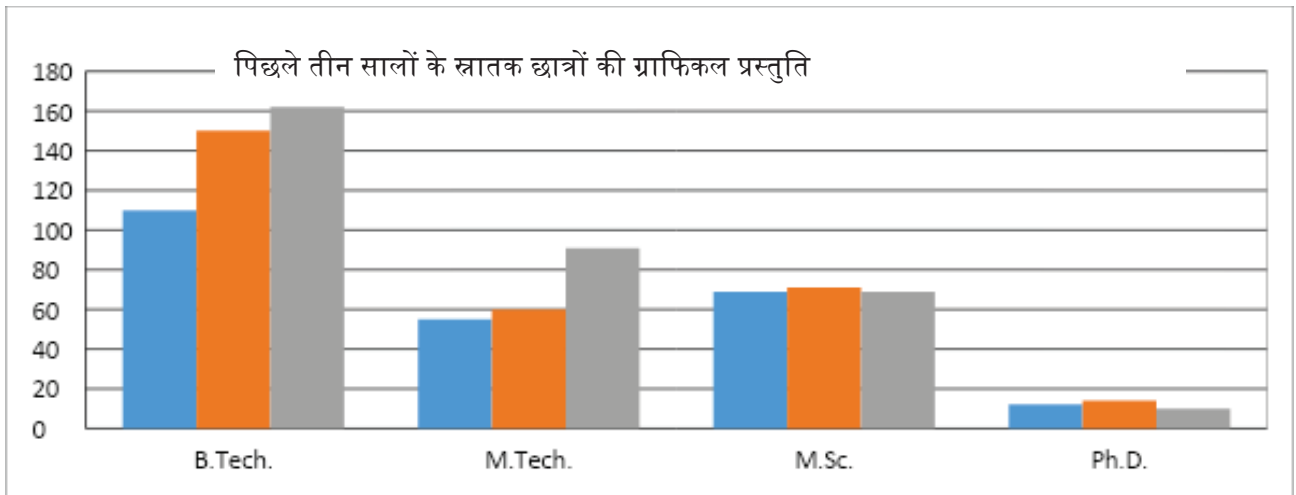
ग्रेजुएशन डेटा 2017				
विषयों	पीएचडी.	एमटेक	एमएससी.	बी टेक
सिविल अभियांत्रिकी	-	2	-	33
कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी	-	-	-	41
विद्युत अभियांत्रिकी	-	-	-	38
यांत्रिक अभियांत्रिकी	-	-	-	38
इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार अभियांत्रिकी	-	7	-	-

पदार्थ विज्ञान और अभियांत्रिकी	-	13	-	-
जलवायु विज्ञान और प्रौद्योगिकी	-	8	-	-
यांत्रिक प्रणाली अभिकल्प	-	10	-	-
तापीय विज्ञान और अभियांत्रिकी	-	11	-	-
पावर सिस्टम्स अभियांत्रिकी	-	4	-	-
आधारिक संरचना अभियांत्रिकी	-	3	-	-
परिवहन अभियांत्रिकी	-	2	-	-
आधारीय विज्ञान विद्यापीठ	9	-	-	-
विद्युत विज्ञान विद्यापीठ	3	-	-	-
आधारिक संरचना विद्यापीठ	1	-	-	-
यांत्रिक विज्ञान विद्यापीठ	1	-	-	-
वातावरण और महासागर विज्ञान	-	-	4	-
रसायन विज्ञान	-	-	17	-
भूविज्ञान	-	-	16	-
गणित विज्ञान	-	-	17	-
भौतिकी विज्ञान	-	-	17	-
<b>कुल:</b>	<b>14</b>	<b>60</b>	<b>71</b>	<b>150</b>

ग्रेजुएशन डेटा 2018				
विषयों	पीएचडी.	एमटेक।	एमएससी.	बी टेक।
सिविल अभियांत्रिकी	-	1	-	34
कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी	-	-	-	43
विद्युत अभियांत्रिकी	-	-	-	38
यांत्रिक अभियांत्रिकी	-	-	-	38
इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार अभियांत्रिकी	-	14	-	-
पदार्थ विज्ञान और अभियांत्रिकी	-	11	-	9
जलवायु विज्ञान और प्रौद्योगिकी	-	6	-	-

यांत्रिक प्रणाली अभिकल्प	-	14	-	-
तापीय विज्ञान और अभियांत्रिकी	-	16	-	-
पावर सिस्टम अभियांत्रिकी	-	14	-	-
आधारिक संरचना अभियांत्रिकी	-	8	-	-
परिवहन अभियांत्रिकी	-	7	-	-
आधारीय विज्ञान विद्यापीठ	3	-	-	-
विद्युत विज्ञान विद्यापीठ	2	-	-	-
आधारिक संरचना विद्यापीठ	1	-	-	-
यांत्रिक विज्ञान विद्यापीठ	2	-	-	-
मानविकी, सामाजिक विज्ञान और प्रबंधन विद्यापीठ	2	-	-	-
वातावरण और महासागर विज्ञान	-	-	4	-
रसायन विज्ञान	-	-	16	-
भूविज्ञान	-	-	15	-
गणित विज्ञान	-	-	18	-
भौतिकी विज्ञान	-	-	16	-
<b>कुल:</b>	<b>10</b>	<b>91</b>	<b>69</b>	<b>162</b>

### पिछले तीन वर्षों में स्नातक छात्रों का चित्रमय प्रतिनिधित्व



## छात्रवृत्ति

कार्यक्रम	छात्रवृत्ति का नाम	2018 (बैच)	2017 (बैच)	2016 (बैच)	2015 (बैच)
बी टेक	एमसीएम छात्रवृत्ति 2018-19	48	61	49	39
	मुफ्त छात्रवृत्ति 2018-19	0	0	2	16
	वित्तीय सहायता 2018-19	2	3	6	0
संयुक्त एम एस सी - पीएचडी	इंस्पायर एवं अन्य छात्रवृत्ति	9	18	16	--

## सम्मेलन में भागीदारी, पुरस्कार और पदक

कार्यक्रम	पुरस्कार और पदक	राष्ट्रीय सम्मेलन	अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन
बी टेक	6	3	1
एमटेक	7	-	2
संयुक्त एम एस सी - पीएचडी	5	1	--
पीएचडी.	10	45	15

## 2018-19 में विशेष कार्यक्रम

प्रोग्राम	दिनांक
वरिष्ठ सभा बैठकें	15.05. 2018
	11.10. 2018
	17.12. 2018
	20.03. 2019
दीक्षांत समारोह	22.09. 2019
राष्ट्रीय विज्ञान दिवस	28.02. 2019

## विद्यापीठ

### विद्यापीठ के बारे में

आधारीय विज्ञान विद्यापीठ एक अनूठा विद्यापीठ है जिसमें भौतिकी, रसायन विज्ञान, गणित और जैव विज्ञान के क्षेत्रों में अंतःविषय अनुसंधान पर जोर दिया जाता है। वर्तमान में एसबीएस इस प्रकार कार्यक्रम प्रदान करता है:

- संयुक्त एमएससी.-भौतिकी, रसायन विज्ञान और गणित में
- भौतिकी, रसायन विज्ञान, गणित और जैव विज्ञान में पीएचडी
- पोस्ट-डॉक्टरल कार्यक्रम विद्यापीठ में उत्कृष्टता के दो केंद्र हैं, नामत एमएचआरडी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर नोबल एनर्जी मैटेरियल्स (सीईएनईएमए) और एस के दाश सेंटर ऑफ एक्सीलेंस ऑफ जैव विज्ञान एवं अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी (एसकेबीईटी)

### आँकड़े:

- संकाय की संख्या:32
- नामांकित पीएचडी छात्रों के संख्या:30
- पीएचडी स्नातक छात्रों की संख्या:13

### आधारीय विज्ञान विद्यापीठ (एसबीएस)



### प्रमुख अनुसंधान क्षेत्र

भौतिकी में अनुसंधान के व्यापक क्षेत्रों में सैद्धांतिक और प्रायोगिक उच्च ऊर्जा भौतिकी, सैद्धांतिक और प्रायोगिक संघनित पदार्थ भौतिकी, प्रकाशिकी और फोटोनिक्स, परमाणु आणविक और सतह भौतिकी, गैर-समतल सांख्यिकीय यांत्रिकी, नैनोविज्ञान और नैनोप्रौद्योगिकी और नयी सामग्री खोज शामिल हैं।

रसायन शास्त्र अनुशासन में अनुसंधान भौतिक, जैविक, अजैविक और हरित रसायन विज्ञान के क्षेत्रों में फैला है: उत्प्रेरक और कैंसर रोधी दवाओं की दिशा में धातु परिसरों का अभिकलन और विकास, नैनोकणों की कार्यक्षमता और नैनोकणों आधारित बायोसेंसर, समन्वय रसायन शास्त्र, चुंबकीय सामग्री और चुंबकीय रसायन सहसंबंध और जैव-प्रेरित समन्वय रसायन शास्त्र, महीन रसायनों के लिए उत्प्रेरक, विदेशी जैविक और जैविक-अजैविक सह हाइब्रिड सामग्री के संश्लेषण के लिए आणविक मान्यता। गणित में अनुसंधान के मुख्य क्षेत्र विश्लेषण, एप्लाइड कार्यात्मक विश्लेषण, जटिल गतिशीलता और फ्रैक्टल, मैट्रिक्स सिद्धान्त, ग्राफ सिद्धान्त, अनुकूलन सिद्धान्त, कतारबद्ध सिद्धान्त, एप्लाइड संभाव्य मॉडल्स, कम्प्यूटेशनल फ्लूइड डायनेमिक्स, न्यूमेरिकल मेथड्स और सॉफ्ट कंप्यूटिंग हैं। जैव विज्ञान में अनुसंधान कार्य जी-प्रोटीन युग्मित रिसेप्टर जीव विज्ञान, पेप्टाइड/प्रोटीन अभिकलन और अभियांत्रिकी, आणविक मॉडलिंग, कम्प्यूटेशनल जीव विज्ञान, आंखों के लेंस, कुष्ठ रोग, तपेदिक और तंत्र के विभिन्न विभिन्न प्रोटीन के संरचना कार्य अध्ययन और कक्षा के विनियमन पर केन्द्रित है। एंजाइम एटीपीएस के एक वर्ग के तंत्र और विनियमन के विभिन्न जैविक मार्गों और मानव रोगों में शामिल है।

### अत्याधुनिक सुविधाएं

विद्यापीठ ने उन्नत शोध को आगे बढ़ाने के लिए अत्याधुनिक उपकरण खरीदे हैं। केंद्रीय उपकरण सुविधा के माध्यम से उन्नत उपकरण सुविधाओं की स्थापना की गई है:

- एक्स-रे डिफ्रैक्टोमीटर (एक्सआरडी)

- एमएससी छात्रों की संख्या:61
- 2018-19 में प्रकाशनों की संख्या: 250
- चल रहे प्रायोजित अनुसंधान परियोजनाओं की संख्या - 26

- स्कैनिंग इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप (एसईएम)
- रमन स्पेक्ट्रोफोटोमीटर
- रियोमीटर न्यूक्लियर मैग्नेटिक
- अनुनाद (एनएमआर)
- भौतिक गुण मापन प्रणाली (पीपीएमएस)
- गैस क्रोमेटोग्राफी-मास स्पेक्ट्रोमेट्री (जीसी-एमएस)

भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर ने केईके में, जापान में बेले और बेले द्वितीय, दोनों सीईएस का एक सदस्य हैं और सीएमएस सहयोग के सदस्य, लार्ज हैड्रॉन कोलाइडर (एलएचसी), केर्न, जिनेवा में हैं।

विद्यापीठ पूरी तरह से एक केंद्रीय कंप्यूटिंग सर्वर प्रणाली से सुसज्जित है और उच्च कंप्यूटिंग अनुसंधान और विश्लेषण के सभी प्रकार के लिए एकीकृत और कार्यात्मक है।

#### प्रयोगशालायें

आधारीय विज्ञान विद्यापीठ में निम्नलिखित प्रयोगशालाएं हैं जो प्रासंगिक आधुनिक उपकरणों और उपकरणों से सुसज्जित हैं:

- परमाणु आणविक और सतह भौतिकी प्रयोगशाला
- बायोकेमिस्ट्री प्रयोगशाला
- बायोउपकरण प्रयोगशाला
- रासायनिक जीवविज्ञान प्रयोगशाला
- समन्वय रसायन विज्ञान और सामग्री रसायन शास्त्र प्रयोगशाला
- समन्वय रसायन शास्त्र प्रयोगशाला
- प्रायोगिक उच्च ऊर्जा भौतिकी प्रयोगशाला
- एमएससी रसायन शास्त्र प्रयोगशाला
- एमएससी गणित प्रयोगशाला
- एमएससी भौतिकी प्रयोगशाला
- चुंबकीय सामग्री प्रयोगशाला
- नैनो फोटोनिक्स एवं प्लाज्मोनिक्स प्रयोगशाला
- नैनोस्ट्रक्चर एवं सॉफ्ट मैटर भौतिकी प्रयोगशाला
- कार्बनिक रसायन शास्त्र प्रयोगशाला
- कार्बनिक संश्लेषण प्रयोगशाला
- प्रोटीन रसायन शास्त्र प्रयोगशाला
- क्वांटम रसायन शास्त्र प्रयोगशाला
- नवीकरणीय ऊर्जा प्रयोगशाला
- सुप्रामॉलिक्यूलर रसायन शास्त्र प्रयोगशाला
- स्नातक रसायन शास्त्र प्रयोगशाला
- स्नातक भौतिकी प्रयोगशाला



## पृथ्वी, महासागर और जलवायु विज्ञान विद्यापीठ (एसईओसीएस)

### विद्यापीठ के बारे में

पृथ्वी प्रणाली विज्ञान के विभिन्न विशेष क्षेत्रों में अत्यधिक कुशल जनशक्ति पैदा करने की दृष्टि के साथ इस विद्यापीठ 2012 में स्थापित हुआ है।

वर्तमान में एसईओसीएस इस प्रकार के पाठ्यक्रम प्रदान करता है:

- संयुक्त एमएससी - भूविज्ञान, वायुमंडल और महासागर विज्ञान
- एमटेक - जलवायु विज्ञान और प्रौद्योगिकी में
- ऊपर लिखित सभी विषयों में पीएचडी कार्यक्रम विभिन्न विशेषज्ञताओं के साथ अनुभवी और प्रेरित संकाय सदस्य विद्यापीठ की ताकत में से एक रहे हैं। वर्तमान में, इन संकाय सदस्यों की विशेषज्ञताओं में भूरसायन, हाइड्रोजियोलॉजी और वाटरशेड प्रबंधन, भूभौतिकी, कोयला भूविज्ञान, पूरासमुद्र विज्ञान, पूराजलवायु विज्ञान, रिमोट सेंसिंग और जीआईएस अनुप्रयोग, वायुमंडलीय एरोसोल और जलवायु, डेटा आकलन और विश्लेषण, महासागर परिसंचरण और



### सांख्यिकी:

- संकाय की संख्या: 13
- 2017-2018 में दाखिला लिए पीएचडी के छात्रों की संख्या : 02
- एमएससी छात्रों की संख्या: 39
- जलवायु विज्ञान और प्रौद्योगिकी में एमटेक छात्रों की संख्या: 34
- 2018-19 में प्रकाशनों की संख्या: 41

### अत्याधुनिक सुविधाएं

प्रयोगशालाएं अत्याधुनिक कम्प्यूटेशनल और वैज्ञानिक उपकरणों से सुसज्जित हैं, जैसे आईसीपी-ओईएस, आयन क्रोमेटोग्राफी, स्वचालित उच्च रिजोल्यूशन स्टेरिओजूम माइक्रोस्कोप 3डी इमेजिंग क्षमता के साथ, ब्रॉडबैंड सीआईस्मोमीटर, अभियांत्रिकी सीआईस्मोग्राफ, डिजिटल ग्रेविमीटर, प्रतिरोधी मीटर (टेरामीटर), निरंतर ऑपरेटिंग जीपीएस संदर्भ स्टेशन, उच्च परिशुद्धता बहु-पैरामीटर महासागर प्रोफाइलर, दूरबीन और त्रिकोणीय ध्रुवीकरण माइक्रोस्कोप, उच्च रिजोल्यूशन स्टीरियो जूम माइक्रोस्कोप, जलविज्ञान और जलविद्युत-मौसम विज्ञान के उपकरण, उच्च प्रदर्शन तरल पदार्थ क्रोमेटोग्राफी, कुल जैविक कार्बन विश्लेषक, डियोनाइज्ड जल शोधन प्रणाली,

मॉडलिंग, मेसोस्केलमॉडलिंग और चरम मौसम की घटनाओं की भविष्यवाणी शामिल है। उष्णकटिबंधीय चक्रवात, बढ़ता तूफान और हवा-समुद्र परस्परता उष्णकटिबंधीय तरंगों, मॉडलिंग अंतर-उष्ण, कटिबंधीय अभिसरण क्षेत्र, मौसम की परिवर्तनशीलता, मौसम की गतिशीलता और जलवायु परिवर्तन इत्यादि।

माइक्रोबैलेंस, माइक्रोवेव पाचन प्रणाली, एलडी-पार्टिकल साइज विश्लेषक। इसके अलावा, प्रकाश संवेदक लाइटनिंग डिटेक्शन प्रणाली, वायुमंडलीय टिप्पणियों के लिए फ्लक्स टॉवर, कई उच्च वर्कस्टेशन है। डेटा विश्लेषण, सिमुलेशन, मॉडलिंग और दृश्य उद्देश्यों के लिए कंप्यूटर और सॉफ्टवेयर उपलब्ध है। उपकूल प्रक्रियाओं का अध्ययन करने के लिए, विद्यापीठ में वर्तमान प्रोफाइलर, कई सीटीडीओं, ग्रैब सैंपलर, निस्कन जल बोटलें, ग्रैविटी कोर (1.5 मीटर) इत्यादि हैं।

#### प्रयोगशालाओं

पिछले चार वर्षों के भीतर, निम्नलिखित प्रयोगशालाओं जैसे भूभौतिकीय और भू-रासायनिक विश्लेषण, पेट्रोलॉजिकल और पुरा जीवाश्म अध्ययन, रिमोट सेंसिंग और जीआईएस, मॉडलिंग और विजुअलाइजेशन, मौसम विश्लेषण और वायुमंडलीय और महासागर प्रक्रियाओं के पूर्वानुमान और सिमुलेशन का विकास हुआ है। प्रयोगशालाओं की सूची इस प्रकार है,

- एडवांस जियोकेमिस्ट्री प्रयोगशाला
- उन्नत खनिज विज्ञान और क्रिस्टलोग्राफी प्रयोगशाला
- एप्लाइड पुराजीवाश्म प्रयोगशाला
- जलवायु वेधशाला
- क्लाउड भौतिकी
- कम्प्यूटेशनल भूविज्ञान और एवं भूभौतिकीय प्रयोगशाला
- भूभौतिकीय प्रयोगशाला
- हाइड्रो भू गर्भीय और हाइड्रो- मौसम विज्ञान प्रयोगशाला
- उपकरण एवं निरीक्षण प्रयोगशाला
- मॉडलिंग और विजुअलाइजेशन प्रयोगशाला
- महासागर विश्लेषण और मॉडलिंग प्रयोगशाला
- अयस्क भूविज्ञान प्रयोगशाला
- पेट्रोलॉजी और भू रसायन प्रयोगशाला
- रिमोट सेंसिंग और जीआईएस प्रयोगशाला
- संरचना भूविज्ञान प्रयोगशाला
- तलछटोलॉजी प्रयोगशाला
- पालेओ जलवायु विज्ञान और पाले ओसेनोग्राफी प्रयोगशाला

इसके अलावा आईआईएसईआर बरहामपुर से सटे लाउदीगांव के पास तट रेखा पर बंगाल तटीय वेधशाला की स्थापित की जा रही है। यह ओडिशा सरकार, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय भारत सरकार और भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर द्वारा प्रायोजित संस्थान की प्रमुख परियोजना है। वेधशाला का मुख्य उद्देश्य विभिन्न प्रसिद्ध राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों के सहयोग से बंगाल की तटीय खाड़ी की वास्तविक समय मोनिटरिंग और निगरानी को एकत्र करना है।

## विद्युत विज्ञान विद्यापीठ (एसईएस)

### विद्यापीठ के बारे में

विद्युत विज्ञान के विद्यापीठ की स्थापना वर्ष 2008 में हुई थी। वर्तमान में एसईएस निम्नलिखित शैक्षणिक कार्यक्रम प्रदान किये जाते हैं:

• विद्युत अभियांत्रिकी, कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी में 4 वर्षीय बी टेक

• विद्युत अभियांत्रिकी, कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में 5 साल की दोहरी डिग्री (बी टेक और एमटेक)

• इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी, पावर सिस्टम अभियांत्रिकी और कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी और पावर इलेक्ट्रॉनिक्स एवं ड्राइव में एमटेक (जुलाई 2019)

• पीएचडी कार्यक्रम: विद्युत विज्ञान के सभी प्रमुख क्षेत्रों में। विद्यापीठ में शिक्षण और अनुसंधान दोनों में एक विशिष्ट रिकॉर्ड है। संकाय सदस्य अनुसंधान और विकास में सक्रिय हैं, और अत्यधिक प्रतिष्ठित राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय अग्रणी पत्रिकाओं में और राष्ट्रीय और



### अत्याधुनिक सुविधाएं

विद्यापीठ के प्रयोगशालाओं में कई सुविधाओं हैं जिनमें वीएलएसआई सिस्टम अभिकलन एवं फैब्रिकेशन प्रयोगशाला, आरटीडीएस प्रयोगशाला, नवीकरणीय ऊर्जा प्रणाली प्रयोगशाला, रेडिएटिंग सिस्टम डिजाइन प्रयोगशाला और आवेदन विकास और अनुसंधान के लिए कम्प्यूटेशनल सुविधाएं शामिल हैं। एम्बेडेड सिस्टम टूलस और एमएटीएलएबी से जुड़ी पूर्णरूप से विकसित एफपीजीए कार्यान्वयन और विकास सुविधाएं महत्वाकांक्षी डेवलपर्स के लिए एक आसान मंच प्रदान करती हैं।

### प्रयोगशालायें

विद्यापीठ में स्नातक, स्नातकोत्तर छात्रों और शोध छात्रों को विद्युत अभियांत्रिकी, इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार और कंप्यूटर विज्ञान अभियांत्रिकी के क्षेत्र में बहुत मूलभूत बातों से आधुनिक प्रवृत्तियों तक प्रशिक्षित करने के लिए पूर्ण प्रयोगशालाएं हैं। छात्र विभिन्न परियोजनाओं, कार्यक्रमों और विद्युत, इलेक्ट्रॉनिक्स, संचार और कंप्यूटर अभियांत्रिकी में विभिन्न अनुसंधान पहलुओं की अवधारणाओं के डिजाइन और परीक्षण करने के लिए आधुनिक प्रयोगशाला सुविधाओं और उपकरणों का उपयोग करते हैं। वर्तमान में **34** प्रयोगशालाएं हैं जिनमें शामिल हैं:

- उन्नत संचार प्रयोगशाला
- एल्गोरिदम प्रयोगशाला
- एनालॉग और डिजिटल इलेक्ट्रॉनिक्स प्रयोगशाला

अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में अपने शोध निष्कर्षों को प्रकाशित कर रहे हैं। इसके अलावा, संकाय सदस्य परामर्श की संख्या और सरकारी और अग्रणी उद्योगों द्वारा प्रायोजित परामर्श और परियोजना गतिविधियों में लगे हुए हैं।

#### सांख्यिकी :

- संकाय की संख्या: 29
- 2018-19 में प्रकाशनों की संख्या: 74
- अब तक दाखिल पेटेंट की संख्या: 10
- अब तक दिए गए पेटेंट की संख्या: 8

- बेसिक इलेक्ट्रॉनिक्स प्रयोगशाला
- बायोमेडिकल सिग्नल प्रोसेसिंग प्रयोगशाला
- क्लाउड प्रयोगशाला
- संचार अभियांत्रिकी प्रयोगशाला
- कंप्यूटर आर्किटेक्चर और एम्बेडेड सिस्टम प्रयोगशाला
- कंप्यूटर नेटवर्किंग प्रयोगशाला
- कंट्रोल एवं उपकरण प्रयोगशाला
- डाटाबेस सिस्टम प्रयोगशाला
- डिजिटल सिग्नल प्रोसेसिंग प्रयोगशाला
- इलेक्ट्रिक मशीन प्रयोगशाला
- विद्युत प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला
- तथ्य और विद्युत गुणवत्ता प्रयोगशाला
- उच्च प्रदर्शन कंप्यूटिंग प्रयोगशाला
- छवि एवं वीडियो प्रसंस्करण प्रयोगशाला
- मापन और उपकरण प्रयोगशाला
- माइक्रो फैब्रिकेशन एवं कैरेक्टराइजेशन प्रयोगशाला
- मल्टीमीडिया प्रयोगशाला
- ऑपरेटिंग सिस्टम और डीबीएमएस प्रयोगशाला
- ऑप्टिकल संचार प्रयोगशाला
- पावर इलेक्ट्रॉनिक्स एवं इलेक्ट्रिक ड्राइव प्रयोगशाला
- बिजली की गुणवत्ता और फ़ैक्ट प्रयोगशाला
- पावर सिस्टम विश्लेषण एवं संरक्षण प्रयोगशाला
- रियल टाइम डिजिटल सिमुलेशन )RTDS (प्रयोगशाला
- रियल टाइम एम्बेडेड सिस्टम प्रयोगशाला
- रियल टाइम सिग्नल प्रोसेसिंग प्रयोगशाला
- नवीकरणीय ऊर्जा प्रणालियां
- आरएफ ,माइक्रोवेव और लक्षण वर्णन प्रयोगशाला
- सुरक्षा प्रयोगशाला
- सिग्नल प्रोसेसिंग प्रयोगशाला
- स्मार्ट ग्रिड और हाइब्रिड एनर्जी सिस्टम प्रयोगशाला
- टेलीमेडिसिन प्रयोगशाला
- वायरलेस संचार एवं सेंसर नेटवर्क प्रयोगशाला
- वीएलएसआई सिमुलेशन प्रयोगशाला

## मानविकी, सामाजिक विज्ञान और प्रबंधन विद्यापीठ (एसएचएसएस एंड एम)

### विद्यापीठ के बारे में

विद्यापीठ अपने छात्रों को मानविकी और अन्य सामाजिक विज्ञानों में अंतर-अनुशासनात्मक शिक्षा प्रदान करना है। यह एक पूर्ण विभाग के रूप में विकसित हुआ है जिसमें तीन अलग-अलग विषयों - अर्थशास्त्र, अंग्रेजी और मनोविज्ञान में विशेषज्ञता है। छह युवा और गतिशील संकायों की एक टीम होने के नाते, पर्यावरण, वित्त, प्रबंधन, व्यक्तित्व विकास, संचार कौशल और तंत्रिका विज्ञान जैसे अंतर-अनुशासनात्मक क्षेत्रों में अच्छी तरह से निपुण, यह विद्यापीठ विद्वान नागरिकों को उत्पन्न करना चाहता है जो होगा तकनीकी ज्ञान, रचनात्मकता, सहानुभूति और सामाजिक उत्तरदायित्व का सही समामेलन होगा।

### सांख्यिकी :

- संकाय की संख्या- 08
- पीएचडी उपाधि प्राप्त छात्रों की संख्या: 07
- वर्तमान में नामांकित पीएचडी छात्रों की संख्या: 09
- पीएचडी थीसिस प्रस्तुत छात्रों की संख्या: 02
- 2018 में प्रकाशनों की संख्या: 08



डेटा बैंक के साथ एकीकृत कम्प्यूटेशनल प्रयोगशाला (आईसीएएलडीबी) आईसीएएलडीबी का उपयोग अनुसंधान विद्वानों और संकाय सदस्यों द्वारा विभिन्न सामाजिक अर्थशास्त्र चरों की गणना और पूर्वानुमान के लिए किया जाना है।

### अनुसंधान क्षेत्र :

- अंग्रेजी भाषा प्रशिक्षण कार्यक्रम
- वन संसाधन प्रबंधन
- कृषि क्षेत्र पर जलवायु परिवर्तन का प्रभाव
- खनन क्षेत्र और उत्पादकता; प्राकृतिक संसाधन का मूल्यांकन
- ठोस अपशिष्ट प्रबंधन
- बीमा
- अंग्रेजी में भारतीय लेखन;
- प्रवासी/प्रवासी साहित्य;
- यात्रा साहित्य; आत्मकथाएं; नवनिर्मिती लेखन क्रिएटिव;
- फिल्म अध्ययन और लोकप्रिय संस्कृति
- पोस्टकोलोनियल विश्व साहित्य ; अमेरिकी साहित्य, कनाडाई साहित्य
- क्रॉस-कल्चरल संचार; बिजनेस संचार
- नैदानिक मनोविज्ञान: संज्ञानात्मक तंत्रिका विज्ञान, संज्ञानात्मक मनोविज्ञान, हेमिस्फेरिक लेटरलाइजेशन, व्यक्तित्व, न्यूरोभाषाविज्ञान

- पूर्ण अनुसंधान परियोजनाएं: 13
- कंप्यूटर प्रयोगशालाओं की संख्या : 01
- कंप्यूटर की संख्या: 39
- संकाय कक्षों की संख्या: 08
- उपकरण की संख्या (प्रमुख उपकरणों की संख्या): 03
- ईएसएल शिक्षार्थियों की महत्वपूर्ण शब्दावली का विकास; संज्ञानात्मक पठन कौशल; दूसरी भाषा अधिग्रहण; शिक्षक शिक्षा और विकास; संचार कौशल; प्रौद्योगिकी और भाषा सीखना
- गैर-पश्चिमी दार्शनिक विद्यापीठ : अदविता वेदांत, बौद्ध धर्म और भारतीय दर्शन के अन्य विद्यापीठ।



## आधारिक संरचना विद्यापीठ (एसआईएफ)

### विद्यापीठ के बारे में

भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर का आधारिक संरचना विद्यापीठ अभियांत्रिकी शिक्षा में अपनी उत्कृष्टता, ज्ञान का निर्माण, अनुसंधान में नवाचार और पेशेवर सेवाओं में नेतृत्व को समर्पित करने के लिए निर्माण हुआ है। विद्यापीठ के लक्ष्य में स्नातक, स्नातकोत्तर और डॉक्टरेट कार्यक्रम में एक असीमित शैक्षणिक और अनुसंधान और सार्वजनीन आउटरीच में असीम शैक्षणिक वातावरण प्रदान करता है। विद्यापीठ की अकादमिक गतिविधियां मौलिक सिद्धांतों की व्यापक समझ, वास्तविक विश्व सिविल अभियांत्रिकी समस्याओं की चुनौतियों से निपटने की रचनात्मक क्षमता के विकास और समस्या जो वास्तव में अन्तः विषय है, उस समस्याओं को हल करने की विश्लेषणात्मक क्षमता पर जोर देती हैं। हमारा लक्ष्य अभियांत्रिकी समस्याओं को चुनौती देने और सिविल अभियांत्रिकी के विभिन्न उप-विषयों में कुशल अभियांत्रिकी समाधान प्रदान करना है। इस विद्यापीठ का मजबूत केंद्र पर्यावरण अभियांत्रिकी, जियोटेक्निकल अभियांत्रिकी,



### अत्याधुनिक सुविधाएं

विद्यापीठ में वास्तविक विश्व सिविल अभियांत्रिकी समस्याओं से निपटने में व्यावहारिक प्रशिक्षण के लिए पीएलएक्सिस 3डी, एबीएक्यूयू एस, हाइड्रस 3डी, वीएमओडीएफएलओ जैसे मॉडलिंग और सिमुलेशन पैकेज के साथ उन्नत कम्प्यूटेशनल प्रयोगशाला का सुविधा है। विद्यापीठ की पर्यावरण अभियांत्रिकी प्रयोगशाला विभिन्न पानी और अपशिष्ट जल का विश्लेषण परिष्कृत को अंजाम देने के लिए आस, जीसी, फ्रीज ड्रायर, रेडियोमीटर, यूवी-विस स्पेक्ट्रोफोटोमीटर, जीटा संभावित सह कण आकार एनालाइजर आदि जैसे अत्याधुनिक उपकरणों से सुसज्जित है। जियोटेक्निकल अभियांत्रिकी प्रयोगशाला में जीपीआर, चक्रीय त्रिवार्षिक सेटअप, लेजर प्रोलिलोमीटर, फ्लेक्सिबल वॉल परमीमीटर आदि जैसे उन्नत उपकरण हैं। स्ट्रक्चरल अभियांत्रिकी और कंक्रीट प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला सिविल अभियांत्रिकी के विभिन्न प्रकार की सिविल अभियांत्रिकी संरचनाएं के विश्लेषण और मूल्यांकन के लिए डायनेमिक एक्टुएटर्स, शेक टेबल, सर्वो नियंत्रित संपीडन परीक्षण मशीनें, एनडीटी उपकरण, जंग एनालाइजर आदि जैसी अत्याधुनिक सुविधाएं रखे हुए हैं। परिवहन अभियांत्रिकी प्रयोगशाला अत्याधुनिक उपकरणों से सुसज्जित है ताकि बिटुमिनस मिक्स डिजाइन, फुटपाथ मूल्यांकन, रूटिंग माप, बहु-मॉडल शहरी परिवहन नेटवर्क, यातायात प्रवाह इत्यादि का मूल्यांकन जैसे उन्नत प्रयोगों और सिमुलेशन कार्यों को पूरा किया जा सके। प्रयोगशाला सुविधा घरों में गतिशील शीयर

स्ट्रक्चरल अभियांत्रिकी, परिवहन अभियांत्रिकी और जल संसाधन अभियांत्रिकी के अनुसंधान पर है।

वर्तमान में विद्यापीठ इस प्रकार के शैक्षणिक कार्यक्रम प्रदान करता है:

सिविल अभियांत्रिकी में बीटेक, सिविल अभियांत्रिकी में दोहरी डिग्री बी टेक+पर्यावरण अभियांत्रिकी में एमटेक, सिविल अभियांत्रिकी में ड्यूल डिग्री बीटेक+एमटेक, संरचना अभियांत्रिकी, सिविल अभियांत्रिकी में दोहरी डिग्री बी टेक +परिवहन अभियांत्रिकी में एमटेक पर्यावरण अभियांत्रिकी में एमटेक, स्ट्रक्चरल अभियांत्रिकी में एमटेक, परिवहन अभियांत्रिकी में एमटेक, जल संसाधन अभियांत्रिकी में एमटेक और जियोटेक्निकल अभियांत्रिकी में एमटेक

#### •पीएचडी कार्यक्रम

विभाग बुनियादी और लागू अनुसंधान और परामर्श में सक्रिय रूप से शामिल है और विभिन्न संगठनों को विभिन्न अनुसंधान और विकास परियोजनाओं और परामर्श के माध्यम से उच्च गुणवत्ता वाली तकनीकी सलाहकार सहायता प्रदान करता है। विद्यापीठ अपने छात्रों को पाठ्येत्तर

रियोमीटर, दोहराया गया लोड त्रिवार्षिक परीक्षण, रोलर कॉम्पैक्टर के साथ व्हील ट्रेकिंग मशीन, सुपरपाव गाइरेटी कॉम्पैक्टर आदि जैसे परिष्कृत उपकरण हैं। इसके अलावा प्रयोगशाला में परिवहन प्रणाली योजना और यातायात अभियांत्रिकी क्षेत्र में काम करने वालों के लिए एक कम्प्यूटेशनल सुविधा है। जल संसाधन अभियांत्रिकी प्रयोगशाला जलविद्युत और उभरती वनस्पति के माध्यम से प्रवाहित होने वाले फ्ल्युविअल हाइड्रोलिक्स से संबंधित विभिन्न प्रयोगों और सिमुलेशन को अंजाम देने में सक्षम है। प्रयोगशाला में अत्याधुनिक उपकरणों जैसे डाउन लुकिंग और साइड लुकिंग ध्वनिक डॉप्लर वेलोसिमीटर, ध्वनिक डॉप्लर प्रोफाइलर्स, वेव जेनरेटर के साथ टिलटिंग फ्ल्युम्स और फ्लो विजुअलाइजेशन उपकरण एमआईकेआईएसएचएचई सॉफ्टवेयर, वाटर डेपथ रिकॉर्डर, डिजिटल फ्लोमीटर आदि है।

#### प्रयोगशालायें

आधारिक संरचना विद्यापीठ वर्तमान में आठ अच्छी तरह से सुसज्जित स्नातक और स्नातकोत्तर प्रयोगशालाओं के साथ इस प्रकार चलता है:

- उन्नत कम्प्यूटेशनल प्रयोगशाला
- कंक्रीट प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला
- अभियांत्रिकी यांत्रिकी प्रयोगशाला
- पर्यावरण अभियांत्रिकी प्रयोगशाला
- भू-तकनीकी अभियांत्रिकी प्रयोगशाला
- भूजल जल विज्ञान प्रयोगशाला
- हाइड्रो-मौसम विज्ञान प्रयोगशाला
- मृदा गतिशीलता प्रयोगशाला
- संरचनात्मक अभियांत्रिकी प्रयोगशाला
- प्रयोगशाला का सर्वेक्षण
- परिवहन अभियांत्रिकी प्रयोगशाला
- जल संसाधन अभियांत्रिकी प्रयोगशाला

उपरोक्त सभी प्रयोगशालाएं सिविल अभियांत्रिकी क्षेत्र के किसी भी सूक्ष्म विशेषज्ञता में उच्च अंत अनुसंधान कार्यों को पूरा करने के लिए आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित हैं।

अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं के अलावा, कक्षाएं मल्टीमीडिया प्रोजेक्टर से सुसज्जित हैं। इसके अलावा विद्यापीठ में 20 संकाय कार्यालय कक्ष, 01 सेमिनार कक्ष और 01 सम्मेलन कक्ष है।



गतिविधियों में शामिल होने, टीम भावना को बढ़ावा देने और उनके नवोदित प्रबंधकीय कौशल को परिष्कृत करने के लिए भी प्रोत्साहित करता है।

यह विद्यापीठ अनुसंधान एवं कंसल्टेंसी वर्क में एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड, एनबीसीसी, वेदांत लिमिटेड, आईडीसीओ और टाटा स्टील लिमिटेड जैसी विभिन्न एजेंसियों/उद्योगों का सहयोग कर रहा है। वर्तमान में यह विद्यापीठ 12 अनुसंधान प्रोजेक्ट पर काम कर रहा है। विद्यापीठ में 3 एसपीआरसी प्रस्ताव चल रही हैं।

#### ऑकड़े:

- संकाय की संख्या: 18
- वर्तमान में नामांकित पीएचडी छात्रों की संख्या: 12
- 2018 में प्रकाशनों की संख्या: 67
- एमटेक छात्र की संख्या: 31

## यान्त्रिकी विज्ञान विद्यापीठ (एसएमएस)

### विद्यापीठ के बारे में

भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर में यांत्रिक विज्ञान के विद्यापीठ विश्व स्तर पर सक्षम और स्थानीय रूप से प्रासंगिक होने का प्रयास करते हैं।

वर्तमान में विद्यापीठ इस प्रकार कार्यक्रम प्रदान करता है:

- यान्त्रिक अभियांत्रिकी में बीटेक, यान्त्रिक अभियांत्रिकी में बीटेक + यान्त्रिक सिस्टम डिजाइन में एमटेक, यान्त्रिक अभियांत्रिकी में बीटेक + थर्मल विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में एमटेक, यान्त्रिक अभियांत्रिकी में बी टेक + मैनुयुफैक्चरिंग अभियांत्रिकी में एमटेक
- यान्त्रिक सिस्टम डिजाइन में एमटेक थर्मल विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में एमटेक और पीएचडी. कार्यक्रम विद्यापीठ के प्रमुख क्षेत्रों में ऊर्जा और पर्यावरण, उन्नत विनिर्माण, स्वायत्त रोबोटिक्स, कृषि स्वचालन और उत्पाद डिजाइन शामिल हैं। विद्यापीठ के संकाय सदस्य भी विशेषज्ञता के अपने क्षेत्रों में बुनियादी अनुसंधान में शामिल हैं, जबकि प्रौद्योगिकियों, उत्पादों और प्रक्रियाओं को बनाने में उनकी साझा विशेषज्ञता को मिश्रित करने के लिए एक साथ आ रहे हैं जो कि दोनों राष्ट्रीय और स्थानीय अर्थव्यवस्था समृद्ध करेंगे। विद्यापीठ योगदान के तीन महत्वपूर्ण मार्गों के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका देखता है-मानव पूंजी का निर्माण, ज्ञान पूंजी का निर्माण और व्यापक विचार से उद्योग चक्र के



### अत्याधुनिक सुविधाएं

उन्नत उत्पाद विकास प्रयोगशाला में एक उच्च अंत फोर्टस 400 एफडीएम आधारित रैपिड प्रोटोटाइप मशीन और एक उच्च सटीकता 3-डी ऑप्टिकल प्रोफिलोमीटर है। उन्नत विनिर्माण प्रयोगशाला में 400 वाट फाइबर लेजर माइक्रो वर्कस्टेशन, लेजर-मिलिंग हाइब्रिड प्रसंस्करण और एक स्पंदित माइक्रो माइक्रो-इलेक्ट्रोफॉर्मिंग जैसे विभिन्न घर के विकसित उपकरण हैं। इसके अलावा, प्रयोगशाला में रिवर्स अभियांत्रिकी, सीएनसी मिलिंग और गियर हॉबिंग मशीन के लिए डिजिटाइजर के साथ सीएनसी राउटर भी है। थर्मो-तरल प्रयोगशाला में विभिन्न गर्मी हस्तांतरण घटनाओं के दृश्य के लिए नेक्सा पीईएम ईंधन सेल प्रशिक्षण प्रणाली, ज्वाला प्रचार और स्थिरता इकाई और मच-जेनडर इंटरफेरोमीटर है।

### प्रयोगशालायें

विद्यापीठ में एक उच्च कम्प्यूटेशनल प्रयोगशाला के साथ अच्छी तरह से सुसज्जित प्रयोगशालाएं हैं, जिनमें 30 वर्कस्टेशन हैं जो 18 ब्लेड सर्वर द्वारा कार्यरत है। यह प्रयोगशाला एएनएसवाईएस, सॉलिडवर्क्स, नास्ट्रन, हाइपर वर्क्स, प्रो-ई, कैटिया, एडीएएमएस, कामसोल, एमएटी प्रयोगशाला, प्रयोगशाला व्यू, एएसएपी-प्रो, टेक्प्लॉट 360 आदि जैसे विभिन्न सॉफ्टवेयर पैकेज भी प्रदान करती है। विद्यापीठ प्रमुख उपकरणों के साथ प्रयोगशालाओं का पालन किया है:

### उन्नत विनिर्माण प्रयोगशाला

ऑप्टिकल प्रोफिलोमीटर, प्रोफाइल प्रोजेक्टर, ग्राइंडर, लेजर आधारित माइक्रो-मशीनिंग वर्कस्टेशन।

निर्माण के माध्यम से धन पूंजी का निर्माण।

सांख्यिकी:

- संकायों सदस्यों: 20
- बी टेक छात्रों की संख्या: 204
- 2018-2019 में पीएचडी छात्रों के संख्या: 11
- एमटेक छात्रों की संख्या: 64
- 2018-2019 में प्रकाशनों की संख्या: 35
- फाइल किए गए पेटेंट की संख्या: 1

### उन्नत उत्पाद विकास प्रयोगशाला

फ्यूज्ड डिपोजिशन विधि आधारित रैपिड प्रोटोटाइप उत्पादन प्रणाली, ऑप्टिकल थ्री आयामी (3डी) प्रोफाइलर सिस्टम

### कृत्रिम बुद्धि और मेचट्रोनिक्स प्रयोगशाला

स्टीवर्ट प्लेटफॉर्म, ह्यूमनॉइड रोबोट प्लेटफॉर्म (बायोलॉयड और लैमार्क), जोड़तोड़ बांह, हेक्सापॉड रोबोट, चार पहिएदार रोबोट, टेबल टॉप सीएनसी मिलिंग और टर्निंग मशीनें

### सीएडी/ सीएएम/ सीईई प्रयोगशाला

सीएडीबीएल के लिए वर्क स्टेशन, सीएडीबीएल के लिए यूपीएस, सीएडीबीएल का विद्युतीकरण, सीएडीबीएल के लिए कार्य स्टेशन, ब्लेड सर्वर, एएनएसवाईएस सॉफ्टवेयर (25 प्रयोगकर्ता), एएनएसवाईएस सॉफ्टवेयर (75 प्रयोगकर्ता), प्रो अभियांत्रिकी सॉफ्टवेयर, हाइपर वर्क्स सॉफ्टवेयर, सीएडीप्रयोगशाला के लिए स्कैनर एवं प्लॉटर, सीएडीप्रयोगशाला के लिए यूपीएस, एमएससी सॉफ्टवेयर बंडल, पीबीएस प्रो, टेक प्लॉट 360, कैटिया, डेलमिया और स्मार्ट टीमा।

### कम्प्यूटेशनल एयरो-ध्वनिक प्रयोगशाला

#### सीडब्ल्यूएफ प्रयोगशाला

टीआईजी और एमआईजी वेल्डिंग, सामान्य उद्देश्य बेल्ट ग्राइंडर और सतह पॉलिशर, हाइड्रोलिक नमूना बढते प्रेस, प्रेरण भट्टी, प्रतिरोध भट्टी, फाउंड्री उपकरण और मशीनरी, मफल भट्टी, 80 टन हाइड्रोलिक प्रेस।

### द्रव गतिशीलता प्रयोगशाला

4चैनल हॉट वायर एनेमोमीटर, 70 सीएफएम 13 बार स्कू टाइप कंप्रेसर

द्रव यांत्रिकी प्रयोगशाला, तरल चिपचिपाहट, प्रवाह मापन, प्रमुख और मामूली नुकसान, विसर्जित निकायों पर बल, प्रवाह दृश्य (सभी प्रयोगात्मक सेट अप भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर के यू.जी. छात्रों द्वारा विकसित किए जाते हैं) के मापन के लिए प्रायोगिक सेट अप।

### ताप स्थानांतरण प्रयोगशाला

गाढा ट्यूब हीट एक्सचेंजर यूनिट, शेल और ट्यूब हीट एक्सचेंजर यूनिट, संयुक्त मुक्त और मजबूर संवहन और विकिरण हीट ट्रांसफर यूनिट, तापमान मापन में विकिरण त्रुटियां, अस्थिर राज्य हीट ट्रांसफर यूनिट, प्रशीतन चक्र प्रदर्शन

इकाई, रेखिक और रेडियल हीट कंडेशन यूनिट, विकिरण हीट ट्रांसफर यूनिट, साइकिल इनवर्जन वाल्व के साथ संयुक्त चक्र प्रशीतन इकाई, विस्तारित भूतल हीट ट्रांसफर यूनिट, सिंगल ट्यूब उबलते हीट ट्रांसफर यूनिट, क्रिटिकल हीट फ्लक्स उबलते हीट ट्रांसफर यूनिट, प्लेट हीट एक्सचेंजर यूनिट, उबलते हीट एक्सचेंजर यूनिट, 5 × 3 ट्यूब बंडल उबलते हीट ट्रांसफर परीक्षण सेटअप, पीसीएम आधारित इलेक्ट्रॉनिक चिप शीतलन सेटअप

#### आईसी इंजन प्रयोगशाला

परिवर्तनीय संपीडन अनुपात इंजन, अक्षीय प्रवाह गैस टरबाइन यूनिट, लौ प्रचार और स्थिरता इकाई, नेक्सा ईंधन सेल प्रशिक्षण प्रणाली, 4 स्ट्रोक 4 सिलेंडर सीआरडीआई डीजल इंजन ओपन ईएसयू के साथ, निकास गैस विश्लेषक के साथ।

#### मशीन और तंत्र प्रयोगशाला

स्थिर और गतिशील संतुलन, शाफ्ट का चक्कर, जियोस्कोप, गवर्नर, एंटी-घर्षण असर, हाइड्रोडायनामिक स्नेहन, बुनियादी काइनेमेटिक्स प्रदर्शन - गियर्स, लिंकेज, मैकेनिज्म, उलटा, विभेदक, सार्वभौमिक कंपन उपकरण।

#### मशीन टूल्स एवं मशीनिंग प्रयोगशाला

वायर कट ईडीएम, अल्ट्रासोनिक ड्रिलिंग सह मिलिंग मशीन, सीएनसी वर्टिकल मिलिंग सेंटर, मास्टर गियर हॉबलिंग, रेडियल ड्रिलिंग मशीन, औद्योगिक ग्राइंडर, लैकी मशीन, मिलिंग मशीन, हाइड्रोलिक सरफेस ग्राइंडर, डार्ड डूबई ईडीएम, डायनेमोमीटर, लैपिंग मशीन, टेलीरॉड।

#### सामग्री परीक्षण प्रयोगशाला

कठोरता परीक्षण मशीनें: राँकवेल, ब्रिनेल, विकर्स, स्प्रिंग टेस्टिंग मशीन, टोरसन परीक्षण मशीन, रोटरी बेंड थकान परीक्षण मशीन, एरिचसेन कर्पिंग टेस्ट मशीन, फोटो-लोचदार बेंच, ऑप्टो-थर्मल प्रयोगशाला (थर्मो-फ्लूइडप्रयोगशाला), मैक - दस भाग इंटरफेरोमीटर सेटअप

#### सेंस एवं प्रोसेस प्रयोगशाला

ध्वनि प्रतिबाधा ट्यूब, हैंडहेल्ड ध्वनि विश्लेषक, डीएक्यू बोर्ड और पीएक्सआई चेसिस, कॉम्पैक्ट सीआरआईडी डीएचक्यू प्रणाली

## खनिज ,धातुकर्म और पदार्थ अभियांत्रिकी विद्यापीठ

## विद्यापीठ के बारे में

2012 में स्थापित भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर में खनिज, धातुकर्म और सामग्री अभियांत्रिकी विद्यापीठ एक अनूठी पहल है, जहां खनिज, धातु और सामग्री स्थानीय रूप से प्रासंगिक और विश्व स्तर पर प्रासंगिक और विश्व स्तर पर होने के मिशन के साथ एक सहयोगात्मक अस्तित्व में आ गए हैं प्रतिस्पर्धी हैं। वर्तमान में विद्यापीठ इस प्रकार शैक्षणिक कार्यक्रम प्रदान करता है:

- धातुकर्म और पदार्थ अभियांत्रिकी में बीटेक,
- बीटेक-एमटेक धातुकर्म और पदार्थ अभियांत्रिकी में दोहरी डिग्री,
- एम टेक धातुकर्म और पदार्थ अभियांत्रिकी में और
- पीएचडी. कार्यक्रम

भारत के सबसे खनिज समृद्ध राज्यों में से एक ओडिशा राज्य में स्थित, विद्यापीठ को पता है कि जब आर्थिक रूप से अपने अंतिम उत्पाद में बदल जाता है तो खनिज से अधिकतम आर्थिक लाभ प्राप्त किया जा सकता है जिससे अंतिम लाभ होता है।

## सांख्यिकी:

- संकायों की संख्या: 11



## अत्याधुनिक सुविधाएं

विद्यापीठ लगातार अपनी उन्नत प्रायोगिक और कम्प्यूटेशनल सुविधाओं को बनाने और अपग्रेड करने का प्रयास करता है। विद्यापीठ ने ईडीएक्स और ईवीएसडी सुविधा के साथ एक फील्ड एमिशन स्कैनिंग इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप की खरीद की है जो सेंट्रल उपकरण फैसिलिटी के तहत है। अन्य में छवि विश्लेषण सुविधा, पिघलने और गर्मी उपचार सुविधाओं के साथ उल्टे और ईमानदार ऑप्टिकल माइक्रोस्कोप जैसी माइक्रोस्कोपी सुविधाएं, नमूना तैयार करने के लिए मेटलोग्राफी सुविधा, सार्वभौमिक कठोरता, परीक्षण मशीन, मल्टीस्केल और मल्टीफिजिक्स सिमुलेशन सॉफ्टवेयर के साथ इलेक्ट्रोकेमिकल वर्कस्टेशन और हाई परफॉर्मेंस कंप्यूटिंग क्लस्टर भी शामिल है। प्रयोगशालायें

विद्यापीठ स्नातक और स्नातकोत्तर शिक्षण और विद्यापीठ और संस्थान की विभिन्न अनुसंधान गतिविधियों को पूरा करने के लिए कई प्रयोगशालाओं का विकास कर रहा है। वर्तमान में यह निम्नलिखित प्रयोगशालाओं है :

- इलेक्ट्रोमेटलुर्गी और थर्मोडायनामिक्स प्रयोगशाला
- उच्च तापमान प्रसंस्करण प्रयोगशाला
- यान्त्रिक परीक्षण प्रयोगशाला

- एचपीसी कंप्यूटर क्लस्टर: 2
- प्रमुख उपकरणों की संख्या: 60
- प्रकाशनों की संख्या: 19
- प्रायोजित परियोजनाओं की संख्या (चल रहा है): 10 संख्या कंसल्टेंसी परियोजनाओं की संख्या: 05
- पेटेंट की संख्या (आज तक): 04
- लंबित पेटेंट की संख्या: 01
- संगोष्ठियों का आयोजन: 01
- विशिष्ट आगतुक: 01
- धातुविज्ञान प्रयोगशाला
- खनिज प्रसंस्करण प्रयोगशाला
- मॉडलिंग और सिमुलेशन प्रयोगशाला
- ऑप्टिकल माइक्रोस्कोपी प्रयोगशाला
- भौतिक धातु विज्ञान प्रयोगशाला
- पाउडर प्रसंस्करण प्रयोगशाला
- सामग्री विशेषता प्रयोगशाला
- प्रक्रिया नियंत्रण और उपकरण प्रयोगशाला

संकाय सदस्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, यूजीसी-डीई कंसोर्टियम ऑफ साइंटिफिक अनुसंधान-कालपक्कम, योजना समन्वय विभाग-ओडिशा सरकार और उच्चतरविस्कर योजना-एमएचआरडी से प्रायोजित परियोजनाओं में लगे हुए हैं। यह विद्यापीठ टाटा स्पंज आयरन लिमिटेड, जिंदल स्टेनलेस स्टील्स लिमिटेड और पारादीप फॉस्फेट लिमिटेड जैसे उद्योगों को सक्रिय रूप से तकनीकी परामर्श सेवाएं प्रदान कर रहा है।

## उत्कृष्टता केंद्र

### वरचुअल एवं अग्यूमेंटेड रियलिटी उत्कृष्टता केंद्र

वरचुअल एवं अग्यूमेंटेड रियलिटी के क्षेत्र में उत्कृष्टता का एक केंद्र भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर में जनवरी 2018 में एमएसएमई विभाग, ओडिशा सरकार, सॉफ्टवेर टेक्नोलॉजी पार्क ऑफ़ इंडिया(एसटीपीआई) एवं परोपकारी सुस्मिता बागची द्वारा प्राप्त राशि द्वारा स्थापित किया गया था। भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर और उपर्युक्त तीन पार्टियों के बीच इस संबंध में जनवरी 2018 में ओडिशा के मुख्यमंत्री श्री नवीन पटनायक की उपस्थिति में एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए थे। केंद्र का मुख्य लक्ष्य (क) एआर/वीआर के क्षेत्र में अत्याधुनिक परियोजनाओं का विकास (ख) भा.प्रौ.सं. के लोगों एवं भा.प्रौ.सं. के बाह्य के लोगों के लिए प्रशिक्षण पद्धति का विकास करना (ग) उच्च आयात एआर/वीआर परियोजनाओं की स्थापना। श्रीमती सुब्रतो बागची (पूर्व अध्यक्ष, दक्षता विकास अधिकार, ओडिशा) इस केंद्र की प्राथमिक संरक्षक है। प्रो.आर.वी.राजकुमार, निदेशक भा.प्रौ.सं.भुवनेश्वर ने इस केंद्र की सफलता की कामना की है।



श्री.ए.पाटी, मुख्य सचिव ओडिशा एवं श्री सुब्रतो बागची मुख्य परामर्शदाता वीआरसीआई की प्रयोगशालाओं में से एक का दौरा करते हुए



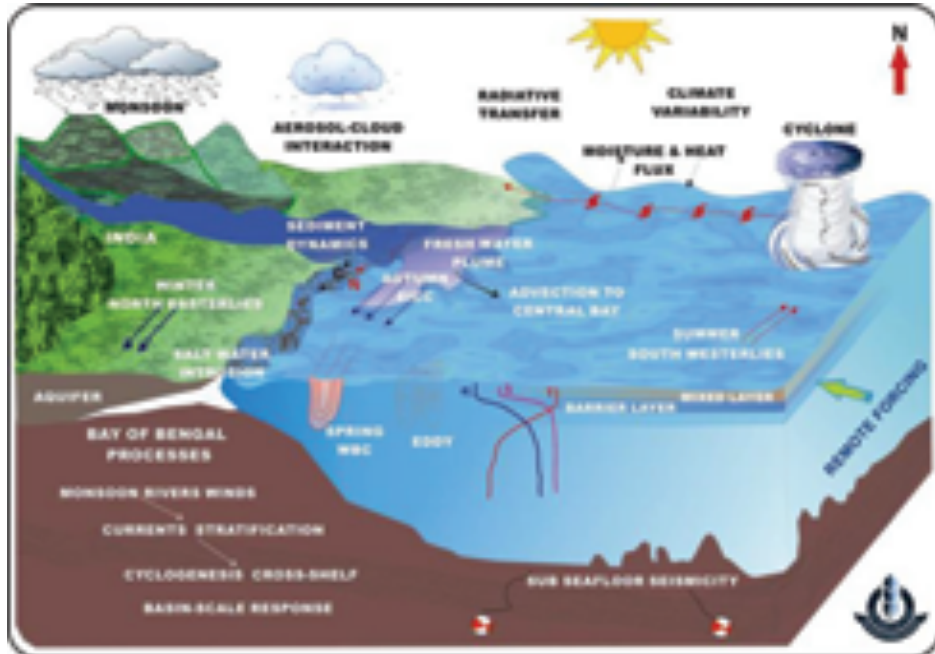
मुख्य परामर्शदाता सुब्रतो बागची एवं भा.प्रौ.सं. निदेशक प्रो.आर.वी.राजकुमार, वीआरसीआई प्रयोगशाला में

वर्तमान, भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर के 10 संकाय सदस्य, कई स्नातक और स्नातकोत्तर छात्र, और कई अनुसंधान सहायक इस केंद्र की विभिन्न परियोजनाओं में शामिल हैं। इस केंद्र की वर्तमान परियोजनाएँ इन क्षेत्रों में हैं। (i) स्कूली बच्चों की वैकल्पिक शिक्षा में एआर/वीआर, (ii) एक चालक रहित कार के लिए सिमुलेटर, (iii) एआर/वीआर का उपयोग कर रोबोट का नियंत्रण, (iv) वरचुअल रियलिटी का उपयोग करके इस्पात उद्योग में गैर – विनाशकारी परीक्षण, (v) स्वास्थ्य सेवा में एआर, (vi) स्मार्ट ग्रिड में दोष विश्लेषण, (vii) महेंगे उपकरणों के लिए प्रशिक्षण नमूना, (viii) प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण में एआर। संकाय सदस्यों और छात्रों को एआर/वीआर परियोजनाओं को प्रस्तुत करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है, जिन्हें भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर के अंदर और बाहर के विशेषज्ञों द्वारा समीक्षा के बाद अनुमोदित किया जाता है। वीआरसीआई केंद्र देश के अन्य शैक्षणिक और अनुसंधान संस्थानों के लिए भी उपलब्ध है।



### बंगाल की खाड़ी तटीय बेघशाला (बीओबीसीओ)

जलवायु परिवर्तन के लिए नवाचार केंद्र (आईसीश्री) बंगाल की खाड़ी तटीय बेघशाला एक एकीकृत बहु-विषयक दीर्घकालिक और स्थायी अवलोकन सुविधा है, जो पृथ्वी-महासागर-भूमि-वायुमंडल के बीच अलग-अलग अनुपात-लौकिक पैमानों पर आपसी तालमेल को समझने के लिए है। यह अवलोकन सुविधा चरम घटनायाओं, उष्णकटिबंधीय चक्रवात, समुद्र के स्तर में वृद्धि, जलवायु परिवर्तन, क्षेत्रीय जलवायु और मनसून परिवर्तनशीलता, एरोसोल, समुद्रीय भूकंपीय विज्ञान, खारे पानी की घुसपैठ, तटीय प्रक्रियाओं, महासागर संचलन और जैव-रासायनिक चक्र, समुद्र के अम्लीकरण और जीवाश्म आदि की निगरानी करेगी। यह अनुमान लगाया गया है कि बंगाल की खाड़ी पर ये अवलोकन परिचालन और अनुसंधान संस्थानों को मौसम और जलवायु भविष्यवाणी में सुधार के लिए पृथ्वी प्रणाली के विभिन्न घटकों के बीच पेचीदा बातचीत को बेहतर ढंग से समझने की सुविधा प्रदान करेंगे।





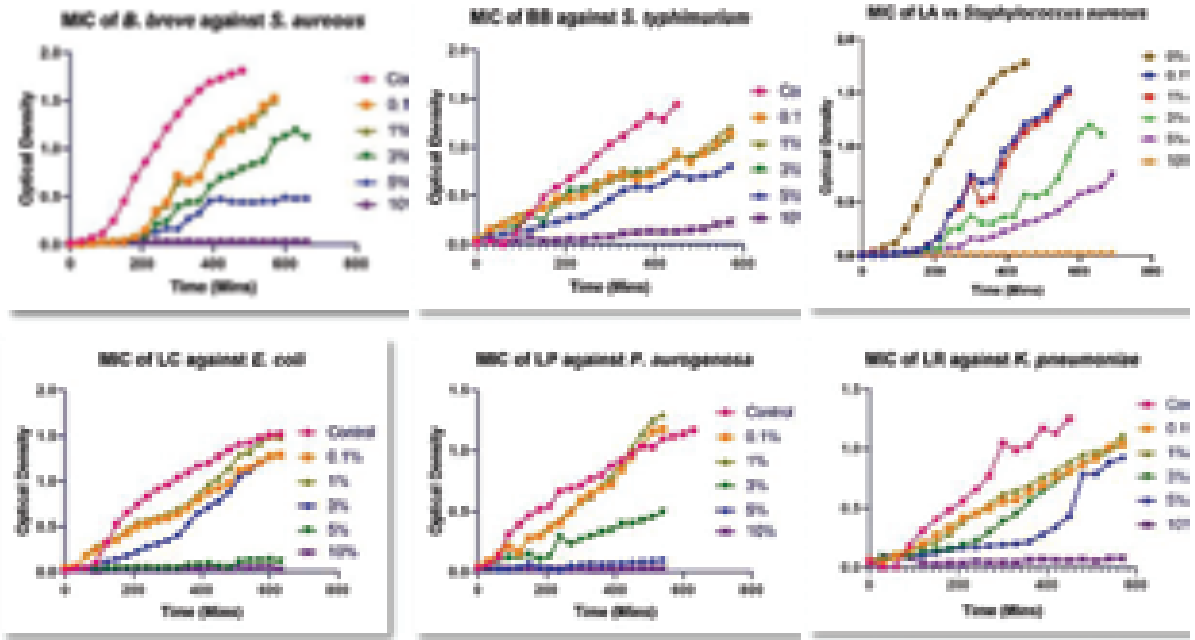
### एस के दास सेंटर ऑफ बायोसाइंसेज एंड इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (एसकेबीईटी)

एस के दास सेंटर ऑफ बायोसाइंसेज एंड इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी(एसकेबीईटी) भा.प्रौ.सं.भुवनेश्वर में 2014 में डॉ. एस के दास फाउंडेशन,युएसए से एक उदार अनुदान के साथ प्रोबायोटिक्स और जीव विज्ञान के व्यापक क्षेत्रों पर शोध करने के लिए स्थापित किया गया था। केंद्र में माइक्रोबायोलॉजी, कोशिका जीव विज्ञान, आणविक जीव विज्ञान और जैव सूचना विज्ञान पर हमारे शोध करने के लिए अत्याधुनिक इंस्ट्रुमेंटेशन सुविधा के साथ एक विश्व स्तरीय प्रयोगशाला है। नई अनुसंधान प्रयोगशालाओं का उद्घाटन 18 दिसम्बर को ऐमस भुवनेश्वर निदेशक, डॉ.गीतांजलि बटमानामेन, एलएलसी.डॉ.सीताकांत दास, निदेशक भा.प्रौ.सं.भुवनेश्वर प्रो.आर.वी.राजकुमार और समन्यवक, एसकेबीईटी प्रो.सरोज कुमार द्वारा किया गया था।



एसकेबीईटी के प्रयोगशाला उद्घाटन समारोह में सम्मानित अतिथि

वर्ष 2018 के लिए केंद्र का लक्ष्य विभिन्न संभावित प्रोबायोटिक उपभेदों को उनके प्रोबायोटिक गुणों के लिए प्रदर्शित करना था। हमने सफलतापूर्वक छह प्रोबायोटिक उपभेदों की पहचान की है जो एक स्थापित प्रोबायोटिक तनाव, ला डीडीएस 1 के बराबर हैं। पहचाने गए उपभेद 10% एकाग्रता या कम (चित्र 2) में विभिन्न रोगजनक उपभेदों के विकास को दबा सकते हैं। अगले वर्ष के लिए हमारा लक्ष्य कुछ और प्रोबायोटिक उपभेदों की खोज करना है और आंत माइक्रोबायोटा और प्रतिरक्षा को संशोधित करने और उनमें से कुछ उत्पादों को तैयार करने और उत्पादों को नैदानिक परीक्षण अध्ययन में ले जाने की उनकी क्षमता है।



चित्र 2. विभिन्न रोगजनक प्रकार उपभेदों के विकास कैनेटीक्स से अनुमानित पहचान किए गए प्रोबायोटिक उपभेदों के न्यूनतम इनहिबिटरी एकाग्रता (एमआईसी)।

### नवीन ऊर्जा सामग्री उत्कृष्टता केंद्र (सीईएनईएमए)

भा.प्रौ.सं.भुवनेश्वर में सेंटर ऑफ एक्सीलेस फॉर नोवेल एनर्जी मैटेरियल (सीईएनईएमए) का लक्ष्य ऊर्जा सामग्री के विज्ञान और इंजीनियरिंग में सबसे आगे, अन्वेषण और दोहन करना है। इस केंद्र का प्राथमिक उद्देश्य ऊर्जा रूपांतरण और भंडारण के लिए नई सामग्रियों को विकसित करने और डिजाइन करने के लिए केंद्र बनना है, जिसमें एक नीचे के दृष्टिकोण से परमाणु/आणविक डिजाइन से अंतिम उपयोग योग्य उत्पाद शुरू होता है। केंद्र के अन्य पूरक कार्यों में शामिल हैं: औद्योगिक आउटरीच और ज्ञान हस्तांतरण, सामग्री अनुसंधान का समर्थन करने के लिए साझा सुविधाओं का संचालन और ऑफ-कैंपस, स्नातक और स्नातक शोधकर्ताओं के लिए शैक्षिक आउटरीच।

केंद्र में अकादमिक के साथ-साथ औद्योगिक अनुसंधान और विकास के लिए अत्याधुनिक उपकरण हैं। यद्यपि ऊर्जा रूपांतरण और भंडारण को दुनिया भर में एक चुनौती के रूप में मान्यता दी गई है, यह विकासशील देशों में अधिक है जहां मांग उत्पादन से अधिक है। विशेष रूप से, हमारे अनुसंधान टिकाऊ ऊर्जा समाधान के उत्पादन और प्रदान करने में केंद्रित है। वर्तमान टीम के सदस्य भुवनेश्वर (भा.प्रौ.सं.भु,आईआईएमटी और आईओपी) में तीन अलग-अलग केंद्र पोषित संस्थानों से आते हैं, जिसमें सुपरमॉलेरिकल केमिस्ट्री से लेकर बैटरी तकनीक तक की विशेषज्ञता होती है। हमने उद्योगों के साथ एक मजबूत सहयोग स्थापित किया है। उदाहरण के लिए, शुरू में लगभग 1 करोड़ रुपये का वित्त पोषण और जैसा कि हमने प्रगति की है कि हमने हाल ही में कुल 1.4 करोड़ रुपये

की 4 परियोजनाएँ प्राप्त की हैं। मुख्य उद्योग प्रायोजित नाल्को है, जो एल्युमीनियम पर उन्नत शोध को देखने के लिए है, जिसमें बैटरी प्रौद्योगिकी, ऊर्जा कुशल इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों में एल्युमीनियम का उपयोग संभव है। सौर कलेक्टरों आदि इसी तरह, ग्रेफीन के क्षेत्र में टाटा स्टील से अनुमोदित सिद्धांत में लगभग 40 लाख का वित्तपोषण है। हम अपने कुछ विकासों को मान्य करने के लिए अक्षय ऊर्जा अनुसंधान पर भा.प्रौ.सं.भुवनेश्वर, कर्मा से पहली शुरुआत के साथ सहयोग करना जारी रखते हैं। सीईएनईएमए के माध्यम से, अब तक हमने 1 पेटेंट दायर किया है और प्रकाशन के लिए कई पत्रों का संचार किया जाता है। कंडक्टर अनुप्रयोगों में अल-ग्रेफीन कंपोजिट के प्रभाव का अध्ययन किया गया है ताकि वर्तमान ले जाने की क्षमता और कंडक्टरों की शिथिलता पर इसके प्रभाव की जांच की जा सके। इसी तरह, विभिन्न तापमानों पर कठोरता और थर्मल गुणों पर ग्राफीन के प्रभाव का गहराई से अध्ययन किया गया है। एक बड़ा काम अब तक हासिल किया गया है और हम सामग्री की ताकत में वृद्धि के साथ 70% से अधिक चालकता की वृद्धि की तरह कुछ नवीन परिणाम प्राप्त करने में सक्षम हैं। इन परियोजनाओं पर काम करते समय एल्युमीनियम आधारित सामग्रियों के लिए प्राप्त 3 प्रमुख उपलब्धियाँ हैं- बड़ी हुई थर्मल गुण, उच्च शक्ति और उच्च गतिशीलता और भंडारण-आधारित सामग्री। रमन, टीईएम, एसईएम, एक्सआरडी और चालकता मापने वाले उपकरणों के माध्यम से नई सामग्रियों के गुणों का सत्यापन बड़े पैमाने पर किया गया है।

### डिजाइन इनोवेशन सेंटर (डीआईसी)

फरवरी 2015 में स्थापना के दिनों से नेशनल इनोवेशन नेटवर्क के तहत डिजाइन इनोवेशन सेंटर (डीआईसी) एक पहल है, जो युवाओं के बीच रचनात्मक सोच, नवाचार और उद्यमशीलता को नए युग की सोच और उत्पाद विकास से जोड़ने के लिए अग्रणी ध्वजवाहक है। वित्तीय वर्ष 2018-19 विभिन्न रोमांचक घटनाओं का वर्ष रहा, डीआईसी से स्थापित स्टार्टअप की उपलब्धियों की अद्भुत सरणी के साथ नवाचार।

### घटनाएँ और कार्यशालाएँ (2018-19)

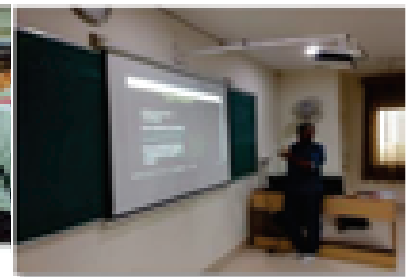
- बी.टेक प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए दिनांक 10 और 31 अगस्त 2018 को डीआईसी द्वारा एक अभिविन्यास कार्यक्रम को प्रवाह किया गया। यहां, वे डीआईसी की विभिन्न परियोजनाओं के माध्यम से आए। गेमिंग संरचना पर एक बुनियादी ज्ञान दिया गया था। उन्हें एआर वीआर (3 डी ग्लास), ड्रोन कैमरा आदि जैसे डीआईसी के कुछ उपकरणों के उपयोग पर संज्ञानात्मक विचारों का ज्ञान प्रदान किया गया था। उन्मुखीकरण 2 चरणों में लगभग 100 प्रतिभागियों के साथ यह कार्यक्रम आयोजित किया गया था।
- पाइथन पर एक अभिविन्यास डीआईसी द्वारा दिनांक 10 नवंबर 2018 को बी.टेक, एम.टेक, एम.एससी और पीएचडी समूहों के लगभग 100 प्रतिभागियों के साथ आयोजित किया गया था। उन्हें पाईथन (PYTHON), इसके उपयोग, फायदे आदि पर प्रारंभिक ज्ञान प्रदान किया गया था।
- एक अभिविन्यास सह विचार मूल्यांकन और सलाह सत्र का आयोजन स्पोक संस्थान बोस, कटक में दिनांक 29 नवंबर 2018 में किया गया था। जिसमें इंजीनियरिंग की विभिन्न शाखाओं (डिप्लोमा) से जुड़े समूहों के कुल 35

छात्रों के साथ वास्तविकता में विचार के सत्यापन और कार्यान्वयन से संबंधित विचारों को साझा किया गया था।

• डीआईसी भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर के स्टार्ट अप में से एक वसीटर्स ने "कंपोजिट्स एंड मैनुफैक्चरिंग प्रॉसेस से परिचय" पर एक कार्यशाला का आयोजन किया है। कार्यशाला का उद्देश्य प्रतिभागियों को कंपोजिट की परिभाषा के बारे में अवगत कराना है, और निर्माण की विधि आदि में औपचारिक सामग्री के अभिप्राय और उपयोग से जुड़े फायदे, के बारे में बताया गया। प्रयोगात्मक सत्र में हैंड-लैप मैनुफैक्चरिंग तकनीक का इस्तेमाल कर जीएफआरपी/ सीएफआरपी लैमिनेट्स का प्रदर्शन किया गया और प्रतिभागियों को इसका स्वयं हस्त-अनुभव करवाया गया था।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान ने अपने 11 वें स्थापना दिवस को 12 फरवरी, 2019 को अपने अरुगुल परिसर, जटनी, भुवनेश्वर में मनाया। डीआईसी, इसके उप केंद्रों और प्रवक्ता ने 40 प्रदर्शनी के साथ एक विज्ञान और प्रौद्योगिकी प्रदर्शनी का आयोजन किया, जिसे आमंत्रितों को दिखाया गया था। शहर और राज्य भर के जूनियर इंजीनियरिंग छात्रों के साथ कक्षा- छठी से कक्षा- बारहवीं तक के लगभग 5000 स्कूली छात्रों ने निर्धारित समय 9:30 पूर्वाह्न से 6:00 बजे के बीच इस अवलोकन में भाग लिया है। छात्रों ने लाइव परियोजनाओं के साथ संपर्क किया और छद्म तकनीकों के बारे में ज्ञान प्राप्त किया। यह उनकी तरफ से स्पष्ट रूप से परिलक्षित हुआ था कि उन्होंने डीआईसी द्वारा प्रदर्शित नवाचारों के तंत्र को गहरा कर दिया है।

ये भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर द्वारा आयोजित कार्यशालाओं में से कुछ हैं। डीआईसी-भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर की स्थापना के दिन से लेकर अब तक कुल 6350 प्रतिभागी विभिन्न घटनाओं और कार्यशालाओं का हिस्सा हैं।



**आज तक डीआईसी स्थिति:****स्टार्ट-अप का विवरण:****वैसीटर्स प्राइवेट लिमिटेड**

वैसीटर्स प्राइवेट लिमिटेड, श्री विश्वास चंद्र खान और श्री तुषार गौतम द्वारा सह-स्थापित, एक प्रौद्योगिकी-आधारित स्टार्टअप है जिसकी स्थापना छात्रों और यांत्रिक विज्ञान विद्यापीठ, भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर के संकाय सदस्यों द्वारा की गई है, जो क्षतिग्रस्त पारेषण पाइपलाइनों (पेटेंट) के लिए इन-सीटू समग्र मरम्मत समाधान प्रदान करते हैं। (आवंटित पेटेंट संख्या 201731007916)। यह ट्रांसमिशन पाइपलाइनों में सभी प्रकार के नुकसान परिदृश्यों को "इन-सीटू कम्पोजिट रिपेयर सॉल्यूशंस" प्रदान करने वाली पहली भारतीय कंपनी है। तकनीक का प्रयोगशाला पैमाने पर अच्छी तरह से परीक्षण किया गया है और वर्तमान में यह पायलट पैमाने पर है। इसे डिजाइन इनोवेशन सेंटर डीआईसी-भा.प्रौ.सं. बीबीएस द्वारा समर्थित किया गया है।

**उत्पाद:****1. नैनो फिलर्स प्रबलित पॉलिमर कंपोजिट को कोरोडेड स्टील पाइपलाइनों की मरम्मत के लिए सम्मिलित हैं।**

नैनो-फिलर्स के लिए एक बहुलक मिश्रित सामग्री तैयार की गई थी, जिसे श्री तुषार गौतम, श्री विश्वास चंद्र खान, श्री आदित्य गुप्ता, डॉ.मिहिर कुमार पंडित, डॉ.अरुण कुमार प्रधान ने डीआईसी के अंतर्गत यांत्रिकी विज्ञान विद्यापीठ में बनाया था।

**2. पाइपलाइनों में रिसाव की मरम्मत के लिए रैपिड क्यूरिंग एपॉक्सी का विकास**

यह पाइपलाइनों में रिसाव दोषों की मरम्मत के लिए तेजी से उपचार करने वाले एपॉक्सी का डिजाइन और विकास है जो एक अर्ध टोस तेजी से इलाज वाले एपॉक्सी से तेल और गैस पाइपलाइनों के लीक दोषों की मरम्मत के लिए है। इससे पाइपों के रिसाव को अस्थायी रूप से भरने और मजबूत करने में मदद मिलेगी जिससे कंपनी को नुकसान और क्षति से बचाया जा सकेगा। श्री विकास शर्मा बीएस और श्री नीतेश पी डीआईसी के छात्रों के प्रतिनिधि, भा.प्रौ.सं.भुवनेश्वर इसके विकास पर काम कर रहे हैं।

**3. स्वचालित रैपिंग तंत्र का उपयोग करके प्री प्रग्स आधारित मरम्मत पद्धति का विकास**

ऑटोमैटिक रैपिंग मैकेनिज्म का उपयोग करते हुए प्री प्रग्स आधारित मरम्मत पद्धति का विकास छात्रों के समूह द्वारा डीआईसी-भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर द्वारा किया जा रहा है बहुलक आधारित कंपोजिट का विकास का हिस्सा है जो पाइपलाइनों में लीक होने वाले दोषों की मरम्मत करने हेतु वसीतर प्रा. लिमिटेड के लिए विकसित किया गया है। श्री नितेश पी., श्री दीपक केशवथ और श्री कटम रिश्वत डीआईसी-भा.प्रौ.सं.भुवनेश्वर के छात्रों प्रतिनिधि हैं जो इस परियोजना पर काम कर रहे हैं।

#### 4. ऊंचा तापमान अनुप्रयोगों के लिए राल प्रणाली का विकास

श्री कटम रिश्वत, श्री दीपक केशवथ, श्री साई चल्ला और श्री विवेक वर्धन डीआईसी-भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर के छात्र प्रतिनिधि हैं जो ऊंचे तापमान अनुप्रयोगों के लिए राल प्रणाली के विकास की दिशा में काम कर रहे हैं। यह पॉलिमर आधारित कंपोजिट की मरम्मत के लिए स्टार्टअप के विकासात्मक कार्य को बढ़ाएगा और लीकिंग पाइपलाइनों में दोषों के समाधान की मरम्मत करेगा।

उपलब्धियां :

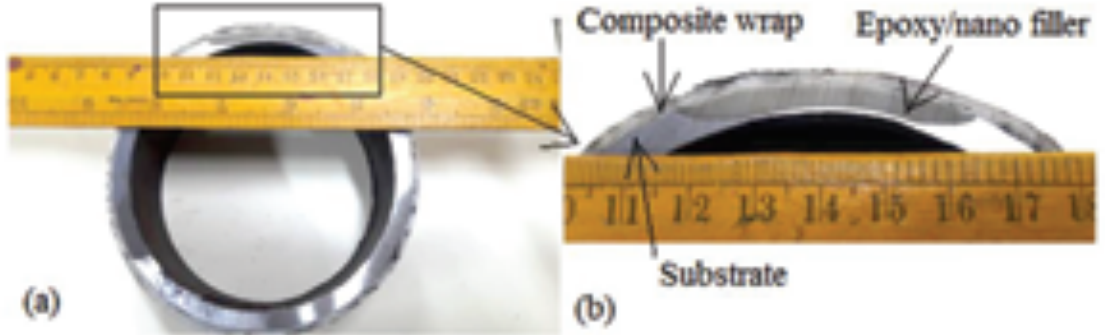
- उक्त कंपनी को इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन द्वारा परीक्षण और व्यावसायीकरण के लिए रु 80 लाख सहायता राशि दी गयी है।
- स्टार्टअप ओडिशा ने वैसीटर्स को रु 5.0 लाख की राशि दी।
- कंपनी को आईआईजीपी -2.0 (इंडियन इनोवेशन ग्रोथ प्रोग्राम) में टॉप 50 इनोवेटर्स में से चुना गया।
- उन्हें भा.प्रौ.सं. कानपुर के टेक कृति -2017 में टेकक्रिटी इनोवेशन चैलेंज में प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ।
- उन्हें टेकक्रिटी आईटी भा.प्रौ.सं. -2017, भा.प्रौ.सं. कानपुर में टेकक्रिटी अपस्टार्ट पायनियर (बी-प्लान) में प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ।
- उन्हें भा.प्रौ.सं. कानपुर के टेकक्रिटी -2017 में टेकक्रिटी एलीवेटर्स पिच में तीसरा पुरस्कार मिला
- विस्तारित प्रयोगशाला सुविधाओं के साथ कंपनी को स्टार्टअप सेंटर, भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर और भा.प्रौ.सं. मद्रास रिसर्च पार्क में इनक्यूबेट किया गया।
- डीआईसी-भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर के श्री विकास शर्मा बीएस और श्री नितेश पी. छात्र प्रतिनिधि ने मिश्रित सामग्री पर अपने काम के लिए एनआरडीसी नेशनल बडिंग इनोवेटर्स अवार्ड्स 2017 प्राप्त किया।
- कुल 3 नंबर का पेटेंट भरा हुआ (डीआईसी का 1 और कंपनी का 2)।
- वैसीटर्स प्रा.लिमिटेड ने गैस प्राधिकरण ऑफ इंडिया लिमिटेड (गेल) के साथ उत्पाद व्यवसायीकरण और विपणन के लिए रुपये 350 लाख की राशि के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। इसने कंपनी की कीमत को लगभग 20 करोड़ कर दी है।
- वैसीटर्स आईओसीएल (पारादीप), आईओसीएल (मथुरा), आईओसीएल (वडोदरा), आईओसीएल (पानीपत), केयर्न इंडिया (वाडमेर, राजस्थान, ओएनजीसी (कराईकल, पुदुचेरी), बीपीसीएल (काकीनाडा), अपोलो टायर्स (चेन्नई) आदि के स्थलों पर पाइपलाइन तंत्र को लागू करने में सफल रहा है।

वैसीटर्स प्राइवेट लिमिटेड ने एक डीआईसी समर्थित स्टार्ट-अप और स्टार्ट-अप सेंटर के तहत इनक्यूबेट किया, भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर को ओडिशा के छह सफल स्टार्ट-अप्स में से एक के रूप में चुना गया है और अपनी सफलता की कहानी साझा करने के लिए मेक इन ओडिशा कॉन्क्लेव 2018 में आमंत्रित किया गया। उन्हें ओडिशा के स्टार्टअप से संबंधित जानकारी वाले नवीनतम बुकलेट में भी दिखाया गया है। जिसमें ओडिशा के स्टार्टअप से संबंधित जानकारी थी।

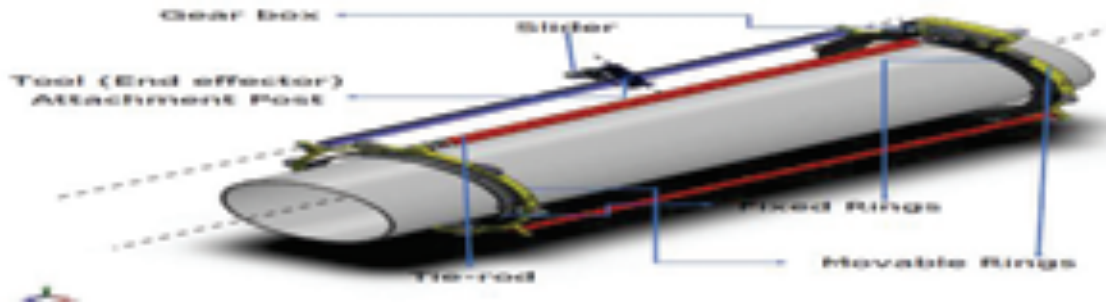




- विफलता दबाव: 230 बार
- पूर्ण पायदान भाग खोला गया
- फाइबर विफलता और डिबर्गिंग
- एपॉक्सी को टुकड़ों में तोड़ दिया जाता है



- विफलता दबाव: 231.3 बार
- विफलता मोड में महत्वपूर्ण अंतर
- मुख्य रूप से डिब्रेटिंग
- कोई फाइबर विफलता

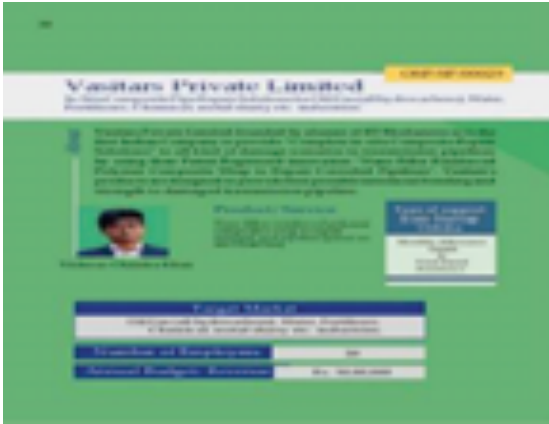


स्वचालित पेचदार फिलामेंट घुमावदार मैनिपुलेटर

मुख्य विशेषताएं:

- नैनो क्ले की बढ़ी हुई मजबूती ने एपॉक्सी को फाइबर प्रबलित कम्पोजिट ओवरलैप रिपेयर सिस्टम की विफलता का दबाव बढ़ा दिया।
- मरम्मत की कार्यप्रणाली में कोई भी गर्म कार्य शामिल नहीं है, इस प्रकार एक सुरक्षित कार्य वातावरण का वादा किया जाता है।
- पारंपरिक मरम्मत तकनीकों की तुलना में यह प्रक्रिया त्वरित और कम श्रमसाध्य है।
- प्रक्रिया इन-सीटू है और इसलिए यह कई प्रकार के नुकसान परिदृश्यों के लिए तात्कालिक और तदनुकूल उपयुक्त हो सकता है।
- पाइपलाइन का जीवनकाल एक दशक तक बढ़ाया जा सकता है।
- शटडाउन शर्तों के तहत लीक होने वाले दोषों की मरम्मत विकसित रैपिड क्यूरिंग एपॉक्सी राल के उपयोग से प्राप्त की जा सकती है
- नॉन-लीकिंग डिफेक्ट्स परिदृश्य में, डाउनटाइम को शून्य तक घटाया जाता है और डिफेक्ट लीक परिदृश्य में डाउनटाइम पारंपरिक मरम्मत पद्धति से कम होता है।





### प्रज्वल सिस्टम एंड सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड



प्रोजेक्ट प्रज्वल नाम से एक आईओटी आधारित डेटा प्रबंधन समाधान : एलपीजी सिलेंडर वितरण प्रणाली के स्वचालन और अनुकूलन के लिए विधि और उपकरण की शुरुआत की गई और प्राथमिक योगदान के साथ भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर (श्री विश्वास चंद्र खान और श्री मोहनीश चटर्जी) के पूर्व छात्रों को शामिल किया गया। अन्य साथी और भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर के वर्तमान छात्रों के योगदान के साथ जिनमें श्री नितेश कुमार, श्री राहुल महानोट, श्री राहुल कुमार और श्री कटम रिश्वत शामिल हैं। इसे डिजाइन इनोवेशन सेंटर (डीआईसी) भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर द्वारा समर्थित किया गया है। परियोजना को आगे प्रज्वल सिस्टम्स एंड सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड नामक कंपनी के प्रमुख के तहत व्यावसायीकरण के लिए विकसित किया जा रहा है, जिसे भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर के स्टार्ट अप सेंटर में लगाया गया है। प्रोजेक्ट प्रज्वल एक आईओटी आधारित डेटा प्रबंधन समाधान के साथ आया है: स्वचालित एलपीजी पे-आज-यु-यूज़ (पीएवाईयू) समाधान के लिए विधि और उपकरण (कंपनी द्वारा पेटेंट आवेदन संख्या 201811018360 के तहत दायर पेटेंट) 100% स्वच्छ पूरक और उत्प्रेरित करने के लिए प्रधान मंत्री उज्वला योजना (पीएमयुवाई) के तहत ऊर्जा अभियान की अवधारणा:

- 1) एलपीजी का मूल्य विखंडन।
- 2) पे-आज-यु-यूज़ (पीएवाईयू) कार्यक्षमता।
- 3) आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन का स्वचालन।
- 4) वास्तविक समय एलपीजी उपयोग और इन्वेंट्री डेटा।
- 5) स्वचालित परिसंपत्ति प्रबंधन और मांग आपूर्ति समन्वय।

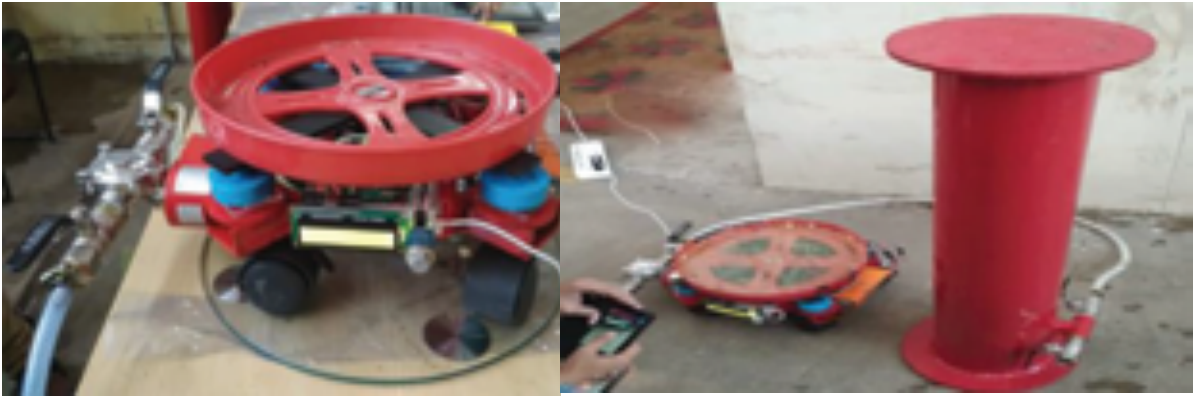
कंज्यूमर बेस यूनिट (सीबीयू) :

यह एक इन-हाउस प्रोटोटाइप उपकरण है जो एक आईओटी स्मार्ट गेटवे प्लेटफॉर्म के माध्यम से केंद्रीय क्लाउड सर्वर पर वास्तविक समय एलपीजी उपयोग डेटा को संचारित करके अपने एलपीजी सिलेंडर से एलपीजी उपयोग की निगरानी, ट्रैक और नियंत्रण करने के लिए विकसित किया गया है। आगे रसोई गैस से चूल्हे तक एलपीजी

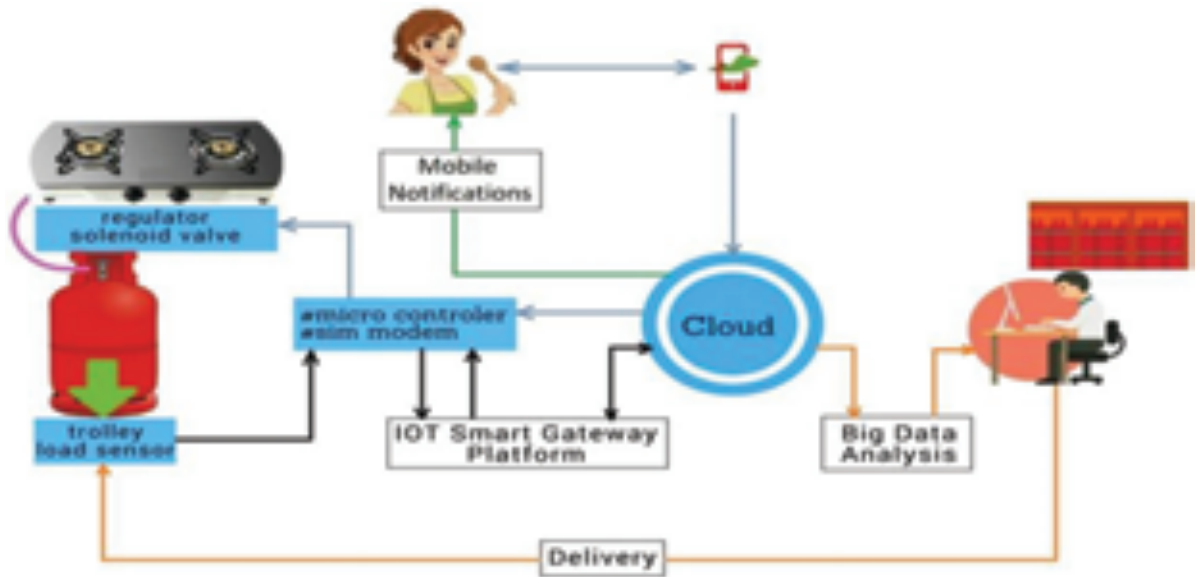
प्रवाह को नियंत्रित करने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है, एलपीजी सुरक्षित वाल्व के माध्यम से दूर से विद्युत चुम्बकीय संकेतों का उपयोग करके नियंत्रित किया जाता है।

#### उपलब्धियां:

- टेकक्रिटी सोशल ट्रैक बी-प्लान, टेकक्रिटी 2018, भा.प्रौ.सं. कानपुर में दूसरा पुरस्कार प्राप्त किया
- जीईएस पिचर्स एलीवेटर्स पिच प्रतियोगिता, जीएस 2018, भा.प्रौ.सं.खड़गपुर में तीसरा पुरस्कार प्राप्त किया
- श्रीजन प्राप्त, बी-प्लान प्रतियोगिता पुरोदया 2018 में प्रथम पुरस्कार, वीजीएसओएम भा.प्रौ.सं.खड़गपुर
- ई-समिट 2018 में प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया, भा.प्रौ.सं.भुवनेश्वर, उत्पाद डिजाइन प्रतियोगिता
- परियोजना के लिए डीआईसी-भा.प्रौ.सं.भुवनेश्वर से श्री राहुल कुमार और श्री राहुल महानोत छात्र प्रजावल्ला को एनआरडीसी नेशनल बर्डिंग इनोवेटर्स अवार्ड्स 2018 के लिए चुना गया है जो मई 2019 में प्राप्त किया जाना है।
- ग्रैंड इंडिया आईओटी इनोवेशन चैलेंज 2018, टाटा कम्युनिकेशंस और सीआईआई में प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया।
- टेकक्रिटी पिच प्रीमियर, टेकक्रिटी 2019, भा.प्रौ.सं. कानपुर में प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया।
- स्मार्ट इंडिया हैकथॉन-2019 में तीसरा पुरस्कार प्राप्त किया।
- कंपनी ने प्रज्वल उत्पाद के लिए अपनी ओर से एक पेटेंट दायर किया है।
- कंपनी को स्टार्टअप सेंटर-भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर में इनक्यूबेट किया गया है।



TROBEL



प्रज्जवल उपलब्धि की तस्वीरें



जूरी के सदस्य जीआईआईओटीआईसी (बाएं से: अरविंद तिवारी, राजेंद्र शेरे, अनीता राजन, वीएस श्रीधर, रोहित श्रीवास्तव)



टीम प्रज्जवल (राहुल महानोत, राहुल कुमार)



पुरस्कार प्राप्त करने का क्षण





टीओबीईएल.ईन

2016 में श्री मनोरंजन कुमार द्वारा सह-स्थापित ट्रोबेल, एक उद्यमी प्रयास है जो पूरे देश में एक केंद्रीयकृत पुस्तकालय की सेवा प्रदान करने की इच्छा रखता है, जो प्रारंभिक चरण में ओडिशा के भुवनेश्वर से शुरू होकर देश के महानगरों और देश के अन्य प्रमुख शहरों पर अधिक ध्यान केंद्रित करता है। इसका उद्देश्य सबसे सुविधाजनक, किफायती और सुरक्षित तरीके से लोगों को पुस्तक पढ़ने की खुशी प्रदान करना है।

छात्र, संकाय, डीआईसी कर्मचारियों द्वारा कुछ उत्पादों की चमक



प्रज्वल परियोजना (संस्करण -1 और 2)  
फोटोनक्स डोबेसोनियन



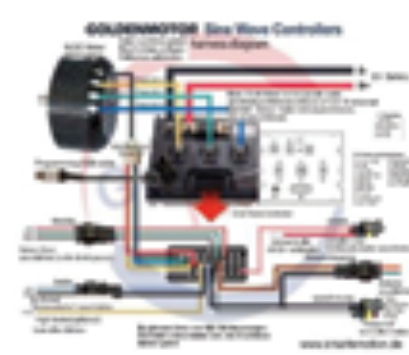
फोटॉक्स



डॉब्सोनियन टेलिस्कोप



ऑटोनॉमस सेल्फ ड्राइविंग कार



इलेक्ट्रिक मोटर कार का डिजाइन और मॉडलिंग



रोबोटिक हैंड बैलिस्टिक क्रोनोग्राफ के लिए लिथियम आयन बैटरी के क्षेत्र में उन्नति



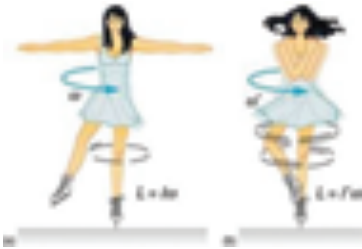
रोबोट का हाथ



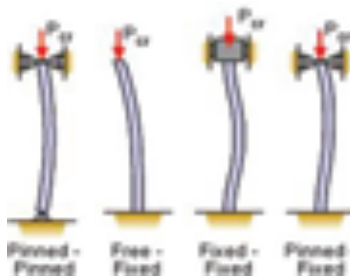
बैलिस्टिक क्रोनोग्राफ



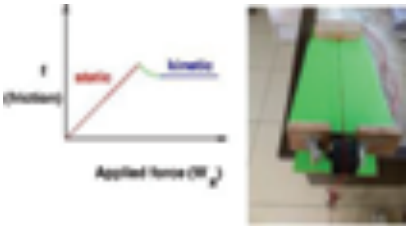
टॉर्सनल समीकरण का प्रायोगिक सत्यापन



कोणीय मोमेंटम के संरक्षण का प्रदर्शन



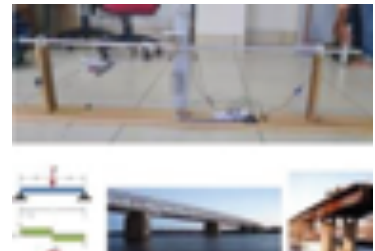
कॉलम की बकलिंग



लोड सेंसर का उपयोग करके ट्रस कैरिंग लोड में प्रतिक्रिया बल की गणना



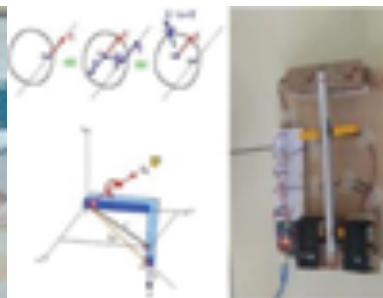
विक्षेपण का मापन और प्रतिक्रिया बलों के ए भरी हुई बीम



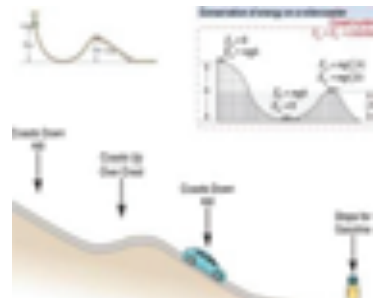
पल्लिज़ के यांत्रिक लाभ



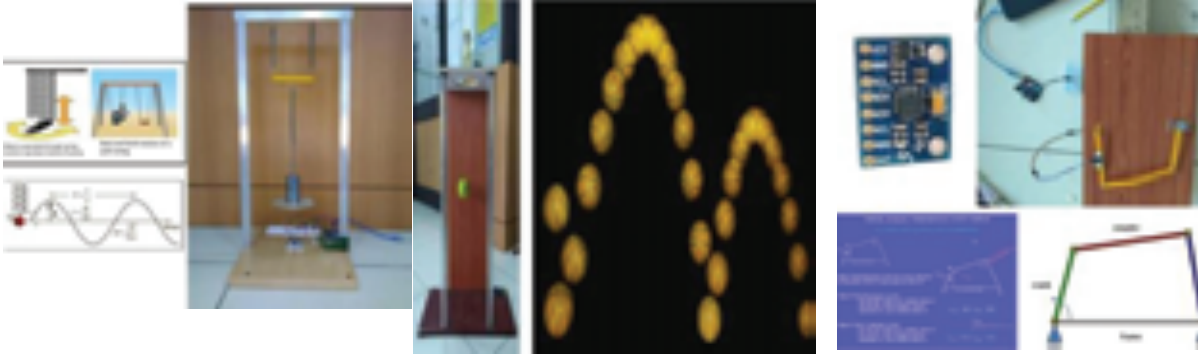
इसके ट्रांसमिशन के कारण फोर्स और मोमेंट की कार्रवाई की रेखा



ऊर्जा के संरक्षण का प्रदर्शन



सरल हार्मोनिक गति का प्रदर्शन और वसंत द्रव्यमान प्रणाली की प्राकृतिक आवृत्ति



सरल हार्मोनिक गति का प्रदर्शन और वसंत द्रव्यमान प्रणाली की प्राकृतिक आवृत्ति

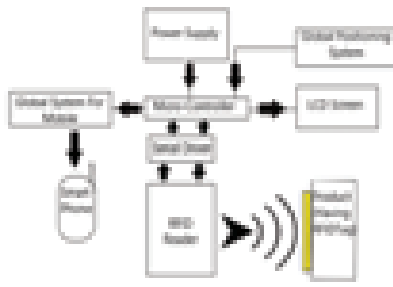
बहाली का गुणांक

चार बार तंत्र

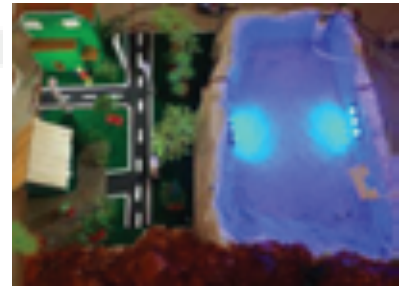
स्पोक पार्टनर बोस, कटक के कुछ चालू परियोजनाओं की झलक



ध्रुवीय ग्राफ (दीवार ड्राइंग मशीन)



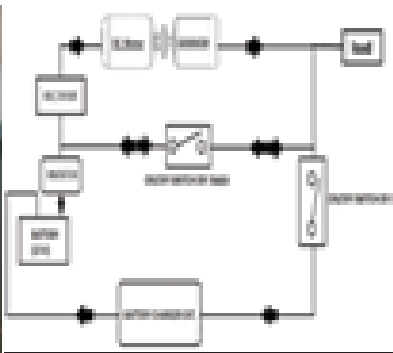
स्मार्ट टोकरी



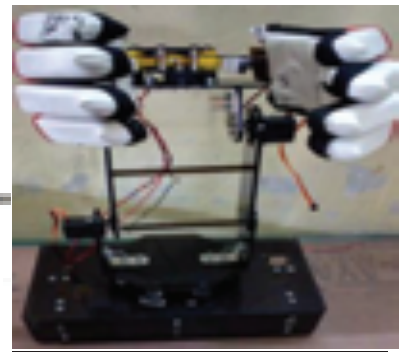
आईओटी आधारित बाढ़ निगरानी और चेतावनी प्रणाली



स्वचालित सीढ़ी चढ़ना कुर्सी



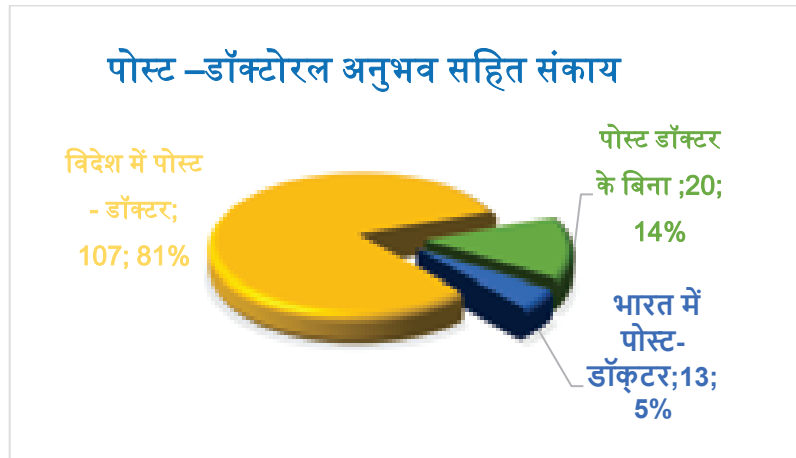
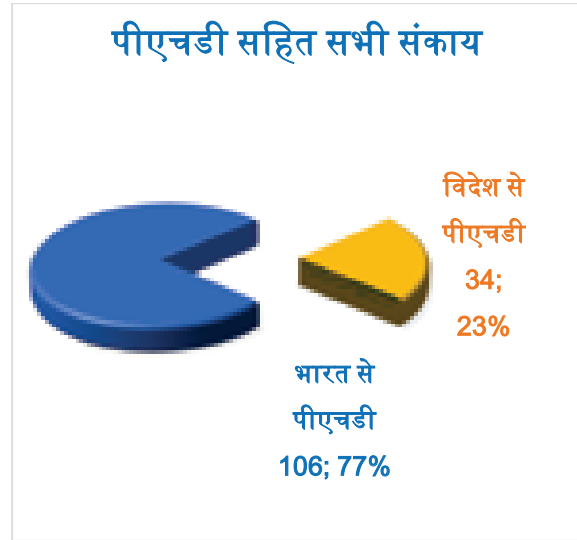
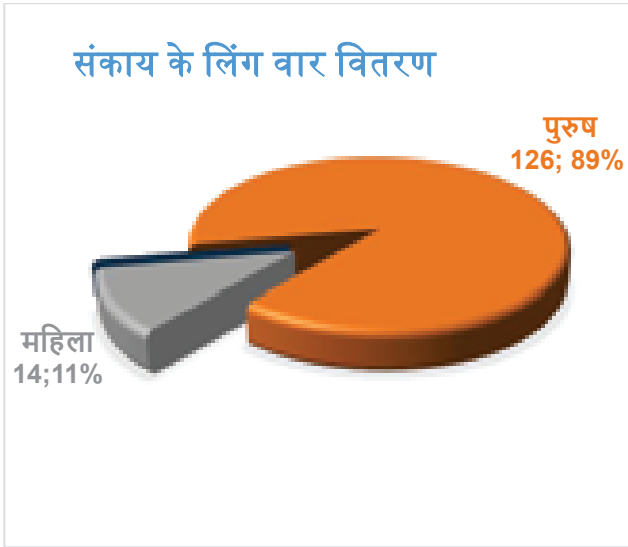
मुक्त ऊर्जा का उत्पादन



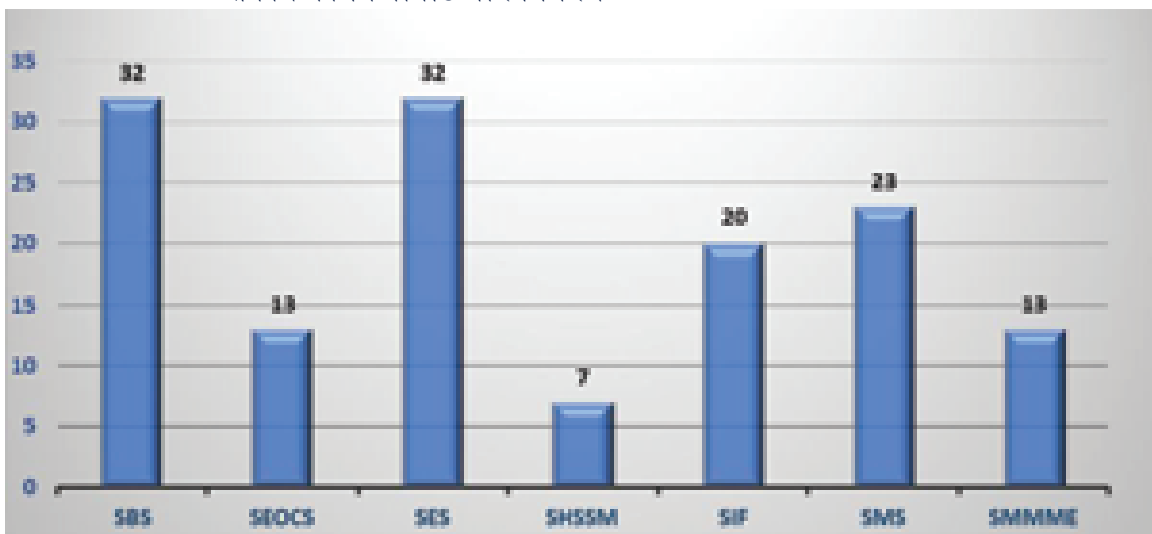
मालिश करने के उद्देश्य से रोबोट बांह



## हमारे संकाय



### संकाय का विद्यापीठ वार विवरण



## आधारीय विज्ञान विद्यापीठ

क्रम. सं.	नाम / पदनाम / ईमेल	पीएचडी / वर्ष	विशेषज्ञता / अनुसंधान क्षेत्र
1.	प्रो. सरोज कुमार नायक प्राध्यापक nayaks@iitbbs.ac.in	जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, 1995	आणविक गतिशीलता सिमुलेशन के पहले सिद्धांत, नैनोस्ट्रक्चर, क्वांटम परिवहन, क्वांटम जीवविज्ञान
2.	प्रो.सुजीत रॉय प्राध्यापक sroy@iitbbs.ac.in	भा.प्रौ.सं. कानपुर, 1987	ऑर्गेनोमेट्रिक केमिस्ट्री, समरूप कैटालिसिस
3.	प्रो. वी. आर. पेदिरेड्डी प्राध्यापक vr.pedireddi@iitbbs.ac.in	हैदराबाद विश्वविद्यालय, 1993	सॉलिड स्टेट रसायन ; सुप्रामॉलिक्यूलर रसायन शास्त्रय जैविक, जैविक और अजैविक एन्सेम्ब्लेस की सेल्फ एसेंब्ली
4.	प्रो. वी. आर. यरिकालपुडी अभ्यागत प्राध्यापक ryvasudeva@iitbbs.ac.in	आंध्र विश्वविद्यालय, 1980	अल्ट्रासोनिक नॉनडेसट्रुक्टिव परीक्षण के लिए गणितीय मॉडलिंग; लोचदार तरंग गति और कंपन में संख्यात्मक तरीके; अनुप्रयुक्त गणित की तकनीकें
5.	प्रो. मतज़ाज़ कोवसे विदेशी मूल के अभ्यागत संकाय kovse@iitbbs.ac.in	मेरिबोर विश्वविद्यालय, 2008	ग्राफ थ्योरी
6.	डॉ.अक्षय कुमार ओझा सह प्राध्यापक akojha@iitbbs.ac.in	उत्कल विश्वविद्यालय, 1997	सॉफ्ट कंप्यूटिंग; अनुकूलन सिद्धांत (ज्यामितीय प्रोग्रामिंग और फ़ेकशनल प्रोग्रामिंग; डेटा खनन और पोर्टफोलियो अनुकूलन
7.	डॉ. टी. वी. एस. शेखर सह प्राध्यापक sekhartvs@iitbbs.ac.in	भा.प्रौ.सं.मद्रास, 1995	संख्यात्मक तरीके; अभिकलनात्मक जटिलता द्रव गतिकी;
8.	डॉ. कारी विजयकृष्ण सह प्राध्यापक kvijayakrishna@iitbbs.ac.in	भा.प्रौ.सं.मद्रास, 2006	कार्य विशिष्ट आईएलएस का संश्लेषण और पोलीमिज़ेबल आईएल मोनोमर्स; चिरल पॉलिमर का संश्लेषण और चिरल इंडक्शन में उनके अनुप्रयोग; अचिरल और चिरल रेजिन का संश्लेषण और संश्लेषण में उनके अनुप्रयोग; जनहित याचिका धातु नैनोकणों और उनके अनुप्रयोगों को स्थिर करती है; पॉलीइलेक्ट्रोलाइट-डीएनए इंटरैक्शन अध्ययन; गैस पृथक्करण झिल्ली के लिए जनहित याचिका; परमाणु अपशिष्ट उपचार के लिए एमआईपी और रेजिन का संश्लेषण; (आरएएफटी व्युत्पन्न) आयनिक, पीएच, तापमान और विलायक

			उत्तरदायी होमो- और दवा वितरण के लिए अपने स्वयं के संयोजन के प्रति कोपोलिमर का संश्लेषण।
9.	डॉ. वासुदेव राव अल्लू सह प्राध्यापक avrao@iitbbs.ac.in	भा.प्रौ.सं.मद्रास, 2010	जटिल विश्लेषण; ज्यामितीय कार्य सिद्धांत; प्लेन में हार्मोनिक मैपिंग।
10.	डॉ.अभिजीत दत्त बनिक सहायक प्राध्यापक adattabanik@iitbbs.ac.in	भा.प्रौ.सं. खडगपुर, 2007	क्युइंग थ्योरी, एप्लाइड प्रोबेबिलिटी मॉडल, स्टोचैस्टिक मॉडलिंग और सिमुलेशन, ऑपरेशन रिसर्च में स्टोचैस्टिक मॉडल और कम्प्युनिकेशन सिस्टम, ट्रांसपोर्टेशन, मैनुफैक्चरिंग, प्रोडक्शन और इन्वेंटरी सिस्टम में उनके प्रयोग
11.	डॉ.अखिलेश कुमार सिंह सहायक प्राध्यापक aksingh@iitbbs.ac.in	भा.प्रौ.सं. कानपुर, 2007	फ्लोरोजेनिक और क्रोमोजेनिक कैमोसेंसर; चुंबकीय सामग्री और एमआरआई कंट्रास्ट एजेंट; संश्लेषण और कार्य विशिष्ट आयनिक तरल पदार्थ और उनके अनुप्रयोग की विशेषता
12.	डॉ. अनसूया रॉयचौधरी सहायक प्राध्यापक aroychowdhury@iitbbs.ac.in	टेक्सास मेडिकल शाखा विश्वविद्यालय, 2009	रसायन विज्ञान शरीर क्रिया विज्ञान और एंजाइम एटीपास के वर्ग का विनियमन; कैंसर जीवविज्ञान में एटीपास की भूमिका; जैविक घड़ी में एटीपास की भूमिका
13.	ड.आशीष विश्वास सहायक प्राध्यापक abiswas@iitbbs.ac.in	बोस इंस्टीट्यूट, 2006	जैव रासायनिक और बायोफिज़िकल तकनीकों का उपयोग करते हुए छोटे गर्मी के सदमे प्रोटीन और मानव रोगों (कुष्ठ और तपेदिक) में इसके महत्व के संबंध में संरचना-फ़ंक्शन संबंधों का संवर्धन ;; नेत्र लेंस क्रिस्टलीय प्रोटीन पर विभिन्न पोस्ट-ट्रांसलेशनल संशोधनों के प्रभाव की जांच करना और बायोफिज़िकल तरीकों का उपयोग करके मानव लेंस में मोतियाबिंद के गठन को विकसित करने में उनकी भूमिका ;; विभिन्न जैव रासायनिक तकनीकों का उपयोग करते हुए डीएनए और प्रोटीन के साथ धातु परिसरों (एंटी-कैंसर एजेंट) की बातचीत के पीछे तंत्र को स्पष्ट करना।
14.	डॉ.चंद्रशेखर भामिदीपति सहायक प्राध्यापक chandrashekhara@iitbbs.ac.in	इंस्टीट्यूट ऑफ़ फिजिक्स, 2006	हीट इंजन, ऊष्मप्रवैगिकी और सांख्यिकीय यांत्रिकी; ब्लैक होल्स; स्ट्रिंग सिद्धांत
15.	डॉ.कौशिक सामंत सहायक प्राध्यापक kousik@iitbbs.ac.in	टेक्सास ए एंड एम यूनिवर्सिटी, कॉलेज स्टेशन, यूएसए, 2009	क्वांटम केमिस्ट्री; चापलूसी सिद्धांत; मिश्रित क्वांटम-शास्त्रीय गतिशीलता
16.	डॉ. मलय कुमार बंद्योपाध्याय सहायक प्राध्यापक Marina@iitbbs.ac.in	जादवपुर विश्वविद्यालय, कलकत्ता, 2008	ओपन क्वांटम सिस्टम; गैर-संतुलन सांख्यिकीय यांत्रिकी; नानोमैट्रिसम

17.	डॉ. निहारिका महापात्र सहायक प्राध्यापक niharika@iitbbs.ac.in	भा.प्रौ.सं. बॉम्बे, 2006	मल्टीफ़ाइरोनिक्स;थर्मोइलेक्ट्रिक्स; पदार्थ के सामयिक चरण
18.	डॉ. राजन झा सह प्राध्यापक rjha@iitbbs.ac.in	भा.प्रौ.सं. दिल्ली, 2007	ऑप्टिकल डिवाइस;प्लाजमोनिक्स; फाइबर ऑप्टिक
19.	डॉ.सव्यसाची पाणि सह प्राध्यापक spani@iitbbs.ac.in	भा.प्रौ.सं. खडगपुर, 2004	भिन्नता संबंधी असमानताएं और पूरक समस्याएं; एप्लाइड फंक्शनल एनालिसिस; अनुकूलन तकनीक
20.	डॉ. सस्मिता बारिक सह प्राध्यापक sasmita@iitbbs.ac.in	भा.प्रौ.सं. गुवाहाटी, 2007	कॉम्बिनेटरियल मैट्रिक्स थ्योरी; ग्राफ सिद्धांत;
21.	डॉ. सच्चिदानंद रथ सहायक प्राध्यापक srath@iitbbs.ac.in	इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिक्स भुवनेश्वर, 2006	सेमीकंडक्टर नैनोशीट्स, दिल्यूट मैग्नेटिक सेमीकंडक्टर, मेटल क्लस्टर, ग्राफीन,; ऑप्टिकल गुण, तेज संक्रमण, रमन स्कैटरिंग, स्मॉल एंगल एक्स-रे स्कैटरिंग, रियोलांजी; सौर सेल, प्रकाश उत्सर्जक डायोड
22.	डॉ. सीमा बहिनिपति सहायक प्राध्यापक seema.bahinipati@iitbbs.ac.in	सिनसिनाटी विश्वविद्यालय, ओहियो, यू.एस., 2008	प्रायोगिक उच्च ऊर्जा भौतिकी [बी भौतिकी, सीपी उल्लंघन, मानक मॉडल भौतिकी से परे]
23.	डॉ. शांतनु पाल सहायक प्राध्यापक spal@iitbbs.ac.in	भा.प्रौ.सं. बॉम्बे, 2006	उपन्यास पद्धति का विकास और जैविक रूप से सक्रिय प्राकृतिक उत्पादों का कुल संश्लेषण; चिकित्सीय एजेंट के रूप में रासायनिक रूप से संशोधित छोटे अणुओं का विकास; एंटीकैंसर या एंटीवायरल दवा के रूप में संशोधित न्यूक्लिक एसिड का संश्लेषण
24.	डॉ. श्यामल चटर्जी सहायक प्राध्यापक shyamal@iitbbs.ac.in	हीडलबर्ग विश्वविद्यालय, जर्मनी, 2007	प्रायोगिक परमाणु, आणविक और सतह भौतिकी; नेनो सामग्री; बायोमोलेकुलस, क्लस्टर
25.	डॉ. स्नेहासिस चौधुरी सह प्राध्यापक snehasis@iitbbs.ac.in	भा.प्रौ.सं. कानपुर, 2005	सैद्धांतिक रसायन शास्त्र; सांख्यिकीय यांत्रिकी; आणविक गतिशीलता सिमुलेशन
26.	डॉ. सौमेंद्र राणा सहायक प्राध्यापक soumendra@iitbbs.ac.in	भा.प्रौ.सं. बॉम्बे, 2007	जी-प्रोटीन युग्मित रिसेप्टर जीवविज्ञान; आणविक मॉडलिंग और कम्प्यूटेशनल जीवविज्ञान; डिजाइन, संश्लेषण और पेप्टाइड्स की विशेषता

27.	डॉ. श्रीकांत पात्रा सहायक प्राध्यापक srikanta@iitbbs.ac.in	भा.प्रौ.सं. बॉम्बे, 2005	मेटल मेडिएटेड ऑर्गेनिक ट्रांसफॉर्मेशन (कैटलिसिस); मेटल बेस्ड एंटीकैंसर ड्रग्स; कार्यात्मक सामग्री, लुमीनेसेंट सामग्री, सेंसर
28.	डॉ. तबरेज खान सहायक प्राध्यापक tabrez@iitbbs.ac.in	मुंबई विश्वविद्यालय, 2009	सिंथेटिक विधि विकास; प्राकृतिक उत्पाद और प्राकृतिक उत्पाद जैव सक्रिय अणु संश्लेषण से प्रेरित हैं
29.	डॉ.तारकांता नायक सहायक प्राध्यापक tnayak@iitbbs.ac.in	भा.प्रौ.सं. गुवाहाटी, 2007	कॉम्प्लेक्स डायनेमिक्स; भग्न; स्वतंत्रता बहुपद और ग्राफ के स्वतंत्रता भग्न
30.	डॉ. बंकिम चंद्र मंडल सहायक प्राध्यापक bmandal@iitbbs.ac.in	जिनेवा विश्वविद्यालय, स्विट्जरलैंड, 2014	संख्यात्मक विश्लेषण, वैज्ञानिक कम्प्यूटिंग, आंशिक अंतर समीकरण, डोमेन अपघटन विधियां
31.	डॉ. सुनील कुमार प्रजापति सहायक प्राध्यापक skprajapati@iitbbs.ac.in	भा.प्रौ.सं. दिल्ली, 2013	बीजगणित
32.	डॉ. अभिजीत सूत्रधार विजिटिंग फैकल्टी abhijits@iitbbs.ac.in	भा.प्रौ.सं. खड़गपुर, 2017	बायोलिड मैकेनिक्स; चुंबकीय दवा लक्ष्य; पोरस मीडिया में नेनोफ्लुइड संवहन

### पृथ्वी, महासागर और जलवायु विज्ञान विद्यापीठ

33.	प्रो .उमा चरण महांती, अभ्यागत प्राध्यापक ucmohanty@iitbbs.ac.in	ओडेसा हाइड्रो- मौसम विज्ञान संस्थान, USSR, 1978	उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान, संख्यात्मक मौसम की भविष्यवाणी, मानसून गतिशीलता, क्षेत्रीय जलवायु अध्ययन और मेसो-स्केल मॉडलिंग
34.	प्रो . हृषिकेश मिश्र, अभ्यागत प्राध्यापक hrusikesh@iitbbs.ac.in	वोर्लांन्ग विश्वविद्यालय, न्यू साउथ वेल्स, ऑस्ट्रेलिया, 1987	कोल जियोलाॅजी / पेट्रोलॉजी, कोयला तैयारी, कोल पेट्रोलॉजी और कोयला और हाइड्रोकार्बन अन्वेषण में इसके प्रयोग
35.	प्रो. रामभतला जी शास्त्री अभ्यागत प्राध्यापक rgsastry@iitbbs.ac.in	मास्को स्टेट यूनिवर्सिटी, रूस, 1980	भूभौतिकी / उपग्रह गुरुत्वाकर्षण, भू-तकनीकी भूभौतिकी (इंजीनियरिंग भूभौतिकी), अन्वेषण भूभौतिकी
36.	डॉ. देवदत्त स्वैन सहायक प्राध्यापक dswain@iitbbs.ac.in	पुणे विश्वविद्यालय, 2009	सैटेलाइट और फिजिकल ओशनोग्राफी; महासागर-वायुमंडल के अंतःक्रिया और मॉडलिंग; वायुमंडलीय गतिशीलता
37.	डॉ. किरणमयी लांडू सहायक प्राध्यापक	आईआईएससी बैंगलोर, 2008	जलवायु गतिशीलता; उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान; चरम मौसम की घटनाओं

	kiranmayi@iitbbs.ac.in		
38.	डॉ. सौरव सिल सहायक प्राध्यापक souravsil@iitbbs.ac.in	भा.प्रौ.सं. खड़गपुर, 2012	फिजिकल ओशनोग्राफी; महासागर परिसंचरण मॉडलिंग; तटीय गतिशीलता
39.	डॉ. राज कुमार सिंह सहायक प्राध्यापक rksingh@iitbbs.ac.in	भा.प्रौ.सं. खड़गपुर, 2009	पेलिओक्लाईमाटोलोजि और पेलिओओसीओनोग्राफी ; समुद्री सूक्ष्मजीव विज्ञान; हाइड्रोज्योलोजी
40.	डॉ. संदीप पटनायक सहायक प्राध्यापक spt@iitbbs.ac.in	आंध्र विश्वविद्यालय, 2006	उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान; मानसून, क्लाउड भौतिकी; चरम घटनाएँ (जैसे उष्णकटिबंधीय चक्रवात, भारी वर्षा, बिजली)
41.	डॉ. सैयद हिलाल फारूक सहायक प्राध्यापक hilalfarooq@iitbbs.ac.in	भा.प्रौ.सं. बॉम्बे, 2010	हाइड्रोगेमोकेमिस्ट्री; भूतापीय ऊर्जा; कार्बनिक जियोकेमिस्ट्री
42.	डॉ. विनोज. वी सहायक प्राध्यापक vinoj@iitbbs.ac.in	आईआईएससी बैंगलोर, 2009	एरोसोल क्लाउड क्लाइमेट इंटरैक्शन; सैटेलाइट रिमोट सेंसिंग, रेडियोधर्मी बल, क्षेत्र मापन; मानसून और जलवायु परिवर्तन, जलवायु मॉडलिंग
43.	डॉ. येंगखोम केसोरजित सिंह सहायक प्राध्यापक yksingh@iitbbs.ac.	भा.प्रौ.सं. बॉम्बे, 2011	संरचनात्मक भूविज्ञान और विवर्तनिकी; जेओक्रोनोलोजी; फोटोग्राम्मेट्री; जीआईएस और रिमोट सेंसिंग; प्राकृतिक खतरा और आपदा प्रबंधन; संवर्धित वास्तविकता और आभासी वास्तविकता।
44.	डॉ. पथिकृत भट्टाचार्य अभ्यागत सहायक प्राध्यापक pathikri@iitbbs.ac.in	प्रिंसटन यूनिवर्सिटी, 2017	भूकंप और फॉल्टिंग के मैकेनिक; प्रयोगशाला घर्षण प्रयोग; भौतिकी और घर्षण के यांत्रिकी; भूकंप के आँकड़े; द्रव-राक इंटरैक्शन; दोष-क्षेत्र जल विज्ञान; भूकंप प्रक्रियाओं के मॉडलिंग में उच्च प्रदर्शन कंप्यूटिंग; अत्यधिक सहसंबद्ध रिक्त स्थान पर बायेसियन का अनुमान।
45.	डॉ. सौरव भट्टाचार्य अभ्यागत सहायक प्राध्यापक sourabh@iitbbs.ac.in	भा.प्रौ.सं. खड़गपुर, 2014	ओरे भूविज्ञान; हाइड्रोथर्मल अयस्क जमा; द्रव के निष्कर्ष और लेजर रमन माइक्रोस्पेक्ट्रोस्कोपी

## विद्युत् विज्ञान विद्यापीठ

46.	प्रो. आर. वी. राजकुमार प्राध्यापक, निदेशक director@iitbbs.ac.in	भा.प्रौ.सं. खड़गपुर, 1987	वायरलेस संचार प्रणाली; वायरलेस नेटवर्किंग प्रोटोकॉल; चैनल समकारीकरण और बेसबैंड प्रसंस्करण; जांच के तरीके और सिस्टम; ट्रैकिंग एल्गोरिदम; अनुकूली फिल्टरिंग एल्गोरिदम और उनका प्रदर्शन विश्लेषण; समय-भिन्न संकेतों और प्रणालियों का अनुमान; स्पेक्ट्रल आकलन के
-----	---	------------------------------	--

			तरीके; ऑडियो और वीडियो कोडिंग; वायरलेस संचार प्रणाली के लिए वीएलएसआई आधारित प्रोसेसर; आईपी पर आवाज और मल्टीमीडिया
47.	प्रो. एन. सी. साहू प्राध्यापक ncsahoo@iitbbs.ac.in	सिंगापुर का राष्ट्रीय विश्वविद्यालय, 2001	अक्षय ऊर्जा प्रणाली; पावर सिस्टम अनुकूलन और नियंत्रण; इलेक्ट्रिक ड्राइव का नियंत्रण
48.	प्रो. गणपति पांडा अभ्यागत प्राध्यापक gpanda@iitbbs.ac.in	भा.प्रौ.सं. खड़गपुर, 1982	डिजिटल सिग्नल प्रोसेसिंग; मशीन लर्निंग और एप्लिकेशन; बुद्धिमान साधन
49.	प्रो. जयंत पाल अभ्यागत प्राध्यापक jpal@iitbbs.ac.in	रुड़की विश्वविद्यालय। [अब भा.प्रौ.सं., रुड़की], 1981	कम क्रम मॉडलिंग; आंशिक आदेश प्रणाली; इलेक्ट्रिकल पावर सिस्टम
50.	डॉ. चंद्रशेखर नारायण भेंडे सह प्राध्यापक cnb@iitbbs.ac.in	भा.प्रौ.सं. दिल्ली, 2008	नवीकरणीय ऊर्जा, वितरित पीढी; पावर क्वालिटी, कस्टम पावर डिवाइस; बिजली प्रणालियों के लिए सॉफ्ट कंप्यूटिंग तकनीकों का अनुप्रयोग
51.	डॉ. मनोरंजन सतपथी सह प्राध्यापक manoranjan@iitbbs.ac.in	भा.प्रौ.सं. बाँम्बे, 1997	सॉफ्टवेयर परीक्षण और सत्यापन; उन्नत कंप्यूटर वास्तुकला; प्रोग्रामिंग की भाषाएँ
52.	डॉ. प्रशांत कुमार साहू सह प्राध्यापक pks@iitbbs.ac.in	भा.प्रौ.सं. खड़गपुर, 2008	ऑप्टिकल कम्युनिकेशन; सुदूर संवेदन; भाषण और सिग्नल प्रोसेसिंग
53.	डॉ. प्रवास रंजन साहू सह प्राध्यापक prs@iitbbs.ac.in	भा.प्रौ.सं. कानपुर, 2006	डिजिटल संचार, मोबाइल संचार, लुप्त होती चैनलों में रिसेवर का प्रदर्शन।
54.	डॉ. सुभ्रंसु रंजन सामंतराय सह प्राध्यापक srs@iitbbs.ac.in	एनआईटी राउरकेला, 2007	पावर सिस्टम संरक्षण; स्मार्ट ग्रीड; पीएमयू और डब्ल्यूएएम
55.	डॉ. भारतराम रामकुमार सहायक प्राध्यापक barathram@iitbbs.ac.in	वर्जीनिया टेक, 2011	सिग्नल प्रोसेसिंग; ताररहित संपर्क; बायो-सिग्नल प्रोसेसिंग
56.	डॉ. देवलीना घोष सहायक प्राध्यापक degghosh@iitbbs.ac.in	सिरैक्यूज़ विश्वविद्यालय, सिरैक्यूज़, एनवाई, यूएसए, 2007	रिमोट सेंसिंग; इलेक्ट्रोमैग्नेटिक इंजीनियरिंग और एंटेना; रडार सिस्टम
57.	डॉ. देवी प्रोसाद डोगरा सहायक प्राध्यापक	भा.प्रौ.सं. खड़गपुर, 2012	विजुअल सर्विलांस एंड कंप्यूटर विज्ञान; मानव कंप्यूटर इंटरफ़ेस; संवर्धित वास्तविकता



	dpdogra@iitbbs.ac.in		
58.	डॉ. दीपांकर दे सहायक प्राध्यापक dipankar@iitbbs.ac.in	आईआईएससी बैंगलोर, 2011	स्विचड मोड पावर कन्वर्टर और डिजाइन ऑफ इंटीग्रेटेड मैग्नेटिक्स; पावर सिस्टम्स में पावर इलेक्ट्रॉनिक्स का अनुप्रयोग; वाइड बैंड-गैप डिवाइस आधारित पावर रूपांतरण
59.	डॉ. जॉय चंद्र मुखर्जी सहायक प्राध्यापक ग्रेड- II joy@iitbbs.ac.in	भा.प्रौ.सं. खड़गपुर, 2015	वितरित एल्गोरिदम, समय-बदलती नेटवर्क एल्गोरिदम, बुद्धिमान परिवहन प्रणाली, स्मार्ट ग्रिड
60.	डॉ. एम. सबरीमालई मणिकंदन सहायक प्राध्यापक msm@iitbbs.ac.in	भा.प्रौ.सं. गुवाहाटी, 2009	सिग्नल और इमेज प्रोसेसिंग; बायोमेट्रिक और मल्टीमॉडल इंटरफेस; वीएलएसआई और एंबेडेड सिस्टम
61.	डॉ. नेति वी एल एन मूर्ति सहायक प्राध्यापक murtyn@iitbbs.ac.in	भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर 2008	कम्पाउंड सेमीकंडक्टर डिवाइस मॉडलिंग और विशेषता; अर्धचालक उपकरणों पर विकिरण प्रभाव; पतली-फिल्म सेंसर
62.	डॉ. नीलाद्रि बिहारी पुहन सहायक प्राध्यापक nbpuhan@iitbbs.ac.in	नानयांग टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी, सिंगापुर, 2007	इमेज प्रोसेसिंग; बायोमेट्रिक्स; बायोमेट्रिकल इमेजिंग
63.	डॉ. पद्मलोचन बेरा सहायक प्राध्यापक plb@iitbbs.ac.in	भा.प्रौ.सं. खड़गपुर, 2011	नेटवर्क और सिस्टम सुरक्षा; क्रिप्टोग्राफी; सॉफ्टवेयर परिभाषित नेटवर्क
64.	डॉ. शंकरसन महापात्रो सहायक प्राध्यापक sankarsan@iitbbs.ac.in	आईआईएससी बैंगलोर, 2011	हाई वोल्टेज इंजीनियरिंग; प्रदूषण नियंत्रण के लिए उच्च वोल्टेज का औद्योगिक अनुप्रयोग; अक्षय ऊर्जा प्रणाली
65.	डॉ. श्रीनिवास भास्कर करंकी सहायक प्राध्यापक skaranki@iitbbs.ac.in	भा.प्रौ.सं. मद्रास, 2012	पावर क्वालिटी; नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों के लिए डीसी डीसी कन्वर्टर; पावर सिस्टम्स के लिए पावर इलेक्ट्रॉनिक्स एप्लीकेशन
66.	डॉ. सुदीप्त साहा सहायक प्राध्यापक ग्रेड- II sudipta@iitbbs.ac.in	भा.प्रौ.सं. खड़गपुर, 2015	वायरलेस सेंसर नेटवर्क; साइबर-फिजिकल सिस्टम; चीजों की इंटरनेट
67.	डॉ. चंद्रशेखर पेरुमल सहायक प्राध्यापक pcsekhar@iitbbs.ac.in	भा.प्रौ.सं. दिल्ली, 2014	नवीकरणीय ऊर्जा प्रणालियों का एकीकरण और नियंत्रण; माइक्रोग्रिड / स्मार्ट ग्रिड सिस्टम के लिए स्मार्ट नियंत्रकों का डिजाइन और विकास; सक्रिय वितरण प्रणाली का नियंत्रण; हाइब्रिड एसी / डीसी माइक्रोग्रिड सिस्टम में ऊर्जा प्रबंधन; पावर सिस्टम्स के लिए पावर इलेक्ट्रॉनिक्स का अनुप्रयोग; बिजली की गुणवत्ता की समस्याओं के लिए सॉफ्ट कम्प्यूटिंग का अनुप्रयोग

68.	डॉ. श्रीनिवास पिनिसेट्टी सहायक प्राध्यापक spinisetty@iitbbs.ac.in	आईएनआरआईए रेन्नेस, यूनिवर्सिटी ऑफ़ रेन्नेस 1, फ्रांस	औपचारिक तरीके, रनिंग मॉनिटरिंग
69.	डॉ. श्रीनिवास बोप्पु सहायक प्राध्यापक srinivas@iitbbs.ac.in	एरलंजेन-नूर्नबर्ग विश्वविद्यालय, 2015	प्रोग्राम हार्डवेयर परीक्षक
70.	डॉ. बालकृष्ण पामुलपार्थी सहायक प्राध्यापक balakrishnap@iitbbs.ac.in	भा.प्रौ.सं. मद्रास, 2016	पावर सिस्टम स्वचालन; स्मार्ट पावर ग्रिड के लिए डेटा एनालिटिक्स; स्मार्ट ग्रिड / माइक्रो ग्रिड टेक्नोलॉजी; बिजली वितरण प्रणाली
71.	डॉ. देवप्रतिम घोष सहायक प्राध्यापक debapratim@iitbbs.ac.in	भा.प्रौ.सं. बॉम्बे, 2017	माइक्रोवेव घटक, सर्किट और सिस्टम, माइक्रोवेव माप प्रणाली, एनालॉग और छोटे पैमाने पर एम्बेडेड सिस्टम
72.	डॉ. अदवे मित्रा सहायक प्राध्यापक adway@iitbbs.ac.in	आईआईएससी बैंगलोर, 2016	डेटा माइनिंग; मशीन लर्निंग; जलवायु सूचना विज्ञान; मॉडलिंग जटिल स्पैटो-टेम्पोरल प्रक्रियाएं; बायेसियन मॉडलिंग; कंप्यूटर दृष्टि; वीडियो एनालिटिक्स; सामाजिक नेटवर्क विश्लेषण
73.	डॉ.अन्वय कुमार मोहंती सहायक प्राध्यापक adway@iitbbs.ac.in	टेक्सास ए एंड एम विश्वविद्यालय, कॉलेज स्टेशन, यूएसए, 2015	जीन अनुक्रमण डेटा के विश्लेषण के लिए उपन्यास एल्गोरिदम के विकास से संबंधित शोध कार्य
74.	डॉ. अनूप थॉमस सहायक प्राध्यापक anoophthomas@iitbbs.ac.in	आईआईएससी बैंगलोर, 2018	कोडिंग तकनीक; बीजगणितीय त्रुटि कोड को ठीक करना; सूचकांक कोडिंग; नेटवर्क कोडिंग; कोडित कैशिंग; कोडित वितरित कम्प्यूटिंग
75.	डॉ. ओलिव रे सहायक प्राध्यापक olive@iitbbs.ac.in	भा.प्रौ.सं. कानपुर, 2016	अक्षय ऊर्जा एकीकरण; कनवर्टर मॉडलिंग और नियंत्रण; पावर इलेक्ट्रॉनिक्स का डिजिटल नियंत्रण
76.	डॉ. सौम्या प्रकाश दाश सहायक प्राध्यापक spdash@iitbbs.ac.in	भा.प्रौ.सं. दिल्ली, 2019	संचार सिद्धांत; पावरलाइन संचार; स्मार्ट ग्रिड संचार; विविधता का संयोजन; नरम और विकासवादी कंप्यूटिंग
77.	डॉ. . श्वेता जैन अभ्यागत सहायक प्राध्यापक shwetajain@iitbbs.ac.in	आईआईएससी बैंगलोर, 2017	गेम थ्योरी; तंत्र डिजाइन; मशीन लर्निंग

## मानविकी, सामाजिक विज्ञान और प्रबंधन विद्यापीठ

78.	प्रो .गोदाबरीशा मिश्रा अभ्यागत प्राध्यापक gmishra@iitbbs.ac.in	मद्रास विश्वविद्यालय, 1986	1986 संस्कृत और भारतीय दर्शन
79.	डॉ. अमृता सतपथी सहायक प्राध्यापक asatapathy@iitbbs.ac.in	उत्कल विश्वविद्यालय, 2009	राष्ट्रमंडल अध्ययन, भारतीय प्रवासी साहित्य, यात्रा लेखन / आत्मकथाएँ / संस्मरण
80.	डॉ. अनमित्र बसु सहायक प्राध्यापक anamitrabasu@iitbbs.ac.in	भा.प्रौ.सं. खड़गपुर, 2010	पार्श्वता; psycholinguistics; नैदानिक मनोविज्ञान
81.	डॉ. दुखाबंधु साहू सहायक प्राध्यापक dsahoo@iitbbs.ac.in	सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन संस्थान, बेंगलोर, 2007	2007 ओपन मैक्रोइकॉनॉमिक्स; विकास अर्थशास्त्र; पर्यावरण और प्राकृतिक संसाधन अर्थशास्त्र
82.	डॉ. नरेश चंद्र साहू सहायक प्राध्यापक naresh@iitbbs.ac.in	भा.प्रौ.सं. कानपुर, 2008	पर्यावरण अर्थशास्त्र; वित्त; खनन और ग्रामीण विकास
83.	डॉ. पुण्यश्री पंडा सहायक प्राध्यापक ppanda@iitbbs.ac.in	बेरहामपुर विश्वविद्यालय, 2008	पोस्टकोलोनियल वर्ल्ड लिटरेचर, स्वदेशी लेखन; भारतीय लेखन अंग्रेजी में; ईएलटी, क्रॉस- सांस्कृतिक संचार
84.	डॉ. राजकुमार गुडरु सहायक प्राध्यापक rajakumarguduru@iitbbs.ac.in	अंग्रेजी और विदेशी भाषा विश्वविद्यालय, हैदराबाद, 2011	ईएसएल शिक्षार्थियों की महत्वपूर्ण शब्दावली विकसित करना; संज्ञानात्मक पढ़ना कौशल; दूसरी भाषा का प्रदर्शन; शिक्षक शिक्षा और विकास; संचार कौशल; प्रौद्योगिकी और भाषा सीखना

## आधारिक संरचना विद्यापीठ

85.	प्रो. रवीन्द्र कुमार पंडा प्राध्यापक rkpanda@iitbbs.ac.in	भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली, 1984	जल विज्ञान; वाटरशेड प्रबंधन; जल संसाधन का गैर-बिंदु स्रोत प्रदूषण
86.	डॉ. दिनकर पासला सह - प्राध्यापक pdinakar@iitbbs.ac.in	भा.प्रौ.सं. मद्रास, 2005 कंक्रीट टेक्नोलॉजी	कंक्रीट टेक्नोलॉजी
87.	डॉ. सुमंत हलधर सह - प्राध्यापक sumanta@iitbbs.ac.in	आईआईएससी बेंगलोर, 2008	अपतटीय पवन ऊर्जा नींव; मृदा-संरचना बातचीत; मिट्टी और नींव की गतिशीलता

88.	डॉ. अरिंदम सरकार सहायक प्राध्यापक asarkar@iitbbs.ac.in	भा.प्रौ.सं. खड़गपुर, 2006	जलमग्न और उभरती हुई वनस्पति के माध्यम से प्रवाह; हाइड्रोलिक संरचनाओं के आसपास परिमार्जन; गणितीय प्रवाह मॉडलिंग
89.	डॉ. बी हनुमंथा राव सहायक प्राध्यापक bhrao@iitbbs.ac.in	भा.प्रौ.सं. बॉम्बे, 2009	जियोटेक्निकल इंजीनियरिंग; पर्यावरण भूविज्ञान;
90.	डॉ. देबासीस बसु सहायक प्राध्यापक dbasu@iitbbs.ac.in	भा.प्रौ.सं. खड़गपुर, 2008	सतत परिवहन, सार्वजनिक परिवहन का संचालन; परिवहन अर्थशास्त्र; आवागमन अध्ययन
91.	डॉ. गौतम मोंडल सहायक प्राध्यापक gmondal@iitbbs.ac.in	भा.प्रौ.सं. कानपुर, 2011	भूकंप इंजीनियरिंग और संरचनात्मक गतिशीलता; पुलों का भूकंपीय विश्लेषण; मृदा-संरचना सहभागिता
92.	डॉ. मनस्विनी बेहरा सहायक प्राध्यापक manaswini@iitbbs.ac.in	भा.प्रौ.सं. खड़गपुर, 2012	जल और अपशिष्ट जल उपचार और पुनः उपयोग; माइक्रोबियल ईंधन सेल में अपशिष्ट जल उपचार के दौरान बायोएनेर्जी की वसूली; ठोस अपशिष्ट प्रबंधन
93.	डॉ. मीनू रामदास सहायक प्राध्यापक meenu@iitbbs.ac.in	पुर्दुए विश्वविद्यालय, युएसए, 2015	जल विज्ञान; जल संसाधन; सूखा प्रतिरूपण
94.	डॉ. पार्थ प्रतिम डे सहायक प्राध्यापक ppdey@iitbbs.ac.in	भा.प्रौ.सं. रुड़की, 2006	ट्रैफिक फ्लो मॉडलिंग
95.	डॉ. पुष्पेन्दु भुनिया सह प्राध्यापक pbhunias@iitbbs.ac.in	भा.प्रौ.सं. खड़गपुर, 2008	पोषक तत्वों को हटाने और अपशिष्ट जल से वसूली; घरेलू और औद्योगिक कचरे का वर्मी-निस्पंदन; बायोडिग्रेडेबल कचरे से ऊर्जा और बायोगैस उत्पादन की वसूली
96.	डॉ. राजेश रोशन दाश सह प्राध्यापक rrdash@iitbbs.ac.in	भा.प्रौ.सं. रुड़की, 2008	पर्यावरण इंजीनियरिंग; जल और अपशिष्ट जल का उपचार; ठोस अपशिष्ट प्रबंधन
97.	डॉ. रेम्या नीलांचेरी सहायक प्राध्यापक remya@iitbbs.ac.in	राष्ट्रीय चियाओ तुंग विश्वविद्यालय ताइवान, 2010	जटिल अपशिष्ट जल के माइक्रोवेव फोटोकैटलिटिक उपचार; मिश्रित ठोस अपशिष्ट का कैटलिटिक कॉपीरोलिस; सौर फोटोकैटलिटिक उपचार और समर्थित उत्प्रेरक की तैयारी
98.	डॉ. सैकत सरकार विजिटिंग फैकल्टी saikat@iitbbs.ac.in	आईआईएससी बैंगलोर, 2014	स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग
99.	डॉ. शांतनु पात्रा सहायक प्राध्यापक shantanupatra@iitbbs.ac.in	भा.प्रौ.सं. दिल्ली, 2013	जियोटेक्निकल इंजीनियरिंग, जियोसिंथेटिक्स और उनके आवेदन

100.	डॉ. सुरेश आर दाश सहायक प्राध्यापक srdash@iitbbs.ac.in	ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय, 2011	संरचनात्मक गतिशीलता और भूकंप इंजीनियरिंग; मिट्टी - संरचना इंटरैक्शन; भूकंपीय विश्लेषण और पाइपलाइनों का डिजाइन
101.	डॉ. उमेश चंद्र साहू सहायक प्राध्यापक ucsahoo@iitbbs.ac.in	भा.प्रौ.सं. खड़गपुर, 2009	फुटपाथ विश्लेषण और डिजाइन; फुटपाथ सामग्री; कम मात्रा वाली सड़कें
102.	प्रो तियान सी. झांग के विदेशी मूल के अभ्यागत प्राध्यापक tzhang@iitbbs.ac.in	सिनसिनाटी विश्वविद्यालय, सिनसिनाटी, OH, 1994	वैकल्पिक ऊर्जा स्रोत / कम कार्बन प्रौद्योगिकियाँ, नैनो तकनीक और इसके पर्यावरणीय अनुप्रयोग, गैर-बिंदु स्रोत प्रदूषण नियंत्रण प्रौद्योगिकियाँ और सूक्ष्म-स्तरीय पर्यावरणीय परिस्थितियाँ।
103.	डॉ. आकांक्षा त्यागी सहायक प्राध्यापक akanksha@iitbbs.ac.in	नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ़ सिंगापुर, 2018	सॉफ्ट मृदा इंजीनियरिंग; भूमि सुधार (सीमेंट- उपचारित मिट्टी); टनेलिंग; अपकेंद्रित मॉडलिंग; यादृच्छिक परिमित तत्व विश्लेषण
104.	डॉ. देवेश पुनेरा सहायक प्राध्यापक devesh@iitbbs.ac.in	भा.प्रौ.सं. बॉम्बे, 2018	स्ट्रक्चरल मैकेनिक्स; समग्र संरचनाएं; बीम, प्लेट और शेल संरचनाओं के कॉन्टिनम सिद्धांत; स्मार्ट सामग्री; जैव यांत्रिकी।

## यांत्रिक विज्ञान विद्यापीठ

105.	प्रो स्वरूप कुमार महापात्र प्राध्यापक swarup@iitbbs.ac.in	जादवपुर विश्वविद्यालय, 2000	समझौता हीट ट्रांसफर; विकिरण मॉडलिंग; बायो हीट ट्रांसफर
106.	प्रो. पी. के. जे. महापात्र अभ्यागत प्राध्यापक pkjm@iitbbs.ac.in	भा.प्रौ.सं. खड़गपुर, 1978	औद्योगिक इंजीनियरिंग; सिस्टम डायनेमिक्स; संचालन अनुसंधान और प्रबंधन
107.	प्रो सुनील कुमार सारंगी प्रोफेसरिअल फेलो sks16@iitbbs.ac.in	स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ़ न्यूयॉर्क, स्टोनी ब्रुक, 1974	रेफ्रिजरेशन और एयर कंडीशनिंग, क्रायोजेनिक इंजीनियरिंग
108.	डॉ. अरुण कुमार प्रधान सह प्राध्यापक akpradhan@iitbbs.ac.in	भा.प्रौ.सं. खड़गपुर, 2008	सॉलिड मैकेनिक्स, कम्पोजिट मटीरियल्स एंड स्ट्रक्चर्स, फ्रैक्चर मैकेनिक्स एंड डेलीसिटी स्टडीज इन कम्पोजिट्स; स्मार्ट सामग्री और संरचनाएं; प्राकृतिक फाइबर प्रबलित कम्पोजिट
109.	डॉ. मानस मोहन महापात्रा सह प्राध्यापक mmmahapatra@iitbbs.ac.in	भा.प्रौ.सं. खड़गपुर, 2008	वेलिंग अवशिष्ट तनाव और विरूपण नियंत्रण, घर्षण हलचल वेलिंग उपकरण डिजाइन, घर्षण हलचल प्रसंस्करण और घर्षण आवरण; पहनने और उच्च तापमान अनुप्रयोगों के लिए थर्मल स्प्रे और लेजर कोटिंग; इन-सीटू मेटल मैट्रिक्स कम्पोजिट और उनकी विनिर्माण क्षमता

110.	डॉ. मिहिर कुमार पंडित सह प्राध्यापक mihir@iitbbs.ac.in	भा.प्रौ.सं. खड़गपुर, 2009	डिजाइन और ठोस यांत्रिकी; सैंडविच संरचनाएं; समग्र सामग्री
111.	डॉ. सत्यनारायण पाणिग्रही सह प्राध्यापक psatyan@iitbbs.ac.in	आईआईएससी बैंगलोर, 2007	पानी के नीचे ध्वनिक अवशोषक; मफलर और नलिकाओं के ध्वनिकी; ध्वनिक मेटामेट्रिक्स
112.	डॉ. अखिलेश बर्वे सहायक प्राध्यापक akhilesh@iitbbs.ac.in	भा.प्रौ.सं. दिल्ली, 2009	आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन; मानवीय रसद; औद्योगिक इंजीनियरिंग 30.08.2018 को Lien के साथ 1 वर्ष के लिए राहत मिली W.E.F 31.08.2018
113.	डॉ. अनिर्बान भट्टाचार्य सहायक प्राध्यापक anirban@iitbbs.ac.in	आईआईएससी बैंगलोर, 2014	मल्टी-फेज और मल्टीस्केल ट्रांसपोर्ट घटनाएं; चरण परिवर्तन और अनाज संरचना मॉडलिंग; उबलते गर्मी हस्तांतरण मॉडलिंग
114.	डॉ. के. श्रीनिवास रामानुजम सहायक प्राध्यापक sramanujam@iitbbs.ac.in	भा.प्रौ.सं. मद्रास, 2012	सक्रिय निष्क्रिय रिमोट सेंसिंग; इंजीनियरिंग डिजाइन और अनुकूलन; वायुमंडलीय विकिरण
115.	डॉ. मिहिर कुमार दास सहायक प्राध्यापक mihirdas@iitbbs.ac.in	भा.प्रौ.सं. रुड़की, 2006	दो चरण हीट ट्रांसफर; पीसीएम आधारित कूलिंग सिस्टम; अंतः दहन इंजिन
116.	डॉ. प्रसेनजीत रथ सहायक प्राध्यापक prath@iitbbs.ac.in	नानयांग टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी, सिंगापुर, 2007	मटेरियल प्रोसेसिंग में ट्रांसपोर्ट फेनोमेना; अल्ट्राफास्ट ट्रांसपोर्ट; सीएफडी / हिंदुस्तान टाइम्स
117.	डॉ. ससिधर कोंडाराजू सहायक प्राध्यापक sasidhar@iitbbs.ac.in	वेन स्टेट यूनिवर्सिटी, 2009	माइक्रोफ्लूइडिक्स; माइक्रो / नैनोस्केल थर्मोफ्लुइडिक्स; मल्टीफेज प्रलो
118.	डॉ. सत्यनारायण अय्यालासोमयजुला सहायक प्राध्यापक sathya@iitbbs.ac.in	कॉर्नेल यूनिवर्सिटी, एनवाई, यूएसए, 2007	टर्बुलेंस; DNS और LES, स्पेक्ट्रल तरीके; प्रायोगिक द्रव यांत्रिकी
119.	डॉ. सतीश ढंडोले सहायक प्राध्यापक satish@iitbbs.ac.in	भा.प्रौ.सं. दिल्ली, 2009	डायनामिक डिज़ाइन; विब्रो ध्वनिक; तंत्र
120.	डॉ. वी. पांडु रंगा सहायक प्राध्यापक pandu@iitbbs.ac.in	भा.प्रौ.सं. खड़गपुर, 2009	रोबोटिक्स; विनिर्माण; नरम कम्प्यूटिंग
121.	डॉ. वेणुगोपाल अरुमरु सहायक प्राध्यापक venugopal@iitbbs.ac.in	भा.प्रौ.सं. बॉम्बे, 2014	द्रव संरचना इंटरैक्शन और अस्थिर एरो- हाइड्रोडायनामिक्स; गर्मी हस्तांतरण वृद्धि; ध्वनि- विज्ञान

122.	डॉ. योगेश जी. भुमकर सहायक प्राध्यापक bhumkar@iitbbs.ac.in	भा.प्रौ.सं. कानपुर, 2012	उच्च प्रदर्शन कंप्यूटिंग; कम्प्यूटेशनल एयरो ध्वनिकी; संक्रमणकालीन और अशांत प्रवाह
123.	डॉ. गौरव बारतारा सहायक प्राध्यापक	भा.प्रौ.सं. कानपुर, 2014	पारंपरिक और गैर-पारंपरिक मशीनिंग प्रक्रिया
124.	डॉ. सुवरदीप मुलिक सहायक प्राध्यापक	भा.प्रौ.सं. खड़गपुर, 2016	लेजर सामग्री प्रसंस्करण, गैर-पारंपरिक मशीनिंग
125.	डॉ. अंकुर गुप्ता विजिटिंग फैकल्टी akurgupta@iitbbs.ac.in	भा.प्रौ.सं. कानपुर, 2015	नैनो टेक्नोलॉजी; माइक्रो-सिस्टम निर्माण; विनिर्माण
126.	डॉ. पट्टाभि रामैया बुडारापु सहायक प्राध्यापक pattabhi@iitbbs.ac.in	वेल्लश, जर्मनी की बॉहॉस यूनिवर्सिटी, 2015	फ्रैक्चर के लिए मल्टीस्केल तरीके; आणविक गतिशीलता; मल्टीफ्रिज़िक्स समस्याओं में फ्रैक्चर; संरचनात्मक गतिकी
127.	डॉ. मनीष अग्रवाल विजिटिंग फैकल्टी manish@iitbbs.ac.in	आईआईएससी। बैंगलोर, 2017	हाइब्रिड फ़ाइट तत्वों के ढांचे के भीतर विद्युत प्रणालियों, संपर्क यांत्रिकी और समय परिमित तत्वों के लिए कुशल सिमुलेशन रणनीतियाँ

### खनिज, धातु तथा पदार्थ यांत्रिकी विद्यापीठ

128.	डॉ. ब्रह्म देव प्रोफेसरियाल फेलो bdeo@iitbbs.ac.in	बर्दवान विश्वविद्यालय, 1975	लौह और इस्पात निर्माण; गतिशील प्रक्रिया नियंत्रण और अनुकूलन; गतिक प्रणाली में अराजकता नियंत्रण
129.	प्रो गोलोक बी नंदो प्रोफेसरियाल फेलो golokrtc@gmail.com	भा.प्रौ.सं. खड़गपुर, 1979	रबड़ उत्पाद निर्माण और नई सामग्री विकास, सिलिकॉन रबर के साथ पॉलिमर मिश्रण और मिश्र धातु, थर्मोप्लास्टिक इलास्टोमर्स और थर्मोप्लास्टिक बल्केनीज़ेट्स, रबर और थर्मोप्लास्टिक इलास्टोमेर नैनो-कंपोजिट
130.	प्रो बृज कुमार हिंडाव अतिथि प्राध्यापक dhindaw@iitbbs.ac.in	भा.प्रौ.सं. खड़गपुर, 1971	ठोसकरण प्रसंस्करण और सम्मिश्र; भौतिक धातुकर्म; खनिज प्रसंस्करण
131.	डॉ. अमृतेन्दु रॉय सहायक प्राध्यापक amritendu@iitbbs.ac.in	भा.प्रौ.सं. कानपुर, 2012	स्मृति और ऊर्जा अनुप्रयोगों के लिए फेरोइलेक्ट्रिक और मल्टीफ्रिरोइक सामग्री; बहु घटक मिश्र धातु डिजाइन; इलेक्ट्रॉनिक संरचना की गणना
132.	डॉ. अनिमेष मंडल सह प्राध्यापक animesh@iitbbs.ac.in	भा.प्रौ.सं. खड़गपुर, 2007	एल्यूमीनियम मिश्र; धातु मैट्रिक्स कंपोजिट; धात्विक प्रणालियों का अर्ध समेकन प्रसंस्करण

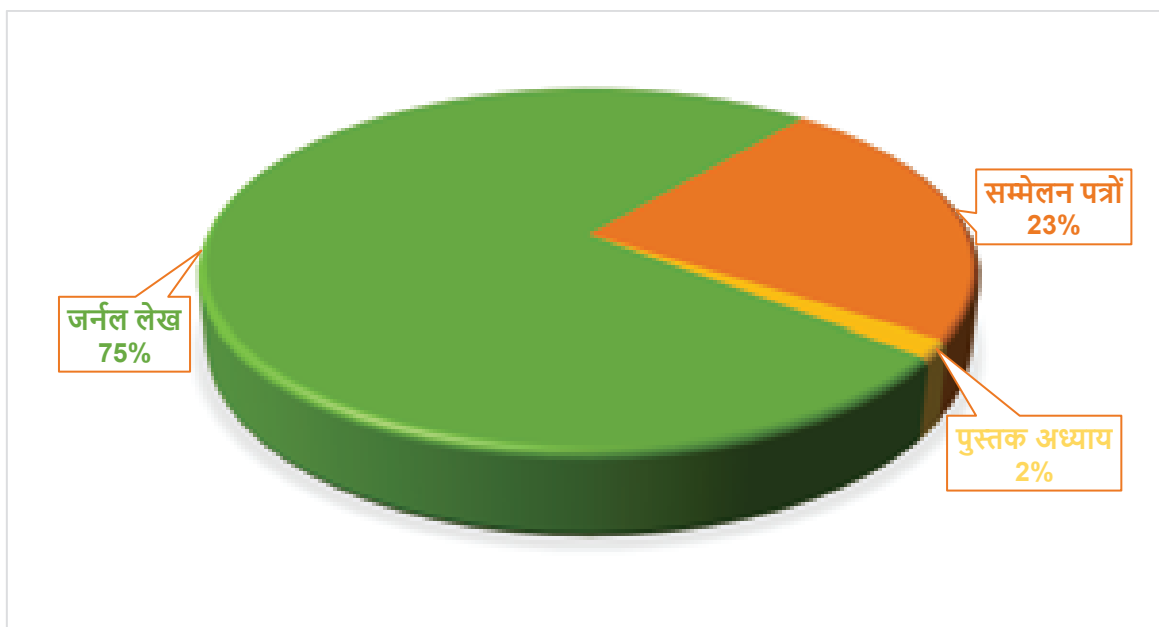


133.	डॉ. कौशिक दास सहायक प्राध्यापक kaushik@iitbbs.ac.in	मैकगिल विश्वविद्यालय, 2012	मैकेनिकल ऑफ़ नैनोमेट्रीज़ व्यवहार; माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक सिस्टम (एमईएमएस) के लिए नैनोमैटेरियल्स का एकीकरण;
134.	डॉ. किसोर कुमार साहू सहायक प्राध्यापक kisersahu@iitbbs.ac.in	क्योटो विश्वविद्यालय, 2006	मॉडलिंग और सामग्री का अनुकरण; ऊर्जा सामग्री और सिस्टम; सामग्री की संरचनात्मक और चुंबकीय हताशा
135.	डॉ. पार्थ सारथी डे सहायक प्राध्यापक parthasarathi.de@iitbbs.ac.in	मिसौरी विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, यूएसए, 2010	घर्षण हलचल वेल्डिंग और प्रसंस्करण; उच्च एन्ट्रॉपी मिश्र; धातुओं का थर्मो-मैकेनिकल प्रसंस्करण
136.	डॉ. रणधीर सिंह सहायक प्राध्यापक randhir@iitbbs.ac.in	इंपीरियल कॉलेज लंदन, 2009	विद्युत रासायनिक प्रणालियों के कम्प्यूटेशनल मॉडलिंग; ईंधन सेल और हाइड्रोजन उत्पादन; अल और तिवारी कमी के विद्युत चुम्बकीय
137.	डॉ. सोभांकर पति सहायक प्राध्यापक spati@iitbbs.ac.in	बोस्टन विश्वविद्यालय, 2010	इलेक्ट्रोकेमिस्ट्री; ऊर्जा सामग्री; सतत सामग्री और प्रक्रिया
138.	डॉ. श्रीकांत गोलपुडी सहायक प्राध्यापक srikant@iitbbs.ac.in	नॉर्थ कैरोलिना स्टेट यूनिवर्सिटी, 2007	टाइटेनियम, जिरकोनियम, मैग्नीशियम और एल्यूमीनियम मिश्र धातुओं के क्रेता व्यवहार और अनाकार और नैनोक्रीस्टलाइन मिश्र के यांत्रिक मिश्र धातु
139.	डॉ. कोदंड राम मांगीपुडी सहायक प्राध्यापक kodanda@iitbbs.ac.in	ग्रोनिंगन विश्वविद्यालय, 2012	कम्प्यूटेशनल मैकेनिक्स (नैनो) कंपोजिट मटेरियल का यांत्रिक व्यवहार सेलुलर सॉलिड्स का यांत्रिकी
140.	डॉ. राम कृष्ण कृपा विजिटिंग फैकल्टी rsabat@iitbbs.ac.in	आईआईएससी बैंगलोर, 2015	एक मैग्नीशियम-सेरियम मिश्र धातु के गंभीर प्लास्टिक विरूपण के दौरान माइक्रोस्ट्रक्चर और बनावट का विकास

## संयुक्त संकाय 2018-2019

क्र.संख्या	नाम	मूल संस्थान का नाम	दौरा किया गया संस्थान का नाम
1.	प्रो.सम्राट एल.साबत	हैदराबाद विश्वविद्यालय	एसबीएस
2.	अजीत मोहन श्रीवास्तव	इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिक्स, भुवनेश्वर	एसबीएस
3.	प्रो. टी. के. विस्वाल	भा.प्रौ.सं. बॉम्बे	एसईओसीएस
4.	प्रो.सैबल गुप्ता	भा.प्रौ.सं. खड़गपुर	एसईओसीएस
5.	डॉ. अश्विनी नंदा	एचपीसी रिसर्च इंक, यूएसए	एसईएस
6.	प्रो विजय कुमार रथ	बेरहामपुर विश्वविद्यालय	एसएचएसएसएम
7.	पद्मश्री कुमकुम मोहंती	ओडिशा संगीत महाविद्यालय	एसएचएसएसएम
8.	डॉ. प्रणय कुमार स्वैन	एनआईएसईआर भुवनेश्वर	एसएचएसएसएम
9.	प्रो. के बी एल श्रीवास्तव	भा.प्रौ.सं. खड़गपुर	एसएचएसएसएम
10.	प्रो. फकीर मोहन साहू	जेवियर इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, भुवनेश्वर	एसएचएसएसएम
11.	डॉ. अरविंदो बेहरा	आईएस- सेवानिवृत्त	एसएचएसएसएम
12.	प्रोफेसर जी बी नंदो	भा.प्रौ.सं. खड़गपुर	एसएमएमएमई
13.	प्रो. ओंकार नाथ मोहंती	निदेशक, प्रौद्योगिकी और शैक्षणिक पहल	एसएमएम और एमई
14.	प्रो.पी. वी. सत्यम	इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिक्स, भुवनेश्वर	एसबीएस
15.	प्रो. रामचंद्र मांझी	रेवेन्शॉ यूनिवर्सिटी	एसएचएसएस एंड एम
16.	प्रो. नरेश चंद्र मिश्र	उत्कल विश्वविद्यालय	एसबीएस
17.	प्रो. चांडाल नाहक	भा.प्रौ.सं. खड़गपुर	एसबीएस
18.	प्रो. मृगंका कुमार पाणिग्रही	भा.प्रौ.सं. खड़गपुर	एसईओसीएस
19.	डॉ. अमरेंद्र दा	एनआईएसईआर भुवनेश्वर	एसएचएसएस एंड एम
20.	डॉ. जितेंद्र कुमार	भा.प्रौ.सं. खड़गपुर	एसबीएस
21.	प्रो. उत्पल सरकार	भा.प्रौ.सं. खड़गपुर	एसबीएस
22.	डॉ. नजमुल हक	एनआईएसईआर भुवनेश्वर	एसबीएस
23.	डॉ. तपन कुमार चंद	नेशनल एल्युमिनियम कंपनी लिमिटेड	एसएचएसएस एंड एम
24.	प्रो. जयंत कुमार नायक	भा.प्रौ.सं. बॉम्बे	एसएमएस
25.	प्रो. सदानंद साहू	भा.प्रौ.सं. खड़गपुर	एसएमएस
26.	श्री नंबल्ला धर्म राव	जिंदल स्टील	एसएमएम एंड एमई
27.	श्री सी. बालन	सीडीएसी-तिरुवनंतपुरम	एसईएस
28.	प्रो. दीपंकर दासगुप्ता	यूनिवर्सिटी ऑफ मेम्फिस	एसईएस
29.	प्रो. सौमित्र सेनगुप्ता	इंडियन एसोसिएशन फॉर कल्टिवेशन ऑफ साइंसेज (IACS), कोलकाता	एसबीएस
30.	प्रो. प्रताप कुमार रथ	सेंटर ऑफ एडवांस स्टडी इन साइकोलॉजी	एसएचएसएस एंड एम
31.	डॉ. सतेश कुमार पेड्डू	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की	एसईएस

## प्रकाशन



### आधारीय विज्ञान विद्यापीठ

1. चंद, ए., चेतन्यंकंडी, पी., महाराणा, एम., साहू, एस. एन., प्रधान, एस. के., पट्टनायक, एस. के., चौधुरी, एस. (2018)। नॉवल एंटीजिंग इंटरवेंशन विकसित करने के लिए कम्प्यूटेशनल तरीके। एस आई. रिज़र्वी और यू. काकाटय (ईडीएस), आणविक आधार और एंटी-एजिंग इंटरवेंशन के लिए उभरती रणनीतियाँ (पीपी 175-193)। [https://doi.org/10.1007/978-981-13-1699-9\\_12](https://doi.org/10.1007/978-981-13-1699-9_12)
2. गेंडर, एम., जे., क्रोक, एफ., और मंडल, बी. सी. (2017). अण्डाकार इष्टतम नियंत्रण समस्याओं के लिए निर्माण विधियों का अभिसरण. विज्ञान और इंजीनियरिंग में डोमेन अपघटन विधियां XXIV, 291-300। [https://doi.org/10.1007/978-3-319-93873-8\\_27](https://doi.org/10.1007/978-3-319-93873-8_27)
3. सामंता, के., टीसोगबयार, टी. झांग, एस. बी, और येजर, डी. एल. (2018)। इलेक्ट्रॉन-एटम और इलेक्ट्रॉन-अणु अनुनाद: कुछ सैद्धांतिक दृष्टिकोण जटिल स्केलड मल्टीसिंफिगेशनल मेथड का उपयोग करते हैं। क्वांटम रसायन विज्ञान, 77, 317-390. <https://doi.org/10.1016/bs.aiq.2017.06.006>

### पृथ्वी, महासागर और जलवायु विज्ञान विद्यापीठ

4. जोसेफ, के. ए., जयाराम, सी., नायर, ए., जॉर्ज, एम., एस., बालचंद्र, ए. एन., और पेटर्सन, एल., एच. (2018). अरब सागर और आस-पास के तटीय क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के लिए सुदूर संवेदन। एशियन सीज़ के रिमोट सेंसिंग में (पेज. 467-483)। [https://doi.org/10.1007/978-3-319-94067-0\\_26](https://doi.org/10.1007/978-3-319-94067-0_26)

### मानविकी, सामाजिक विज्ञान और प्रबंधन विद्यापीठ

5. पांडा, पी. (2018). मीना कंदासामी की द जिप्सी देवी में स्मृति, सहानुभूति और कथा, एस., पी. गेब्रियल और एन., ओ. पगन (एड्स), साहित्य, स्मृति, आधिपत्य: पूर्व / पश्चिम क्रॉसिंग (पेज. 159-175).

[https://doi.org/10.1007/978-981-10-9001-1\\_9](https://doi.org/10.1007/978-981-10-9001-1_9)

#### आधारिक संरचना विद्यापीठ

6. ली, एफ., एच., लियू., टीवाई, त्यागी, ए., ट्यान, के. क्यू., पान, वाई., और हो., जे. (2019). दीप खुदाई और भूमिगत निर्माणों में सीमेंट-उपचारित शीतल मिट्टी में स्थानिक भिन्नता के लिए एक डिज़ाइन फ्रेमवर्क। के. इल्लमपुर्ती और आर. जी. रॉबिन्सन (एड्स), जियोटेक्निकल डिज़ाइन एंड प्रैक्टिस: चयनित विषय (पेज 59-69). [https://doi.org/10.1007/978-981-13-0505-4\\_5](https://doi.org/10.1007/978-981-13-0505-4_5)

7. नीलांचेरी, आर. (2018). माइक्रोवेव-समर्थित विधियों द्वारा कार्बन अपशिष्ट पदार्थों का उपयोग करके डाई अपशिष्ट जल उपचार. [https://doi.org/10.1007/978-981-10-7551-3\\_5](https://doi.org/10.1007/978-981-10-7551-3_5)

8. वैरागी, पी. डी., और दाश, आर. आर. (2018)। स्लो सैंड फिल्ट्रेशन में फिल्टर मीडिया के रूप में डोलोचर का मूल्यांकन। वी. पी. सिंह, एस. यादव, और आर. एन. यादव (ईडीएस), जल गुणवत्ता प्रबंधन (पेज 221-230) स्प्रिंगर सिंगापुर।

#### यांत्रिक विज्ञान विद्यापीठ

9. मंजुनाथ पटेल जी. सी., कृष्णा, पी., परप्पगौदर, एम. बी., वुंडाविली, पी. आर., भूषण, एस. एन. बी., मंजुनाथ पटेल जी. सी., भूषण, एस, एन. बी. (2001, 1 जनवरी)। झुंड कास्टिंग पैरामीटर अनुकूलन झुंड खुफिया और विकासवादी एल्गोरिदम का उपयोग [अध्याय]। 10 मई, 2019 को <http://services.igi-global.com/resolveoi/resolve.aspx?doi=10.4018/978-1-5225-5134-8.ch010> वेबसाइट: <https://igi-global.com/gateway/chapter/198929>

#### सम्मेलन की कार्यवाही

##### आधारीय विज्ञान विद्यापीठ

10. एक नायक, ए भट्टाचार्य, और ए. रॉयचौधरी. (2018)। पैन कैंसर का AAA + ATPase ATAD2 और इसके संभावित भागीदारों के विश्लेषण से पता चलता है कि कैंसर में उनका उच्च रोग-संबंधी महत्व है. 53-53.

11. एक नायक, धर रॉय, एक भट्टाचार्य, और एक रॉयचौधरी. (2018). गैस्ट्रिक कैंसर पर विशेष जोर देने के साथ AAA + ATPase ATAD2 का पैन-कैंसर विश्लेषण। 25-25।

12. एक नायक, मैं पोइरा, ए भट्टाचार्य, और एक रॉयचौधरी। (2018)। Hypoxic गैस्ट्रिक कैंसर कोशिकाओं में AAA + ATPase ATAD2 अभिव्यक्ति का विनियमन. 67-67.

13. बहिनपति, एस., एडमजीक, के., एहरा, एच., एंजेलिनी, सी., अज़ीज़, टी., बाबू, वी., ... ज्ञानी, एल. (2018). बेले II सिलिकॉन बर्टेक्स डिटेक्टर (एसवीडी). में जेड- ए. लियू (एड.), प्रोसीडिंग्स ऑफ इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन टेक्नोलॉजी एंड इंस्ट्रुमेंटेशन इन पार्टिकल फिजिक्स 2017 (पेज. 414–420). स्प्रिंगर सिंगापुर।
14. बाहीनीपति, सीमा. (2018). फ्लेवर फैक्ट्रीज में दवाएं। मो. नईमुद्दीन (एड.), XXII DAE उच्च ऊर्जा भौतिकी संगोष्ठी (पेज. 27–31). स्प्रिंगर इंटरनेशनल पब्लिशिंग।
15. बनिक, ए. डी., घोष, एस., और बसु, डी. (2018). बैच मार्कोवियन आगमन और घातीय एकल कार्य अवकाश के साथ एकल सर्वर कतार का कम्प्यूटेशनल विश्लेषण। एस. कर, यू. मौलिक, और एक्स. ली (ईडीएस), संचालन अनुसंधान और अनुकूलन (पेज. 61-73). स्प्रिंगर सिंगापुर।
16. चटर्जी, एस (n.d.)। आयन बीम द्वारा ट्यूनिंग सतह गीला करने की संपत्ति।
17. दास, पी., और चटर्जी, एस (2018). आयामी अनुप्रयोगों के लिए आयन वेल्डेड हाइड्रोजन टिटानेट नैनो-नेटवर्क।
18. दास, प्रीतम, और चटर्जी, एस. (2018). ना + विकिरण द्वारा हाइड्रोजन टिटानेट नैनोवायर जाल की ट्यूनिंग wettability। एआईपी सम्मेलन की कार्यवाही, 1942 (1), 080017. <https://doi.org/10.1063/1.5028851>
19. दास, एस., धल, एस, चटर्जी, एस., और सामंत, के. (2018). इलेक्ट्रॉन-एच 2 टक्कर से उत्पन्न प्रोटॉन के गतिज ऊर्जा वितरण। परमाणु और आणविक भौतिकी पर एशियाई अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रस्तुत।
20. दाश, एन. (2018). बेले और बेले II में D0 → K0S0S क्षय में सीपी उल्लंघन के लिए खोजें। मो. नईमुद्दीन (एड.), XXII DAE उच्च ऊर्जा भौतिकी संगोष्ठी (पेज. 693–695). स्प्रिंगर इंटरनेशनल पब्लिशिंग।
21. दास, एस., और झा, आर. (2018). माइक्रोफ़ाइबर एक बहुमुखी माइक्रोफोन के रूप में पॉलिमर डायफ्राम संलग्न। JSAP-OSA जॉइंट सिम्पोजिया 2018 (2018), पेपर 21a\_211B\_9, 21a\_211B\_9। <https://www.osapublishing.org/abstract.cfm?uri=JSAP-2018>
22. दुबे, ए., और बंद्योपाध्याय, एम. (2018). स्नोमेल्ट डायनेमिक्स के पहले मार्ग ब्राउनियन कार्यात्मक गुण। एआईपी सम्मेलन की कार्यवाही, 1942 (1), 040001. <https://doi.org/10.1063/1.5028610>
23. हालदार, ओ., और रथ, एस. (2018)। मैंगनीज ने सीडीएस नैनोसिलेट्स को डोप किया: ऑप्टिकल और चुंबकीय गुण। 2005. <https://doi.org/10.1063/1.5050739>
24. जन, ए., शर्मा, जी., श्रीवास्तव, ए. एम., राठौर, ए.एस., और झा, आर. (2018)। फोटोनिक क्रिस्टल फाइबर आधारित चुंबकीय क्षेत्र सेंसर मच जेहेनडर हस्तक्षेप का एहसास। उन्नत फोटोनिक्स 2018 (बीजीपीपी, आईपीआर, एनपी, नोमा, सेंसर, नेटवर्क, एसपीपीकम, एसओफ) (2018), पेपर SeW3E.2, SeW3E.2। <https://doi.org/10.1364/SENSORS.2018.SeW3E.2>

25. खो, के. एच., मिंगराई, एल., रामनारायण, एच., होंगमेई, जे., वू, एस., जोशी, सी. ए.,... भारती, एम. एस. (2018). सिलिकॉन विअस के माध्यम से इलेक्ट्रोप्लेटिंग के लिए मल्टीस्केल मॉडल। 2018 अंतर्राष्ट्रीय वेफर स्तर पैकेजिंग सम्मेलन (IWLPC), 1-9।  
<https://doi.org/10.23919/IWLPC.2018.8573281>
26. कुशवाहा, ए. के., साहू, एम. आर., और नायक, एस. (2018)। परमाणु समूहों के पहले सिद्धांतों सिमुलेशन के माध्यम से संभावित ली-आयन बैटरी इलेक्ट्रोलाइट का परीक्षण करना। AIP सम्मेलन की कार्यवाही, 1951 (1), 020014. <https://doi.org/10.1063/1.5031722>
27. मुखोपाध्याय, ए., और महापात्र, एन. (2018)। टर्नेरी हाफसलर, लैपडस्व के विद्युत परिवहन गुण। एआईपी सम्मेलन की कार्यवाही, 1942 (1), 110014. <https://doi.org/10.1063/1.5028997>
28. मुखोपाध्याय, अनीश, बंचोपाध्याय, एम, और भामिदीपति, सी. (2018)। (1 + 1) आयाम में विद्युत चुम्बकीय क्षेत्र की उपस्थिति में सापेक्षवादी ब्राउनियन गति का सिद्धांत। एआईपी सम्मेलन की कार्यवाही, 1942 (1), 110016. <https://doi.org/10.1063/1.5028999>
29. नायक, ए भट्टाचार्य, और ए रायचौधरी। (2018)। AAA + ATPase ATAD2 और इसके संभावित भागीदारों का अभिव्यक्ति विश्लेषण कैंसर में उनके उच्च रोग-संबंधी महत्व को दर्शाता है। 7-7।
30. नायक, एस., और ओझा, ए. के. (2018)। मल्टी-लेवल नॉनलाइनर फ्रैक्शनल प्रोग्रामिंग समस्या का एक समाधान। एस. कर, यू मौलिक, और एक्स ली (ईडीएस) में, संचालन अनुसंधान और अनुकूलन (पीपी। 29-41), स्प्रिंगर सिंगापुर।
31. पंडा, जी, बनिक, ए डी और चौधरी, एम. एल. (2018)। जीआई / जी / 1 रूट के उपयोग से जोखिम प्रक्रिया का कम्प्यूटेशनल विश्लेषण। एस. कर, यू. मौलिक, और एक्स। ली (ईडीएस) में, संचालन अनुसंधान और अनुकूलन (पीपी 75)।
32. राजभर, आर., और चटर्जी, एस. (एन.डी)। आर्गन आयन बीम विकिरण द्वारा प्रेरित Cu<sub>2</sub>O और H<sub>2</sub>Ti<sub>3</sub>O<sub>7</sub> का नैनोवायलिंग और हेटेरोजंक्शन गठन।
33. राजेश, ए., और बंचोपाध्याय, एम. (2018)। गैर-एबेलियन गेज क्षमता में गर्मी स्नान के लिए ठंडा परमाणु: चुंबकीय क्षण पर प्रभाव। एआईपी सम्मेलन की कार्यवाही, 1942 (1), 130003.  
<https://doi.org/10.1063/1.5029073>
34. एस.धल, जे. डी, जे. भट्टाचार्य, और एस. चटर्जी। (2018)। कम ऊर्जा Na + आयनों के विकिरण पर C60 पतली फिल्म से इलेक्ट्रॉन उत्सर्जन में सामूहिक दोलन का संकेत। 115।

35. साहू, एम. आर., साहू, एस., कुशवाहा, ए. के., और नायक, एस. (2018)। नी-सतहों पर एच-बीएन के इलेक्ट्रॉनिक और चुंबकीय गुणों का अध्ययन: एक डीएफटी दृष्टिकोण। एआईपी सम्मेलन की कार्यवाही, 1951 (1), 030003. <https://doi.org/10.1063/1.5031729>
36. साहू, मिहिर रंजन, साहू, एस., कुशवाहा, ए. के., और नायक, एस. के. (2018)। धातु सबस्ट्रेट द्वारा ग्राफीन के बैंड गैप मॉड्यूलेशन: एक पहला सिद्धांत अध्ययन। एआईपी सम्मेलन की कार्यवाही, 1942 (1), 090047. <https://doi.org/10.1063/1.5028962>
37. साहू, एस., कुमार नाइक, के., और शेखर राउत, सी. (2018)। उच्च प्रदर्शन सुपरकैपेसिटर अनुप्रयोगों के लिए निकल फोम पर स्पिनेल नीको 2 एस 4 नैनोसिहेट्स के विद्युत रासायनिक विकास को नियंत्रित किया। सामग्री आज: कार्यवाही, ५ (११, भाग २), २३०२३-२३०३० <https://doi.org/10.1016/j.matpr.2018.11.038>
38. श्यामल चटर्जी. (2018)। ट्यूनिंग सतह wettability के लिए एक आयामी nanomaterials के आयन बीम संशोधन. 81।

#### पृथ्वी, महासागर और जलवायु विज्ञान विद्यापीठ

39. दत्त, एस., गुप्ता, ए. के. सिंह, आर. के., क्लेमेंस, एस., और चेंग, एच. (2018)। पिछले दो सदियों के दौरान भारतीय ग्रीष्मकालीन मानसून परिवर्तनशीलता पर सौर प्रभाव। 75-75। हिमालय के विशेष संदर्भ के साथ पृथ्वी प्रणाली विज्ञान पर राष्ट्रीय सम्मेलन: उन्नति और चुनौतियां।
40. पी. गोकुला, ए., और जी. सेट्टी, आर. (2018)। गहराई-वार परवलयिक घनत्व भिन्नता के साथ फ्लैट टॉप और बॉटम के एक ऊर्ध्वाधर पिरामिड मॉडल का ग्रेविटी ढाल टेसर। SEG ग्लोबल मीटिंग एब्सट्रैक्ट में। अंतर्राष्ट्रीय भूभौतिकीय सम्मेलन, बीजिंग, चीन, 24-27 अप्रैल 2018 (खंड 1-0, पीपी। 1644-1616)। <https://doi.org/10.1190/IGC2018-405>
41. सिंह, आर. के., दास, एम, दिव्या, आर वी, मिश्रा, एस, वत्स, एन, सेनगुप्ता, एस, और रंजन, ए (2018)। जापान और पूर्वी चीन सागर से होलसिन पेलियोक्लामेटिक रिकॉर्ड और हिमालय तिब्बती पठार और ग्लेशियो-इस्टाटी समुद्र के स्तर के उत्थान के साथ इसके संभावित जुड़ाव के लिए मध्य प्लेइस्टोसिन 71-71। हिमालय के विशेष संदर्भ के साथ पृथ्वी प्रणाली विज्ञान पर राष्ट्रीय सम्मेलन: उन्नति और चुनौतियां।
42. मृदात्मक विकिरण के आधार पर मृदा द्रवीकरण खतरा आकलन और भू-तकनीकी डेटा। अंतर्राष्ट्रीय भूभौतिकीय सम्मेलन, बीजिंग, चीन, 24-27 अप्रैल 2018. (n.d.)। वैश्विक बैठक सारा। <https://doi.org/10.1190/IGC2018-065>
43. सोनकर, एम, और शास्त्री, आर.जी. (2018)। सुमात्रा भूकंप 2004 के लिए सह-भूकंपीय ग्रेस गुरुत्वाकर्षण के माध्यम से 3-डी क्रस्टल विरूपण।



44. प्रीस्टी, पी, फारुक, एस. एच., और वी ज़िमिक, एच. (2018, 13 अगस्त)। पुरी जिले, भारत के तटीय भूजल में भूजल की गुणवत्ता और मौसमी परिवर्तनशीलता का आकलन।

45. फारुक, एस. एच. (2018, 17 अगस्त)। ओडिशा, भारत के थर्मल स्प्रिंग वाटर के भौतिक-रासायनिक विशेषताओं का मूल्यांकन।

#### विद्युत विज्ञान विद्यापीठ

46. अचलेकर, पी. डी., सामंतराय, एस.आर., और मणिकंदन, एम. एस. (2017)। परिवर्तनशील मोड अपघटन का उपयोग करके वोल्टेज भिन्नता घटनाओं का पता लगाना। 2017 IEEE PES एशिया-पैसिफिक पावर एंड एनर्जी इंजीनियरिंग कॉन्फ्रेंस (APPEEC), 1-6।

<https://doi.org/10.1109/APPEEC.2017.8308899>

47. अहमद, स्क. ए., डोगरा, डी. पी., कर, एस., और रॉय, पी. पी. (2018)। कर्टड ट्रेक से लॉन्ग-ड्यूरेशन मूविंग ऑब्जेक्ट ट्रेजेक्ट्री की निकासी। बी. बी. चौधुरी, एम. एस. कंकनहल्ली, और बी. रमन (ईडीएस), कंप्यूटर विज्ञान और इमेज प्रोसेसिंग पर द्वितीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही (पीपी। 315-326) में। स्प्रिंगर सिंगापुर।

48. ऑलमसेट्टी, एस., और महापात्रो, एस. (2019)। रेडियल बेसिस फंक्शंस का उपयोग करते हुए एनटी-बेस्ड डीजल एग्जॉस्ट ट्रीटमेंट के साथ NO NO NO NO<sub>2</sub> कनवर्जन दक्षता की भविष्यवाणी। जे। सी।

बंसल, के। एन. दास, ए. नागर, के. दीप, और ए. के. ओझा (ईडीएस) में, प्रॉब्लम सॉल्विंग के लिए सॉफ्ट कंप्यूटिंग (वॉल्यूम। 817, पीपी। 299-310)। [https://doi.org/10.1007/978-981-13-1595-4\\_24](https://doi.org/10.1007/978-981-13-1595-4_24)

49. बाशा, एस. एच., घोष, डी., और साहू, पी. के. (2017)। 4-क्यूएएम और 16-क्यूएएम मॉड्यूलेशन में ओएफडीएम-रेडियो-ओवर-फाइबर सिस्टम के लिए सिंगल ड्यूल ड्राइव माच-ज़ेन्डर मॉड्यूलैटर और एफबीजी को रोजगार मिलता है। संचार और सिग्नल प्रोसेसिंग (ICCS) पर 2017 अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 1010-1012। <https://doi.org/10.1109/ICCS.2017.8286526>

50. बेहरा, एस. के., दाश, ए. के., डोगरा, डी. पी., और रॉय, पी. पी. (2018)। डीप कॉन्ट्रोवर्शियल न्यूरल नेटवर्क-आधारित अनुक्रमिक मॉडल का उपयोग करके एयर सिग्रेचर रिकॉग्निशन। पैटर्न मान्यता पर 2018 24वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (ICPR), 3525-3530। <https://doi.org/10.1109/ICPR.2018.8546265>

51. बेहरा, एस.एस., गौर, एम., कान्हंगद, वी., और पुहन, एन. (2017)। क्रॉस-स्पेक्ट्रल परिदृश्य में पेरिओकुलर मान्यता। 2017 IEEE इंटरनेशनल जॉइंट कॉन्फ्रेंस ऑन बायोमेट्रिक्स (IJCB), 681-687। <https://doi.org/10.1109/BTAS.2017.8272757>

52. बेहरा, एस., डोगरा, डी. पी., और रॉय, पी. पी. (2018)। गिब्स एन्ट्रॉपी का उपयोग करके घनी भीड़ की विशेषता। बी. बी. चौधुरी, एम. एस. कंकनहल्ली, और बी. रमन (ईडीएस), कंप्यूटर विज्ञान और इमेज प्रोसेसिंग पर द्वितीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही (पीपी। 289-300)। स्प्रिंगर सिंगापुर।

53. बिस्वाल, जी., राउत, एस. के., और साहू, एच. के. (2018)। M- $\mu$  और F- $\mu$  फेडिंग चैनल पर सामान्यीकृत मॉडुलन योजनाओं का प्रदर्शन विश्लेषण। 209-213। <https://doi.org/10.1109/ICCSP.2018.8524467>
54. दास, पी., मणिकंदन, एम. एस., और रामकुमार, बी. (2018)। ईईजी सिग्नल में एपिलेप्टिक जब्ती घटना का पता लगाना वैरिएबल मोड अपघटन और मोड स्पेक्ट्रल एन्ट्रॉपी का उपयोग करना। औद्योगिक और सूचना प्रणाली (ICIIS) पर 2018 IEEE 13 वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 42-47। <https://doi.org/10.1109/ICIINFS.2018.8721426>
55. डे, पी., त्रिवेदी, एन., सतीजा, यू., रामकुमार, बी., और मणिकंदन, एम.एस. (2017)। MISO संचार प्रणालियों के लिए एकल चैनल ब्लाइंड स्रोत पृथक्करण। 2017 IEEE 86 वें वाहन प्रौद्योगिकी सम्मेलन (VTC-Fall), 1-5। <https://doi.org/10.1109/VTCFall.2017.8288040>
56. दीक्षित, डी., और साहू, पी. आर. (2017)। ईटा-app, कप्पा-ability और मिश्रित लुप्त होती चैनलों में सहकारी रिले नेटवर्क की आउटेज की संभावना। 2017 IEEE 86 वें वाहन प्रौद्योगिकी सम्मेलन (VTC-Fall), 1-5। <https://doi.org/10.1109/VTCFall.2017.8288003>
57. एबर्ट-यूफॉफ, आई., हुआंग, डब्ल्यू., मित्रा, ए।, कोइली, डी., चटर्जी, एस बी, और वांग, जेड (एन। डी।)। CLIMATE COMPLEX NETWORKS का उपयोग करते हुए उत्कृष्ट विषय का अध्ययन। 4।
58. घोष, एस सी., और करंकी, एस बी (2018)। पीवी ने अंतरिक्ष वेक्टर पल्स चौड़ाई मॉडुलन का उपयोग करके एकीकृत बिजली की गुणवत्ता वाले कंडीशनर का समर्थन किया। 2018-जनवरी, 264-269। <https://doi.org/10.1109/NPEC.2017.8310469>
59. हसन, ए., दाश, ए., और डी, डी. (2018)। मॉड्यूल आधारित अधिकतम पावर प्वाइंट ट्रैकिंग के साथ आवासीय पीवी प्रणाली के लिए कनवर्टर संरचनाओं की तुलना। स्मार्ट-सिटी एनर्जी सिस्तेम रिटैनिंग एंड पावर (ICSESP) के लिए 2018 टेक्नोलॉजीज, 1-6। <https://doi.org/10.1109/ICSESP.2018.8376694>
60. कपूर, ए., और शर्मा, ए. (2018)। शॉर्ट-लोड लोड पूर्वानुमान तकनीक की तुलना। 1189-1194। <https://doi.org/10.1109/ISGT-Asia.2018.8467788>
61. कर, पी. के., प्रियदर्शी, ए., और करंकी, एस बी (2017)। फोटोवोल्टिक अनुप्रयोगों के लिए एक संशोधित एकल चरण एच-ब्रिज मल्टीलेवल इन्वर्टर टोपोलॉजी। 2017 राष्ट्रीय विद्युत इलेक्ट्रॉनिक्स सम्मेलन (एनपीईसी), 340345। <https://doi.org/10.1109/NPEC.2017.8310482>
62. करात, एन.एस., थॉमस, ए., और राजन, बी.एस. (2017)। इष्टतम त्रुटि सिमेट्रिक बैच प्रीफेडिंग के साथ कोडिंग कैशिंग के लिए वितरण योजना को सही करना। ArXiv: 1712.08113 [Cs, गणित]। [Http://arxiv.org/abs/1712.08113](http://arxiv.org/abs/1712.08113) से लिया गया

63. करात, एन.एस., थॉमस, ए., और राजन, बी.एस. (2018)। ऑप्टिमल एरर छोटे बफ़र्स के साथ ऑप्टिमल कोडेड कैशिंग स्कीम के लिए डिलीवरी स्कीम को सही करना। ArXiv: 1801.02061 [सी एस, गणित]। [Http://arxiv.org/abs/1801.02061](http://arxiv.org/abs/1801.02061) से लिया गया
64. कुमार, पी., सैनी, आर., तुम्मा, सी.एस., रॉय, पी. पी., और डोगरा, डी. पी. (2017)। शैट मोशन का उपयोग कर विश्लेषण। पैटर्न मान्यता पर 2017 चौथा IAPR एशियाई सम्मेलन (ACPR), 453-458। <https://doi.org/10.1109/ACPR.2017.32>
65. मनीगिला, पी. के. आर., शर्मा, एन. के., और सामंतराय, एस. आर. (2017)। वितरित पीढ़ी की उपस्थिति को क्लाउड करने के लिए सुपरकंडक्टिंग गलती वर्तमान सीमक का अनुप्रयोग। 2017 IEEE PES एशिया-पैसिफिक पावर एंड एनर्जी इंजीनियरिंग कॉन्फ्रेंस (APPEEC), 1-6। <https://doi.org/10.1109/APPEEC.2017.8308949>
66. मिश्रा, पी. पी., और भेंडे, सी. एन. (2017)। वितरित पीढ़ियों के लिए कम जटिलता के साथ एक निष्क्रिय द्वीप का पता लगाने की तकनीक। पावर सिस्टम्स (ICPS) पर 2017 का 7 वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 830–835। <https://doi.org/10.1109/ICPES.2017.8387404>
67. महापात्रो, एस., और अल्लामेट्टी, ए. (2018)। एक DBD आधारित निकास उपचार के लिए नाइट्रिक ऑक्साइड हटाने की दक्षता पर कर्तव्य चक्र और पल्स आवृत्ति का प्रभाव।
68. नायक, डी.एस.के., महापात्रा, एस., और स्वर्णकार, टी। (2018)। माइक्रोएरे डेटा के लिए जीन चयन और संवर्धन-एक तुलनात्मक नेटवर्क आधारित दृष्टिकोण। के। सईद, एन. चौकी, बी. पाटी, एस. बख्शी, और डी. पी. महापात्र (ईडीएस), प्रगति में उन्नत कम्प्यूटिंग और इंटेलिजेंट इंजीनियरिंग (पीपी 417-427)। स्प्रिंगर सिंगापुर।
69. पिनिसेट्टी, एस., रूप, पी.एस., सावंत, वी., और श्राइडर, जी (2018)। रनटाइम सत्यापन का उपयोग कर पेसमेकरों की सुरक्षा। 2018 16 वीं एसीएम/IEEE अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में औपचारिक तरीके और सिस्टम डिजाइन के लिए मॉडल, MEMOCODE 2018 में प्रस्तुत। <https://doi.org/10.1109/MEMCOD.2018.8556922>
70. पिनिसेट्टी, श्रीनिवास, श्राइडर, जी., और सैंड्स, डी. (2018)। नियतात्मक कार्यक्रमों के लिए हाइपरप्रॉपीटी का रनटाइम सत्यापन। सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग में औपचारिक तरीकों पर 6 वें सम्मेलन की कार्यवाही, 20–29। <https://doi.org/10.1145/3193992.3193995>
71. प्रजापति, ए.के., प्रसाद, आर., और पाल, जे. (2018)। समयबद्ध मोमेंट्स और मार्कोव पैरामीटर्स का योगदान कम किए गए ऑर्डर मॉडलिंग में। प्रौद्योगिकी में कन्वर्जेंस के लिए 2018 तीसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (I2CT), 1-7। <https://doi.org/10.1109/I2CT.2018.8529745>

72. प्रसाद गंठिया, बी., कुमार राणा, पी., पात्रा, टी., प्रधान, आर., और साहू, आर. (2018)। पावर सिस्टम में गुरुत्वाकर्षण खोज एल्गोरिथम आधारित टीसीएससी नियंत्रक का डिजाइन और विश्लेषण। सामग्री आज: कार्यवाही, 5(1, भाग 1), 841-847. <https://doi.org/10.1016/j.matpr.2017.11.155>
73. प्रसाद गंठिया, बी., प्रसाद गंठिया, जे, साहू, ए, कृष्णा वदरेवु, आर, और पात्रा, टी. (2018)। ग्रामीण विद्युतीकरण के लिए संयुक्त हाइब्रिड प्रणाली में कार्बन न्यूनीकरण क्षमता अध्ययन। सामग्री आज: कार्यवाही, 5 (1, भाग 1), 234-240। <https://doi.org/10.1016/j.matpr.2017.11.077>
74. प्रियदर्शनी, एम., बेरा, पी., और बम्पल, आर. (2017)। सॉफ्टवेयर परिभाषित नेटवर्क नियंत्रक वास्तुकला का प्रदर्शन विश्लेषण-एक सिमुलेशन आधारित सर्वेक्षण। वायरलेस संचार, सिग्नल प्रोसेसिंग और नेटवर्किंग (WiSPNET), 1929-1935 पर 2017 अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन। <https://doi.org/10.1109/WiSPNET.2017.8300097>
75. प्रियदर्शनी, एम., बेरा, पी., और रहमान, एम. ए (2018)। सॉफ्टवेयर परिभाषित नेटवर्क में ऊर्जा दक्षता के लिए एक नया दृष्टिकोण। सॉफ्टवेयर डिफाइंड सिस्टम (एसडीएस) पर 2018 पांचवें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 67-73। <https://doi.org/10.1109/SDS.2018.8370424>
76. प्रियदर्शनी, मधुकृष्णा, और बेरा, पी (2018)। एसडीएन प्रदर्शन वृद्धि के लिए एक नया दृष्टिकोण। पी. गज, एम. सवाकी, जी. सुचेका, और ए. क्विकिए (ईडीएस), कंप्यूटर नेटवर्क (पेज. 115-129)। स्प्रिंगर इंटरनेशनल पब्लिशिंग।
77. रेड्डी, जी. एन. के., मणिकंदन, एम. एस., और मूर्ति, एन. वी. एल. एन. (2018)। वायरलेस PPG निगरानी उपकरणों के लिए विभेदक कोडिंग का उपयोग करके एकीकृत डेटा संपीड़न और पल्स दर निष्कर्षण योजना। औद्योगिक और सूचना प्रणाली (ICIIS) पर 2018 IEEE 13 वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 48-53। <https://doi.org/10.1109/ICIINFS.2018.8721314>
78. साहा, एस., लैंडसीडेल, ओ., और चान, एम. सी. (2018)। सिंक्रोनस ट्रांसमिशन और टीडीएमए का उपयोग करते हुए कुशल कई-से-कई डेटा साझा करना। 2018-जनवरी, 19-26। <https://doi.org/10.1109/DCOSS.2017.11>
79. साहू, बी., और सामंतराय, एस. आर. (2017)। श्रृंखला के मुआवजे के प्रसारण नेटवर्क के लिए एक विस्तारित यात्रा तरंग-आधारित दोष का पता लगाने और स्थान आकलन तकनीक। पावर सिस्टम्स (ICPS) पर 2017 का 7 वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 61-68। <https://doi.org/10.1109/ICPES.2017.8387269>
80. साहू, डी., शा., एस., सत्पथी, एम., मुत्तम, एम., और भुइयां, एल. एन. (2018)। CAMO: GPGPUs के लिए एक उपन्यास कैश प्रबंधन संगठन। 2018 23 वें एशिया और दक्षिण प्रशांत डिजाइन स्वचालन सम्मेलन (एएसपी-डीएस), 215-220। <https://doi.org/10.1109/ASPDAC.2018.8297308>

81. सत्पथी, जी., पटनायक, पी., और डी, डी. (2018)। मॉड्यूलेशन मार्जिन नियंत्रक का उपयोग करके कम डीसी बस वोल्टेज के साथ शंट मुआवजा। 2017 के 14 वें IEEE इंडिया काउंसिल अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, INDICON 2017 में प्रस्तुत। <https://doi.org/10.1109/INDICON.2017.8488036>
82. सेठी, के., चौधरी, एस. के., त्रिपाठी, बी. के., और बेरा, पी. (2018)। मशीन लर्निंग दृष्टिकोण का उपयोग करते हुए मैलवेयर डिटेक्शन एंड क्लासिफिकेशन के लिए एक उपन्यास मैलवेयर विश्लेषण फ्रेमवर्क वितरित कम्प्यूटिंग और नेटवर्किंग पर 19 वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही, 49: 1-49: 4। <https://doi.org/10.1145/3154273.3154326>
83. शालिनी, सामंतराय, एस. आर., और शर्मा, ए. (2018)। स्थिर शक्ति स्विंग से सममित दोष को अलग करने के लिए एक शक्ति और वोल्टेज-कोण आधारित सूचकांक। 81-86। <https://doi.org/10.1109/ICPES.2017.8387272>
84. सोम, एस., और सामंतराय, एस. आर. (2017)। LVDC माइक्रो-ग्रिड में वेवलेट आधारित फास्ट फॉल्ट डिटेक्शन। 2017 पावर सिस्टम्स (ICPS) पर 7 वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 87-92। <https://doi.org/10.1109/ICPES.2017.8387273>
85. सुल्ताना, एन.एन., पुहन, एन.बी., और मंडल, बी. (2018)। डीपपीसीए मेलानोमा डिटेक्शन के लिए उद्देश्यपूर्ण उद्देश्य। सूचना प्रौद्योगिकी (ICIT) पर 2018 अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 68-72। <https://doi.org/10.1109/ICIT.2018.00025>
86. सुल्ताना, नाजनीन एन., और पुहन, एन.बी. (2018)। मेलानोमा डिटेक्शन के लिए हालिया डीप लर्निंग के तरीके: एक समीक्षा। डी. घोष, डी. गिरी, आर। एन. महापात्र, ई. सावास, के. सकुरई, और एल. पी. सिंह (ईडीएस), गणित और कम्प्यूटिंग (पेज. 118-132)। स्प्रिंगर सिंगापुर।
87. टंगडू, आर., और साहू, पी. (2018, 24 अक्टूबर)। बीओटीडीआर आधारित वितरित तापमान संवेदी प्रणाली में एलडब्ल्यूटी-एमपीएसओ पद्धति का उपयोग करते हुए तापमान में वृद्धि।
88. तांगुडु, आर., और साहू, पी. के. (2020)। बीओसीडीआर-आधारित डीएसएस प्रणाली का उपयोग करके स्वैरल ऑप्टिमाइज़ेशन एल्गोरिथ्म का उपयोग करके तनाव समाधान और स्थानिक रिज़ॉल्यूशन में सुधार। बी। ज्ञानी, जी. सिंह, एम. तिवारी, और ए. डी. बेलांड्रो (ईडीएस), ऑप्टिकल और वायरलेस टेक्नोलॉजीज (पीपी। 179-192)। स्प्रिंगर सिंगापुर।
89. वसुंधरा, बी. पुहन, एन., और पांडा, जी. (2018, 1 जुलाई)। \$ L\_{1} \$ के साथ आनुपातिक सबबैंड फ़िल्टरिंग तकनीक श्रवण यंत्र में प्रतिक्रिया रद्द करने के लिए आदर्श। 26-30। <https://doi.org/10.1109/SPCOM.2018.8724472>

**मानविकी, सामाजिक विज्ञान और प्रबंधन विद्यापीठ**

90. कुमारी, रूपश्री ब्रह्मा और बसु, अनामित्रा (2018, 1 सितंबर)। ओडिशा के आदिवासी समूह में स्क्रिप्ट की भूमिका। 19, S43-S44।

**आधारिक संरचना विद्यापीठ**

91. बी. बेरिहा, और साहू, यू. सी. (2018)। 2 जी जियोमैस्ट इंटरनेशनल कांग्रेस और सस्टेनेबल सिविल इन्फ्रास्ट्रक्चर पर प्रदर्शनी। 111-121। ग्राउंड इंप्रूवमेंट तकनीक पर नवीनतम विचार।

92. बागची, एस., और बेहरा, एम. (2018)। खनिज कटियन एक्सचेंजर के साथ संशोधित विभिन्न सतह क्षेत्र के सिरेमिक विभाजकों को रोजगार देने वाले माइक्रोबियल ईंधन कोशिकाओं का प्रदर्शन मूल्यांकन।

93. भौमिक, ए., और साहू, यू. सी. (2019)। ग्रामीण सड़क फुटपाथों में संरचनात्मक परत के रूप में उपयोग के लिए सीमेंट स्थिर फ्लाइएश की विशेषता। आर. सुंदरम, जे. टी. शाहू, और वी. हवनगी (ईडीएस), जियोटेनिक्स फॉर ट्रांसपोर्टेशन इन्फ्रास्ट्रक्चर (पेज. 111-125)। स्प्रिंगर सिंगापुर।

94. बिष्ट, आर.एस., जुनेजा, ए., त्यागी, ए., और ली, एफ. एच. (2018)। असमान ढेर लंबाई के साथ ढेर राफ्ट का प्रदर्शन। 2, 1329-1344। जियोटेक्निक्स में फिजिकल मॉडलिंग पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन।

95. बिस्वाल, डी. आर., बेरिहा, बी., साहू, यू. सी., और दाश, एस. आर. (N.d)। सीमेंट बेस के साथ एक उलटे फुटपाथ का संख्यात्मक विश्लेषण। फुटपाथ और कम्प्यूटेशनल दृष्टिकोण पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन।

96. बिस्वाल, डी., साहू, यू., और दाश, एस (2018)। सीमेंट की स्थिरता का मूल्यांकन दानेदार लेटरिटिक मिट्टी को अल्ट्रासोनिक पल्स का उपयोग करके। दक्षिण अफ्रीका, (978), 10।

97. चक्रवर्ती, पी., और सरकार, ए (2018)। एक विकृत बिस्तर पर उभरती हुई कठोर वनस्पति के माध्यम से प्रवाह विशेषताओं का अनुकरण। एम. बी. कालिनोव्स्का में, एम. एम. मोरकोव्स्का, और पी. एम. रोविस्की (ईडीएस), फ्री सरफेस फ्लो और ट्रांसपोर्ट प्रोसेस (पेज. 155-165)। स्प्रिंगर इंटरनेशनल पब्लिशिंग।

98. चामलिंग, पी., हलधर, एस., और पात्रा, एस (2018, 17 दिसंबर)। चक्रीय लोड के तहत रेलवे के लिए स्टील स्लैग गिट्टी का व्यवहार।

99. चंदा, डी., साहा, आर., और हलधर, एस (2018)। संयुक्त ऊर्ध्वाधर, पार्श्व और पल भार के तहत ढेर बेड़ा नींव की प्रायोगिक जांच। भारतीय भू-तकनीकी सम्मेलन।

100. दाश, एस. आर., नायर, जी.एस., मोंडल, जी., सहगल, एस., और कुमार, आर. (2019)। दफन पार करने के लिए दफन पाइपलाइन की प्रतिक्रिया का संभावित विश्लेषण। डी। चौधरी, के. एम. एल-ज़हाबी, और आई. इद्रिस (Edsi), डायनेमिक साइल-स्ट्रक्चर इंटरैक्शन फॉर सस्टेनेबल इन्फ्रास्ट्रक्चर (पीपी। 195-206)। स्प्रिंगर इंटरनेशनल पब्लिशिंग।

101. किरण, एस.ए., बसु, डी., और मैत्र, बी (2018)। वर्ल्ड रोड मीटिंग 2017. (चौराहा WRM-2017), नई दिल्ली।
102. पात्र., एस., और हलधर, एस. (2018)। मोनोफाइल की प्रतिक्रिया तरलीकृत मिट्टी में अपतटीय पवन टरबाइन का समर्थन करती है।
103. प्रधान, एस., और साहू, यू.सी. (2018)। Rheolo पोलिन्डा ऑइल के साथ एजेड बाइंडर का कायाकल्प का तर्कसंगत वर्णन। फुटपाथ और कम्प्यूटेशनल दृष्टिकोण पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन।
104. प्रियंका, के., बेहेरा, एम., और नीलांचेरी, आर. (2018)। अनुक्रमण बैच रिएक्टर में ग्रेवाटर के उपचार के लिए प्रदर्शन का मूल्यांकन।
105. राउत, ए., कौशिकभाई, एस., और सरकार, ए. (2018, 15 अक्टूबर)। ऊर्ध्वाधर जलमग्न अग्रानुक्रम और संरेखित परिपत्र सिलेंडरों के आसपास फ्लो फ्रील्ड के लिए कुशल संख्यात्मक एल्गोरिदम।
106. राउत, पी. आर., दाश, आर. आर., और भूनिया, पी. (2018)। घरेलू अपशिष्ट जल से पोषक तत्वों को हटाने के लिए एक अपशिष्ट पदार्थ आधारित बायोरिएक्टर में अंतर्दृष्टि। भा.प्रौ.सं. गुवाहाटी में प्रस्तुत किया। भा.प्रौ.सं. गुवाहाटी: अपशिष्ट प्रबंधन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन।
107. सामल, के., सिंह, आर., दाश, आर., और भूनिया, पी. (2018 ए, 6 नवंबर)। केंचुए के विकास ने डेयरी अपशिष्ट जल के उपचार के लिए निर्मित आर्द्रभूमि की सहायता की।
108. समल, के., सिंह, आर., दाश, आर., और भूनिया, पी. (2018 बी, फरवरी 26)। सिंथेटिक डेयरी अपशिष्ट जल उपचार के लिए दो चरण सिंदरीटर में कन्ना इंडिका के रोपण के प्रभाव पर जांच।
109. सिंह, जी., रामदास, एम., और पंडा, आर.के. (2018)। दूर-दराज के मृदा नमी और वनस्पति सूचकांकों के एकीकरण के माध्यम से मृदा नमी-वनस्पति तनाव आधारित कृषि सूखा सूचकांक (SVADI) का विकास। AGU पतन बैठक सार, 43  
<http://adsabs.harvard.edu/abs/2018AGUFM.H43G2529S> से लिया गया
110. सिंह, आर., सामल, के., भूनिया, पी., और दाश, आर. (2018)। जैव ईंधन के अपशिष्ट उपचार के प्रदर्शन को बढ़ाना।
111. सिंह, आर., सामल, के., भूनिया, पी., और दाश, आर. (2019)। डॉरमोफिल्टर में डोलोखर का समावेश: पोषक तत्वों को हटाने की दिशा में एक प्रयास।
112. वेंकट पवन कुमार, पी।, पात्रा, एसा, और हलधर, एस। (2018)। परिमित तत्व विश्लेषण का उपयोग करके आंशिक रूप से एम्बेडेड अपतटीय पाइपलाइनों के लिए वी-एच उपज सतह का विकास।

## यांत्रिक विज्ञान विद्यापीठ



113. बी.महतो, एन. गंता, और वाई. जी. भूमकर. (2018)। फ्लो पास्ट सर्कुलर सिलेंडर के दौरान साउंड जेनरेशन पर स्प्लटर प्लेट का प्रभाव। WESPAC 2018।
114. भट्टाचार्य, ए (2018)। सिकुडन संवहन के साथ microstructure विकास की मॉडलिंग। 105-108। स्कोपस से लिया गया।
115. गैंता, ए., महतो, बी., और भूमकर, वाई. जी. (2018)। गैर-सिंक्रोनस क्षेत्र में एक रोटरी सिलेंडर प्रदर्शन करने वाले एक परिपत्र सिलेंडर के प्रवाह के लिए वायुगतिकीय शोर का विश्लेषण। एयरोस्पेस इंजीनियरों का राष्ट्रीय सम्मेलन।
116. गरलापति, बी. के., वुंडाविली, पी. आर., और बनर्जी, आर. (2018)। कृत्रिम मधुमक्खी कॉलोनी एल्गोरिदम के माध्यम से स्वाद एस्टर उत्पादन का अनुकूलन: स्वाद एस्टर उत्पादन के लिए एबीसी अनुकूलन दृष्टिकोण। 2018-जनवरी, 1-4। <https://doi.org/10.1109/ICIIIP.2017.8313694>
117. जाखड़, ए., भट्टाचार्य, ए., रथ, पी., और महापात्रा, एस. के. (2018)। थर्मल अनिसोट्रॉपी और एक समान डेंड्राइटिक क्रिस्टल के विकास पर मजबूर संवहन के संयुक्त प्रभाव का अध्ययन। 592-595। स्कोपस से लिया गया।
118. कुमार, पी. एन., खान, वी. सी., बालगसन, जी, प्रधान, ए. के., और शिवकुमार, एम. एस. (2018)। फाइबर प्रबलित पॉलिमर ओवरवैप का उपयोग करते हुए corroded पाइपलाइनों में मोटाई जंग / लीकिंग दोष के माध्यम से मरम्मत। IOP सम्मेलन श्रृंखला: सामग्री विज्ञान और इंजीनियरिंग, 346, 012016। <https://doi.org/10.1088/1757-899X/346/1/012016>
119. कुंडू, पी. के., प्रधान, ए. के., और पंडित, एम. के. (2018)। आसंजन विफलता FGM के साथ किए गए गोद कतरनी जोड़ों के विश्लेषण का पालन करता है। सैद्धांतिक और एप्लाइड यांत्रिकी के इंटरनेशनल सोसायटी।
120. महापात्रा, बी., अयलासोमयजुला, एस., और अरुमरु, वी. (2018, 24 जून)। एक सिलेंडर के निकट जागो में पृथक्करण बुलबुले की बातचीत पर।
121. महतो, बी., गंता, एन., और भूमकर, वाई. जी. (2018)। एलिप्टिक सिलेंडर से ध्वनि उत्पन्न होने पर एक्सिस-अनुपात का प्रभाव। द्रव यांत्रिकी और द्रव शक्ति।
122. महतो, बी., नवीन, जी., और भूमकर, वाई.जी. (2018)। डीआरपी योजना का उपयोग कर प्रवाह अतीत अण्डाकार सिलेंडर से ध्वनिक व्यवहार का विश्लेषण। 3, 1343–1349। ध्वनि और कंपन 2018 पर 25 वीं अंतर्राष्ट्रीय कांग्रेस।

123. मांडव, आर. के., और वुंडविल्ली, पी. आर. (2018 ए)। IWO एल्गोरिथ्म का उपयोग कर एक Biped रोबोट के PID कंट्रोलर पैरामीटर्स की ट्यूनिंग। मेकट्रोनिक्स और रोबोटिक्स इंजीनियरिंग, 90-94 पर 2018 के चौथे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही। <https://doi.org/10.1145/3191477.3191504>
124. मांडव, आर.के., और वुंडविल्ली, पी. आर. (2018 बी)। एसएसपी और डीएसपी के दौरान समतल सतह पर 18-डीओएफ बिण्ड रोबोट की संपूर्ण बाँडी मोशन जनरेशन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ मॉडलिंग, आइडेंटिफिकेशन एंड कंट्रोल, 29 (3), 266. <https://doi.org/10.1504/IJMIC.2018.091246>
125. मेहरा, डी., महापात्रा, एम. एम., और हर्ष, एस. पी. (2018)। इन-सिटिंग RZ5-10wt% TiC कम्पोजिट का अपमानजनक व्यवहार। एआईपी सम्मेलन की कार्यवाही, 1953 (1), 030023. <https://doi.org/10.1063/1.5032358>
126. मेहरा, डी., सुजीत, एस. वी., महापात्रा, एम. एम., और हर्ष, एस. पी. (2018)। कृत्रिम तंत्रिका नेटवर्क का उपयोग करके इन-सीटू RZ5-10wt% TiC कम्पोजिट के पहनने की प्रक्रिया के मापदंडों की मॉडलिंग। सामग्री आज: कार्यवाही, 5(11, भाग 3), 24124-24132 <https://doi.org/10.1016/j.matpr.2018.10.206>
127. मृदुल, के., मांडव, आर.के., और वुंडविल्ली, पी. आर. (2018)। फास्ट मार्चिंग विधि का उपयोग करके Biped रोबोट के लिए एक कुशल पथ योजना एल्गोरिथम। प्रोसीडिया कंप्यूटर साइंस, 133, 116–123। <https://doi.org/10.1016/j.procs.2018.07.015>
128. एन.गंता, बी. महतो, और वाई. जी. भूमकर . (2018)। फ्लो ओवर-शेड्ड सिलिंडर के कारण एरोडायनामिक शोर व्यवहार। WESPAC 2018।
129. नवीन, जी., महतो, बी., और भूमकर, वाई.जी. (2018)। पिछले नालीदार सिलेंडर प्रवाह के लिए एक ध्वनिक क्षेत्र व्यवहार का संख्यात्मक विश्लेषण। 3, 1350-1357। ध्वनि और कंपन पर 25 वीं अंतर्राष्ट्रीय कांग्रेस।
130. प्रसाद, सी. के., वेणुगोपाल, ए., और भूमकर योगेश, जी. (2018)। ध्वनिक क्षेत्र के प्रसार और स्टीयरिंग पर क्रॉस फ्लो का प्रभाव। 4, 2093–2099। ध्वनि और कंपन 2018 पर 25 वीं अंतर्राष्ट्रीय कांग्रेस।
131. राव, पी. जी., कृष्णा, ए. जी., और वुंडविल्ली, पी. आर. (2018)। गैर-पारंपरिक अनुकूलन विधियों का उपयोग करते हुए Al6061 / Gr MMCs के पहनने की घटना का अनुकूलन। IOP सम्मेलन शृंखला: सामग्री विज्ञान और इंजीनियरिंग, 390, 012055. <https://doi.org/10.1088/1757-899X/390/1/012055>

132. रे, एस., त्रिपाठी, ए. के., साहू, एस.एस., और महापात्रा, एस. के. (2018)। ट्रेपेज़ॉइडल गुहा की शीर्ष गर्मी हानि विशेषताओं पर चयनात्मक कोटिंग का प्रभाव: एक कम्प्यूटेशनल दृष्टिकोण। 377. <https://doi.org/10.1088/1757-899X/377/1/012026>
133. एस.के.पति, ए.के.प्रधान, और एम.के.पंडित. (2018)। फ्लैट फाइबर प्रबलित पॉलिमर समग्र टुकड़े टुकड़े के साथ किए गए गोद कतरनी जोड़ों के परिशोधन नुकसान विश्लेषण ट्रांसवर्स लोड करने के लिए इंजेक्शन।
134. शर्मा, ए., वासिरेड्डी, एस., और रथ, पी. (2018)। पीसीएम का उपयोग करके अपशिष्ट गर्मी वसूली के लिए एक थर्मल मॉडल। 71-74। स्कोपस से लिया गया।
135. सिंह, एम., दातला, एन. वी., बहु, एस.एस., और कोंडाराजू, एस. (2018)। माइक्रो हीट पाइप के थर्मल प्रदर्शन को बढ़ाने के लिए वेटेबिलिटी ग्रेडिएंट का अनुकूलन। ASME 2018 में 16 वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में पेश किया गया, जिसमें नैनोकैनल्स, माइक्रोकैनेल्स, और माइनिंकैनल, ICNMM 2018 शामिल हैं। स्कोपस से लिया गया।
136. श्रीनिवास, के., वुंडावल्ली, पी. आर., और हुसैन, एम. एम. (2018)। RSM का उपयोग करते हुए इनकेल 617 सुपर अलॉय प्लेट्स के प्लाज्मा आर्क वेल्डिंग की मॉडलिंग। IOP सम्मेलन श्रृंखला: सामग्री विज्ञान और इंजीनियरिंग, 390, 012048. <https://doi.org/10.1088/1757-899X/390/1/012048>
137. स्वैन, ए., भट्टाचार्य, ए., और खान, पी. एम. (2018)। चयनात्मक लेजर पिघलने के दौरान पिघल पूल विकास पर लेजर स्कैन गति का प्रभाव। 113-116। स्कोपस से लिया गया।
138. वेंकटेश्वरलु, डी., चेप्पू, एम., क्रांति कुमार, बी., और महापात्रा, एम. एम. (2018)। विभिन्न हीट-ट्रीटेड-स्टेट में AA2219 अल-क्यूई मिश्र धातु के घर्षण हलचल वेल्डेड जोड़ों का विश्लेषण। 330. <https://doi.org/10.1088/1757-899X/330/1/012074>

#### खनिज, धातुकर्म और पदार्थ अभियांत्रिकी विद्यापीठ

139. चौधरी, पी., विशाल, जी., और देव, बी. (2018)। टाटा स्पंज, जोडा, भारत में कोयले से बने स्पंज आयरन रोटरी भट्टे में गर्मी हस्तांतरण के गतिशील विश्लेषण से अभिवृद्धि वृद्धि की भविष्यवाणी। 691-696। AISTech - लौह और इस्पात प्रौद्योगिकी सम्मेलन की कार्यवाही।
140. मिश्रा, एम., राँय, ए., दाश, एस., और मुखर्जी, एस. (2018)। यांत्रिक ऊर्जा संचयन के लिए लचीले नैनो-जीएफओ / पीवीडीएफ पीजोइलेक्ट्रिक-पॉलीमर नैनो-कम्पोजिट फिल्में। IOP सम्मेलन श्रृंखला: सामग्री विज्ञान और इंजीनियरिंग, 338, 012026. <https://doi.org/10.1088/1757-899X/338/1/012026>
141. पट्टनायक, ए., मधु, एन., पंडा, ए.एस., साहू, एम. के., और मोहंता, के. (2018)। सुदृढीकरण के रूप में क्रिस्टलीय और अनाकार रूप में चावल की भूसी सिलिका का उपयोग करके गढ़े गए अल-सियो 2 कंपोजिट

के यांत्रिक गुणों पर एक तुलनात्मक अध्ययन। सामग्री आज: कार्यवाही, 5 (2, भाग 2), 8184–8192।  
<https://doi.org/10.1016/j.matpr.2017.11.507>

142. विशाल, जी., चौधरी, पी., और देव, बी. (2018)। टाटा स्पंज, भारत में कोयले से चलने वाले रोटरी भट्टे में अभिवृद्धि और स्पंज आयरन की गुणवत्ता का इष्टतम नियंत्रण। 773-780। AISTech - लौह और इस्पात प्रौद्योगिकी सम्मेलन की कार्यवाही।

### पत्रिकाओं में लेख

#### आधारीय विज्ञान विद्यापीठ

143. आबूद, एम., एड, जी., एबट, बी., अब्दिनोव, ओ., एबेलोस, बी., एबिडी, एस एच., ... एटलस सहयोग। (2018)। समावेशी और विभेदक (फॉर्मूला प्रस्तुत) का संयोजन ATLAS और CMS डेटा का उपयोग करके विषमता माप को मापता है (सूत्र प्रस्तुत) = 7 और 8 TeV। जर्नल ऑफ़ हाई एनर्जी फिजिक्स, 2018 (4), 33. [https://doi.org/10.1007/JHEP04\(2018\)033](https://doi.org/10.1007/JHEP04(2018)033)

144. अडाची, आई., अडे, टी., अहमद, एच., आहन, जेके, एहरा, एच., अकार, एस., ... (बी. बी. ए. आर. सीए (2018)। बी 2 में  $\cos 2\beta$  का मापन  $\rightarrow d(\pi) h_0$  with  $D \rightarrow KS_0 \pi + \text{dec-}$  बी-बी और बेले डेटा के एक संयुक्त समय-निर्भर Dalitz प्लॉट विश्लेषण द्वारा निर्णय लेता है। भौतिक समीक्षा डी, 98 (11)। <https://doi.org/10.1103/PhysRevD.98.112012>

145. बाबर सहयोग, बेले सहयोग, अडाची, आई., अडे, टी., अहमद, एच., आहन, जे. के., ... जुपंक, ए. (2018)। पहला सबूत  $\cos 2\beta > 0$  और कैबीबो-कोबायाशी-मस्कवा क्वार्क-मिक्सिंग यूनिटी ट्राइंगल एंबीगुएटी का रिज़ॉल्यूशन। शारीरिक समीक्षा पत्र, 121 (26), 261801. <https://doi.org/10.1103/PhysRevLett.121.261801>

146. बनिक, ए. डी., चौधरी, एम. एल., और किम, जे. जे. (2018)। अनंत-बफर जीआई [एक्स] / सी-एमएसपी/1 कतार प्रणाली [शोध लेख] में प्रतीक्षा-समय के वितरण पर एक नोट। <https://doi.org/10.1155/2018/7462439>

147. बारिक, एस., और साहू, जी. (2018)। जेब के साथ रेखांकन के वर्णक्रम पर परिणाम। AKCE इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ ग्राफ्स एंड कॉम्बिनेटोरिक्स, 15 (1), 79-87। <https://doi.org/10.1016/j.akcej.2017.11.004>

148. बारिक, एस., कलिता, डी., पति, एस., और साहू, जी. (2018)। विभिन्न ग्राफ़ संचालन और उत्पादों से परिणामी रेखांकन का वर्णक्रम: एक सर्वेक्षण। स्पेशल मैट्रिसेस, 6 (1), 323-342। <https://doi.org/10.1515/spma-2018-0027>

149. बेले सहयोग, बाबू, बी., त्रबेल्सी, के., मोहंती, जी. बी., अजीज, टी., ग्रीनवल्ड, डी., ... जुपंक, ए. (2018)। बेले में  $D \rightarrow CP + ay_0$  क्षय में सीपी उल्लंघन के लिए खोजें। भौतिक समीक्षा डी, 97 (1), 011101. <https://doi.org/10.1103/PhysRevD.97.01.0101>

150. बेले सहयोग, फुलसोम, बी. जी., पेडलर, टी. के., अडाची, आई., एडहारा, एच., अल सैद, एस., ... जुपेंक, ए. (2018)।  $I(2S)$  का अवलोकन  $\rightarrow$  ofb (1S) क्षय। शारीरिक समीक्षा पत्र, 121 (23), 232001. <https://doi.org/10.1103/PhysRevLett.121/32001>
151. बेले सहयोग, जिया, एस., शेन, सी. पी., युआन, सी. जेडा, अडाची, आई., एडहारा, एच., ... जुपेंक, ए. (2018)।  $(1S, 2S) \rightarrow Zc + Zc (-)$  - और  $e + e^- \rightarrow Zc + Zc (Z) - s = 10.52, 10.58$  और  $10.867$  GeV SEARCH के लिए  $(1S, 2S) \rightarrow$  खोजें। भौतिक समीक्षा डी, 97 (11), 112004. <https://doi.org/10.1103/PhysRevD.97.112004>
152. बेले सहयोग, जिया, एस., वांग, एक्स. एल., शेन, सी. पी., युआन, सी. जेडा, अडाची, आई., ... झूलनोव, वी. (2018)।  $\bar{c} + \bar{c} \rightarrow 1c1$  का अवलोकन और बेले में  $10.6$  GeV के पास  $e + e^- \rightarrow ec0, \gamma c2$  और  $2c$  की खोज करें। भौतिक समीक्षा डी, 98 (9), 092015. <https://doi.org/10.1103/PhysRevD.98.09-09-2015>
153. बेले सहयोग, मसुदा, एम., उहेरा, एस., वतनबे, वाई., अडाची, आई., आहन, जे के., ... जुपेंक, ए. (2018)। एकल-टैग दो-फोटोन टकराव में केएस 0 जोड़ी उत्पादन का अध्ययन। भौतिक समीक्षा डी, 97 (5), 052003. <https://doi.org/10.1103/PhysRevD.97.05.13>
154. बेले सहयोग, नाकानो, एच., इशीकावा, अडाची, आई., ... जुपेंक, ए. (2018)।  $B0 \rightarrow KS0$  में समय-निर्भर सीपी एसिमेट्री का मापन। भौतिक समीक्षा डी, 97 (9), 092003. <https://doi.org/10.1103/PhysRevD.97.09.093>
155. बेले सहयोग, नियामा, एम., सुमीहा, एम., नेकानो, टी., अडाची, आई., इहारा, एच., ... जुपेंक, ए. (2018)।  $\bar{c} + \bar{c}$  से विनाशकारी हाइपरॉन्स और चार्ज्ड बेरियन का उत्पादन क्रॉस सेक्शन =  $10.52$  GeV के पास। भौतिक समीक्षा डी, 97 (7), 072005. <https://doi.org/10.1103/PhysRevD.97.07.07>
156. बेले सहयोग, पाल, बी., श्वार्ट्ज, ए. जे., एहारा, एच., अल सैद, एस., असनर, डी. एम., ... झोकोवा, वी. (2018)।  $B0 \rightarrow j / \text{bran}0$  के लिए ब्रांचिंग अंश और समय-निर्भर CP विषमता का मापन। शारीरिक समीक्षा डी, 98 (11), 112008. <https://doi.org/10.1103/PhysRevD.98.112008>
157. बेले सहयोग, वॉसेन, ए., अडाची, आई., एडमजीक, के., एहारा, एच., अल सैद, एस., ... जुपेंक, ए. (2018)। पूरी तरह से खंगाले गए घटनाओं में क्रोनिक टैगिंग का उपयोग करते हुए बेले में  $B \rightarrow D(\pi)$  के शाखा अंश का मापन। शारीरिक समीक्षा डी, 98 (1), 012005. <https://doi.org/10.1103/PhysRevD.98.01.015>
158. बेले सहयोग, येल्टन, जे., अडाची, आई., एएचएन, जे. केहारा, एच., अल सैद, एस., ... झूलनोव, वी. (2018)। एक उत्साहित on- बैरोन का अवलोकन। शारीरिक समीक्षा पत्र, 121 (5), 052003. <https://doi.org/10.1103/PhysRevLett.121.12002003>

159. बेले सहयोग, येल्टन, जे., अडाची, आई., एहारा, एच., अल सैद, एस., असनर, डी.एम., ... जुपैक, ए (2018)।  $E + e^- \rightarrow \pi + \pi - \chi_{01} b_{1,2} (1P)$  का अवलोकन और  $e + e^- \rightarrow e b_{1,2} (1P)$  के लिए  $s = 10.96 - 11.05$  GeV पर खोजें। शारीरिक समीक्षा डी, 98 (9), 091102. <https://doi.org/10.1103/PhysRevD.98.091102>
160. बेले सहयोग, यिन, जे. एच., युआन, सी. जेडा, अडाची, आई., एहारा, एच., अल सैद, एस., ... झूलनोव, वी. (2018)।  $E + e^- \rightarrow \pi + \pi - \chi_{01} b_{1,2} (1P)$  का अवलोकन और  $e + e^- \rightarrow e b_{1,2} (1P)$  के लिए  $s = 10.96 - 11.05$  GeV पर खोजें। शारीरिक समीक्षा डी, 98 (9), 091102. <https://doi.org/10.1103/PhysRevD.98.091102>
161. बेले सहयोग, झोकोवा, वी., पखलोवा, जी., पखलोव, पी., अडाची, आई., एहारा, एच., ... जुपैक, ए (2018)। प्रारंभिक अवस्था के विकिरण का उपयोग करते हुए खुले आकर्षण की सीमा के पास  $E + e^- \rightarrow$  डोड प्रक्रिया के कोणीय विश्लेषण। भौतिक समीक्षा डी, 97 (1), 012002. <https://doi.org/10.1103/PhysRevD.97.01.012>
162. बोरीवाल, एल., सरविया, आर., और महापात्रा, एम. (2018)। तन्य कतरनी शक्ति और प्रसार स्टील शीट के वेल्ड बंधुआ जोड़ों की छील ताकत के लिए वेल्ड बॉन्डिंग प्रक्रिया विश्लेषण। मैकेनिकल इंजीनियर्स के संस्थान की कार्यवाही, भाग ई: जर्नल ऑफ प्रोसेस मैकेनिकल इंजीनियरिंग, 0954408918787884। <https://doi.org/10.1177/0954408918787884>
163. चक्र, टी. के., और नायक, टी. (2017)। अनूदित स्पर्शिका का परिवर्तन। मलेशियाई गणितीय विज्ञान सोसायटी के बुलेटिन। <https://doi.org/10.1007/s40840-017-0588-3>
164. चक्र, टी. के., नायक, टी., और सेनापति, के. (2018)। कुछ घातीय-जैसे मेरोमोर्फिक कार्यों का परिवर्तन। कार्यवाही - गणितीय विज्ञान, 128 (5), 64. <https://doi.org/10.1007/s12044-018-0440-1>
165. चक्रवर्ती, ए., नंदी, एस. के., पंडा, ए. के., महापात्र, पी. पी., गिरी, एस., और विश्वास, ए. (2018)। विभिन्न यूवी विकिरणों के तहत Mycobacterium leprae HSP18 के संरचना-कार्य संबंध का परीक्षण। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बायोलॉजिकल मैक्रोलेक्युलस, 119, 604-616। <https://doi.org/10.1016/j.ijbiomac.2018.07.151>
166. चंद्र, ए., चेट्टियंकंडी, पी., और चौधुरी, एस. (2018)। तरल मिश्रण में सीआईएस- और ट्रांस-एन-मिथाइलफोर्माइड का व्यवहार: अलग-अलग दबाव और तापमान पर आयनिक गुण और आयन सॉल्वेशन परिदृश्य। जर्नल ऑफ मॉलेक्युलर लिक्विड्स, 269, 241-251। <https://doi.org/10.1016/j.molliq.2018.08.012>
167. सीएमएस सहयोग 1, सिरुयन, ए. एम., तुमस्यान, ए., एडम, डब्ल्यू., एम्ब्रोगी, एफ., एसेलर, ई., ... वुड्स, एन. (2018)। Z का अवलोकन  $\rightarrow \psi + - pp$  Collisions में  $s = 13$  TeV। शारीरिक समीक्षा पत्र, 121 (14), 141801. <https://doi.org/10.1103/PhysRevLett.121.141801>

168. सीएमएस सहयोग, सिरुयन, ए. एम., तुमस्यान, ए., एडम, डब्ल्यू., एम्ब्रोगी, एफ., एसेलर, ई., ... वुड्स, एन. (2018 ए)। क्षय  $k + \mu + \mu^-$  के प्रोटॉन-प्रोटॉन टक्करों में  $s = 8$  TeV का कोणीय विश्लेषण। भौतिक समीक्षा डी, 98 (11), 112011. <https://doi.org/10.1103/PhysRevD.98.1.112011>
169. सीएमएस सहयोग, सिरुयन, ए. एम., तुमस्यान, ए., एडम, डब्ल्यू., एम्ब्रोगी, एफ., असीलर, ई., ... वुड्स, एन. (2018 बी)। बोएन-आइंस्टीन सहसंबंध pp, pPb और PbPb टकराव में  $s_{NN} = 0.9-7$  TeV पर। भौतिक समीक्षा C, 97 (6), 064912. <https://doi.org/10.1103/PhysRevC.97.0.0912>
170. सीएमएस सहयोग, सिरुयन, ए. एम., तुमस्यान, ए., एडम, डब्ल्यू., एम्ब्रोगी, एफ., असीलर, ई., ... वुड्स, एन. (2018 सी)। न्यूटन में न्यूटन डिस्ट्रिब्यूशन में विवश होकर प्रोटॉन-प्रोटॉन और प्रोटॉन-लीड कोलिजन में डायनेट्स का उपयोग  $s_{NN} = 5.02$  TeV पर। शारीरिक समीक्षा पत्र, 121 (6), 062002. <https://doi.org/10.1103/PhysRevLett.186.062002>
171. सीएमएस सहयोग, सिरुयन, ए. एम., तुमस्यान, ए., एडम, डब्ल्यू., एम्ब्रोगी, एफ., एसिलर, ई., ... वुड्स, एन. (2018 डी)। स्केलर और वेक्टर लेप्टोक्वार्क्स के मॉडल पर बाधाएं एक क्षार और एक न्यूट्रिनो के लिए  $s = 13$  TeV पर। शारीरिक समीक्षा डी, 98 (3), 032005. <https://doi.org/10.1103/PhysRevD.98.032005>
172. सीएमएस सहयोग, सिरुयन, ए. एम., तुमस्यान, ए., एडम, डब्ल्यू., एम्ब्रोगी, एफ., एसिलर, ई., ... वुड्स, एन. (2018e)। सर्न लार्ज हैड्रॉन कोलाइडर में pPb और PbPb टक्करों में चार्ज-डिपेंडेंट अजीमुथल सहसंबंधों का उपयोग करते हुए चिरल चुंबकीय प्रभाव में बाधाएं। शारीरिक समीक्षा C, 97 (4), 044912. <https://doi.org/10.1103/PhysRevC.97.4.044912>
173. सीएमएस सहयोग, सिरुयन, ए. एम., तुमस्यान, ए., एडम, डब्ल्यू., एम्ब्रोगी, एफ., असीलर, ई., ... वुड्स, एन. (2018f)।  $s_{NN} = 8.16$  TeV में हाई-मल्टीप्लिसिटी p + Pb Collisions में आकर्षण और अजीब Hadrons का अण्डाकार प्रवाह। शारीरिक समीक्षा पत्र, 121 (8), 082301. <https://doi.org/10.1103/PhysRevLett.121.082301>
174. सीएमएस सहयोग, सिरुयन, ए. एम., तुमस्यान, ए., एडम, डब्ल्यू., एम्ब्रोगी, एफ., एसिलर, ई., ... वुड्स, एन. (2018 जी)। सिंगल टॉप क्वार्क के एसोसिएटेड प्रोडक्शन के लिए साक्ष्य और  $s = 13$  TeV में प्रोटॉन-प्रोटॉन कोलिजन में एक फोटॉन। शारीरिक समीक्षा पत्र, 121 (22), 221802. <https://doi.org/10.1103/PhysRevLett.121.221802>
175. सीएमएस सहयोग, सिरुयन, ए. एम., तुमस्यान, ए., एडम, डब्ल्यू., एम्ब्रोगी, एफ., असीलर, ई., ... वुड्स, एन. (2018h)। एक उच्च क्रॉस्टेड हिग्स बोसोन डिक्वैन्टिफिकेशन को एक बॉटम क्वार्क-एंटीक्वार्क पेयर के लिए समावेशी खोज। शारीरिक समीक्षा पत्र, 120 (7), 071802. <https://doi.org/10.1103/PhysRevLett.120.071802>



176. सीएमएस सहयोग, सिरुयन, ई., वुड्स, एन (2018i)। टी = टी में घटनाओं के जेट सबस्ट्रक्चर वेधशालाओं का मापन प्रोटॉन-प्रोटॉन टक्करों से  $s = 13$  TeV पर। फिजिकल रिव्यू डी, 98 (9), 092014. <https://doi.org/10.1103/PhysRevD.98.09.094>
177. सीएमएस सहयोग, सिरुयन, ए. एम., तुमासान, ए., एडम, डब्ल्यू., एम्ब्रोगी, एफ., एसिलर, ई., ... वुड्स, एन. (2018j)। SNN = 5.02 TeV में Pb-Pb Collisions में शीघ्र D0 मेसन अज़ीमुथल अनिसोट्रॉपी का मापन। शारीरिक समीक्षा पत्र, 120 (20), 202301. <https://doi.org/10.1103/PhysRevLett.120.202301>
178. सीएमएस सहयोग, सिरुयन, ए. एम., तुमस्यान, ए., एडम, डब्ल्यू., एम्ब्रोगी, एफ., एसेलर, ई., ... वुड्स, एन. (2018k)। पीपीएन और पीबी-पीबी Collisions में विभाजन समारोह का मापन  $s_{NN} = 5.02$  TeV पर। शारीरिक समीक्षा पत्र, 120 (14), 142302. <https://doi.org/10.1103/PhysRevLett.1.1.15302>
179. सीएमएस सहयोग, सिरुनियन, ए. एम., तुमस्यान, ए., एडम, डब्ल्यू., एम्ब्रोगी, एफ., एसेलर, ई., ... वुड्स, एन. (201,000)।  $0fb \rightarrow j / \Lambda \Lambda$  में ध्रुवीकरण और कोणीय मापदंडों का मापन  $s = 7$  और 8 TeV पर पीपी टकरावों से होता है। फिजिकल रिव्यू डी, 97 (7), 072010. <https://doi.org/10.1103/PhysRevD.97.07.2010>
180. सीएमएस सहयोग, सिरुयन, ए. एम., तुमस्यान, ए., एडम, डब्ल्यू., एम्ब्रोगी, एफ., एसिलर, ई., ... वुड्स, एन. (2018 मी)। LHC में पीपी और p + Pb Collisions में सह-संबंधित Azimuthal Anisotropy फूरियर हार्मोनिक्स का अवलोकन। शारीरिक समीक्षा पत्र, 120 (9), 092301. <https://doi.org/10.1103/PhysRevLett.1-09.092301>
181. सीएमएस सहयोग, सिरुयन, ए. एम., तुमस्यान, ए., एडम, डब्ल्यू., एम्ब्रोगी, एफ., एसिलर, ई., ... वुड्स, एन. (2018 एन)। दो जेट और दो समान-साइन लेप्टन अंतिम राज्य में प्रोटॉन-प्रोटॉन कोलिशन में समान-साइन डब्ल्यू बोसोन जोड़े के इलेक्ट्रोवेक उत्पादन का अवलोकन रूट एस = 13 टीईवी में। शारीरिक समीक्षा पत्र, 120 (8), 081801. <https://doi.org/10.1103/PhysRevLett.1.08.081801>
182. सीएमएस सहयोग, सिरुयन, ए. एम., तुमस्यान, ए., एडम, डब्ल्यू., एम्ब्रोगी, एफ., एसिलर, ई., ... वुड्स, एन. (2018o)। हिग्स बोसोन क्षय से बॉटम क्वार्क्स का अवलोकन। भौतिक समीक्षा पत्र, 121 (12), 121801. <https://doi.org/10.1103/PhysRevLett.1.12.121801>
183. सीएमएस सहयोग, सिरुयन, ए. एम., तुमस्यान, ए., एडम, डब्ल्यू., एम्ब्रोगी, एफ., एसिलर, ई., ... वुड्स, एन. (2018 पी)। SNN = 5.02 TeV में पृथक फोटॉन-टैग की गई जेट्स का उपयोग करके Pb-Pb Collisions में जेट फ्रैग्मेंटेशन के मध्यम-प्रेरित संशोधनों का अवलोकन। शारीरिक समीक्षा पत्र, 121 (24), 242301. <https://doi.org/10.1103/PhysRevLett.121.242301>

184. सीएमएस सहयोग, सिरुयन, ए. एम., तुमस्यान, ए., एडम, डब्ल्यू., एम्ब्रोगी, एफ., एसिलर, ई., ... वुड्स, एन. (2018q)। 1b1 (3P) और (b2 (3P) का अवलोकन और उनके द्रव्यमान का मापन। भौतिक समीक्षा पत्र, 121 (9), 092002. <https://doi.org/10.1103/PhysRevLett.1.09.092002>
185. सीएमएस सहयोग, सिरुयन, ए. एम., तुमस्यान, ए., एडम, डब्ल्यू., एम्ब्रोगी, एफ., असीलर, ई., ... वुड्स, एन. (2018r)। Pb और PbPb टकरावों में प्रवाह हार्मोनिक्स की निर्भरता स्यूडोरापिडिटी और अनुप्रस्थ गति। भौतिक समीक्षा C, 98 (4), 044902. <https://doi.org/10.1103/PhysRevC.9844442>, ए एम, तुमस्यान, ए., एडम, डब्ल्यू., एम्ब्रोगी, एफ, एसिलर।
186. सीएमएस सहयोग, सिरुयन, ए.एम., तुमस्यान, ए., एडम, डब्ल्यू., एम्ब्रोगी, एफ., एसिलर, ई., ... वुड्स, एन. (2018)। प्रोटॉन-प्रोटॉन Collisions में तीन आरोपित Leptons के साथ घटनाक्रमों में भारी तटस्थ लेप्टन्स के लिए खोजें = 13 TeV। शारीरिक समीक्षा पत्र, 120 (22), 221801. <https://doi.org/10.1103/PhysRevLett.120.221801>
187. सीएमएस सहयोग, सिरुयन, ए. एम., तुमस्यान, ए., एडम, डब्ल्यू., एम्ब्रोगी, एफ., एसिलर, ई., ... वुड्स, एन. (2018 टी)। रूट एस = 13 टीईवी में पीपी के टकराव में हिग्सिनो जोड़ी के उत्पादन की खोज अंतिम राज्यों में बड़े लापता अनुप्रस्थ गति और बार के दौरान एच -> बी (बी) के माध्यम से क्षय होने वाले दो हिग्स बोसॉन के साथ होती है। शारीरिक समीक्षा डी, 97 (3), 032007. <https://doi.org/10.1103/PhysRevD.97.032007>
188. सीएमएस सहयोग, सिरुयन, ए. एम., तुमस्यान, ए., एडम, डब्ल्यू., एम्ब्रोगी, एफ., एसिलर, ई.,... वुड्स, एन. (2018u)। लेप्टोक्वार्क्स के लिए खोजें प्रोटोन-प्रोटॉन कॉलिस में थर्ड-जनरेशन क्वार्क्स के लिए s = 13 TeV। शारीरिक समीक्षा पत्र, 121 (24), 241802. <https://doi.org/10.1103/PhysRevLett.121.241802>
189. सीएमएस सहयोग, सिरुयन, ए. एम., तुमस्यान, ए., एडम, डब्ल्यू., एम्ब्रोगी, एफ., एसेलर, ई., ... वुड्स, एन. (2018v)। S = 13 TeV पर प्रोटॉन-प्रोटॉन टक्करों में मल्टीजेट घटनाओं में विस्थापित कोने के साथ लंबे समय तक रहने वाले कणों की खोज करें। भौतिक समीक्षा डी, 98 (9), 092011. <https://doi.org/10.1103/PhysRevD.98.09.091>
190. सीएमएस सहयोग, सिरुयन, ए.एम., तुमस्यान, ए., एडम, डब्ल्यू, एम्ब्रोगी, एफ., एसेलर, ई., ... वुड्स, एन. (2018w)। प्रो = प्रोटॉन Collisions में s = 8VV में बी-डायजेट मास स्पेक्ट्रम में संकीर्ण अनुनाद के लिए खोजें। शारीरिक समीक्षा पत्र, 120 (20), 201801। <https://doi.org/10.1103/PhysRevLett.120/801>
191. सीएमएस सहयोग, सिरुयन, ए. एम., तुमस्यान, ए., एडम, डब्ल्यू., एम्ब्रोगी, एफ., एसिलर, ई., ... वुड्स, एन. (2018x)। एस = 13 टीईवी में प्रोटॉन-प्रोटॉन टकरावों में क्वार्क जोड़े के क्षय के लिए जोड़ी-

- निर्मित प्रतिध्वनि की खोज। भौतिक समीक्षा डी, 98 (11), 112014.  
<https://doi.org/10.1103/PhysRevD.98.1.152014>
192. सीएमएस सहयोग, सिरुयन, ए. एम., तुमस्यान, ए., एडम, डब्ल्यू., एम्ब्रोगी, एफ., एसिलर, ई., ...  
 वुड्स, एन. (2018y)। 13 टीईवी में प्रोटॉन-प्रोटॉन कॉलिस में हाई-मोमेंटम हिग्स बोसोन और मिसिंग  
 ट्रांसवर्स मोमेंटम के साथ इवेंट्स में स्टैंडर्ड मॉडल से परे फिजिक्स की खोज करें। शारीरिक समीक्षा पत्र, 120  
 (24), 241801. <https://doi.org/10.1103/PhysRevLett.120.241801>
193. सीएमएस सहयोग, सिरुयन, ए. एम., तुमस्यान, ए., एडम, डब्ल्यू., एम्ब्रोगी, एफ., असीलर, ई., ...  
 वुड्स, एन. (2018z)।  $S = 13$  TeV पर प्रोटॉन-प्रोटॉन टक्करों से उच्च-द्रव्यमान द्विध्रुवीय घटनाओं में मानक  
 मॉडल से परे भौतिकी के लिए खोजें। फिजिकल रिब्यू डी, 98 (9), 092001.  
<https://doi.org/10.1103/PhysRevD.98.09.091>
194. सीएमएस सहयोग, सिरुयन, ए. एम., तुमस्यान, ए., एडम, डब्ल्यू., एम्ब्रोगी, एफ., असीलर, ई., ...  
 वुड्स, एन. (2018aa)। 13 TeV पर प्रोटॉन-प्रोटॉन टकराव में सुपरसिमेट्री की खोज की गई शीर्ष क्वार्क का  
 उपयोग करके। भौतिक समीक्षा डी, 97 (1), 012007.  
<https://doi.org/10.1103/PhysRevD.97.01.017>
195. सीएमएस सहयोग, सिरुयन, ए. एम., तुमस्यान, ए., एडम, डब्ल्यू., एम्ब्रोगी, एफ., असीलर, ई., ...  
 वुड्स, एन. (2018ab)। X के लिए खोजें (5568)  $S = 8$  TeV पर प्रोटॉन-प्रोटॉन कॉलिज़न में  $B_s^0 \pm$  Dec  
 में राज्य क्षय। शारीरिक समीक्षा पत्र, 120 (20), 202005.  
<https://doi.org/10.1103/PhysRevLett.120.202005>
196. सीएमएस सहयोग, ... वुड्स, एन. (2018 ए)।  $S = 8$  टीईवी पर प्रोटॉन-प्रोटॉन टक्करों में वेक्टर-  
 लाइट-लाइट क्वार्क भागीदारों के लिए खोजें। शारीरिक समीक्षा डी, 97 (7), 072008.  
<https://doi.org/10.1103/PhysRevD.97.07.2018>
197. सीएमएस सहयोग, सिरुयन, ए. एम., तुमस्यान, ए., एडम, डब्ल्यू., एसिलर, ई., बर्गौएर, टी., ... वुड्स,  
 एन. (2018 बी)।  $NN = 5.02$  TeV पर Pb-Pb Collisions में ग्राउंड स्टेट के लिए उत्साहित राज्यों के  
 सापेक्ष का दमन। शारीरिक समीक्षा पत्र, 120 (14), 142301.  
<https://doi.org/10.1103/PhysRevLett.120.142301>
198. दाश, जे.एन., दास, आर, और झा, आर. (2018)। AZO लेपित माइक्रोकैनलाइन पीसीएफ-आधारित  
 एसपीआर सेंसर शामिल: एक संख्यात्मक विश्लेषण। आईईईई फोटोनिक्स प्रौद्योगिकी पत्र, 30 (11),  
 1032-1035। <https://doi.org/10.1109/LPT.2018.2829920>
199. दास, एस., और झा, आर. (2017)। सेंसिंग एप्लिकेशन के लिए स्क्वायर नॉट रेसोनेटर का निर्माण और  
 सैद्धांतिक विश्लेषण। फोटोनिक्स (WRAP) में हाल के अग्रिमों पर 2017 IEEE कार्यशाला, 1-3।  
<https://doi.org/10.1109/WRAP.2017.8468543>

200. दास, एस., और झा, आर. (2018)। स्क्वायर गॉठ गुंजयमान यंत्र-आधारित कॉम्पैक्ट झुकने सेंसर। आईईईई फोटोनिक्स टेक्नोलॉजी लेटर्स, 30 (18), 1649-1652। <https://doi.org/10.1109/LPT.2018.2857200>
201. दास, सुमित, और झा, आर. (2018)। कम आवृत्ति वाले माइक्रोफोन के रूप में माइक्रो-टिप कैंटिलीवर। वैज्ञानिक रिपोर्ट, 8 (1), 12701. <https://doi.org/10.1038/s41598-018-31062-9>
202. ढल, एस, दास, पी., राजभर, एम. के., मोलर, डब्ल्यू., चटर्जी, एस., रामगीर, एन., और चटर्जी, एस (2018)। 3 डी से जुड़े नैनो-नेटवर्क से एक पानी की सुपीरियर विद्युत चालन। सामग्री रसायन विज्ञान जर्नल, 6 (8), 1951-1958। <https://doi.org/10.1039/C7TC05374F>
203. दुबे, ए., और बंद्योपाध्याय, एम. (2018)। ब्राउनियन फ्रंक्शंस का अध्ययन एक ब्राउनियन प्रक्रिया मॉडल के लिए बर्फ पिघल गतिशीलता के साथ विशुद्ध रूप से समय पर निर्भर बहाव और प्रसार। यूरोपीय भौतिक जर्नल बी, 91 (11), 276. <https://doi.org/10.1140/epjb/e2018-90222-6>
204. गर्ग, पी., डी, यू., डेहरी, एन., किम, एच.एस., और पात्रा, एस (2018)। Cyclometallated imidazo-phenanthroline iridium complexes और उनके एंटीकैंसर गतिविधि। रासायनिक विज्ञान जर्नल, 130 (7), 76. <https://doi.org/10.1007/s12039-018-1492-6>
205. घोष-चौधरी, ए., घोष, ए., गुहा, पी., और पांडे, ए. (2018)। एक आइसोटोपिक क्षमता को सामान्य बनाने वाले विशुद्ध रूप से नॉनलाइनियर ऑसिलेटर्स पर। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ नॉन-लीनियर मैकेनिक्स, 106, 55-59। <https://doi.org/10.1016/j.ijnonlinmec.2018.09.003>
206. घोष, एस., और बनिक, ए. डी. (2018)। रैंडम सर्विस अनुशासन के तहत BMAP / MSP / 1 कतार में एक यादृच्छिक रूप से चुने गए टैग ग्राहक की सशर्त sojourn समय की गणना। एनल्स ऑफ ऑपरेशन्स रिसर्च, 261 (1-2), 185–206। <https://doi.org/10.1007/s10479-017-2534-z>
207. घोष, एस., दास, एस., दिनारा, एस. एम., बैग, ए., चक्रवर्ती, ए., मुखोपाध्याय, पी., ... विश्वास, डी. (2018)। ऑफ-स्टेट लीकेज और वर्तमान पतन AlGaIn / GaN HEMTs में: अव्यवस्थाओं से प्रेरित एक आभासी गेट। इलेक्ट्रॉन उपकरणों पर IEEE लेनदेन, 65 (4), 1333–1339। <https://doi.org/10.1109/TED.2018.2808334>
208. घोष, सुमित, सरकार, एस., शिवकुमार, आर., और शेखर, टी. वी. एस. (2018)। पूर्ण मैग्नेटोहाइड्रोडायनामिक प्रवाह चुंबकीय क्षेत्र के प्रवेश पर विचार करते हुए एक गोलाकार सिलेंडर से गुजरता है। भौतिकी के तरल पदार्थ, 30 (8), 087102. <https://doi.org/10.1063/1.5040949>
209. गिरि, एला, और पेडिरेड्डी, वी. आर. (2018)। तीन नए लैंथेनाइड परिसरों का संश्लेषण और संरचना विश्लेषण, [Ce (NO<sub>3</sub>)<sub>6</sub>] • [(H-phen)<sub>6</sub> • (NO<sub>3</sub>)<sub>3</sub>], [Pr (NO<sub>3</sub>)<sub>6</sub>] • [(H-phen)<sub>6</sub> • (NO<sub>3</sub>)<sub>3</sub>] और [Sm (NO<sub>3</sub>)<sub>3</sub> • (phen) • (H<sub>2</sub>O)<sub>2</sub>] • [(H-phen) • (NO<sub>3</sub>) • H<sub>2</sub>O]। अकार्बनिक चिमिका एक्टा, 477, 160–164। <https://doi.org/10.1016/j.ica.2018.03.021>

210. गुहा, ए., वेट्टिल विनेश, टी., सेकर, ए., नारायणारु, एस., साहू, एम., नायक, एस., ... नारायणन, टी. एन. (2018)। अल्ट्राथिन हेक्सागोनल बोरान नाइट्राइड-संशोधित पीटी इलेक्ट्रोड की उन्नत हाइड्रोजन विकास प्रतिक्रिया गतिविधि में यंत्रवत अंतर्दृष्टि। एसीएस कैटलिसिस, 8 (7), 6636-6644। <https://doi.org/10.1021/acscatal.8b00938>
211. गुप्ता, पी., पाधे, आर., महापात्रा, पी. के., चौधरी, आर. एन. पी., और दास, एस. (2018)। Bi<sub>3</sub>TiVO<sub>9</sub> फेरोइलेक्ट्रिक सिरेमिक के संरचनात्मक और बिजली के गुण। मिश्र और यौगिकों का जर्नल, 731, 1171-1180। <https://doi.org/10.1016/j.jallcom.2017.10.123>
212. जिया, एस., शेन, सी. पी., युआन, सी. जेड., अडाची, आई., एडहारा, एच., अल सैद, एसा, बेले, सी. (2018)। Z (1S, 2S) → Zc + Zc (-) - और e + e<sup>-</sup> → Zc + Zc (') - s = 10.52, 10.58 और 10.867 GeV पर खोजें। भौतिक समीक्षा डी, 97 (11)। <https://doi.org/10.1103/PhysRevD.97.112004>
213. जुलुरी, आर. आर., रावुलपल्ली, एस., वाडावल्ली, एस., और परलापल्ली, एस. वी. (2018)। एंबेडेड सिल्वर नैनोस्ट्रक्चर की एसआरएस गतिविधि पर आकृति विज्ञान प्रभाव। Physica Status Solidi (A) अनुप्रयोग और सामग्री विज्ञान, 215 (24)। <https://doi.org/10.1002/pssa.201800533>
214. कौरव, एम. एस., कुमार, वी., कुमार, डी., और खान, टी. (2018)। साइक्लोपेन्टा के स्टेरियोसेलेक्टिव सिंथेसिस के लिए एक डी नोवो अप्रोच [सी] इरिडोइड्स में मौजूद पाइरोनोन स्कैफोल्ड: इस्बोबिन, इरिडोमाइमेसीन और आइसोसिरिडोमिरमेसीन के औपचारिक सिंथेसिस। रसायन विज्ञान, 3 (20), 5566-5570। <https://doi.org/10.1002/slct.201800421>
215. कोडी, पी., अबुदीन, एफ., एकरमैन, के., अहलबर्ग, पी., ऐहारा, एच., अलबलावी, एम., ... झाओ, जे (2018)। बेले II वर्टेक्स डिटेक्टर एकीकरण। भौतिकी अनुसंधान खंड ए में परमाणु उपकरण और विधियां: त्वरक, स्पेक्ट्रोमीटर, डिटेक्टर और संबद्ध उपकरण। <https://doi.org/10.1016/j.nima.2018.09.003>
216. कुमार, एस., यादव, जी. सी., शर्मा, जी., और सिंह, वी. (2018)। सिल्वर-गोल्ड नैनोस्ट्रक्चर एलॉय फिल्म कोटेड टैपर ऑप्टिकल फाइबर पर आधारित सरफेस प्लास्मोन रेजोनेंस सेंसर का अध्ययन। एप्लाइड फिजिक्स ए, 124 (10), 695. <https://doi.org/10.1007/s00339-018-2120-5>
217. कुशवाहा, ए.के., और नायक, एस. के. (2018)। लिथियम क्लस्टर के वबल इलेक्ट्रॉनिक गुण: पहले सिद्धांतों के माध्यम से नियतात्मक दृष्टिकोण। फिजिका ई: लो-डायमेंशनल सिस्टम और नैनोस्ट्रक्चर, 97, 368-374। <https://doi.org/10.1016/j.physe.2017.12.009>
218. लाहा, पी., डी., यू., चंद्र, एफ., डेहुरी, एन., खुल्लर, एस., किम, एच.एस., और पात्र, एस (2018)। ट्यूनिंग एंटीकैंसर और इमेजिंग एजेंटों के रूप में अल्काइल चैन-संशोधित साइक्लोमीटेड इरिडियम कॉम्प्लेक्स। डाल्टन लेनदेन, 47 (44), 15873-15881। <https://doi.org/10.1039/C8DT02461H>

219. लकमा, ए., हुसैन, एस. एम., प्रधान, आर. एन., और सिंह, ए. के. (2018)। धातु ने टेट्रान्यूक्लियर Cu II और Ni II क्लस्टर्स की स्व-असेंबली को निर्देशित किया। रासायनिक विज्ञान जर्नल, 130 (7), 80. <https://doi.org/10.1007/s12039-018-1483-7>
220. ली, वाई. बी., शेना, सी. पी., अडाची, आई., आहन, जे. के., एहरा, एच., अल सैद, एस., ... झूलनोव, वी. (2018)। बेले - बेले सहयोग में ervation c (2930) 0 का अवलोकन और  $B^- \rightarrow K^- \Xi c + -c$  का अद्यतन माप। यूरोपीय भौतिक जर्नल सी, 78 (3), 252। <https://doi.org/10.1140/epjc/s10052-018-5720-5>
221. ली, वाई. बी., शेन, सी. पी., अडाची, आई., एहरा, एच., अल सैद, एस., असनर, डी. एम., ... झूलनोव, वी. (2018)।  $K^- \Xi c +$  में एक संरचना का साक्ष्य  $\Xi c (2930) +$  के साथ संगत, और  $B^- \Xi c$  का अद्यतन मापन  $\rightarrow K^- \Lambda^0 c + -c$  बेले पर: Belle सहयोग। यूरोपीय भौतिक जर्नल सी, 78 (11)। <https://doi.org/10.1140/epjc/s10052-018-6425-5>
222. मोहंती, बी., नाइक, के. के., साहू, एस., जेना, बी., चक्रवर्ती, बी., राउत, सी. एस., और जेना, बी. के. (2018)। दृश्य प्रकाश में NADH प्रेरित के ऑक्सीकरण की दिशा में CuWO<sub>4</sub> नैनोप्लेट्स की कुशल Photoelectrocatalytic गतिविधि। रसायन विज्ञान, 3 (31), 9008–9012। <https://doi.org/10.1002/slct.201801137>
223. मुखोपाध्याय, ए., लक्ष्मीनारसिम्हन, एन., और महापात्र, एन. (2018)। गैर-सेंट्रोसिमेट्रिक टर्नरी आधा-हेसेलर्स, आरपीडीएसबी (आर = एर और हो) के बहुआयामी गुण। जर्नल ऑफ फिजिक्स डी: एप्लाइड फिजिक्स, 51 (26), 265004. <https://doi.org/10.1088/1361-6463/aac567>
224. मूर्ति, पी. के., सुनीता, बी., आरमाकोविओक, एस., आर्मकोविओक, एस. जे., सुचेतन, पी. ए., गिरी, एला, और राव, आर.एस. (2018)। नव संश्लेषित सल्फोनामाइड अणु के संश्लेषण, लक्षण वर्णन और कम्प्यूटेशनल अध्ययन। जर्नल ऑफ़ मॉलिक्यूलर स्ट्रक्चर, 1153, 212–229। <https://doi.org/10.1016/j.molstruc.2017.10.028>
225. नायडू, वाई. आर., और ओझा, ए. के. (2018)। कई आबादी के साथ हाइब्रिड सहकारी आक्रामक खरपतवार अनुकूलन का उपयोग करते हुए मल्टीब्रिजिव ऑप्टिमाइज़ेशन समस्याओं का समाधान। सिस्टम, मैन और साइबरनेटिक्स पर IEEE लेनदेन: सिस्टम्स, 48 (6), 821–832। <https://doi.org/10.1109/TSMC.2016.2631479>
226. नायडू, वाई. रामू, और ओझा, ए. के. (2018)। एक अंतरिक्ष परिवर्तनकारी इनवेसिव वीड-ऑप्टिमाइज़ेशन फिक्स्ड-पॉइंट समस्याओं को हल करने के लिए। एप्लाइड इंटेलिजेंस, 48 (4), 942-952। <https://doi.org/10.1007/s10489-017-1021-1>



227. नाइक, के. के., गंगन, ए., चक्रवर्ती, बी., और राउत, सी.एस. (2018)। इलेक्ट्रॉनिक संरचना सिमुलेशन से अंतर्दृष्टि के साथ Ag- / Au-NiCo<sub>2</sub>O<sub>4</sub> नैनोसेलेट के सुपीरियर गैर-एंजाइमी ग्लूकोज संवेदन गुण। विश्लेषक, 143 (2), 571-579। <https://doi.org/10.1039/C7AN01354J>
228. नंदी, एस. के., चक्रवर्ती, ए., पंडा, ए. के., कर, आर. के., भूनिया, ए., और विश्वास, ए. (2018)। Mycobacterium leprae HSP18 के साथ जस्ता (II) और तांबे (II) आयन इंटरैक्शन के लिए साक्ष्य: इसकी संरचना और चैपरोन फंक्शन पर प्रभाव। जर्नल ऑफ इनऑर्गेनिक बायोकेमिस्ट्री, 188, 62-75। <https://doi.org/10.1016/j.jinorgbio.2018.08.010>
229. नाथ, आर. के., और प्रजापति, एस. के. (2018)। परिमित समूहों में एक सामान्य कम्प्यूटर समीकरण के समाधान की संख्या पर। एक्टा मैथमेटिका हंगरिका, 156 (1), 18-37। <https://doi.org/10.1007/s10474-018-0863-2>
230. नायक, जे. के., और झा, आर. (2018)। ग्राफीन-ऑक्साइड लेपित एजी-द्वीप-आधारित इनलाइन एलएसपीआर फाइबर सेंसर। आईईईई फोटोनिक्स टेक्नोलॉजी लेटर्स, 30 (19), 1667-1670। <https://doi.org/10.1109/LPT.2018.2865491>
231. नायक, पी., और सिंह, ए.के. (2018)। जीडी 3 + संशोधित SrBi<sub>4</sub>Ti<sub>4</sub>O<sub>15</sub> चीनी मिट्टी की चीज़ें और विश्राम तंत्र के साथ ऑर्थोरोम्बिक विकृति के बीच सहसंबंध। सिरेमिक इंटरनेशनल, 44 (18), 22840-22849। <https://doi.org/10.1016/j.ceramint.2018.09.076s>
232. नायक, एस., और ओझा, ए. (2018)। द्वि-स्तरीय बहुउद्देश्यीय नॉनलाइनियर फ्रैक्शनल प्रोग्रामिंग समस्या के लिए फ़ज़ी और TOPSIS का दृष्टिकोण। नरम कम्प्यूटिंग। <https://doi.org/10.1007/s00500-018-3217-7>
233. पाल, एस., नारायणारु, एस., कुंडू, बी., साहू, एम., बावरी, एस., राव, डी. के.,... नारायणन, टी. एन. (2018)। C-C युग्मित कार्बन नैनोस्ट्रूब आणविक जंक्शनों में CO<sub>2</sub> न्यूनीकरण के माध्यम से निर्माण उत्पादन में यंत्रवत अंतर्दृष्टि। द जर्नल ऑफ फिजिकल केमिस्ट्री C, 122 (41), 23385-23392। <https://doi.org/10.1021/acs.jpcc.8b08933>
234. पंडा, ए., और पाणि, एस (2018)। ऑर्थोगोनल कोलाइडिंग बॉडीज ऑप्टिमाइज़ेशन का उपयोग करके नॉनलाइनियर ऑर्डिनरी डिफरेंशियल इक्वेशन के अनुमानित समाधान का निर्धारण। तंत्रिका प्रसंस्करण पत्र, 48 (1), 219-243। <https://doi.org/10.1007/s11063-017-9711-6>
235. पंडा, अरनपूर्णा, और पानी, एस. (2018)। एक ऑर्थोगोनल समानांतर सहजीवी जीव खोज एल्गोरिथ्म विवश अनुकूलन समस्याओं को हल करने के लिए संवर्धित लैग्रेग गुणक के साथ सन्निहित है। सॉफ्ट कम्प्यूटिंग, 22 (8), 2429-2447। <https://doi.org/10.1007/s00500-017-2693-5>



236. पांडा, एन. आर., पति, एस., पी., दास, ए., और दास, डी. (2018)। एएन / सीओओ नैनोकम्पोजिट्स के तापमान के चरण विकास और विनिमय पूर्वाग्रह गुणों की घोषणा की। एप्लाइड सर्फेस साइंस, 449, 654-659। <https://doi.org/10.1016/j.apsusc.2017.12.003>
237. पंडा, एस. एच., दास, एस., बाल, पी., पंडा, एस. के., गोली, जे. के. और मोहंती, एन (2018)। उपन्यास फोलेट के उत्पादन की विशेषता लैक्टोबैसिलस rhamnosus और ragi (Eleusine coracana) की किलेबंदी में इसके उपकरण। फूड बायोसाइंस, 21, 100-106। <https://doi.org/10.1016/j.fbio.2017.12.006>
238. पंडा, एस., राउत, टी. के., प्रस्टीज, ए. डी., अजयन, पी. एम., और नायक, एस. (2018)। धातुओं पर ग्राफीन ऑक्साइड के इलेक्ट्रॉन स्थानांतरण निर्देशित जीवाणुरोधी गुण। उन्नत सामग्री, 30 (7), 1702149. <https://doi.org/10.1002/adma.201702149>
239. पाणि, जी., महापात्र, आर. एन., और पाणि, एस. (2018)। एफसी रिक्त स्थान में संतुलन समस्याओं और परिवर्तनशील असमानताओं के एक वर्ग का समाधान। एनल्स ऑफ ऑपरेशंस रिसर्च, 269 (1-2), 565582। <https://doi.org/10.1007/s10479-017-2506-3>
240. पात्र., एन., देहुरी, एन., पाल, ए., बेहरा, ए., और पात्र, एस (2018)। तैयारी और प्राकृतिक xanthone कार्यात्मक सोना nanoparticle के यंत्रवत पहलू। सामग्री विज्ञान और इंजीनियरिंग: सी, 90, 439-445। <https://doi.org/10.1016/j.msec.2018.04.091>
241. पिल्लुटला, एस. एच., गोपीनाथन, एस., और येरिकालपुडी, वी. आर. (2018)। Pseudospectral विधि [अनुसंधान लेख] द्वारा कार्यात्मक रूप से वर्गीकृत पतला अक्षीय सलाखों के मुक्त अनुदैर्घ्य कंपनी। <https://doi.org/10.21595/jve.2018.19373>
242. पोन्नसामी, आर., चक्रवर्ती, बी., और राउत, सी.एस. (2018)। Pd-Doped WO<sub>3</sub> Nanostructures इलेक्ट्रॉनिक संरचना सिमुलेशन से अंतर्दृष्टि के साथ संभावित ग्लूकोज सेंसर के रूप में। जर्नल ऑफ फिजिकल केमिस्ट्री बी, 122 (10), 2737-2746। <https://doi.org/10.1021/acs.jpcc.7b11642>
243. पोन्नसामी, आर., गंगन, ए., चक्रवर्ती, बी., और शेखर राउत, सी. (2018)। इलेक्ट्रॉनिक संरचना सिमुलेशन से सैद्धांतिक अंतर्दृष्टि के साथ गैर-एंजाइमी ग्लूकोज संवेदन आवेदन के लिए WO<sub>3</sub> और WO<sub>3</sub>-Ag नैनोकंकचर के शुद्ध मोनोक्लिनीक चरण को ट्यूनिंग। एप्लाइड फिजिक्स की पत्रिका, 123 (2), 024701. <https://doi.org/10.1063/1.5010826>
244. प्रधान, बी., गुहा, डी., नाइक, ए. के., बनर्जी, ए., तंबत, एस., चावला, एस., ... आइच, पी. (2018)। प्रोबायोटिक्स एल. एसिडोफिलस और बी. क्लॉज़ि थ्यूट-मॉड्यूलेट गट माइक्रोबायोटा में Th1- और Th2-Biased Mice to Ameliorate Salmonella Typhimurium- प्रेरित अतिसार। प्रोबायोटिक्स और रोगाणुरोधी प्रोटीन। <https://doi.org/10.1007/s12602-018-9436-5>

245. प्रकाश, एस., शर्मा, जी., चंद यादव, जी., और सिंह, वी. (2018)। MgO में ध्वनिक रूप से ट्यून करने योग्य फोटोनिक बैंड गैप जेनरेशन लिथियम नीओबेट माइक्रो-डायमेंशन प्लेट। *Superlattices और Microstructures*, 123, 267-273। <https://doi.org/10.1016/j.spmi.2018.09.008>
246. प्रकाश, एस., शर्मा, जी., यादव, जी. सी., और सिंह, वी. (2018)। LiNbO<sub>3</sub>-SiO<sub>2</sub> आधारित 1D आवधिक बहुध्रुवीय संरचना में प्लेट वेव पर फोटोनिक बैंड गैप परिवर्तन। <https://doi.org/10.1007/s12633-018-9993-y>
247. रथ, एस., बंकर, पी., गंगन, ए.एस., मोर, एम. ए., लेट, डी. जे., बेहरा, जे. एन., ... राउत, सी. एस. (2018)। क्षेत्र उत्सर्जन के लिए कुशल कैथोड सामग्री के रूप में वीएसई 2-कम ग्राफीन ऑक्साइड। *जर्नल ऑफ फिजिक्स एंड केमिस्ट्री ऑफ सॉलिड्स*। <https://doi.org/10.1016/j.jpcs.2018.02.020>
248. राउत, एम. डी., गिरी, एल., और पेडिरेड्डी, वी. आर. (2018)। विभिन्न अजा-दाताओं के साथ सीआईएस, सीआईएस, सीआईएस-1,2,4,5-साइक्लोहेक्सेनेटैरेकार्बोइक्लिक एसिड की सुपरमॉलेरिकल असेंबली। *रसायन विज्ञान*, 3 (11), 3194–3202। <https://doi.org/10.1002/slct.201702990>
249. राजेश, ए. डी. ए., उधायकुमार, एस., शेखर, टी. वी. एस., और शिवकुमार, आर. (20171130)। पूरी तरह से नॉनलाइनियर मैग्नेटोहाइड्रोडायनामिक समीकरणों को हल करने के लिए एक उच्च आदेश विवेकाधीन योजना का विकास। *एप्लाइड विश्लेषण और संगणना के जर्नल*, 8 (1), 42-65।
250. साहू, ए. आर., मिश्रा, आर., और राणा, एस. (2018)। पूरक घटक 5a रिसेप्टर (C5aR) के मॉडल संरचनाएं मूल और इंजीनियर h5a के लिए बाध्य हैं। *वैज्ञानिक रिपोर्ट*, 8 (1), 2955. <https://doi.org/10.1038/s41598-018-21290-4>
251. साहू, ए., और पात्र, एस. (2018)। पोरस सिलिकन समर्थित पोरस रूथेनियम नैनोकैटलिस्ट का उपयोग करके एंज़ो-डाईस और एरोमैटिक अमाइंस के कुशल निष्कासन के लिए एक संयुक्त प्रक्रिया। *ACS एप्लाइड नैनो सामग्री*, 1 (9), 5169-5178। <https://doi.org/10.1021/acsanm.8b01152>
252. साहू, बी.के., पानी, एस., और महापात्र, आर.एन. (2018)। सामान्यीकृत शिथिलता (--  $\alpha$ ) - pseudomonotone और कड़ाई से imon-quasimonotone मैपिंग के साथ प्रतिबंध स्थानों में संतुलन की समस्याएं। *एप्लाइड नॉनलाइनियर एनालिसिस*, 25 (2), 80-91 पर संचार।
253. साहू, एम., मित्रा, ए., चौधरी, आर. एन. पी., और राउल, बी. के. (2018)। सुधार: स्ट्रॉंटियम-संशोधित Ca<sub>1</sub>Cu<sub>3</sub>Ti<sub>4</sub>O<sub>12</sub> (एप्लाइड फिजिक्स ए, (2018), 124, 8, (533), 10.1007 / s00339208-1952-3 की प्रसंस्करण, ढांकता हुआ और विद्युत विशेषताओं। *एप्लाइड भौतिकी ए: सामग्री विज्ञान और प्रसंस्करण*, 124 (9)। <https://doi.org/10.1007/s00339-018-2023-5>
254. साहू, एम., मित्रा, ए., चौधरी, आर. एन. पी., और राउल, बी. के. (2018)। स्ट्रॉंटियम-संशोधित Ca<sub>1</sub>Cu<sub>3</sub>Ti<sub>4</sub>O<sub>12</sub> की प्रसंस्करण, ढांकता हुआ और विद्युत विशेषताओं। *एप्लाइड फिजिक्स ए*, 124 (8), 533. <https://doi.org/10.1007/s00339-018-1952-3>

255. साहू, एस., पंडा, एस. के. और राउत, जी. सी. (2018)। एंटीसेफोमोमैग्नेटिक स्टेट में मैग्नेटीन की चुंबकीय संवेदनशीलता और न्यूट्रॉन स्कैटरिंग: एक टाइट-बाइंडिंग दृष्टिकोण। सुपरकंडक्टिविटी और नॉवेल मैग्नेटिज्म जर्नल, 31 (6), 1857-1866। <https://doi.org/10.1007/s10948-017-4405-x>
256. साहू, शिवब्रत, और राउत, जी. सी. (2018)। एए-स्टैकड बी-लेयर ग्राफीन में एंटी-फेरोमैग्नेटिक ऑर्डर का टाइट-बाइंडिंग मॉडल स्टडी। सुपरकंडक्टिविटी और नॉवेल मैग्नेटिज्म जर्नल, 31 (1), 157-161। <https://doi.org/10.1007/s10948-017-4185-3>
257. सैंडिलिया, एस., ट्रेबेली, के., श्वार्ट्ज, ए. जे., अडाची, आई., एइहारा, एच., अल सैद, एस., ... बेले, सी. (2018)। लिफ्टन-स्वाद-उल्लंघन करने वाले क्षय  $B \rightarrow K^* \mu^+ e^-$  के लिए खोजें। शारीरिक समीक्षा डी, 98 (7)। <https://doi.org/10.1103/PhysRevD.98.071101>
258. शर्मा, जी., श्रीवास्तव, ए. एम., जनाना, ए., और झा, आर. (2018)। Synthesized Fe<sub>3</sub>O<sub>4</sub>Nanoflowers मैग्नेटोमीटर के रूप में लेपित माइक्रोफ़ाइबर। आईईईई फोटोनिक्स टेक्नोलॉजी लेटर्स, 30 (22), 1925-1928। <https://doi.org/10.1109/LPT.2018.2872592>
259. शिमिजु, एन., एहरा, एच., एपिफ़ानोव, डी., अडाची, आई., अल सईद, एस., असनर, डी. एम., ... जुपैन, ए (2018)। विकिरण लेप्टोनिक क्षय में of मिशेल मापदंडों  $\eta$  और the का मापन parameters -  $\rightarrow | - v \gamma v | \gamma |$ । सैद्धांतिक और प्रायोगिक भौतिकी की प्रगति, 2018 (2)। <https://doi.org/10.1093/ptep/pty003>
260. शिम्पी, एम. आर., गिरी, एल., और पेडिरेडु, वी. आर. (2018)। 4,4 B-Bipyridine और 1,3-bis (4-pyridyl) प्रोपेन के साथ मेलिटिक एसिड के तीन नए कॉपर कॉम्प्लेक्स की तैयारी और संरचना विश्लेषण। रसायन विज्ञान, 3 (3), 855-858। <https://doi.org/10.1002/slct.201702941>
261. श्रीवास्तव, ए. एम., शर्मा, जी., राठौर, ए.एस., और झा, आर. (2018)। हाईपरट्रेस अमोनिया डिटेक्शन के लिए हाईपरसेंसिटिव और सेलेक्टिव इंटरफेरोमेट्रिक नोज, फास्ट रिस्पॉन्स यूटिलिंग पैनआई के साथ @ 2 नैनोकम्पोजिट। एसीएस फोटोनिक्स, 5 (11), 4402-4412। <https://doi.org/10.1021/acsp Photonics.8b00828>
262. सिरुयन, एएम, टुमेसन, ए., एडम, डब्ल्यू., एम्ब्रोगी, एफ., एसेलर, ई., बर्गौएर, टी., ... (सीएमएस, सी. (2018 ए)। टी एच उत्पादन का अवलोकन। भौतिक समीक्षा पत्रा, 120 (23)। <https://doi.org/10.1103/PhysRevLett.120.231801>
263. सिरुयन, एएम, टुमेसन, ए., एडम, डब्ल्यू., एम्ब्रोगी, एफ., एसेलर, ई., बर्गौएर, टी., ... (सीएमएस, सी. (2018 बी)। डब्ल्यूडब्ल्यू, डब्ल्यूजेड में क्षय होने वाले बड़े पैमाने पर पुनर्जीवन के लिए खोजें, ZZ, qW और qZ dijet अंतिम अवस्थाओं के साथ  $s = 13$  TeV। भौतिक समीक्षा D, 97 (7)। <https://doi.org/10.1103/PhysRevD.97.072006>

264. सिरुयन, ए. एम., तुमस्यान, ए., एडम, डब्ल्यू., एम्ब्रोगी, एफ., एसेलर, ई., बर्गोएर, टी., ... सीएमएस, सी. (2018 सी)। एक ऊर्जावान जेट के साथ अंतिम अवस्था में नई भौतिकी की खोज करें या  $s = 13 \text{ TeV}$  पर एक क्षणिक रूप से क्षयशील W या Z boson और अनुप्रस्थ गति असंतुलन। भौतिक समीक्षा डी, 97 (9)। <https://doi.org/10.1103/PhysRevD.97.092005>
265. सिरुयन, ए. एम., तुमस्यान, ए., एडम, डब्ल्यू., एम्ब्रोगी, एफ., एसेलर, ई., बर्गोएर, टी., ... सीएमएस, सी. (2018 डी)। पेयर-निर्मित प्रतिध्वनि के लिए खोजें प्रत्येक में कम से कम प्रोटॉन-प्रोटोन कॉलिस में कम से कम चार क्वार्कों में  $= 13 \text{ टीईवी}$ । भौतिक समीक्षा पत्र, 121 (14)। <https://doi.org/10.1103/PhysRevLett.121.141802>
266. सिरुयन, ए. एम., तुमस्यान, ए., एडम, डब्ल्यू., एम्ब्रोगी, एफ., एसेलर, ई., बर्गोएर, टी., ..., सी. सी. (2018e)। एक एकल शीर्ष क्वार्क के संबद्ध उत्पादन का माप और  $s = 13\text{TeV}$  पर पीपी टकराव में एक जेड बोसॉन। भौतिकी पत्र, खंड बी: परमाणु, प्राथमिक कण और उच्च ऊर्जा भौतिकी, 779, 358-384। <https://doi.org/10.1016/j.physletb.2018.02.025>
267. सिरुनियन, ए. एम., तुमस्यान, ए., एडम, डब्ल्यू., एम्ब्रोगी, एफ., एसेलर, ई., बर्गोएर, टी., ..., सी. सी. (2018f)। सीएमएस डिटेक्टर के साथ लेप्टन की एक जोड़ी के लिए हिग्स बोसोन क्षय का अवलोकन। भौतिकी पत्र, अनुभाग बी: परमाणु, प्राथमिक कण और डिटेक्टर। भौतिकी पत्र, अनुभाग बी: परमाणु, प्राथमिक कण और उच्च ऊर्जा भौतिकी, 779, 283-316। <https://doi.org/10.1016/j.physletb.2018.02.004>
268. सिरुनियन, ए. एम., तुमस्यान, ए., एडम, डब्ल्यू., एम्ब्रोगी, एफ., एसेलर, ई., बर्गोएर, टी., ..., सी. सी. (2018 जी)। दो निचले क्वार्कों और प्रोटॉन-प्रोटॉन टकरावों में दो टा क्वेक और दो ताऊ लेप्टन के साथ घटनाओं में हिग्स बोसोन जोड़ी उत्पादन के लिए खोजें। भौतिकी पत्र, खंड बी: परमाणु, प्राथमिक कण और उच्च ऊर्जा भौतिकी, 778, 101-127। <https://doi.org/10.1016/j.physletb.2018.01.001>
269. सिरुयन, ए. एम., तुमस्यान, ए., एडम, डब्ल्यू., एम्ब्रोगी, एफ., एसेलर, ई., बर्गोएर, टी., ..., सी. सी. (2018h)।  $S = 13\text{TeV}$  पर प्रोटॉन-प्रोटॉन टकराव से  $b\bar{W}b$  चैनल में वेक्टर-जैसे क्वार्क के युग्म उत्पादन के लिए खोजें। भौतिकी पत्र, खंड बी: परमाणु, प्राथमिक कण और उच्च ऊर्जा भौतिकी, 779, 82-106। <https://doi.org/10.1016/j.physletb.2018.01.077>
270. सिरुयन, ए. एम., तुमस्यान, ए., एडम, डब्ल्यू., एम्ब्रोगी, एफ., एसेलर, ई., बर्गोएर, टी., ..., सी. सी. (2018i)।  $s = 13\text{TeV}$  में रेजर चर का उपयोग करके डिप्सटन के लिए हिग्स बोसोन के साथ सुपरसिमेट्री की खोज करें। भौतिकी पत्र, खंड बी: परमाणु, प्राथमिक कण और उच्च ऊर्जा भौतिकी, 779, 166-190। <https://doi.org/10.1016/j.physletb.2017.12.069>
271. सिरुयन, ए. एम., तुमस्यान, ए., एडम, डब्ल्यू., एम्ब्रोगी, एफ., एसेलर, ई., बर्गोएर, टी., ..., सी. सी. (2018 जे)। तीसरी पीढ़ी के स्क्वाक्स की जोड़ी के उत्पादन के लिए दो-शरीर के साथ एक तल या आकर्षण

- क्वार्क और न्यूट्रिनो के प्रोटॉन-प्रोटॉन टक्करों में  $s = 13\text{TeV}$  पर खोजें। भौतिकी पत्र, खंड बी: परमाणु, प्राथमिक कण और उच्च ऊर्जा भौतिकी, 778, 263-291। <https://doi.org/10.1016/j.physletb.2018.01.012>
272. सिरुनियन, ए. एम., तुमस्यान, ए., एडम, डब्ल्यू., एम्ब्रोगी, एफ., एसिलर, ई., बर्गौएर, टी, ... सीएमएस सहयोग। (2018a)।  $-SNN = 5.44\text{ TeV}$  में XeXe टक्करों में चार्ज-कण परमाणु संशोधन कारक। जर्नल ऑफ़ हाई एनर्जी फिजिक्स, 2018 (10), 138. [https://doi.org/10.1007/JHEP10\(2018\)138](https://doi.org/10.1007/JHEP10(2018)138)
273. सिरुनियन, ए. एम., तुमस्यान, ए., एडम, डब्ल्यू., एम्ब्रोगी, एफ., एसिलर, ई., बर्गौएर, टी., ... सीएमएस सहयोग। (2018b)।  $s = 13\text{ TeV}$  पर प्रोटॉन-प्रोटॉन टकरावों में चार्जिनोज और न्यूट्रिनो के इलेक्ट्रोकेक उत्पादन के लिए संयुक्त खोज। जर्नल ऑफ़ हाई एनर्जी फिजिक्स, 2018 (3), 160. [https://doi.org/10.1007/JHEP03\(2018\)160](https://doi.org/10.1007/JHEP03(2018)160)
274. सिरुनियन, ए. एम., तुमस्यान, ए., एडम, डब्ल्यू., एम्ब्रोगी, एफ., एसिलर, ई., बर्गौएर, टी., ... सीएमएस सहयोग। (2018c)।  $PairssNN = 5.02\text{ VV}$  पर pp और PbPb टक्करों में b जेट जोड़े के अनुप्रस्थ गति संतुलन की तुलना करें। जर्नल ऑफ़ हाई एनर्जी फिजिक्स, 2018 (3), 181. [https://doi.org/10.1007/JHEP03\(2018\)181](https://doi.org/10.1007/JHEP03(2018)181)
275. सिरुनियन, ए. एम., तुमस्यान, ए., एडम, डब्ल्यू., एम्ब्रोगी, एफ., एसिलर, ई., बर्गौएर, टी., ... सीएमएस सहयोग। (2018d)।  $Isionss = 8\text{ TeV}$  पर प्रोटॉन-प्रोटॉन टकरावों में समान-साइन डब्ल्यू बोसोन जोड़ी उत्पादन से डबल-पार्टन बिखरने वाले क्रॉस सेक्शन पर बाधाएं। जर्नल ऑफ़ हाई एनर्जी फिजिक्स, 2018 (2), 32. [https://doi.org/10.1007/JHEP02\(2018\)032](https://doi.org/10.1007/JHEP02(2018)032)
276. सिरुनियन, ए. एम., तुमस्यान, ए., एडम, डब्ल्यू., एम्ब्रोगी, एफ., एसिलर, ई., बर्गौएर, टी., ... सीएमएस सहयोग। (2018e)। इवेंट आकार चर, प्रोटोज-प्रोटॉन टक्करों में  $ij = 13\text{ TeV}$  में मल्टीजेट अंतिम राज्यों का उपयोग करके मापा जाता है। जर्नल ऑफ़ हाई एनर्जी फिजिक्स, 2018 (12), 117. [https://doi.org/10.1007/JHEP12\(2018\)117](https://doi.org/10.1007/JHEP12(2018)117)
277. सिरुनियन, ए. एम., तुमस्यान, ए., एडम, डब्ल्यू., एम्ब्रोगी, एफ., एसिलर, ई., बर्गौएर, टी., ... सीएमएस सहयोग। (2018f)। इलेक्ट्रॉनों, म्यूओन्स और हैड्रॉन के क्षयकारी रूप से  $electrons = 13\text{ TeV}$  पर लेप्टान के साथ एक शीर्ष क्वार्क जोड़ी के साथ हिग्स बोसोन के जुड़े उत्पादन के लिए साक्ष्य। जर्नल ऑफ़ हाई एनर्जी फिजिक्स, 2018 (8), 66. [https://doi.org/10.1007/JHEP08\(2018\)066](https://doi.org/10.1007/JHEP08(2018)066)
278. सिरुनियन, ए. एम., तुमस्यान, ए., एडम, डब्ल्यू., एम्ब्रोगी, एफ., एसिलर, ई., बर्गौएर, टी., ... सीएमएस सहयोग। (2018g)। PbPb में जेट गुण और  $isionssNN = 5.02\text{ TeV}$  पर पीपी टकराव। जर्नल ऑफ़ हाई एनर्जी फिजिक्स, 2018 (5), 6. [https://doi.org/10.1007/JHEP05\(2018\)006](https://doi.org/10.1007/JHEP05(2018)006)
279. सिरुनियन, ए. एम., तुमस्यान, ए., एडम, डब्ल्यू., एम्ब्रोगी, एफ., एसिलर, ई., बर्गौएर, टी., ... सीएमएस सहयोग। (2018h)।  $Atics = 8\text{ TeV}$  में पीपी टकराव में समावेशी Z boson उत्पादन के लिए कीनेमेटिक

- कोणीय चर  $\text{inc}^*$  में अंतर क्रॉस सेक्शन का मापन। जर्नल ऑफ़ हाई एनर्जी फिजिक्स, 2018 (3), 172. [https://doi.org/10.1007/JHEP03\(2018\)172](https://doi.org/10.1007/JHEP03(2018)172)
280. सिरुयन, ए. एम., तुमस्यान, ए., एडम, डब्ल्यू., एम्ब्रोगी, एफ., एसेलर, ई., बर्गौएर, टी., ... सीएमएस सहयोग। (2018i)।  $\sigma = 13 \text{ TeV}$  पर पीपी टकरावों से dilepton चैनल में सामान्यीकृत अंतर  $t t$  sections क्रॉस सेक्शन का मापन। जर्नल ऑफ़ हाई एनर्जी फिजिक्स, 2018 (4), 60. [https://doi.org/10.1007/JHEP04\(2018\)060](https://doi.org/10.1007/JHEP04(2018)060)
281. सिरुयन, ए. एम., तुमस्यान, ए., एडम, डब्ल्यू., एम्ब्रोगी, एफ., एसेलर, ई., बर्गौएर, टी., ... सीएमएस सहयोग। (2018j)।  $\sqrt{s} = 13 \text{ TeV}$  पर प्रोटॉन-प्रोटॉन टकराव में डब्ल्यू या जेड बोसॉन के साथ मिलकर शीर्ष क्वार्क जोड़ी उत्पादन के लिए क्रॉस सेक्शन का मापन। जर्नल ऑफ़ हाई एनर्जी फिजिक्स, 2018 (8), 11. [https://doi.org/10.1007/JHEP08\(2018\)011](https://doi.org/10.1007/JHEP08(2018)011)
282. सिरुयन, ए. एम., तुमस्यान, ए., एडम, डब्ल्यू., एम्ब्रोगी, एफ., असीलर, ई., बर्गौएर, टी., ... सीएमएस सहयोग। (2018k)।  $\sqrt{s} = 5.02 \text{ TeV}$  में पीपी टकरावों में समावेशी  $t t$  section क्रॉस सेक्शन का मापन अंतिम राज्यों का उपयोग करता है जिसमें कम से कम एक चार्ज किया गया लिप्टन होता है। जर्नल ऑफ़ हाई एनर्जी फिजिक्स, 2018 (3), 115. [https://doi.org/10.1007/JHEP03\(2018\)115](https://doi.org/10.1007/JHEP03(2018)115)
283. सिरुनियन, ए. एम., तुमस्यान, ए., एडम, डब्ल्यू., एम्ब्रोगी, एफ., एसिलर, ई., बर्गौएर, टी., ... सीएमएस सहयोग। (2018l)।  $\sqrt{s} = 13 \text{ TeV}$  पर प्रोटॉन-प्रोटॉन टकराव में डब्ल्यू बोसोन के साथ मिलकर एकल शीर्ष क्वार्क के लिए उत्पादन क्रॉस सेक्शन का मापन। जर्नल ऑफ़ हाई एनर्जी फिजिक्स, 2018 (10), 117. [https://doi.org/10.1007/JHEP10\(2018\)117](https://doi.org/10.1007/JHEP10(2018)117)
284. सिरुयन, ए. एम., तुमस्यान, ए., एडम, डब्ल्यू., एम्ब्रोगी, एफ., असीलर, ई., बर्गौएर, टी., ... सीएमएस सहयोग। (2018m)।  $\sqrt{s} = 13 \text{ TeV}$  पर प्रोटॉन-प्रोटॉन टक्करों में समावेशी Z बोसोन उत्पादन में अंतर्निहित घटना गतिविधि का मापन। जर्नल ऑफ़ हाई एनर्जी फिजिक्स, 2018 (7), 32. [https://doi.org/10.1007/JHEP07\(2018\)032](https://doi.org/10.1007/JHEP07(2018)032)
285. सिरुयन, ए. एम., तुमस्यान, ए., एडम, डब्ल्यू., एम्ब्रोगी, एफ., एसिलर, ई., बर्गौएर, टी., ... सीएमएस सहयोग। (2018n)।  $\sqrt{s} = 13 \text{ TeV}$  पर प्रोटॉन-प्रोटॉन टकरावों में गतिज घटना चर के एक समारोह के रूप में शीर्ष क्वार्क जोड़ी उत्पादन के अंतर क्रॉस सेक्शन के मापन। जर्नल ऑफ़ हाई एनर्जी फिजिक्स, 2018 (6), 2. [https://doi.org/10.1007/JHEP06\(2018\)002](https://doi.org/10.1007/JHEP06(2018)002)
286. सिरुयन, ए. एम., तुमस्यान, ए., एडम, डब्ल्यू., एम्ब्रोगी, एफ., एसेलर, ई., बर्गौएर, टी., ... सीएमएस सहयोग। (2018o)।  $\sqrt{s} = 13 \text{ TeV}$  पर प्रोटॉन-प्रोटॉन टक्करों में डिफ्थोन क्षय चैनल में हिग्स बोसोन गुणों की मापन। जर्नल ऑफ़ हाई एनर्जी फिजिक्स, 2018 (11), 185. [https://doi.org/10.1007/JHEP11\(2018\)185](https://doi.org/10.1007/JHEP11(2018)185)



287. सिरुनियन, ए. एम., तुमस्यान, ए., एडम, डब्ल्यू., एम्ब्रोगी, एफ., एसेलर, ई., बर्गौएर, टी., ... सीएमएस सहयोग। (2018p)। सीएमएस- TOTEM परिशुद्धता प्रोटॉन स्पेक्ट्रोमीटर के साथ 13 TeV में पीपी-टकरावों में उच्च-द्रव्यमान लेप्टन जोड़े के प्रोटॉन-टैग किए गए, केंद्रीय (अर्ध) अनन्य उत्पादन का अवलोकन। जर्नल ऑफ़ हाई एनर्जी फिजिक्स, 2018 (7), 153. [https://doi.org/10.1007/JHEP07\(2018\)153](https://doi.org/10.1007/JHEP07(2018)153)
288. सिरुनियन, ए. एम., तुमस्यान, ए., एडम, डब्ल्यू., एम्ब्रोगी, एफ., एसेलर, ई., बर्गौएर, टी., ... सीएमएस सहयोग। (2018q)।  $NsNN = 5.02$  और  $8.16$  TeV में प्रोटॉन-लीड टकरावों में चार्ज किए गए हैड्रोन के छद्म वितरण। जर्नल ऑफ़ हाई एनर्जी फिजिक्स, 2018 (1), 45. [https://doi.org/10.1007/JHEP01\(2018\)045](https://doi.org/10.1007/JHEP01(2018)045)
289. सिरुनियन, ए. एम., तुमस्यान, ए., एडम, डब्ल्यू., एम्ब्रोगी, एफ., असीलर, ई., बर्गौएर, टी., ... सीएमएस सहयोग। (2018r)। Searches = 8 TeV पर प्रोटॉन-प्रोटॉन टकराव में आकर्षण और निचले क्वार्क के क्षय के लिए चार्ज हिग्स बोसोन की खोज करें। जर्नल ऑफ़ हाई एनर्जी फिजिक्स, 2018 (11), 115. [https://doi.org/10.1007/JHEP11\(8/8\)18115](https://doi.org/10.1007/JHEP11(8/8)18115)
290. सिरुनियन, ए. एम., तुमस्यान, ए., एडम, डब्ल्यू., एम्ब्रोगी, एफ., एसेलर, ई., बर्गौएर, टी., ... सीएमएस सहयोग। (2018s)।  $Nv^- q q^-$  अंतिम अवस्था में एक Z बोसॉन और एक वेक्टर बोसोन में क्षय होने वाले भारी अनुनाद के लिए खोजें। जर्नल ऑफ़ हाई एनर्जी फिजिक्स, 2018 (7), 75. [https://doi.org/10.1007/JHEP07\(2018\)075](https://doi.org/10.1007/JHEP07(2018)075)
291. सिरुनियन, ए. एम., तुमस्यान, ए., एडम, डब्ल्यू., एम्ब्रोगी, एफ., असीलर, ई., बर्गौएर, टी., ... सीएमएस सहयोग। (2018t)।  $\sqrt{s} = 13$  TeV पर  $2l2q$  अंतिम अवस्था में Z बोसॉन और Z या W बोसोन में क्षय होने वाले भारी अनुनाद के लिए खोजें। जर्नल ऑफ़ हाई एनर्जी फिजिक्स, 2018 (9), 101. [https://doi.org/10.1007/JHEP09\(2017\)101](https://doi.org/10.1007/JHEP09(2017)101)
292. सिरुनियन, ए. एम., तुमस्यान, ए., एडम, डब्ल्यू., एम्ब्रोगी, एफ., एसिलर, ई., बर्गौएर, टी., ... सीएमएस सहयोग। (2018u)। लेप्टन प्लस मर्ज किए गए जेट अंतिम स्थिति में  $\sqrt{s} = 13$  टीईवी में वेक्टर बोसोन की एक जोड़ी के लिए भारी अनुनाद की खोज करें। जर्नल ऑफ़ हाई एनर्जी फिजिक्स, 2018 (5), 88. [https://doi.org/10.1007/JHEP05\(2018\)088](https://doi.org/10.1007/JHEP05(2018)088)
293. सिरुनियन, ए. एम., तुमस्यान, ए., एडम, डब्ल्यू., एम्ब्रोगी, एफ., असीलर, ई., बर्गौएर, टी., ... सीएमएस सहयोग। (2018v)। दो समान स्वाद वाले लेप्टन और  $\sqrt{s} = 13$  TeV में दो जेट के साथ घटनाओं में एक भारी दाएं हाथ वाले डब्ल्यू बोसोन और एक भारी न्यूट्रिनो की खोज करें। जर्नल ऑफ़ हाई एनर्जी फिजिक्स, 2018 (5), 148. [https://doi.org/10.1007/JHEP05\(2018\)148](https://doi.org/10.1007/JHEP05(2018)148)
294. सिरुनियन, ए. एम., तुमस्यान, ए., एडम, डब्ल्यू., एम्ब्रोगी, एफ., एसिलर, ई., बर्गौएर, टी., ... सीएमएस सहयोग। (2018w)।  $\sqrt{s} = 13$  TeV पर प्रोटॉन-प्रोटॉन टकरावों में Z बोसोन की एक जोड़ी के लिए एक नया



- स्केलर प्रतिध्वनि की खोज। जर्नल ऑफ़ हाई एनर्जी फिजिक्स, 2018 (6), 127. [https://doi.org/10.1007/JHEP06\(2018\)127](https://doi.org/10.1007/JHEP06(2018)127)
295. सिरुयन, ए. एम., तुमस्यान, ए., एडम, डब्ल्यू., एम्ब्रोगी, एफ., एसेलर, ई., बर्गौएर, टी., ... सीएमएस सहयोग। (2018x)।  $\sqrt{s} = 13$  TeV पर प्रोटॉन-प्रोटॉन टकरावों में एक  $\tau$  लेप्टान और एक निचले क्वार्क के क्षय के लिए एक अकेले उत्पादित तीसरी पीढ़ी के स्केलर लेप्टोक्वार्क की खोज करें। जर्नल ऑफ़ हाई एनर्जी फिजिक्स, 2018 (7), 115. [https://doi.org/10.1007/JHEP07\(2017\)115](https://doi.org/10.1007/JHEP07(2017)115)
296. सिरुनियन, ए. एम., तुमस्यान, ए., एडम, डब्ल्यू., एम्ब्रोगी, एफ., एसेलर, ई., बर्गौएर, टी., ... सीएमएस सहयोग। (2018y)।  $\sqrt{s} = 13$  TeV में प्रोटॉन-प्रोटॉन टकरावों में  $\text{prot prot}$  अंतिम स्थिति में अतिरिक्त तटस्थ MSSM हिग्स बोसॉन की खोज करें। जर्नल ऑफ़ हाई एनर्जी फिजिक्स, 2018 (9), 7. [https://doi.org/10.1007/JHEP09\(2018\)007](https://doi.org/10.1007/JHEP09(2018)007)
297. सिरुयन, ए. एम. सीएमएस सहयोग। (2018z)। मानक मॉडल से परे के लिए खोजें  $\sqrt{s} = 13$  TeV पर पीपी टकरावों में एक बी बी  $p$  जोड़ी में क्षय होने वाले हिग्स बोसोन। जर्नल ऑफ़ हाई एनर्जी फिजिक्स, 2018 (8), 113. [https://doi.org/10.1007/JHEP08\(2018\)113](https://doi.org/10.1007/JHEP08(2018)113)
298. सिरुयन, ए. एम., तुमस्यान, ए., एडम, डब्ल्यू., एम्ब्रोगी, एफ., एसेलर, ई., बर्गौएर, टी., ... सीएमएस सहयोग। (2018aa)।  $\sqrt{s} = 13$  TeV पर  $-\text{gs}$  या  $\tau + \sqrt{\phantom{x}}$  के लिए क्षय होने वाले हिग्स बोसोन के सहयोग से उत्पन्न डार्क मैटर की खोज करें। जर्नल ऑफ़ हाई एनर्जी फिजिक्स, 2018 (9), 46. [https://doi.org/10.1007/JHEP09\(2018\)046](https://doi.org/10.1007/JHEP09(2018)046)
299. सिरुयन, ए. एम., तुमस्यान, ए., एडम, डब्ल्यू., एम्ब्रोगी, एफ., असीलर, ई., बर्गौएर, टी., ... सीएमएस सहयोग। (2018ab)।  $\sqrt{s} = 13$  TeV पर प्रोटॉन-प्रोटॉन टकरावों में उत्पादित बंद विदेशी लंबे समय तक रहने वाले कणों की गिरावट के लिए खोजें। जर्नल ऑफ़ हाई एनर्जी फिजिक्स, 2018 (5), 127. [https://doi.org/10.1007/JHEP05\(2018\)127](https://doi.org/10.1007/JHEP05(2018)127)
300. सिरुनियन, ए. एम., तुमस्यान, ए., एडम, डब्ल्यू., एम्ब्रोगी, एफ., एसेलर, ई., बर्गौएर, टी., ... सीएमएस सहयोग। (2018ac)।  $\sqrt{s} = 13$  TeV पर प्रोटॉन-प्रोटॉन टकरावों में नए लंबे समय तक रहने वाले कणों के हस्ताक्षर के रूप में पटरियों को गायब करने के लिए खोजें। जर्नल ऑफ़ हाई एनर्जी फिजिक्स, 2018 (8), 16. [https://doi.org/10.1007/JHEP08\(2017\)016016](https://doi.org/10.1007/JHEP08(2017)016016)
301. सिरुयन, ए. एम., तुमस्यान, ए., एडम, डब्ल्यू., एम्ब्रोगी, एफ., एसेलर, ई., बर्गौएर, टी., ... सीएमएस सहयोग। (2018ad)।  $\sqrt{s} = 13$  TeV पर प्रोटॉन-प्रोटॉन टकरावों में बहुस्तरीय अंतिम राज्यों में चार्जिनोस और न्यूट्रिनो के इलेक्ट्रोकेक उत्पादन की खोज करें। जर्नल ऑफ़ हाई एनर्जी फिजिक्स, 2018 (3), 166. [https://doi.org/10.1007/JHEP03\(2018\)166](https://doi.org/10.1007/JHEP03(2018)166)
302. सिरुयन, ए. एम., तुमस्यान, ए., एडम, डब्ल्यू., एम्ब्रोगी, एफ., असीलर, ई., बर्गौएर, टी., ... सीएमएस सहयोग। (2018ae)। सदिश बोसॉन और एक हिग्स बोसोन में क्षय होने वाले लेप्टोन, न्यूट्रिनोस और बी

- क्वार्क्स के साथ  $\sqrt{s} = 13 \text{ TeV}$  में भारी गूंज के लिए खोजें। जर्नल ऑफ़ हाई एनर्जी फिजिक्स, 2018 (11), 172. [https://doi.org/10.1007/JHEP11\(2018\)172](https://doi.org/10.1007/JHEP11(2018)172)
303. सिरुयन, ए. एम., तुमस्यान, ए., एडम, डब्ल्यू., एम्ब्रोगी, एफ., एसिलर, ई., बर्गौएर, टी., ... सीएमएस सहयोग। (2018af)।  $\sqrt{s} = 13 \text{ TeV}$  पर एक लेप्टान और लापता अनुप्रस्थ गति के साथ अंतिम राज्यों में उच्च द्रव्यमान अनुनाद के लिए खोजें। जर्नल ऑफ़ हाई एनर्जी फिजिक्स, 2018 (6), 128. [https://doi.org/10.1007/JHEP06\(2017\)128](https://doi.org/10.1007/JHEP06(2017)128)
304. सिरुयन, ए. एम., तुमस्यान, ए., एडम, डब्ल्यू., एम्ब्रोगी, एफ., एसिलर, ई., बर्गौएर, टी., ... सीएमएस सहयोग। (2018ag)।  $\sqrt{s} = 13 \text{ TeV}$  पर प्रोटॉन-प्रोटॉन टकरावों में  $\mu\tau$  और  $e\tau$  के लिए हिग्स बोसॉन के लिप्टन स्वाद के उल्लंघन वाले लिप्टन स्वाद की खोज करें। जर्नल ऑफ़ हाई एनर्जी फिजिक्स, 2018 (6), 1. [https://doi.org/10.1007/JHEP06\(2018\)001](https://doi.org/10.1007/JHEP06(2018)001)
305. सिरुयन, ए. एम., तुमस्यान, ए., एडम, डब्ल्यू., एम्ब्रोगी, एफ., एसिलर, ई., बर्गौएर, टी., ... सीएमएस सहयोग। (2018ah)। लेप्टान-स्वाद के लिए खोजें, भारी मात्रा में गूंज और क्वांटम ब्लैक होल की किरणों से प्रोटॉन-प्रोटॉन टकरावों में  $e\mu$  अंतिम राज्यों में  $\sqrt{s} = 13 \text{ TeV}$ । जर्नल ऑफ़ हाई एनर्जी फिजिक्स, 2018 (4), 73. [https://doi.org/10.1007/JHEP04\(2018\)073](https://doi.org/10.1007/JHEP04(2018)073)
306. सिरुयन, ए. एम., तुमस्यान, ए., एडम, डब्ल्यू., एम्ब्रोगी, एफ., एसिलर, ई., बर्गौएर, टी., ... सीएमएस सहयोग। (2018ai)।  $\sqrt{s} = 13 \text{ TeV}$  पर प्रोटॉन-प्रोटॉन टकरावों में क्वार्क-एंटीक्वार्क जोड़े में क्षय करने वाले कम द्रव्यमान वाले वेक्टर अनुनादों की खोज करें। जर्नल ऑफ़ हाई एनर्जी फिजिक्स, 2018 (1), 97. [https://doi.org/10.1007/JHEP01\(2018\)097](https://doi.org/10.1007/JHEP01(2018)097)
307. सिरुनियन, ए. एम., तुमस्यान, ए., एडम, डब्ल्यू., एम्ब्रोगी, एफ., एसिलर, ई., बर्गौएर, टी., ...।, तुमस्यान, ए., एडम, डब्ल्यू., एम्ब्रो सीएमएस सहयोग। (2018aj)।  $\sqrt{s} = 13 \text{ TeV}$  पर प्रोटॉन-प्रोटॉन टकरावों में संकीर्ण और व्यापक द्विज अनुनाद के लिए खोजें और अंधेरे पदार्थ मध्यस्थों और अन्य नए कणों पर बाधाएं। जर्नल ऑफ़ हाई एनर्जी फिजिक्स, 2018 (8), 130. [https://doi.org/10.1007/JHEP08\(2018\)130](https://doi.org/10.1007/JHEP08(2018)130)
308. सिरुयन, ए. एम., तुमस्यान, ए., एडम, डब्ल्यू., एम्ब्रोगी, एफ., एसिलर, ई., बर्गौएर, टी., ... सीएमएस सहयोग। (2018ak)। जेट्स और लापता अनुप्रस्थ गति के साथ अंतिम राज्यों में  $\sqrt{s} = 13 \text{ TeV}$  में प्रोटॉन-प्रोटॉन टकराव में प्राकृतिक और विभाजित सुपरसिमेट्री के लिए खोजें। जर्नल ऑफ़ हाई एनर्जी फिजिक्स, 2018 (5), 25. [https://doi.org/10.1007/JHEP05\(2018\)025](https://doi.org/10.1007/JHEP05(2018)025)
309. सिरुयन, ए. एम., तुमस्यान, ए., एडम, डब्ल्यू., एम्ब्रोगी, एफ., एसिलर, ई., बर्गौएर, टी., ... सीएमएस सहयोग। (2018al)।  $\sqrt{s} = 13 \text{ TeV}$  पर पीपी टकरावों में दो विपरीत-आवेश, समान-स्वाद वाले लेप्टन, जेट और लापता अनुप्रस्थ गति के साथ अंतिम स्थिति में नई घटनाओं की खोज करें। जर्नल ऑफ़ हाई एनर्जी फिजिक्स, 2018 (3), 76. [https://doi.org/10.1007/JHEP03\(2018\)076](https://doi.org/10.1007/JHEP03(2018)076)

310. सिरुयन, ए. एम., तुमस्यान, ए., एडम, डब्ल्यू., एम्ब्रोगी, एफ., असीलर, ई., बर्गौएर, टी., ... सीएमएस सहयोग। (2018am)।  $Ats = 8$  और  $13$  TeV पर प्रोटॉन-प्रोटॉन टकराव में बी क्वार्क जेट के साथ मिलकर निर्मित मुऑन जोड़े के बड़े स्पेक्ट्रम में गूँज के लिए खोजें। जर्नल ऑफ़ हाई एनर्जी फिजिक्स, 2018 (11), 161. [https://doi.org/10.1007/JHEP11\(2018\)161](https://doi.org/10.1007/JHEP11(2018)161)
311. सिरुनियन, ए. एम., तुमस्यान, ए., एडम, डब्ल्यू., एम्ब्रोगी, एफ., एसिलर, ई., बर्गौएर, टी., ... सीएमएस सहयोग। (2018an)।  $Searchs = 13$  TeV पर प्रोटॉन-प्रोटॉन टकरावों में बी b inalfinal राज्य में गुंजयमान और गैर-स्थिर हिग्स बोसोन जोड़ी उत्पादन की खोज करें। जर्नल ऑफ़ हाई एनर्जी फिजिक्स, 2018 (1), 54. [https://doi.org/10.1007/JHEP01\(2018\)054](https://doi.org/10.1007/JHEP01(2018)054)
312. सिरुनियन, ए. एम., तुमस्यान, ए., एडम, डब्ल्यू., एम्ब्रोगी, एफ., एसिलर, ई., बर्गौएर, टी., ... सीएमएस सहयोग। (2018ao)।  $13$  TeV पर प्रोटॉन-प्रोटॉन टकरावों में नीचे क्वार्क-एंटीक्वार्क जोड़े के क्षय होने वाले हिग्स बोसोन के प्रतिध्वनि जोड़ी उत्पादन के लिए खोजें। जर्नल ऑफ़ हाई एनर्जी फिजिक्स, 2018 (8), 152. [https://doi.org/10.1007/JHEP08\(2018\)152](https://doi.org/10.1007/JHEP08(2018)152)
313. सिरुयन, ए. एम., तुमस्यान, ए., एडम, डब्ल्यू., एम्ब्रोगी, एफ., असीलर, ई., बर्गौएर, टी., ... सीएमएस सहयोग। (2018ap)। एक बी क्वार्क और एक हिग्स बोसोन के लिए सदिश की तरह क्वार्क के एकल उत्पादन के लिए खोजें। जर्नल ऑफ़ हाई एनर्जी फिजिक्स, 2018 (6), 31. [https://doi.org/10.1007/JHEP06\(2018\)031](https://doi.org/10.1007/JHEP06(2018)031)
314. सिरुयन, ए. एम., तुमस्यान, ए., एडम, डब्ल्यू., एम्ब्रोगी, एफ., असीलर, ई., बर्गौएर, टी., ... सीएमएस सहयोग। (2018aq)। Pairs =  $13$  TeV पर प्रोटॉन-प्रोटॉन टकरावों में pair लेप्टन जोड़ी और लापता अनुप्रस्थ गति के साथ घटनाओं में सुपरसिमेट्री के लिए खोजें। जर्नल ऑफ़ हाई एनर्जी फिजिक्स, 2018 (11), 151। [https://doi.org/10.1007/JHEP11\(2018\)151](https://doi.org/10.1007/JHEP11(2018)151)
315. सिरुनियन, ए. एम., तुमस्यान, ए., एडम, डब्ल्यू., एम्ब्रोगी, एफ., एसेलर, ई., बर्गौएर, टी., ... सीएमएस सहयोग। (2018ar)।  $13s = 13$  TeV पर प्रोटॉन-प्रोटॉन टकरावों में कम से कम तीन इलेक्ट्रॉनों या म्यून्स, जेट्स और लापता अनुप्रस्थ गति के साथ घटनाओं में सुपरसिमेट्री की खोज करें। जर्नल ऑफ़ हाई एनर्जी फिजिक्स, 2018 (2), 67. [https://doi.org/10.1007/JHEP02\(2018\)067](https://doi.org/10.1007/JHEP02(2018)067)
316. सिरुयन, ए. एम., तुमस्यान, ए., एडम, डब्ल्यू., एम्ब्रोगी, एफ., असीलर, ई., बर्गौएर, टी., ... सीएमएस सहयोग। (2018as)। में हिग्स बोसोन के क्षय की खोज करें गी, एफ., असीलर, ई., बर्गौएर, टी., ...  $13s = 13$  TeV में प्रोटॉन-प्रोटॉन टक्कर में on चैनल। जर्नल ऑफ़ हाई एनर्जी फिजिक्स, 2018 (11), 152. [https://doi.org/10.1007/JHEP11\(2018\)152](https://doi.org/10.1007/JHEP11(2018)152)
317. सिरुनियन, ए. एम., तुमस्यान, ए., एडम, डब्ल्यू., एम्ब्रोगी, एफ., एसिलर, ई., बर्गौएर, टी., ... सीएमएस सहयोग। (2018at)।  $s = 13$  TeV पर प्रोटॉन-प्रोटॉन टकरावों में एकल-लिप्टन अंतिम राज्यों

- में चार-शरीर या चार्जिनो-मध्यस्थता मोड के माध्यम से क्षय करने वाले शीर्ष स्क्वाक्स के लिए खोजें। जर्नल ऑफ़ हाई एनर्जी फिजिक्स, 2018 (9), 65. [https://doi.org/10.1007/JHEP09\(2018\)065](https://doi.org/10.1007/JHEP09(2018)065)
318. सिरुनियन, ए. एम., तुमस्यान, ए., एडम, डब्ल्यू., एम्ब्रोगी, एफ., एसेलर, ई., बर्गौएर, टी., ... सीएमएस सहयोग। (2018au)।  $Les = 13$  TeV पर लेप्टन के साथ अंतिम राज्यों में वेक्टर जैसी टी और बी क्वार्क जोड़े की खोज करें। जर्नल ऑफ़ हाई एनर्जी फिजिक्स, 2018 (8), 177. [https://doi.org/10.1007/JHEP08\(2018\)177](https://doi.org/10.1007/JHEP08(2018)177)
319. सिरुनियन, ए. एम., तुमस्यान, ए., एडम, डब्ल्यू., एम्ब्रोगी, एफ., असीलर, ई., बर्गौएर, टी., ... सीएमएस सहयोग। (2018av)। 13 TeV पर प्रोटॉन-प्रोटॉन टकराव में  $2l2\nu$  अंतिम स्थिति में ZZ प्रतिध्वनि के लिए खोजें। जर्नल ऑफ़ हाई एनर्जी फिजिक्स, 2018 (3), 3. [https://doi.org/10.1007/JHEP03\(2018\)003](https://doi.org/10.1007/JHEP03(2018)003)
320. सिरुनियन, ए. एम., तुमस्यान, ए., एडम, डब्ल्यू., एम्ब्रोगी, एफ., एसेलर, ई., बर्गौएर, टी., ... सीएमएस सहयोग। (2018aw)।  $Vs = 13$  TeV पर प्रोटॉन-प्रोटॉन टकरावों में लेप्टोनिक और हैड्रोनिक अंतिम अवस्थाओं का उपयोग करते हुए Z had प्रतिध्वनि के लिए खोजें। जर्नल ऑफ़ हाई एनर्जी फिजिक्स, 2018 (9), 148. [https://doi.org/10.1007/JHEP09\(2018\)148](https://doi.org/10.1007/JHEP09(2018)148)
321. सिरुनियन, ए. एम., तुमस्यान, ए., एडम, डब्ल्यू., एम्ब्रोगी, एफ., एसेलर, ई., बर्गौएर, टी., ... सीएमएस सहयोग। (2019)।  $T = 13$  TeV पर प्रोटॉन-प्रोटॉन टकराव में दो  $\tau$  लेप्टोन और दो जेट के हैड्रोनिक राज्यों में भारी न्यूट्रिनो और तीसरी पीढ़ी के लेप्टोक्वार्क की खोज करें। जर्नल ऑफ़ हाई एनर्जी फिजिक्स, 2019 (3), 170. [https://doi.org/10.1007/JHEP03\(2019\)170](https://doi.org/10.1007/JHEP03(2019)170)
322. सिरुनियन, ए. एम., तुमस्यान, ए., एडम, डब्ल्यू., एम्ब्रोगी, एफ., एसिलर, ई., बर्गौएर, टी., ..., सी। सहयोग। (2018k)। PbPb में तैयार जेट द्रव्यमान का मापन और  $gsNN = 5.02$  TeV पर पीपी टकराव। जर्नल ऑफ़ हाई एनर्जी फिजिक्स, 2018 (10)। [https://doi.org/10.1007/JHEP10\(2018\)161](https://doi.org/10.1007/JHEP10(2018)161)
323. सिरुनियन, ए. एम., तुमस्यान, ए., एडम, डब्ल्यू., एम्ब्रोगी, एफ., एसेलर, ई., बर्गौएर, टी., ..., सी। सहयोग। (2018l)।  $Ons = 13$  TeV पर इनलेस्टिक प्रोटॉन-प्रोटॉन क्रॉस सेक्शन का मापन। जर्नल ऑफ़ हाई एनर्जी फिजिक्स, 2018 (7)। [https://doi.org/10.1007/JHEP07\(2018\)161](https://doi.org/10.1007/JHEP07(2018)161)
324. सिरुनियन, ए. एम., तुमस्यान, ए., एडम, डब्ल्यू., एम्ब्रोगी, एफ., एसिलर, ई., बर्गौएर, टी., ..., सी। सहयोग। (2018m)।  $Ats = 13$  TeV पर प्रोटॉन-प्रोटॉन टकराव से द्विज घटनाओं में जेट द्रव्यमान के एक समारोह के रूप में अंतर जेट क्रॉस सेक्शन की माप। जर्नल ऑफ़ हाई एनर्जी फिजिक्स, 2018 (11)। [https://doi.org/10.1007/JHEP11\(2018\)113](https://doi.org/10.1007/JHEP11(2018)113)
325. सिरुनियन, ए. एम., तुमस्यान, ए., एडम, डब्ल्यू., एम्ब्रोगी, एफ., एसेलर, ई., बर्गौएर, टी., ..., सी। सहयोग। (2018n)।  $Multiples = 13$  VV पर प्रोटॉन-प्रोटॉन टकरावों में उच्च-बहुलता वाले अंतिम राज्यों में

- ब्लैक होल और स्फालरों की खोज करें। जर्नल ऑफ हाई एनर्जी फिजिक्स, 2018 (11)।  
[https://doi.org/10.1007/JHEP11\(2018\)042](https://doi.org/10.1007/JHEP11(2018)042)
326. सिरुयन, ए. एम., तुमस्यान, ए., एडम, डब्ल्यू., एम्ब्रोगी, एफ., एसेलर, ई., बर्गौएर, टी.,...।, सी. सहयोग। (2018o)। ऊर्जावान के साथ घटनाओं में डार्क मैटर की खोज करें, शीर्ष क्वार्क की क्षणिक रूप से क्षय होना और  $V_s = 13 \text{ TeV}$  पर अनुप्रस्थ गति का गुम होना। जर्नल ऑफ हाई एनर्जी फिजिक्स, 2018 (6)।  
[https://doi.org/10.1007/JHEP06\(2018\)027](https://doi.org/10.1007/JHEP06(2018)027)
327. सिरुयन, ए. एम., तुमस्यान, ए., एडम, डब्ल्यू., एम्ब्रोगी, एफ., एसेलर, ई., बर्गौएर, टी., ..., सी. सहयोग। (2018p)। अंतिम राज्यों में चारजीन और शीर्ष स्क्वार्को के जोड़े के उत्पादन के लिए खोजें  $s = 13 \text{ TeV}$  में प्रोटॉन-प्रोटॉन टकरावों में दो विपरीत चार्ज किए गए लेप्टन के साथ। जर्नल ऑफ हाई एनर्जी फिजिक्स, 2018 (11)। [https://doi.org/10.1007/JHEP11\(2018\)079](https://doi.org/10.1007/JHEP11(2018)079)
328. सिरुनियन, ए. एम., तुमस्यान, ए., एडम, डब्ल्यू., एम्ब्रोगी, एफ., एसेलर, ई., बर्गौएर, टी., ... वुड्स, एन. (2018q)। हिग्स बोसोन क्षय के लिए एक निचले क्वार्क-एंटीक्वार्क जोड़ी के लिए साक्ष्य। भौतिकी पत्र बी, 780, 501-532। <https://doi.org/10.1016/j.physletb.2018.02.050>
329. सिरुयन, ए. एम., तुमस्यान, ए., एडम, डब्ल्यू., एम्ब्रोगी, एफ., एसिलर, ई., बर्गौएर, टी., ... वुड्स, एन. (2018r)। क्षय  $B_0 \rightarrow K\mu_0\mu + \mu \text{ prot}$  से प्रोटॉन-प्रोटॉन टक्करों में  $s = 8 \text{ TeV}$  पर कोणीय मापदंडों का मापन। भौतिकी पत्र बी, 781, 517-541। <https://doi.org/10.1016/j.physletb.2018.04.030>
330. सिरुनियन, ए. एम., तुमस्यान, ए., एडम, डब्ल्यू., एम्ब्रोगी, एफ., एसेलर, ई., बर्गौएर, टी., ... वुड्स, एन. (2018)।  $13 \text{ eV}$  पर पीपी टकराव में क्वार्कोनियम उत्पादन क्रॉस सेक्शन का मापन। भौतिकी पत्र B, 780, 251-272। <https://doi.org/10.1016/j.physletb.2018.02.033>
331. सिरुनियन, ए. एम., तुमस्यान, ए., एडम, डब्ल्यू., एम्ब्रोगी, एफ., एसेलर, ई., बर्गौएर, टी., ... वुड्स, एन. (2018t)।  $\text{SNN} = 5.02 \text{ TeV}$  पर PbPb टकराव में D0 मेसन्स का परमाणु संशोधन कारक। भौतिकी पत्र B, 782, 474-496। <https://doi.org/10.1016/j.physletb.2018.05.074>
332. सिरुनियन, ए. एम., तुमस्यान, ए., एडम, डब्ल्यू., एम्ब्रोगी, एफ., एसिलर, ई., बर्गौएर, टी., ... वुड्स, एन. (2018u)। सीएमएस म्यूऑन डिटेक्टर और म्यूऑन पुनर्निर्माण का प्रदर्शन प्रोटॉन-प्रोटॉन टक्करों के साथ  $s = 13 \text{ TeV}$  पर। इंस्ट्रुमेंटेशन जर्नल, 13 (6)। <https://doi.org/10.1088/1748-0221/13/06/P06015>
333. सिरुयन, ए. एम., तुमस्यान, ए., एडम, डब्ल्यू., एम्ब्रोगी, एफ., एसेलर, ई., बर्गौएर, टी., ... वुड्स, एन. (2018v)। प्रोटॉन-प्रोटोन टक्करों में  $s = 13 \text{ TeV}$  में चार बी क्वार्क अंतिम अवस्था में हिग्स बोसोन की एक जोड़ी के लिए एक विशाल अनुनाद की खोज। भौतिकी पत्र बी, 781, 244269।  
<https://doi.org/10.1016/j.physletb.2018.03.084>
334. सिरुयन, ए. एम., तुमस्यान, ए., एडम, डब्ल्यू., एम्ब्रोगी, एफ., एसेलर, ई., बर्गौएर, टी., ... वुड्स, एन. (2018w)। अंतिम अवस्था में हिग्स बोसोन के जोड़े के दो बी क्वार्क और प्रोटॉन-प्रोटोन टकरावों में दो state

- लेप्टन के साथ Higgs boson के एक विदेशी क्षय के लिए खोजें। भौतिकी पत्र B, 785, 462–488।  
<https://doi.org/10.1016/j.physletb.2018.08.057>
335. सिरुन, ए. एम., तुमस्यान, ए., एडम, डब्ल्यू., एम्ब्रोगी, एफ., एसेलर, ई., बर्गौएर, टी., ... वुड्स, एन. (2018x)। प्रोटॉन-प्रोटॉन टक्करों में V + जेट अंतिम राज्यों में प्रकाश और भारी स्वाद के उत्तेजित क्वार्कों के लिए खोजें = 13TeV। भौतिकी अक्षर B, 781, 390411।  
<https://doi.org/10.1016/j.physletb.2018.04.007>
336. सिरुनियन, ए. एम., तुमस्यान, ए., एडम, डब्ल्यू., एम्ब्रोगी, एफ., एसेलर, ई., बर्गौएर, टी., ... वुड्स, एन. (2018y)। 13s = 13TeV पर पीपी टकरावों में कम से कम एक फोटॉन और लापता अनुप्रस्थ गति के साथ घटनाओं में गेज-मध्यस्थता वाले सुपरसिमेट्री की खोज करें। भौतिकी पत्र बी, 780, 118-143।  
<https://doi.org/10.1016/j.physletb.2018.02.045>
337. सिरुन, ए. एम., तुमस्यान, ए., एडम, डब्ल्यू., एम्ब्रोगी, एफ., एसेलर, ई., बर्गौएर, टी., ... वुड्स, एन. (2018z)। 13 TeV पर प्रोटॉन-प्रोटॉन टकरावों में लेप्टान + जेट्स अंतिम स्थिति में एक शीर्ष क्वार्क और एबी, 777, 39-63। <https://doi.org/10.1016/j.physletb.2017.12.006>
338. सिरुन, ए. एम., तुमस्यान, ए., एडम, डब्ल्यू., एम्ब्रोगी, एफ., एसेलर, ई., बर्गौएर, टी., ... वुड्स, एन. (2018aa)। नए लंबे समय तक जीवित कणों की खोज करें = 13 टीईवी। भौतिकी अक्षर B, 780, 432–454। <https://doi.org/10.1016/j.physletb.2018.03.019>
339. सिरुन, ए. एम., तुमस्यान, ए., एडम, डब्ल्यू., एम्ब्रोगी, एफ., एसेलर, ई., बर्गौएर, टी., ... वुड्स, एन. (2018ab)। दो नरम विरोध वाले चार्ज किए गए लेप्टन के साथ घटनाओं में नई भौतिकी की खोज करें और s = 13TeV पर प्रोटॉन-प्रोटॉन टकराव में लापता अनुप्रस्थ गति। भौतिकी पत्र बी, 782, 440-467।  
<https://doi.org/10.1016/j.physletb.2018.05.062>
340. सिरुनियन, ए. एम., तुमस्यान, ए., एडम, डब्ल्यू., एम्ब्रोगी, एफ., एसेलर, ई., बर्गौएर, टी., ... वुड्स, एन. (2018ac)। लेप्टान + जेट्स अंतिम स्थिति में उत्साहित शीर्ष क्वार्क की जोड़ी के उत्पादन के लिए खोजें। भौतिकी पत्र B, 778, 349–370। <https://doi.org/10.1016/j.physletb.2018.01.049>
341. सिरुनियन, ए. एम., तुमस्यान, ए., एडम, डब्ल्यू., एम्ब्रोगी, एफ., एसेलर, ई., बर्गौएर, टी., ... वुड्स, एन. (2018एड)। R = समता के लिए खोजें s = 13TeV में pp टकरावों में सुपरसिमेट्री का उल्लंघन करते हुए, एक एकल लीटन, कई जेट्स, और बड़े-रेडियस जेट द्रव्यमानों के उच्च योग के साथ अंतिम स्थिति में b जेट्स का उपयोग करते हुए। भौतिकी पत्र B, 783, 114–139।  
<https://doi.org/10.1016/j.physletb.2018.06.028>
342. सिरुनियन, ए. एम., तुमस्यान, ए., एडम, डब्ल्यू., एम्ब्रोगी, एफ., एसेलर, ई., बर्गौएर, टी., ... वुड्स, एन. (2018ae)। एक सदिश की तरह के टी क्वार्क के एकल उत्पादन के लिए खोजें, जो कि एक बोसॉन पर



- क्षय हो रहा है और  $s = 13\text{TeV}$  पर प्रोटॉन-प्रोटॉन टकरावों में एक शीर्ष क्वार्क है। भौतिकी पत्र B, 781, 574-600। <https://doi.org/10.1016/j.physletb.2018.04.036>
343. सिरुन, ए. एम., तुमस्यान, ए., एडम, डब्ल्यू., एम्ब्रोगी, एफ., एसेलर, ई., बर्गीएर, टी., ... वुड्स, एन. (2018af)। एक लेप्टान और कई जेट्स के साथ घटनाओं में सुपरसिमेट्री की खोज करें, जो कि लीटन के बीच कोणीय सहसंबंध का दोहन करता है और प्रोटॉन-प्रोटॉन टकरावों में लापता =  $13\text{TeV}$  पर गति को पार करता है। भौतिकी अक्षर B, 780, 384–409। <https://doi.org/10.1016/j.physletb.2018.03.028>
344. सिरुनियन, ए. एम., तुमस्यान, ए., एडम, डब्ल्यू., एम्ब्रोगी, एफ., एसेलर, ई., बर्गीएर, टी., ... वुड्स, एन. (2018ag)। PNPb में पृथक-फोटॉन + जेट सहसंबंधों के साथ जेट शमन का अध्ययन और  $s_{\text{NN}} = 5.02 \text{ TeV}$  पर पीपी टकराव। भौतिकी पत्र B, 785, 14-39। <https://doi.org/10.1016/j.physletb.2018.07.061>
345. सिरुन, ए. एम., तुमस्यान, ए., एडम, डब्ल्यू., एसेलर, ई., बर्गीएर, टी., ब्रैंड्सटेटर, जे.,... सीएमएस सहयोग। (2018)। Pairss =  $8 \text{ TeV}$  पर शीर्ष क्वार्क जोड़े और पीपी टकराव में फोटॉनों के साथ घटनाओं में प्राकृतिक सुपरमाइमेट्री के लिए खोजें। जर्नल ऑफ़ हाई एनर्जी फिजिक्स, 2018 (3), 167. [https://doi.org/10.1007/JHEP03\(2018\)167](https://doi.org/10.1007/JHEP03(2018)167)
346. सिरुन, ए. एम., तुमस्यान, ए., एडम, डब्ल्यू., एसेलर, ई., बर्गीएर, टी., ब्रैंड्सटेटर, जे., ... वुड्स, एन. (2018)।  $s_{\text{NN}} = 5.02 \text{ TeV}$  में PbPb टक्करों में  $100 \text{ GeV} / c$  तक अनुप्रस्थ गति वाले आवेशित कणों की Azimuthal anisotropy। भौतिकी पत्र बी, 776, 195216। <https://doi.org/10.1016/j.physletb.2017.11.041>
347. सिरुन, ए. एम., तुमस्यान, ए., एडम, डब्ल्यू., एसेलर, ई., बर्गीएर, टी., ब्रैंड्सटेटर, जे., ... वुड्स, एन. (2018)। बी जेट्स और इनक्लूसिव जेट्स के साथ  $t\bar{t}$  क्रॉस सेक्शन के माप और  $s = 13\text{TeV}$  पर pp collisions में dilepton के अंतिम राज्यों का उपयोग करते हुए उनका अनुपात। जिस्मानीक निचले क्वार्क के क्षय होने वाले भारी अनुनादों की खोज करें। भौतिकी पत्र B, 776, 355-378। <https://doi.org/10.1016/j.physletb.2017.11.043>
348. शिवकृष्ण, बी., इस्लाम, एस., पंडा, ए., सरन्या, एम., और पाल \*, एम. के. एस. और एस. (2018, 31 जुलाई)। उपन्यास और एंटीकैंसर के गुणों को उपन्यास के टुकड़े टुकड़े में कार्बोकाइक्लिक न्यूक्लियोसाइड एनालॉग्स। औषधीय रसायन विज्ञान वेबसाइट में एंटी-कैंसर एजेंटों से 10 मई, 2019 को लिया गया: <http://www.eurekaselect.com/160659-article>
349. श्रीवास्तव, टी., और झा, आर. (2018)। ब्लैक फॉस्फोरस: भूतल प्लासोन अनुनाद पर आधारित गैसीय सेंसिंग के लिए एक नया प्लेटफॉर्म। आईईईई फोटोनिक्स टेक्नोलॉजी लेटर्स, 30 (4), 319-322। <https://doi.org/10.1109/LPT.2017.2787057>



350. स्वैन, आर., साहू, एस., और राउत, जी. सी. (2018)। फेरोमैग्नेटिकली ऑर्डरड ग्राफीन-ऑन-सबस्ट्रेट में टनल-वाइंडिंग थ्योरेटिकल स्टडी ऑफ़ टनलिंग कंडक्ट। सुपरकंडक्टिविटी और नोवेल मैग्नेटिज्म जर्नल, 31 (8), 2519-2528। <https://doi.org/10.1007/s10948-017-4502-x>
351. टैम्पोनी, यू., गुइडो, ई., मुसा, आर., अडाची, आई., एइहारा, एच., अल सैद, एस., ... जुपैक, ए (2018)। ई + ई- ations (Collaboration एस) के पास विनाश में ations मेसोन के सहयोग से बॉटमोनियम उत्पादन का समावेशी अध्ययन: बेले सहयोग। यूरोपीय भौतिक जर्नल सी, 78 (8), 633. <https://doi.org/10.1140/epjc/s10052-018-6086-4>
352. थालेमीयर, आर., कास्त्रोसा, जी., श्वांडा, सी., ऐहरा, एच., अजीज, टी., बाचर, एस.,... ज़ानी, एल. (2018)। बेले द्वितीय सिलिकॉन वर्टेक्स डिटेक्टर: विधानसभा और प्रारंभिक परिणाम। भौतिकी अनुसंधान खंड ए में परमाणु उपकरण और विधियां: त्वरक, स्पेक्ट्रोमीटर, डिटेक्टर और संबद्ध उपकरण। <https://doi.org/10.1016/j.nima.2018.08.066>
353. बेले सहयोग, बर्जर, एम., श्वांडा, सी., सुजुकी, के., अडाची, आई., आहन, जे के., ... जुपैक, ए. (2018)। बेले में मृतक का मापन  $\rightarrow c \rightarrow \Lambda$ । भौतिक समीक्षा डी, 98 (11), 112006. <https://doi.org/10.1103/PhysRevD.98.112006>
354. बेले सहयोग, गेल्ब, एम., बर्नलोचनर, एफ. यू., गोल्डनज़वेग, पी., मेटज़नर, एफ., अडाची, आई.... झुलानोव, वी. (2018)। बेहतर हैड्रॉनिक टैगिंग के साथ  $B + \rightarrow + v$  improved के दुर्लभ क्षय को खोजें। फिजिकल रिव्यू डी, 98 (11), 112016. <https://doi.org/10.1103/PhysRevD.98.112016>
355. बेले सहयोग, हिरोज, एस., आईजिमा, टी., अडाची, आई., एडम्स्की, के., एइहारा, एच., ... जुपैक, ए (2018)। क्षय में लेप्टन ध्रुवीकरण और आर (डी in) का मापन बेले में एक-प्रॉड हैड्रॉनिक ays के साथ डी  $d^{\bar{c}} - v \pi$ । भौतिक समीक्षा डी, 97 (1), 012004. <https://doi.org/10.1103/PhysRevD.97.01.014>
356. बेले सहयोग, काटो, वाई., आईजिमा, टी., अडाची, आई., एहारा, एच., अल सैद, एस., ... जुपैक, ए (2018)। बेले पर  $B + \rightarrow xc c$  and  $K +$  और  $B + \rightarrow D^{\bar{c}} (\pi) 0^* +$  के पूर्ण शाखाओं वाले अंशों की माप। भौतिक समीक्षा डी, 97 (1), 012005. <https://doi.org/10.1103/PhysRevD.97.01.015>
357. बेले सहयोग, सिबिदानोव, ए., वरवेल, के. ई., अडाची, आई., एइहारा, एच., अल सैद, एस.,... जुपैक, ए. (2018)। बेले प्रयोग में बी-  $\rightarrow \mu - v \mu$  के लिए खोजें। भौतिक समीक्षा पत्र, 121 (3), 031801. <https://doi.org/10.1103/PhysRevLett.121.1181801>
358. बेले सहयोग, येल्टन, जे., अडाची, आई., एहरा, एच., अल सैद, एस., असनर, डी. एम., ... जुपैक, ए (2018)।  $\$ \{ \backslash \text{Mathrm} \{ \backslash \text{ensmath} \{ \backslash \_ \Omega \} \} \} \_ \{ c \} ^ \{ 0 \} \$$  baryon के क्रॉनिक अंशों की शाखाओं में बंटने का मापन। भौतिक समीक्षा डी, 97 (3), 032001. <https://doi.org/10.1103/PhysRevD.97.0.0001>

359. जू, क्यू. एन., अडाची, आई., एहरा, एच., अल सईद, एस., असनर, डी. एम., एटमैकन, एच., ... एलएचसीबी, सी. (2018)। (C (1S), 2c (2S), और नॉनर्सिनेट  $\pi + \text{two-}$  दो-फोटोन टकराव के माध्यम से उत्पादन का मापन। शारीरिक समीक्षा डी, 98 (7)। <https://doi.org/10.1103/PhysRevD.98.072001>

360. यादव, जी. सी., प्रकाश, एस., शर्मा, जी., कुमार, एस., और सिंह, वी. (2018)। एक तरल से भरे ग्लास प्रिज्म-कपल्ड मेटल-क्लेड प्लानर वेवगाइड सेंसर का प्रदर्शन विश्लेषण। एप्लाइड भौतिकी ए: सामग्री विज्ञान और प्रसंस्करण, 124 (12)। <https://doi.org/10.1007/s00339-018-2263-4>

### पृथ्वी, महासागर और जलवायु विज्ञान विद्यापीठ

361. बैश्य, एच., पटनायक, एस., हाजरा, वी., सिसोदिया, ए., और राय, डी. (2018)। प्रकाशक सुधार: भारतीय उपमहाद्वीप पर मॉनसून के अवसादों पर वायुमंडलीय आर्द्रता का रामायण। वैज्ञानिक रिपोर्ट, 8 (1), 12160. <https://doi.org/10.1038/s41598-018-29835-3>

362. बेहरा, एन., सिल, एस., और स्वैन, डी. (2018)। क्लोरोफिल के मौसमी और अंतर-भिन्न भिन्न-अगुलस रिटर्न करंट क्षेत्र में एक सांद्रता: उपग्रह और मॉडल डेटा का उपयोग करते हुए एक अध्ययन। रिमोट सेंसिंग के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल।

363. भट्टला, आर., घोष, एस., मल्ल, आर. के. सिन्हा, पी., और सरकार, ए. (2018)। भारतीय ग्रीष्मकालीन मानसून के अंतर-मौसमी और अंतर-भिन्नता के अनुकरण में क्षेत्रीय जलवायु मॉडल का प्रदर्शन। शुद्ध और अनुप्रयुक्त भूभौतिकी, 175 (10), 3697-3718। <https://doi.org/10.1007/s00024-018-1886-x>

364. चाको, एन., और ज़िमिक, एल (2018)। बंगाल की खाड़ी में चक्रवात ठाणे का प्रभाव दलदली बुआ टिप्पणियों और बहु-मंच उपग्रह डेटा का उपयोग करते हुए। इंडियन सोसाइटी ऑफ रिमोट सेंसिंग, 46 (5), 821-28 का जर्नल। <https://doi.org/10.1007/s12524-017-0748-9>

365. दास, एम., सिंह, आर. के., वत्स, एन., होलबोलन, ए., मिश्रा, एस., फारूक, एस. एच., और पांडे, डी. के. (2018)। पिछले 775kyr पर Uvigerinidae प्रजातियों के वितरण में परिवर्तन: जापान सागर के जीवाश्मिकी विकास के लिए निहितार्थ। पालायोगोग्राफी, पुरापाषाण विज्ञान, पुराणशास्त्र, 507, 201213। <https://doi.org/10.1016/j.palaeo.2018.07.019>

366. डेकले, बी.एस., नागेश्वरराव, एम. एम., नायर, ए., मोहंती, यू. सी., स्वैन, डी.के., सिंह, के. के., और अरुणबाबू, टी. (2018)। खड़गपुर में खरीफ चावल की पैदावार का पूर्वानुमान विस्तारित विस्तृत रेंज वर्षा पूर्वानुमान का उपयोग करते हुए। सैद्धांतिक और अनुप्रयुक्त जलवायु विज्ञान, 133 (3-4), 1075-1091। <https://doi.org/10.1007/s00704-017-2232-4>

367. फारूक, एस. एच., प्रस्टीस, पी., सिंह, आर.के. के, सेन, एस., और चंद्रशेखरम, डी. (2018)। पुरुलिया जिले, पश्चिम बंगाल, भारत के भागों में भूजल और इसके मौसमी परिवर्तनशीलता के फ्लोराइड संदूषण। अरेबियन जर्नल ऑफ जियोसाइंस, 11 (22)। <https://doi.org/10.1007/s12517-018-4062-9>

368. गोगोई, पी. पी., विनोज, वी., स्वैन, डी., रॉबर्ट्स, जी. जे., दाश, जे., और त्रिपाठी, एस. (2018)। भूमि उपयोग के साक्ष्य-भूमि कवर (LULC) ने पूर्वी भारत में सतह के तापमान में परिवर्तन के लिए प्रेरित किया: एक जमीन और उपग्रह परिप्रेक्ष्य। वैज्ञानिक रिपोर्ट।
369. जान, एस., गंगोपाध्याय, ए., लेरमुसियाक्स, पी. एफ. जे., चक्रवर्ती, ए., सिल, एस., और हेली, पी. जे। जूनियर (2018)। विभिन्न हवाओं और नदी की इनपुट स्थितियों के लिए बंगाल की खाड़ी के ऊपरी समुद्र की संवेदनशीलता। जर्नल ऑफ़ मरीन सिस्टम्स, 187, 206–222। <https://doi.org/10.1016/j.jmarsys.2018.08.001>
370. जांगिड, बी., स्वैन, डी., गोयल, आर., घोष, एस. के., और भास्कर, टी. वी. एस. यू. (2018)। उत्तर हिंद महासागर में मॉडल, सैटेलाइट और सीटू ट्रॉपिकल साइक्लोन हीट पोटेंशियल की अंतर-तुलना। प्राकृतिक खतरे।
371. मंडल, एस., सिल, एस., शी, ए., स्वैन, डी., और पांडे, पी. सी (2018)। बंगाल की खाड़ी में SCATSat-1 ग्लिडिड विन्ड विड ब्यूक्स, ASCAT और ECMWF विंड्स का तुलनात्मक विश्लेषण। आईईईईई जर्नल ऑफ़ एप्लाइड अर्थ ऑब्जर्वेशन एंड रिमोट सेंसिंग में चयनित विषय, 11 (3), 845-851। <https://doi.org/10.1109/JSTARS.2018.2798621>
372. मंडल, समीरन, सिल, एस., गंगोपाध्याय, ए., मूर्ति, टी. और स्वैन, डी. (2018)। बंगाल की उत्तर-पश्चिमी खाड़ी में एचएफ राडार डेटा से उच्च-आवृत्ति ज्वारीय परिवर्तनशीलता निकालने पर। ऑपरेशनल ओशनोग्राफी जर्नल, 11 (2), 65-81। <https://doi.org/10.1080/1755876X.2018.1479571>
373. मंडल, समीरन, सिल, एस., शी, ए., और वेंकटेशन, आर. (2018)। चक्रवात ROANU के दौरान बंगाल की खाड़ी में ऊपरी महासागर और सबसर्विस वेरिएबिलिटी: सीटू और सैटेलाइट टिप्पणियों का उपयोग करके एक सिनर्जिस्टिक दृश्य। शुद्ध और अनुप्रयुक्त भूभौतिकी, 175 (12), 4605-4624। <https://doi.org/10.1007/s00024-018-1932-8>
374. मौर्य, आर. के. एस., सिन्हा, पी., महांती, एम. आर., और महांती, यू. सी. (2018)। भारतीय गर्मियों के मानसून के अनुकरण में क्षैतिज संकल्प और डोमेन आकार के लिए RegCM4 मॉडल संवेदनशीलता। वायुमंडलीय अनुसंधान, 210, 15–33। <https://doi.org/10.1016/j.atmosres.2018.04.010>
375. महांती, एम. आर., सिन्हा, पी., मौर्य, आर. के. एस., और महांती, यू. सी. (2018)। भारतीय ग्रीष्मकालीन मानसून वर्षा के बेहतर सिमुलेशन के लिए RegCM4 में नमी प्रवाह समायोजन। जलवायु की गतिशीलता। <https://doi.org/10.1007/s00382-018-4564-x>
376. मुखर्जी, टी., आशुतोष, ए., पांडे, एस. के., यांग, एल., और गोगोई, पी.पी. (2018)। मेगासिटी पर वायु प्रदूषण की बढ़ती क्षमता नई दिल्ली: 2016 के दिवाली एपिसोड पर आधारित एक अध्ययन। एरोसोल और वायु गुणवत्ता अनुसंधान, 18 (9), 2510-2518। <https://doi.org/10.4209/aaqr.2017.11.0440>

377. नागेश्वरराव, एम.एम., डेकले, बी.एस., और महांती, यू. सी. (2018)। उत्तर पश्चिमी भारत में विभिन्न रबी फसलों पर जलवायु परिवर्तनशीलता का प्रभाव। सैद्धांतिक और अनुप्रयुक्त जलवायु विज्ञान, 131 (1), 503-521। <https://doi.org/10.1007/s00704-016-1991-7>
378. नागेश्वरराव, एम. एम., महांती, यू. सी., डिमरी, ए. पी., और ओसुरी, के. के. (2018)। उत्तरपश्चिम भारत में मासिक और मौसमी सर्दियों में होने वाली घटनाओं की संभावना, एंटीकेडेंट-मासिक वर्षा पर आधारित है। सैद्धांतिक और अनुप्रयुक्त जलवायु विज्ञान, 132 (3-4), 1247-1259। <https://doi.org/10.1007/s00704-017-2171-0>
379. नागेश्वरराव, एम. एम., महांती, यू. सी., रामकृष्ण, एस.एस.वी.एस., और डिमरी, ए. पी. (2018)। सर्दियों के दौरान उत्तर पश्चिमी भारत में अवलोकन संबंधी वर्षा के आंकड़ों का एक अंतरसंपर्क होता है। सैद्धांतिक और अनुप्रयुक्त जलवायु विज्ञान, 132 (1), 181207। <https://doi.org/10.1007/s00704-017-2083-z>
380. नायर, ए., सिंह, जी., और महांती, यू. सी. (2018)। मासिक ग्रीष्मकालीन मानस की भविष्यवाणी आर्टिफिशियल न्यूरल नेटवर्क तकनीक के माध्यम से वैश्विक जलवायु मॉडल का उपयोग करते हुए मानसून वर्षा। शुद्ध और अनुप्रयुक्त भूभौतिकी, 175 (1), 403-419। <https://doi.org/10.1007/s00024-017-1652-5>
381. नायक, एच. पी., ओसुरी, के. के. सिन्हा, पी., नादिमपल्ली, आर., महांती, यू. सी., चैन, एफ.,.... नियोगी, डी. (2018)। भारतीय मानसून क्षेत्र के लिए उच्च रिज़ॉल्यूशन वाली गद्देदार मिट्टी की नमी और मिट्टी का तापमान डेटासेट। वैज्ञानिक डेटा, 5. <https://doi.org/10.1038/sdata.2018.264>
382. पट्टनायक, एस., और महांती, यू. सी. (2018)। WRF गैर-हाइड्रोस्टैटिक मेसोस्केल मॉडल के लिए विस्तारित WRF वैरिएबल डेटा आत्मसात प्रणाली (WRFDA) का विकास। जर्नल ऑफ अर्थ सिस्टम साइंस, 127 (4), 48. <https://doi.org/10.1007/s12040-018-0949-9>
383. प्रुस्ती, पी., फारूक, एस. एच., ज़िमिक, एच. वी., और बारिक, एस.एस. (2018)। बंगाल की खाड़ी, भारत से सटे एक तटीय जलभृत में भूजल की गुणवत्ता को नियंत्रित करने वाले कारकों का आकलन। पर्यावरणीय पृथ्वी विज्ञान, 77 (22)। <https://doi.org/10.1007/s12665-018-7943-z>
384. राय, डी., और पट्टनायक, एस (2018)। उष्णकटिबंधीय चक्रवात की तीव्रता और ग्रहों की सीमा परत की संरचना के लिए संवेदनशीलता। वायुमंडलीय विज्ञान के एशिया-पैसिफिक जर्नल, 54 (3), 473-488। <https://doi.org/10.1007/s13143-018-0053-8>
385. रमिज़, एम. एम., मॉडल, एम. ई., और फारूक, एस. एच. (एन. डी.)। बुंदेलखंड क्रेटन, सेंट्रल इंडियन शील्ड के दक्षिणी भाग में मडावरा अल्ट्रा मैफिक कॉम्प्लेक्स के अल्ट्रा मैफिक-माफ्रिक चट्टानों की जियोकेमिस्ट्री: मेंटल स्रोतों और जियोडायनामिक सेटिंग के लिए निहितार्थ। भूवैज्ञानिक जर्नल, 0 (0)। <https://doi.org/10.1002/gj.3290>

386. राणा, एस., रेनविक, जे., मैकग्रेगर, जे., और सिंह, ए. (2017)। मध्य दक्षिण-पश्चिम एशिया में सर्दियों की मौसमी भविष्यवाणी की संभावनाएँ हैं: एक कैनन संबंधी सहसंबंध विश्लेषण दृष्टिकोण। जलवायु का जर्नल, 31 (2), 727–741। <https://doi.org/10.1175/JCLI-D-17-0131.1>
387. रॉस, आर.एस., कृष्णमूर्ति, टी. एन., पट्टनाइक, एस., और पै, डी.एस. (2018)। एक नए उच्च-रिज़ॉल्यूशन डेटा सेट के आधार पर भारत में Decadal सतह का तापमान रुझान। वैज्ञानिक रिपोर्ट, 8 (1), 7452. <https://doi.org/10.1038/s41598-018-25347-2>
388. शास्त्री, आर.जी., चाहर, एस., और सिंह, एम. (2018)। जियोइलेक्ट्रिक इमेजिंग और जियोटेक्निकल साइट जांच परीक्षण के परिणामों के एकाधिक प्रतिगमन विश्लेषण। वर्तमान विज्ञान, 114 (9), 71
389. सेठी, एस.एस., दत्ता, एस. के., जयंत, और कुमार, एम. (2018)। भारतीय विद्युत संयंत्रों के लिए रासायनिक लूफिंग प्रणाली का तकनीकी आर्थिक विश्लेषण। पर्यावरण प्रौद्योगिकी और नवाचार, 9, 16–29। <https://doi.org/10.1016/j.eti.2017.10.004>
390. सिंह, ए., घोष, के। और महांती, यू। सी। (2018)। इंद्रा-सीज़नल रेनफ़ैग बेरीएशन एंड लिंकेज विद खरीफ़ क्रॉप प्रोडक्शन: एन-अटेम्प्ट टू इवैल्यूएटेड प्रीडिबिलिटी ऑफ़ सब-सीज़नल रेनफ़ॉल इवेंट्स। शुद्ध और अनुप्रयुक्त भूभौतिकी, 175 (3), 1169-1186। <https://doi.org/10.1007/s00024-017-1714-8>
391. सिन्हा, पी., नागेश्वरराव, एम। एम., दाश, जी. पी., नायर, ए., और महांती, यू. सी. (2018)। मानसून पूर्व वर्षा और भारत और इसके वैश्विक संपर्क पर सतह के तापमान का रुझान। मौसम विज्ञान और वायुमंडलीय भौतिकी। <https://doi.org/10.1007/s00703-018-0621-6>
392. स्वैन, एम., पट्टनायक, एस., और महांती, यू सी (2018)। गर्मियों के मानसून के मौसम में ओडिशा में भारी वर्षा की घटनाओं के लक्षण। वायुमंडल और महासागरों की गतिशीलता, 82, 107–118। <https://doi.org/>
393. टाडा, आर., इरिनो, टी., इकेहारा, के., करसुदा, ए., सुगिसाकी, एस., जुआन, सी.,... ज़ेगलर, एम. (2018)। IODP अभियान 346 के दौरान जापान सागर के चतुर्धातुक हेमिपेलैजिक तलछट में अंधेरे और प्रकाश परतों के उच्च-रिज़ॉल्यूशन और उच्च-परिशुद्धता सहसंबंध, पृथ्वी और ग्रह विज्ञान में प्रगति, 5 (1)। <https://doi.org/10.1186/s40645-018-0167-8>
394. थॉमस, एल., दाश, एस. के., महांती, यू. सी., और बाबू, सी. ए. (2018)। विभिन्न भूमि उपयोग डेटा सेटों का उपयोग करके उत्तर भारत में नकली पश्चिमी विक्षोभ की विशेषताएं। मौसम संबंधी अनुप्रयोग, 25 (2), 246-253। <https://doi.org/10.1002/met.1687>

### विद्युत विज्ञान विद्यापीठ

395. अचलेकर, पी. डी., सामंतराय, एस. आर., और सबरीमलाई मणिकंदन, एम. (2018)। ग्रिड-कनेक्टेड वितरण जनरेशन सिस्टम में विभिन्न मोड विघटन और निर्णय ट्री आधारित जांच और बिजली की गुणवत्ता गड़बड़ी का वर्गीकरण। आईईईई स्मार्ट ग्रिड पर लेनदेन, 9 (4), 3122–3132। <https://doi.org/10.1109/TSG.2016.2626469>

396. अहमद, एस. ए., डोगरा, डी. पी., कर, एस., और रॉय, पी. पी. (2018)। प्रक्षेपवक्र-आधारित निगरानी विश्लेषण: एक सर्वेक्षण। IEEE वीडियो प्रौद्योगिकी के लिए सर्किट और सिस्टम पर लेनदेन, 1-11। <https://doi.org/10.1109/TCSVT.2018.2857489>
397. अहमद, एस.ए., डोगरा, डी. पी., कर, एस., और रॉय, पी. पी. (2018)। त्रुटिपूर्ण वीडियो ऑब्जेक्ट प्रक्षेपवक्रों का अवांछित वर्गीकरण। सॉफ्ट कम्प्यूटिंग, 22 (14), 4703-4721। <https://doi.org/10.1007/s00500-017-2656-x>
398. अहमद, स्क. आरिफ, डोगरा, डी. पी., कर, एस., और रॉय, पी. पी. (2018)। निगरानी दृश्य प्रतिनिधित्व और कई अवधारणाओं के एकत्रीकरण का उपयोग करते हुए प्रक्षेपवक्र असामान्यता का पता लगाने। आवेदन के साथ विशेषज्ञ प्रणाली, 101, 43-55। <https://doi.org/10.1016/j.eswa.2018.02.013>
399. ऑलमसेट्टी, एस., और महापात्र, एस. (2018)। डायग्नोस्टिक एनालिसिस का उपयोग करके नॉनटर्मल प्लाज्मा-ट्रीटेड डीजल निकास में NOX एकाग्रता की भविष्यवाणी। प्लाज्मा विज्ञान पर IEEE लेनदेन, 46 (6), 2034-2041। <https://doi.org/10.1109/TPS.2018.2827400>
400. अंसारी, ए. एफ., रॉय, पी. पी., और डोगरा, डी. पी. (2018)। हैमरस्मिथ शिशु न्यूरोलॉजिकल परीक्षा वीडियो में व्यायाम वर्गीकरण और घटना विभाजन। मशीन विज्ञान और एप्लिकेशन, 29 (2), 233-245। <https://doi.org/10.1007/s00138-017-0896-5>
401. बाबू, के. ए., रामकुमार, बी., और मणिकंदन, एम. एस. (2018)। स्वचालित PCG और PPG रिकॉर्डिंग का उपयोग करके S1 और S2 हार्ट साउंड की स्वचालित पहचान। IEEE सेंसर जर्नल, 18 (22), 9430-9440। <https://doi.org/10.1109/JSEN.2018.2869416>
402. बंगर्जी, डी., रॉबर्ट, एफ., टाइल, के., दिमित्री, वी., ईवा, बी. और साहा, एस. (2018)। दैनिक पोशाक का कोर्डिंग और मॉडलिंग - अलमारी से बाहर आने वाले वैज्ञानिकों के बारे में। 1, 28-228।
403. बेहरा, एस. के., भोई, एस., डोगरा, डी. पी., और रॉय, पी. पी. (2018)। मोशन सेंसर गाइडेड एयर ऑथेंटिकेशन सिस्टम का मजबूत विश्लेषण। उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स पर IEEE लेनदेन, 64 (2), 171-179। <https://doi.org/10.1109/TCE.2018.2843283>
404. बेहरा, एस. के., डोगरा, डी. पी., और रॉय, पी. पी. (2018)। लीप मोशन सेंसर का उपयोग कर रिकॉर्ड किए गए 3 डी हस्ताक्षरों का विश्लेषण। मल्टीमीडिया उपकरण और अनुप्रयोग, 77 (11), 14029-14054। <https://doi.org/10.1007/s11042-017-5011-4> <https://doi.org/10.1016/j.dynatmoce.2018.05.004>
405. बेहरा, संतोष कुमार, डोगरा, डी. पी., और रॉय, पी. पी. (2018)। उत्तल पतवारों का उपयोग करते हुए 3 डी वायु हस्ताक्षरों की तेजी से मान्यता और सत्यापन। एप्लिकेशन, 100, 106119 के साथ विशेषज्ञ प्रणाली। <https://doi.org/10.1016/j.eswa.2018.01.042>
406. भट्टाचार्य, ए., सैनी, आरा, रॉय, पी. पी., डोगरा, डी. पी., और कर, एस. (2018)। आनुवंशिक एल्गोरिथ्म का उपयोग करके मानव चेहरे के क्षेत्रों से लिंग को पहचानना। नरम कम्प्यूटिंग। <https://doi.org/10.1007/s00500-018-3446-9>



407. चक्रवर्ती, वी. वी. एस. एस., चौधरी, पी. एस. आर., पांडा, जी., अँगुएरा, जे., अंडूजर, ए., और माज़ी, बी. (2018)। फूलों के पराग एल्गोरिथ्म का उपयोग करने के लिए योग और अंतर पैटर्न के लिए रैखिक एंटीना सरणी संश्लेषण तकनीक। अरब जर्नल फॉर साइंस एंड इंजीनियरिंग, 43 (8), 3965-3977। <https://doi.org/10.1007/s13369-017-2750-5>
408. चेबियाम, एम., रेड्डी, आर.डी., डोगरा, डी. पी., भास्कर, एच., और मिहलोवा, एल. (2018)। दृश्य निगरानी में मोशन विसंगति का पता लगाने और प्रक्षेपवक्र विश्लेषण। मल्टीमीडिया उपकरण और अनुप्रयोग, 77 (13), 16223-16248। <https://doi.org/10.1007/s11042-017-5196-6>
409. दाश, ए.के., बेहरा, एस. के., डोगरा, डी. पी., और रॉय, पी. पी. (2018)। आक्षेपिक तंत्रिका नेटवर्क वास्तुकला का उपयोग करने वाले बच्चों के लिए मार्कर-आधारित संवर्धित वास्तविकता सीखने के वातावरण का डिज़ाइन। प्रदर्शित करता है, 55, 46-54। <https://doi.org/10.1016/j.displa.2018.10.003>
410. दाश, के.एस., पुहन, एन.बी., और पांडा, जी. (2018)। अवधारणात्मक आकार की प्राइमेटिव का उपयोग करके असंबंधित हस्तलिखित अंक मान्यता। पैटर्न विश्लेषण और अनुप्रयोग, 21 (2), 413-436। <https://doi.org/10.1007/s10044-016-0586-3>
411. देशपांडे, पी.एस., और मणिकंदन, एम. एस. (2018)। ऑटोमैटिक वॉयस पैथोलॉजी असेसमेंट के लिए प्रभावी ग्लोटल इंस्टेंट डिटेक्शन एंड इलेक्ट्रोग्लोटोग्राफिक पैरामीटर एक्सट्रैक्शन। IEEE जर्नल ऑफ बायोमेडिकल एंड हेल्थ इंफॉर्मेटिक्स, 22 (2), 398-408। <https://doi.org/10.1109/JBHI.2017.2654683>
412. दीक्षित, डी., और साहू, पी. आर. (2018)। मिश्रित लुप्त होती चैनलों में पुनर्योजी रिले-असिस्टेड डी 2 डी संचार का प्रदर्शन। IEEE संचार पत्र, 22 (4), 864-867। <https://doi.org/10.1109/LCOMM.2018.2798670>
413. दीक्षित, धर्मेन्द्र, और साहू, पी. आर. (2018 ए)। चावल की लुप्त होती पर चयन संयोजन के साथ दोहरे दर डीएफ रिले प्रणाली की त्रुटि दर और आउटेज। संचार प्रणाली के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 31 (13), e3719। <https://doi.org/10.1002/dac.3719>
414. दीक्षित, धर्मेन्द्र, और साहू, पी. आर. (2018 बी)। दो-तरफा लुप्त होती चैनलों के उतार-चढ़ाव पर मल्टीहॉप डिटेक्ट-एंड-फॉरवर्ड रिलेइंग सिस्टम का प्रदर्शन। उभरते दूरसंचार प्रौद्योगिकी, 29 (8), e3423 पर लेनदेन। <https://doi.org/10.1002/ett.3423>
415. दुबे, आर., सामंतराय, एस. आर., पाणिग्राही, बी. के., और वेंकोपाराव, वी. जी. (2018)। कोपमैन विश्लेषण श्रृंखला-मुआवजा बिजली नेटवर्क के लिए व्यापक क्षेत्र के बैक-अप संरक्षण और दोषपूर्ण लाइन पहचान आधारित है। IEEE सिस्टम्स जर्नल, 12 (3), 2634-2644। <https://doi.org/10.1109/JSYST.2016.2615898>



416. दत्ता, आर., और सामंतराय, एस. आर. (2018)। एसी माइक्रो-ग्रिड के लिए प्रतिबाधा आधारित दोष लोकेटर का आकलन। अक्षय ऊर्जा फोकस, 26, 1-10। <https://doi.org/10.1016/j.ref.2018.05.001>
417. दत्ता, टी., सतीजा, यू., रामकुमार, बी., और मणिकंदन, एम.एस. (2018)। OFDM के लिए स्पास सिग्नल अपघटन फ्रेमवर्क का उपयोग करके ब्लाइंड आ सिस्टम सर्किट, सिस्टम और सिग्नल प्रोसेसिंग, 37 (2), 847-861। <https://doi.org/10.1007/s00034-017-0573-y>
418. जेना, एम. के., पाणिग्राही, बी. के., और सामंतराय, एस. आर. (2018)। वाइड-एरिया पोस्टडिस्ट्रिब्यून्स रिकॉर्ड का उपयोग कर पावर सिस्टम डिस्टर्बेंस असेसमेंट के लिए एक नया दृष्टिकोण। औद्योगिक सूचना विज्ञान पर IEEE लेनदेन, 14 (3), 12531261। <https://doi.org/10.1109/TII.2017.2772081>
419. जेना, एम. के., पाणिग्राही, बी. के. और सामंतराय, एस. आर. (2018)। बिजली पारेषण प्रणाली में व्यापक क्षेत्र एसए में सुधार के लिए ट्रिपिंग ट्रांसमिशन लाइन की ऑनलाइन पहचान। ट्रांसमिशन डिस्ट्रीब्यूशन IET जेनरेशन, 12 (2), 288-294। <https://doi.org/10.1049/iet-gtd.2016.1964>
420. जेना, एम. के., सामंतराय, एस. आर., और पाणिग्राही, बी. के. (2018 ए)। ट्रांसमिशन सिस्टम के वाइड एरिया बैक-अप सुरक्षा को बढ़ाने के लिए एक नया अनुकूलनीय निर्भरता-सुरक्षा दृष्टिकोण। आईईईई स्मार्ट ग्रिड पर लेनदेन, 9 (6), 6378-6386। <https://doi.org/10.1109/TSG.2017.2710134>
421. जेना, एम. के., सामंतराय, एस. आर., और पाणिग्राही, बी. के. (2018)। ट्रांसमिशन लाइनों की वाइड-एरिया बैक-अप सुरक्षा के लिए एक नया विकेंद्रीकृत दृष्टिकोण। IEEE सिस्टम्स जर्नल, 12 (4), 31613168। <https://doi.org/10.1109/JSYST.2017.2694453>
422. खुंटिया, एस. आर., और सामंतराय, एस. आर. (2018)। "एक परीक्षण-बिस्तर माइक्रोग्रिड में प्रतिरोधक एसएफसीएल का विश्लेषण" के लिए रिटेनिंग नोटिस [एएन शम्स इंजी। जे। 6 (2015) 883-892] (S2090447915000453) (10.1016 / j.asej.2015.02.015)। ऐन शम्स इंजीनियरिंग जर्नल, 9 (4), 3473. <https://doi.org/10.1016/j.asej.2017.04.041>
423. किम, जे.एच., हांग, जी.- एस, किम, बी.जी., और डोगरा, डी. पी. (2018)। deepGesture: मोशन सेंसरों का उपयोग करते हुए गहन शिक्षण-आधारित हावभाव पहचान योजना। प्रदर्शित करता है, 55, 38-45। <https://doi.org/10.1016/j.displa.2018.08.001>
424. कुकड़े, आर., पंडा, जी., और मणिकंदन, एम.एस. (2017)। डिफ्यूजन कोऑपरेटिव लर्निंग स्ट्रेटेजी का उपयोग कर गैर-रेखीय सक्रिय शोर नियंत्रण वितरित किया। आईईटी सिग्नल प्रोसेसिंग, 12 (4), 410-421। <https://doi.org/10.1049/iet-spr.2017.0358>
425. कुमार, डी., सिंह, ए., मिश्रा, एस. के. झा, आर. सी., और सामंतराय, एस. आर. (2018)। विद्युत शक्ति वितरण प्रणाली का एक समन्वित नियोजन ढांचा: बुद्धिमान पुनः संयोजन। विद्युत ऊर्जा प्रणालियों पर अंतर्राष्ट्रीय लेनदेन, 28 (6), e2543। <https://doi.org/10.1002/etep.2543>
426. कुमार, पी., मुखर्जी, एस., सैनी, आर., कौशिक, पी., रॉय, पी. पी., और डोगरा, डी. पी. (2019)। इन्वेटोरियल एलगोरिदम का उपयोग करते हुए इन्टिरियल सेंसर डेटा और वीडियो के साथ मल्टीमॉडल गेट

- रिकग्निशन। फजी सिस्टम पर IEEE लेनदेन, 27 (5), 956-965।  
<https://doi.org/10.1109/TFUZZ.2018.2870590>
427. कुमार, पी., सैनी, आर., रॉय, पी. पी., और डोगरा, डी. पी. (2018)। Kinect का उपयोग करते हुए साइन लैंग्वेज रिकग्निशन (SLR) के लिए एक स्थिति और घूर्णन अपरिवर्तनीय रूपरेखा। मल्टीमीडिया उपकरण और अनुप्रयोग, 77 (7), 8823-8846। <https://doi.org/10.1007/s11042-017-4776-9>
428. कुमार, प्रदीप, रॉय, पी. पी., और डोगरा, डी. पी. (2018)। चेहरे की अभिव्यक्ति का उपयोग करके स्वतंत्र बायेसियन क्लासिफायरियर कॉम्बिनेशन आधारित साइन लैंग्वेज पहचान। सूचना विज्ञान, 428, 30-48। <https://doi.org/10.1016/j.ins.2017.10.046> वेग अनुमान और निष्कासन
429. कुमार, प्रदीप, सैनी, आर., रॉय, पी. पी., साहू, पी. के., और डोगरा, डी. पी. (2018)। ईईजी सेंसर का उपयोग करते हुए उन्नत भाषण मान्यता। व्यक्तिगत और सर्वव्यापी कम्प्यूटिंग, 22 (1), 185-199। <https://doi.org/10.1007/s00779-017-1083-4>
430. कुमार, प्रदीप, सिंघल, ए., सैनी, आर., रॉय, पी. पी., और डोगरा, डी. पी. (2018)। क्लाउड पर्यावरण के लिए एक व्यापक इलेक्ट्रोएन्सेफलोग्राफी-आधारित व्यक्ति प्रमाणीकरण प्रणाली। प्रदर्शित करता है, 55, 64-70। <https://doi.org/10.1016/j.displa.2018.09.006>
431. मिश्रा, पी. पी., और भेंडे, सी. एन. (2018)। वितरित पीढ़ी प्रणालियों में विरल एस-परिवर्तन का उपयोग कर द्वीप का पता लगाना। इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, 100 (4), 2397-2406। <https://doi.org/10.1007/s00202-018-0727-3>
432. पंडा, पी. के., और घोष, डी. (2018)। EMNZ सुपरस्ट्रेट का उपयोग करके पैच एंटेना के अलगव और लाभ में वृद्धि। AEU - इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्प्युनिकेशंस, 86, 164-170। <https://doi.org/10.1016/j.aeue.2018.01.037>
433. पंडा, आर., पुहन, एन.बी., और पंडा, जी. (2018)। माध्य वक्रता और बनावट मोतियाबिंद स्क्रीनिंग की ओर ऑप्टिक डिस्क विभाजन के लिए मिश्रित भारित यादृच्छिक वॉक एल्गोरिथ्म विवश। हेल्थकेयर प्रौद्योगिकी पत्र, 5 (1), 31-37। <https://doi.org/10.1049/htl.2017.0043>
434. पंडा, आर., पुहन, एन.बी., राव, ए., मंडल, बी., पध्या, डी., और पंडा, जी. (2018)। प्रारंभिक ग्लूकोमा में रेटिना तंत्रिका फाइबर परत दोष का पता लगाने के लिए डीप कन्फ्यूजेशनल न्यूरल नेटवर्क-आधारित पैच वर्गीकरण। मेडिकल इमेजिंग जर्नल, 5 (4)। <https://doi.org/10.1117/1.JMI.5.4.044003>
435. पंडा, रश्मि, पुहन, एन.बी., राव, ए., पढी, डी., और पंडा, जी. (2018)। मोतियाबिंद में फंडस इमेजिंग का उपयोग करके स्वचालित रेटिना तंत्रिका फाइबर परत दोष का पता लगाना। कम्प्यूटरीकृत चिकित्सा इमेजिंग और ग्राफिक्स, 66, 56-65। <https://doi.org/10.1016/j.compmedimag.2018.02.006>
436. पप्पुला, एल., और घोष, डी. (2018)। मल्टीमॉडल कार्यों के तेजी से अभिसरण के लिए सामान्य उत्परिवर्तन के साथ कैट झुंड अनुकूलन। एप्लाइड सॉफ्ट कम्प्यूटिंग, 66, 473-491। <https://doi.org/10.1016/j.asoc.2018.02.012>

437. प्रधान, सी।, भेंडे, सी. एन., और सामंत, ए.के. (2018)। पवन ऊर्जा प्रणालियों में अनुकूली आभासी जड़ता-आधारित आवृत्ति विनियमन। नवीकरणीय ऊर्जा, 115 55–55। <https://doi.org/10.1016/j.renene.2017.08.065>
438. राजा, पी. वी., और मूर्ति, एन. वी. एल. एन. (2018)। HPSI 4H-SiC Photoconductors पर D-T न्यूट्रॉन और -60Co-गामा विकिरण प्रभाव। परमाणु विज्ञान पर IEEE लेनदेन, 65 (1), 558-565। <https://doi.org/10.1109/TNS.2017.2778299>
439. साहू, बी., और सामंतराय, एस. आर. (2018)। विंड फार्म को जोड़ने वाली TCSC क्षतिपूर्ति लाइन के लिए एक बड़ी हुई गलती का पता लगाने और स्थान का आकलन करने की विधि। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इलेक्ट्रिकल पावर एंड एनर्जी सिस्टम्स, 96, 432-441। <https://doi.org/10.1016/j.ijepes.2017.10.022>
440. साहू, डी., शा., एस., सत्पथी, एम।, और मूटम, एम. (2018)। ReDRAM: GPGPUs के लिए एक पुनः उपयोग योग्य DRAM केश। IEEE कंप्यूटर वास्तुकला पत्र, 17 (2), 213-216। <https://doi.org/10.1109/LCA.2018.2865552>
441. साहू, डी., शा., एस., सत्पथी, एम., मूटम, एम., रमेश, एस., और रूप, पी. (2018)। डीआरएएम केश के एक परिवार के लिए नियंत्रकों की औपचारिक मॉडलिंग और सत्यापन। इंटीग्रेटेड सर्किट और सिस्टम के कंप्यूटर एडेड डिजाइन पर IEEE लेनदेन, 37 (11), 2485-2496। <https://doi.org/10.1109/TCAD.2018.2857318>
442. साहू, एच. के., और साहू, पी. आर. (2018)। SSK मॉड्यूलेशन के साथ दोहरे-हॉप AF रिले सिस्टम पर सममित और असममित लुप्त होती चैनलों का प्रभाव। <https://doi.org/10.1007/s11276-018-1876-z>
443. साहू, एच. के., और साहू, पी. आर. (2019)। मिश्रित लुप्त होती पर दोहरे हॉप वायुसेना रिले के साथ चतुर्भुज स्थान परिवर्तन कुंजीयन प्रदर्शन। संचार प्रणालियों के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल। <https://doi.org/10.1002/dac.3969>
444. सैनी, आर., कुमार, पी., राय, पी. पी., और डोगरा, डी. पी. (2018)। Kinect का उपयोग करके निरंतर मानव-गतिविधि मान्यता का एक उपन्यास ढांचा। न्यूरोकोम्प्यूटिंग, 311, 99–111। <https://doi.org/10.1016/j.neucom.2018.05.042>
445. सैनी, आर।, प्रतिम राय, पी।, और प्रोसड डोगरा, डी। (2018)। आनुवांशिक एल्गोरिथ्म का उपयोग करते हुए एक खंडीय एचएमएम आधारित प्रक्षेपवक्र वर्गीकरण। एप्लिकेशन के साथ विशेषज्ञ प्रणाली, 93, 169-181। <https://doi.org/10.1016/j.eswa.2017.10.021>
446. सतीजा, यू., रामकुमार, बी., और मणिकंदन, एम. एस. (2018 ए)। इलेक्ट्रोकार्डियोग्राम सिग्नल गुणवत्ता मूल्यांकन के लिए सिग्नल प्रोसेसिंग तकनीकों की समीक्षा। आईईईई बायोमेडिकल इंजीनियरिंग में समीक्षा, 11, 36-52। <https://doi.org/10.1109/RBME.2018.2810957>

447. सतीजा, यू., रामकुमार, बी., और मणिकंदन, एम. एस. (2018 बी)। स्वचालित हेल्थकेयर मॉनिटरिंग के लिए स्वचालित ईसीजी शोर जांच और वर्गीकरण प्रणाली। आईईईईई जर्नल ऑफ बायोमेडिकल एंड हेल्थ इंफॉर्मेटिक्स, 22 (3), 722–732। <https://doi.org/10.1109/JBHI.2017.2686436>
448. सतीजा, उदित, रामकुमार, बी., और मणिकंदन, एम.एस. (2018)। एक स्वचालित ईसीजी सिग्नल क्वालिटी असेसमेंट विधि अनसुनी डायग्नोस्टिक सिस्टम के लिए। बायोकेबनेटिक्स और बायोमेडिकल इंजीनियरिंग, 38 (1), 54-70। <https://doi.org/10.1016/j.bbe.2017.10.002>
449. सेनापति, आर. (2018)। साइनसाइडल करंट कंट्रोल स्ट्रैटेजी को नियोजित करने वाले ग्रिड-बंधे हुए पीवी-फ्यूल सेल सिस्टम में 3-चरण शंट सक्रिय फिल्टर के प्रदर्शन का अध्ययन और विश्लेषण। पर्यावरण और विकास पर WSEAS लेनदेन, 14, 22-44।
450. शालिनी, सामंतराय, एस। आर।, और शर्मा, ए. (2018)। पीएमयू सहायता प्राप्त डायनेमिक स्टेट एस्टीमेटर का उपयोग करके वाइड-एरिया बैक-अप सुरक्षा योजना का प्रदर्शन बढ़ाना। आईईईईई स्मार्ट ग्रिड पर लेनदेन, 1-1। <https://doi.org/10.1109/TSG.2018.2874946>
451. शर्मा, ए., और सामंतराय, एस. आर. (2018)। अविश्वसनीय पीएमयू डेटा संचार नेटवर्क के तहत स्मार्ट ग्रिड के लिए पावर सिस्टम ट्रैकिंग स्टेट एस्टीमेटर। IEEE सेंसर जर्नल, 18 (5), 2107-2116। <https://doi.org/10.1109/JSEN.2018.2789353>
452. सिंह, आर., सुई, पी. सी., वोंग, के. एच., केजेनग, ई., नाइट्स, एस., और जिल्लाली, एन. (2018)। PEMFC प्रदर्शन पर रासायनिक झिल्ली गिरावट का प्रभाव मॉडलिंग। द इलेक्ट्रोकेमिकल सोसायटी का जर्नल, 165 (6), F3328-F3336। <https://doi.org/10.1149/2.0351806jes>
453. सिंघल, ए., कुमार, पी., सैनी, आर., रॉय, पी. पी., डोगरा, डी. पी., और किम, बी.जी. (2018)। क्लाउडसोर्स के माध्यम से उपयोगकर्ता की भावात्मक स्थिति का विश्लेषण करके वीडियो का सारांश। संज्ञानात्मक प्रणाली अनुसंधान, 52, 917–930। <https://doi.org/10.1016/j.cogsys.2018.09.019>
454. सोम, एस., और सामंतराय, एस. आर. (2018)। लो-वोल्टेज डीसी माइक्रो-ग्रिड के लिए कुशल सुरक्षा योजना। ट्रांसमिशन डिस्ट्रीब्यूशन IET जेनरेशन, 12 (13), 3322–3329। <https://doi.org/10.1049/iet-gtd.2017.1533>
455. सुल्ताना, एन.एन., मंडल, बी., और पुहन, एन.बी. (2018)। मेलेनोमा का पता लगाने के लिए नियमित रूप से फिशर ढांचे के साथ गहरे अवशिष्ट नेटवर्क। IET कंप्यूटर विज्ञान, 12 (8), 1096-1104। <https://doi.org/10.1049/iet-cvi.2018.5238>
456. तोमर, ए., मिश्रा, एस., और भेंडे, सी. एन. (2018)। AOMH-MISO आधारित PV-VCI सिंचाई प्रणाली ASCIM पंप का उपयोग। उद्योग अनुप्रयोगों पर IEEE लेनदेन, 54 (5), 4813-4824। <https://doi.org/10.1109/TIA.2018.2839728>

457. त्रिपाठी, बी. के., दास, डी. पी., जेना, एस. के., और बेरा, पी. (2018)। सॉफ्टवेयर परिभाषित नेटवर्क में जोखिम आधारित सुरक्षा प्रवर्तन। कंप्यूटर और सुरक्षा, 78, 321-351। <https://doi.org/10.1016/j.cose.2018.07.010>
458. वसुंधरा, मोहंती, बी. के., पंडा, जी., और पुहन, एन. बी. (2018)। श्रवण यंत्रों में ध्वनिक फीडबैक कैंसलर के वीएलएसआई कार्यान्वयन के लिए हार्डवेयर डिज़ाइन। सर्किट, सिस्टम और सिग्नल प्रोसेसिंग, 37 (4), 1383-1406। <https://doi.org/10.1007/s00034-017-0619-1>
459. वसुंधरा, पुहन, एन.बी., और पंडा, जी. (2018)। डी-सहसंबद्ध सुधारित अनुकूली घातांक FLAF-आधारित नॉनलाइनियर अनुकूली प्रतिक्रिया रद्द करने के लिए श्रवण यंत्र। आईईईईई सर्किट और सिस्टम। पर लेनदेन: नियमित कागजात, 65 (2), 650-662। <https://doi.org/10.1109/TCSI.2017.2730235>
460. विगेश्वरा राजा, पी., और नरसिम्हा मूर्ति, एन. वी. एल. (2017)। गामा विकिरणित उपकला 4H-SiC Schottky बैरियर डायोड में थर्मल ड्रिफ्ट उत्तेजित कैपेसिटेंस। जर्नल ऑफ एप्लाइड फिजिक्स, 123 (16), 161536. <https://doi.org/10.1063/1.5003068>
461. विगेश्वरा राजा, पी., और नरसिम्हा मूर्ति, एन. वी. एल. (2018)। विस्तृत तापमान सीमा पर एपिटैक्सियल 4H-SiC Schottky बाधा डायोड में थर्मल एनीलिंग अध्ययन। माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक विश्वसनीयता, 87, 213-221। <https://doi.org/10.1016/j.microrel.2018.06.021>

#### मानविकी स्कूल, सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ

462. साहू, ए. के., साहू, एन. सी., और साहू, डी. (2018)। भारतीय कोयला खनन की उत्पादकता वृद्धि पर नीतिगत सुधारों का प्रभाव: एक अपघटन विश्लेषण। संसाधन नीति, 59, 460-467। <https://doi.org/10.1016/j.resourpol.2018.08.019>
463. जेवियर यूनिवर्सिटी, ठाकुरता, आर., उरबैच, एन., यूनिवर्सिटी ऑफ बायरेथ, बसु, ए., और भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर। (2018)। व्यक्तिगत स्तर पर प्रौद्योगिकी संक्रमण को समझना। सूचना प्रणाली के लिए एसोसिएशन के प्रशांत एशिया जर्नल, 25-60। <https://doi.org/10.17705/1pais.10302>
464. यादव, एन., साहू, एन. सी., साहू, डी., और यादव, डी. के. (2018)। एक संरक्षित क्षेत्र में स्थायी पर्यटन प्रबंधन के लिए बाधाओं का विश्लेषण: भारत का एक मामला। बेंचमार्किंग: एन इंटरनेशनल जर्नल, 25 (6), 1956-1976। <https://doi.org/10.1108/BIJ-09-2016-0149>

#### आधारिक संरचना विद्यापीठ

465. बसु, डी., स्टीफन, के जे, हंट, जे डी, और मैककॉय, एम. (2018)। कैलिफोर्निया में गैर-अनिवार्य दौरे के स्थानों का मॉडलिंग विकल्प व्यवहार - एक अनुभव। यात्रा व्यवहार और समाज, 12, 122-129। <https://doi.org/10.1016/j.tbs.2017.04.008>
466. बाउरी, के. पी., और सरकार, ए. (2018)। विमान के बिस्तर पर पूरी तरह से डूबे हुए वर्गाकार चौराहे के चारों ओर टरब्यूलेंट फटने की घटनाएँ। <https://doi.org/10.1007/s10652-018-9643-3>

467. बिसोई, एस., और हलधर, एस. (2018)। क्ले में ऑफशोर विंड टर्बाइन के गतिशील और दीर्घकालिक व्यवहार पर प्रायोगिक और संख्यात्मक अध्ययन। भू-तकनीकी परीक्षण जर्नल, 41 (2), 20170043. <https://doi.org/10.1520/GTJ20188543>
468. बिस्वाल, डी. आर., साहू, यू. सी., और दाश, एस. आर. (2018)। सीमेंट के यांत्रिक गुणों ने दानेदार पार्श्व मिट्टी को स्थिर किया। सड़क सामग्री और फुटपाथ डिजाइन।
469. बिस्वाल, दीप्ति रंजन, साहू, यू. सी., और दाश, एस. आर. (2018 ए)। सीमेंट की टिकाऊपन और संकोचन अध्ययन ने दानेदार पार्श्व मिट्टी को छुरा घोंपा। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ फुटपाथ इंजीनियरिंग, 0 (0), 1-12। <https://doi.org/10.1080/10298436.2018.1433830>
470. बिस्वाल, दीप्ति रंजन, साहू, यू. सी., और दाश, एस. आर. (2018 बी)। सीमेंट की यांत्रिक विशेषताओं ने फुटपाथ की संरचनात्मक परत के रूप में उपयोग के लिए दानेदार पार्श्व मिट्टी को स्थिर किया। सड़क सामग्री और फुटपाथ डिजाइन, 0 (0), 1-23। <https://doi.org/10.1080/14680629.2018.1545687>
471. बिस्वाल, दीप्ति रंजन, साहू, यू. सी., और दाश, एस. आर. (2018 सी)। गैर-विनाशकारी ताकत और सीमेंट-स्थिर दानेदार पार्श्व मिट्टी का कठोरता मूल्यांकन। सड़क सामग्री और फुटपाथ डिजाइन, 0 (0), 1-15। <https://doi.org/10.1080/14680629.2018.1511458>
472. गजेन्द्र, के., साहू, यू. सी., के., आर., और बोस, एस. (2018)। स्टिफ़र ग्रेड क्रम्ब रबर संशोधित बिटुमेन का उपयोग करके स्टोन मैट्रिक्स डामर का डिज़ाइन और मूल्यांकन। जर्नल ऑफ रोड्स एंड ब्रिजेज - ड्रोगी आई मोस्टी।
473. गंगाधर रेड्डी, एन., और हनुमंथा राव, बी. (2018)। अलग-अलग जलीय पर्यावरण स्थितियों के लिए उजागर किए गए लाल मिट्टी अपशिष्ट के बसे हुए कणों की विशेषता। इंडियन जियोटेक्निकल जर्नल, 48 (3), 405-419। <https://doi.org/10.1007/s40098-018-0300-z>
474. गिरि ज्योति प्रकाश, पंडा महावीर, और साहू उमेश चंद्र. (2018)। बिटुमिनस मिक्स का प्रदर्शन जिसमें इमल्शन-उपचारित पुनर्नवीनीकरण कंक्रीट एग्रीगेट्स शामिल हैं। सिविल इंजीनियरिंग में सामग्री की पत्रिका, 30 (4), 04018052. [https://doi.org/10.1061/\(ASCE\)MT.1943-5533.0002239](https://doi.org/10.1061/(ASCE)MT.1943-5533.0002239)
475. गिरि, जे. पी., पंडा, एम., और साहू, यू. सी. (2018 ए)। पुनर्नवीनीकरण कंक्रीट समुच्चय के साथ बिटुमिनस फ़र्श मिश्रणों के इंजीनियरिंग विशेषताओं पर भराव का प्रभाव। सिविल इंजीनियरिंग सामग्री में अग्रिम, 7 (2), 20170021. <https://doi.org/10.1520/ACEM20177521>
476. गिरि, जे. पी., पंडा, एम., और साहू, यू. सी. (2018 बी)। पुनर्नवीनीकरण कंक्रीट समुच्चय युक्त बिटुमिन फ़र्श मिश्रणों के संशोधन के लिए अपशिष्ट पॉलीथीन का उपयोग। सड़क सामग्री और फुटपाथ डिजाइन, 0 (0), 1-21। <https://doi.org/10.1080/14680629.2018.1487873>
477. गिरि, जे.पी., पंडा, एम., और साहू, यू.सी. (2018)। उपचारित पुनर्नवीनीकरण कंक्रीट समुच्चय युक्त बिटुमिनस मिक्स का प्रदर्शन और अपशिष्ट पॉलीथीन द्वारा संशोधित। सिविल इंजीनियरिंग में सामग्री का जर्नल, 30 (8)।



478. हलधर, एस., शर्मा, जे., और बसु, डी. (2018)। मिट्टी में मोनोपाइल समर्थित अपतटीय पवन टरबाइन का संभाव्य विश्लेषण। मिट्टी की गतिशीलता और भूकंप इंजीनियरिंग, 105, 171-183।  
<https://doi.org/10.1016/j.soildyn.2017.11.028>
479. कर्मकार, एस., कुमार, एस., दत्ता, एस. सी., और हुसैन, ए. (2018)। बेस आइसोल्यूशन वर्सस ड्यूल डिज़ाइन फिलोसॉफी फॉर सेस्मिक द इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया): सीरीज़ ए, 99 (4), 627-635।  
<https://doi.org/10.1007/s40030-018-0320-9>
480. महांती, एम., और डे, पी.पी. (2018)। प्रमुख धारा यातायात के क्षेत्र अधिभोग का मॉडल बनाना। यूरोपीय परिवहन - ट्रांसपोर्टी यूरोपी, (67)।
481. महांती एम., और प्रतीक डे, पी. (2018)। सीमित प्राथमिकता शर्तों के तहत प्रमुख स्ट्रीम विलंब। जर्नल ऑफ़ ट्रांसपोर्टेशन इंजीनियरिंग, पार्ट ए: सिस्टम, 145 (3), 05018005।
482. महापात्र स्मृति सौरव, और डे पार्थ प्रतिम. (2018)। मेडियन ओपनिंग में यू-टर्न क्षमता का अनुमान। जर्नल ऑफ़ ट्रांसपोर्टेशन इंजीनियरिंग, पार्ट ए: सिस्टम, 144 (9), 04018049.  
<https://doi.org/10.1061/JTEPBS.0000174>
483. एन. गंगाधारा रेड्डी, बी. हनुमंथा राव, और के.आर. रेड्डी. (2018)। लाल मिट्टी के कचरे की फैलने वाली विशेषताओं को कम करने के लिए बायोपॉलिमर उपचार। 3, 1-7।
484. नदेसन, एम. एस., और दिनाकर, पी। (2018 ए)। उच्च प्रदर्शन वाले sintered मक्खी राख हल्के कुल कंक्रीट पर बांधने की मशीन के प्रकार का प्रभाव। निर्माण और निर्माण सामग्री, 176, 665-675।  
<https://doi.org/10.1016/j.conbuildmat.2018.05.057>
485. नदेसन, एम.एस., और दिनकर, पी. (2018 बी)। झरझरा sintered फ्लाइ ऐश कुल के interfacial संक्रमण क्षेत्र के सूक्ष्म संरचनात्मक व्यवहार। बिल्डिंग इंजीनियरिंग के जर्नल, 16, 31-38।  
<https://doi.org/10.1016/j.jobe.2017.12.007>
486. नायर गौतम एस., दाश सुरेश आर., और मॉडल गौतम. (2018)। 1906 के बाद से भूकंप के दौरान पाइपलाइन प्रदर्शन की समीक्षा। निर्मित सुविधाओं के प्रदर्शन का जर्नल, 32 (6), 04018083.  
[https://doi.org/10.1061/\(ASCE\)CF.1943-5509.0001214](https://doi.org/10.1061/(ASCE)CF.1943-5509.0001214)
487. पात्र., एस., और शाहू, जे. टी. (2018)। जीआरएस दीवारों के लिए एक nonlinear विश्लेषण पुलआउट के खिलाफ विफलता की गतिज की अवधारणा। तराई प्रौद्योगिकी इंटरनेशनल, 20 (3, दिसंबर), 259-272।
488. पात्र., शांतनु, और शाहू, जे. टी. (2018)। काइनेमेटिक कंसीडरेशन के तहत जीआरएस दीवारों के लिए एक मैकेनिज्म पुलआउट मॉडल। इंडियन जियोटेक्निकल जर्नल, 48 (3), 529-540।  
<https://doi.org/10.1007/s40098-017-0276-0>



489. पात्र., शांतनु, और टी. शाहू, जे. (2018)। ओब्लिक पुल-एन अपडेटेड डिसक्रिटाइजेशन के तहत मिट्टी सुदृढीकरण। SEAGS और AGSSEA Vol की जियोटेक्निकल इंजीनियरिंग जर्नल। 49 नंबर 1 मार्च 2018 ISSN 0046-5828, 49, 65-72।
490. रथ, डी., चंद्र, ए., बब्बर, आर., और सरकार, ए. (2018)। अनुदैर्घ्य फैलाव एक चैनल में कठोर वनस्पति के अधीन। केएससीई जर्नल ऑफ सिविल इंजीनियरिंग, 22 (12), 5242-5252। <https://doi.org/10.1007/s12205-017-2894-6>
491. रेड्डी, एम.एस., दिनकर, पी., और राव, बी. एच. (2018)। फ्लाइ एश और ग्राउंड ग्रेनुलेटेड ब्लास्ट फर्नेस स्लैग बेस्ड जियोपॉलिमर कंक्रीट का डिजाइन विकास। बिल्डिंग इंजीनियरिंग के जर्नल, 20, 712-722। <https://doi.org/10.1016/j.jobe.2018.09.010>
492. रेड्डी, एन. जी., और हनुमंत राव, बी. (2018)। भारतीय लाल मिट्टी के अनुपचारित और उपचारित कचरे का संघनन और समेकन व्यवहार। भू-तकनीकी अनुसंधान, 5 (2), 106-121। <https://doi.org/10.1680/jgere.18.00005>
493. राउत, पी. आर., दाश, आर. आर., भूनिया, पी., और राव, एस. (2018)। एक आविष्कारशील एकल इकाई बहु-परत पैक बेड बायोरिएक्टर में घरेलू अपशिष्ट जल से एक साथ नाइट्रोजन और फास्फोरस को हटाने पर बेसिलस सेरेस जीएस -5 तनाव की भूमिका। Bioresource Technology, 262, 251-260। <https://doi.org/10.1016/j.biortech.2018.04.087> डिजाइन ऑफ बिल्डिंग्स: प्रारंभिक केस स्टडी। पत्रिका
494. राँय, एस., और बसु, डी. (2018)। ट्रांजिट स्टॉप पर प्रतीक्षा समय के महत्वपूर्ण मूल्य का आकलन करने की दिशा में एक दृष्टिकोण। ट्रैफिक एंड ट्रांसपोर्टेशन इंजीनियरिंग जर्नल।
495. राँय, सत्यसापथ, और आर दाश, एस. (2018)। मूलाधार स्पैनिन्युलस गर्डर के डायनामिक BEHAVIOR OF ISOLATION BEARGE। <https://doi.org/10.13140/RG.2.2.34648.96006>
496. समल, के., दाश, आर. आर., और भूनिया, पी. (2018 ए)। डेयरी अपशिष्ट जल उपचार के लिए हाइब्रिड सिंदूर के प्रदर्शन पर मैक्रोफाइट्स का तुलनात्मक अध्ययन प्रभावित करता है। जर्नल ऑफ एनवायरनमेंटल केमिकल इंजीनियरिंग, 6 (4), 4714-4726। <https://doi.org/10.1016/j.jece.2018.07.018>
497. समल, के., दाश, आर. आर., और भूनिया, पी. (2018 बी)। डेयरी अपशिष्ट जल के उपचार के लिए हाइब्रिड मैक्रोफाइट की सहायता से डिजाइन और विकास ने सिंदरीफिल्टर: एक सांख्यिकीय और गतिज मॉडलिंग दृष्टिकोण। कुल पर्यावरण का विज्ञान, 645, 156-169। <https://doi.org/10.1016/j.scitotenv.2018.07.118>
498. समल, के., दाश, आर. आर., और भूनिया, पी. (2018 सी)। हाइड्रोलिक लोडिंग दर और प्रदूषकों के दो चरण संकर मैक्रोफाइट असिस्टेड वर्मीफ्रीलेशन सिस्टम में प्रदूषण को कम करने का प्रभाव। बायोकेमिकल इंजीनियरिंग जर्नल, 132, 47-59। <https://doi.org/10.1016/j.bej.2018.01.002>

499. सिल, जी., महापात्र, एस.एस., डे, पी. पी., और चंद्र, एस. (2018)। मिश्रित ट्रैफिक स्थितियों के तहत अनियंत्रित औसतन उद्घाटन पर यू-टर्न की प्रक्रिया को मर्ज करना। परिवहन, 33 (2), 370-379-370-379। <https://doi.org/10.3846/16484142.2016.1247295>
500. सिंह, आर., भूनिया, पी., और दाश, आर. आर. (2018 ए)। कॉड रिमूवल इंडेक्स - वर्मीफिल्टर्स के ऑर्गेनिक निष्कासन प्रदर्शन की भविष्यवाणी करने के लिए एक यंत्रवत उपकरण। कुल पर्यावरण का विज्ञान, 643, 1652-1659। <https://doi.org/10.1016/j.scitotenv.2018.07.272>
501. सिंह, आर., भूनिया, पी., और दाश, आर. आर. (2018 बी)। मिट्टी के जैव उर्वरक में केंचुओं को शामिल करके क्लॉगिंग और इसकी कमी की पेचीदगियों को समझना। कुल पर्यावरण का विज्ञान, 633, 145-156। <https://doi.org/10.1016/j.scitotenv.2018.03.156>
502. श्रीवास्तव, आर. के., पंडा, आर.के., चक्रवर्ती, ए., और हलदर, डी. (2018 ए)। चार अलग-अलग कैनोपी प्रतिरोध आधारित तरीकों का उपयोग करके उप-नम क्षेत्र में सिंचित मक्का के वास्तविक वाष्पीकरण की तुलना। कृषि जल प्रबंधन, 202, 156-165। <https://doi.org/10.1016/j.agwat.2018.02.021>
503. श्रीवास्तव, आर. के., पंडा, आर.के., चक्रवर्ती, ए., और हैदर, डी. (2018 बी)। अनाज की पैदावार बढ़ाने, बायोमास और नाइट्रोजन का उपयोग वर्षा और सिंचित स्थितियों के तहत बुवाई की तारीखों और नाइट्रोजन दर को अलग-अलग करके मक्का की दक्षता का उपयोग करता है। फील्ड फसल अनुसंधान, 221, 339-349। <https://doi.org/10.1016/j.fcr.2017.06.019>
504. श्रीवास्तव, आर. के., तल्ला, ए., स्वैन, डी. के., और पंडा, आर.के. (2018)। आलू की फसल में जलवायु परिवर्तन के बाद बढ़े तापमान के साथ अनुकूलन रणनीति में मात्रात्मक दृष्टिकोण। आलू अनुसंधान। <https://doi.org/10.1007/s11540-018-9406-z>
505. तहसीलदार, जे., इरज़िन, वाई., और राव, बी एच. (2018)। विशाल मिट्टी के सूजन और सक्शन गुणों के बीच संबंधों का विकास। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ जियोटेक्निकल इंजीनियरिंग, 12 (1), 53-65। <https://doi.org/10.1080/19386362.2016.1250040>
506. त्यागी आकांक्षा, लियू योंग, पैन यू-ताओ, रिधवान खलीसा बट्ट मोहम्मद, और ली फूक-हौ। (2018)। स्थानिक परिवर्तनशीलता के साथ सीमेंट-प्रवेशित नरम मिट्टी में सुरंगों की स्थिरता। जर्नल ऑफ़ जियोटेक्निकल एंड जियोनिव06018012. [https://doi.org/10.1061/\(ASCE\)GT.1943-5606.0001988](https://doi.org/10.1061/(ASCE)GT.1943-5606.0001988)

### यांत्रिक विज्ञान विद्यापीठ

507. अमेरिकी वेल्डिंग सोसाइटी. (2018)। As-वेल्डेड और PWHT स्थितियों में P92 स्टील वेल्ड की विशेषता। वेल्डिंग जर्नल, 97 (7), 207-213। <https://doi.org/10.29391/2018.97.018>
508. बेहरा, पी. के. और गुप्ता, ए. (2018)। सीढ़ी पर चढ़ने की व्हीलचेयर का उपन्यास डिजाइन। मैकेनिकल साइंस एंड टेक्नोलॉजी जर्नल, 32 (10), 4903-4908। [https://doi.org/10.1007/s12206-018-0938-](https://doi.org/10.1007/s12206-018-0938-6)

509. बुडारापु, पी. आर., जवावाजी, बी., रेइनोसो, जे., पग्गी, एम., और रबिसुक, टी. (2018)। सिलिकॉन में दरार विकास के लिए एक तीन आयामी अनुकूली बहुकोशिकीय विधि। सैद्धांतिक और अनुप्रयुक्त फ्रैक्चर यांत्रिकी, 96, 576-603। <https://doi.org/10.1016/j.tafmec.2018.06.014>
510. गिरी, ए., पांडे, सी., और महापात्र, एम. एम. (2018)। अंशांकन गुणांक पर तनाव परिमाण और उपकरण ज्यामिति के प्रभाव का अध्ययन करने के लिए: रिंग कोर तकनीक। मैकेनिकल इंजीनियर्स के संस्थान की कार्यवाही, भाग ई: जर्नल ऑफ प्रोसेस मैकेनिकल इंजीनियरिंग, 232 (6), 674-684। <https://doi.org/10.1177/0954408917737585>
511. गिरि, ए., पांडे, सी., और महापात्र, एम. एम. (2018 ए)। प्रतिक्रिया सतह कार्यप्रणाली और कृत्रिम तंत्रिका नेटवर्क द्वारा पतले कोल्ड रोलड स्टील शीट की अनुकूलित टंगस्टन अक्रिय गैस बट वेल्डिंग की स्थिति प्राप्त करना। मैकेनिकल इंजीनियर्स के संस्थान की कार्यवाही, भाग ई: जर्नल ऑफ प्रोसेस मैकेनिकल इंजीनियरिंग, 232 (4), 459-470। <https://doi.org/10.1177/0954408917718069>
512. गोयल, पी., नायक, ए.के., दास, एम. के., और जोशी, जे बी (2018)। क्रॉस फ्लो स्थितियों के तहत एक क्षैतिज ट्यूब बंडल में बुलबुला प्रस्थान की विशेषताएं। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मल्टीफेज़ फ्लो, 100, 143-154। <https://doi.org/10.1016/j.ijmultiphaseflow.2017.12.013>
513. गुप्ता, ए., और भट्टाचार्य, एस. (2018)। जलीय रासायनिक संश्लेषण के माध्यम से ZnO नैनो संरचना के विकास तंत्र पर। एप्लाइड नैनोसाइंस, 8 (3), 499-509। <https://doi.org/10.1007/s13204-018-0782-0>
514. हसन, डब्ल्यू. एफ., फरहत, एच., कोंडाराजू, एस., और सिंह, टी. (2018)। हाइब्रिड अर्ध-स्थिर तापीय जाली बोल्ट्जमैन मॉडल जो सर्फैक्टेंट दूषित इमल्शन के रियोलॉजी का अध्ययन करने के लिए है। कंप्यूटर और तरल पदार्थ, 165, 188-198। <https://doi.org/10.1016/j.compfluid.2018.01.017>
515. जाखड़, ए., भट्टाचार्य, ए., रथ, पी., और कुमार महापात्र, एस (2018)। बाइनरी मिश्र धातु डेन्ड्राइट वृद्धि पर थर्मल अनिसोट्रॉपी का प्रभाव। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ हीट एंड मास ट्रांसफर, 127, 1114-1127। <https://doi.org/10.1016/j.ijheatmasstransfer.2018.07.141>
516. जेना, एच., प्रधान, ए.के., और पंडित, एम. के. (2018)। सेनोस्फियर फिलर के साथ बांस फाइबर प्रबलित पॉलिमर कम्पोजिट के ठोस कण कटाव पहनने के व्यवहार का अध्ययन। पॉलिमर प्रौद्योगिकी में उन्नति, 37 (3), 761-769। <https://doi.org/10.1002/adv.21718>
517. कन्नन, एस. आर., और कट्टे, एस.एस. (2018)। गर्मी संबंधी प्रसार के लिए संख्यात्मक जाँच और सहसंबंध प्लानेर एब्लेटिव थर्मल प्रोटेक्शन सिस्टम के माध्यम से प्रसार। थर्मल साइंस एंड इंजीनियरिंग प्रगति, 7, 279-287। <https://doi.org/10.1016/j.tsep.2018.07.008> थर्मल इंजीनियरिंग, 144 (12)
518. खान, वी. सी., वेल्डनदास, ए. के., बालगसन, जी., शिवकुमार, एम. एस., खान, वी. सी., वेल्डंडा, ए. के., शिवकुमार, एम. एस. (2018)। मल्टी लेयर्ड टारगेट मटेरियल पर न्यूमेरिकल स्टडी इम्पैक्ट लोड हो रहा

- है। लैटिन अमेरिकन जर्नल ऑफ सॉलिड्स एंड स्ट्रक्चर्स, 15 (4)। <https://doi.org/10.1590/1679-78254156>
519. महतो, बी., गंता, एन., और भूमकर, वाई. जी. (2018)। एक दो आयामी प्रवाह द्वारा ध्वनि पीढ़ी का प्रत्यक्ष अनुकरण एक कील अतीत। भौतिकी के तरल पदार्थ, 30 (9), 096101. <https://doi.org/10.1063/1.5039953>
520. मल्ला, एल. के., जेना, एस. के., महापात्र, एस. के., और चम्बा, ए. जे. (2018)। केन्द्रापसारक घूर्णन सिलेंडर के साथ एक द्रव-छिद्रयुक्त समग्र गुहा के अंदर मिश्रित संवहन। हीट ट्रांसफर एशियन रिसर्च, 47 (4), 684–701। <https://doi.org/10.1002/htj.21336>
521. MANDAVA, R. K., और VUNDAVILLI, P. R. (2018)। द्विध्रुवीय रोबोट के पीआईडी नियंत्रक के अनुकूलन के लिए संशोधित अराजक आक्रामक खरपतवार अनुकूलन एल्गोरिदम का कार्यान्वयन। सधन, 43 (5), 66. <https://doi.org/10.1007/s12046-018-0851-9>
522. मांडव, आर.के., और वुंडविल्ली, पी. आर. (2018)। बाईपास रोबोट के लिए इष्टतम पीआईडी नियंत्रकों के पास जबकि असमान क्षेत्रों पर चलना। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ऑटोमेशन एंड कंप्यूटिंग, 15 (6), 689-706। <https://doi.org/10.1007/s11633-018-1121-3>
523. मेहरा, डी., महापात्र, एम. एम., और हर्ष, एस. पी. (2018)। RZ5-TiC मैग्नीशियम मैट्रिक्स समग्र पहनने के अनुकूलन Taguchi दृष्टिकोण का उपयोग कर मानकों। औद्योगिक स्नेहन और अधिकरण, 70 (5), 907–914। <https://doi.org/10.1108/ILT-04-2017-0095>
524. मेहरा, डी., महापात्र, एम. एम., और हर्ष, एस. पी. (2018)। RZ5-10wt% TiC इन-सीटू मैग्नीशियम मैट्रिक्स समग्र का प्रसंस्करण। मैग्नीशियम और मिश्र की पत्रिका, 6 (1), 100-105। <https://doi.org/10.1016/j.jma.2018.01.002>
525. मेहरा, डी., महापात्र, एम. एम., और हर्ष, एस. पी. (2018 ए)। स्वस्थानी समग्र में RZ5-TiC के सूखे अपघर्षक पहनने पर पहनने के मापदंडों का प्रभाव। औद्योगिक स्नेहन और अधिकरण, Tribology (2), 256-263। <https://doi.org/10.1108/ILT-12-2016-0306>
526. मिश्रा, पी. के., प्रधान, ए. के., और पंडित, एम. के. (2018)। आसंजन विफलता विफलता स्पार विंग्सकिन जोड़ों का विश्लेषण घुमावदार टुकड़े टुकड़े में एफआरपी समग्र और एफजीएम पैनल के साथ किया जाता है। आसंजन और चिपकने के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 85, 77-87। <https://doi.org/10.1016/j.ijadhadh.2018.05.018>
527. महांती, आर. एल., स्वैन, ए., और दास, एम. के. (2018)। मिश्रित ट्यूब बंडल का परिपत्र और अंडाकार ट्यूबों से बना थर्मल प्रदर्शन। थर्मल साइंस एंड इंजीनियरिंग प्रगति, 5, 492–505। <https://doi.org/10.1016/j.tsep.2018.02.009>

528. नायक, एस., महांती, जे. आर., सामल, पी. आर., और नंदा, बी. के. (2018)। पॉलीविनाइल क्लोराइड को रेइका शीथ फाइबर कम्पोजिट्स के साथ प्रबलित किया गया - एक प्रायोगिक अध्ययन। जर्नल ऑफ़ नेचुरल फाइबर्स, 0 (0), 1-12। <https://doi.org/10.1080/15440478.2018.1534186>
529. पांडे, सी., महापात्र, एम. एम., कुमार, पी., और सैनी, एन. (2018)। डिफ्यूजबल हाइड्रोजन और उसके बाद के अवशिष्ट तनाव और बहुपक्षीय वेल्डेड P91 स्टील्स की फ्लेक्सुरल स्ट्रेंथ पर वेल्ड कंजम्पशन कंडिशनिंग का प्रभाव। धातुकर्म और सामग्री लेनदेन बी: प्रक्रिया धातुकर्म और सामग्री प्रसंस्करण विज्ञान, 49 (5), 2881-2895। <https://doi.org/10.1007/s11663-018-1314-8>, 06018
530. पांडे, सी., महापात्र, एम. एम., कुमार, पी., और सैनी, एन. (2018)। P91 स्टील और उनके वेल्ड पर कुछ अध्ययन। मिश्र और यौगिकों की पत्रिका, 43, 332-364। <https://doi.org/10.1016/j.jallcom.2018.01.120>
531. पांडे, सी., मोहन महापात्र, एम., कुमार, पी., कुमार, पी., और ठाकरे, जे. जी (2018 बी)। टीआईजी वेल्डेड p91 और P92 स्टील्स के लिए वेल्ड फ्यूजन ज़ोन की विशेषता। धातुकर्म और सामग्री के अभिलेखागार, 63 (4), 1755-1761। <https://doi.org/10.24425/amm.2018.125102>
532. पांडे, सी., सैनी, एन., ठाकरे, जे. जी, महापात्र, एम. एम., और कुमार, पी. (2018 सी)। माइक्रोप्रेक्चर विकास और शीत-शक्ति-वर्धित फेराइटिक स्टील के तन्य गुणों पर शीतलन माध्यम का प्रभाव। सामग्री की विज्ञान और प्रौद्योगिकी, 30 (2), 86-91। <https://doi.org/10.1016/j.stmat.2018.01.005>
533. पांडे, चंदन, महापात्र, एम. एम., और कुमार, पी. (2018)। प्लास्टिक की त्रुटि सहित P91 वेल्डेड पाइप में अनुप्रस्थ संकोचन तनाव और अवशिष्ट तनाव का एक तुलनात्मक अध्ययन। सिविल और मैकेनिकल इंजीनियरिंग के अभिलेखागार, 18 (3), 1000-1011। <https://doi.org/10.1016/j.acme.2018.02.007>
534. पांडे, चंदन, महापात्र, एम. एम., और कुमार, पी. (2018)। फ्रैक्चर फ्रंटियर पर पोस्ट वेल्ड हीट ट्रीटमेंट का प्रभाव और क्रेप P91 वेल्डेड नमूना का प्रकार IV क्रैकिंग प्रकृति। सामग्री विज्ञान और इंजीनियरिंग: ए, 731, 249-265। <https://doi.org/10.1016/j.msea.2018.06.038>
535. पांडे, चंदन, महापात्र, एम. एम., कुमार, पी., और सैनी, एन. (2018)। विच्छेदन P91 और P92 स्टील वेल्ड संयुक्त के लिए भराव तार के साथ ऑटोजेनस टंगस्टन अक्रिय गैस वेल्डिंग और टंगस्टन चाप वेल्डिंग का तुलनात्मक अध्ययन। सामग्री विज्ञान और इंजीनियरिंग: ए, 712, 720737। <https://doi.org/10.1016/j.msea.2017.12.039>
536. पांडे, चंदन, महापात्र, एम. एम., कुमार, पी., और सैनी, एन. (2018)। ऑटोजेनस टंगस्टन-इन्टर्गैस वेल्डिंग और गैस टंगस्टन आर्क वेल्डिंग का उपयोग करके सीएसईएफ स्टील्स के डिसमिलर जुड़ने और  $\delta$ -फेराइट विकास और यांत्रिक गुणों पर उनके प्रभाव। जर्नल ऑफ़ मैनुफैक्चरिंग प्रोसेस, 31, 247-259। <https://doi.org/10.1016/j.jmapro.2017.11.020>

537. पांडे, चंदन, महापात्र, एम. एम., कुमार, पी., और सैनी, एन. (2018)। तन्यता के गुणों पर तनाव दर और पायदान ज्यामिति का प्रभाव और रेंगना शक्ति बढ़ाने वाले फ्रैक्चर तंत्र P91 स्टील। परमाणु सामग्री जर्नल, 498, 176–186। <https://doi.org/10.1016/j.jnucmat.2017.10.037>
538. पांडे, चंदन, महापात्र, एम. एम., कुमार, पी., और सैनी, एन. (2018)। अलग-अलग सामान्यीकरण और तड़के उपचार का उपयोग करके P91 वेल्डमेंट का होमोजिनाइजेशन। सामग्री विज्ञान और इंजीनियरिंग: ए, 710, 86–101। <https://doi.org/10.1016/j.msea.2017.10.086>
539. पांडे, चंदन, महापात्र, एम. एम., कुमार, पी., सैनी, एन., ठाकरे, जे. जी, और कुमार, पी. (2018)। डबल ऑस्टेनाइजेशन उपचार का उपयोग करके P91 स्टील का अनाज शोधन। सामग्री प्रदर्शन और चरित्र, 7 (1), 20180094. <https://doi.org/10.1520/MPC20180094>
540. पांडे, चंदन, महापात्र., एम. एम., कुमार, पी., सैनी, एन., ठाकरे, जे. जी, विद्यार्थी, आर.एस., और नारंग, एच. के. (2018f)। प्रसार P91 और P92 स्टील वेल्ड संयुक्त में ite-फेराइट विकास पर एक संक्षिप्त अध्ययन और यांत्रिक गुणों पर उनका प्रभाव। सिविल और मैकेनिकल इंजीनियरिंग के अभिलेखागार, 18 (3), 713-722। <https://doi.org/10.1016/j.acme.2017.12.002>
541. पांडे, चंदन, मोहन महापात्र, एम., कुमार, पी., और सैनी, एन. (2018)। डिसिमिलर P91 और P92 स्टील्स के भराव वेल्डिंग के साथ ऑटोजेनस टंगस्टन इनर्ट गैस और गैस टंगस्टन आर्क। जर्नल ऑफ प्रेशर वेसल टेक्नोलॉजी, 140 (2), 021407-021407–7। <https://doi.org/10.1115/1.4039127>
542. पांडे, चंदन, मोहन महापात्र, एम., कुमार, पी., मुलिक, आर.एस., सैनी, एन., और गोपाल ठाकरे, जे। (2018)। प्रसार P91 और P92 स्टील संयुक्त में Effect-फेराइट विकास पर वेल्डिंग प्रक्रिया और PWHT का प्रभाव। सामग्री आज: कार्यवाही, 5 (9, भाग 1), 17080-17088। <https://doi.org/10.1016/j.matpr.2018.04.115>
543. पोनुगोती, जी। आर., अल्लुरु, जी. के., और वुंडविल्ली, पी. आर. (2018)। रिस्पांस सरफेस मेथोडोलॉजी बेस्ड मॉडलिंग ऑफ फ्रिक्शन-वियर बिहेवियर ऑफ अल 6061/9% जीआर / डब्ल्यूसी एमएमसीएस और फजी जीआरए का उपयोग करके इसका अनुकूलन। भारतीय धातु संस्थान के लेन-देन, 71 (10), 2465–2478। <https://doi.org/10.1007/s12666-018-1377-x>
544. साहू, एस.के., दास, एम.के., और रथ, पी. (2018)। पावर सर्ज ऑपरेशन के दौरान इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरण के लिए हाइब्रिड कूलिंग सिस्टम पावर सर्ज ऑपरेशन के दौरान इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरण के लिए हाइब्रिड कूलिंग सिस्टम। IEEE घटक, पैकेजिंग और विनिर्माण प्रौद्योगिकी पर लेनदेन। <https://doi.org/10.1109/TCPMT.2017.2756919>
545. सैनी, एन., महापात्र, एम. एम., और मुलिक, आर.एस. (2018)। CSEF / M P92 स्टील वेल्ड के माइक्रोस्ट्रक्चरल इवोल्यूशन और मैकेनिकल प्रॉपर्टीज को अलग-अलग फिलर कंपोजिशन का उपयोग करके वेल्डेड किया जाता है। धातुकर्म और सामग्री लेनदेन ए, 49 (10), 4669-4683। <https://doi.org/10.1007/s11661-018-4797-7>



546. सैनी, एन., मुलिक, आर.एस., और महापात्रा, एम. एम. (2018)। उम्र बढ़ने के प्रभाव पर अध्ययन चरण विकास और P92 स्टील के यांत्रिक गुणों पर उनके प्रभाव। सामग्री विज्ञान और इंजीनियरिंग: ए, 716, 179-188। <https://doi.org/10.1016/j.msea.2018.01.035>
547. सैनी, एन., पांडे, सी., महापात्र, एम. एम., और मुलिक, आर.एस. (2018)। P911 (9Cr-1Mo-1W-V-Nb) स्टील की फ्रैक्चर सतह आकारिकी पर अलग-अलग तापमान और पायदान ज्यामिति के प्रभाव के अध्ययन पर। इंजीनियरिंग विफलता विश्लेषण, 85, 104-115। <https://doi.org/10.1016/j.engfailanal.2017.12.013>
548. सैनी, एन., पांडे, सी., महापात्र, एम. एम., और मुलिक, आर.एस. (2018)। 9Cr-1Mo-1W-V-Nb स्टील के तड़के और यांत्रिक गुणों पर उनके प्रभाव के दौरान नैनो-आकार का विकास उपजी है। सामग्री विज्ञान और इंजीनियरिंग: ए, 711, 37-43। <https://doi.org/10.1016/j.msea.2017.11.011>
549. सिंह, एम., कोंडाराजू, एस., और बहु, एस.एस. (2018)। Wettability ढाल के साथ एक सतह पर dropwise संघनन के लिए गणितीय मॉडल। हीट ट्रांसफर जर्नल, 140 (7)। <https://doi.org/10.1115/1.4039014>
550. सिंह, मनजिंदर, दतला, एन. वी., कोंडाराजू, एस., और बहु, एस.एस. (2018)। Wettability ग्रेडिएंट के अनुकूलन के माध्यम से माइक्रो हीट पाइप के थर्मल प्रदर्शन को बढ़ाया। एप्लाइड थर्मल इंजीनियरिंग, 143, 350-357। <https://doi.org/10.1016/j.applthermaleng.2018.07.093>
551. सुधीर शास्त्री, वाई.बी., किरोस, बी.जी., हैलु, एफ., और बुडारापू, पी. आर. (2018)। एक विमान इंजन के कंप्रेसर रोटार ब्लेड का प्रभाव विश्लेषण। फ्रंटियर ऑफ स्ट्रक्चरल एंड सिविल इंजीनियरिंग। <https://doi.org/10.1007/s11709-018-0493-3>
552. सुजीत, एस. वी., महापा अल-6 wt% Zn आधारित मिश्र धातु के गर्म-फाड़ प्रतिरोध पर स्टेण्ड रिंग कोर मोल्ड और स्ट्रॉटियम के प्रभाव का उपयोग करके आंसू का आकलन। भारतीय धातु संस्थान के लेन-देन, 71 (4), 923-934। <https://doi.org/10.1007/s12666-017-1225-4>
553. स्वैन, ए., और दास, एम. के. (2018)। प्रवाह के तहत झरझरा लेपित  $5 \times 3$  कंपित क्षैतिज ट्यूब बंडल का प्रदर्शन। एप्लाइड थर्मल इंजीनियरिंग, 128, 444-452। <https://doi.org/10.1016/j.applthermaleng.2017.09.038>
554. स्वैन, ए., लोचन महांती, आर., और कुमार दास, एम. (2018)। लेपित ट्यूब बंडल पर ऊंचाई के साथ चर गर्मी प्रवाह के तहत प्रवाह उबलते। प्रायोगिक थर्मल और द्रव विज्ञान, 97, 89-93। <https://doi.org/10.1016/j.expthermflusci.2018.04.010>
555. ठाकरे, जे. जी, मुलिक, आर.एस., और महापात्र, एम. एम. (2018)। एक प्लाज्मा स्प्रे थर्मल बैरियर कोटिंग के गुणों पर कार्बन नैनोट्यूब और एल्यूमीनियम ऑक्साइड का प्रभाव। सिरेमिक इंटरनेशनल, 44 (1), 438-451। <https://doi.org/10.1016/j.ceramint.2017.09.196>



556. ठाकरे, जे. जी, मुलिक, आर.एस., महापात्रा, एम. एम., और उपाध्याय, आर। (2018)। प्लाज्मा के गर्म संश्लेषण व्यवहार ने  $\text{Na}_2\text{SO}_4$ -60%  $\text{V}_2\text{O}_5$  पिघले हुए नमक वातावरण में 8YSZ-एल्यूमिना- CNT मिश्रित कोटिंग का छिड़काव किया। सिरेमिक इंटरनेशनल, 44 (17), 21533-21545। <https://doi.org/10.1016/j.ceramint.2018.08.217>
557. ठाकरे, जे. जी, पांडे, सी., मुलिक, आर.एस., और महापात्रा, एम. एम. (2018)। कार्बन नैनोट्यूब के यांत्रिक संपत्ति मूल्यांकन प्रबलित प्लाज्मा छिड़काव YSZ-एल्यूमिना समग्र कोटिंग। चीनी मिट्टी की चीजें इंटरनेशनल, 44 (6), 6980-6989। <https://doi.org/10.1016/j.ceramint.2018.01.131>
558. ठाकरे, जे. जी, पांडे, सी., मुलिक, आर.एस., महापात्रा, एम. एम., और नारंग, एच. के. (2018)। P91 वेल्डमेंट के माइक्रोस्ट्रक्चर विकास पर ग्रिट ब्लास्टिंग और थर्मल छिड़काव का प्रभाव। धातुकर्म और सामग्री के अभिलेखागार, 63 (4), 1725-1734। <https://doi.org/10.24425/amm.2018.125098>
559. वेणुगोपाल, ए., अग्रवाल, ए., और प्रभु, एस. वी. (2018)। एक गोल पाइप के अंदर रखी एक ट्रेपोज़ॉइडल ब्लफ़ बॉडी के भंवर डायनामिक्स। जर्नल ऑफ़ टर्बुलेंस, 19 (1), 1-24। <https://doi.org/10.1080/14685248.2017.1377345>
560. यादव, डी. के., और बर्वे, ए. (2018)। फजी DEMATEL का उपयोग करके मानवीय आपूर्ति श्रृंखलाओं के महत्वपूर्ण सफलता कारकों को विभाजित करना। बेंचमार्किंग: एक अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 25 (2), 400-425। <https://doi.org/10.1108/BIJ-10-2016-0154>

### खनिजों, धातुकर्म और सामग्री इंजीनियरिंग विज्ञान विद्यापीठ

561. आदित्य, ए., सुरेश, ए., श्रीरामोजु, एस. के., दाश, पी. एस., पति, एस., और पद्मनाभन, एन. पी. एच. (2018)। कोयले के डामरीकरण प्रक्रिया में सोडियम हाइड्रॉक्साइड की खपत का अनुकूलन अध्ययन। खनिज प्रसंस्करण और निष्कर्षण धातुकर्म समीक्षा, 39 (4), 250-257। <https://doi.org/10.1080/08827508.2017.1415208>
562. आनंद, ए., सिंह, आर., घोष, एम. के., और संजय, के. (2018)। प्रक्रिया अनुकूलन और yttrium और युरोपियम लीचिंग के लिए गतिज डेटा की पीढ़ी के लिए फैक्टरियल डिज़ाइन। खनिज प्रसंस्करण और निष्कर्षण धातुकर्म, 0 (0), 1-9। <https://doi.org/10.1080/25726641.2018.1505209>
563. अनस, एन. एम., धीरेन्द्र, बी. के., जुहलावती, एच., अब्दुल्ला, टी. के., और अनासैदा, ए.एस. (2018)। क्रायोलाॅड अल 5052 मिश्र धातु के गुणों पर प्रारंभिक माइक्रोस्ट्रक्चर का प्रभाव अलग-अलग उपचार उपचार तापमान के अधीन है। सामग्री इंजीनियरिंग और प्रदर्शन जर्नल, 27 (11), 6206-6217। <https://doi.org/10.1007/s11665-018-3645-7>
564. चंदा, यू.के., बेहरा, ए., राॅय, एस., और पति, एस. (2018)। बहुलक इलेक्ट्रोलाइट झिल्ली ईंधन सेल के लिए निम्न कार्बन स्टील द्विध्रुवीय प्लेटों पर नी-सीआर-पी कोटिंग्स का मूल्यांकन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ हाइड्रोजन एनर्जी, 43 (52), 23430-23440। <https://doi.org/10.1016/j.ijhydene.2018.10.218>

565. दास, एस., बिस्वाल, ए. के., परिदा, के., चौधरी, आर. एन. पी., और राँय, ए. (2018)। ऊर्जा कटाई के लिए PMN-PT / CNT आधारित बहुलक मिश्रित फिल्म का इलेक्ट्रिकल और मैकेनिकल व्यवहार। एप्लाइड सर्फेस साइंस, 428, 356-363। <https://doi.org/10.1016/j.apsusc.2017.09.077>
566. झा, एस., आदित्य, जी.एस.एल., मंडल, ए., और धीरेवाँ, बी. के. (2018)। कम कतरनी और कंपन प्रेरित पिघल कंडीशनिंग सेटअप द्वारा Hypoeutectic अल-सी मिश्र में माइक्रोस्ट्रक्चरल परिवर्तन। भारतीय धातु संस्थान के लेन-देन, 71 (11), 2783-2787। <https://doi.org/10.1007/s12666-018-1436-3>
567. किशोर, आर., आर, के., सत्पथी, एम., नुसिनोव, जेडा, और साहू, के. (2018)। "बड़े डेटा एनालिटिक्स" टूल का उपयोग करके दानेदार टुकड़ियों में मेसो-स्केल नेटवर्क आर्किटेक्चर का अमूर्तन। जर्नल ऑफ़ फ़िज़िक्स कम्युनिकेशंस, 2. <https://doi.org/10.1088/2399-6528/aab386>
568. कृष्णा, बी., चतुर्वेदी, ए., मिश्रा, एन., और दास, के. (2018)। ऊर्जा-संचयन माइक्रोसिस्टम्स में अनुप्रयोगों के लिए SU8 / ZnO नैनोकॉम्पोसिट फिल्मों के नैनोमैकेनिकल लक्षण वर्णन। माइक्रोकॉइनिक्स और माइक्रोइंजीनियरिंग की पत्रिका, 28 (11), 115013. <https://doi.org/10.1088/1361-6439/aae10c>
569. मंडल, पी., कुमार चंदा, यू., और राँय, एस (2018)। स्टेनलेस स्टील द्विध्रुवी प्लेट पर संक्षारण प्रतिरोध विधि की समीक्षा। सामग्री आज: कार्यवाही, 5 (9, भाग 3), 17852-17856। <https://doi.org/10.1016/j.matpr.2018.06.111>
570. मांगीपुड़ी, के. आर., इप्लर, ई., और वोल्कर्ट, सी. ए. (2018)। बहुस्तरीय पैदावार और कठोरता पर नैनोपोरस सोने के तनाव संबंध उत्पन्न करते हैं। स्क्रिप्ट सामग्री, 146, 150-153। <https://doi.org/10.1016/j.scriptamat.2017.11.033>
571. मिश्रा, एम., मुखर्जी, आई., मॉल, ए. के., मित्रा, ए., दाश, एस., चटर्जी, एस., ... राँय, ए. (2018)। काटे गए हेक्सागोनल द्वि-पिरामिड गैलियम फेराइट नैनोकॉन्क्रिस्टल: दृश्य-प्रकाश फोटो-गतिविधि और स्वयं-सफाई गुणों के साथ संरचनात्मक विवरण का एकीकरण। जर्नल ऑफ़ मैटेरियल्स केमिस्ट्री ए, 6 (27), 13031-13040। <https://doi.org/10.1039/C8TA02749H>
572. मोहम्मद, डब्लू., गोलपुड़ी, एस., चरित, आई., और मूर्ति, के एल (2018)। इंप्रेशन टेस्ट द्वारा मूल्यांकन किए गए गृहनगर मिश्रधातु का निरूपण। सामग्री विज्ञान और इंजीनियरिंग: ए, 712, 140-145। <https://doi.org/10.1016/j.msea.2017.11.088>
573. पांडे, ए., चंदा, यू. के. बेसरा, एल., साहू, के. के., राँय, ए., और पति, एस. (2018)। कम तापमान SOFC के लिए Na-SrSiO<sub>3</sub> इलेक्ट्रोलाइट्स में चरण-एकरूपता की पहचान। जर्नल ऑफ़ इलेक्ट्रोसेरेमिक, 40 (1), 50-56। <https://doi.org/10.1007/s10832-017-0097-7>

574. साहू, के. के., राजपूत, एस.एस., गुप्ता, आर., राँय, ए., और गर्ग, ए. (2018)। बेहतर फेरोइलेक्ट्रिक गुणों के साथ एनडी और आरयू सह-डोपेड बिस्मथ टाइटेनट पॉलीक्रिस्टलाइन पतली फिल्में। जर्नल ऑफ फिजिक्स डी: एप्लाइड फिजिक्स, 51 (5), 055301. <https://doi.org/10.1088/1361-6463/aa9fa5>
575. साहू, एन.आर., महापात्र, पी. के। जे., और महंती, बी. (2018)। भारत में कोयला आधारित थर्मल पावर क्षेत्र के लिए ऊर्जा-दक्षता लक्ष्यों को सामान्य करने की प्रक्रिया की जांच करना। नवीकरणीय और सतत ऊर्जा समीक्षाएं, 81, 342–352। <https://doi.org/10.1016/j.rser.2017.08.005>
576. साहू, एस., झा, बी. बी., महता, टी. एस., शर्मा, जे., मूर्ति, टी. एस. आर. सी., और मंडल, ए. (2018)। TiB<sub>2</sub> कणों के इम्प्रेशन रेंगना व्यवहार स्टील मैट्रिक्स कंपोजिट प्रबलित। सामग्री विज्ञान और प्रौद्योगिकी, 34 (16), 1965-1975। <https://doi.org/10.1080/02670836.2018.1497130>
577. साहू, सिलानी, झा, बी.बी., साहू, टी. के., और मंडल, ए. (2018)। स्टील-आधारित कंपोजिट पर सुदृढीकरण और प्रसंस्करण का प्रभाव: माइक्रोस्ट्रक्चर और मैकेनिकल प्रतिक्रिया। सामग्री और विनिर्माण प्रक्रियाएं, 33 (5), 564-571। <https://doi.org/10.1080/10426914.2017.1364865>
578. साहू, सुश्रंगिता, दास, एस., महापात्र, पी. के., और चौधरी, आर. एन. पी. (2018)। निर्माण और LaFeO<sub>3</sub>-BaTiO<sub>3</sub> इलेक्ट्रिक सिरेमिक का लक्षण वर्णन। सामग्री रसायन विज्ञान और भौतिकी, 216, 158–169। <https://doi.org/10.1016/j.matchemphys.2018.05.032>

## अनुसंधान, विकास एवं सहयोग

समय के साथ अनुसंधान और विकास गतिविधियाँ बढ़ रही हैं। संस्थान द्वारा अब तक (2010-19) प्राप्त परियोजनाओं का कुल मूल्य 192 प्रायोजित अनुसंधान और 172 परामर्शी परियोजनाओं के माध्यम से लगभग 107 करोड़ रुपये है। अनुसंधान और परामर्श परियोजनाओं का गोलमाल मूल्य क्रमशः 96 करोड़ रुपये और 11.00 करोड़ रुपये है। चालू वर्ष (2018-19) के दौरान 20.37 करोड़ रुपये की परियोजनाएँ प्राप्त हुई हैं, जिसमें 16.68 करोड़ रुपये मूल्य की प्रायोजित परियोजनाएँ और 3.69 करोड़ रुपये की कंसल्टेंसी परियोजनाएँ शामिल हैं। प्रमुख फंडिंग एजेंसियां डीएसटी, एमएचआरडी, सीएसआईआर, युजीसी, इसरो, डीआरडीओ, आईसीएसएसआर, डीईई, सीपीआरआई, डीएसी, डीबीटी, डीटी, नालको, एनपीओएल, आईयुएसएसटीएँफ्र, आईएनसीओआईएस,

एमओईएस, एमओडब्लूआर, भा.प्रौ.सं.एम, एनसीएओआर, बीआरएनएस केपीआईटी, पी&सी विभाग ओडिशा सरकार आदि शामिल हैं। उपरोक्त के अलावा हाल ही में प्रस्तुत किए गए 70 करोड़ रुपये के कुल 90 परियोजना प्रस्तावों में से एक पाइपलाइन में हैं। इन परियोजनाओं में शामिल प्रमुख क्षेत्र हैं- एडवांस मटीरियल, एनर्जी, नैनोटेक हार्डवेयर, हेल्थ केयर, डिफेंस, सीएस एंड आईसीटी, एनवायरनमेंटल साइंसेज एंड क्लाइमेट चेंज, वाटर रिसोर्स एंड रिवर साइंस, मैनुफैक्चरिंग एंड सस्टेनेबल अर्बन डिजाइन। हमारे संकाय सदस्यों ने एमएचआरडी की प्रमुख पहलों में भाग लिया जैसे कि इंप्रिंट, उत्तर अविष्कार योजना (युएवाई), स्वच्छ कार्य योजना, फिस्ट और उन्नत भारत अभियान (युबीए) आदि।



हाल के उद्योग-अकादमियों के सहयोग और आरएंडडी पहल के साथ-साथ राष्ट्रीय/राज्य मिशनों से जुड़ी परियोजनाओं के लायक कुछ निम्नानुसार हैं। 17 फरवरी, 2019 को ओडिशा अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी (ओआरईडीए) के साथ एक व्यापक आधारित अनुसंधान सहयोग समझौते पर हस्ताक्षर किए गए थे, ताकि ओडा को उनके मिशन "रूफ टॉप सोलर सिस्टम के लिए राज्य नीति" में तकनीकी सहायता और सलाह प्रदान की जा सके।



संयुक्त मार्गदर्शन, इंटरनशिप और सहयोगी की संभावना का पता लगाने के लिए ऑकलैंड विश्वविद्यालय के साथ एक अंतरराष्ट्रीय शोध पहल की गई थी, जो कि संभावित डोमेन में दो संस्थानों के बीच शैक्षिक संस्थानों और सहयोग के लिए सिविल और पर्यावरण इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रिकल और कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग आदि अनुसंधान परियोजनायें को बढ़ावा देने के लिए उठाया गया था।

एक अन्य समझौता ज्ञापन पर भा.प्रौ.सं.भुवनेश्वर और सीएसआईआर- इंस्टीट्यूट ऑफ मिनरल्स एंड मटेरियल्स टेक्नोलॉजी (आईएमएमटी), भुवनेश्वर के निदेशकों द्वारा 13 अप्रैल, 2019 को मेटालर्जिकल के प्रमुख क्षेत्रों इंजीनियरिंग, सामग्री विज्ञान और इंजीनियरिंग और मैकेनिकल इंजीनियरिंग में दो संस्थानों के बीच सहयोगात्मक अनुसंधान, और ज्ञान और तकनीकी ज्ञान के आदान-प्रदान को बढ़ावा देने के लिए हस्ताक्षर किए गए।



संस्थान सक्रिय रूप से राष्ट्रीय अनुसंधान एवं विकास मिशनों में भी भाग ले रहा है, जिसका नाम है “महत्वपूर्ण अनुसंधान, नवाचार और प्रौद्योगिकी (इंप्रिंट)। इंप्रिंट के तहत इस वर्ष 1.60 करोड़ रुपये के दो नए प्रोजेक्ट प्रस्तावों को इंप्रिंट के तहत कुल चार परियोजनाएँ स्वीकृत की गई हैं। स्वीकृत परियोजनाओं के अलावा, कुल 15 प्रस्ताव इंप्रिंट के तहत 13.21 करोड़ रुपये पाइपलाइन में हैं।

**एओटीएस जापान के अधिकारियों का दौरा:** प्रवासी तकनीकी सहयोग और सतत भागीदारी के लिए एसोसिएशन का एक प्रतिनिधिमंडल (एओटीएस), जापान ने जापानी उद्योगों द्वारा संस्थान के छात्रों के लिए अनुसंधान और विकास सहयोग और वाहक विकास के अवसरों की संभावना का पता लगाने के लिए 10 अप्रैल 2019 को हमारे संस्थान का दौरा किया।



### प्रायोजित अनुसंधान परियोजनाएँ

चालू प्रायोजित परियोजनाओं की संख्या



नई प्रायोजित परियोजनाओं की संख्या





क्र.सं	परियोजना का शीर्षक	संकाय का नाम (प्रधान अन्वेषक)	फंडिंग एजेंसी का नाम
<b>आधारीय विज्ञान विद्यापीठ</b>			
1.	हेटरोडिमेतालिक कोम्प्लेक्सेस और उनके थेरानोस्टिक और कैटेलेटिक आस्पेक्ट्स का विकास	डॉ. श्रीकांत पात्र	डीएसटी
2.	लागत प्रभावी प्रक्रिया का विकास और बड़े हुए यांत्रिक गुणों के A1-Mg मिश्र धातुओं के उत्पादन के लिए जाना जाता है, जिसमें ग्रेफेन / ग्रेपम ऑक्साइड शामिल है, जो ऑटोमोबाइल अनुप्रयोग के लिए उपयुक्त है।	प्रो.सरोज नायक	नाल्को
3.	ग्राफ और संबद्ध भग्न की स्वतंत्रता बहुपद	डॉ.तारकांता नायक	डीएसटी
4.	इपीडियम और गोल्ड के डीपीपीजेड आधारित मोनोन्यूक्लियर कॉम्प्लेक्स का विकास संभावित ल्यूमिनेसेंट जांच और एंटीकैंसर एजेंट के रूप में	डॉ. श्रीकांत पात्र	सीएसआईआर
5.	आईओएन नैनोस्टेक्टेड सामग्रियों का संशोधित संशोधन और सतह गीला करने वाली संपत्ति की ट्यूनिंग	डॉ.श्यामल चटर्जी	डीएसटी
6.	इसकी संरचना, चैपरोन फ्रंक्शन और वृद्धि, अस्तित्व और साथ ही माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस के रोगजनन पर एलएसपी 16.3 में लाइसिन एसिटिलेशन का प्रभाव।	डॉ.आशीष विश्वास	डीएसटी
7.	मल्टीग्राफ के स्पेक्ट्रा और उनके अनुप्रयोग जटिल नेटवर्क के लिए	डॉ.सस्मिता बारिक	डीएसटी
8.	2-डायनामिक नैनोस्ट्रक्चर और नैनो-बायो इंटरफेसेस की नैनोस्ट्रक्चर जीनोमिक्स डिजाइनिंग की कार्यक्षमता	प्रो. सरोज नायक	आईयुएसएसटीएफ़
9.	ग्रिड से वंचित समुदायों के लिए सामग्री और संबंधित भंडारण उपकरण	प्रो. सरोज नायक	डीएसटी
10.	फोटोग्राफिक क्रिस्टल फाइबर मोडल इंटरफेरोमीटर पर आधारित नैनो और माइक्रो विस्थापन सेंसर का डिजाइन और अध्ययन	डॉ. राजन झा	आईएसआरओ
11.	मल्टी-ड्रग रेजिस्टेंस (एमडीआर) कैंसर सेल्स के लिए कुछ प्राकृतिक समुद्री पिरामिड एल्कालॉयड्स और उनसे प्रेरित अणुओं का संश्लेषण	डॉ. तबरेज़ खान	सीएसआईआर
12.	सोला सेल अनुप्रयोगों के लिए सेमीकंडक्टर ग्राफीन हाइब्रिड नैनोसेट्स का विकास और लक्षण वर्णन	डॉ.सच्चिदानंद रथ	डीएसटी
13.	ऑप्टिकल माइक्रोफाइबर पर आधारित / ओवर वॉटर अनुप्रयोगों के लिए ध्वनिक सेंसर का डिजाइन और विकास	डॉ. राजन झा	डीएसटी
14.	C5aR और N5L2 रिसेप्टर के एन-टर्मिनस पेप्टाइड्स के साथ hc5a की बातचीत पर संरचनात्मक अध्ययन	डॉ. सौमंद्र राणा	डीएसटी
15.	आयन विकिरण एक आयामी कार्यात्मक नैनो सामग्री के संशोधित संशोधन	डॉ.श्यामल चटर्जी	बीआरएनएस
16.	उच्च रिज़ॉल्यूशन न्यूट्रॉन विवर्तन तकनीक द्वारा स्तरित पेकोवेट्स में हाइब्रिड अनुचित फेरोइलेक्ट्रिकिटी का अध्ययन	डॉ. निहारिका महापात्र	युजीसी-डीईई
17.	प्रकाश द्वारा शुरू किए गए इलेक्ट्रॉन टुकड़ी की जांच के लिए एक बाध्य-राज्य इलेक्ट्रॉनिक संरचना सिद्धांत दृष्टिकोण	डॉ.कौसिक सामंत	डीएसटी
18.	सोलर लाइट, सोलर रूफ शीट और बैटरी में सुपीरियर थर्मल और इलेक्ट्रॉनिक प्रॉपर्टीज के एल्युमिनियम आधारित नए अनुप्रयोगों के विकास के लिए प्रक्रिया	प्रो. सरोज नायक	नाल्को
19.	इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों में इंटरकनेक्सेस के रूप में परमाणु स्केल एल्यूमीनियम	प्रो. सरोज नायक	नाल्को



20.	कॉम्पैक्ट मून सोलेनोइड (सीएमएस) अपग्रेड, ऑपरेशन और यूटिलाइजेशन	डॉ.सीमा बहिनपति	डीएसटी
21.	रूथेनियम इरिडियम और पैलेडियम के विषमकोण और उनके रासायनिक और जैविक पहलुओं का डिजाइन और विकास	डॉ. श्रीकांत पात्र	डीएसटी
22.	स्व-इकट्टे द्विसंयोजक, त्रिगुट और मिश्रित-वेलेटाइन [2x2] के चुंबकीय गुणों में संक्रमण धातु ग्रिड	डॉ. अखिलेश सिंह	युजीसी-डीएई
23.	घूर्णन तरल पदार्थ में टेलर कॉलम की घटनाओं को पकड़ने के लिए उच्च आदेश कॉम्पैक्ट योजना का विकास	डॉ.टीवीएस सेखर	डीएसटी
24.	टेरेपेनोइड्स के बायोएक्टिव इरिडोइड वर्ग के कुल संश्लेषण की दिशा में निर्देशित एक सामान्य सिंथेटिक दृष्टिकोण का विकास	डॉ.तबरेज़ खान	डीएसटी
25.	नोबेल एनर्जी मटेरियल के लिए उत्कृष्टता केंद्र (सीईएनईएमए)	प्रो.सरोज नायक	एमएचआरडी
26.	उपन्यास ऍफ़टीएसजेड अवरोधक का डिजाइन, संश्लेषण और जैविक मूल्यांकन एक संभावित एंटी ट्यूबरकुलर एजेंट	डॉ.एस पाल	डीबीटी

### पृथ्वी, महासागर एवं जलवायु विज्ञान विद्यापीठ

1.	स्मार्ट सिटी भुवनेश्वर और आस-पास के क्षेत्रों के लिए हाइपरलोकल फोरकास्टिंग सिस्टम का मूल्यांकन और विकास	डॉ.संदीप पटनायक	डीएसटी
2.	उप-मेसोस्केल तटीय प्रक्रियाओं की जांच और आईएनसीओआईएस मॉडल में आत्मसात के लिए एचएफ रडार सतह धाराओं की गुणवत्ता नियंत्रण	डॉ. सौरव सिल	आईएनसीओआईएस
3.	भुवनेश्वर पेरी-शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के लिए दीर्घकालिक उच्च संकल्प भूमि उपयोग भूमि कवर (एलयुएलसी) डेटा का विकास और भावी प्रक्षेपण	डॉ.देवदत्त स्वाई	एलयुएलसी
4.	एरिनपुरा-मैलानी आग्नेय सुइट, भारत के डब्ल्यू-एसएन-पॉलीमेटेलिक प्रांत के भीतर-धातु-पैकेज 'में भिन्नता को नियंत्रित करने वाले कारकों को डिकोड करना	डॉ.सौरभ भट्टाचार्य	डीएसटी आईएनएसपीआई आरई रिसर्च अनुदान
5.	भारत के के चुनिंदा शहरों में सतह के तापमान और वर्षा पर बदलते एयरोसोल लोडिंग और शहरीकरण का प्रभाव	डॉ. वी. विनोज	डीएसटी
6.	प्रकाश घटना और संबंधित प्रक्रिया का पता लगाने और अब डॉ. देवदत्त स्वैन कास्टिंग	डॉ.देवदत्त स्वाई	इसरो
7.	एससीएटीएसएटी हवाओं का उपयोग करके ओडिशा तट के साथ उप-मेसोस्केल की संख्यात्मक सिमुलेशन	डॉ. सौरव सिल	इसरो
8.	एससीएटीएसएटी हवाओं का उपयोग करके ओडिशा तट के साथ उप-मेसोस्केल सुविधाओं के संख्यात्मक सिमुलेशन	डॉ.देवदत्त स्वाई	इसरो
9.	उच्च संकल्प अवलोकन और मॉडलिंग का उपयोग करके मानसून के निम्न दबाव के जीवन चक्र पर क्लाउड भौतिकी और गतिशीलता की भूमिका	डॉ.संदीप पटनायक	डीएसटी
10.	चांदीपुर में गंभीर मौसम की भविष्यवाणी के लिए उच्च संकल्प मेसोस्केल मॉडल में आईटीआर डॉपलर मौसम रडार उत्पादों का उपयोग	प्रो. यू सी मोहंती	आईटीआर चांदीपुर
11.	महानदी और ब्राह्मणी-बैतरणी नदी प्रणाली के विशेष संदर्भ में ओडिशा राज्य पर वर्षा पूर्वानुमान कौशल का आकलन और सुधार	डॉ.संदीप पटनायक	इसरो
12.	हिंद महासागर में सापेक्ष ताप सामग्री (आरएचसी) की मौसमी और अंतर-वार्षिक परिवर्तनशीलता	डॉ.देवदत्त स्वाई	इसरो

13.	इनोवेशन सेंटर फॉर क्लाइमेट चेंज (IC3) में तटीय महासागर वेधशाला की स्थापना और पृथ्वी, महासागर और जलवायु विज्ञान के स्कूल की क्षमता निर्माण	डॉ.संदीप पटनायक	पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
14.	बंगाल की उत्तर-पश्चिम खाड़ी पर तटीय परिसंचरण का अनुकरण	डॉ. सौरव सिल	डीएसटी
15.	मानसून की गतिशीलता और भूमि की सतह से ऊष्मागतिकी, महाद्वीपीय पैमाने पर संवहन के माध्यम से (INCOMPASS)	डॉ.संदीप पटनायक	भा.प्रौ.सं. एम
16.	मॉनसून वर्षा की लघु, मध्यम और लंबी दूरी की भविष्यवाणी के लिए भूमि की सतह प्रक्रियाओं के तहत अंडर-स्टैंडिंग और प्रतिनिधित्व में सुधार	प्रो. यू सी मोहंती	भा.प्रौ.सं. एम
17.	एशियाई गर्मियों के मानसून में सहस्राब्दी से सौ साल के पैमाने पर परिवर्तनशीलता: पूर्वी चीन सागर से फोरमीनिफेरल परिप्रेक्ष्य	डॉ.राज कुमार सिंह	एनसीएओआर
18.	इंडो गैंगेटिक प्लेन से एयरोसोल बहिर्वाह की जांच	डॉ. वी. विनोज	इसरो
19.	भारतीय समुद्र पर तीव्र भंवर की भविष्यवाणी के लिए उच्च रिज़ॉल्यूशन क्षेत्रीय युग्मित महासागर-वायुमंडल मॉडलिंग प्रणाली	प्रो. यू सी मोहंती	आईएनसीओआईएस
20.	कृषि चरण - II में जलवायु जोखिम प्रबंधन के लिए विस्तारित रेंज पूर्वानुमान प्रणाली का विकास और अनुप्रयोग	प्रो. यू सी मोहंती	डीएसी

### विद्युत विज्ञान विद्यापीठ

1.	स्मार्ट ग्रिड सुरक्षा नियंत्रण प्रकृति-प्रेरित विकेंद्रीकृत सहकारी मेटाहयूरिस्टिक रणनीतियाँ का उपयोग करना	प्रो.एन.सी.साहू	डीएसटी
2.	युडब्लूबी में इमेजिंग रडार का प्रोटोटाइप	डॉ.श्रीनिवास बोप्पू	डीएसटी-इम्प्रिंट
3.	हल्के वजन, एम२एम और एलओटी अनुप्रयोगों के लिए पुनः उपयोग योग्य संज्ञानात्मक रेडियो प्लेटफॉर्म	डॉ.भरतराम रामकुमार	डीएसटी-इम्प्रिंट
4.	संसाधनों के समन्वित नियंत्रण के माध्यम से नवीकरणीय रिच स्मार्ट माइक्रोग्रिड में भंडारण आवश्यकताओं का न्यूनतमकरण	डॉ.चन्द्रसेखर पेरुमल्ला	डीएसटी
5.	फिस्ट कार्यक्रम - एसईएस	डॉ.पी.के.साहू	डीएसटी
6.	ई 2 डब्ल्यू और ई 3 डब्ल्यू इलेक्ट्रिक ड्राइव के लिए हब और स्पोक कंसोर्टिया - उन्नत आईएम के डिजाइन, विकास और प्रोटोटाइप और ई 2 डब्ल्यू और ई 3 डब्ल्यू अनुप्रयोगों के लिए सिंक्रोनस रिलेशंस ड्राइव और वाहन एकीकरण	प्रो.एन.सी.साहू	एनएफटीडीसी
7.	छवियों में निरंतरता हटाने के साथ स्थिरता ट्रेल्स के लिए ऑनलाइन लक्ष्य स्कोरिंग प्रणाली	डॉ.एन.बी.पुहान	डीआरडीओ
8.	युआई-एसएसआईएसटी: भंडारण के साथ स्मार्ट वितरण प्रणाली के लिए यूएस-इंडिया सहयोगी	डॉ.एस.आर.समंतार य	इंडो-यूएस साइंस एंड टेक्नोलॉजी फोरम
9.	पांच भारतीय भाषाओं में आवेदन भरने के लिए भाषण इंटरफ़ेस का विकास	डॉ.एम.एस. मणिकंदन	इम्प्रिंट के तहत एमईआईटी
10.	पीवी आवेदन के लिए एसआई / एसआईसी हाइब्रिड अर्धचालक आधारित ठोस राज्य ट्रांसफार्मर कम डीसी	डॉ. दीपांकर दे	डीएसटी
11.	मशीन आधारित सौर पंप प्रणाली को ब्रश करें	डॉ. सी. एन. भेंडे	डीएसटी
12.	यूके इंडिया क्लीन एनर्जी रिसर्च इंस्टीट्यूट (यूकेआईसीईआरआई) - यूके-इंडिया ज्वाइंट वर्चुअल सेंटर फॉर क्लीन एनर्जी	डॉ. एस बी करंकी	डीएसटी

13.	नेटवर्क की सुरक्षा का आकलन करने के लिए औपचारिक तरीकों के आधार पर नेटवर्क सुरक्षा नीतियों के सत्यापन के लिए तकनीक और उपकरण	डॉ. पद्मालोचन बेरा	डीआरडीओ
14.	ऑटोनॉमस ड्राइविंग के लिए ड्राइवर का व्यवहार मॉडलिंग	प्रो. एन. सी. साहू	केपीआईटी टेक्नोलॉजीज लिमिटेड
15.	नाभिकीय संलयन रिएक्टरों में प्लाज्मा निदान के लिए सीवीडी डायमंड डिटेक्टरों का निर्माण और लक्षण वर्णन	डॉ. सच्चिदानंद रथ	बीआरएनएस
16.	विजली की गुणवत्ता में सुधार के लिए उच्च गति कम-शक्ति एम्बेडेड सिग्नल प्रोसेसर आधारित कस्टम विजली उपकरणों का डिजाइन और कार्यान्वयन	डॉ. एस. बी. करंकी	डीएसटी
17.	सस्ती और जंगम सौर फोटोवोल्टिक (एसपीवी) जल पम्पिंग प्रणाली का डिजाइन और विकास	डॉ.एस. बी. करंकी और डॉ.एम. एस. मणिकंदन	डीएएफपी
18.	स्वच्छ पर्यावरण के लिए इलेक्ट्रिकल डिस्चार्ज आधारित तकनीक का उपयोग कर डीजल इंजन उत्सर्जन नियंत्रण: एक गैर-पारंपरिक दृष्टिकोण	डॉ. शंकरसन महापात्र	डीएसटी
19.	वैमानिकी टेलीमेट्री चैनल का आकलन और समानिकरण	डॉ. पी. आर. साहू	आईटीआर चांदीपुर
20.	आईआर और सीसीडी वीडियो के लिए छवि फ्यूजन एल्गोरिदम का वास्तविक समय कार्यान्वयन	डॉ. एन. बी. पुहन	आईटीआर चांदीपुर
21.	महानिदेशक के साथ माइक्रो-ग्रिड के लिए बौद्धिक रिलेयिंग योजना का विकास	डॉ.एस.आर. सामंतराय	सीपीआरआई
22.	इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी के लिए विश्वेश्वरैया पीएचडी योजना	डॉ. एम. एस. मणिकंदन	डीईआईटीवाई
23.	कंप्यूटर विज्ञान निर्देशित जनसमूह की निगरानी भीड़ प्रवाह विश्लेषण का उपयोग करके	डॉ.देवीप्रोसाद डोगरा	डीएसटी
24.	आपातकालीन अनुप्रयोगों के लिए एमआईएमओ आधारित ट्रांसीवर का डिजाइन और कार्यान्वयन	डॉ.बरध्रम रामकुमार	डीएसटी
25.	सिस्टम डिजाइन के लिए चिप्स के लिए विशेष जनशक्ति विकास कार्यक्रम (SMDP-C2SD)	डॉ. एम. एस. मणिकंदन	डीईआईटीवाई
26.	विद्युत पारेषण नेटवर्क के लिए एक व्यापक चौड़े क्षेत्र का बैक अप सुरक्षा योजना का विकास	डॉ.एस.आर. सामंतराय	डीएसटी
27.	स्मार्ट माइक्रो-ग्रिड नेटवर्क के लिए आईसीटी के माध्यम से नवीकरणीयता का एकीकरण और बुद्धिमान प्रबंधन	प्रो. एन. सी. साहू	डीएसटी
28.	12 भारतीय भाषाओं / बोलियों में कृषि कमोडिटी की कीमतों और मौसम की जानकारी के आधार पर भाषण	डॉ. पी.के. साहू	डीईआईटीवाई

### आधारिक संरचना विद्यापीठ

1.	महानदी नदी के बेसिन के हाइड्रोमेटेरोलॉजिकल प्रक्रियाओं और जल संसाधनों पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव का आकलन	डॉ. अरिंदम सरकार	जल संसाधन मंत्रालय, भारत सरकार
2.	माइक्रोफाइट असिस्टेड वर्मीफिल्टरेशन सिस्टम का उपयोग करके घरेलू अपशिष्ट जल के लिए उपचार	डॉ. आर. आर.दाश	एमएचआरडी
3.	पैदल यात्री सुविधा के आकर्षण में सुधार के उपाय शहरी स्थानीय बस स्टॉप तक पहुंचना	डॉ. देवासीस बसु	एमएचआरडी

4.	भारत में टिकाऊ भवन डिजाइन के लिए थर्मल भंडारण उपकरणों में नैनो-संवर्धित चरण परिवर्तन सामग्री (एनईपीसीएम) की विशेषता अध्ययन	डॉ. बी हनुमंथा राव	डीएसटी
5.	बायोमास और प्लास्टिक के उत्प्रेरक सह-पायरोलिसिस के लिए रिएक्टर का डिजाइन और विश्लेषण: मिश्रित ठोस अपशिष्ट के लिए एक उपचार तकनीक	डॉ. रेम्या नीलानचेरी	डीएसटी
6.	हाइड्रो-मौसम संबंधी प्रक्रियाओं पर जलवायु परिवर्तन के प्रभावों का अध्ययन: पूर्वी भारत में विभिन्न स्थानिक और लौकिक पैमानों पर सूखे और बाढ़	प्रो. आर.के. पंडा	डीएसटी
7.	संयुक्त अनुक्रमण बैच रिएक्टर और सौर फोटोकैटलिटिक रिएक्टर द्वारा धूसरा पानी उपचार और पुनः उपयोग	डॉ. रेम्या नीलानचेरी	डीएसटी
8.	संयुक्त लीच विस्तर रिएक्टर और कम लागत माइक्रोबियल ईंधन सेल में रसोई कचरे के उपचार के दौरान बायोइलेक्ट्रिकिटी रिकवरी	डॉ. मनस्विनी बेहेरा	डीएसटी
9.	सिरेमिक सेपरेटर को रोजगार देने वाली कम लागत वाली माइक्रोबियल ईंधन सेल में राइस मिल अपशिष्ट जल उपचार और जैव-बिजली उत्पादन	डॉ. मनस्विनी बेहेरा	डीएसटी
10.	भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर के इनोवेशन-कम-इनक्यूबेशन सेंटर की स्थापना	प्रो. आर.के. पंडा	योजना और समन्वयक डी.ई.
11.	पूर्वी भारतीय कृषि में बड़े हुए जल उपयोग दक्षता के माध्यम से भूजल स्तर और गुणवत्ता में सुधार	प्रो. आर.के. पंडा	आईटीआरए

### खनिज, धातुकर्म और पदार्थ अभियांत्रिकी विद्यापीठ

1.	नितिनोल आकार स्मृति मिश्र धातु के थकान व्यवहार पर लेजर शॉक पेइंग का प्रभाव	डॉ. श्रीकांत गोलपुडी	डीएसटी
2.	उच्च शुद्धता एल्यूमीनियम (4N और इसके बाद के संस्करण) के उत्पादन के लिए कम तापमान इलेक्ट्रो रिफाइनिंग प्रक्रिया	डॉ. सुभंकर पति	नालको
3.	तनाव कोरोसियन क्रेकिंग (एसएससी) नौसेना आवेदन के लिए सामग्री का मूल्यांकन: डबल कैंटीलीवर बीम (डीसीबी) तकनीक से नई अंतर्दृष्टि	डॉ. के. के. साहू	एनआरबी, डीआरडीओ
4.	मैग्नीशियम मिश्र धातु के लिए स्टैंड-अलोन, लागत प्रभावी रूपांतरण कोटिंग्स का विकास	डॉ. के. के. साहू	एमएचआरडी का यूएई
5.	नौसेना संरचनाओं में ऑनलाइन संक्षारण निगरानी	डॉ. सुभंकर पति	एनआरबी, डीआरडीओ
6.	कास्ट निकेल एल्युमिनियम ब्रॉज़ (एनएवी) की भिगोने की क्षमता में सुधार	डॉ. पार्थ सारथी दे	एनआरबी, डीआरडीओ
7.	ओडिशा के समुद्र तट रेत से जिरकोन से प्राप्त विद्युत उपकरणों को मूल्य वर्धित किया गया	डॉ. सुभंकर पति	खान मंत्रालय
8.	नौसेना अनुसंधान बोर्ड की सामग्री के पैनल प्रमुख	प्रो. वृज कुमार ढिंडावा	डीआरडीओ
9.	सिलोस, बिन्स और हॉपर के डिजाइन का अनुकूलन मॉडलिंग के माध्यम से, मुख्य रूप से लौह अयस्क भंडारण के लिए किया जाता है	डॉ. के. के. साहू	यूएई ऑफ़ एचएमआरडी और एनएमडीसी

10.	तुलनीय माइक्रोस्ट्रक्चर और गुणों के साथ मिश्र धातुओं का उत्पादन करने के लिए कच्चा मिश्र स्क्रैप का पुनर्चक्रण	डॉ. अनिमेष मंडल	यूएई ऑफ़ एचएमआरडी और नालको
11.	घर्षण हलचल वेल्डिंग का उपयोग करके टीआई और स्टील के साथ अल का डिसमिलर जुड़ना	डॉ. पार्थ सारथी दे	नेवल मैटेरियल्स रिसर्च लेबोरेटरी (एनएमआरएल)
12.	कार्बन प्रबलित कार्बन मैट्रिक्स कम्पोजिट के निर्माण के लिए रासायनिक वाष्प घुसपैठ (सीवीआई) प्रक्रिया की मॉडलिंग	डॉ. सुभंकर पति	एएसएल, डीआरडीओ
13.	एमईएमएस में अनुप्रयोगों के लिए पीजोइलेक्ट्रिक नैनोमीटर प्रबलित बहुलक नैनोकंपोजिट फिल्मों का अध्ययन	डॉ. कौशिक दास	डीएसटी
14.	मेमोरी और एनर्जी एप्लिकेशन के लिए नॉवेल मल्टीफ़ाइरॉनिक ट्रांज़िशन मेटल ऑक्साइड्स का डिज़ाइन	डॉ. अमृतेंदु राय	डीएसटी

## यांत्रिकी विज्ञान विद्यापीठ

1.	लोअर लिम्ब एक्सोस्केलेटन के लिए डायनामिकली बैलेंस्ड गैट कंट्रोलर का डायनामिक विश्लेषण और डिज़ाइन	डॉ. पांडुरंगा वदावल्ली	डीएसटी
2.	हाइब्रिड "पीसीएम-सिंथेटिक जेट" का डिज़ाइन और विकास इलेक्ट्रॉनिक शीतलन के लिए हीट सिंक	डॉ. मिहिर कुमार दास	डीएसटी
3.	गुरुत्वीय अनुसंधान के लिए शिक्षक संघ (टारे) के नेतृत्व में गुरुत्वाकर्षण डार्ई कास्टिंग द्वारा निरंतर ढाल कार्यात्मक रूप से विकसित सामग्री (FGM) का विकास	डॉ. मानस मोहन महापात्र	डीएसटी
4.	वायुगतिकीय ड्रैग और प्रवाह प्रेरित ध्वनिक शोर को कम करने के लिए एक प्रक्षेपण यान के आकार को अनुकूलित करने के लिए तीन आयामी अस्थिर, संकुचित प्रवाह सॉल्वर (एलईएस पद्धति पर आधारित) का विकास	डॉ. योगेश भुमकर	इसरो
5.	चयनात्मक लेजर पिघलने की प्रक्रिया का उपयोग करके धातु मैट्रिक्स नैनो-कम्पोजिट का विकास	डॉ. अनिर्बान भट्टाचार्य	डीएसटी
6.	इलेक्ट्रॉनिक्स कूलिंग के लिए सह-अक्षीय सिंथेटिक जेट का डिज़ाइन और विकास	डॉ. वेणुगोपाल अरुमरु	डीएसटी
7.	फिस्ट प्रोग्राम - एसएमएस	डॉ.सत्यनारायण अय्यालासोमयजुला	डीएसटी
8.	मिश्रधातु टरबाइन रोटार के लिए मिश्र धातु 617 बायलर ट्यूब वेल्ड संयुक्त और 10Cr स्टील / मिश्र धातु 617 डिस्मिलर धातु वेल्ड संयुक्त में अवशिष्ट तनाव का मूल्यांकन	डॉ.मानस मोहन महापात्र	आईजीसीएआर, डी ई
9.	उच्च प्रदूषण और उच्च अवशिष्ट तनावों और हाइड्रोजन की रोकथाम पर जांच की मदद से रेंगने की शक्ति में वृद्धि हुई है, जो कम प्रदूषण वाले अल्ट्रा सुपरक्रिटिकल पावर प्लांट अनुप्रयोगों के लिए फेराइटिक स्टील वेल्ड को बढ़ाते हैं।	डॉ.मानस मोहन महापात्र	डीएसटी

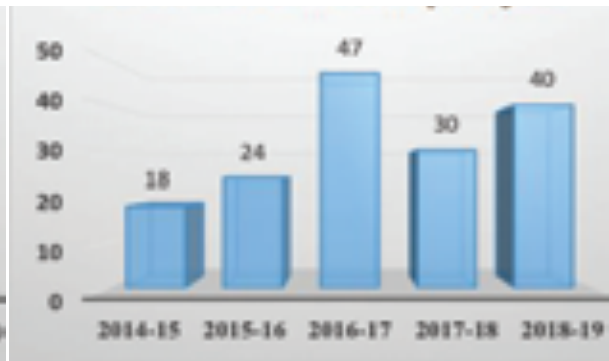
10.	संवर्धित हाइड्रोफोबिक सतह के माध्यम से स्टीम जनरेटर का प्रदर्शन सुधार	डॉ. मिहिर कुमार दास	केंद्रीय विद्युत अनुसंधान संस्थान (सीपीआरआई)
11.	तिरछा प्रभाव और सतह पर छिड़काव	डॉ. ससीधर कोंडाराजू	डीएसटी
12.	दो चरण खोल और ट्यूब हीट एक्सचेंजर के लिए कम दबाव ड्रॉप के साथ बढ़ाया हाइड्रोफोबिक ट्यूब बंडल का विकास	डॉ. मिहिर कुमार दास	डीएसटी
13.	फॉग-वाटर हार्वेस्टिंग के लिए वेटिंग और डी-वेटिंग संक्रमण का अध्ययन	डॉ. ससीधर कोंडाराजू	डीएसटी इंस्पाएर रिसर्च ग्रांट
14.	ओडिशा के तटीय जिलों में आजीविका पैटर्न, सामुदायिक लचीलापन और सामाजिक आर्थिक जोखिम पर आपदा जोखिम में कमी गतिविधियों का प्रभाव: एक केस अध्ययन	डॉ. अखिलेश बर्वे	आईसीएसएसआर
15.	अवशिष्ट तनावों के मापन के लिए डीप होल ड्रिलिंग तकनीक का विकास और इसके मूल्यांकन झरझरा लेपित	डॉ.मानस मोहन महापात्र	बीआरएनएस
16.	सतह पर पूल उबलते संकट: एक प्रायोगिक अध्ययन और मॉडल विकास	डॉ. मिहिर कुमार दास	डीएसटी
17.	नेशनल इनिशिएटिव फॉर डिज़ाइन इनोवेशन	डॉ. एस एन पाणिग्रही	एमएचआरडी

## 2018-19 के कंसल्टेंसी / डेवलपमेंट प्रोजेक्ट्स

### चालित कंसल्टेंसी प्रोजेक्ट्स की संख्या



### नई कंसल्टेंसी परियोजनाओं की संख्या



## पृथ्वी, महासागर एवं जलवायु विज्ञान विद्यापीठ

क्र.सं	परियोजना का शीर्षक	संकाय का नाम (प्रधान अन्वेषक)	फंडिंग एजेंसी का नाम
1.	ट्रॉपिक्स में वर्षा की कम और विस्तारित सीमा (मासिक पैमाने) की भविष्यवाणी के सुधार के लिए सहयोग और विशेषज्ञ की सलाह		आरआईएमईएस

## विद्युत् विज्ञान विद्यापीठ

1.	क्लस्टर विस्तार के लिए उन्नत मशीन लर्निंग एल्गोरिदम का कार्यान्वयन	डॉ. देवी प्रोसाद डोगरा	इंडो कोरिया विज्ञान और प्रौद्योगिकी केंद्र, बेंगलोर
2.	वॉयस प्रोसेसिंग और निगरानी अनुप्रयोगों के लिए स्मार्ट ऑडियो प्रोसेसिंग और संचार प्रणालियों का डिजाइन और परीक्षण	डॉ. एम एस मणिकंदन	त्रिजत्ता टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड
3.	अंत सुरक्षा के साथ वितरित एसडीएन नियंत्रक	डॉ. पी.एल. बेरा	भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड
4.	वीडियो सिनोप्सिस के लिए व्यक्ति पुनः पहचान	डॉ. देवी प्रोसाद डोगरा	कोरिया इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी के लिए व्यक्ति की फिर से पहचान
5.	दृश्य निगरानी के लिए वीडियो सिनोप्सिस एल्गोरिदम का डिजाइनिंग	डॉ. देवी प्रोसाद डोगरा	कोरिया इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी के लिए व्यक्ति की फिर से पहचान

## मानविकी, सामाजिक विज्ञान और प्रबंधन विद्यापीठ

1.	भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर सोशल आउटरीच प्रोग्राम	कोई नहीं	भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर
----	---	----------	-----------------------

## आधारिक संरचना विद्यापीठ

1.	झारखंड और ओडिशा राज्य में 6 स्थानों के लिए केवी की परियोजना के लिए संरचना डिजाइन / ड्राइंग की रूपरेखा	डॉ. सुमंत हलधर	एम/एस सीपी/डीएस एसोसिएट्स
2.	फेरो अलॉय स्लैग ग्रेन्युल	डॉ. बी हनुमंथा राव	एम/एस नव भारत वेंचर्स लिमिटेड का परीक्षण
3.	मि .30 के लिए मिक्स डिजाइन और कॉन्ट्रेट्स के एम 35 ग्रेड	डॉ. दिनाकर पासला	अल्ट्राटेक सीमेंट लिमिटेड
4.	हरिश्चंद्रपुर और कालिंदी के पूर्वी दृष्टिकोण के बीच अनुमोदित संरेखण के साथ NH81 के लापता लिंक वाले हिस्से में नई सड़क का निर्माण - ईपीसी मीटर पर मालदा पश्चिम बंगाल जिले में 46.550 किमी से 59.697 किमी	डॉ. पार्थ प्रतिम दे	डायनेमिक प्रोजेक्ट्स प्रा. लिमिटेड
5.	एंगुल - सुकिंडा नई रेलवे लाइन परियोजना के संबंध में पक्ष की ढलान की विफलता और आधार की विफलता और सुधारात्मक उपायों का सुझाव	डॉ. एस. आर. दाश	एम/एस आरवीएनएल
6.	कलिंगनगर (स्पैन 2x36 मीटर कम्पोजिट गर्डर) टाटा स्टील प्लांट में एक आरओवी के निर्माण और अधिरचना के डिजाइन और ड्राइंग का सबूत	डॉ. एस. आर. दाश	एम/एस राइट्स लिमिटेड
7.	सूरत और वडोदरा के बीच स्टील पाइपलाइन क्रॉसिंग रेलमार्ग का सुरक्षा विश्लेषण	डॉ. एस. आर. दाश	एम/एस डीएफसीसीआईएल
8.	आईओसीएल गुवाहाटी में एफ 1 प्रकार, एफ 2 प्रकार और एफ 3 प्रकार और ईटीपी शेड के पेडेस्टल्स की तकनीकी वेस्टिंग	डॉ. गौतम मोंडल	एम/एस मिनाक्षी सरकार इंजीनियरिंग और वैलुअर्स



9.	टीएसके के लिए विस्तृत डिजाइन / ड्राइंग और फुट ओवर ब्रिज की गणना की सबूत	डॉ. दिनाकर पासला	एम/एस टाटा स्टील लिमिटेड, कर्लीनगर
10.	वार्षिक योजना के तहत पश्चिम बंगाल राज्य में ईपीसी मोड पर सीएच 82.2 किमी से 99.5 किमी से शुरू होने वाले चौड़े कंधे के विन्यास के साथ एनएच-512 का उन्नयन और 99.5 किमी से न्यूनतम 4-लेन से लेकर सीएच-104 106 किमी की दूरी तक का न्यूनतम लेन-देन 2017-18	डॉ. पार्थ प्रतिम दे	एम/एस मिलेनियम रोड कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड
11.	एमएमएलपी पारादीप के लिए कंक्रीट मिक्स डिजाइन	डॉ. दिनाकर पासला	एम/एस इस्कॉन इंफ्रास्ट्रक्चर सर्विसेज लिमिटेड
12.	ईपीसी मोड पर त्रिपुरा राज्य में एनएच 8 (ओल्ड एनएच 44) के चौरीबरी से अगरतला खंड पर ज्यामितीय सुधार सीएच.318.650 किमी से 339.940 किमी (लंबाई 21.949 किमी) सहित पक्के कंधे के साथ 2-लेन चौड़ीकरण का निर्माण (लंबाई 21.9 किमी)	डॉ. पार्थ प्रतिम दे	एम/एस राम कृपाल सिंह कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड
13.	ओपीजीसी लिमिटेड के लिए बेलपहर और ब्रजराजनगर के बीच एनएच -49 पर एनएच -49 पर 2 नग की स्टील गर्डर की तकनीकी जांच की तकनीकी जांच।	डॉ. गौतम मोंडल	एम/एस एल एंड टी लिमिटेड
14.	नुआगांव से परदीप तक नई बीजी रेल लाइन के लिए रेत और स्थानीय पृथ्वी के साथ कोर निर्माण की स्थिरता विश्लेषण	डॉ. सुमंत हलधर	एम/एस रेल विकास निगम लि
15.	एक अनुसंधान और विकास परियोजना के माध्यम से 4,25,000 माउंट की लक्ष्य वार्षिक क्षमता के लिए स्पंज आयरन उत्पादन को बढ़ाने के लिए अभिवृद्धि नियंत्रण के लिए एक मॉडल आधारित निर्णय समर्थन और नियंत्रण प्रणाली	प्रो. ब्रह्म देव	एम/एस टाटा स्पंज आयरन लिमिटेड
16.	बीसीसी पटनायक अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा, भुवनेश्वर में आरसीसी बॉक्स पुलिया के 4 नगों की रूपरेखा और पुलिंग नंबर 4 के लिए उपयुक्त मृदा स्थिरीकरण के सुझाव की जांच।	डॉ. एस. आर. दास	भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण, वीजू पटनायक हवाई अड्डा
17.	अंडरपास के 60 मीटर बॉक्स पुशिंग सेक्शन की तकनीकी जांच	डॉ. एस. आर. दास	एम/एस टाटा स्टील लि
18.	कोणार्क और डालमिया के समग्र सीमेंट का मूल्यांकन	डॉ. दिनाकर पासला	एम/एस डालमिया सीमेंट्स लि
19.	पीवीडी-पैकेज 2 बी की निगरानी बस्तियों और प्रभावशीलता (रोडबेड, स्टेशन भवनों, यात्री सुविधाओं, माइनर पुलों का निर्माण, डुमका से नई बीआर रेल लाइन के संबंध में सामान्य बिजली के काम) ओडिशा राज्य में	डॉ. बी हनुमंथा राव	एम/एस आरवीएनएल
20.	भुवनेश्वर के कलिंग हॉकी स्टेडियम में वीडियो बोर्ड के फाउंडेशन और सुपरस्ट्रक्चर की डिजाइन की सबूत जांच	डॉ. सुमंत हलधर	एम/एस कंसल्टेंट्स
21.	फ्लार्ड ऐश जनरेशन पर थर्ड पार्टी ऑडिट और वर्ष 2016-17 के लिए ओडिशा में टीटीपी का उपयोग	डॉ. बी हनुमंथा राव	राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड
22.	एनएच-16, भुवनेश्वर, ओडिशा के खंडगिरी चौक पर ग्रेड सेपरेटर संरचना के लिए संरचनात्मक डिजाइन की तकनीकी जांच	डॉ. एस. आर. दास	एनएचएआई

23.	छह नग की लॉन्चिंग योजना की तकनीकी जांच। ओपीजीसी लिमिटेड के आरओआर ब्रिज नंबर 37 का 30.5 मीटर खुला वेब गाइडर	डॉ. एस. आर. दास	एम/एस एल एंड टी लिमिटेड
24.	केंद्रीय विद्यालय नंबर 2, संबलपुर के लिए तृतीय पक्ष गुणवत्ता आश्वासन परामर्श सेवाएं	डॉ. दिनाकर पासला	एम/एस ब्रेथवेट बर्न और जेसोप कंस्ट्रक्शन कंपनी लिमिटेड
25.	रेट्रोफिटिंग कार्यों के लिए डिजाइन इंजीनियरिंग सेवा	डॉ. दिनाकर पासला	एम/एस आईटीसी लिमिटेड
26.	एनटीपीसी लारा एसटीपी के रेलवे साइडिंग के निर्माण के संबंध में राइट्स लिमिटेड के पांच रेलवे पुलों की डिजाइन प्रूफ जांच	डॉ. एस. आर. दास	एम/एस राइट्स लिमिटेड
27.	रानीबागा, सुंदरगढ़ में सहायक संरचना के साथ 7.5 एमएलडी जल उपचार संयंत्र के निर्माण के लिए डिजाइन और ड्राइंग की जांच	डॉ. आर. आर. दास	पीएच विभाग, ओडिशा सरकार।
28.	राइट्स रॉब 1Y, 1x2x24m कम्पोजिट गर्डर के पुल के ऊपर रेलवे रोड के उप-निर्माण के डिजाइन और ड्रा की प्रूफ जांच	डॉ. एस. आर. दास	राइट्स लिमिटेड
29.	अंगुल-सुकिंडा रेलवे नई बीजी लिंक परियोजना के संबंध में प्रमुख पुलों (13 संशोधित) और 113) के लिए उप-निर्माण के डिजाइन और ड्राइंग की प्रूफ जांच	डॉ. एस. आर. दास	रेल विकास निगम लिमिटेड
30.	एसटीपी VI भुवनेश्वर में प्राथमिक कीचड़ पाचन के लिए युपीवी टेस्ट	डॉ. दिनाकर पासला	वाटेच वाबाग लिमिटेड
31.	ईंटों में विद्युत चालकता परीक्षण	डॉ. दिनाकर पासला	एम/एस जिंदल स्टील एंड पावर लि
32.	स्ट्रक्चरल डिजाइन, ड्राइंग (प्री-इंजीनियर बिलडिंग), ए / सी द समाजा, मानेस्वर, भुवनेश्वर	डॉ. गौतम मोंडल	एम/एस एलएलओवाईडी इन्सुलेसन
33.	इंजीनियरिंग, खरीद और निर्माण (ईपीसी) आधार अनुबंध के माध्यम से, ईपीसी मोड पर उत्तराखंड राज्य में एनएच-125 के मौजूदा केमी 92.880 से केमी 121.550 तक के केमी कंधे विन्यास के साथ मौजूदा सिंगल / इंटरमीडिएट लेन के ज्यामितीय सुधार के साथ पुनर्निर्माण।	डॉ. पार्थ प्रतिम दे	शिवालय कंस्ट्रक्शन कंपनी प्राइवेट लिमिटेड
34.	छत्तीसगढ़ राज्य में एनएच -78 के अंतर्गत एनएच 5 से एनएच -78 के लिए केमी 531/250 से केमी 597/946 (कुनकुरी से सीजी/ जेएच सीमा खंड) तक पक्के कंधों के साथ पुनर्वास और उन्नयन, इंजीनियरों, खरीद और निर्माण (ईपीसी) के माध्यम से	डॉ. पार्थ प्रतिम दे	GAWAR-S.C.C। (जेवी)
35.	नुआगांव से परदीप तक नई बीजी लाइन के लिए ढलान स्थिरता विश्लेषण	डॉ. सुमंत हलधर	एआरएसएस इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट लिमिटेड
36.	आईएनएस डीईजीए विशाखापत्तनम में एमआईजी 29K और एचएडब्लूके-एजीटी बुनियादी ढांचे के संरचनात्मक तत्व के डिजाइन के लिए परामर्श सेवाएं	डॉ. एस. आर. दास	एम/एस सुभद्रा कंसल्टेंट्स
37.	घंटाकार, तालचर में आरओबी के लिए ढेर और उपयुक्त उपचारात्मक उपायों की सुरक्षित असर क्षमता की जांच	डॉ. सुमंत हलधर	राइट्स लिमिटेड

38.	पीएमजीएसवाई के तहत निर्मित सड़कों का टेराज़ेमी (एक बायोइन्जाइम) का मूल्यांकन	डॉ. यू. सी. साहू	अविजीत एजेंसियां
39.	ओडिशा में पीएमजीएसवाई सड़क के लिए सीमेंट ट्रीटेड बेस / सब-बेस का मिक्स डिजाइन	डॉ. यू. सी. साहू	ग्रामीण कार्य विभाग, ओडिशा सरकार
40.	झारखंड और ओडिशा राज्यों के लिए प्रधान तकनीकी एजेंसी और राज्य तकनीकी एजेंसी के लिए डेटाबेस	डॉ. यू. सी. साहू	एनआरआरडीए
41.	गंजाम जिले में तारा तारिणी मंदिर रिंग रोड का संरक्षण (संरक्षण कार्यों के बारे में पहाड़ी भाग)	डॉ. यू. सी. साहू	ग्रामीण कार्य विभाग, ओडिशा सरकार
42.	साइड डलान विफलता, आधार विफलता, हाइड्रोलिक गणना और सुधारात्मक उपायों के सुझाव और क्रॉस ड्रेनेज के कार्यों का विश्लेषण अंगुल-सुकिंडा नई लाइन परियोजना के संबंध में	डॉ. सुरेश दाश, डॉ. सुमंत हलधर	रेल विकास निगम लिमिटेड
43.	बिलुआखाई नदी पर प्रस्तावित एचएल पुल के संरचनात्मक डिजाइन घटकों के लिए सलाहकार	डॉ. सुरेश आर. दाश	पूर्वी भारत निर्माण (पी) लिमिटेड
44.	बिलुहाई नदी पर प्रस्तावित एचएल पुल के संरचनात्मक डिजाइन घटकों के लिए सबूत सलाहकार के रूप में सेवा	डॉ. गौतम मोंडल	एम/एस पूर्वी भारत निर्माण (पी) लिमिटेड
45.	आरवीएनएल प्रूफ चेकिंग के मामूली पुलों का डिजाइन और ड्राइंग		रेल विकास निगम लिमिटेड

### खनिज, धातुकर्म और पदार्थ अभियांत्रिकी विद्यापीठ

1.	पीपीएल में प्रक्रिया संबंधी सुधार	प्रो .ब्रह्मा देव	एम/एस परदीप फॉस्फेट्स लि
2.	जिंदल स्टेनलेस लिमिटेड, जाजपुर, ओडिशा में प्रक्रिया नियंत्रण और अनुकूलन	प्रो .ब्रह्मा देव	एम/एस जिंदल स्टेनलेस लि
3.	प्रक्रिया नियंत्रण और जिंदल स्टेनलेस लिमिटेड जजपुर, ओडिशा में ग्रेड नियंत्रण, जेएसएलयुएसडी और जेएसएलयुडीडी के तहत ग्रेड में बढ़त दरारों को कम करने के लिए प्रक्रिया अनुकूलन	प्रो. वी. देव, डॉ. के. दास और डॉ. के. मांगीपुडी	जिंदल स्टेनलेस लिमिटेड जाजपुर, ओडिशा
4.	ग्रेड 316L में फेराइटिक सेग्रीगेशन / स्लिवर-बी की प्रक्रिया अनुकूलन, विशेषता और न्यूनतमकरण	प्रो .ब्रह्मा देव (पीआई), डॉ. ए. राँय और डॉ. के.आर. मांगीपुडी	जिंदल स्टेनलेस लिमिटेड
5.	कम चरण फेरिटिक स्टेनलेस स्टील्स (409M / ईएन 1.4003 / आईआरएमएस) में आकार समस्या को नियंत्रित करने के लिए रसायन विज्ञान नियंत्रण और प्रक्रिया अनुकूलन	कोई नहीं	जिंदल स्टेनलेस स्टील

### यांत्रिकी विज्ञान विद्यापीठ

1.	डीप-होल ड्रिलिंग तकनीक द्वारा अवशिष्ट तनाव माप	डॉ.एम. एम. महापात्र	एनएमआरएल, डीआरडी ओ
2.	बहु स्तरित बाधक के डिजाइन में सुधार के लिए एफईएम मॉडल का विकास	डॉ.एस.एन पाणिग्राही	एनपीओएल, डीआरडीओ
3.	बाँयलर पंजीकरण नंबर-ओआर -1537 और ओआर -1539 के संशोधन की वेटिंग / प्रूफ जांच	डॉ.एस. के. महापात्र	कारखानों और बाँयलर निदेशालय, ओडिशा सरकार

4.	कॉम्पैक्ट / लघु अल्ट्रासोनिक ट्रांसड्यूसर का डिजाइन	डॉ.वेणुगोपाल अरुमरु	जीई तेल और गैस (पी). लिमिटेड
5.	अर्ध-क्रायोजेनिक चरण के लिए गैसीय ऑक्सीजन हीट एक्सचेंजर का डिजाइन और विकास		एलपीएससी-इसरो
6.	एक अनुसंधान और विकास परियोजना के माध्यम से 425000 मीट्रिक टन की वार्षिक क्षमता के लिए स्पंज लोहे के उत्पादन को बढ़ाने के लिए अभिवृद्धि नियंत्रण के लिए एक मॉडल आधारित निर्णय समर्थन और नियंत्रण प्रणाली।	प्रो .ब्रह्मा देव	टाटा स्पंज आयरन लिमिटेड
7.	बॉयलर पंजीकरण संख्या -1537 और या -1539 के संशोधन की वेटिंग / प्रूफ जांच	डॉ. पी. रथ	कारखानों और बॉयलर निदेशालय

### वर्ष 2018-19 में भरा गया पेटेंट

वर्ष 2018-19 में भरा गया पेटेंट					
क्र.सं	शीर्षक	संकाय का नाम	आवेदन संख्या	वर्ष	विद्यापीठ
1.	झुका हुआ ढलान के माध्यम से प्रसंस्करण द्वारा मिश्र धातुओं की पिगलो	प्रो.बी.के. धीरेन्द्र और डॉ. ए. मंडल	201831030977	2018	एमएम एवं एमई विद्यापीठ
2..	ऑप्टिकल फाइबर मॉडल इंटरफेरोमीटर आधारित भंवर फ्लोमीटर	डॉ.आर झा, डॉ. ए. वेणुगोपाल, श्री ध्रुवराज डोरा	201831019721	2018	आधारीय विज्ञान विद्यापीठ/ यांत्रिक विज्ञान विद्यापीठ
3.	पानी में घुलनशील सुगन्धित अमाशय के फोटोकैलिटिक अपघटन के लिए एक चुंबकीय रूप से अलग और पुनः प्रयोज्य जी-सी 3 एन 4 / एफई 3 ओ 4/ झरझरा आरएनपी नैनो उत्प्रेरक	डॉ. श्रीकांत पात्र और श्री अनूप साहू	201931000965	2019	आधारीय विज्ञान विद्यापीठ
4.	कार्बन फोम के संश्लेषण के लिए एक उपन्यास प्रक्रिया	डॉ. अनिमेष मंडल, डॉ. सोभनकर पति, श्री मानस कुमार साहू		2019	एमएम एवं एमई विद्यापीठ

आमंत्रित व्याख्यान / प्रस्तुति / सम्मेलन / कार्यशाला / जीआईएन कार्यक्रम / संगोष्ठी /  
व्याख्यान / संकाय द्वारा बोलचाल

क्रमांक संख्या	व्याख्यान / प्रस्तुति का शीर्षक	लेखक	सम्मेलन का नाम, वर्ष, अवधि	अभियुक्ति
----------------	---------------------------------	------	----------------------------	-----------

**आधारीय विज्ञान विद्यापीठ**

1.	बहु-संदर्भ इलेक्ट्रॉनिक संरचना विधियों में बिखराव की गूज की जांच करने के लिए	डॉ. कौसिक सामंत	सैद्धांतिक रसायन संगोष्ठी, 2019, फरवरी 13-16	
2.	पर्यावरण और उसके उपचार पर रंगीन औद्योगिक प्रयासों का प्रतिकूल प्रभाव	डॉ. श्रीकांत पात्र	विशेषज्ञ सिविल इंजीनियरिंग विभाग, गवर्नमेंट कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, कैंडार द्वारा प्रायोजित व्याख्यान	
3.	माइकोबैक्टीरियम लेप्राई एचएसपी 18 की संरचना और चैपरोन फंक्शन पर दो प्रसिद्ध नैनोकणों का प्रभाव: कुष्ठ रोग के उपचार के लिए एक वैकल्पिक दृष्टिकोण	डॉ. आशीष विश्वास	6 वें विश्व कांग्रेस ऑन नैनोमेडिकल साइंसेज (आईएसएनएससीओएन 2018), 2018, 9-12 दिसंबर	
4.	माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस एचएस 16.3 की संरचना और कार्य पर सी-टर्मिनल डोमेन की भूमिका - बेहतर तपेदिक के टीकों को विकसित करने में अंतर्दृष्टि।	डॉ. आशीष विश्वास	ड्रग डिस्कवरी -2019 में रासायनिक और जैविक विज्ञान, (आईसी-सीबीएसडीडी -2019), 2019, 8-10 मार्च	
5.	द्विदलीय मल्टीडिग्राफ के स्पेक्ट्रा पर	डॉ.एस. बारिक और डॉ. जी. साहू	अंतर्राष्ट्रीय कांग्रेस के गणितज्ञ (आईसीएम-2018), रियो डी जनेरियो, ब्राजील, 1-9 अगस्त, 2018।	
6.	मल्टीग्राफ का एक नया मैट्रिक्स प्रतिनिधित्व डॉ	डॉ.एस. बारिक	असतत गणित (आईसीडीएम -2018) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, तिरुचिरापल्ली, भारत, 14-17 दिसंबर, 2018	
7.	गणित में कैरियर के अवसर	डॉ.एस. बारिक	आईडब्ल्यूएम वर्कशॉप - 2018, एनआईएसईआर, भुवनेश्वर, 27-28 अक्टूबर, 2018	

8.	मॉलिक्यूलर इनसाइट्स इनटू फार्माकोलॉजी एंड सिग्नलिंग ऑफ hC5a बिन्डिंग रिसेप्टर ड्रग डिस्कवरी	डॉ.एस. राणा	द्वितीय विश्व सम्मेलन फार्माकोलॉजी और विष विज्ञान पर	
9.	ड्रुगेबल प्रोटीन के कैमोमैट्रैक्टेंट रिसेप्टर्स: चिकित्सीय हस्तक्षेप के अवसर	डॉ.एस. राणा	स्कूल ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंसेज, एसओए विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर	
10.	संभावित पूरक चिकित्सा विज्ञान के रूप में "नीयूट्रालिगंड्स" की तर्कसंगत खोज।	डॉ.एस. राणा	बायोइन्जिनियरिंग-2018, एनआईटी राउरकेला	
11.	पूरक घटक 5 ए रिसेप्टर की संरचना। ड्रग डिस्कवरी के अवसर	डॉ.एस. राणा	एनबीसीसी -2018, स्कूल ऑफ केमिकल साइंसेज, एनआईएसईआर, भुवनेश्वर	
12.	डेसिफेरिंग डीसरप्टीव फमकोफोरेस फॉर मोडुलेटिंग द सिग्नलिंग अक्सेस ऑफ द कॉम्प्लीमेंट पेप्टाइड रिसेप्टर(C5aR)	डॉ.एस. राणा	ड्रग डिस्कवरी इंडिया - 2019, मुंबई, भारत	
13.	GPCRs की दुनिया में पूरक रिसेप्टर्स की कहानी।	डॉ.एस. राणा	एनसीबीबीईटीईटी -2019, बेरहामपुर विश्वविद्यालय, ओडिशा	
14.	लक्षित दृष्टिकोण में वर्तमान दृष्टिकोण और भविष्य के अवसर।	डॉ.एस. राणा	नेशनल कांफ्रेंस ऑन सेल आधारित ड्रग डेवलपमेंट एंड थेरेपी, आईपीटी-सालिपुर, कटक	
15.	कॉम्प्लेक्स डायनेमिक्स का परिचय	डॉ. ताराकांता नायक	वीर सुरेन्द्र साई यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी बुरला, ओडिशा में कॉम्प्लेक्स डायनेमिक्स का परिचय, 27 सितंबर 2018	
16.	करियर के रूप में गणित, क्यों और कैसे?	डॉ. ताराकांता नायक	लारम्भा कॉलेज, ओडिशा, 28 सितंबर 2018	माधव गणित प्रतियोगिता के आउटरीच कार्यक्रम के हिस्से के रूप में
17.	रियल विश्लेषण पर 9 व्याख्यान	डॉ. ताराकांता नायक	19-25 जून 2018 के दौरान रियल कॉम्प्लेक्स एंड फंक्शनल एनालिसिस (एटीएम स्कूल) पर शिक्षक संवर्धन कार्यशाला	राष्ट्रीय गणित के लिए राष्ट्रीय बोर्ड द्वारा वित्त पोषित

18.	कॉम्प्लेक्स डायनेमिक्स के परिचय पर 3 व्याख्यान	डॉ. ताराकांता नायक	7-11 जुलाई 2018 के दौरान पॉलिनोमोग्राफी और एप्लिकेशन के साथ बहुपद पर जीआईए अल्पकालिक पाठ्यक्रम	
19.	वास्तविक विश्लेषण पर 10 व्याख्यान	डॉ. ताराकांता नायक	14-26 मई 2018 के दौरान स्नातक इंटरएक्टिव गणित प्रशिक्षण शिविर	गणित और अनुप्रयोग संस्थान, भुवनेश्वर के वार्षिक आउटरीच कार्यक्रम का हिस्सा
20.	करियर के रूप में गणित, क्यों और कैसे?	डॉ. ताराकांता नायक	आंचल कॉलेज, पदमपुर, ओडिशा, 11 नवंबर 2018	भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी के दूरस्थ क्षेत्र व्याख्यान श्रृंखला का हिस्सा, 101 कॉलेज के छात्रों ने इसमें भाग लिया।
21.	नंबर, क्यों और कहां?	डॉ. ताराकांता नायक	बंधु आश्रम, जगतसिंहपुर, ओडिशा, 2 दिसंबर 2018	भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी के दूरस्थ क्षेत्र व्याख्यान श्रृंखला का हिस्सा, कुल उपस्थिति 25 थी जिसमें स्थानीय कॉलेजों और स्कूलों के शिक्षक और छात्र शामिल थे।
22.	सामग्री के लिए अणु	डॉ. अखिलेश कुमार सिंह	यूजीसी प्रायोजित वार्षिक संगोष्ठी	
23.	एमआरआई के लिए आणविक विपरीत एजेंट	डॉ. अखिलेश कुमार सिंह	राष्ट्रीय जैव-कार्बनिक रसायन सम्मेलन (एनबीसीसी -2018)	
24.	आकर्षण के अवसरों में ट्रिपल उत्पाद विषमता का उल्लंघन करते हुए सी.पी.	डॉ.एस.बहिनिपति	10 वाँ अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला (सीकेएम 2018)	<a href="https://arxiv.org/abs/1901.03867">https://arxiv.org/abs/1901.03867</a>
25.	ज्यामितीय प्रोग्रामिंग समस्याओं और इसके अनुप्रयोगों का परिचय	डॉ.ए.के.ओझा	संगोष्ठी, 2018	रावणेश्वर विश्वविद्यालय में आमंत्रित वार्ता
26.	पोर्टफोलियो ऑप्टिमाइज़ेशन	डॉ.ए.के.ओझा	कार्यशाला, 2018	केभा.प्रौ.सं. विश्वविद्यालय में आमंत्रित वार्ता



27.	उच्च ऊर्जा भौतिकी में विशेष विषय	डॉ. चंद्रशेखर भामिदीपति	भा.प्रौ.सं. मंडी में मिर्को- क्रेडिट कोर्स	14 घंटे, 10 व्याख्यान, 3 ट्यूटोरियल, 1 प्रश्नोत्तरी
28.	पृथक्करण रसायन विज्ञान के संश्लेषण में पॉलिमर सामग्री	डॉ.विजयकृष्ण कारी	रासायनिक विज्ञान और नैनोमीटर (आईसीसीएसएन-2019) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 07- 09 मार्च, 2019 को वीआईटी वेल्लोर द्वारा आयोजित	
29.	सेमीमेटल्स और संकीर्ण-अंतराल अर्धचालकों के विषम मैग्नेटो-प्रतिरोध व्यवहार समूह के सिद्धांत,	डॉ.निहारिका महापात्र	वार्षिक बैठक मजबूत भौतिक इलेक्ट्रॉन प्रणाली, 2019, 6-8 मार्च को	
30.	परिमित समूहों के संयुक्त आक्रमणकारियों के रूप में एक साथ संयुग्मन कक्षाएं	डॉ.पिलप्रीत कौर, डॉ.सुनील कुमार प्रजापति और डॉ. अमृतमांशु प्रसाद	ग्रुप थ्योरी पर कार्यशाला, 2019, 22-23 फरवरी	आमंत्रित वार्ता
31.	आयन बीम द्वारा ट्यूनिंग सतह गीला करने की संपत्ति	डॉ.श्यामल चटर्जी	सामग्री सामग्री इंजीनियरिंग और लक्षण वर्णन (आईबीएमईसी 2018), आईयुएसी, दिल्ली, 9-12 अक्टूबर, 2018 को आयन बीम पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन	
32.	ट्यूनिंग सतह wettability के लिए एक आयामी नैनोमीटर की आयन बीम संशोधन	डॉ.श्यामल चटर्जी	सामग्री के आयन बीम संशोधन पर 21 वीं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 24 जून - 29, 2018, सैन एंटोनियो, टेक्सास, संयुक्त राज्य अमेरिका	
33.	लोगों के लिए विज्ञान और विज्ञान के लोग	डॉ.श्यामल चटर्जी	राष्ट्रीय विज्ञान दिवस, 28 फरवरी, 2019, सेंचुरियन विश्वविद्यालय, पैरालखेमंडी, ओडिशा	
34.	AAA + ATPase ATAD2 और इसके संभावित भागीदारों का अभिव्यक्ति विश्लेषण कैंसर में उनके उच्च रोग-संबंधी महत्व को दर्शाता है।		जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू), नई दिल्ली, भारत में ट्यूमर माइक्रोएन्वायरमेंट एंड	श्रेणी में आमंत्रित बात: कैंसर अनुसंधान में हाल के अग्रिम

		डॉ.अनासुया राँयचौधरी, अदिति नायक, असीमा भट्टाचार्य	कैंसर प्रिवेंशन एंड थैरेप्यूटिक्स पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी "(08-09 फरवरी 2019)	
35.	गैस्ट्रिक कैंसर कोशिकाओं में AAA + ATPase ATAD2 अभिव्यक्ति की विशेषता	डॉ.अनासुया राँयचौधरी, अदिति नायक, असीमा भट्टाचार्य	बायोइंजीनियरिंग -2018 (14-15 दिसंबर, 2018) पर राष्ट्रीय सम्मेलन, जैव प्रौद्योगिकी और चिकित्सा इंजीनियरिंग विभाग, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, राउरकेला	आमंत्रित टॉक एंड सेशन चेर
36.	गैस्ट्रिक कैंसर कोशिकाओं में AAA + ATPase ATAD2 अभिव्यक्ति की विशेषता	डॉ.अनासुया राँयचौधरी, अदिति नायक, असीमा भट्टाचार्य	कैंसर जेनेटिक्स और एपिजेनेटिक्स पर दूसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (12-13 नवंबर, 2018) टोक्यो, जापान	सार ने मौखिक प्रस्तुति के लिए स्वीकार किया और सत्र के लिए सह- अध्यक्ष बनने के लिए आमंत्रित किया; बायोमार्कर
37.	पैन कैंसर का विश्लेषण AAA + ATPase ATAD2 और इसके संभावित साझेदारों से पता चलता है कि कैंसर में उनका उच्च रोग-संबंधी महत्व है	डॉ.अनासुया राँयचौधरी, अदिति नायक, असीमा भट्टाचार्य	ट्रांसलेशनल रिसर्च पर 4 वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन: "मानव स्वास्थ्य और कृषि अनुसंधान में हालिया विकास और नवाचार" (11- 13 अक्टूबर, 2018), गोवा, भारत	आमंत्रित वार्ता
38.	ऑप्टिकल फाइबर डिवाइसेस: फील्ड	डॉ.राजन झा	29-30 मार्च 2019, टीएमएपी, एनआईएसईआर, भुवनेश्वर	
39.	प्लासोनिक्स में वर्तमान और भविष्य के रुझान: मूल बातें और अनुप्रयोग	डॉ.राजन झा	डॉ.राजन झा 19-22 सितंबर, ओएसआई - ऑप्टिक्स पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी (ओएसआई- आईएसओ 2018), भा.प्रौ.सं. कानपुर	
40.	ध्वनिक सेंसर पोस्ट प्रोसेस्ड ऑप्टिकल फाइबर पर आधारित है	डॉ.राजन झा	डॉ.राजन झा 19-22 सितंबर, ओएसआई - ऑप्टिक्स पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी (ओएसआई- आईएसओ 2018), भा.प्रौ.सं. कानपुर	

## पृथ्वी, महासागर और जलवायु विज्ञान विद्यापीठ

41.	पंद्रह साल हिंद महासागर में आर्गोस: सबसर्फ़ परिवर्तन और मॉडल मान्यताओं के अध्ययन के लिए अद्वितीय अवलोकन	डॉ. सौरव सिल	राष्ट्रीय समुद्र विज्ञान कार्यशाला	INCOIS, हैदराबाद
42.	भारतीय तटीय रडार नेटवर्क (आईसीओआरएन): भारतीय तट के साथ तटीय टिप्पणियों के लिए एक क्रांति	डॉ. सौरव सिल	भारतीय तटीय रडार नेटवर्क (आईसीओआरएन) 2008 - 2018	एनआईओटी, चेन्नई
43.	कोल पेट्रोग्राफी और इसके आवेदन	डॉ. एच.के. मिश्र	आईआईसीएम, रांची, 28-29 मार्च 2019	कोल इंडिया लिमिटेड के वरिष्ठ अधिकारियों के लिए व्याख्यान हुए।
44.	भारत के भूतापीय क्षमता	डॉ. एस. एच. फारुक	संयुक्त राष्ट्र विश्वविद्यालय	
45.	भारतीय क्षेत्र में चरम घटनाओं पर भूमध्यरेखीय लहरों का प्रभाव	डॉ. किरनमयी लांडू	आमंत्रित एनएआरएल, तिरुपति, 2018	
46.	उष्णकटिबंधीय वातावरण की प्राकृतिक परिवर्तनशीलता	डॉ. किरनमयी लांडू	भा.प्रौ.सं. कानपुर, 2019 में आमंत्रित वार्ता	
47.	भारतीय मौसम पर संधिवातीय रूप से युग्मित भूमध्यरेखीय तरंगों का प्रभाव और वायु-अंतःक्रिया की संभावित भूमिका	डॉ. किरनमयी लांडू	चर्चा, बंगाल महासागर की खाड़ी और मानसून, आईसीटीएस, बेंगलोर, 2019 की बैठक	
48.	धूल और भारतीय मानसून वर्षा	डॉ. विनोज. वी.	नेशनल वर्कशॉप ऑन सीवियर वेदर, मार्च, 2019	
49.	भारतीय मानसून वर्षा को संशोधित करने में वायुमंडलीय एरोसोल और उनकी भूमिका	डॉ. विनोज. वी.	केमिस्ट्री क्लाइमेट इंटरैक्शन के लिए अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला, भा.प्रौ.सं. एम, पुणे, मार्च 2019	
50.	वायुमंडलीय विज्ञान में फ्रंटियर्स	डॉ. विनोज. वी.	हेल्महोल्त्ज़-इंडियन प्लेटफॉर्म ऑन साइंस, टेक्नोलॉजी, एजुकेशन एंड रिसर्च (हिपर) कार्यशाला, फरवरी, 2019	
51.	सहयोगी अनुसंधान के लिए संभावित वैज्ञानिक क्षेत्र: एनएआरएल और भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर	डॉ. विनोज. वी.	एनएआरएल में मंथन बैठक	
52.	भारतीय क्षेत्र में वायु की गुणवत्ता: यह क्यों मायने रखता है?	डॉ. विनोज. वी.	लखनऊ, अक्टूबर, 2018 में भारत अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव (आईआईएसएफ़)	

53.	क्लाइमेट चेंज, एक्सट्रीम और अटेंशन	डॉ.विनोज. वी.	प्रशासनिक स्टाफ कॉलेज ऑफ इंडिया, अक्टूबर, 2018	
54.	भारत पर धूल और उसके क्षेत्रीय प्रभाव	डॉ.विनोज. वी.	राष्ट्रीय वायुमंडलीय अनुसंधान प्रयोगशाला, जुलाई,	
55.	स्मार्ट सिटी - भुवनेश्वर	डॉ. डी. स्वाई	सीएसआईआर-आईएमएमटी और भा.प्रौ.सं. बीबीएस स्मार्ट शहरों पर संयुक्त बैठक; 28-08-2018	स्मार्ट शहरों पर संयुक्त विज्ञान पहल
56.	आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस: रोल एंड इम्पैक्ट ऑन द मैरीटाइम इंडस्ट्री	डॉ. डी. स्वाई	मास्टर मेरिनर्स एसोसिएशन की वार्षिक संगोष्ठी; 7 और 8 दिसंबर 2018	कोलकाता में आमंत्रित वार्ता
57.	महासागरीय ताप सामग्री - एनआईसीईएस के अनुसंधान उत्पाद	डॉ. डी. स्वाई	6 अप्रैल 2018 "जलवायु और पर्यावरणीय अध्ययन (राष्ट्रीयता) के लिए राष्ट्रीय सूचना प्रणाली" के उपयोग पर कार्यशाला	सीएसआईआर-आईएमएमटी और एनआरएससी/आईएसआरओ द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित
58.	जलवायु परिवर्तन और बंगाल की खाड़ी	डॉ. एस.पटनायक	जलवायु परिवर्तन और बंगाल की खाड़ी पर कार्यशाला, 10-11 मार्च 2019	आमंत्रित वक्ता

### अभियांत्रिकी विज्ञान विद्यापीठ

59.	समराइजेशन के लिए मूवी वीडियो में व्यक्ति डिस्कवरी		इमेज एंड वीडियो एनालिटिक्स, 2018, भा.प्रौ.सं. -भुवनेश्वर में मशीन लर्निंग पर एसटीसी	
60.	बायेसियन लर्निंग		मशीन लर्निंग और डेटा एनालिटिक्स, 2018, जादवपुर विश्वविद्यालय पर 3-दिवसीय कार्यशाला	
61.	स्मार्ट वितरण ग्रिड	डॉ.बालकृष्ण पी.	एनपीटीआई के लिए आमंत्रित वार्ता	
62.	स्मार्ट ग्रिड एकीकरण और चुनौतियां	डॉ.बालकृष्ण पी.	केभा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर द्वारा आमंत्रित वार्ता	
63.	सौर पीवी सिस्टम	डॉ.बालकृष्ण पी.	एसएसआई इंजीनियरिंग द्वारा आमंत्रित वार्ता कॉलेज	
64.	बायोसिग्नल प्रोसेसिंग एंड मशीन लर्निंग	डॉ एम. सबरीमालई मणिकंदन	सिग्नल / इमेज प्रोसेसिंग, 2019 के लिए मशीन सीखने की तकनीक	
65.	दृश्य वस्तु ट्रैकिंग	डॉ.डी.पी. डोगरा	भा.प्रौ.सं. रुड़की में संकाय विकास कार्यक्रम	3 घंटे का व्याख्यान दिया
66.	छवि और वीडियो प्रसंस्करण	डॉ.डी.पी. डोगरा	एनआईटी राउरकेला में संकाय विकास कार्यक्रम	2 घंटे का व्याख्यान दिया
67.	उन्नत क्रिप्टोग्राफी और इसके अनुप्रयोग	डॉ. पद्मलोचन बेरा	एनआईटी, वारंगल	आमंत्रित वार्ता

68.	वितरण नेटवर्क में लचीलापन सुधार		टीईक्यूआईपी - प्रायोजित संकाय विकास कार्यक्रम, 13 मार्च 2019	सीईटी भुवनेश्वर
69.	तालिकाओं को चालू करना: पीएचडी छात्र से संकाय सदस्य तक की यात्रा	डॉ. डेबप्रतिम घोष	छात्रों के पठन समूह, ईई विभाग, भा.प्रौ.सं. बॉम्बे	
70.	स्विचिंत अनिच्छा मोटर और विभिन्न व्यावहारिक मुद्दों के विद्युत चुम्बकीय विशेषताओं का प्रायोगिक निर्धारण	डॉ. एन सी साहू	निरमा विश्वविद्यालय	
71.	स्मार्ट वितरण प्रणाली- चुनौतियों और समाधान में वोल्टेज विनियमन	डॉ. पी. चंद्रशेखर	बिजली इंजीनियरिंग में उन्नत प्रौद्योगिकियों पर एफडीपी	एनआईटी, वारंगल
72.	रिन्यूएबल सिस्टम्स का ग्रिड इंटीग्रेशन	डॉ. पी. चंद्रशेखर	पावर सिस्टम्स के लिए पावर इलेक्ट्रॉनिक्स एप्लीकेशन पर एफडीपी	एमवीजीआर विजयनगरम
73.	स्मार्ट ग्रिड का माइक्रोग्रिड-ए बिल्टिंग ब्लॉक	डॉ. पी. चंद्रशेखर	सोलर पीवी सिस्टम पर अनुसंधान परिप्रेक्ष्य पर एफडीपी: डिजाइन, सिमुलेशन और अनुप्रयोग	ससी इंस्टीट्यूट. टेक. और इंजी., ए.पी.
74.	अक्षय ऊर्जा प्रणालियों पर अनुसंधान संभावनाएँ	डॉ. पी. चंद्रशेखर	अतिथि व्याख्यान	रामचंद्र कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, एलुरु

### आधारिक संरचना विद्यापीठ

75.	माइक्रोवेव ने झिल्ली तकनीक को बढ़ाया	डॉ. रेम्या नीलांचेरी	जल और अपशिष्ट जल उपचार के लिए झिल्ली प्रौद्योगिकी (एमटीडब्लूडब्लूटी -2018)	
76.	ट्रैफिक कंट्रोल डिवाइस	डॉ. पी पी डे	सिविल इंजी. विभाग, 29 सितम्बर 2018	
77.	सड़क अवसंरचना के सतत विकास के लिए सीमेंट स्थिर गैसों	डॉ. यू. सी. साहू	22 वीं -24 फरवरी, 2019 के दौरान सिविल इंजीनियरिंग विभाग, भा.प्रौ.सं. (आईएसएम) धनबाद द्वारा आयोजित सतत अवसंरचना के लिए सीमेंट प्रौद्योगिकी का विकास।	आमंत्रित व्याख्यान
78.	रोलर कॉम्पैक्ट कंक्रीट फुटपाथ	डॉ. यू. सी. साहू	22 वीं -24 फरवरी, 2019 के दौरान सिविल इंजीनियरिंग विभाग, भा.प्रौ.सं. (आईएसएम) धनबाद द्वारा आयोजित सतत अवसंरचना के लिए सीमेंट प्रौद्योगिकी का विकास।	आमंत्रित व्याख्यान
79.	सस्टेनेबल रोड इन्फ्रास्ट्रक्चर का विकास	डॉ. यू. सी. साहू	18-19 जनवरी 2019 के दौरान ईएटीएम, खुर्दा, ओडिशा द्वारा	मुख्य व्याख्यान

			परिवहन और ट्रैफिक इंजीनियरिंग पर संगोष्ठी	
80.	लो वॉल्यूम रोड के लिए फुटपाथ डिजाइन	डॉ. यू. सी. साहू	सिविल इंजीनियरिंग विभाग, एनआईटी राउरकेला द्वारा आयोजित 12-16 जनवरी 2019 के दौरान रोड पेवमेंट्स में नई प्रौद्योगिकी अनुप्रयोगों पर अल्पावधि पाठ्यक्रम।	आमंत्रित व्याख्यान
81.	सड़क फुटपाथों के लिए स्थिर गैसों	डॉ. यू. सी. साहू	सिविल इंजीनियरिंग विभाग, एनआईटी राउरकेला द्वारा आयोजित 12-16 जनवरी 2019 के दौरान रोड पेवमेंट्स में नई प्रौद्योगिकी अनुप्रयोगों पर अल्पावधि पाठ्यक्रम।	आमंत्रित व्याख्यान
82.	फुटपाथ डिजाइन को प्रभावित करने वाले कारक	डॉ. यू. सी. साहू	सिविल इंजीनियरिंग विभाग, वीएनआईटी, नागपुर द्वारा 03-07 दिसंबर 2018 के दौरान लचीले फुटपाथों के डिजाइन और मूल्यांकन पर अल्पावधि पाठ्यक्रम।	आमंत्रित व्याख्यान
83.	फुटपाथ सामग्री का परिचय	डॉ. यू. सी. साहू	सिविल इंजीनियरिंग विभाग, वीएनआईटी, नागपुर द्वारा 03-07 दिसंबर 2018 के दौरान लचीले फुटपाथों के डिजाइन और मूल्यांकन पर अल्पावधि पाठ्यक्रम।	आमंत्रित व्याख्यान
84.	ग्रामीण सड़क निर्माण में आयरन और स्टील स्लैग का उपयोग	डॉ. यू. सी. साहू	पीएमजीएसवाई के तहत क्षेत्रीय समीक्षा बैठक, 17 अगस्त 2018, पटना, भारत	आमंत्रित व्याख्यान
85.	ग्रामीण सड़कों के लिए सीमेंट स्थिर गैसों	डॉ. यू. सी. साहू	पीएमजीएसवाई के तहत क्षेत्रीय समीक्षा बैठक, 17 अगस्त 2018, पटना, भारत	आमंत्रित व्याख्यान
86.	मृदा और भूमि सुधार तकनीकों का द्रवीकरण	डॉ.एस पात्र	भूकंप प्रतिरोधी कम लागत वाला आवास, 21-26 मई, 2018	प्रदत्त
87.	ग्रामीण सड़कों में जियोसिंथेटिक्स का अनुप्रयोग	डॉ.एस पात्र	ग्रामीण सड़कों के निर्माण के लिए वैकल्पिक सामग्री और नई प्रौद्योगिकियां, 21-22 दिसंबर, 2018	प्रदत्त
88.	पेंच के डिजाइन पहलुओं पर एक महत्वपूर्ण समीक्षा	डॉ. कुमार, डॉ. पी.वी.पी., डॉ. पात्र, डॉ.एस हलदर,	ऊर्जा के लिए पेंच बवासीर पर 1 अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी	आमंत्रित
89.	द्रवीभूत मिट्टी में मिट्टी-संरचना की सहभागिता	डॉ. सुरेश आर दाश	अखिल भारतीय संगोष्ठी 'भूकंप प्रतिरोधी संरचना का डिजाइन' पर	26-27 मई, 2018

90.	फसल उपज भविष्यवाणी प्रणाली विकसित करने के लिए फसल मॉडल में ईआरएफएस मासिक और मौसमी पूर्वानुमान उत्पादों का उपयोग	डॉ. आर. के .पांडा	भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर में ईआरएफएस प्रशिक्षण-कार्यशाला	8-12 अक्टूबर 2018
-----	---	-------------------	---	-------------------

## मानविकी, सामाजिक विज्ञान और प्रबंधन विद्यापीठ

91.	सांस्कृतिक मनोभाषाविज्ञान	डॉ. अनमित्र बसु	आईसीएससी 2018, सितंबर 2018	
92.	क्रॉस कल्चर साइको भाषाविज्ञान में जनजातीय सौंदर्यशास्त्र	डॉ. अनमित्र बसु	आईसीएससी 2018, सितंबर 2018	
93.	ट्रांसकल्चरल मेमोरी	डॉ. पुण्यश्री पंडा	एमएसए 2019	
94.	'द पॉलिटिक्स ऑफ ट्रेवल: ए स्टडी मेमोरियर्स ऑफ द ट्रेवल मेमोरियर्स ऑफ मिर्जा शेख इत्सुद्दीन एंड सेके डीन महेदेद'	डॉ. अमृता सतपथी	राजनीति और पत्र: वर्तमान समय में आलोचना का कार्य	प्रस्तुत कागज
95.	इत्सामुद्दीन द वंडर्स ऑफ विलायत में आश्चर्य को उजागर करना	डॉ. अमृता सतपथी	कला और मानविकी पर 5 वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 2018, 27-28 सितंबर	पेपर पेश किया और बेस्ट पेपर अवार्ड जीता
96.	अद्वैत का परिचय	डॉ.जी.मिश्र	महर्षि सांदीपनि वेद विद्या प्रतिष्ठान द्वारा प्रायोजित सभी वैदिक कक्षाएं	5 जनवरी, 2019 को आयोजित किया गया

## खनिज, धातुकर्म और पदार्थ अभियांत्रिकी विद्यापीठ

97.	उपन्यास कमरे के तापमान संक्रमण धातु आक्साइड के डिजाइन बहुपरत	डॉ. अमृतेंदु रॉय	एसपीसीएएम 2019, वीएसएसयुटी बुर्ला, 07 अप्रैल, 2019	
98.	क्रायो की विशेषता एक्स-रे और एचआरटीईएम द्वारा AI5052 मिश्र धातु की चादरों को लुढ़काया गया	डॉ. बी के ढिंडावा	ईएमएसआई -2018 18-20 जुलाई 2018 का वार्षिक सम्मेलन	
99.	एल्यूमीनियम मिश्र धातु उत्पादन के लिए सुगम प्रौद्योगिकी	डॉ.जी. श्री लक्ष्मी आदित्य, डॉ. नितिन, डॉ. गुप्ता, डॉ. ए	आईएनसीएएल 2019	इनविटेड लेक्चर



		मंडल और डॉ. वी. के हिंडावा		
100.	ठोस राज्य वेल्डिंग प्रक्रिया के आवेदन के लिए विशेष संदर्भ के साथ डिस्मिलर धातुओं में शामिल होना	डॉ. वी के हिंडावा	सामग्री और विनिर्माण इंजीनियरिंग में अग्रिम पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन-	की नोट पेपर
101.	नौसेना अनुसंधान बोर्ड	डॉ. वी के हिंडावा	अन्ना विश्वविद्यालय	आमंत्रित प्रस्तुति
102.	सामग्री के संक्षारण व्यवहार पर अनाज का आकार और अनाज का आकार वितरण प्रभाव	डॉ. श्रीकांत गोलपुडी	संरचनात्मक अखंडता सम्मेलन और प्रदर्शनी, 25-27 जुलाई, 2018	हैदराबाद में आयोजित
103.	संपीडन की ताकत और सिलिकॉन और इसकी मिश्र धातुओं में इसकी परिवर्तनशीलता	डॉ. श्रीकांत गोलपुडी	एईएमएसडी, 18 और 19 जनवरी, 2019	जमशेदपुर
104.	मेटैलिक बाइपोलर प्लेट्स के लिए कोटिंग्स	डॉ. सूभंकर पति	औद्योगिक कोटिंग्स का राष्ट्रीय सम्मेलन, 2019, 2 दिन	
105.	हाइड्रोजन एक ऊर्जा वेक्टर के रूप में	डॉ. सूभंकर पति	टीईक्यूआईपी, वीएसएसयुटी बुर्ला, 2019, 1 दिन	
106.	एल्यूमीनियम-सेरियम आधारित मिश्र धातुओं की थर्मल स्थिरता	आर. गोप, आर. साहू, डॉ. ए. मंडल	एल्युमिनियम, आईएनसीएएल, 2019 पर 7 वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (31 जनवरी-फरवरी 3)	
107.	कम कतरनी और कंपन प्रेरित पिघल कंडीशनिंग सेटअप द्वारा हाइपोएक्टिक अल-सी मिश्र में माइक्रोस्ट्रक्चरल परिवर्तन	श्रीस्ती झा, श्री लक्ष्मी आदित्य डॉ. जी., अनिमेष मंडल, डॉ. वी.के. हिंडावा	सातवें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ठोसकरण विज्ञान और प्रसंस्करण (आईसीएसएसपी -7), 2018 (19-22 नवंबर)	
108.	बल्क मैकेनिकल प्रॉपर्टी का मूल्यांकन करने के लिए लघु नमूना तकनीक	डॉ. पी.एस. डे, ए. दत्ता,	आईएनसीएएल -2019	
109.	वेल्डिंग विज्ञान और प्रौद्योगिकी की हाल की उन्नति	डॉ. पी.एस. डे	अतिथि व्याख्यान में	

### यांत्रिक विज्ञान विद्यापीठ

110.	रोबोटिक्स में परिचय और उन्नति	डॉ. वी पांडु रंगा	गांधी इंजीनियरिंग कॉलेज, गुनपुर में आमंत्रित वार्ता	18 अगस्त 2018
------	-------------------------------	-------------------	---	---------------

111.	एरोकेस्टिक समस्याओं का वैज्ञानिक कम्प्यूटिंग	डॉ. वाई.जी भूमकर	ताइवान-भारत संयुक्त सम्मेलन: फ्लो सिमुलेशन और स्थिरता विश्लेषण पर हाल की प्रगति	आमंत्रित व्याख्यान
112.	राइट ब्रदर्स की उड़ान	डॉ. वाई.जी भूमकर	क्षेत्रीय विज्ञान केंद्र भुवनेश्वर	स्कूली बच्चों में विज्ञान को बढ़ावा देने के लिए दिसम्बर 2018 में कार्यक्रम आयोजित किया गया है
113.	मशीनिंग में मॉडलिंग और सिमुलेशन	डॉ. गौरव बरतरिया	मशीनिंग प्रक्रियाओं में हालिया प्रगति ( आरएएमपी के दौरान)	
114.	नवाचार के यांत्रिक / डिजाइन पहलू	डॉ. गौरव बरतरिया	आरएएमपी अवार्ड पर प्रदर्शन कार्यशाला- एमएएनएके (मिलियन माइंड्स ऑगमेंटिंग नेशनल एस्पिरेशन एंड नॉलेज) स्कीम, नेशनल इनोवेशन फाउंडेशन और डीएसटी द्वारा संयुक्त रूप से के.भा.प्रौ.सं. यूनिवर्सिटी भुवनेश्वर में आयोजित, 31 अक्टूबर, 2018	
115.	लेजर बीम मशीनिंग	डॉ.एस मलिक	एएसएसटीई ने 7 वीं -12 मई, 2018 के दौरान विएसएसयुटी, बुरला, ओडिशा में "मशीनिंग प्रक्रियाओं में हालिया अग्रिम" (आरएएमपी) पर एसटीसी कार्यक्रम प्रायोजित किया।	
116.	लेजर कटिंग, अंडरवाटर लेजर कटिंग और वेल्डिंग में उन्नति	डॉ.एस मलिक	एआईसीटीई-क्यूआईपी शॉर्ट टर्म कोर्स "एडवांस्ड लेजर मटेरियल प्रोसेसिंग एंड एडिटिव मैनुफैक्चरिंग	
117.	Enthalpy आधारित माइक्रोस्ट्रक्चर भविष्यवाणी मॉडल: क्षमताओं, चुनौतियों और अनुप्रयोगों	डॉ. अनिर्बान भट्टाचार्य	सातवें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ठोसकरण विज्ञान और प्रसंस्करण (ICSSP-2018) नवंबर 19-22, 2018	
118.	सामग्री प्रसंस्करण में सीएफडी	डॉ. पी. रथ	मेकैनिकल इंजीनियरिंग और आईटीएस आवेदन में प्रशिक्षण तकनीक	बीआईटी मेसरा, रांची: 08 मार्च, 2019
119.	थर्मल विकिरण: परिचय और अनुप्रयोग	डॉ.एस. आर. कन्नन	नेशनल कॉन्फ्रेंस AME'19, 2019, 3 दिन	वितरित मुख्य व्याख्यान
120.	उलटा समस्याएँ और अनुप्रयोग	डॉ.एस. आर. कन्नन	उलटा समस्याओं और अनुप्रयोगों पर कार्यशाला, 2019, 5 दिन	वितरित QIP व्याख्यान
121.	बायो हीट ट्रांसफर का परिचय	प्रो. एस के महापात्र	वीएसएसयुटी बुर्ला	

## संकाय द्वारा संगोष्ठी / सम्मेलन / कार्यशाला

क्र.सं.	नाम	शीर्षक	तिथि		स्थान	अभियुक्ति
			से	तक		
<b>आधारीय विज्ञान विद्यापीठ</b>						
1.	डॉ. कौशिक सामंत	सैद्धांतिक रसायन शास्त्र संगोष्ठी	2019-02-13	2019-02-16	बिट्स पिलानी	
2.	डॉ. सस्मिता बारिक	भारतीय महिला और गणित: क्षेत्रीय कार्यशाला 2018	2018-10-27	2018-10-28	एनआईएसईआर, भुवनेश्वर	आमंत्रित व्याख्यान
3.	डॉ. सस्मिता बारिक	इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन डिसक्रीट मैथमेटिक्स (आईसीडीएम-2018)	2018-12-14	2018-12-17	तिरुचिरापल्ली, भारत	आमंत्रित व्याख्यान
4.	डॉ. सस्मिता बारिक	इंटरनेशनल कांग्रेस ऑफ़ मैथमैटिशियंस (आईसीएम -2018)	2018-08-01	2018-08-09	रियो डी जनेरियो, ब्राज़ील	प्रस्तुत पेपर
5.	डॉ.अखिलेश कुमार सिंह	यूजीसी द्वारा प्रायोजित वार्षिक कॉलेज सेमिनार वीजेवी कॉलेज	2018-03-28	2018-03-28	बीजेबी कॉलेज भुवनेश्वर	"सामग्री के लिए अणु" नामक एक आमंत्रित टॉक दिया
6.	डॉ.अखिलेश कुमार सिंह	नेशनल बायो-ऑर्गेनिक केमिस्ट्री कॉन्फ्रेंस	2018-12-22	2018-12-24	एनआईएसईआर भुवनेश्वर	"एमआरआई के लिए आणविक विपरीत एजेंट" नामक एक आमंत्रित टॉक वितरित किया गया।
7.	डॉ. सीमा बहिनपति	10 वीं अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला सीकेएम यूनिटी ट्रायंगल (सीकेएम 2018)	2018-09-17	2018-09-21	हीडलबर्ग, जर्मनी	रिमोट प्रस्तुति
8.	डॉ. अक्षय कुमार ओझा	46 वीं उडीसा गणितीय सोसायटी	2019-01-12	2019-01-13	सिलिकॉन इंस्टीट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी, भुवनेश्वर	ओएमए के कार्यकारी निकाय के सदस्य के रूप में भाग लिया
9.	डॉ. निहारिका महापात्र	अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन चुंबकीय सामग्री और अनुप्रयोग	2018-12-09	2018-12-13	राष्ट्रीय विज्ञान शिक्षा और अनुसंधान संस्थान	
10.	डॉ.निहारिका महापात्र	भौतिक विज्ञान के सहसंबद्ध इलेक्ट्रॉन प्रणाली	2019-03-06	2019-03-08	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली	

11.	डॉ. अनसूया रॉयचौधरी	अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी "ट्यूमर माइक्रोएन्वायरमेंट एंड कैंसर प्रिवेंशन एंड थेरेप्यूटिक्स"	2019-02-08	2019-02-09	जेएनयू, नई दिल्ली	आमंत्रित व्याख्यान
12.	डॉ. अनसूया रॉयचौधरी	बायोइंजीनियरिंग - 2018 पर राष्ट्रीय सम्मेलन	2018-12-14	2018-12-15	जैव प्रौद्योगिकी और चिकित्सा इंजीनियरिंग विभाग, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, राउरकेला	आमंत्रित टॉक एंड सेशन चेयर
13.	डॉ. अनसूया रॉयचौधरी	14 वाँ इंडो-ऑस्ट्रेलियन बायोटेक्नोलॉजी सम्मेलन: कैंसर के परिणामों में सुधार करने के लिए उभरते तौर-तरीके	2018-10-22	2018-10-23	कैंसर में उपचार अनुसंधान और शिक्षा के लिए उन्नत केंद्र - टाटा मेमोरियल सेंटर, नवी मुंबई, भारत	मेरे पीएचडी छात्र द्वारा पोस्टर प्रस्तुति
14.	डॉ. अनसूया रॉयचौधरी	ट्रांसलेशनल रिसर्च पर 4 वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन: मानव स्वास्थ्य और कृषि अनुसंधान में हालिया विकास और नवाचार	2018-10-11	2018-10-13	गोवा, भारत	मेरे और मेरे पीएचडी छात्र द्वारा पोस्टर प्रस्तुति से आमंत्रित बातचीत
15.	प्रो. सरोज कुमार नायक	NSRAP-2019	2019-03-23	2019-03-24	बेरहमपुर विश्वविद्यालय, बेरहामपुर,	
16.	प्रो. सरोज कुमार नायक	12 वीं भारत-सिंगापुर संयुक्त भौतिकी संगोष्ठी	2019-03-02	2019-03-04	पूरी	
17.	प्रो. सरोज कुमार नायक	INCAL-2019	2019-01-31	2019-02-02	भुवनेश्वर	
18.	प्रो. सरोज कुमार नायक	3rd इंटर कंपनी CSR सम्मेलन	2019-01-17	2019-01-18	रायगढ़, ओडिशा	
19.	प्रो. सरोज कुमार नायक	नॉनलाइनर सिस्टम्स एंड डायनेमिक्स पर सम्मेलन	2018-10-11	2018-10-14	जेएनयू, नई दिल्ली	

**पृथ्वी, महासागर एवं जलवायु विज्ञान विद्यापीठ**

20.	डॉ. रामभतला जी. सस्तरी	एईजी सम्मेलन	2018-11-01	2018-11-03	भा.प्रौ.सं. बॉम्बे	
21.	डॉ. हृषिकेश मिश्र	ICTLT	2019-01-17	2019-01-19	एसओए विश्वविद्यालय	सत्र के अध्यक्ष के रूप में

22.	डॉ. किरणमयी लांडू	भारत में तीव्र वर्षा की घटनाओं का मॉड्यूलेशन, संवैधानिक रूप से युग्मित भूमध्यरेखीय तरंगों और एमजेओ द्वारा	2019-01-28	2019-02-01	पुणे	
23.	डॉ. किरणमयी लांडू	इंट्रासेन्सलल दोलनों की तीव्रता और भारतीय ग्रीष्मकालीन मानसून की शुरुआत के बीच संबंध	2019-01-28	2019-02-01	पुणे	
24.	डॉ. किरणमयी लांडू	भारत पर दिन के तापमान वितरण पर संवैधानिक रूप से युग्मित भूमध्यरेखीय तरंगों का प्रभाव	2018-10-24	2018-10-27	वाराणसी	
25.	डॉ. किरणमयी लांडू	भारतीय ग्रीष्म मानसून के मौसम के दौरान 10-25 और 30-60 दिन की भिन्नता के बीच अंतर परिवर्तनशीलता के बीच एक स्पष्ट संबंध	2018-10-24	2018-10-28	वाराणसी	
26.	डॉ. विनोज वी.	क्षेत्रीय जलवायु मॉडल का उपयोग कर भारतीय क्षेत्र में धूल बदलने का अनुकरण	2019-01	2019-01-31	पुणे विश्वविद्यालय	
27.	डॉ. देवदत्त स्वाई	रडार अल्टीमेट्री सम्मेलन में 25 साल की प्रगति	2018-09-23	2018-09-29	पोंटा डेलगाडा, पुर्तगाल	
28.	डॉ. देवदत्त स्वाई	नेशनल ओशनोग्राफी वर्कशॉप - 2018	2018-11-14	2018-11-16	आईएनसीओआई एस, हैदराबाद	एक टॉक दिया, जिसका शीर्षक है "उत्तर हिंद महासागर के हाइड्रोग्राफी का उपयोग कर आर्गोस"
29.	डॉ. देवदत्त स्वाई	2019 URSI एशिया पैसिफिक रेडियो साइंस कॉन्फ्रेंस	2019-03-09	2019-03-15	नई दिल्ली	उत्तर भारतीय महासागर के ऊपर उपग्रह उत्पादों से प्राप्त "उष्णकटिबंधीय चक्रवात हीट पोटेन्शियल (TCHP) की वैधता" शीर्षक से एक प्रस्तुति दी गई।

30.	डॉ.संदीप पटनायक	सिमूलेशन और भारी वर्षा की घटना	2018-10-24	2018-10-27	बीएचयू वाराणसी	ओरल प्रेजेंटेशन ट्रोपेट -2018
31.	डॉ.संदीप पटनायक	मानसून डिप्रेशन पर क्लाउड माइक्रोफिजिकल प्रक्रिया का संवेदनशीलता विश्लेषण	2018-10-24	2018-10-27	बीएचयू वाराणसी	ओरल प्रेजेंटेशन ट्रोपेट -2018
32.	डॉ.संदीप पटनायक	WRF चरम वर्षा की घटना के मॉडल आधारित भविष्यवाणी: क्लाउड माइक्रोफिजिक्स के मानकीकरण योजना का प्रभाव	2018-10-24	2019-10-27	बीएचयू वाराणसी	ओरल प्रेजेंटेशन ट्रोपेट -2018
33.	डॉ.संदीप पटनायक	उत्तरी अरब सागर पर अवलोकन और अनुसंधान	2019-02-25	2019-02-26	आईएनसीओआई एस हैदराबाद	संसाधन वैज्ञानिक
34.	डॉ.संदीप पटनायक	INCOMPASS विज्ञान की बैठक	2018-07-23	2018-07-26	आईआईएससी बेंगलोर	परियोजना अन्वेषक
35.	डॉ.संदीप पटनायक	DST SPLICE समीक्षा बैठक	2018-10-11	2018-10-13	सीयू हैदराबाद	परियोजना अन्वेषक

## विद्युत विज्ञान विद्यापीठ

36.	डॉ. श्रीनिवास भास्कर करंकी	PEDES 2018	2018-12-18	2018-12-21	भा.प्रौ.सं. मद्रास चेन्नई	सम्मेलन में दो पत्रों को प्रस्तुत किया
37.	डॉ. श्रीनिवास भास्कर करंकी	UK-India संयुक्त आभासी स्वच्छ ऊर्जा सम्मेलन	2018-09-17	2018-09-21	Loughborough UK.	एक कागज प्रस्तुत किया
38.	डॉ. श्रीनिवास बोप्पू	कसकर युग्मित प्रोसेसर Arrays	2019-02-19	2019-02-19	रावल इंस्टीट्यूशंस, एनसीआर, दिल्ली	
39.	डॉ. श्रीनिवास बोप्पू	कसकर युग्मित प्रोसेसर Arrays	2019-02-20	2019-02-20	आईएलएम अकादमी ऑफ प्रोफेशनल लर्निंग	
40.	डॉ. पद्मालोचन बेरा	IEEE एसडीएस 2018	2018-04-23	2018-04-26	बार्सिलोना, स्पेन	पेपर प्रस्तुत करने के लिए
41.	डॉ. दीपांकर दे	4th आईईईई दक्षिणी पावर इलेक्ट्रॉनिक्स सम्मेलन 2018	2018-12-10	2018-12-13	सिंगापुर	
42.	डॉ. डेवप्रतिम घोष	IEEE MTT-S अंतर्राष्ट्रीय माइक्रोवेव और आरएफ सम्मेलन	2018-11-28	2018-11-30	कोलकाता	

## आधारिक संरचना विद्यापीठ

43.	डॉ. मनस्विनी बेहरा	पर्यावरण विज्ञान और इंजीनियरिंग, CESE, 4-8 नवंबर, 2018, बैंकाक, थाईलैंड में चुनौतियों पर 11 वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन	11-04-2018	2018-11-08	बैंकाक, थाईलैंड	मौखिक प्रस्तुति
44.	डॉ. राजेश रोशन दाश	पर्यावरण विज्ञान और इंजीनियरिंग (CESE-2018) में चुनौतियों पर 11 वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन	2018-11-04	2018-11-08	बैंकाक	
45.	डॉ. अरिंदम सरकार	अंतर्राष्ट्रीय बांध सुरक्षा सम्मेलन	2019-02-13	2019-02-14	भुवनेश्वर	
46.	डॉ. उमेश चंद्र साहू	परिवहन इन्फ्रास्ट्रक्चर पर 4 वें इंट सम्मेलन	2018-07-09	2018-07-10	प्रिटोरिया, एसए	
47.	डॉ. शांतनु पात्र	भारतीय भू-तकनीकी सम्मेलन	2018-12-13	2018-12-15	बेंगलुरु	
48.	डॉ. मीनू रामदास	अंतर्राष्ट्रीय बांध सुरक्षा सम्मेलन - 2019	2019-02-13	2019-02-14	भुवनेश्वर	
49.	डॉ. सुरेश रंजन दाश	2 दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला भारत के राष्ट्रीय भवन संहिता 2016	2018-10-30	2018-10-31	भुवनेश्वर	

## मानविकी, सामाजिक विज्ञान और प्रबंधन विद्यापीठ

50.	डॉ. पुन्यश्री पंडा	समकालीन स्वदेशी लेखन में पर्यावरण संबंधी चिंताएं: चेरी डाइमलिन द्वारा मैरो चोरों का एक अध्ययन, अलेक्सई राइट द्वारा द हंस बुक और दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन में हांसदा सोवेंद्र शेखर द्वारा रूपी बसकी की रहस्यमय बीमारी "भाषा, साहित्य और विविधता"	2019-02-15	2019-02-16	भुवनेश्वर	
51.	डॉ. अमृता सतपथी	राजनीति और पत्र: वर्तमान समय में आलोचना का कार्य	2018-01-23	2018-01-24	उत्कल विश्वविद्यालय, वाणी विहार, बीबीएसआर	'द पॉलिटिक्स ऑफ ट्रेवल: ए स्टडी मेमोरियर्स ऑफ द ट्रेवल



						मेमोरियर्स ऑफ मिर्जा शेख इत्सुद्दीन एंड सेक डीन महोम्ड' के बारे में जानकारी
52.	डॉ. अमृता सतपथी	कला और मानविकी 2018 पर 5 वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीओएएच 2018)	2018-09-27	2018-09-28	कोलम्बो, श्रीलंका	प्रस्तुत पेपर 'अनरेवलिंग द वंडर इन आई त्सामुद्दीन एस द वंडर्स ऑफ विलायट' पर प्रस्तुत किया और सर्वश्रेष्ठ पुरस्कार का पुरस्कार जीता
53.	डॉ. गोदाबरीशा मिश्र	श्रीविद्या परंपरा के विशेष संदर्भ के साथ ऐतिहासिक, समाजशास्त्रीय, दार्शनिक और आध्यात्मिक महत्व के शक्ति सम्मेलन	2018-12-17	2018-12-19	सांची, मध्यप्रदेश	सुंदर के दो अहसास - स्थायी और पारदर्शी (सौन्दर्यलहरी - sīrīvidyā में निरपेक्षता का सौंदर्यबोध)
54.	डॉ. गोदाबरीशा मिश्र	सामाजिक सिद्धांत और एशियाई संवादों पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला: भारत, चीन और विश्व और क्षेत्रीय कल्पना और ग्रहों की बातचीत का आह्वान	2019-03-27	2019-03-28	सार्वजनिक प्रशासन विभाग, उत्कल विश्वविद्यालय, वाणी विहार	वेदांत और फेनोमेनोलॉजी के साथ चलना, परंपरा और आधुनिकता के बीच: जे.एन. मोहंती और दार्शनिक ग्रहों की बातचीत के रूप में

## खनिज, धातुकर्म और पदार्थ अभियांत्रिकी विद्यापीठ

55.	डॉ. कौशिक दास	56 वें राष्ट्रीय धातुकर्मवादी दिवस (एनएमडी) और 72 वीं वार्षिक तकनीकी बैठक (एटीएम) 2018	2018-11-15	2018-11-16	कोलकाता	
56.	डॉ. अमृतेंदु राय	EMSI-2018 प्रीकांफ्रेंस कार्यशाला	2018-07-16	2018-07-17	भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर	

		(WS08) इलेक्ट्रॉन बेकस्कैटर्ड विवर्तन तकनीक पर				
57.	डॉ. वृज कुमार ढिंडाव	भुवनेश्वर में वार्षिक सम्मेलन इमएसआई - 2018	2018-07-18	2018-07-20	भुवनेश्वर	प्रस्तुत पत्र
58.	डॉ. वृज कुमार ढिंडाव	आईएनसीएएल 2019	2019-01-31	2019-02-03	भुवनेश्वर	प्रस्तुत पत्र
59.	डॉ. वृज कुमार ढिंडाव	सामग्री और विनिर्माण इंजीनियरिंग -2019 में अग्रिमों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीएएमएमई - 2019)	2019-03-15	2019-03-17	भुवनेश्वर	प्रस्तुत पत्र
60.	डॉ. अनिमेष मंडल	जी. श्री लक्ष्मी आदित्य, नितिन गुप्ता, ए. मंडल, डॉ. बी के ढिंडाव, एल्यूमीनियम मिश्र धातु शीट उत्पादन के लिए सतत प्रौद्योगिकी, आईएनसीएएल	2019-01-31	2019-02-03	भुवनेश्वर	
61.	डॉ. अनिमेष मंडल	आर. गोप, आर. साहू, ए. मंडल, एल्यूमीनियम-सेरियम आधारित मिश्र धातुओं की थर्मल स्थिरता, आईएनसीएएल	2019-01-31	2019-02-03	भुवनेश्वर	आमंत्रित वार्ता
62.	डॉ. अनिमेष मंडल	आर. साहू, आर। गोप, ए. मंडल, सूक्ष्म एल्यूमीनियम पर अध्ययन एल्यूमीनियम-नियोडिमियम मिश्र धातु, INCAL	2019-01-31	2019-02-03	भुवनेश्वर	
63.	डॉ. अनिमेष मंडल	कम कतरनी और कंपनी प्रेरित पिघल कंडीशनिंग सेटअप द्वारा हाइपोएक्टिक अल-सी मिश्र में माइक्रोस्ट्रक्चरल परिवर्तन	2018-11-19	2018-11-22	तिरुवनंतपुरम	आमंत्रित वार्ता

## यांत्रिक विज्ञान विद्यापीठ

64.	डॉ.बी. पट्टाभि रामैया	इंटरनेशनल वर्कशॉप ऑन मैकेनिक्स ऑफ एनर्जी मटीरियल	2018-11- 19	2018-11- 22	भा.प्रौ.सं. मद्रास	
65.	डॉ. योगेश जी. भुमकर	इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एक्वेटिक्स एंड वाइब्रेशन (IIAV) 2018.	2018-07- 06	2018-07- 15	हिरोशिमा, जापान	
66.	डॉ. योगेश जी. भुमकर	ताइवान-भारत संयुक्त सम्मेलन: फ्लो सिमुलेशन और स्थिरता विश्लेषण पर हालिया प्रगति	2019-03- 13	2019-03- 18	ताइपेई, ताइवान	
67.	डॉ. अनिर्बान भट्टाचार्य	थर्मल समस्याओं के लिए कम्प्यूटेशनल विधियों पर पांचवें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (THERMACOMP 2018)	2018-07- 09	2018-07	आईआईएससी, बैंगलोर	
68.	डॉ. अनिर्बान भट्टाचार्य	सातवें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ठोसकरण विज्ञान और प्रसंस्करण (ICSSP-2018)	2018-11- 19	2018-11- 22	त्रिवेन्द्रम, केरल, भारत	
69.	डॉ.मिहिर कुमार दास	मैदान और प्लाज्मा लेपित ट्यूब बंडलों पर आसुत जल के प्रवाह उबलते के दौरान बंडल प्रभाव की तुलना	2018-08- 09	2018-08- 13	बीजिंग, चीन	

## सेमिनार / सम्मेलन / आयोजित कार्यशालाएं

क्र.सं.	शीर्षक	आयोजन	तिथि		स्थान	अभियुक्ति
			से	तक		
<b>आधारीय विज्ञान विद्यापीठ</b>						
1.	भारतीय महिला और गणित: क्षेत्रीय कार्यशाला 2018	कार्यशाला	2018-10-27	2018-10-28	एनआईएसई, भुवनेश्वर	
2.	विज्ञान ज्योति	कार्यशाला	2018-06-04	2018-06-24	भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर	
3.	अंडर ग्रेजुएट इंटरएक्टिव मैथमेटिक्स ट्रेनिंग कैंप	कार्यशाला	2018-05-14	2018-05-26	गणित और अनुप्रयोग संस्थान, भुवनेश्वर	गणित और अनुप्रयोगों के निदेशक प्रोफेसर ए के मिश्रा के साथ मिलकर
4.	INyas साइंस कैंप	कार्यशाला	2018-12-21	2018-12-21	भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर	6 सरकारी स्कूलों सहित 10 हाई स्कूलों के 65 छात्रों ने स्कूल चलाए, और 9 स्कूल शिक्षकों ने भाग लिया
5.	चुंबकीय सामग्री और अनुप्रयोगों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन	सम्मेलन	2018-12-09	2018-12-13	एनआईएसई, भुवनेश्वर	
6.	नरसिंह के स्ट्रिंग समीकरण पर	सेमिनार	2018-11-08	2018-11-08	भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर	बोलचाल की बातचीत द्वारा प्रो. ए.एस. वासुदेव मूर्ति, डीन, टीआईएफआर बेंगलोर
7.	सार्वजनिक कुंजी क्रिप्टोग्राफी	सेमिनार	2019-02-05	2019-02-05	भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर	पद्म श्री प्रो. आर. बालासुब्रमण्यम, आईएमएससी, चेन्नई द्वारा बोलचाल
8.	डिस्टल एंड एक्सपैसिव मैप्स की गतिशीलता और एक रोशनी की समस्या	सेमिनार	2019-03-28	2019-03-28	भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर	प्रो रिद्धि शाह, जेएनयू, दिल्ली द्वारा बोलचाल की बातचीत
9.	ट्रांसफ़ेक्ट डायमीटर	सेमिनार	2019-03-08	2019-03-08	भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर	

10.	खुल घर	कार्यशाला	2019-02-12	2019-02-12	भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर	डीआईसी के साथ-साथ भौतिकी से जुड़े प्रयोगों का प्रदर्शन किया
-----	--------	-----------	------------	------------	-----------------------	---

**पृथ्वी, महासागर एवं जलवायु विज्ञान विद्यापीठ**

11.	कटिबंधों में गरज और बिजली पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन	सम्मेलन	2019-01-17	2019-01-19	आईटीआर भुवनेश्वर	OSDMA द्वारा प्रायोजित
12.	विस्तारित रेंज पूर्वानुमान का उपयोग करके कृषि और जल संसाधन प्रबंधन में सीआरएम उपकरणों का विकास	कार्यशाला	2018-04-10	2018-04-17	भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर	
13.	जरूरत के लिए भविष्य की रणनीतियां और मजबूत कृषि सलाह के लिए ईआरएफएस उत्पादों की गुंजाइश	कार्यशाला	2018-05-09	2018-05-10	भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर	
14.	गरज और बिजली पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन ट्राॅपिक्स (ICTLT 2019)	सम्मेलन	2019/01/17	2019/01/19	भुवनेश्वर	वैज्ञानिक संचालन समिति के सह-संयोजक
15.	ओडिशा के स्कूल शिक्षकों के लिए मौसम, जलवायु और प्राकृतिक खतरों पर शिक्षकों की कार्यशाला	कार्यशाला	2018-08-17	2018-08-18	आईटीआर ऑडिटोरियम, भुवनेश्वर	संसाधन व्यक्ति; भारतीय मौसम विज्ञान सोसायटी द्वारा आयोजित

**विद्युत विज्ञान विद्यापीठ**

16.	फ्यूचर ग्रिड 2.0-सॉलिड-स्टेट ट्रांसफॉर्मर और मैट्रिक्स कन्वर्टर	सेमिनार	2019/01/02	2019/01/02	भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर	सिंगापुर के राष्ट्रीय विश्वविद्यालय के इलेक्ट्रिकल और कंप्यूटर इंजीनियरिंग विभाग में संकाय सदस्य डॉ. एस के पांडा ने व्याख्यान दिया है
-----	---	---------	------------	------------	-----------------------	---

**आधारिक संरचना विद्यापीठ**

17.	"सड़क सुरक्षा" पर इंजीनियरों की क्षमता निर्माण	कार्यशाला	2018-11-26	2018-11-30	भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर	67 प्रतिभागियों ने भाग लिया
-----	--	-----------	------------	------------	-----------------------	-----------------------------

18.	पीएमजीएसवाई के तहत ग्रामीण सड़कों के निर्माण के लिए वैकल्पिक सामग्री और नई तकनीक	कार्यशाला	2017-06-27	2018-06-28	भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर	
19.	सड़क सुरक्षा पर इंजीनियरों की क्षमता निर्माण	कार्यशाला	2018-11-26	2018-11-30	भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर	सह-संयोजक
20.	पीएमजीएसवाई के तहत ग्रामीण सड़कों के निर्माण के लिए वैकल्पिक सामग्री और नई तकनीक	कार्यशाला	2018-12-21	2018-12-21	भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर	
21.	अपतटीय भू-भौतिकी पर पहला भारतीय संगोष्ठी (एक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी)	संगोष्ठी	2019/12/05	2019/12/06	भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर	प्रगति के अंतर्गत (अनुमोदित)
22.	ग्रामीण सड़कों के निर्माण के लिए वैकल्पिक सामग्री और नई तकनीक	कार्यशाला	2018-06-27	2018-06-28	भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर	
23.	ग्रामीण सड़कों के निर्माण के लिए वैकल्पिक सामग्री और नई तकनीक	कार्यशाला	2018-12-21	2018-12-22	भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर	

### खनिज, धातुकर्म और पदार्थ अभियांत्रिकी विद्यापीठ

24.	जंग और मापने की तकनीक	कार्यशाला	2018-09-05	2018-09-05	भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर	एक दिन की कार्यशाला
25.	इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप सोसायटी ऑफ इंडिया (ईएमएसआई) द्वारा कार्यशाला - कोषाध्यक्ष	कार्यशाला	2018-07-18	2018-07-20	भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर	600 प्रतिनिधियों द्वारा भाग लिया
26.	FEGSEM-EBSD का उपयोग करके माइक्रोस्ट्रक्चर निर्धारण	कार्यशाला	2018-07-16	2018-07-17	भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर	संयोजक। EMSI 2018 के सहयोग से
27.	संक्षारण, इसकी निगरानी और संरक्षण (तरीके)	संगोष्ठी	2019-04-12	2019-04-13	भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर	सह-संयोजक

## आयोजित जीआईएन कार्यक्रम

क्र.सं	पाठ्यक्रम का नाम/अवधि	पाठ्यक्रम समन्वयक	विदेशी संकाय
1.	कम प्रदूषणकारी अल्ट्रा-सुपरक्रिटिकल पावर प्लांट अनुप्रयोगों के लिए सीएसईएफ स्टील संरचनाओं की वेलिंग और निर्माण के लिए चुनौतियां। 9 जुलाई 2018 से 13 जुलाई 2018 तक	डॉ.मानस मोहन महापात्र	लीजुन ली, यूनिवर्सिटी ऑफ अल्बर्टा कनाडा
2.	भारत पर चरम मौसम की घटनाएँ: उष्णकटिबंधीय चक्रवातों पर विशेष ध्यान देने के साथ अवलोकन, आकलन और मॉडलिंग। 18 जून, 2018 से 25 जून, 2018 तक	प्रो. यू सी मोहंती	एस जी गोपालकृष्णन, तूफान अनुसंधान प्रभाग संयुक्त राज्य अमेरिका
3.	पोल्यनोमिअल्स के साथ पोल्यनोमियोग्राफी और अनुप्रयोग। 2 जुलाई, 2018 से 11 जुलाई, 2018 तक	डॉ.तारकांता नायक	
4.	उच्च प्रभाव वाले मौसम प्रणालियों और जलवायु के समाधान के संदर्भ में उष्णकटिबंधीय में भूमि की सतह की प्रक्रियाएं 03 जुलाई, 2018 से 10 जुलाई, 2018 तक	प्रो.यू सी मोहंती	देव नियोगी, पर्ड्यू विश्वविद्यालय, संयुक्त राज्य अमेरिका
5.	खतरनाक अपशिष्ट प्रबंधन के लिए लागत प्रभावी और सतत समाधान। 14 दिसंबर, 2018 से 18 दिसंबर, 2018 तक	डॉ.राजेश रोशन दाश और डॉ. मनस्विनी बेहरा	चित्तरंजन रे, यूनिवर्सिटी ऑफ़ नेब्रास्का संयुक्त राज्य अमेरिका



## संस्थान सेमिनार

क्र.सं	व्याख्यान का शीर्षक	व्याख्याता	तिथि
1.	भविष्य का विश्व: नवाचार और उद्यमिता	अर्निद्य मैत्रा, एसोसिएट उपाध्यक्ष, माइंडट्री	07.08.2018
2.	तरल फीडस्टॉक थर्मल छिड़काव: नई पीढ़ी के कार्यात्मक कोटिंग्स के लिए एक मार्ग	प्रो. श्रीकांत जोशी (पूर्व अतिरिक्त निदेशक, इंटरनेशनल एडवांस रिसर्च सेंटर फॉर पाउडर धातुकर्म और नई सामग्री, भारत)	13.11.2018
3.	महत्वाकांक्षी "ट्रेन -18" (भारत की पहली सेमी हाई स्पीड ट्रेन) को आकार देना	श्री. सुधांशु मणि, पूर्व जीएम, इंटीग्रल कोच फैक्ट्री; टीम लीडर 'ट्रेन -18'	06.03.2019
<b>आधारीय विज्ञान विद्यापीठ</b>			
4.	क्वांटम विज्ञान युग की बात आती है	प्रो.के. पाणिग्राही, भौतिकी, आईआईएसआर कोलकाता	24 .04.2019
5.	कम लंबाई और समय के पैमाने पर ठोस राज्य घटना - उच्च स्पिन परमाणु आइसोमरों द्वारा जांच की जाती है।	प्रो.एस. एन मिश्रा, प्रोफेसर, टीआईएफआर, मुंबई	11.04.2019
6.	सामूहिक संगठन: भौतिक प्रणालियों में आकस्मिक व्यवहार	प्रोफेसर ए. ताराफदर, भौतिकी विभाग, भा.प्रौ.सं. केजीपी	16.11.2018
7.	रोबोटिक्स और कम ऊर्जा क्यूसीडी के बीच सामान्य क्या है?	प्रो.सचिनदेव वैद्य सेंटर फॉर हाई एनर्जी फिजिक्स (सीएचईपी), आईआईएससी, बेंगलोर	07.09.2018
8.	खगोल कण भौतिकी	प्रो.उत्पल सरकार (भा.प्रौ.सं. केजीपी)	08.05.2018
9.	ब्लैक होल और समय की प्रतिवर्तीता	प्रोफेसर सुव्रत राजू (टीआईएफआर-आईसीटीएस, बेंगलोर)	17.04.2018
<b>विद्युत विज्ञान विद्यापीठ</b>			
10.	वीडियो एनालिटिक्स और वीडियो क्वालिटी इंजीनियरिंग में नवीनतम रुझानों का प्रदर्शन - एक प्रैक्टिशनर का परिप्रेक्ष्य	देवाशीष दास, एंटरप्राइज आर्किटेक्ट, वीडियो इंजीनियरिंग रिसर्च लैब, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज।	12.04.2019
11.	इलेक्ट्रॉनिक रूप से इंजीनियरिंग नवाचारों के लिए भारत में ऑनलाइन पेटेंट कैसे दर्ज करें?	डॉ. प्रीतम जी.शाह, ऑस्ट्रेलियाई जर्नल ऑफ वायरलेस टेक्नोलॉजीज, मोबिलिटी एंड सिन्योरिटी के मुख्य संपादक	28.03.19
12.	डिजाइनिंग स्केलेबल एचपीसी, डीप लर्निंग, बिग डेटा और एक्सेल सिस्टम के लिए क्लाउड मिडिलवेयर	प्रो. डी. के. पांडा, ओहियो स्टेट यूनिवर्सिटी	07.03.19
13.	साइबर-भौतिक प्रणालियों के लिए तुल्यकालिक तंत्रिका नेटवर्क	प्रो.पार्थ रूप, ऑकलैंड यूनिवर्सिटी	11.02.19
14.	गोदाम में मल्टी-रोबोट कार्य आवंटन	चरण सरकार, टीसीएस रिसर्च एंड इनोवेशन	08.02.19

15.	बेनफोर्ड के नियम का उपयोग करके प्राकृतिक डेटा की विसंगति का पता लगाना और पहचान करना	प्रो.एंथनी टी.एस. एचओ, सरे विश्वविद्यालय	06.02.19
16.	सामग्री का त्वरक आधारित विकिरण अध्ययन। दोष और प्रसार के -रोल	प्रो.जी अमरेंद्र, इंदिरा गांधी सेंटर फॉर एटॉमिक रिसर्च, एचबीएनआई	05.02.19
17.	एसडीएन.एनएफवी और 5जी नेटवर्क-अवसर और चुनौतियां में सुरक्षा	डॉ.आशुतोष दत्ता, जॉन हॉपकिंस यूनिवर्सिटी एप्लाइड फिजिक्स लैब	10.01.19
18.	फ्यूचर ग्रिड 2.0- सॉलिड स्टेट ट्रांसफॉर्मर और मैट्रिक्स कन्वर्टर	प्रो.संजीव के पांडा, नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर	02.01.19
19.	बायोसेंसिंग माइक्रोसिस्टम्स: एकीकरण, निजीकरण और स्वायत्तता	डॉ.खालिद मिर्जा, जैव-प्रेरित प्रौद्योगिकी केंद्र, यूके	09.11.18
20.	रियल एस्टेट और भवन सूचना मॉडलिंग के लिए दस्तावेज़ छवि प्रसंस्करण	डॉ.चिरंजॉय चट्टोपाध्याय, भा.प्रौ.सं. जोधपुर	12.09.18
21.	राष्ट्रीय नैनोफाइब्रिकेशन केंद्र: सुविधाएं और सहयोग के अवसर	डॉ.वाई. पी. प्रभाकर राव डॉ. विजयराघवन, आईआईएससी बैंगलोर	10.09.18
22.	मशीन लर्निंग: कम-ऊर्जा वास्तुकला और अनुप्रयोग	प्रो.केशव के परी, मिनेसोटा विश्वविद्यालय	06.09.18
23.	एफपीजीएस का उपयोग कर त्वरित कम्प्यूटिंग	प्रो .विक्टर प्रसन्ना, दक्षिणी कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय	06.08.18
24.	स्मार्ट सिटीज़- मिथक और वास्तविकताएँ	प्रो.सरजू मोहंती, उत्तरी टेक्सास विश्वविद्यालय	25.07.18
25.	आधुनिक पावर इलेक्ट्रॉनिक अर्धचालक पर आधारित पर्यावरणीय रूप से सहायक ट्रांस फॉर्मेटिव टेक्नोलॉजीज	प्रो.तांगाली सुदर्शन, दक्षिण कैरोलिना विश्वविद्यालय	24.07.18
26.	ऑप्टिकल अराजकता: विश्लेषण और संचार में अनुप्रयोग	प्रो.अंजन के। घोष, त्रिपुरा विश्वविद्यालय	11.07.18
27.	फ़िल्टर बैंक डिज़ाइन में अनिश्चितता	प्रो.वी. एम. गद्रे, भा.प्रौ.सं. बॉम्बे	06.07.18
<b>मानविकी, सामाजिक विज्ञान और प्रबंधन विद्यापीठ</b>			
28.	शिक्षा सुधार का रोडमैप	प्रो.रामाराव पप्पू, मियामी विश्वविद्यालय, ऑक्सफोर्ड, ओहियो, यूएसए	08.02.2019
29.	बाल यौन शोषण '(सीएसए)	श्री अश्विनी एन.वी. (मुक्ता फाउंडेशन), बैंगलोर	01.03.2019
<b>आधारिक संरचना विद्यापीठ</b>			

30.	3-दिवसीय समर स्कूल संगोष्ठी का प्रशिक्षण कार्यक्रम "कम क्लिंकर उच्च प्रदर्शन सीमेंट कंपोजिट"	प्रो. विक्टर सी ली मिशिगन विश्वविद्यालय , बीजू पटनायक प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के तहत केएमबीबी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग टेक्नोलॉजी . प्रो. धनदा कांता मिश्र भारतीय कंक्रीट संस्थान (आईसीआई), भा.प्रौ.सं. मद्रास के प्रो. रवींद्र गेट्टू, भा.प्रौ.सं. बॉम्बे के प्रो. डीएन सिंह, भा.प्रौ.सं. हैदराबाद क, प्रो. के. सुब्रमण्यन, भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर के डॉ. बी. हनुमनाथ राव, डॉ. धनदा कांता मिश्र, भा.प्रौ.सं. कानपुर के प्रो दुर्गेश सी राय, भा.प्रौ.सं. मद्रास के डॉ. पीयूष चौंसाली और डॉ. आर. विज्ञान और प्रौद्योगिकी के कोंग विश्वविद्यालय और स्वाइनबर्न विश्वविद्यालय के डॉ. बेहज़ाद नेमातुल्लाही। हरे सीमेंट में अपने शोध के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसित भा.प्रौ.सं. मद्रास के प्रो रविंद्र गेट्टू और भा.प्रौ.सं. हैदराबाद के प्रो. के. सुब्रमण्यम	13.07.2018-15.07.2018
31.	बदलते पर्यावरण में पनविजली चरम सीमा मॉडलिंग	प्रो.अशोक के मिश्रा, सिविल इंजीनियरिंग विभाग क्लेम्सन यूनिवर्सिटी, यूएसए	23.07.2018
32.	प्रशिक्षण कार्यक्रम "सड़क सुरक्षा पर इंजीनियरों की क्षमता निर्माण"	श्री अतुल कुमार, एशियन इंस्टीट्यूट ऑफ ट्रांसपोर्ट डेवलपमेंट (एआईटीडी) के उप निदेशक, प्रो. के. रामचंद्र राव, भा.प्रौ.सं. दिल्ली के प्रोफेसर. डॉ. उमेश चंद्र साहू, डॉ. डी. बसु और भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर के डॉ. पी. पी. डे, डॉ. मंसूर अहमद खान, प्रो. पी. के. सरकार, एआईटीडी के निदेशक (परिवहन), श्री महाराजन मिश्रा, कार्यकारी अभियंता पीडब्ल्यूडी	26.12.02018-30.12.2018
33.	कार्यशाला "ग्रामीण सड़कों के निर्माण के लिए वैकल्पिक सामग्री और नई तकनीकें"	डॉ.एम.ए.रेड्डी, भा.प्रौ.सं. खड़गपुर, श्री यू.के. गुरुवित्तल, मुख्य वैज्ञानिक जियोटेक.इंजी.डिव.सीआरआरआई, डॉ.महावीर पंडा, एनआईटी राउरकेला	27.07.2018-28.07.2018 तथा 21.12.2018 - 22.12.2018
34.	अत्याधुनिक जैविक नाइट्रोजन हटाने का विकास: ताइवान में एनारोबिक अमोनियम ऑक्सीकरण	प्रो.जिह-गॉ लिन,राष्ट्रीय चियाओ तुंग विश्वविद्यालय ताइवान	7.12.2018

35.	चीन में अनुसंधान के अवसरों और जीवन में एक अंतर्दृष्टि: अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान वैज्ञानिकों के परिप्रेक्ष्य से। "प्रचलन के लिए वक्ताओं की एक सार और जीवनी जुड़ी हुई है।	डॉ. जिओंग बिन पेंग, सहायक प्रोफेसर और डॉ.अखिल गर्ग, मेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर, शान्ताउ विश्वविद्यालय, चीन, डॉ.अंकित गर्ग, एसोसिएट प्रोफेसर, नागरिक और पर्यावरण इंजीनियरिंग विभाग, शान्ताउ विश्वविद्यालय, चीन।	21.01.2019
36.	पॉलीयूरीथेन ग्राउट इंजेक्शन प्रशस्त वर्गों में विभेदक हीव को कम करने के लिए एक बचाव के उपाय के रूप में, एक्सपेंसिव बुराइयों पर निर्मित	डॉ. देव मिश्रा, असिस्टेंट प्रोफेसर, बोइस स्टेट यूनिवर्सिटी	13.02.2019
<b>यांत्रिकी विज्ञान विद्यापीठ</b>			
37.	माइक्रोफोकस एक्स-रे स्रोतों पर माइक्रोफ्लुइडिक्स: माइक्रोफ्लो चिप्स से माइक्रोफ्लुइड तरल जेट सिस्टम तक	डॉ.रामकृष्ण वासीरेड्डी, हैम्बर्ग विश्वविद्यालय, जर्मनी	1.01.2019
38.	निगरानी, सुरक्षा और पुनर्चक्रण पर जोर देने के साथ ऊर्जा भंडारण प्रणालियों के बहु-विषयक पहलू	डॉ.अखिल गर्ग, मेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग विभाग, शान्ताउ विश्वविद्यालय, गुआंगडोंग, चीन	22.01.2019
39.	ईवीएस के लिए थर्मल थर्मल प्रबंधन और बैटरी थर्मल प्रबंधन के पैरामीट्रिक अनुकूलन	डॉ.जिओजबिन पेंग, मेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग विभाग, शान्ताउ विश्वविद्यालय, गुआंगडोंग, चीन	22.01.2019
40.	अनस्यस धाराप्रवाह में अनस्यस धाराप्रवाह मेशिंग और लेखन युडीएफ पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	डॉ.सोफेन.के.जेना, व्हर्लपूल ग्लोबल टेक्नोलॉजी एंड इंजीनियरिंग सेंटर, पुणे	26.10.2019
41.	भविष्य के हाई पावर लक्ष्य के लिए इलेक्ट्रोसपुन सिरेमिक नैनोफाइबर का उत्पादन और यांत्रिक विशेषता।	डॉ.सुजीत बिदर, फर्मी नेशनल एक्सलेरेटर लैब, बटाविया, आईएल 60510	05.04.2018



## संकाय पुरस्कार / सम्मान / विशिष्टता / फैलोशिप / उद्योग इंटरशिप / छात्रवृत्ति / सदस्यता

क्र.सं	संकाय का नाम	पुरस्कार / सम्मान / फैलोशिप का विवरण	अभिव्यक्ति
<b>आधारीय विज्ञान विद्यापीठ</b>			
1.	डॉ.सस्मिता बारिक	आईसीएम ट्रैवल ग्रांट -2018 उच्चतर गणित के लिए राष्ट्रीय बोर्ड, 2018 से	रियो, ब्राजील में अंतर्राष्ट्रीय कांग्रेस - 2018 में भाग लेने के लिए परमाणु ऊर्जा विभाग से 3 लाख रुपये दिए गए
2.	डॉ.कौशिक सामंत	शिक्षण उत्कृष्टता पुरस्कार 2018, भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर	
3.	डॉ.तारकांता नायक	2018 के लिए रामानुजन पुरस्कार	यह रामानुजन इंस्टीट्यूट फॉर एडवांस्ड स्टडी इन मैथमेटिक्स, चेन्नई विश्वविद्यालय द्वारा एक शोध पत्र के लिए दिया गया है।
4.	डॉ. राजन झा	कोर कमेटी मेंबर, इंडियन नेशनल यंग एकेडमी ऑफ साइंसेज	
5.	डॉ.श्यामल चटर्जी	सेंचुरियन यूनिवर्सिटी, पैरालखेमंडी - 2019 में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस कार्यक्रम (28 फरवरी) में "मुख्य अतिथि"	
6.	डॉ.बंकिम चंद्र मंडल	सराहनीय शिक्षण के लिए पुरस्कार	
7.	डॉ. तारकांत नायक	रामानुजन पुरस्कार 2018 रामानुजन इंस्टीट्यूट फॉर एडवांस्ड स्टडी इन मैथमेटिक्स, मद्रास विश्वविद्यालय द्वारा	
<b>पृथ्वी,महासागर एवं जलवायु विज्ञान विद्यापीठ</b>			
8.	डॉ. राज कुमार सिंह	पेलियोन्टोलॉजिकल सोसायटी ऑफ इंडिया, लखनऊ के कार्यकारी परिषद सदस्य के रूप में फिर से चुने गए	
9.	डॉ. सैयद हिलाल फारूक	संयुक्त राष्ट्र विश्वविद्यालय फैलोशिप	25.05.2018 से 05.10.2018
10.	प्रो.उमा चरण मोहंती	वैज्ञानिक उत्कृष्टता के लिए बीजू पटनायक पुरस्कार	अगस्त, 2018
11.	प्रो.उमा चरण मोहंती	ओडिशा सिटीजन अवार्ड	ऑक्टोबर,2018
<b>विद्युत विज्ञान विद्यापीठ</b>			
12.	डॉ.श्रीनिवास भास्कर करंकी	वार्षिक ब्रिटेन के विश्वविद्यालय का दौरा करने के लिए जेयुआईसीई प्रारंभिक चरण एक्सचेंज अवार्ड	यूनिवर्सिटी ऑफ वारविक, यूके में अकादमिक अनुसंधान का दौरा करने और संचालन करने के लिए जीबीपी 2500 से सम्मानित किया गया
13.	डॉ.श्रीनिवास बोप्पु	अनुसंधान राजदूत, डीएएडी	



14.	डॉ. श्रीनिवास पिनिसेट्टी	अतिथि संकाय नवंबर और दिसंबर 2018 (गोथेनबर्ग विश्वविद्यालय, और चाल्मर्स विश्वविद्यालय, गोथेनबर्ग स्वीडन)	
15.	डॉ.पद्मलोचन बेरा	बार्सिलोना, स्पेन 2018 में आयोजित आईईईईई एसडीएस सम्मेलन में बेस्ट पेपर और ओरल प्रेजेंटेशन अवार्ड	
16.	डॉ.प्रशांत कुमार साहू	अभियंताओं के साथी संस्थान,आईई (आई)	वर्ष 2018 का पुरस्कार
17.	डॉ. देवलीना घोष	आईईटीई के फेलो	
<b>मानविकी, सामाजिक विज्ञान और प्रबंधन विद्यापीठ</b>			
18.	डॉ.राजकुमार गुडरू	सराहनीय शिक्षण के लिए पुरस्कार	
<b>आधारिक संरचना विद्यापीठ</b>			
19.	डॉ.मनस्विनी बेहरा	पर्यावरण विज्ञान और इंजीनियरिंग, 2018 (सीईएसई 2018), बैंकॉक में 4 वें से 8 नवंबर, 2018 तक 11 वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में मौखिक प्रस्तुति के लिए सर्वश्रेष्ठ युवा वैज्ञानिक पुरस्कार	पेपर "सीक्वेंसिंग बैच रिएक्टर का उपयोग करके कम ताकत वाले ग्रेवाटर के उपचार के लिए प्रदर्शन का मूल्यांकन"।
20.	डॉ.पुसेंदु भुनिया	प्राणग्य आर.राउत, डॉ.पुष्पलू भूनिया, और डॉ.राजेश आर.दाश स्कूल ऑफ़ इन्फ्रास्ट्रक्चर द्वारा "अपशिष्ट जल से अपशिष्ट पदार्थों के संभावित अनुप्रयोगों का मूल्यांकन कार्बन स्रोतों और बायोफ़िल्म अपशिष्ट जल से अपशिष्ट जल को नष्ट करने के लिए" के रूप में प्रकाशित किया गया था। 2019 बेस्ट प्रैक्टिस - ओरिएंटेड पेपर अवार्ड प्राप्त करने के लिए जर्नल ऑफ़ हैज़र्ड, टॉक्सिक और रेडियोएक्टिव वेस्ट के संपादक द्वारा चुना गया। लेखकों को इस पुरस्कार के साथ पर्यावरण परिषद के लंच और पुरस्कार के दौरान पिट्सबर्ग, पेंसिल्वेनिया में विश्व पर्यावरण और जल संसाधन कांग्रेस 2019 के दौरान प्रदान किया जाएगा।	
21.	डॉ. रेम्या नीलांचेरी	16 से 25 मई 2019 तक "सस्टेनेबल एनवायरनमेंट एंड एनर्जी डेवलपमेंट (एसईईडी) 2019" पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लेने के लिए शिक्षा मंत्रालय ताइवान से पूर्ण वित्तीय सहायता प्राप्त हुई, नेशनल टिंगिंग हुआ यूनिवर्सिटी, हिसन्चु, ताइवान में आयोजित	
<b>खनिज,धातुकर्म और पदार्थ यांत्रिकी विद्यापीठ</b>			
22.	प्रो.वृज कुमार हिंडाव	निम्नलिखित पत्रिकाओं में शोध पत्रों की समीक्षा के लिए उत्कृष्ट समीक्षक प्रशस्ति पत्र: 1. सामग्री	



		विज्ञान और इंजीनियरिंग ए 2. सामग्री विज्ञान और इंजीनियरिंग बी, 3. मिश्र धातु और यौगिकों के जर्नल और 4. सामग्री प्रसंस्करण प्रौद्योगिकी के जर्नल। धातु और सामग्री इंजीनियरिंग के क्षेत्र में सभी उच्च प्रभाव कारक पत्रिकाओं	वे किए गए नए समीक्षाओं पर ताज़ा हैं
<b>यांत्रिकी विज्ञान विद्यापीठ</b>			
23.	डॉ. अनिर्बान भट्टाचार्य	प्रारंभिक कैरियर अनुसंधान पुरस्कार, डीएसटी - एसईआरबी (2018)	
24.	डॉ. अंकुर गुप्ता	"आईआईआई यंग इंजीनियर्स अवार्ड 2019-20"	इस पुरस्कार में पत्रिका और प्रमाण पत्र शामिल हैं, जो 25-26 मई, 2019 को तिरुचिरापल्ली में आयोजित 34 वें राष्ट्रीय अधिवेशन ऑफ प्रोडक्शन इंजीनियर्स के उद्घाटन सत्र के दौरान प्रस्तुत किया गया है।
25.	डॉ. वेणुगोपाल अरुमरु	प्रतिष्ठित शिक्षण पुरस्कार कुल मिलाकर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2018-19, भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर	
26.	डॉ. मिहिर कुमार पंडित	सत्र 2018-19 के लिए टीचिंग एक्सीलेंस अवार्ड से सम्मानित किया गया।	

### पुरस्कार और छात्र की उपलब्धियां

1.	संस्थान के तृतीय वर्ष के बीटेक (कंप्यूटर साइंस) के छात्रों में से एक, श्री मणिकांत वर्मा ने ग्रेजुएट श्रेणी में आईसीआईसीआई सिक्वोरिटीज द्वारा आयोजित स्टॉकमाइंड 6 की राष्ट्रीय प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार जीता है, जिसमें 50,000 रुपये का नकद पुरस्कार है।
2.	श्री वीरेन्द्र कुमार, स्कूल ऑफ बेसिक साइंसेज भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर में रसायन विज्ञान के क्षेत्र में काम करने वाले एक शोध विद्वान ने आईआईसीटी - हैदराबाद में आयोजित जे-नोस्ट में सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार जीता है।
3.	श्री अजीत कुमार नायक को भारत के कृषि मंत्री द्वारा आयोजित राष्ट्रीय निबंध लेखन प्रतियोगिता में तीसरे पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
4.	श्री अनुपम साहू को उड़ीसा केमिकल सोसाइटी द्वारा प्रतिष्ठित "कुलमणि दास मेमोरियल अवार्ड इन एनवायर्नमेंटल साइंस" से सम्मानित किया गया है।
5.	श्री राहुल महानोट और श्री राहुल कुमार बी.टेक एसईएस (टीम प्रज्वल) के छात्रों ने टाटा & सीआईआई द्वारा आयोजित प्रतिष्ठित "ग्रैंड इंडिया इंटरनेट ऑफ थिंग्स (एलओटी) इनोवेशन चैलेंज" में प्रथम पुरस्कार जीता।
6.	टीम चैंपियंस_सम और टीम प्रज्वल, भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर स्मार्ट हैकथॉन 2019 में प्रथम और तृतीय पुरस्कार सुरक्षित।
7.	भा.प्रौ.सं. कानपुर द्वारा एशिया के सबसे बड़े तकनीकी और उद्यमिता उत्सव-टेकक्रिटी 2019 में टीम प्रज्वला ने अपने आविष्कार "इंटरनेट ऑफ थिंग्स एंड डेटा एनालिटिक्स बेस्ड प्राइस फ्रैग्मेंटेशन पे-ए-यूज एंड सप्लाय चैन ऑटोमेशन एंड ऑप्टिमाइजेशन इन एलपीजी डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम" के लिए प्रथम पुरस्कार जीता।
8.	टीम प्रज्वला ने भा.प्रौ.सं. कानपुर में टेकक्रिटी सोशल ट्रैक बी-प्लान, टेकक्रिटी 2018 में दूसरा पुरस्कार प्राप्त किया।

9.	टीम प्रज्वला ने जीईएस पिचर्स एलेवेटर पिच प्रतियोगिता, जीईएस 2018, भा.प्रौ.सं. खड़गपुर में तीसरा पुरस्कार प्राप्त किया।
10.	टीम प्रज्वला ने सृजन बी- योजना प्रतियोगिता वगसोम- भा.प्रौ.सं. खड़गपुर में प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया 2018।
11.	टीम प्रज्वला ने ई-समिट 2018 में प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया, भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर, उत्पाद डिजाइन प्रतियोगिता।
12.	टीम प्रज्वला ने टेकक्रिटी पिच प्रीमियर टेकक्रिटी 2019 भा.प्रौ.सं. कानपुर में प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया।
13.	टाटा मोटर्स द्वारा आयोजित टी-स्कूल्स के लिए ग्रैंड फिनाले ऑफ माइंडओवर सीजन 7 में शिवू मेहर गुरुदेव सिंह और परिधि हिमांशु प्रकाशचंद्र ने दूसरा पुरस्कार जीता।
14.	एसबीएस में प्रीतम दास अनुसंधान विद्वान ने इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया) से मधुसूदन मेमोरियल अवार्ड प्राप्त किया।
15.	गोपीनाथ साहू को आईसीएम- ओपन आर्म्स ट्रेवल ग्रांट, अप्रैल 2018 से सम्मानित किया गया।
16.	श्री पाल्टन लाह को एसीएस ओमेगा ओरल प्रेजेंटेशन में तीन दिनों के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ड्रग डिस्कवरी में केमिकल एंड बायोलॉजिकल साइंस - 2019, (आईसी-सीबीएसडीडी) में प्रथम पुरस्कार मिला।
17.	श्री दिलीप कुमार - तीन दिनों में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ड्रग डिस्कवरी में केमिकल एंड बायोलॉजिकल साइंस - आईसी (सीबीएसडीडी) नामक सर्वश्रेष्ठ फ्लैश पोस्टर पुरस्कार प्राप्त किया।
18.	डॉ. आर. डी. दास और डॉ. पी भूनिया की देखरेख में "प्रायोगिक उपचार प्रणालियों के विकास के लिए असाधारण शोध प्रणालियों पर उत्कृष्ट शोध योगदान" के लिए ओडिशा विज्ञान अकादमी द्वारा श्री प्रणय आर राउत को युवा वैज्ञानिक पुरस्कार 2018 के लिए चुना गया है।
19.	श्री प्राणग्य रंजन राउत डॉ. पुस्पेंदु भूनिया और डॉ. राजेश रोशन दाश को उनके प्रकाशित पेपर "कार्बन कार्बनिक स्रोतों के रूप में अपशिष्ट कार्बनिक ठोस पदार्थों के संभावित अनुप्रयोगों का आकलन" के लिए अमेरिकन सोसाइटी ऑफ सिविल इंजीनियर्स (एएससीई) द्वारा 2019 सर्वश्रेष्ठ अभ्यास उन्मुख पेपर प्राप्त करने के लिए चुना गया है। "खतरनाक विषाक्त पदार्थों के कार्बन कार्बन स्रोतों के रूप में अपशिष्ट कार्बनिक ठोस पदार्थों के संभावित अनुप्रयोगों का आकलन और अपशिष्ट जल से नाइट्रेट विषाक्तता के उन्मूलन के लिए" खतरनाक विषाक्त और रेडियोधर्मी कचरे के जर्नल में।

## विशिष्ट आगंतुक

क्र.सं.	नाम	संस्थान का नाम
1.	डॉ. शरत चंद्र साहू	निदेशक, आईएमडी मेट्रोलॉजिकल सेंटर भुवनेश्वर
2.	प्रो. गीतांजलि बटमानाबने	निदेशक, एम्स भुवनेश्वर
3.	सुंदररमन जी गोपालकृष्णन	तूफान अनुसंधान प्रभाग, संयुक्त राष्ट्र अमेरिका
4.	देव नियोगी	पड्यू विश्वविद्यालय, संयुक्त राष्ट्र अमेरिका
5.	लीजुन ली	अल्बर्टा कनाडा विश्वविद्यालय
6.	डॉ. जशोबांता महापात्र	क्लिनिकल साइकोलॉजी के प्रमुख विभाग, एससीबी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल कटक
7.	प्रो. आशुतोष शर्मा	सचिव, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग
8.	श्री. पंकज रमणभाई पटेल	पूर्व अध्यक्ष, बोर्ड ऑफ गवर्नर, भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर
9.	श्री सौरव रॉय	प्रमुख, कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी, टाटा स्टील
10.	प्रो. जिह-गॉ लिन	नेशनल चियाओ- तुंग विश्वविद्यालय
11.	प्रो. श्रीकांत जोशी	पूर्व अतिरिक्त निदेशक, इंटरनेशनल एडवांस रिसर्च सेंटर फॉर पाउडर धातुकर्म और नई सामग्री, भारत
12.	नम्रता चड्ढा	एक सामाजिक कार्यकर्ता और आंतरिक शिकायत समिति, भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर के सदस्य
13.	स्नेहांजलि महांती	राज्य महिला आयोग की सदस्य
14.	श्री शशिकांत मिश्र	ओएसजेएस, प्रमुख सचिव, कानून विभाग, ओडिशा सरकार
15.	प्रो. के. वी. रमना चरी	निदेशक, आईआईएसईआर, बरहामपुर
16.	श्री नरेंद्र दामोदरदास मोदी	भारत के माननीय प्रधान मंत्री
17.	श्री बिष्णुप्रसाद सेठी	उच्च शिक्षा विभाग के सचिव, ओडिशा सरकार
18.	श्री पी. के महापात्र	डीजीएम, नाबार्ड, ओडिशा
19.	प्रो. विनय कुमार नांगिया	एमेरिटस प्रोफेसर भा.प्रौ.सं. रुड़की
20.	श्री निर्मल कु. भारद्वाज	पैन भा.प्रौ.सं. इंडिया के संस्थापक सदस्य
21.	श्री अनिल छिकारा	अध्यक्ष स्टार्ट-अप इंडिया फाउंडेशन
22.	मोसाको ओनो	मुद्रा फाउंडेशन के संस्थापक
23.	डॉ. अनिरुद्ध मालपानी	निदेशक मालपानी उद्यम
24.	प्रो. विनय कुमार नांगिया	भा.प्रौ.सं. रुड़की
25.	श्री मनोज शर्मा	सामाजिक उद्यमी
26.	श्री गगन बारडिया	कैरियर सलाहकार और प्रेरक वक्ता
27.	पारिजातम राव	डिजिटल मार्केटिंग विशेषज्ञ
28.	विजय राघवन	डिजिटल मार्केटिंग विशेषज्ञ
29.	श्री अखिलेश देसाई	फैसिलिटेटर, फोकस यू एंगेज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड

30.	साइमन सिनेक	ब्रिटिश-अमेरिकी लेखक, प्रेरक वक्ता और संगठनात्मक सलाहकार
31.	श्री सुशांत वर्मा	डिज़ाइन टेक्नोलॉजिस्ट + डिज़ाइन उद्यमी, वास्तुकार + कम्प्यूटेशनल डिज़ाइनर और शिक्षक + अग्रणी आरएटी [LAB] स्टूडियो (वास्तुकला और प्रौद्योगिकी में अनुसंधान)
32.	श्री रोहित सूरज	वास्तुकार और संस्थापक, अर्बन ज़ेन
33.	अदिति शर्मा अभ	अभिनेत्री + मॉडल
34.	श्री अनुज तिवारी	लेखक + वक्ता
35.	डॉ. जगदीश चतुर्वेदी	कान नाक गले सर्जन + सीरियल चिकित्सा उपकरण प्रवर्तक + लेखक + स्टैंड-अप कॉमेडियन
36.	संजना संघ	अभिनेत्री + मॉडल
37.	डॉ. के राधाकृष्णन	पूर्व अध्यक्ष इसरो
38.	सुहासिनी पॉल	प्रख्यात खिलौना डिजाइनर
39.	सिद्धार्थ दास	सिद्धार्थ दास स्टूडियो के संस्थापक
40.	डॉ. लुइस दास	चाइल्ड प्ले इंडिया फाउंडेशन के संस्थापक
41.	केनी सेबेस्टियन	स्टैंड-अप कॉमेडी किंग
42.	श्री हरप्रसाद दास	कवि, निबंधकार और स्तंभकार।
43.	श्रीमती गायत्री मावरु	राइटर, कवि, कलाकार, सामाजिक कार्यकर्ता, कोरियोग्राफर, शिक्षक और सामाजिक उद्यमी, श्री गायत्री विद्या विकास एजुकेशन ट्रस्ट के संस्थापक और प्रबंध ट्रस्टी, संस्थापक और निदेशक चेरी ब्लॉसम स्कूल।
44.	प्रो. गणेशी लाल	ओडिशा के माननीय राज्यपाल
45.	डॉ. एस क्रिस्टोफर	पूर्व अध्यक्ष, रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (DRDO), रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार।
46.	प्रो. जतिंद्र कुमार नायक	प्रख्यात लेखक और अंग्रेजी में सेवानिवृत्त प्रोफेसर, उत्कल विश्वविद्यालय,
47.	डॉ. पी. वी. वेंकटकृष्णन,	उत्कृष्ट वैज्ञानिक और निदेशक, क्षमता निर्माण कार्यक्रम कार्यालय, (सीबीपीओ), इसरो
48.	अमृता दास	सहायक निदेशक, राष्ट्रीय पुलिस अकादमी, हैदराबाद
49.	प्रो. स्वागता दासगुप्ता	भा.प्रौ.सं. खड़गपुर
50.	प्रो.प्रतिम कुमार चटर्जी	भा.प्रौ.सं. खड़गपुर
51.	सुनील कुमार श्रीवास्तव	भा.प्रौ.सं. खड़गपुर
52.	प्रो. हिरोशी यानागिहारा	डिपार्टमेंट ऑफ एप्लाइड साइंस फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग, यामागुची विश्वविद्यालय, जापान
53.	प्रो. उत्पल सरकार	भा.प्रौ.सं. केजीपी, पूर्व निदेशक और उत्कृष्ट वैज्ञानिक, भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला, अहमदाबाद

54.	प्रो. प्रसान्त कुमार पाणिग्रही,	अंतर्राष्ट्रीय संबंधों और आउटरीच के डीन, आईआईएसईआर कोलकाता
55.	प्रो. सौमित्र सेनगुप्ता	डीन अकादमिक / छात्र मामले, आईएसीएस, कोलकाता
56.	प्रो. वोल्फगैंग कुहंट	कील यूनिवर्सिटी, जर्मनी
57.	डॉ. अन्ना होलबर्बन	कील यूनिवर्सिटी, जर्मनी
58.	प्रो. अभिजीत गंगोपाध्याय	मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, यूएसए
59.	प्रो. देव नियोगी	पडर्यू विश्वविद्यालय, यूएसए
60.	प्रो. विक्टर प्रसन्ना	यूनिवर्सिटी ऑफ सदर्न कैलिफोर्निया
61.	प्रो. केशव के.पांडी	मिनेसोटा विश्वविद्यालय
62.	प्रो. तांगाली सुदर्शन	विश्वविद्यालय दक्षिण कैरोलिना
63.	प्रो. डी.के.पंडा	ओहियो स्टेट यूनिवर्सिटी
64.	प्रो. अंजन के. घोष	त्रिपुरा विश्वविद्यालय के पूर्व भा.प्रौ.सं. -कानपुर
65.	प्रो. वी. एम. गद्रे	भा.प्रौ.सं. बॉम्बे
66.	प्रो. रामाराव पप्पू	मियामी विश्वविद्यालय, ऑक्सफोर्ड, ओहियो, यूएसए
67.	श्री अश्विनी एन.वी	मुक्ता फाउंडेशन, बैंगलोर
68.	सुप्रिया चौधरी	मुक्ता फाउंडेशन, बैंगलोर
69.	श्रुति चैतन्य	मुक्ता फाउंडेशन, बैंगलोर
70.	एनेट शजू	मुक्ता फाउंडेशन, बैंगलोर
71.	नुपुरा बयरमुडी	मुक्ता फाउंडेशन, बैंगलोर
72.	प्रोफेसर प्रदीप गोखले	सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय

## केंद्रीय पुस्तकालय

केंद्रीय पुस्तकालय भा.प्रौ.सं.भुवनेश्वर के शैक्षणिक और अनुसंधान समुदाय को सभी प्रकार की गुणवत्ता की जानकारी संसाधन उपलब्ध कराने के मिशन के साथ काम करने वाली केंद्रीय सुविधाओं में से एक है। एक्सेल के प्रति प्रतिबद्धता के साथ, पुस्तकालय उपयोगकर्ता समुदाय की शैक्षणिक और अनुसंधान की आवश्यकता का समर्थन करने के लिए समय पर और अभिनव सेवाओं द्वारा सभी प्रकार के सूचना संसाधनों का प्रसार करने के लिए शुरू करने से महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। केंद्रीय पुस्तकालय द्वारा दी जाने वाली सेवाओं की श्रेणी और गुणवत्ता भारत के अंतर्राष्ट्रीय मानक के किसी भी आधुनिक पुस्तकालय के बराबर है।



2016 में, सेंट्रल लाइब्रेरी ने अरगुल परिसर यानी संस्थान के स्थायी परिसर में अपनी सेवाओं को बढ़ाया है। इसके अलावा इसने मार्च 2016 से स्थायी परिसर में लाइब्रेरी की समयावधि 11 बजे तक बढ़ा दी है। संक्षेप में, वर्तमान यह पुस्तकों के 18500+ संस्करणों, 52+ पूर्ण पाठ और साथ ही ग्रंथ सूची डेटाबेस सदस्यता, और अन्य पत्रिकाओं जैसे लोकप्रिय पत्रिकाओं / प्रिंट पत्रिकाओं, शोध और इंजीनियरिंग, विज्ञान और प्रौद्योगिकी में रिपोर्ट कर रहा है। प्रबंधन, मानविकी और सामाजिक प्रिंट पुस्तकों की खरीद के अलावा, सेंट्रल लाइब्रेरी ने ई-संसाधनों की सदस्यता में अभूतपूर्व प्रगति हासिल की, जिसमें 8645 से अधिक ई-पत्रिकाएं शामिल हैं, जो कि डिजिटल-वाइड कलेक्शन के लिए संस्थान-वाइड नेटवर्क पर वास्तविक अर्थों में "24 x 7 लाइब्रेरी" है और एजप्रोक्सी कैंपस एक्सेस ऑफ ई-रिसोर्सेज के माध्यम से शामिल हैं।

### पुस्तकालय संग्रह:

मार्च 2019 तक पुस्तकालय का कुल संग्रह इस प्रकार है:

- मुद्रित पुस्तकें: 18345+
- ई- पुस्तकें: 30 लाख +
- पत्रिकाओं और पत्रिकाएँ: 24 सं
- दैनिक समाचार पत्र: 12 सं
- ई-संसाधन: 8750+ ई-जर्नल (प्रौद्योगिकी: 3122+; विज्ञान: 3079+ और मानवता और सामाजिक क्षेत्र: 2299+ ई-पत्रिकाएँ)
- पूर्ण पाठ ऑनलाइन डेटाबेस: 42 सं

- ग्रंथ सूची डेटाबेस: 04 सं
- सीडी / मल्टी-मीडिया डेटाबेस: 01 सं
- पेटेंट डेटाबेस: 01 सं
- ई-बुक डेटाबेस: 02 सं
- वेब उपकरण: 02 सं

#### पुस्तकालय सेवाएँ और सुविधाएँ:

- ✓ पाठक की सहायता
- ✓ सदस्यता और उधार सुविधाएं
- ✓ फोटोकॉपी सुविधा
- ✓ हिंदी संग्रह (राजभाषा संग्रह)
- ✓ लीडरशिप कॉर्नर
- ✓ गैर-पुस्तक सामग्री
- ✓ पढ़ने के क्षेत्र में आरक्षित संग्रह
- ✓ अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लिए विशेष संग्रह
- ✓ छात्रवृत्ति और फैलोशिप जानकारी का प्रदर्शन
- ✓ विदेशी विश्वविद्यालयों के आगामी सम्मेलनों, अन्य आयोजनों, रोजगार के अवसरों और प्रॉस्पेक्टस का प्रदर्शन
- ✓ ओरिएंटेशन प्रोग्राम
- ✓ दस्तावेज सेवा प्रदान करते हैं

#### ऑनलाइन सदस्यता:

ई - जर्नल सहित 49 + इलेक्ट्रॉनिक संसाधन हैं ऑनलाइन डेटाबेस, ग्रंथ सूची डेटाबेस, डेटा सेट सॉफ्टवेयर टूल ई-बुक्स इत्यादि को ईएसएस के सहयोग से प्रतिवर्ष सब्सक्राइब किया जाता है और नवीनीकृत किया जाता है (उच्च शिक्षा ई-संसाधनों के लिए मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा देशव्यापी पहल है)।

#### पूर्ण पाठ ऑनलाइन डेटाबेस:

- |   |   |
|---|---|
| 1) एएएस (विज्ञान)                                       | 34) ऋषि (2 पत्रिकाएँ)   |
| 2) एसीआई सामग्री पत्रिकाओं                              | 35) विज्ञान प्रत्यक्ष विकल्प -1 (5 उप- पीएचवाई, सीएचएम, मैथ, इंग, और एमटी.एससी) |
| 3) एसीएम डिजिटल लाइब्रेरी                               | 36) पृथ्वी और ग्रह - एलसेवियर (विज्ञान प्रत्यक्ष अतिरिक्त)                      |
| 4) अमेरिकन केमिकल सोसायटी                               | 37) एसआईएम पत्रिकाओं  |
| 5) अमेरिकन इंस्टीट्यूट ऑफ एरोनॉटिक्स एंड एस्ट्रोनॉटिक्स | 38) दक्षिण एशिया पुरालेख  |
| 6) अमेरिकन इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिक्स                       | 39) स्प्रिंगर जर्नल्स   |
| 7) अमेरिकन गणितीय सोसायटी                               | 40) टेलर एंड फ्रांसिस ऑनलाइन (एससी. & टेक, बिज़नेस & एमजीएमटी & ईसीओएस)         |
| 8) अमेरिकन मौसम विज्ञान सोसायटी                         | 41) परिवहन अनुसंधान बोर्ड   |
| 9) अमेरिकन फिजिकल सोसायटी                               |   |
| 10) अमेरिकन सोसाइटी ऑफ सिविल इंजीनियर्स (एएससीई)        |   |



- 11) अमेरिकन सोसाइटी ऑफ मैकेनिकल इंजीनियर्स (एएसएमई)
- 12) अमेरिकन वेल्डिंग सोसाइटी
- 13) वार्षिक समीक्षा पत्रिकाओं
- 14) एएसटीएम अंतर्राष्ट्रीय मानक और इंजीनियरिंग डीएल
- 15) बेगेल हाउस इंजीनियरिंग रिसर्च कलेक्शन
- 16) कैम्ब्रिज जर्नल्स
- 17) सेल प्रेस जर्नल्स
- 18) ईसीएस डिजिटल लाइब्रेरी ऑनलाइन
- 19) आर्थिक और राजनीतिक साप्ताहिक नई
- 20) एमरल्ड सीएफटीआई कलेक्शन
- 21) जियो साइंस वर्ल्ड
- 22) आईसीई + थॉमस टेलफोर्ड
- 23) आईईईई एक्सप्लोर डिजिटल लाइब्रेरी
- 24) आईओपी विज्ञान अतिरिक्त
- 25) आईएसआईडी
- 26) जेएसटीओआर
- 27) मैकग्रा-हिल एक्सेस इंजीनियरिंग लाइब्रेरी
- 28) प्रकृति - 14 शीर्षक
- 29) ऑप्टिकल सोसाइटी ऑफ अमेरिका
- 30) ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस
- 31) प्रोजेक्ट सरस्वती
- 32) विजय शोध प्रबंध और शोध
- 33) रॉयल सोसाइटी ऑफ केमिस्ट्री

42) विली ऑनलाइन - 68 खिताब

#### ग्रंथ सूची ई-डाटा:

1. एससीआईएफ़आईएनडीईआर विद्वान (वेब सक्षम संस्करण)
2. एमएटीएचएससीआईएनईटी
3. एससीओपीयुएस
4. वेब of साइंस (एससीआईई) (1965 के बाद की फाइलें)

#### पेटेंट डेटाबेस:

1. डब्लूआईपीएस ग्लोबल एडवांस्ड

#### ई - किताब

- 1) मैकग्रा-हिल एक्सेस इंजीनियरिंग लाइब्रेरी
- 2) वर्ल्ड ईको लाइब्रेरी

#### सीडी / मल्टी मीडिया डेटाबेस:

- 1) कैम्ब्रिज स्ट्रक्चरल डाटाबेस सिस्टम (शोधकर्ता लाइसेंस)

#### वेब उपकरण:

- 1) टर्निटिन: एक एंटी-प्लाजिरिज़्म सॉफ्टवेयर।
- 2) एजप्रोक्स्यी

#### कम्प्यूटिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज:

लाइब्रेरी का अपना उप-लैन है, जो कैम्पस लैन से जुड़ा है। उपयोगकर्ता के पास इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों (ई-जर्नल्स, ई-डेटाबेस, आदि), सन फायर सर्वर और ब्लेड सर्वर तक पहुंचने के लिए 20 से अधिक पीसी समर्पित हैं। सेंट्रल लाइब्रेरी में संस्थान की वेब साइट के हिस्से के रूप में एक व्यापक होम पेज है। लाइब्रेरी होम पेज सेंट्रल लाइब्रेरी से उपलब्ध सभी सेवाओं के लिए एक एकीकृत इंटरफ़ेस के रूप में कार्य करता है। इंटरफ़ेस, <http://library.iitbbs.ac.in/> पर उपलब्ध है और निम्नलिखित वेब-आधारित सेवाएं प्रदान करता है:

- भा.प्रौ.सं. लाइब्रेरी के हाल के अतिरिक्त (<http://library.iitbbs.ac.in/>)
- नया आगमन प्रदर्शन और अलर्ट सेवा (भौतिक और ऑनलाइन दोनों)
- इलेक्ट्रॉनिक संसाधन सब्सक्राइब (<http://library.iitbbs.ac.in/online-e-resources.php>)
- वेब-आधारित लाइब्रेरी ओपीएसी (<http://10.10.32.47/> -intranet; <http://14.139.204.213/> - अर्गुल नेटवर्क के बाहर)

- प्रिंट में छपी पत्रिकाओं के लिए वेब एक्सेस।
- एजप्रोक्सी के माध्यम से सभी ई-संसाधनों के लिए कैंपस रिमोट एक्सेस बंद (<http://14.139.204.214:2048/8gin>) \
- संस्थागत भंडार (<http://idr.iitbbs.ac.in:8080/xmlui/>)

### लाइब्रेरी ऑटोमेशन और इंस्टीट्यूशनल रिपोजिटरी के लिए ओपन सोर्स सॉफ्टवेयर (ओएसएस):

ओपन सोर्स लाइब्रेरी मैनेजमेंट सॉफ्टवेयर (केओएचए) स्थापित किया गया है और इस प्रणाली के माध्यम से दिन-प्रतिदिन हाउसकीपिंग गतिविधियाँ की जा रही हैं। केंद्रीय पुस्तकालय ने राष्ट्रीय डिजिटल पुस्तकालय (एनडीएल), भा.प्रौ.सं.खड़गपुर जनादेश के अनुसार ओपन सोर्स सॉफ्टवेयर डीस्पेस का उपयोग करके आईआर (संस्थागत भंडार) को सफलतापूर्वक लागू किया है।

### आउटरीच और अन्य कार्यक्रम:

#### पुस्तक प्रदर्शनी

केंद्रीय पुस्तकालय ने निदेशक प्रो आर वी राजकुमार के नेतृत्व में 18 से 20 अगस्त, 2018 के दौरान तीन दिवसीय पहली टेक्नो बुक प्रदर्शनी का आयोजन किया।



पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय श्री अटल बिहारी वाजपेयी के निधन के कारण इस प्रदर्शनी का उद्घाटन 18 अगस्त 2018 (शनिवार) को बहुत ही अनौपचारिक तरीके से किया गया। उद्घाटन समारोह में, केंद्रीय पुस्तकालय के अध्यक्ष डॉ.राजेश आर. दाश ने विक्रेताओं, प्रकाशकों, छात्रों, कर्मचारियों और संकाय सदस्यों का स्वागत किया और डॉ. विभूति बी साहू, उप पुस्तकालयपाल, पुस्तकालय सलाहकार समिति के सदस्यों की उपस्थिति में प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। डॉ. मनस्विनी बेहरा, डॉ. ससीधर के. और अन्य संकाय सदस्य अर्थात् डॉ.राजन झा, डॉ. अरिंदम सरकार, डॉ. सुमंत हलधर, पुस्तकालय के कर्मचारी और छात्र, प्रतिष्ठित प्रकाशकों और सभी 16 नंबरों के प्रतिष्ठित आपूर्तिकर्ताओं को विज्ञान और प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग सिस्टम, विनिर्माण और सिस्टम इंजीनियरिंग, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन, वीएलएसआई डिजाइन और वायरलेस प्रौद्योगिकी, प्रबंधन और नियंत्रण शक्ति के क्षेत्रों में पाठ्यपुस्तकों और संदर्भ पुस्तकों को भाग लेने और प्रदर्शित करने के लिए आमंत्रित किया गया था। उपकरण और सिस्टम, फोटोनिक्स, मानव एंडेवर में इलेक्ट्रॉनिक अनुप्रयोग, नैनो-विज्ञान और नैनो, ग्रामीण प्रौद्योगिकी, नोबेल,

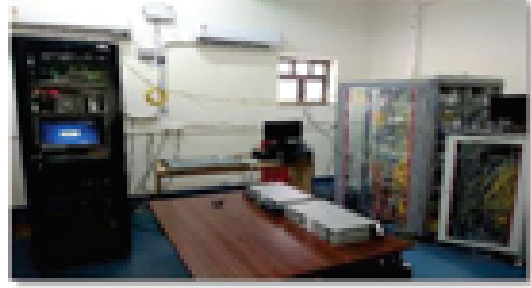
लॉरेट्स, भारतीय वैज्ञानिकों और प्रौद्योगिकीविदों के काम और साहित्य, उपन्यास, दर्शन, और बच्चों के लिए उल्लेखनीय क्लासिक्स की किताबें शामिल हैं। सेंट्रल लाइब्रेरी को बड़ी संख्या में ऐसे इंडेंट मिले जो विभिन्न स्कूलों के संकायों और कर्मचारियों द्वारा सुझाए गए थे। लगभग 1000 छात्रों, संकाय सदस्यों और कर्मचारियों ने बड़े उत्साह और रुचि के साथ पुस्तक प्रदर्शनी देखी।

### लेखक कार्यशाला

केंद्रीय पुस्तकालय में 20 नवंबर 2018 को विले के सहयोग से शोधपत्रों के प्रकाशन पर एक लेखक कार्यशाला का आयोजन हुआ। कार्यशाला में प्रतिभागियों को उपलब्ध शैक्षणिक प्रकाशनों के प्रकारों, उनके कार्यों को प्रकाशित करने में शामिल प्रक्रियाओं और संपादकों से जो अपेक्षाएँ थीं, उनके बारे में जानकारी हासिल करने में मदद की गई। लेखक और उनके काम, प्रतिभागियों को अपने शोधपत्रों को प्रकाशन स्थिति में लाने और उन्नत प्रकाशकों की पहचान करने तथा उनकी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए सबसे उपयुक्त जर्नल की जानकारी दे गयी। वर्तमान और भावी लेखकों को उपयोगी जानकारी प्रदान करने के अपने उद्देश्य के लिए, पूरी कार्यशाला के दौरान इन निम्नलिखित विषयों पर ध्यान केंद्रित किया गया। एससीआई जर्नल संपादकों को प्रभावित करने के लिए पांडुलिपि की संरचना। एक पत्रिका का चयन और एक महान प्रस्तुत पैकेज तैयार करने और समीक्षक टिप्पणियों का जवाब।

## कंप्यूटर और सूचना प्रौद्योगिकी सेवा सेल (सीआईटीएससी)

भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर के कंप्यूटर और सूचना प्रौद्योगिकी सेवा सेल (सीआईटीएससी) में अत्याधुनिक सर्वर हैं, जो वितरित वातावरण में एक उच्च गति गिगाबिट ऑप्टिकल फाइबर / यूटीपी आधारित नेटवर्क से जुड़ा है। सीआईटीएससी की इन-हाउस टीम द्वारा क्लास रूम की सभी ऑडियो-विजुअल सुविधाएं कार्यान्वित और रखरखाव की जाती हैं। सभी प्रयोगशालाओं, संकाय कार्यालयों और कर्मचारियों के कार्यालयों को डेस्कटॉप / लैपटॉप, प्रिंटर और टेलीफोन के साथ-साथ वायर्ड और वायरलेस इंटरनेट/इंट्रानेट कनेक्टिविटी प्रदान की जाती है। सभी संकाय सदस्यों और छात्रों को संस्थान द्वारा विकसित ईआरपी प्रणाली तक पहुंच है। ईआरपी प्रणाली का उपयोग छात्रों की ग्रेडिंग, फीडबैक और प्रशासनिक अनुप्रयोगों के लिए किया जा रहा है, जिसमें इन्वेंट्री प्रबंधन, शिक्षाविदों, खातों और प्रवेशों के साथ-साथ प्लेसमेंट से संबंधित एप्लिकेशन भी शामिल हैं। कैंपस नेटवर्क अत्याधुनिक एंटीवायरस और अगली पीढ़ी के युटीएम के साथ संरक्षित है। भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर परिसर के सभी सदस्यों सहित छात्रों, संकायों, कर्मचारियों और अधिकारियों को ई-मेल आईडी प्रदान की जाती है, जो मेल के उपयोग के लिए एक उपयोगकर्ता-अनुकूल ई-मेल प्रणाली है, जो परिसर के अंदर और बाहर दोनों से उपलब्ध है। संस्थान एनकेएन के तहत उच्च गति गिगाबिट कनेक्टिविटी से जुड़ा हुआ है। इसके अलावा संस्थान में 200 एमबीपीएस वोडाफोन आईएलएल भी है। संस्थान का अपना टेलीफोन एक्सचेंज है जो 10,000 उपयोगकर्ताओं को पूरा कर सकता है। संस्थान में कई हॉट-स्पॉट वाई-फाई पॉइंट हैं, जिनका उपयोग भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर उपयोगकर्ताओं द्वारा वायरलेस कनेक्टिविटी के साथ-साथ एक ई-क्लास रूम के लिए किया जा रहा है, जो उपयोग उपयोगकर्ताओं को विभिन्न शैक्षणिक वीडियो सामग्री का उपयोग करने की अनुमति देता है। सीआईटीएससी भी डेस्कटॉप वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संस्थान उपयोगकर्ताओं को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग की सुविधा प्रदान करता है।



संस्थान की सभी आईसीटी जरूरतों को भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर की इन-हाउस टीम द्वारा नियोजित और निष्पादित किया जा रहा है। सीआईटीएससी टीम वर्ष भर नेटवर्क और हार्डवेयर के रख-रखाव में सभी सदस्यों को समर्थन प्रदान करती है। हमारी टीम परिसर में मुक्त और खुले स्रोत सॉफ्टवेयर के उपयोग को प्रोत्साहित करती है। हमारी टीम कई उन्नत और विशेष उद्देश्य सॉफ्टवेयर जैसे कि एएनएसवाईएस, एमएटीएलएबी, मथमटिकस आदि को भी सहायता प्रदान करती है।

## वृत्तिक विकास प्रकोष्ठ

वृत्तिक विकास प्रकोष्ठ (सीडीसी) पोर्टफोलियो की एक विस्तृत शृंखला प्रदान करता है जिसमें छात्रों को अपने कैरियर के लक्ष्यों का पता लगाने, परिभाषित करने और महसूस करने के लिए सशक्त बनाना शामिल है। सीडीसी एक-पर-एक परामर्श सत्र, कैरियर नियोजन प्रक्रिया के दौरान परामर्श, और विभिन्न प्रकार के कैरियर अन्वेषण गतिविधियों के माध्यम से लक्ष्य-निर्धारण और लक्ष्य उपलब्धि के साथ संलग्न करता है। अंतिम उद्देश्य व्यावसायिक विकास, नौकरी की खोज की सफलता, और कैरियर की संतुष्टि के लिए जीवन भर के उपकरण और कौशल प्रदान करना है, छात्रों को पूर्ण पेशेवर होने के लिए आवश्यक मुख्य सामग्री के निर्माण और उनके कैरियर को बनाने में छात्रों का समर्थन करना। भा.प्रौ.सं. बीबीएस में आने वाले कई नए रिक्रूटर्स के लिहाज से 2018-19 का कैम्पस प्लेसमेंट शानदार रहा है। उनमें से ज्यादातर पहले केवल पुराने भा.प्रौ.सं. का दौरा कर रहे थे। इसके अलावा प्लेसमेंट 2018-19 में पिछले साल के अधिकांश रिक्रूटर्स को इस साल भी दोहराया गया है, जिससे हमारे छात्रों की गुणवत्ता में भरोसा / विश्वास का संकेत मिलता है और कम आर्कषक भाव होता है।

## 2018-19 के प्लेसमेंट का मुख्य आकर्षण

- यूजी से कुल 121 छात्रों को प्रस्ताव मिले।
- स्नातक की नियुक्ति लगभग 90% है।
- उच्चतम घरेलू सीटीसी की पेशकश 39.02 लाख प्रति वर्ष थी।
- एम.टेक प्लेसमेंट 69% के करीब हैं।
- मुख्य उद्योगों से सबसे अधिक संख्या में नौकरी के प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं।
- कैम्पस ड्राइव में भाग लेने वाली कंपनियों की संख्या 70 है।
- औसत वेतन यूजी के लिए 11.44 लाख प्रति वर्ष है।
- पीएसयु जैसे इसरो, आईओसीएल, एनसीसीबीएम ने कैम्पस प्लेसमेंट में भाग लिया।
- गोल्डमैन सैक्स, जीई इंडिया, हनीवेल, मारुति सुजुकी, महिंद्रा एंड महिंद्रा, इंफोसिस, टीसीएस आरएंडडी, एडोब जैसी कंपनियों ने इस वर्ष प्लेसमेंट में भाग लिया है।
- तीसरे वर्ष के छात्रों को प्रतिष्ठित उद्योगों में इंटरशिप की पेशकश मिली है। सीएस ब्रांड के अधिकांश इंटरशिप में लगे हुए हैं और पूर्णकालिक पेशकश की संभावना है।

## नियुक्ति का पाठ्यक्रम / स्ट्रीम वार वितरण: 2018-19

शाखा (बी.टेक)	पंजीकृत विद्यार्थियों की संख्या	नियुक्ति प्राप्त विद्यार्थियों की संख्या	प्रतिशत
सिविल	26	23	88%
कंप्यूटर विज्ञान	37	38	100%
विद्युत्	32	27	84%
यांत्रिकी	30	25	83%
एमएमएमई	9	7	77%

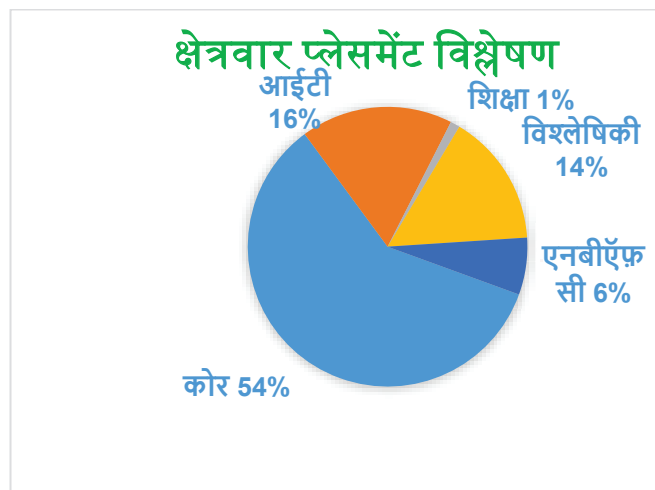
शाखा (एम.टेक/एम.एससी)	पंजीकृत विद्यार्थियों की संख्या	नियुक्ति प्राप्त विद्यार्थियों की संख्या
एम.टेक	94	64
एम.एससी	52	09
पीएच.डी	19	09

कंपनियां :



क्षेत्रवार प्लेसमेंट विश्लेषण:

आईटी: 16%  
 कोर: 54%  
 विश्लेषिकी: 14%  
 शिक्षा: 1%  
 एनबीएँफ़सी: 6%



## कंपनियों की शैक्षणिक वर्ष 2018-19 नियुक्ति

कंपनी का नाम					नियुक्ति प्राप्त विद्यार्थियों की संख्या	न्यूनतम वेतन की पेशकश	अधिकतम वेतन की पेशकश	औसत वेतन की पेशकश	माध्य वेतन की पेशकश
एडोब	अमेज़न	एक्सेंचर	अफ्फिने एनालिटिक्स	एंजेल ब्रोकिंग	120	4.8(ए लपीए)	39.02(ए लपीए)	11.4(ए लपीए)	9(ए लपीए)
एटकिन्स	आकाश इंस्टीट्यूट	एक्सेला एडवाइजरी सर्विसेज	बीवाईजेयू एस	कैपजेमिनी					
कैटरपिलर	सीईडब्लू आईटी	सी वी रमन इंजी. कॉलेज	सीवीआरएस शैक्षिक सेवाएँ	डेल					
डेलोइट	डेल्टा पावर	एफ़.भा.प्रौ.सं. जेईई	फ़िलंटो सॉल्यूशंस	फ़ैक्टल एनालिटिक्स					
फ्यूचर्स	फ्लाईटे कस्ट मोबाइल सॉल्यूशंस	जनरल इलेक्ट्रिक इंडिया	गोल्डमैन सैक्स	गुप्ता पावर					
एचसीएल	हनीवेल	इंफोसिस	इंटेल् टेक्नोलॉजी	इसरो					
आईओ सीएल	जिंदल स्टेनलेस लिमिटेड	केईसी इंटरनेशनल	केभा.प्रौ.सं.	एल एंड टी कंस्ट्रक्शन					
एल एंड टी	मक सॉफ्टवेयर	मास्टरकार्ड	मथ्वोर्क्स	माइक्रो सॉफ्ट					
एनसीसीबी	पी 2 पावर सॉल्यूशंस	पीएनबी फी	राम ग्रुप	राव एड्सुलेशन					
आरई कनेक्ट एनर्जी	सैपिएंट	टाटा स्टील	टाटा बीएसएल	टाटा एडवांस्ड सिस्टम					
टीसीएस	टीईएस सीओ	टीईटीसीओ एस	थर्मैक्स	युएच जी					

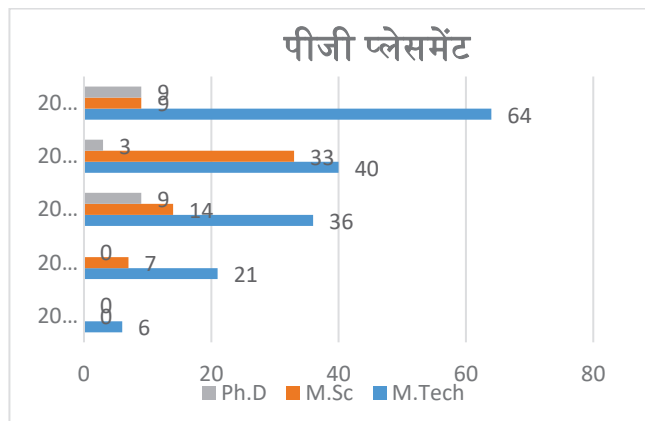
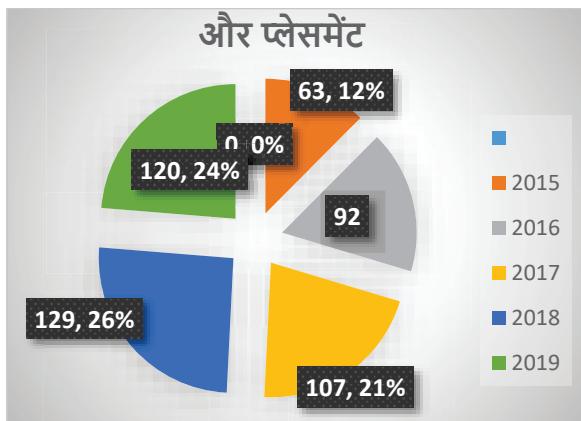


वेदांत	वोल्फ्राम	जोलो स्टेज़	हैच	कॉग्निजेंट					
लोव्स	डोलसेरा	महेंद्र एंड महेंद्र	सस्केन टेक्नोलॉजीज लिमिटेड	सीटीएस रिसर्च					
टीसीएस डिजिटल	टेस्कर सॉफ्टवेयर सेवाएँ	नेक्स्टीरिटे सॉफ्टवेयर सॉल्यूशंस	मणिकरण पावरइन्फ्रा स्ट्रक्च	इंस्पायर ऑटोमेशन					

### वर्ष 2015-16, 2016-17, 2017-18, 2018-19 के लिए नौकरियों का विवरण

	2015-16	2016-17	2017-18	2018-19
नौकरियों में नियुक्त छात्रों की प्रतिशत	93%	83%	87%	90%
सालाना औसत वेतन (रुपये लाखों में)	7.05	10.52 (एलपीए)	11.15 (एलपीए)	11.44 (एलपीए)
औसत वेतन प्रति वर्ष (रुपये लाखों में)	6.5	8.33 (एलपीए)	8.8 (एलपीए)	9 (एलपीए)
प्रति वर्ष अधिकतम वेतन (रुपये लाखों में)	16	38 (एलपीए)	39 (एलपीए)	39.02 (एलपीए)
प्रति वर्ष न्यूनतम वेतन (रुपये लाखों में)	3	4.5 (एलपीए)	5.1 (एलपीए)	4.8 (एलपीए)
परिसर का दौरा करने वाली कुल कंपनियों की कुल संख्या	35	45	52	70

### वर्ष वार प्लेसमेंट



कैम्पस प्लेसमेंट ड्राइव चित्र:



कंपनी से चयनित उम्मीदवार और अधिकारी



समूह चर्चा सत्र



प्री प्लेसमेंट टॉक

**स्टार्ट-अप केंद्र:**

विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग और मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार ने भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर में स्टार्टअप केंद्र की स्थापना के लिए 1.50 करोड़ रुपये मंजूर किए। भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर के निदेशक प्रो. आर. वी. राजकुमार ने 20 जून 2016 को केंद्र का उद्घाटन किया। यह सुविधा क्षेत्र के सभी उभरते उद्यमियों के लिए उपलब्ध है। संस्थान ने स्टार्टअप केंद्र के लिए 50,000 वर्ग फुट से अधिक क्षेत्र को चिह्नित किया है

**महत्वपूर्ण तिथियाँ:**

संस्थान द्वारा प्राप्त चयन पत्र की तिथि: 22 मार्च 2016

तारीख जिस दिन भा.प्रौ.सं. स्टार्टअप केंद्र का उद्घाटन किया गया था: 20 जून 2016

स्टार्टअप के पहले दौर के चयन की तारीख: 28 सितंबर 2016

स्टार्टअप के दूसरे दौर के चयन की तारीख: 6 मई 2017

स्टार्टअप के तीसरे दौर के चयन की तारीख: 29 दिसंबर 2017

स्टार्टअप के चौथा दौर चयन की तिथि: 15 जनवरी 2019

**क्रियाएँ:**

• स्टार्टअप शुरू करने के लिए निमंत्रण और संबंधित आवेदन पत्र संस्थान की वेबसाइट पर अपलोड किए जाते हैं और ओडिशा राज्य के और आसपास के विभिन्न कॉलेज / विश्वविद्यालयों / औद्योगिक उद्यमों में भी भेजे जाते हैं जिसमें आंध्र प्रदेश, पश्चिम बंगाल, झारखंड, छत्तीसगढ़ आदि शामिल हैं।

• विज्ञापन के पहले दौर में 56 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 13 स्टार्टअप का चयन किया गया।

• विज्ञापन के दूसरे दौर में 30 आवेदन प्राप्त हुए थे। दूसरे दौर की चयन समिति की बैठक 6 मई 2017 को आयोजित की गई और 12 स्टार्टअप का चयन किया गया।

• विज्ञापन के तीसरे दौर में 16 आवेदन प्राप्त हुए थे। चयन समिति की बैठक 29 दिसंबर 2017 को हुई थी और 4 स्टार्टअप का चयन किया गया था।

• विज्ञापन के चौथे दौर में 17 आवेदन प्राप्त हुए थे। 15 जनवरी 2019 को चयन समिति की बैठक हुई और 6 स्टार्टअप का चयन किया गया।

• विला मार्ट, भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर के स्टार्टअप सेंटर में इनक्यूबेट करने वाले होनहार स्टार्टअप में से एक है, जिसने टाटा सोशल एंटरप्राइज चैलेंज (टीएसईसी) के छठे संस्करण में सामाजिक उद्यमों की शीर्ष 10 सूची में जगह बनाई है। वर्तमान में नयागढ़ जिले में परिचालन कर, विला मार्ट में लगभग 260 वस्तुओं, सब्जियों, किराने और अन्य आवश्यक वस्तुओं को उपलब्ध कराने के अलावा एक मोबाइल बाजार भी ग्रामीणों को उनके दरवाजे पर उपलब्ध करवा रहा है।

**स्टार्टअप के लिए सुविधाएं:**

- इकाई की आवश्यकता के अनुसार सुसज्जित / अर्ध-सुसज्जित / अस्पष्ट स्थान
- इंटरनेट, बिजली और पानी की सुविधा
- छात्रावास की सुविधा, यदि उपलब्ध हो
- पुस्तकालय की सुविधा, प्रयोगशाला और कार्यशाला की सुविधा
- नेटवर्किंग
- संकाय सदस्यों द्वारा सहायता का समर्थन
- कानूनी सलाहकारों द्वारा कानूनी और वित्तीय सलाह के लिए सहायता
- इंटरनेट के लिए भा.प्रौ.सं. छात्रों की उपलब्धता
- एंजेल निवेशकों और उद्यम पूंजीपतियों के साथ इंटरएक्टिव कार्यशालाएं
- उद्यमिता के विभिन्न मुद्दों पर कार्यशाला
- उद्यमी कौशल विकास
- पेटेंट दाखिल करने के लिए मार्गदर्शन और सहायता
- पास के आत्माराम होटल में भोजन और रहने की सुविधा उपलब्ध है

**भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर अनुसंधान और उद्यमिता पार्क:**

भुवनेश्वर और उसके आसपास इंजीनियरिंग, विज्ञान और कृषि पर पाठ्यक्रम प्रदान करने वाले कई कॉलेज और विश्वविद्यालय हैं। प्रतिभा के उपलब्ध समृद्ध पूल में नवाचार, अनुसंधान और उद्यमिता गतिविधियों निर्देशित किया जाना चाहिए। भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर के निदेशक प्रो. आर. वी. राजकुमारने न केवल इस राज्य में बल्कि आसपास के राज्यों में भी उद्यमिता और नवाचार को बढ़ावा देने के संकल्प को दोहराया।

भा.प्रौ.सं.भुवनेश्वर को रजिस्ट्रार ऑफ कंपनीज (आरओसी) से भा.प्रौ.सं.भुवनेश्वर रिसर्च एंड एंटरप्रेन्योरशिप पार्क, एक सेक्शन -8 (लाभ के लिए नहीं) कंपनी चलाने के लिए लाइसेंस और निगमन प्रमाण पत्र प्राप्त हुआ है। यह कंपनी भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर के सामंतपुरी परिसर से संचालित होती है, जो राजधानी भुवनेश्वर के केंद्र में है और उद्यमिता, अनुसंधान और स्टार्टअप गतिविधियों को बढ़ावा देती है। धारा -8 कंपनी को आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 12 एए के तहत सफलतापूर्वक पंजीकृत किया गया है, ताकि यह उद्यमिता, अनुसंधान और स्टार्टअप गतिविधियों को बढ़ावा देने वाली विभिन्न सरकारी योजनाओं के तहत अनुदान प्राप्त कर सके। अंततः यह पार्क संस्थान के स्थायी परिसर से संचालित होगा। छात्रों में नवाचार को आकार देने और उनमें उद्यमिता हितों को बढ़ावा देने के लिए, भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर अनुसंधान और उद्यमिता पार्क एक नोडल केंद्र के रूप में कार्य करेगा।

भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर के निदेशक प्रो. आर वी राजकुमार की अध्यक्षता में भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर रिसर्च एंड एंटरप्रेन्योरशिप पार्क संचालित होता है। उन्हें कंपनी के दो अन्य निदेशकों के रूप में प्रो. आर. के. पंडा, संकायाध्यक्ष (अनुसंधान एवं विकास) भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर और डॉ. योगेश भुमकर,

पीआईसी स्टार्टअप सेंटर भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर द्वारा सहायता प्रदान की जाती है।

रिसर्च एंड एंटरप्रेन्योरशिप पार्क को पहले ही आभासी और संवर्धित वास्तविकता पर उत्कृष्टता केंद्र (VARCoE) स्थापित करने के लिए धनराशि मिल चुकी है:

I. सुश्री सुष्मिता बागची	रु. 2.50 करोड़
II. ओडिशा सरकार	रु. 2.50 करोड़
III. एसटीपीआई	रु. 2.50 करोड़

संस्थान के सामंतपुरी भुवनेश्वर परिसर में लगभग 36000 वर्ग फुट क्षेत्र संस्थान में नवाचार गतिविधियों के लिए समर्पित है। इसके अलावा, यांत्रिक विज्ञान विद्यापीठ एवं विद्युत् विज्ञान विद्यापीठ ने लगभग 400 वर्ग फुट का स्थान प्रदान किया है। अरगुल परिसर में वीएआरओसीई प्रयोगशालाओं के लिए सभी सुविधाओं के अलावा, विभिन्न विद्यापीठों में कार्यशाला सुविधायें और विभिन्न प्रयोगशालाओं का उपयोग वीएआरओसीई से जुड़े अनुसंधान कार्य को करने के लिए किया जाता है। सभी कार्यक्षेत्र इंटरनेट कनेक्टिविटी से अच्छी तरह से सुसज्जित हैं। वर्तमान में, विभिन्न विद्यापीठों के लगभग 10 संकाय सदस्य वीएआरओसीई परियोजनाओं को पूरा करने में सक्रिय रूप से शामिल हैं।

वीएआरओसीई में एक प्रमुख गतिविधि आभासी और संवर्धित वास्तविकता के क्षेत्र में नवाचार और स्टार्ट-अप को सहायता प्रदान करना होगा। यह केंद्र एसटीपीआई, भुवनेश्वर के स्टार्ट-अप केंद्र के लिए फीडर के रूप में कार्य करेगा। एआर/वीआर पर काम करने वाले देश भर के एसटीपी पंजीकृत इकाइयों को रियायती दर पर एआर/वीआर लैब में अधिमान्य सुविधा मिलेगी। इमर्सिव विजुअलाइजेशन (वीएआरओसीई) के लिए इस उत्कृष्टता केंद्र में सभी प्रवेश परियोजना सलाहकार समिति (पीएसी) के मार्गदर्शन/सहमति से भा.प्रौ.सं. की एक परिभाषित

प्रक्रिया के माध्यम से होगा। हालांकि, एआर/वीआर पर काम करने वाले देश भर के एसटीपी पंजीकृत इकाइयों को एसटीपीआई द्वारा अनुशंसा पर अधिमान्य पहुंच मिलेगी।

**वीएआरओसीई के तहत विभिन्न गतिविधियों की रिपोर्ट नीचे दी गई है:**

ऑगमेंटेड रियलिटी और वर्चुअल रियलिटी (वीएआरओसीई) उत्कृष्टता केंद्र के साथ जुड़ी घटनाओं की एक संक्षिप्त समयरेखा नीचे दी गई है।

1. 19 जनवरी 2018 को ऑगमेंटेड रियलिटी और वर्चुअल रियलिटी (वीएआरओसीई) में सेंटर ऑफ एक्सिलेंस के निर्माण के लिए ओडिशा सरकार के एमएसएमई विभाग, भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर और एसटीपीआई द्वारा समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

2. निदेशक भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर ने भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर के संकाय सदस्यों के साथ एक बैठक की और 20 जनवरी 2018 को वीएआरओसीई के तहत शोध प्रस्ताव आमंत्रित किए गए।

3. 9 फरवरी, 2018 को श्री बागची और श्रीमती बागची के सामने दस ऐसे शोध प्रस्तावों पर चर्चा हुई।

4. 21 अप्रैल 2018 को मुख्य सचिव कार्यालय में वीएआरओसीई की गतिविधियों के संबंध में एक बैठक हुई।

5. विभिन्न परियोजनाओं के प्रगति की समीक्षा के लिए 24 जुलाई, 2018 को भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर में पहली परियोजना सलाहकार समिति की बैठक हुई।

6. माइंडट्री के श्री ए. मित्रा द्वारा बड़े पैमाने पर नवाचार सुविधा के विकास को संबोधित करने के लिए वीएआरओसीई पर एक माइंड मैप कार्यशाला का आयोजन किया गया था।

7. 26 अक्टूबर 2018 और पहली जनवरी 2019 को, निदेशक भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर ने भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर के संकाय सदस्यों के साथ संभावित शोध प्रस्तावों के संबंध में एक बैठक की, जिसे वीएआरओसीई के तहत शामिल किया जा सकता है।

8. 2 जनवरी 2019 को श्री बागची के साथ ओडिशा राज्य के मुख्य सचिव ने विभिन्न अनुसंधान परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा करने के लिए वीएआरओसीई का दौरा किया और अपनी संतुष्टि व्यक्त की।

9. भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर के संकाय सदस्यों के समूह ने 5 जनवरी 2019 को एक युद्ध प्रशिक्षण सिम्युलेटर का निरीक्षण करने के लिए गोपालपुर स्थित आर्मी एयर डिफेंस कॉलेज का दौरा किया।

10. 15 जनवरी 2019 को, स्टार्टअप केंद्र भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर ने युवा आकांक्षी स्टार्टअप में नवाचार प्रदान करने के लिए साक्षात्कार आयोजित किया।

**वीएआरओसीई में कार्यक्रम**

1. ओडिशा के मुख्य सचिव और ओडिशा कौशल विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष ने भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर के वीएआरओसीई केंद्र का दौरा किया।

भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर के आभासी और संवर्धित वास्तविकता केंद्र वीएआरओसीई में 2 जनवरी 2019 को श्री आदित्य प्रसाद पाधी, मुख्य सचिव और मुख्य विकास आयुक्त, ओडिशा सरकार, श्री सुब्रतो बागची, माननीय अध्यक्ष, ओडिशा कौशल विकास प्राधिकरण, ओडिशा सरकार के साथ प्रो. आर. वी. राजकुमार, माननीय निदेशक, भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर, डॉ. एम. सत्पथी, प्राध्यापक प्रभारी वीएआरओसीई, डॉ. एस. एन. पाणिग्रही, अध्यक्ष यांत्रिक विज्ञान विद्यापीठ, डॉ. पी के साहू अध्यक्ष विद्युत् विज्ञान विद्यापीठ, एवं विभिन्न संकाय सदस्यों के साथ आधिकारिक दौरा किया एवं वीएआरओसीई के सम्मेलन उपस्थित थे। श्री आदित्य प्रसाद पाधी और श्री सुब्रतो बागची ने वीएआरओसीई में किए गए विभिन्न अनुसंधान गतिविधियों के प्रति अपनी संतुष्टि व्यक्त की।



(सुब्रतो बागची ने वीएआरओसीई में की गई विभिन्न शोध गतिविधियों के प्रति अपनी संतुष्टि व्यक्त की)

## 2. वीएआरओसीई ने भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर के दूसरे ओपन डे कार्यक्रम में भागीदारी की

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान ने 12 फरवरी, 2019 को अपना 11 वें स्थापना दिवस अपने अरगुल परिसर, जटनी, भुवनेश्वर में मनाया। प्रो. आर. वी. राजकुमार, निदेशक ने अतिथियों और आमंत्रितों का स्वागत किया और अपने बेशकीमती शब्दों से इस अवसर को सुशोभित किया। उन्होंने भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर छात्रों को वैश्विक ऊंचाइयों पर पहुंचकर हमें गौरवान्वित करने के लिए अपनी गर्मजोशी व्यक्त की।

चूंकि यह ओपन डे था और भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर के एक भाग के रूप में, यांत्रिक विज्ञान विद्यापीठ (एसएमएस) ने वीएआरओसीई की सुविधाओं और विभिन्न परियोजनाओं का प्रदर्शन किया। शहर और राज्य भर के जूनियर इंजीनियरिंग छात्रों के साथ कक्षा-छठी से कक्षा-बारहवीं तक के लगभग 5000 स्कूली छात्रों ने निर्धारित समय 9:30 पूर्वाह्न से 6:00 बजे के बीच इस अवलोकन में भाग लिया है। छात्र जीवित परियोजनाओं के संपर्क में आए और उत्साह के साथ छंद तकनीकों के बारे में ज्ञान प्राप्त किया।







### ई-सेल



ई-समित: विज्ञान नाइट

भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर का ई-सेल संस्थान में उद्यमशीलता के माहौल को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। यह वार्षिक उद्यमी सम्मेलन 'ई-शिखर सम्मेलन' का आयोजन करता है और हर साल प्रौद्योगिकी नवाचार केंद्र के तहत प्रस्ताव आमंत्रित करता है। इस साल भी, इन गतिविधियों को एक उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिली। विवरण इस प्रकार हैं-



**ई समिट '19**

ई-सेल का प्रमुख आयोजन उद्यमिता सम्मेलन "ई-समिट 2019" 18-20 जनवरी, 2019 के दौरान आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम में कार्यक्रमों की प्रचुरता देखी गई जिसमें परिकल्पना संध्या एवं विभिन्न उद्यमिता मुद्दों पर अतिथिय व्याख्यान मुख्या हैं। एंटरप्रेन्योरियल आइडिएशन ई-समिट 19 की नई पहलों में से एक था, जिसे देश भर के 30 कॉलेजों में आयोजित किया गया था। इसमें लगभग 1500 इंजीनियरिंग छात्रों की भागीदारी प्राप्त हुई। लगभग 180 छात्रों को दूसरे दौर के लिए चुना गया था, जो कि शिखर सम्मेलन के दौरान आयोजित किया गया था। इस आयोजन में ओडिशा, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और गुजरात के विभिन्न इंजीनियरिंग और मेडिकल कॉलेज के छात्र शामिल थे। भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर में इन कार्यक्रमों के दिनों के दौरान, निवेशकों को अपने उत्पाद को दिखाने के लिए छात्रों के स्टार्ट-अप्स के बीच इन्वेस्टर्स ड्राइव एक लोकप्रिय प्रतियोगिता थी। इस आयोजन में लगभग 15 स्टार्ट-अप ने भाग लिया। श्री अनिल छिकारा, चेयरमैन स्टार्ट-अप इंडिया फाउंडेशन, श्री अनिरुद्ध मालपानी एंजेल इन्वेस्टर, मालपानी वेंचर्स और श्री निर्मल कुमार भारद्वाज, संस्थापक, बैंगलुरु एंजेल्स निवेशक के रूप में उपस्थिति थे। स्टार्ट-अप एक्सपो में, स्टार्ट-अप को अपने उत्पाद या प्रोटोटाइप को जनता और मेहमानों को दिखाने के लिए एक मंच मिलता है। इस कार्यक्रम में लगभग 10 बच्चों की टीमों ने अपने अभिनव उत्पादों का प्रदर्शन करने के लिए भाग लिया।



(प्रो. आर.वी., राजकुमार, निदेशक, भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर, प्रो. विनय कुमार नांगिया, अतिथि के रूप में)

भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर स्टार्ट-अप ने भी दर्शकों को अपना उत्पाद प्रदर्शित करने के लिए इस कार्यक्रम में भाग लिया। अन्य ई-शिखर सम्मेलन कार्यक्रम जैसे बी-प्लान, स्टॉक वारस, आईपीएल नीलामी आदि को भी उच्च भागीदारी मिली। डिजिटल विपणन और डिजाइन सोच एवं नवाचार पर कार्यशालाओं में भी अच्छी भागीदारी रही थी।

**टीएससी 3 राउंड:**

ई-सेल संस्थान के प्रौद्योगिकी नवाचार केंद्र की भी देखभाल करता है जो अंतिम वर्ष के छात्रों और शिक्षकों को अपने तकनीकी विचारों को व्यावहारिक उत्पादों और प्रक्रियाओं में शामिल करने में मदद करता है। यह गतिविधि 2016 में शुरू हुई थी। वर्ष 2018 में भी, छात्रों और संकाय सदस्यों ने टीआईसी के तहत वित्त पोषण के लिए आवेदन किया था और उनमें से दो धातु फोम और बायोफ्यूल के क्षेत्रों में काम करने वाले उत्पाद / प्रौद्योगिकी के विचारों को पोषित करने के लिए चुना गया था।

## राजभाषा एकक

भारत सरकार की राजभाषा नीति के अनुपालन में, संस्थान का राजभाषा एकक, भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर में हिंदी के प्रगतिशील उपयोग को बढ़ावा दे रहा है। वर्तमान राजभाषा एकक में कनिष्ठ हिंदी अनुवादक का एक स्वीकृत पद है। संस्थान पूरी तरह से भारत सरकार के राजभाषा हिंदी से संबंधित नियमों और विनियमों का पालन करने के लिए प्रयासरत है। इसके अलावा संस्थान नगर राजभाषा कार्यन्वयन समिति (नराकास) भुवनेश्वर (केंद्रीय) के अध्यक्ष कार्यालय होने के कारण संस्थान निदेशक की अध्यक्षता में इसके कार्यकलापों को सुचारु कार्यन्वयनित कर रहा है। राजभाषा एकक के कुछ प्रमुख उपलब्धियां इस प्रकार हैं :

### वर्तमान गतिविधियां

राजभाषा अधिनियम, 1963 की धारा 3(3) के तहत आने वाली संस्थान की वार्षिक रिपोर्ट, वार्षिक लेखा, लेखा परीक्षा रिपोर्ट और विभिन्न अन्य दस्तावेजों का अनुवाद करके द्विभाषी रूप में जारी किया जाता है। इसके अलावा, विभिन्न अन्य पत्र और पत्राचार, उत्तर इत्यादी या तो हिंदी में अनुवाद किया जाता है या तैयार किया जाता है। संस्थान में राजभाषा एकक सरकार की राजभाषा नीति के प्रभावी कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने का भी प्रयास करता है। राजभाषा द्विभाषी में विभिन्न नामपट्ट, नोटिस बोर्ड, रबर मोहरों, को नियमित रूप से प्रदर्शन और उपयोग सुनिश्चित करता है और संस्थान द्वारा प्रदान किए जाने वाले डिग्री प्रमाण पत्र को द्विभाषी में तैयार करके दिया जाता है। राजभाषा एकक ने छात्रों को शामिल किया और उन्हें छात्र जिमखाना के तहत हिंदी साहित्यिक समाज "अभिव्यक्ति" की मदद से संस्थान के विभिन्न समारोहों के दौरान आधिकारिक भाषा का उपयोग करने और राजभाषा में कार्यक्रम का आयोजन करने के लिए प्रेरित करता है।

### हिंदी प्रशिक्षण और कार्यशाला

राजभाषा एकक समय-समय पर, संस्थान के उन सभी कर्मचारियों को हिंदी प्रशिक्षण प्रदान करता है, जिन्हें रोस्टर के अनुसार हिंदी में कोई ज्ञान नहीं है। राजभाषा का उपयोग करने में कर्मचारियों द्वारा सामना की जाने वाली समस्या को हल करने के लिए, राजभाषा एकक ने संस्थान के कर्मचारियों और नराकास भुवनेश्वर (सी) के सदस्य कार्यालयों के लिए कार्यशालाओं/प्रशिक्षण का आयोजन किया। रिपोर्ट वर्ष में, निम्नलिखित कार्यशालाओं का आयोजन किया गया:

- 1) 12 सितंबर, 2018 को कर्मचारियों के लिए "वॉयस टाइपिंग (श्रुति लेखन)" पर एक हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया था। डॉ. राज कुमार सिंह, पीआईसी राजभाषा एकक ने कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया कि कैसे वह हिंदी और अन्य क्षेत्रीय भाषाओं में टाइप करने के लिए कंप्यूटर या मोबाइल फोन का उपयोग करके "वॉयस टाइपिंग" का उपयोग किया जाए। उन्होंने कर्मचारियों को आधिकारिक भाषा हिंदी में टाइप करने के लिए विभिन्न 'वॉयस टाइपिंग' सॉफ्टवेयर के बारे में भी बताया।
- 2) 08 नवंबर, 2018 को नराकास भुवनेश्वर (सी) के सभी सदस्य कार्यालयों के लिए "हिंदी कंप्यूटिंग और इसके आधिकारिक उपयोग" पर एक कार्यशाला आयोजित की गई थी। श्री राजीव कुमार रावत, वरिष्ठ हिंदी अधिकारी, भा.प्रौ.सं. खड़गपुर कार्यशाला के मुख्य वक्ता थे। कार्यशाला के दौरान प्रतिभागियों को कंप्यूटर और हिंदी में काम करने के लिए सी-डैक द्वारा विकसित अलग-अलग सॉफ्टवेयर का उपयोग

करने के लिए प्रशिक्षित किया गया। प्रतिभागियों को हिंदी अनुवाद कार्य के लिए विभिन्न कंप्यूटर सॉफ्टवेयर का उपयोग करने के लिए भी प्रशिक्षित किया गया था। कार्यशाला के लिए डॉ. राज कुमार सिंह, प्राध्यापक प्रभारी राजभाषा एकक अन्य संसाधन व्यक्ति थे। कार्यशाला को संस्थान के माननीय निदेशक प्रो. आर. वी. राजकुमार के मार्गदर्शन एवं मौजूदगी में आयोजित किया गया, जिन्होंने प्रतिभागियों को हिंदी में काम करने के लिए प्रेरित किया।

### विश्व हिंदी सम्मेलन

डॉ. राज कुमार सिंह, प्राध्यापक प्रभारी राजभाषा एकक को 18 और 21 अगस्त 2018 के बीच मॉरीशस में आयोजित विश्व हिंदी सम्मेलन में भाग लेने के लिए संस्थान द्वारा नामित किया गया था। डॉ. सिंह ने विश्व हिंदी सम्मेलन में भाग लिया और वापसी में सम्मलेन के परिणामों पर प्रकाश डाला। संस्थान राजभाषा कार्यन्वयन समिति एवं नगर राजभाषा कार्यन्वयन समिति के बैठकों विश्व हिंदी सम्मलेन पर रिपोर्ट पेश किया गया।

### हिंदी पखवाड़ा समारोह

01-14 सितंबर, 2018 के दौरान राजभाषा एकक ने संस्थान में "हिंदी पखवाड़ा" का आयोजन किया। संस्थान एवं अन्य संस्थानों के कर्मचारियों और छात्रों के लिए हिंदी में कई कार्यक्रम और प्रतियोगिता आयोजित की गई। इस साल अंतर संस्थान प्रतियोगिता में केभा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर सहित कई अन्य संस्थानों ने भाग लिया था। छात्रों के लिए अंतर संस्थान प्रतियोगिता "अभिव्यक्ति" के सहयोग से आयोजित की गई थी, जो कि छात्रों की जिमखाना के तहत गठित एक हिंदी साहित्य समाज है। इन कार्यक्रमों में भुवनेश्वर एवं आस-पास के विभिन्न कॉलेजों और संस्थानों ने भाग लिया। लोकप्रिय कार्यक्रम "वाद विवाद" और "आवाज़ दिल की" थे। आयोजित अन्य कार्यक्रम थे "रचनात्मक लेखन", "बस ये पल", "निबन्ध लेखन" और "आशुभाषण"। 14 सितंबर, 2018 को संस्थान में हिंदी दिवस मनाया गया। श्री देवराज रथ, रजिस्ट्रार (ओ), भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर, ने विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए। श्री रथ द्वारा हिंदी के प्रगतिशील उपयोग पर एक बहुत ही प्रेरक भाषण दिया गया। इस अवसर पर डॉ. राज कुमार सिंह प्राध्यापक प्रभारी राजभाषा एकक ने हिंदी दिवस समारोह के महत्व को साझा किया और माननीय गृह मंत्री श्री राजनाथ जी का संदेश पढ़ा। उन्होंने निरंतर समर्थन और प्रोत्साहन के लिए संस्थान निदेशक प्रो. आर. वी. राजकुमार को धन्यवाद दिया। कार्यक्रम का समापन श्रीमती सुहाना परवीन द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव के साथ किया गया।

### प्रकाशन:

इस वर्ष राजभाषा एकक ने नराकास भुवनेश्वर (केंद्रीय) की ई-पत्रिका "नागरिक" के संस्करण का प्रकाशित किया और अगले प्रकाशन का जिम्मेवारी प्रधान महालेखाकार भुवनेश्वर कार्यालय को सौंप दिया। डॉ. राज कुमार सिंह, प्राध्यापक प्रभारी राजभाषा एकक ने विश्व हिंदी सम्मेलन पर "विश्व हिंदी सम्मेलन - एक झलक" शीर्षक से एक रिपोर्ट प्रकाशित की।



हिंदी पखवाड़ा गतिविधियों की एक झलक

### द्विभाषी वेबसाइट

भारत सरकार के राजभाषा नीति के अनुसार, राजभाषा एकक संस्थान की वेबसाइट को द्विभाषी अद्यतन करता है। इसके अलावा, राजभाषा एकक की लिंक संस्थान की वेबसाइट में जोड़ा गया है जिसमें नराकास भुवनेश्वर (के.) के अलावा राजभाषा नीति के प्रभावी उपयोग से संबंधित विभिन्न उपयोगी जानकारी है।

### समीतियाँ

#### राजभाषा कार्यान्वयन समिति

भारत सरकार की राजभाषा नीतियों के कार्यान्वयन की देखभाल के लिए और संस्थान में हिंदी के प्रगतिशील उपयोग की समीक्षा करने के लिए संस्थान की राजभाषा कार्यान्वयन समिति गठित है। समिति की चार त्रैमासिक



बैठकें पिछले साल संस्थान के निदेशक के अध्यक्षता में आयोजित की गई थीं। बैठक में संस्थान में हिंदी के प्रगतिशील उपयोग में बढ़ावा देने के लिए चर्चा की गई।



#### नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (टीओएलआईसी)

संस्थान में राजभाषा नीति के कार्यान्वयन अलावा, राजभाषा एकक भुवनेश्वर शहर और आसपास के क्षेत्र में राजभाषा नीति के कार्यान्वयन के समन्वय में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार ने भा.प्रौ.सं.भुवनेश्वर को नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास) भुवनेश्वर (के.) का अध्यक्षीय कार्यालय चुना है तथा भा.प्रौ.सं.भुवनेश्वर के निदेशक नराकास के अध्यक्ष है। शहर और इसके आस-पास के क्षेत्रों के केंद्र सरकार के कार्यालयों के सभी प्रमुख नराकास भुवनेश्वर (के.) के कार्यकारी सदस्य हैं। नराकास की 63 वीं बैठक 09.11.2018 को माननीय निदेशक प्रो. आर.वी.राजकुमार की अध्यक्षता में आयोजित की गई थी। यह आयोजन स्थानीय हिंदी मीडिया द्वारा कवर किया गया था। वर्तमान में, नराकास (के.) में लगभग 120 केन्द्रीय सरकारी कार्यालय सदस्य हैं। नराकास (के.) भुवनेश्वर के तत्वावधान में कार्यशाला और प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। फरवरी 2019 में, नराकास की अध्यक्षता आधिकारिक तौर पर प्रधान महालेखाकार भुवनेश्वर कार्यालय को सौंप दिया गया। नराकास भुवनेश्वर (के.) की 64 वीं बैठक प्रधान महालेखाकार भुवनेश्वर



कार्यालय द्वारा मार्च 2019 को इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिक्स, भुवनेश्वर में आयोजित की गई थी। डॉ. राज कुमार सिंह, प्राध्यापक प्रभारी राजभाषा एकक बैठक में शामिल हुए।



63 वीं टीओएलआईसी बैठक की झलक

## घटनाक्रम

### अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2018 के जश्न के लिए रन-अप गतिविधि

1 अप्रैल 2018 और 2 मई 2018

भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर में 1 अप्रैल 2018 और 2 मई 2018 को दो योग अभ्यास सत्र आयोजित किए गए, और भारतीय योग दिवस (IDY) 2018 के समारोहों के लिए व्यापक प्रचार किया गया। संस्थान ने 2 मई-2018 को IDY -2018 के समारोहों के लिए रन-अप गतिविधि (आयोजन के 50 दिन पूर्व) 21 जून 2018 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के पूर्व आयोजित किया गया था। एक विशेषज्ञ योग शिक्षक ने योग के मूल और स्वास्थ्य और जीवन पर इसके

महत्व पर जानकारी दी। प्रदर्शनों के साथ एक लंबा अभ्यास सत्र संकाय, कर्मचारियों और छात्रों की भागीदारी के साथ आयोजित किया गया था। आयुष मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जारी किए गए समान्य प्रोटोकॉल के अनुसार प्रतिभागियों को योगासन, कपालभाति, प्राणायाम, ध्यान, संकल्प और ध्यान से परिचित कराया गया। प्रत्येक दिन कार्यक्रम से पहले और बाद में प्रार्थनाएँ की गईं।



### राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस

11 मई 2018

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान ने 11 मई 2018 को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस मनाया। भा. प्रौ. सं. भुवनेश्वर के प्रख्यात पर्यावरण वैज्ञानिक प्रो. यू सी महांती मुख्य वक्ता थे और डॉ. शरत चंद्र साहू, निदेशक भारतीय मौसम विभाग भुवनेश्वर सम्मानित अतिथि थे। इस वर्ष के उत्सव का विषय "स्थायी भविष्य के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी" था।

इस अवसर पर बोलते हुए प्रो.महांती ने धरती पर जलवायु परिवर्तन और भा. प्रौ. सं. भुवनेश्वर के विभिन्न शोध समूह की गतिविधियों के प्रभाव और समाज में इसके योगदान को रेखांकित किया। यह उल्लेख किया जा सकता है कि पृथ्वी विज्ञान

मंत्रालय की मदद से भा. प्रौ. सं. भुवनेश्वर, ब्रह्मपुर के पास बंगाल की तटीय वेधशाला की स्थापना कर रहा है, जिसकी अनुमानित लागत 10 करोड़ रुपये है।

डॉ साहू ने आधुनिक प्रौद्योगिकी का उपयोग कर मौसम संबंधी पूर्वानुमान के माध्यम से इसके प्रभाव को कम करने के लिए जलवायु परिवर्तन और अनुकूलन प्रक्रिया पर एक प्रस्तुति दी। उन्होंने ओडिशा के मौसम की स्थिति की भविष्यवाणी करने में भारतीय मौसम विभाग की भूमिका और मौसम केंद्र भुवनेश्वर की गतिविधियों को भी विस्तार से बताया। निदेशक भा. प्रौ. सं. भुवनेश्वर प्रो. आर वी राजकुमार ने अपने भाषण में भविष्य के लिए



अनुसंधान परिणामों और प्रौद्योगिकी के उपयोग पर जोर दिया, मोहनजो-दारो और हड़प्पा की आयु से प्रौद्योगिकी के पुनर्वितरण पर प्रकाश डाला और वर्तमान समय में इसका उपयोग किया।



संकायाध्यक्ष (अनुसंधान और विकास) प्रो. आर. के. पंडा ने भा.प्रौ.सं.भुवनेश्वर में अनुसंधान गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए किये गए कार्य को रेखांकित किया। सहायक कुलपति (अनुसंधान एवं विकास) डॉ. एस एन राउतराय ने धन्यवाद प्रस्ताव रखा।



### सौर ऊर्जा उत्पादन स्टेशन का गठन

**14 मई, 2018**

भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर ने अपने स्थायी परिसर में 490 केडब्ल्यूपी क्षमता के सौर ऊर्जा उत्पादन स्टेशन का सफलतापूर्वक संचालन किया है। सभी मौजूदा भवनों के रूफ टॉप का उपयोग सोलर पैनल और पावर जनरेटिंग उपकरण लगाने के लिए किया जाता है। इस परियोजना का उद्घाटन निदेशक, प्रो. आर. वी. राजकुमार ने 04.06.2018 को किया और बिजली उत्पादन चालू हो गया।

परियोजना सौर ऊर्जा के माध्यम से परिसर को न केवल बिजली की बचत प्रदान करती है, बल्कि सौर पीवी अक्षय ऊर्जा प्रणालियों पर शोध कार्य करने के लिए पर्याप्त डेटा और जानकारी भी प्रदान करती है। परीक्षण के लिए 14 मई, 2018 को सौर पीवी पैनलों को सफलतापूर्वक चालू कर दिया गया है और यह पीढ़ी आज तक पूरी तरह से बरकरार है। परियोजना परिसर में सौर पीवी पीढ़ी प्रणालियों

की भविष्य की स्थापना के लिए बेंचमार्क प्रदान करती है और भुवनेश्वर में आसपास के संस्थानों को स्वच्छ और हरित ऊर्जा के लिए जाने की प्रेरणा भी प्रदान करती है।

भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर के निदेशक प्रोफेसर आर .वी राजकुमार ने कहा कि संस्थान ने परिसर को "हरा" बनाने का फैसला किया है, पिछले तीन बारिश के मौसम के दौरान 30,000 पेड़ों के विशाल वृक्षारोपण अभियान के साथ-साथ सौर ऊर्जा उत्पादन की स्थापना इस प्रयास में एक कदम है। उन्होंने यह भी कहा कि संस्थान ने एनबीसीसी के माध्यम से परिसर में एसटीपी और ईटीपी बनाने के लिए पहले ही अनुबंध प्रदान किया है और यह परिसर में वर्षा जल संचयन पर काम कर रहा है, जो पहले से ही वर्षा जल संग्रह प्रणाली से लैस करने के लिए डिज़ाइन किए गए भवनों के साथ है।



### विज्ञान ज्योति कार्यक्रम

4 जून -24 जून, 2018

विज्ञान ज्योति, डीएसटी, सरकार की एक पहल है, भारत सरकार का उद्देश्य छात्राओं को विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए प्रेरित करना है।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (भा.प्रौ.सं.) भुवनेश्वर डीएसटी, भारत सरकार के तत्वावधान में ओडिशा क्षेत्र के लिए इस कार्यक्रम का आयोजन कर रहा है। भारत में 04-24 जून, 2018 के दौरान इस कार्यक्रम का उद्घाटन 4 जून, 2018 को एम्स भुवनेश्वर के निदेशक, प्रो. गीतांजलि बैट्समैन, इंस्टीट्यूट के परिसर में मुख्य अतिथि के रूप में किया गया। प्रो. आर.वी राज कुमार, निदेशक, भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर, मुख्य संरक्षक ने समारोह की अध्यक्षता की।

निदेशक प्रो. आर. वी. राजकुमार ने सभी का स्वागत किया एवं युवा लड़कियों को विज्ञान और प्रौद्योगिकी को पसंद कर अपने कैरियर के हिस्से के रूप चुनने को प्रेरित किया। इस अवसर पर निदेशक ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), भारत सरकार का धन्यवाद दिया।

भारत सरकार देश भर में छात्राओं को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से इस तरह के एक प्रेरक कार्यक्रम की शुरुआत की है, जो हमारी अगली पीढ़ी को कल के नेता बनने को तैयार करने के लिए अत्यधिक मूल्य रखता है। इस पहल से छात्रों को न केवल उन्हें अच्छे ज्ञान के साथ सशक्त बनाने में मदद मिलेगी बल्कि देश भर के शैक्षणिक नेताओं के साथ बातचीत करने और विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में एक बेहतर करियर बनाने के लिए प्रेरित होने में भी मदद मिलेगी। उन्होंने छात्रों से पूरे दिल से भाग लेने और परीक्षा में केवल अंक हासिल करने की तुलना में वास्तविक ज्ञान इकट्ठा करने का आह्वान किया।





मुख्य अतिथि प्रो. गीतांजलि बैटमैनबेन ने छात्राओं से सीखने की प्रक्रिया में अपना मन समर्पित करने का आग्रह किया और उन्हें अपने करियर को अपना जुनून बनाकर आगे बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया। कड़ी मेहनत और भावुक शिक्षा उनके सपनों का माध्यम से बना सकती है। आज की दुनिया में वैज्ञानिकों, इंजीनियरों और डॉक्टरों के बीच एक मिश्रण देखा जा रहा है। दोनों समुदायों के बीच एकीकृत ज्ञान, ज्ञान के परिधि को समृद्ध करेगा।

प्रो. वी. आर. पेडिरेड्डी, नोडल अधिकारी ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया और इस पहल और एमएचआरडी के सेंट्रली फंडेड इंस्टीट्यूट्स के माध्यम से डीएसटी के लक्ष्य को साझा किया।

ओडिशा राज्य के संबलपुर, सुंदरगढ़, जाजपुर, बालेसोर, केओन्झर, जगतसिंहपुर, पुरी, मलकानगिरि, बोलांगीर, मयूरभंज, नुआपाड़ा आदि स्थानों को समाहित करते हुए कक्षा ग्यारहवीं (विज्ञान स्ट्रीम) की तीस छात्राओं का चयन किया गया और उन्होंने कार्यक्रम में भाग लिया। इसके अलावा, भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर ने उन्नत भारत अभियान कार्यक्रम के तहत संस्थान के छह दत्तक गांवों से ग्यारहवीं कक्षा (साइंस स्ट्रीम) की पांच छात्राओं को एक विशेष प्रावधान के तहत भाग लेने के लिए चयनित किया। सभी छात्रों को कार्यक्रम में

भाग लेने के लिए पूर्ण समर्थन (यात्रा, बोर्डिंग और लॉजिंग) प्रदान किया गया। इसके अलावा, 5000 / - रुपये की छात्रवृत्ति कार्यक्रम पूरा होने के बाद प्रतिभागियों को दिया गया। प्रमुख महिला वैज्ञानिकों, संकायों, उद्यमियों और प्रशासकों को व्याख्यान देने और छात्रों के साथ इंटरैक्टिव सत्र आयोजित करने के लिए आमंत्रित किया गया था ताकि उन्हें विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अपना कैरियर बनाने के लिए प्रेरित किया जा सके।

समन्वयक डॉ. सस्मिता बारिक ने अतिथियों का स्वागत किया और दर्शकों से परिचय करावाया। डॉ. सीमा बहिनिपति, समन्वयक ने धन्यवाद प्रस्ताव दिया।



तीन सप्ताह के लंबे कार्यक्रम के बाद, प्रतिभागियों को वैज्ञानिक और तकनीकी जानकारी की आसान पहुंच सुनिश्चित होने की उम्मीद है। अनुसूची में तारामंडल, विज्ञान प्रयोगशाला, अनुसंधान केंद्र और ऐतिहासिक रुचि के स्थानों की यात्राएं भी शामिल हैं। छात्राओं को रोचक ज्ञान विज्ञान विषय पर प्रेरणादायक फिल्मों और वृत्तचित्रों की स्क्रीनिंग के माध्यम से ज्ञान प्रदान किया गया और प्रसिद्ध महिला एचीवर्स की जीवनी से अवगत करवाया गया। छात्र-प्रतिभागियों को वैज्ञानिक और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में समृद्ध बनाने के लिए कई अवसर एवं पर्याप्त प्रदर्शन किये गए।

**जेईई काउंसलिंग पर ओपन हाउस डे****17 जून, 2018**

भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर ने भा.प्रौ.सं. के उम्मीदवारों के लाभ के लिए 17 जून 2018 को एक ओपन हाउस, जेईई काउंसलिंग और इंटरैक्शन बैठक का आयोजन किया, जिसमें जेईई 2018 (उन्नत) में उत्तीर्ण और 2019 में उपस्थित होने वाले लोग शामिल हैं। बड़ी संख्या में प्रतिभागी सहित, 45 जेईई 2018 (उन्नत) रैंक धारक और उनके माता-पिता/ अभिभावकों ने परामर्श सत्र में भाग लिया। पंजीकृत प्रतिभागी न केवल ओडिशा से आए, बल्कि कई अन्य राज्यों जैसे तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, झारखंड, छत्तीसगढ़, राजस्थान, कर्नाटक, आदि से आये। बाहर के उम्मीदवारों को संस्थान परिसर में आवास प्रदान किया गया।

सत्र की शुरुआत संख्याध्यक्ष (छात्र कार्य) प्रो. वी. आर. पेडिरेड्डी की स्वागत टिप्पणी से हुई। प्रो. आर.वी. राजकुमार, निदेशक भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर ने भा.प्रौ.सं. प्रणाली पर 1, 2 और 3 जनरेशन

भा.प्रौ.सं., भा.प्रौ.सं. शिक्षा में सामान्य रूप से गहन प्रस्तुति दी और शिक्षा, अनुसंधान और बुनियादी ढांचे की इमारत सहित सभी मोर्चों पर भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर द्वारा किए जा रहे तेज कदमों के बारे में बताया। इसके बाद प्रो. एन. सी. साहू द्वारा अध्ययन के कार्यक्रमों की शुरुआत की गई और भा.प्रौ.सं. में अध्यक्ष जेईई, डॉ. सी. भामिदिपति द्वारा प्रवेश और परामर्श के लिए सामान्य प्रक्रियाओं पर प्रस्तुति दी गई। केंद्र सरकार की नीति के अनुसार 2018 से महिला छात्रों के लिए अलौकिक सीटों को शामिल करना, जिसका उद्देश्य इंजीनियरिंग शिक्षा में लिंग संतुलन लाना था। भा.प्रौ.सं. में सीट पाने की संभावना को अधिकतम करने के लिए जेईई हेल्प डेस्क टीम द्वारा छात्राओं की काउंसलिंग की गई। एसबीआई के क्षेत्रीय प्रबंधक श्री एस. पाणिग्राही द्वारा भर्ती छात्रों को वित्तीय सहायता की विभिन्न योजनाएं (जिनमें एमएचआरडी, भारत सरकार द्वारा पिछले साल शुरू की गई) शामिल हैं।

**योग का 4 वाँ अंतर्राष्ट्रीय दिवस****21 जून 2018**

भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर ने गुरुवार यानि 21 जून 2018 को अपने परिसर में चौथे अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को भव्यता के साथ मनाया। संस्थान इसके स्थापना के पिछले चार वर्षों से योग दिवस मना रहा है और इस वर्ष के समारोह में अत्यधिक भागीदारी प्राप्त हुयी। बड़ी संख्या में छात्रों, संकाय सदस्यों, कर्मचारियों और उनके परिवारों ने इस आयोजन को सफल बनाने हेतु उत्साह से भाग लिया। इसके अलावा, आसपास के गाँवों जैसे खुदूपुर, कंसापाड़ा और पोड़ापाड़ा के स्कूली बच्चे, जिन्हें भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर ने अपनाया है और विज्ञान ज्योति के छात्रों ने इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों ने भी भाग लिया।



21 जून -2018 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के पूर्व में 13 मार्च, 2 मई और 18 और 19 और 20 जून, 2018 को आयुष मंत्रालय, भारत सरकार के प्रोटोकॉल के अनुसार योग अभ्यास और योग के लिए एक शरीर को उपकृत करने के लिए अभ्यास सत्र



आयोजित किया गया था। श्री पंडित रविशंकर विश्वविद्यालय के विशेषज्ञों द्वारा योगासन, कपालभाति, प्राणायाम, ध्यान, संकल्प और ध्यान सभी प्रतिभागियों को प्रदान किया गया। लगभग 180 प्रतिभागियों ने सुशोभित होकर योग को अपनाया और अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को बढ़ावा देने के भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर की पहल में भाग लेकर स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता की एक नई यात्रा की शुरुवात करने का संकल्प लिया।



गुरुवार को निदेशक प्रो. आर. वी. राजकुमार की अध्यक्षता में अंतिम कार्यक्रम एक आकर्षक अभ्यास सत्र एवं सक्रिय भागीदारी के साथ शुरू हुआ। प्रो. राजकुमार ने सभा को संबोधित किया और इस बात

पर अपनी ज्ञान को साझा किया कि कैसे योग ने उन्हें फिट रहने में मदद करता है और एक निर्देशक के रूप में एक जीवंत संस्थान का नेतृत्व करने के लिए आंतरिक ऊर्जा प्रदान करता है। उन्होंने योग के दैनिक अभ्यास के महत्व पर भी जोर दिया, जो दक्षता को बढ़ा सकता है और पेशेवर और व्यक्तिगत जीवन दोनों में बहुकार्यन के कौशल को बढ़ा सकता है। उन्होंने कहा, "योग भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर में अतिरिक्त शैक्षणिक गतिविधि का एक अनिवार्य हिस्सा है। इस अवसर पर, द आर्ट ऑफ लिविंग संस्थान के ट्रेनर और फैकल्टी श्री श्याम अग्रवाल ने "मन और स्वस्थ, शांतिपूर्ण और सफल जीवन जीने में अपनी भूमिका" पर एक विशेषज्ञ व्याख्यान दिया। उन्होंने ध्यान और सांस लेने की तकनीक पर एक छोटा सत्र भी आयोजित किया।

कार्यक्रम का समन्वय संस्थान के सह-समन्वयक डॉ. बी. हनुमंता राव और ओएसडी स्पोर्ट्स डॉ. एस.एस.यादव द्वारा किया गया। साथ ही प्रो. पेडुरेडुडी, संकायाध्यक्ष (छात्र कार्य) और डॉ. संकर्षण महापात्र, अध्यक्ष जिमखाना शामिल थे

## 72 वाँ स्वतंत्रता दिवस

15 अगस्त, 2018

भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर ने 15 अगस्त 2018 को सुबह 9:00 बजे अपने अरगुल परिसर में 72 वें स्वतंत्रता दिवस को मनाया। प्रो. आर. वी. राजकुमार की ओर से कार्यवाहक निदेशक प्रो. वी. आर. पेडुरेडुडी ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया और राष्ट्रपिता और भारत माता को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने स्वतंत्रता दिवस संबोधन दिया जिसके बाद सुरक्षा बलों और छात्रों द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। संकाय सदस्य, स्टाफ और संस्थान के छात्रों ने बड़ी संख्या में इस देशभक्ति के उत्सव में भाग लिया।



संस्थान के माननीय निदेशक प्रो. आर. वी. राजकुमार ने अपनी अनुपस्थिति में महान हस्तियों को श्रद्धांजलि दी और सभी छात्रों, संकाय सदस्यों और कर्मचारियों को स्वतंत्रता दिवस की बधाई और शुभकामनाएं दीं। उन्होंने ध्यान दिलाया कि 72 वां स्वतंत्रता दिवस समारोह संस्थान के लिए बहुत खास है क्योंकि यह पूरी तरह से परिचालित परिसर में इस तरह का पहला आयोजन है। उन्होंने उल्लेख किया कि इस दिन, 71 साल पहले, आधी रात के समय, भारत ने औपनिवेशिक शासन के बाद इस स्वतंत्रता को प्राप्त किया था, इसके लिए हमारे देश के हजारों पुरुषों और महिलाओं द्वारा लंबे समय तक स्वतंत्रता और सर्वोच्च बलिदान दिया गया था। अपने संदेश में, वह भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर विरादरी के इच्छुक लोगों को देशभक्ति के जज्बे के साथ अपने दिलों पर राज करेंगे, विविधता में एकता बनाए रखने के लिए फिर से संकल्प लेंगे और कड़ी मेहनत के माध्यम से अपने सभी आयामों में राष्ट्र को मजबूत करने की दिशा में काम करेंगे, उच्च नैतिक मानकों को अपनाएंगे, उत्साही प्रदर्शन करेंगे हमारे कर्तव्यों और समाज में सकारात्मक अंतर लाने के लिए नवाचार करने का आग्रह किया। प्रो. वी. आर. पेडिरेड्डी ने अपने संबोधन में श्रोताओं को अपने स्वतंत्रता

सेनानियों के महान बलिदानों को याद करने की आवश्यकता पर बल दिया,



जिनके अहिंसा के माध्यम से संघर्ष ने हमें आजादी दिलाई, जिसका हम आज आनंद लेते हैं। उन्होंने भारत को आगे बढ़ाने और उन क्षेत्रों में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए विचारशील पूर्वव्यापीता की आवश्यकता पर जोर दिया, जो हम अभी भी गतिशील रूप से बदलती दुनिया पीछे रखती हैं, महान नेतृत्व गुणों और स्वतंत्रता सेनानियों की वीरता, से सबक ले भारत को फिर से "एक भारत श्रेष्ठ भारत" बनाने के लिए संकल्प लेने का आग्रह किया। सुरक्षा इकाई द्वारा देशी पारंपरिक मार्शल आर्ट के रोमांचक प्रदर्शनों, छात्रों द्वारा देशभक्ति गीत और कविता पाठ के साथ उत्सव जारी रहा और इस दिन को मनाया गया।

### 3 दिन लंबी पहली टेक्रो बुक प्रदर्शनी

18 से 20 अगस्त, 2018

निदेशक प्रो.आर.वी. राजकुमार की सक्षम नेतृत्व में भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर में 18 से 20 अगस्त 2018 को भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर के अरगुल परिसर के केंद्रीय पुस्तकालय में पहले तीन दिवसीय लंबे टेक्रो बुक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। पुस्तक प्रदर्शनी में, 16 विक्रेताओं और राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय ख्याति के कई प्रकाशकों ने भाग लिया था। प्रदर्शनी में 1.5 लाख से अधिक पुस्तकों वाले 31 बुक स्टॉल थे।

किताबें ज्यादातर विज्ञान, इंजीनियरिंग, प्रौद्योगिकी, सामाजिक विज्ञान और प्रबंधन, शीतल कौशल आदि पर केंद्रित थीं।



इसके अलावा, साहित्य, बच्चों की शिक्षा और मनोरंजन, कहानी की किताबें आदि पर कई किताबें थीं, जिसमें आगंतुकों की सुविधा के लिए प्रदर्शनी स्थल में जलपान के लिए फूड स्टॉल भी स्थापित किए गए थे। प्रदर्शनी का उद्देश्य छात्रों की पढ़ने की आदत को बढ़ावा देना था और जीवन भर पढ़ने के लिए एक प्यार पैदा करना था। इसका उद्देश्य छात्रों, फैकल्टी, स्टाफ और भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर समुदाय के सदस्यों सहित बच्चों और भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर के आसपास के संस्थानों, जैसे कि एनआईएसईआर, आईओपी, सेंचुरियन, आईईआरटी, जीआईटीए, सीवी रमन के लिए एक अवसर प्रदान करना था, ताकि वे विभिन्न प्रकार की पुस्तकों में से चुन सकें और एक बिंदु से खरीद सकें। इस प्रदर्शनी ने प्रकाशकों और विक्रेताओं को पढ़ने की आदत को विकसित करने के लिए नए और क्लासिक पुस्तक संग्रहों का प्रदर्शन करने की सुविधा प्रदान की। इसने

### पीएम युवा ओरिएंटेशन प्रोग्राम का उद्घाटन

**21 अगस्त, 2018**

कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय (भारत सरकार) के कार्यक्रम पीएम युवा (प्रधानमंत्री युवा विकास विकास अभियान) का उद्घाटन 21 अगस्त 2018 की शाम को भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर के कार्यवाहक

लाइब्रेरी संग्रह निर्माण प्रक्रिया के आंदोलन में भाग लेने के लिए संकाय सदस्यों को पाठ्यक्रम और नए अनुसंधान क्षेत्रों से संबंधित पुस्तकों की सिफारिश करने का अवसर प्रदान किया।

पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय श्री अटल बिहारी वाजपेयी के निधन के कारण इस प्रदर्शनी का उद्घाटन 18 अगस्त 2018 (शनिवार) को बहुत ही अनौपचारिक तरीके से किया गया था। उद्घाटन समारोह में, केंद्रीय पुस्तकालय के अध्यक्ष डॉ.राजेश आर. दाश, विक्रेताओं, प्रकाशकों, छात्रों, कर्मचारियों और संकाय सदस्यों का स्वागत किया और डॉ. विभूति बी साहू, उप पुस्तकालयपाल, पुस्तकालय सलाहकार समिति के सदस्यों की उपस्थिति में प्रदर्शनी का उद्घाटन किया गया था। डॉ. मनस्विनी बेहरा, डॉ. ससीधर के. और अन्य संकाय सदस्य अर्थात् डॉ. राजन झा, डॉ. अरिंदम सरकार, डॉ. सुमन्थालदार, पुस्तकालय के कर्मचारी और छात्र भी शामिल थे। भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर के छात्रों और संकाय सदस्यों और आस-पास के संस्थानों ने उत्साहपूर्वक प्रदर्शनी का दौरा किया। वरिष्ठ संकाय सदस्य अर्थात् प्रो. आर.के. पांडा, प्रो. सुजीत राय, प्रो. वी. आर. पेडिरेड्डी, प्रो. ब्रम्हा देव और कई अन्य लोगों ने खुशी व्यक्त की और इस तरह की पहल करने के लिए पुस्तकालय टीम के ईमानदार प्रयासों की सराहना की। इस कार्यक्रम की खबर कई प्रतिष्ठित राष्ट्रीय और स्थानीय समाचार पत्रों में प्रकाशित हुई थी।

निदेशक प्रो.वी. आर पेडुरेड्डी द्वारा अरगुल परिसर में किया गया। भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर के माननीय निदेशक प्रो. आर. वी. राजकुमार ने पीएम युवा कार्यक्रम के लिए भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर को क्षेत्रीय हब का दर्जा दिलाने में महत्वपूर्ण योगदान था, जो





भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर के युवा स्नातक दिमागों के बीच उद्यमिता को विकसित करने में मदद करेगा।

## अभियंता दिवस 2018

15 सितम्बर, 2018

भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर ने 15 सितंबर, 2018 को भारत रत्न सर मोक्षगुंडम विश्वेश्वरय्या की जयंती को समाज के लिए उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए देश के महानतम इंजीनियरों में एक श्रद्धांजलि के रूप में मनाया। समारोह में बड़ी संख्या में छात्रों, शिक्षकों, अधिकारियों और कर्मचारियों के सदस्यों ने भाग लिया। प्रो. आर.के.पंडा, संकायाध्यक्ष (आर एंड डी) ने स्वागत भाषण दिया।

प्रो. आर.वी. राजकुमार संस्थान के निदेशक ने "ए पैसिव सोनार सिस्टम डिवेलप्ड फॉर डीआरडीओ एंड ऑप्टिमाइज़ेशन रिसर्च थेरिन" पर इंजीनियर दिवस व्याख्यान दिया।



यह नौकरी चाहने वालों के बजाय युवा दिमाग को नौकरी के गोताखोरों को ढालने में मदद करता है। भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर के लगभग 50 ई-सेल छात्रों ने कोर्स के लिए पंजीकरण कराया। उद्घाटन के दौरान, प्रो. वी.आर. पेडिरेड्डी, कार्यवाहक निदेशक, प्रो. एस.के. महापात्र, डीन कंटीन्यूइंग एक्शन और डॉ. वी. पांडु रंगा, समन्वयक पीएम युवा ने छात्रों को संबोधित किया और उन्हें वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में उद्यमिता के महत्व पर सलाह दी।

विषय सिग्नल प्रोसेसिंग और पुनरावर्ती आकलन तकनीक का उपयोग करके पानी के नीचे गतिशील लक्ष्य ट्रैकिंग की एक जीवित रक्षा चुनौती को हल करने के बारे में था। उन्होंने एक चुनौतीपूर्ण वास्तविक जीवन की समस्या के पीछे भौतिकी को समझने और जीवित समस्याओं के समाधान के लिए अद्वितीय समाधान खोजने के लिए गणितीय उपकरणों के उपयोग पर जोर दिया। छात्रों और संकाय सदस्यों के लिए यह बात काफी रोचक और शिक्षाप्रद थी। इस अवसर पर एक कार्यशील मॉडल मेकिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें 12 मॉडल का प्रदर्शन छात्रों एवं शोध छात्रों द्वारा किया गया। अधिकांश नवीन कामकाजी मॉडलों को नकद पुरस्कार प्रदान किए गए और सभी प्रतिभागियों को भागीदारी के प्रमाण पत्र प्राप्त हुए। डॉ. एस.एन.राउटरे, सहायक कुलसचिव (आरएंडडी) ने धन्यवाद प्रस्ताव दिया।

## श्री अर्जुन मल्होत्रा, एचसीएल टेक्नोलॉजीज के सह-संस्थापक, "ई-डे" पर प्रेरक वार्ता

17 सितंबर 2018

भा. प्रौ. सं. भुवनेश्वर ने 17 सितंबर 2018 को "ई-दिवस" का आयोजन किया और भारत के सबसे बड़े इन्फो-टेक निगमों में से एक, एचसीएल टेक्नोलॉजीज के सह-संस्थापक, श्री अर्जुन मल्होत्रा की मेजबानी करने के लिए सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम की शुरुआत भा. प्रौ. सं. भुवनेश्वर के माननीय निदेशक, प्रो. आर. वी. राजकुमार ने अपने गर्मजोशी के साथ की।

उन्होंने छात्रों को श्री अर्जुन मल्होत्रा की उद्यमशीलता यात्रा से प्रेरणा लेने की सलाह दी। बाद में, श्री अर्जुन मल्होत्रा ने अपने उद्यमशीलता के अनुभवों की झलक देकर युवा मन को प्रफुल्लित किया, जो इस बात से था कि कैसे उन्होंने दिल्ली क्लॉथ एंड जनरल मिल्स कंपनी लिमिटेड में एक वरिष्ठ प्रबंधन प्रशिक्षु के रूप में अपने करियर की शुरुआत की, उन्होंने एचसीएल को कोफाउंड किया। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि भारत में

सूचना प्रौद्योगिकी उद्योग के अग्रणी होने की सभी चुनौतियों का सामना उन्होंने कितनी चतुराई और बौद्धिक रूप से किया। सफल उद्यमी बनने की ख्वाहिश रखने वाले सभी छात्रों के लिए उनके सुझाव अमूल्य हैं। उन्होंने छात्रों के मन में जटिल व्यावसायिक विचारों को विकसित करने के लिए दिलचस्प सादृश्य बनाया। उनकी बातों के बाद, छात्रों ने उत्साहपूर्वक प्रश्न-उत्तर सत्र में उनसे बातचीत की। धन्यवाद भाषण का वोट ई-शिखर सम्मेलन 2019 के मुख्य-समन्वयक वी.वी. गोपीनाथ ने दिया। प्रो सरोज नायक, संकायाध्यक्ष (संकाय), प्रो. आर.के. पंडा, संकायाध्यक्ष (आरएंडडी), डॉ. अंकुर गुप्ता, चेयरमैन, ई-समिट 2019, डॉ. श्रीनिवास बोप्पू, ई-समिट 2019 के उपाध्यक्ष और भा. प्रौ. सं. के छात्र इस अवसर पर मौजूद थे।



7 वां वार्षिक दीक्षांत समारोह  
22 सितंबर, 2018



संस्थान ने अपना 7 वाँ वार्षिक दीक्षांत समारोह पूर्वाह्न 11.00 बजे, 22 सितम्बर 2018 को अर्गुल, जटनी के सामुदायिक केंद्र में मनाया। 7 वें वार्षिक दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि, डॉ. आशुतोष शर्मा, सचिव, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार ने सभा को संबोधित करते हुए छात्रों और उनके उपदेशकों को इन नए, युवा और उर्वर दिमागों में नवीन विचारों के बीज बोने के लिए बधाई दी। यह भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर की अत्याधुनिक इंजीनियरिंग शिक्षा और अनुसंधान के प्रति प्रतिबद्धता का स्पष्ट प्रमाण है। उन्होंने छात्रों को नौकरी देने वाले बनने का आह्वान किया न कि वे नौकरी तलाशने वाले न बनें। आज, स्थायी आर्थिक विकास और रोजगार सृजन में अप्रत्यक्ष वैश्विक तनाव और चुनौतियां हैं, लेकिन ऊर्जा, जल, पर्यावरण, परिवहन, साइबर, भौतिक प्रणालियों

और स्वच्छता जैसे क्षेत्रों में प्रौद्योगिकी के नेतृत्व में परिवर्तनकारी अवसरों के लिए भी बड़े अवसर हैं। एक मजबूत टीम वर्क वास्तविक अंतःविषय समस्याओं के समाधान की कुंजी है। अध्यक्ष, बोर्ड ऑफ गवर्नर्स, श्री पंकज रमणभाई पटेल ने धन्यवाद ज्ञापन करते हुए छात्रों को जीवन में विकास करने के लिए उच्च उद्देश्य, अभिनव, सम्मान और विश्वास करने के लिए गुरु मंत्र दिया। शिखर पर पहुंचने के लिए अंतःविषय दृष्टिकोण आवश्यक है। उन्होंने छात्रों को कड़ी मेहनत करने और देश के निर्माण और देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए प्रभावित किया। निदेशक, प्रो. आर. वी. राजकुमार ने संस्थान की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की और स्वर्ण पदक विजेताओं को उनकी उत्कृष्ट सफलता के लिए बधाई और शुभकामनाएं दीं। उन्होंने उपदेशकों और देश के हित को बढ़ावा देने के लिए पूर्व छात्रों की योजनाओं पर बल दिया। पूरे आउटगोइंग बी.टेक

छात्रों में सर्वश्रेष्ठ शैक्षणिक प्रदर्शन के लिए यांत्रिक विद्यापीठ के श्री नंदूरी दिवाकर को भारत के राष्ट्रपति के गोल्ड मेडल से सम्मानित किया गया। निदेशक के स्वर्ण पदक को पूरे आउटगोइंग एम.एससी छात्रों के बीच सर्वश्रेष्ठ शैक्षणिक प्रदर्शन के लिए आधारीय विज्ञान विद्यापीठ के श्री साई रॉय को प्रदान किया गया है। संबंधित विद्यापीठों के बी.टेक छात्रों में सर्वश्रेष्ठ शैक्षणिक प्रदर्शन के लिए संस्थान सिल्वर मेडल्स को श्री नंदूरी दिवाकर, श्री रामरेड्डीगिरी राहुलरेड्डी, सुश्रीकोला लक्ष्मी साई श्री, सुश्री स्नेहा सुसान जॉर्ज, श्री सुधांशु श्रीवास्तव को। संबंधित विद्यापीठों के एम. टेक. छात्रों में सर्वश्रेष्ठ

शैक्षणिक प्रदर्शन के लिए, संस्थान सिल्वर मेडल्स सुश्रीदेबलेना मुखर्जी को, श्री विकास शर्मा बीएस, सुश्रीबारिक अनसुइया, अनुपम स्वाति, श्री पलाश स्वर्णकार, श्री कुप्पिली रवित्जा, सुश्री नाजनीन निगार सुल्ताना को सम्मानित किया गया था।

संबंधित विद्यापीठों में एम.एससी छात्रों के बीच सर्वश्रेष्ठ शैक्षणिक प्रदर्शन के लिए, संस्थान सिल्वर मेडल श्री सयान रे, सुश्री अस्मिता सिंघा रॉय, श्री राहुल राणा, सुश्री दीपांजली हल्दर को दिए गए हैं। कुल 215 छात्रों ने व्यक्तिगत रूप से अपना प्रमाण पत्र लिया।



### विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर "युवा और सकारात्मक भलाई" पर एक सत्र 10 अक्टूबर, 2018

संस्थान परामर्श केंद्र, भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर ने 10 अक्टूबर 2018 (बुधवार) को विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर "युवा और सकारात्मक कल्याण" पर एक सत्र का आयोजन किया था ताकि परिसर में मानसिक स्वास्थ्य पर जागरूकता बढ़ाई जा सके।

दुनिया में अब पहले से ज्यादा युवा लोग हैं। दुनिया भर में 7.2 बिलियन लोगों में से 3 बिलियन 25 साल से कम उम्र के हैं, जिससे दुनिया की आबादी का 42% हिस्सा बनता है और इनमें से लगभग 1.2 बिलियन युवा 10 से 19 साल की उम्र के किशोर हैं।

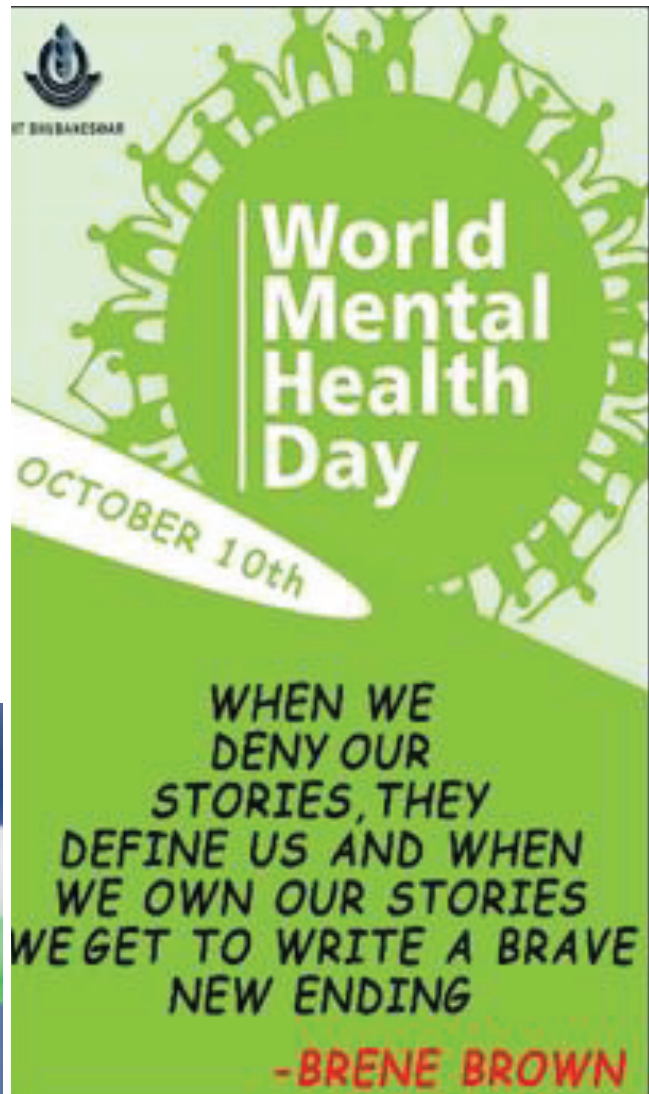
मानसिक स्वास्थ्य कल्याण की एक ऐसी स्थिति है जिसमें हर व्यक्ति अपनी स्वयं की क्षमता का एहसास करता है, जीवन के सामान्य तनावों का सामना कर सकता है, उत्पादक और फलदायी रूप से काम कर सकता है और अपने या अपने समुदाय (डब्ल्यूएचओ) में योगदान करने में सक्षम है।

डॉ. जशोबांत महापात्र प्रमुख, नैदानिक मनोविज्ञान विभाग (सेंटर ऑफ एक्सीलेंस), मानसिक स्वास्थ्य संस्थान, एससीबी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल, कटक इस सत्र के प्रमुख वक्ता थे। उन्होंने



किशोरावस्था के संक्रमण, किशोरों / युवाओं के बीच मनोवैज्ञानिक विकारों का प्रसार, युवाओं के व्यवहार को जोखिम में लेने, मानसिक स्वास्थ्य निर्धारकों, विकारों का शीघ्र पता लगाने और उपचार और निवारक उपायों के बारे में प्रकाश डाला।

सत्र के बाद प्रतिभागियों द्वारा बातचीत की गई।



## सतर्कता जागरूकता सप्ताह 29 अक्टूबर से 3 नवंबर 2018 तक

संस्थान में 29 अक्टूबर से 3 नवंबर 2018 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया गया। इसके संबंध में, 29 अक्टूबर 2018 को प्रातः 11:00 बजे प्रशासनिक भवन (ग्राउंड फ्लोर) में अखंडता का संकल्प लिया गया।



## राष्ट्रीय एकता दिवस 31 अक्टूबर, 2018

भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर ने 31.10.18 को सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती के अवसर पर "राष्ट्रीय एकता दिवस" का आयोजन अपने स्थायी परिसर, अरगुल में किया। माननीय निदेशक प्रो.आर.वी. राजकुमार, संकायाध्यक्ष (आर एंड डी) प्रो. आर. के. पंडा, रजिस्ट्रार श्री देवराज रथ और अन्य आयोजन समिति के सदस्यों द्वारा एक पुष्प श्रधांजलि के साथ इस कार्यक्रम की शुरुआत की गई। इसके बाद देश के नवोदित इंजीनियरों द्वारा एक प्रतिज्ञा की गई जहां उन्होंने राष्ट्र की एकता, अखंडता और विविधता की रक्षा करने की शपथ ली। निदेशक, प्रो. आर. वी. राजकुमार ने श्रोताओं को संबोधित किया जहां उन्होंने सरदार वल्लभ भाई पटेल के कार्यों, स्मारक महत्व और द आयरन मैन द्वारा किए गए प्रयासों पर जोर दिया। इस कार्यक्रम का विषय लोगों को उनकी विशिष्ट पहचान में विश्वास दिलाना और उनकी

सामूहिक पहचान का सम्मान करना था। बाद में, "एक भारत श्रेष्ठ भारत (ईबीएसबी)" कार्यक्रम जारी रखा गया था, जिसमें रंगारंग संगीत एवं नृत्य प्रदर्शनों का एक समूह तैयार किया गया था और सभी उम्र और पृष्ठभूमि के लोगों द्वारा मंचित किया गया था। इसमें एक साफ-सुथरी सूचनात्मक वीडियो भी शामिल किया गया था जो सुनाने योग्य था। अध्यक्ष छात्र जिमखाना डॉ. शंकरसन महापात्रो, संकाय सलाहकार-सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियों डॉ. अंकुर गुप्ता, ईबीएसबी समन्वयक - डॉ. राजेश रोशन दाश सहित सभी आयोजनकर्ता सदस्य और टीम के अन्य सदस्यों ने इस कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया। आयोजन समिति के सदस्यों द्वारा एक त्वरित आकर्षक प्रश्नोत्तरी और पुरस्कार वितरण के साथ इस कार्यक्रम का समापन हुआ।

## भारत के लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 143 वीं जयंती।

04 नवंबर, 2018

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भुवनेश्वर ने भारत के लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 143 वीं जयंती के अवसर पर 04.11.2018 को सुबह 7 बजे एकता दौड़ (एक मिनी मैराथन) का आयोजन किया। निदेशक, प्रो.आर.वी. राजकुमार, ने सरदार वल्लभभाई पटेल को पुष्पांजलि अर्पित की और एकता दौड़ को हरी झंडी दिखाई। निदेशक ने छात्रों को स्वतंत्रता संग्राम में सरदार वल्लभभाई पटेल के बलिदान और योगदान के बारे में याद दिलाया और देश को एकजुट करने के बारे में और 31 वें अक्टूबर 2018 को जीवन के सभी क्षेत्रों में एकता की भावना बनाए रखने के लिए किए गए संकल्प के बारे में बताया। उन्होंने दोहराया कि एकता दौड़ का उद्देश्य नागरिकों को सभी वर्गों की एकता के महत्व के बारे में जागरूक करना और क्षेत्रीय सहयोग बनाए रखना है।

माननीय निदेशक ने माननीय प्रधान मंत्री, श्री नरेंद्र मोदीजी के नेतृत्व में, इस दौड़ के माध्यम से देश भर में एकता का संदेश फैलाने के लिए भारत सरकार के प्रयासों की सराहना की। भा.प्रौ.सं. प्रशासनिक

भवन से शुरू हुई एकता बैठक हरिभैना चक, जटनी तक गई और लगभग 8 किलोमीटर की दूरी तय करते हुए संस्थान के मेन गेट पर समाप्त हुई। लगभग 550 छात्रों, संकायों और अन्य कर्मचारियों ने उत्साह से इस कार्यक्रम में भाग लिया। दर्शकों को सड़क की लंबाई एक किलोमीटर से अधिक सफेद रंग का दृश्य चित्रित किया गया था। प्रो. वी. आर. पेडिरेड्डी, संकायाध्यक्ष, (छात्र मामले), डॉ. शंकरसन महापात्रा, अध्यक्ष छात्र-जिमखाना और डॉ. वेणुगोपाल अरुमरु ने मिनी मैराथन का आयोजन किया और एकता दौड़ में भाग लिया। श्री देवराज रथ, कुल सचिव, अन्य संकाय, कर्मचारी और छात्रों भी शामिल हुए।

इस आयोजन में पूरे समय स्थानीय लोगों का अभूतपूर्व स्वागत और भागीदारी देखी गई। स्थानीय प्रशासन और पुलिस ने इसे सफल बनाने में अपना सारा सहयोग दिया।



## महिला कल्याण प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित लिंग संवेदीकरण कार्यशाला

9 नवंबर, 2018

महिला कल्याण समिति (डब्ल्यूडब्ल्यूसी), भा.प्रौ.सं.भुवनेश्वर ने 9 नवम्बर 2018 को एक लिंग संवेदीकरण कार्यशाला का आयोजन किया था। कार्यशाला के वक्ता थी अधिवक्ता, नम्रता चड्ढा, सामाजिक कार्यकर्ता और आंतरिक शिकायत समिति

के सदस्य, भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर और अधिवक्ता राजलक्ष्मी दास, सदस्य, बाल कल्याण समिति, ओडिशा। कार्यशाला में "कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न-प्रतिबंधों और नियमों के बारे में जानकारी दी।" इस कार्यशाला का जोर लैंगिक



पक्षपात और संबंधित मुद्दों पर था। अधिनियम में निर्धारित डू और डॉनट्स ने लिंग आधारित दुर्भावनाओं और वर्तमान न्यायिक परिदृश्य में रोकने के तरीके बताए और समझाये गये थे। कार्यशाला का आयोजन छात्रों, कर्मचारियों और संकाय सदस्यों को कार्यस्थल अधिनियम में महिलाओं के यौन उत्पीड़न के साथ-साथ शिकायत दर्ज करने के लिए प्रक्रिया



और शिकायतों के निपटरण की प्रक्रियाओं और कानूनी परिणामों को दर्ज करने के लिए किया गया था। दर्शकों में इस बात की समझ भी बन गई थी कि इस तरह की शिकायतों को किस तरह से संभाला जाता है और इस मामले की राष्ट्रीय संस्थान की शिकायत समिति के पास ले जाने पर ईमानदारी से जांच की जाती है।



**"संवाद: एक आदिवासी कॉन्क्लेव" का आयोजन मानविकी, सामाजिक विज्ञान और प्रबंधन विद्यापीठ द्वारा किया जाता है, कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी, टाटा स्टील के सहयोग से**

**10 नवंबर, 2018**

मानविकी, सामाजिक विज्ञान और प्रबंधन विद्यापीठ, भा.प्रौ.सं.भुवनेश्वर, ने टाटा स्टील के कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व के सहयोग से, 10 नवंबर, 2018 को अरगुल में अपने स्थायी परिसर में "संवाद: ए ट्राइबल कॉन्क्लेव" नामक एक दिन का शैक्षणिक सम्मेलन आयोजित किया। सम्मेलन का उद्घाटन प्रो. आर.वी. राजकुमार, निदेशक भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर ने किया जो इस समारोह के मुख्य अतिथि थे और अध्यक्षता प्रो. एस.के. महापात्र, संकायाध्यक्ष (सतत शिक्षा) ने किया। कार्यक्रम की शुरुआत शैक्षणिक समन्वयक, मानविकी, सामाजिक विज्ञान और प्रबंधन विद्यापीठ, प्रो. गोदभरीषा मिश्रा के स्वागत भाषण से हुई। इसके बाद निदेशक द्वारा उद्घाटन भाषण दिया गया। अपने बहुत ही जानकारीपूर्ण और ज्ञानवर्धक भाषण में, प्रो.

आर.वी. राजकुमार ने आदिवासी कल्याण के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला जिसमें समावेशीता के लिए एक आक्रामक और सक्रिय कार्यक्रम की आवश्यकता और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुँच प्रदान करने की गंभीर आवश्यकता शामिल है। उन्होंने आदिवासी चिकित्सा, संस्कृति और भाषा विज्ञान पर आगे अनुसंधान करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। इसके अलावा, उन्होंने अपने निजी अनुभव को राजीव गांधी यूनिवर्सिटी ऑफ़ नॉलेज टेक्नोलॉजीज, तेलंगाना के संस्थापक कुलपति के रूप में संबंधित किया, जहाँ उन्होंने आदिवासी समुदाय के ग्रामीण क्षेत्रों के छात्रों को शामिल करने की दिशा में सभी प्रयास किए। श्री सौरव राँय, प्रमुख, कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व, टाटा स्टील, ने अपने भाषण में, जनजातीय अध्ययन और अनुसंधान पर जोर दिया और टाटा स्टील

आदिवासीवाद पर जागरूकता को बढ़ावा देने में भूमिका निभा रही है। शैक्षणिक समन्वयक, प्रो. गोदाबरीषा मिश्रा द्वारा औपचारिक धन्यवाद ज्ञापन दिया गया। सुबह और दोपहर के सत्र में देश भर से विभिन्न प्रतिभागियों द्वारा कुल 14 प्रस्तुतियां निर्धारित की गई थीं। सत्र में पर्वे भारत के आदिवासी समुदायों से संबंधित विभिन्न जनजातीय मुद्दों, सामाजिक राजनीतिक, पारिस्थितिक,

सांस्कृतिक, भाषा विज्ञान, नृवंशविज्ञान और आर्थिक पहलुओं से संबंधित थे। प्रस्तुतियों के लिए निर्णायक मंडल में डॉ. दुखाबंधु साहू, और डॉ. नरेश चंद्र साहू, मानविकी, सामाजिक विज्ञान और प्रबंधन विद्यापीठ, भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर और डॉ. अंबिका प्रसाद नंदा, सीएसआर, टाटा स्टील के प्रमुख थे।

**भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर की महिला कल्याण समिति ने कामकाजी महिलाओं के अधिकारों पर कार्यशाला का आयोजन किया।**

**22 नवंबर 2018**

वर्तमान समय में, महिला कर्मचारी लगभग हर प्रतिष्ठान में देखी जाती हैं। लेकिन महिलाओं के खिलाफ भेदभाव अभी भी विभिन्न रूपों में मौजूद है, खासकर कार्यस्थल में। इस प्रकार, आज की महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना, उन्हें जानकारीपूर्ण बनाना और उन्हें सम्मान के साथ अपना जीवन जीने के लिए सशक्त बनाना महत्वपूर्ण है। उक्त उद्देश्य के लिए, भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर की महिला कल्याण समिति ने 22.11.2018 को "कामकाजी महिलाओं के अधिकार" पर एक सत्र आयोजित किया था।

आयोजन के वक्ता थे, नम्रता चड्ढा, एक सामाजिक कार्यकर्ता और आंतरिक शिकायत समिति की सदस्य,

भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर और सलाहकार, स्नेहांजलि महांती जो राज्य महिला आयोग की सदस्य हैं। इस सत्र की शुरुआत महिला कल्याण समिति के अध्यक्ष प्रो. रेम्या नीलांचेरी की संक्षिप्त जानकारी से हुई। स्वागत भाषण हमारे सम्माननीय निदेशक प्रो. आर वी राजकुमार ने दिया। हालाँकि यह आयोजन ज्यादातर संकायों और कर्मचारियों पर केंद्रित था, फिर भी कुछ छात्र इस कार्यक्रम में उपस्थित थे। चर्चा केवल कामकाजी महिलाओं के अधिकारों तक ही सीमित नहीं थी बल्कि एक बच्चे के अधिकारों पर भी थी। संगोष्ठी एक इंटरैक्टिव सत्र से अधिक था जहां विभिन्न स्थितियों पर चर्चा की गई थी, बरती जाने वाली सावधानियाँ, एवं विभिन्न कानूनों और मानव अधिकारों की जानकारी दी गई थी।



## "संविधान दिवस" का उत्सव - डॉ बी आर अम्बेडकर 125 वीं जयंती मनाने के लिए 26 नवंबर, 2018

भा.प्रौ.सं.भुवनेश्वर ने 26 नवंबर 2018, सोमवार को शाम 5.00 बजे अरगुल स्थित अपने स्थायी परिसर में संविधान के जनक डॉ. बी. आर. अंबेडकर की 125 वीं जयंती के उपलक्ष्य में एमएचआरडी, भारत सरकार मंत्रालय के निर्देशों के अनुसार "संविधान दिवस" मनाई गयी।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में प्रो. के. वी. रमन चारी निदेशक आईआईएसईआर ब्रह्मपुर और ओडिशा सरकार के कानून विभाग के प्रमुख सचिव श्री शशिकांत मिश्र, ओएसजेएस सम्मानित अतिथि के रूप में उपस्थित थे। संस्थान के निदेशक प्रो. आर. वी. राजकुमार ने अपने स्वागत भाषण में भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा संविधान दिवस मनाने की पहल की सराहना की, जो भारत के सभी लोगों को उनके अधिकारों और कर्तव्यों से अवगत कराने के लिए एक अभिनव विचार है। उन्होंने छात्रों से समग्र शिक्षा का लक्ष्य रखते हुए संविधान की भावना से मार्गदर्शन प्राप्त करने का आह्वान किया।



अपने विचार उत्तेजक संबोधन में, श्री शशिकांत मिश्रा ने संविधान के संपूर्ण दर्शन को दो बुनियादी सिद्धांतों यानि राइट टू लाइफ एंड राइट टू जस्टिस में संवैधानिक विचार के दो मुख्य स्तंभों के रूप में संक्षेपित किया है। रजिस्ट्रार द्वारा वोट ऑफ थैंक्स दिया गया।

## भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर का अल्मा फिएस्टा (वार्षिक सामाजिक - सांस्कृतिक महोत्सव)

### 11 जनवरी, 2019

भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर के अल्मा फिएस्टा 2019 एक वार्षिक सामाजिक-सांस्कृतिक उत्सव के 10 वें संस्करण का उद्घाटन सत्र 11 जनवरी 2019 को संस्थान जटनी ओडिशा के स्थायी परिसर में हुआ। दीप प्रज्वलन के साथ समारोह की शुरुआत: "90 के दशक की कार्निवल: एक उदासीन सवारी" से हुई, जो 2019 के अल्मा फिएस्टा का विषय था।

भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर के निदेशक, प्रो. आर. वी. राजकुमार ने उल्लेख किया कि राष्ट्र के दो महत्वपूर्ण गणमान्य व्यक्ति, अर्थात् राष्ट्रपति और प्रधान मंत्री ने 2018 में दीक्षांत समारोह एवं संस्थान को राष्ट्र के लिए समर्पण करने हेतु क्रमशः संस्थान का दौरा किया। भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर ने विज्ञान, कला और

प्रौद्योगिकी में नवाचार और रचनात्मकता के साथ वैश्विक स्तर की शिक्षा प्रदान करने में तेजी से प्रगति की है। प्रो. राजकुमार ने आज के समय में भारतीय शास्त्रीय संगीत और नृत्य के महत्व पर भी प्रकाश डाला और छात्रों से अपनी तकनीकी रचनात्मकता को बढ़ाने के लिए ललित कलाओं को एक माध्यम के रूप में उपयोग करने का आग्रह किया।

शाम के मुख्य अतिथि श्री विष्णुपद सेठी, उच्च शिक्षा सचिव, ओडिशा सरकार और एक प्रसिद्ध कवि ने भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर द्वारा किये गए तेजी से विकास पर खुशी व्यक्त की और संस्थान को हरा, निर्मल और सुंदर परिसर बनाने के लिए बधाई दी। उन्होंने छात्रों को विज्ञान, प्रौद्योगिकी और रचनात्मक कला में करियर बनाने के लिए अच्छे मॉडल के रूप में अच्छे शिक्षक होने के महत्व पर भी जोर दिया।

चेयरमैन अल्मा फिएस्टा डॉ. सी. भामिदीपति ने सभी सदस्यों का स्वागत किया और आग्रह किया के वह 12 और 13 जनवरी को होने वाले कार्यक्रमों में परिवारों के साथ भाग लें। उद्घाटन सत्र में बच्चों के उत्सव "बचपन का रंगमंच" भी शामिल था। इस कार्यक्रम का आयोजन स्वाभिमान फाउंडेशन और

अक्षरा फाउंडेशन के सहयोग से किया गया था, जिसमें अरुगुल विद्यालय, पोडापाड़ा विद्यालय और खुदूपुर विद्यालय के छात्रों ने उत्साह के साथ भाग लिया। चिल्ड्रन फेस्ट के पुरस्कार समारोह के बाद में "लीला", जो संगीत और नृत्य के अतिरिक्त, अल्मा पर्व के पहले "स्टार नाइट" को चिह्नित करता है।

धन्यवाद ज्ञापन अल्मा फिएस्टा के उपाध्यक्ष डॉ. अंकुर गुप्ता द्वारा किया गया था। उद्घाटन सत्र के सांस्कृतिक प्रदर्शन विशेष था, क्योंकि विशेष रूप से विकलांग बच्चों और स्वाभिमान फाउंडेशन के कलाकारों ने अपने शानदार प्रदर्शन से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया था। अपने प्रदर्शन से उन्होंने निदेशक, मुख्य अतिथि और संकायाध्यक्ष की प्रशंसा अर्जित की। 'एक-पैर वाले' ओडिसी नृत्यांगना पद्मश्री नित्यानंद दास और 8 साल के जीनियस बच्चे असित जैसे कलाकारों ने अपनी बांसुरी के साथ बिल्कुल भी निराश नहीं किया, और रात एक उच्च नोट पर समाप्त हुई जो अल्मा फिएस्टा को अगले दो दिनों में सभी के लिए मनोरंजक साबित होने की गारंटी थी।





## ई-शिखर सम्मेलन के 5 वां संस्करण का सफलतापूर्वक लॉन्च 18 जनवरी, 2019

'नवोन्मेषकों के उत्थान को बढ़ावा देना' के थीम के साथ भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर के हरे भरे परिसर में 18 जनवरी की शाम को "ई-समिट'19" की शुरुआत हुयी। प्रो. आर.वी. राजकुमार, निदेशक भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर, प्रो. विनय कुमारनांगिया और श्री पी. के. महापात्र ने दीप प्रज्वलित कर शिखर सम्मेलन का उद्घाटन किया। सभा को संबोधित करते हुए प्रो. आर.वी. राजकुमार ने देश के युवा दिमाग को पूर्ण क्षमता के साथ मानव उत्थान में उपयोग करने का आह्वान किया ताकि वह माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी के 'मेक इन इंडिया' के सपने को साकार कर सकें। श्री पी. के. महापात्र ने चुनौतियों का सामना करने और ग्रामीण भारत के कृषि विपणन क्षेत्र में नवाचार करने की आवश्यकता पर जोर दिया। प्रो. विनय कुमार नांगिया ने उद्यमिता के मूल सिद्धांतों के साथ अपनी बात की शुरुआत की और 30 + वर्षों के स्टार्टअप के अनुभव के बारे में प्रेरणादायक और मनोरंजक उपाख्यानो को साझा किया। डॉ. अंकुर गुप्ता, अध्यक्ष ई-शिखर सम्मेलन 2019 ने कुछ उज्वल छात्रों की उद्यमशीलता की यात्रा के बारे में बताया और अपने शब्दों से छात्रों को प्रेरित किया।



ई-शिखर सम्मेलन के उपाध्यक्ष डॉ. श्रीनिवास बोप्पु ने आगामी दो दिनों में होने वाले कार्यक्रमों और प्रतियोगिताओं की विस्तृत चर्चा की। वी.गोपिनाथ के मुख्य संयोजक "ई-समिट'19", ने धन्यवाद ज्ञापन दिया। उद्घाटन की शाम डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल

कलाम इग्राइट पुरस्कार विजेताओं द्वारा एक एक्सपो के साथ समाप्त हुई।

उद्घाटन सत्र में विभिन्न कॉलेजों के छात्र समुदाय की सक्रिय भागीदारी थी। ई-शिखर सम्मेलन के दूसरे दिन की शुरुआत उद्यमी दौर के अंतिम दौर के साथ हुई। जिन टीमों ने कॉलेज स्तर पर पहले दौर में क्वालीफाई किया था, उन्होंने परिसर के समापन समारोह में सक्रिय रूप से भाग लिया। इस कार्यक्रम के बाद, सबसे अधिक प्रतीक्षित निवेशकों के ड्राइव आयोजित हुए। प्रतिभागियों ने बीज वित्त पोषण के लिए अपने विचार मालपनी उद्यमों के निदेशक डॉ. अनिरुद्ध मालपानी, एक मितव्ययी नवाचार भारत के लिए स्वर्गदूत निवेशक और मुद्रा फाउंडेशन के संस्थापक सुश्री मोसाको ओनो के सामने प्रस्तुत किये। करियर नवाचार और उद्यमिता पर खुला सत्र में प्रो. वी. के नांगिया भा.प्रौ.सं. रुड़की तथा अन्य वक्ताओं में श्री मनोज शर्मा, एक सामाजिक उद्यमी और श्री गगन बारडिया, कैरियर काउंसलर शामिल थे। इसके अलावा, उत्साही प्रतिभागियों ने 'बिज़क्रिज़' प्रतियोगिता में व्यावसायिक दुनिया के अपने ज्ञान का प्रदर्शन करने के लिए प्रतिस्पर्धा की। स्टॉक वार्स, वर्चुअल मनी और स्टॉक के साथ खेले जाने वाले रियल टाइम स्टॉक मार्केट के सिमुलेशन ने बहुत बड़ी भागीदारी और ध्यान प्राप्त किया। यह ध्यान में रखते हुए कि नवाचार के अलावा मार्केटिंग एक उद्यमी का सबसे वांछनीय कौशल है, श्रीमती पारिजात राव और श्री विजय राघवन द्वारा डिजिटल मार्केटिंग कार्यशाला का संचालन किया गया। डॉ. अनिरुद्ध मालपानी और सुश्री मोसाको ओनो के साथ अग्नि के पास हुए वार्तालाप दिन परिपूर्ण हुआ। तीसरे दिन की शुरुआत श्री अखिलेश देसाई द्वारा 'डिजाइन थिंकिंग और इनोवेशन' पर



एक कार्यशाला के साथ हुआ। स्टॉक वार्स के दूसरे दौर ने हर प्रतिभागी को अपने निवेश पर गंभीर आभासी व्यापारी के रूप में बदल दिया। शेयर युद्ध के बाद, अगली बड़ी प्रतियोगिता 'आईपीएल नीलामी' का अनावरण किया गया। यह नीलामी असली से कम नहीं थी और प्रतिभागियों ने इसका

पूरा आनंद लिया। विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को प्रो, सरोज कुमार नायक, संकायाध्यक्ष संकाय और नियोजन ने 20 जनवरी की शाम को सम्मानित किया और उनके विचारप्रेरक बातों से समारोह का समापन हुआ। इन तीन दिनों ने सम्मलेन की थीम व्यापक रूप में प्रलेक्षित हुई

## टीईडीएक्स

### 27 जनवरी, 2019

टीईडीएक्स भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर का आयोजन 27 जनवरी 2019 को भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर के अरगुल परिसर के सामुदायिक केंद्र में किया गया था। यह आयोजन 2 सत्रों में किया गया था। सुबह का सत्र 10:00 बजे टेड टॉक की स्क्रीनिंग के साथ शुरू हुआ, जिसमें साइमन सिनेक द्वारा "कैसे महान नेताओं ने अपने कार्य से प्रेरित किया", और इसके बाद निम्न वार्ता हुई -

श्री सुशांत वर्मा- "क्या प्रौद्योगिकी संस्कृति को प्रभावित करती है?"

श्री रोहित सूरज - "वास्तुकला: जब आकांक्षाएं प्रेरित करती हैं!"

सुश्री अदिति शर्मा - "अपनी जिज्ञासा का अन्वेषण करें"

ऊपर दिए गए क्रम में माननीय वक्ताओं को निर्देशक प्रो. आर.वी. राजकुमार और चेयरपर्सन विसेनिअर'19 डॉ. मीनू रामदास द्वारा को स्मृति चिन्ह की प्रस्तुति के साथ सत्र का समापन हुआ।।

एलेक्स सेपमैन द्वारा "द डॉन ऑफ द ऐज ऑफ़ होलोग्राम्स" की स्क्रीनिंग के साथ शाम 3:00 बजे

संध्या सत्र शुरू हुआ। इसके बाद श्री अनुज तिवारी से - "अपना दिल तोड़ो" और डॉ. जगदीश चतुर्वेदी - "मज़ेदार होने की कला" पर बातचीत हुई।



एक टीईडीएक्स वीडियो को के. के सेंथिल कुमार द्वारा "सिनेमैटोग्राफर की आंखों के माध्यम से दुनिया" को दिखाया गया था। यह कार्यक्रम सुश्री संजय सांघी द्वारा अंतिम चर्चा - "संतुष्टि की गारंटी" के साथ सफल हुआ।

यह कार्यक्रम में माननीय निर्देशक प्रो. आर.वी. राजकुमार और चेयरपर्सन विसेनैरे'19 डॉ. मीनू रामदास द्वारा मोमेंटो प्रस्तुति और वक्ताओं को धन्यवाद ज्ञापन के साथ संध्या सत्र संपन्न हुआ।

**खुला दिन और प्रदर्शनी।****12 फरवरी 2019**

भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर ने अपने 11 वें स्थापना दिवस की पूर्व संध्या पर 12 फरवरी 2019 को परिसर में एक विशाल विज्ञान और प्रौद्योगिकी प्रदर्शनी का आयोजन किया। आयोजन जनता के लिए खुला था और सुबह 9.30 बजे से शाम 6 बजे तक सभी का स्वागत था। प्रदर्शनी सभी डीआईटी भुवनेश्वर के छात्रों द्वारा भी लगाई गयी थी और विश्वविद्यालयों, इंजीनियरिंग कॉलेजों और स्कूलों के छात्रों को प्रेरित करने के लिए 205 से अधिक लाइव प्रदर्शनी और प्रयोग प्रदर्शित और प्रस्तुत किए गए। कक्षा 5 से इंजीनियरिंग और स्नातकोत्तर विज्ञान के छात्रों को यह कार्यक्रम रोमांचित लगा। अतिरिक्त विवरण के लिए, कोई भी वेब साइट: <http://www.iitbbs.ac.in/opensday/> देख सकता है।

संस्थान को पहले से ही ओडिशा राज्य भर के स्कूल और कॉलेजों से अभूतपूर्व प्रतिक्रिया मिली थी और संस्थान में इस दिन 10,000 से अधिक छात्रों और शिक्षकों की उम्मीद कर रहा था। बड़ी संख्या में अपेक्षित आगंतुकों को देखते हुए, संस्थान ने पूरे परिसर में पीने के पानी का बूथ और एक स्वच्छ वातावरण में आने वाले छात्रों को एक सरल, स्वस्थ कामकाजी दोपहर का भोजन प्रदान करने का प्रावधान किया गया था। कैम्पस समुदाय की सुरक्षा

**मातृभाषा दिवस****21 फरवरी, 2019**

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, भुवनेश्वर ने 21 फरवरी, 2019 को सायं 4:30 बजे अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के उपलक्ष्य में अपने सामुदायिक केंद्र में मातृभाषा दिवस मनाया, जो मातृभाषा के साथ भाषायी और सांस्कृतिक परम्परा के प्रसार को बढ़ावा देने के लिए समर्पित था। इस कार्यक्रम का

के लिए, आने वाले छात्रों और उनके साथ आने वाले अभिभावकों से अनुरोध किया गया था कि वे कैम्पस के अंदर कोई भी पैकेट या बैग न रखें और न ही प्रदर्शनी क्षेत्रों में जाएं।

स्थापना दिवस कार्यक्रम का उद्घाटन भा.प्रौ.सं. की विरादरी के लिए सुबह 11 बजे संस्थान के सामुदायिक केंद्र में मुख्य अतिथि ओडिशा के माननीय राज्यपाल प्रो. गणेशी लाल द्वारा किया गया। प्रो. आर. वी. राजकुमार, निदेशक ने इस कार्यक्रम की अध्यक्षता की। स्थापना दिवस व्याख्यान डॉ. एस क्रिस्टोफर, पूर्व अध्यक्ष, रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) द्वारा दिया गया। इस अवसर पर, उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले संस्थान के छात्रों, शिक्षकों और अन्य कर्मचारियों को भी सम्मानित किया गया। निदेशक प्रो. राजकुमार ने कहा कि संस्थान अपने महत्वाकांक्षी आउटरीच कार्यक्रम के एक भाग के रूप में इस क्षेत्र में स्कूली बच्चों और विश्वविद्यालय के छात्रों को प्रेरित करने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए उत्सुक है और स्थापना दिवस पर 'ओपन हाउस' आयोजित करने की परंपरा को जारी रखने के लिए उत्सुक है। जिसे पिछले साल लगभग 1000 स्कूली बच्चों और 100 प्रयोगों के प्रदर्शन के साथ शुरू किया गया था।

उद्देश्य दुनिया भर में भाषाई और सांस्कृतिक परंपराओं के बारे में जागरूकता, समझ, सहिष्णुता और संवाद के आधार पर एकजुटता को प्रेरित करना था।

प्रो. आर.वी. राज कुमार, माननीय निदेशक, भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर, प्रो. जीतेन्द्र कुमार नायक, प्रख्यात लेखक और अंग्रेजी में सेवानिवृत्त प्रोफेसर, उत्कल विश्वविद्यालय, शाम के मुख्य अतिथि के साथ प्रो. आर.के. पंडा, संकायाध्यक्ष, अनुसंधान और विकास, भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर ने कार्यक्रम को अलंकृत किया।

इस अवसर पर बोलते हुए, प्रो आर.वी. राजकुमार ने कहा कि, “भाषा केवल संवाद करने का माध्यम नहीं है, इसमें भावनाओं, विरासत और उससे जुड़ी भूमि की संस्कृति के भाव हैं। भारत समृद्ध भाषाई विविधता का देश है। यह बहुभाषावाद एक ऐसी संपत्ति है जो हमें विरासत में मिली है और वास्तव में, हम में से हर एक के लिए एक संसाधन है। हम विश्वास के साथ कह सकते हैं कि इस देश की सभी मातृभाषाएँ एक ही आत्मा की विभिन्न

अभिव्यक्तियाँ हैं और हममें से प्रत्येक को इस तथ्य पर गर्व होना चाहिए। ”

प्रो. जीतेन्द्र कुमार नायक ने श्रोताओं को संबोधित करते हुए इस तथ्य पर जोर दिया कि ओडिशा भाषा आंदोलन से पैदा होने वाला एकमात्र राज्य है, जो अपनी भाषाई विविधता, समृद्ध संस्कृति और आदिवासी बोलियों के लिए जाना जाता है जो 2000 ईसा पूर्व (बौद्ध काल) से जारी है। आज वैश्वीकरण के कारण इसे खतरे का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने भा.प्रौ.सं.-भुवनेश्वर को अपने कैंपस में मातृभाषा दिवस मनाने के लिए संस्थान प्रमुख को विशेष श्रेय दिया। उन्होंने हर एक को मातृभाषा को जानने, उस पर गर्व महसूस करने और उसे विलुप्त होने से बचाने को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम में विभिन्न भाषाओं में छात्रों, कर्मचारियों और संकाय सदस्यों और उनके परिवारों द्वारा सांस्कृतिक प्रदर्शन किया गया। अंत में जनसंपर्क अधिकारी (PRO) द्वारा धन्यवाद ज्ञापन दिया गया।



## राष्ट्रीय विज्ञान दिवस

**28 फरवरी, 2019**

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भुवनेश्वर ने 28 फरवरी, 2019 को भारतीय भौतिक विज्ञानी और नोबेल पुरस्कार विजेता सर सी. वी. रमन द्वारा रमन प्रभाव के आविष्कार को मनाने के लिए राष्ट्रीय विज्ञान दिवस और 9 वें शोध छात्र दिवस मनाया।

संस्थान के सामुदायिक केंद्र में शोध छात्रों द्वारा पोस्टर प्रस्तुति सत्र का आयोजन किया गया था।

पोस्टर प्रस्तुति सत्र का उद्घाटन प्रो. आर.वी. राजकुमार, माननीय निदेशक, भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर,

डॉ. पी. आर. साहू, संकायाध्यक्ष, शैक्षणिक मामले, भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर के साथ किया, पोस्टर प्रस्तुति सत्र में, शोध छात्रों ने पोस्टर के माध्यम से अपने शोध निष्कर्षों को दिखाया और सभी को अपने शोध कार्यों के बारे में बताया। इस आयोजन के मुख्य अतिथि डॉ. पी. वी. वेंकटकृष्णन, उत्कृष्ट वैज्ञानिक और निदेशक, क्षमता निर्माण कार्यक्रम कार्यालय, (सीबीपीओ), इसरो थे। यह कार्यक्रम छात्रों, शोध छात्रों, संकाय सदस्यों और संस्थान के पदाधिकारियों की उपस्थिति में मनाया गया।

इस अवसर पर बोलते हुए, प्रो. आर.वी. राजकुमार, माननीय निदेशक, भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर, ने कहा कि, “इस दिन, हमें विज्ञान और प्रौद्योगिकी के लिए खुद को फिर से समर्पित करने की आवश्यकता है, जिससे हमें मानव जाति की बेहतरी के साथ-साथ एक नए बढ़ते भारत का चेहरा बनाने में मदद मिल सके। वर्तमान में समय की जरूरत है कि हम अपने आप को स्ट्रेच करें, कुछ अधिक उत्पादक बनें, बेहतर विज्ञान और प्रौद्योगिकी निर्माण के साथ आएँ, हमारी प्रणाली, प्रौद्योगिकी में सुधार की आवश्यकता के बारे में जागरूक हों और अधिक विश्वसनीय विनिर्माण हों। ”

डॉ. पी. वी. वेंकटकृष्णन, निदेशक, क्षमता निर्माण कार्यक्रम कार्यालय, (सीबीपीओ), इसरो ने विज्ञान

**“बाल यौन उत्पीड़न” (CSA) पर दो घंटे की कार्यशाला का आयोजन एचएसएस एवं एम विद्यापीठ ने एक एनजीओ, मुक्ता फाउंडेशन के सहयोग से किया**  
**1, मार्च, 2019**

और प्रौद्योगिकी के कई जटिल पहलुओं को दिन-प्रतिदिन जीवन उदाहरण देकर आसान एवं स्पष्ट रूप से समझाया। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि भारत देश के पास बहुआयामी कुशल कार्यबल, संसाधन, प्रतिभा है इसलिए हमें ऐसी ठोस योजना बनाने की आवश्यकता है ताकि हम देश से प्रतिभा पलायन को रोक सकें।

इसके बाद तीन सर्वश्रेष्ठ पोस्टर की घोषणा की गई, जिसे पैनल के सदस्य प्रो. आर.के. पंडा, संकायाध्यक्ष (आर एंड डी), भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर और प्रो. पी. वी. सत्यम, भौतिकी संस्थान, भुवनेश्वर द्वारा मूल्यांकन किया गया था पुरस्कार विजेता थे: विद्युत् विज्ञान विद्यापीठ से सुमन मलिक (प्रथम पुरस्कार), द्वितीय पुरस्कार अदिति नायक, आधरिय विज्ञान विद्यापीठ और पिंटू प्रुस्ति, पृथ्वी, महासागर एवं जलवायु विज्ञान विद्यापीठ और तीसरा पुरस्कार भी बबीता जहाँगीर, पृथ्वी महासागर और जलवायु विज्ञान और श्रीजा दास, खनिज, धातुकर्म और सामग्री अभियांत्रिकी विद्यापीठ द्वारा साझा किया गया था। इन पोस्टरों के शोध छात्रों को नकद पुरस्कार और प्रमाणपत्र प्रदान किए गए। यह कार्यक्रम सभी गणमान्य व्यक्तियों, शोध छात्रों, छात्रों, कर्मचारियों, सहकर्मियों, सुरक्षा और हाउसकीपिंग को उनके सराहनीय समर्थन के लिए धन्यवाद ज्ञापन के साथ संपन्न हुआ।

एचएसएस एवं एम विद्यापीठ और एक एनजीओ मुक्ता फाउंडेशन बेंगलोर (मानसिक शोषण को रोकने और मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध) के साथ मिलकर मार्च 1, 2019 को 'बाल यौन शोषण' (सीएसए) विषय पर दो घंटे की कार्यशाला का आयोजन किया। मुक्ता फाउंडेशन का नेतृत्व अश्विनी एन.वी., संस्थापक-निदेशक, एक

मानसिक स्वास्थ्य पेशेवर ने किया है, जिन्होंने दुरुपयोग रोकथाम और मानसिक स्वास्थ्य संवर्धन के क्षेत्र में एक दशक से अधिक समय तक काम किया है। अन्य टीम के सदस्य जो परियोजना में शामिल थे, वे हैं सुप्रिया चौधरी, श्रुति चैतन्य, एनेट शजू, नुपुरा बयरामुदी - ये चारों क्रमशः काउंसलिंग साइकोलॉजी, क्लिनिकल साइकोलॉजी और मेंटल हेल्थ एजुकेशन में विशेषज्ञता/अनुसंधान और प्रशिक्षण रुचि के साथ मानसिक स्वास्थ्य पेशेवर हैं।



### मादक द्रव्यों के सेवन पर जागरूकता कार्यक्रम

5 मार्च, 2019

संस्थान को छात्रों और उनके माता-पिता को एक संस्थान चुनने में एक रोमांचक, समृद्ध अनुभव होना चाहिए जो छात्रों के शैक्षणिक, सामाजिक विकास को बढ़ावा देता है और परिसर और सामुदायिक सुरक्षा को बढ़ावा देता है, इसलिए उसी के अनुरूप, काउंसलिंग सर्विसेज टीम, भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर ने 5 मार्च, 2019 को छात्र समुदाय के लिए मादक द्रव्यों के सेवन पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. वी.आर. पेडिरेड्डी, संकायाध्यक्ष छात्र मामलें, श्री प्रणीत सरमा, अधीक्षक और श्री विश्वनाथ घोष, नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो, भुवनेश्वर, ओडिशा ने की। इस अवसर पर बोलते हुए, प्रो. वी.आर. पेडिरेड्डी संकायाध्यक्ष छात्र मामलें ने कहा कि "यह महत्वपूर्ण है कि हम अपने युवाओं को नशीली दवाओं के दुरुपयोग के खतरों के बारे में शिक्षित करें, और हम उन्हें भावनात्मक समर्थन प्रदान करें ताकि वे आराम के लिए मादक द्रव्यों के सेवन की ओर रुख न करें। यह भी आवश्यक है कि माता-पिता, शिक्षक और युवा स्वयं मादक द्रव्यों के सेवन के लक्षणों के बारे में शिक्षित हों, ताकि वे इसे जल्दी पहचान सकें और प्रभावित व्यक्ति को जल्द से जल्द मदद मिल सके।

उन्होंने ऐसे महत्वपूर्ण विषय पर अपने अमूल्य ज्ञान को साझा करने के लिए समय निकालने के लिए मुख्य अतिथियों को धन्यवाद दिया।" श्री प्रणीत सरमा ने पावर प्वाइंट प्रस्तुति के माध्यम से मादक द्रव्यों के सेवन से जुड़ी कई जटिल पहलुओं को स्पष्ट रूप से समझाया। उन्होंने जिज्ञासा, मनोरंजन को मुख्य कारण होने के साथ-साथ कई कारणों और नशे के विभिन्न प्रकारों की लत को भी छुआ। इसके अलावा, उन्होंने ड्रग्स की खपत से पहले और बाद में व्यक्ति के दिखावे में बड़े बदलाव को दिखाने के साथ-साथ नशे से निपटने के निवारक तरीकों को प्रस्तुत किया। श्री विश्वनाथ घोष ने मादक द्रव्यों के सेवन के कई जटिल पहलुओं को जीवंत उदाहरणों के हवाले देकर आसान तरीके से समझाया।





छात्रों की जिज्ञासा को जगाने और पता लगाने के लिए, उन्होंने छात्र के सामने एक सीधा सवाल रखा कि क्या उन्होंने कभी अपनी जेब से छोटे मुड़े हुए कागज के पैकेट को निकालकर ब्राउन शुगर देखी है, जिसमें कई छात्रों ने अपनी गहरी रुचि और उत्सुकता दिखाई। वास्तव में कागज खाली था और जिज्ञासा जगाने के लिए किया गया था। उन्होंने मादक द्रव्यों के सेवन के गुरुत्वाकर्षण और इसके हानिकारक प्रभावों को भी छुआ। दोनों वक्ताओं ने छात्रों से आग्रह किया कि वे एक बार भी ड्रग्स लेने की कोशिश न करें क्योंकि कुछ नशीले पदार्थ और साइकोट्रोपिक दवाएं इतनी शक्तिशाली हैं कि वे व्यक्ति को मात्र

तीन खुराक में नशा कर सकते हैं और उन्हें एक बार सेवन करने से अगली खुराक के लिए तरस सकते हैं। सत्र का समापन संकायाध्यक्ष छात्र मामले द्वारा सम्मानित अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट करने के साथ हुआ, जिसके बाद गणमान्य मनोवैज्ञानिकों, काउंसलिंग साइकोलॉजिस्ट सुश्री मनीषा मिश्रा द्वारा उपस्थित गणमान्य लोगों, छात्रों और सभी को धन्यवाद दिया गया। इस मौके पर डॉ. शांतनु पाल, सह प्राध्यापक, डॉ. श्रीनिवास भास्कर करंकी, सहायक प्राध्यापक, के साथ सुश्री गगनदीप कौर, क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट भी उपस्थित थीं।

### अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस

**8 मार्च, 2019**

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस हर साल 8 मार्च को नारीत्व का जश्न मनाने के लिए मनाया जाता है और यह सामान्य महिलाओं द्वारा साहस और दृढ़ संकल्प को प्रतिबिंबित करने का समय होता है, जिन्होंने अपने देशों और समुदायों के इतिहास में असाधारण भूमिका निभाई है। भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर ने अपने अरगुल परिसर स्थित सामुदायिक केंद्र में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के लिए इस वर्ष की थीम “बराबरी की सोच, स्मार्ट बनाने, नव बदलाव” जो उस तरीके की पड़ताल करता है जिसमें सामाजिक व्यवस्था में लिंग समानता, लिंग उत्तरदायित्व में निवेश को बढ़ावा और सार्वजनिक सेवाओं और बुनियादी ढांचे में विकास जो महिलाओं की आवश्यकता के अनुसार हो।

इस अवसर पर बोलते हुए माननीय निदेशक भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर प्रो. आर.वी.राजकुमार ने कहा कि, “अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस हम सभी को लैंगिक समानता के महत्व को प्रतिबिंबित करने, महिलाओं की सफलताओं का जश्न मनाने और उनके कार्य को स्वीकार करने के लिए प्रोत्साहित करता है जो अभी

भी किया जाना बाकी है। आज सौभाग्य से देश में महिलाओं के शिक्षा के की सीटों में वृद्धि के तंत्र के साथ आया है, इसलिए हम महिलाओं के शिक्षा में अनुपात को बढ़ाने के लिए तत्पर हैं। महिलाओं के परिवार और समुदाय से जुड़ाव की मुख्य कड़ी होने के साथ, जीवन के सभी पहलुओं में समान अधिकार सुनिश्चित करने के लिए बहुत कुछ किया जाना शेष है।”

संध्या के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय पुलिस अकादमी, हैदराबाद की सहायक निदेशक सुश्री अमृता दाश ने भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर के संकाय एवं छात्रों को अपनी कठिन मेहनत से भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर को देश के विशिष्ट वर्ग के संस्थानों में स्थान पाने पर हार्दिक धन्यवाद दिया जिसमें उन्होंने विशेषकर संस्थान के निदेशक प्रो. आर.वी. राजकुमार, को एक मूल्यवान शिक्षक के रूप में संकाय सदस्यों का मार्गदर्शन करने का उल्लेख किया। उन्होंने श्रोताओं से अपील की कि वे आज की रूढ़ियों को तोड़कर बच्चों को लिंगविहीन नारीत्व में लाएँ, परिवर्तन का रास्ता स्वीकार करने के लिए तैयार रहें और हर चुनौतियों का सामना करें।



यह समारोह 6 मार्च से 8 मार्च तक चला जिसमें बहस से लेकर गतिविधियों की एक श्रृंखला थी। पहले दिन कविता लेखन और डॉ. गगनदीप कौर मक्कार स्टूडेंट काउंसिल भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर द्वारा "रिश्तों को सँभालने" विषय पर बातचीत हुई व्याख्यान। दूसरे दिन स्लोगन लेखन और प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम और अंतिम दिन प्रो. आर.वी. राजकुमार माननीय निदेशक भा.प्रौ.सं.भुवनेश्वर, मुख्य अतिथि सुश्री अमृता दाश सहायक निदेशक एनपीए हैदराबाद के साथ सुश्री रेमा नीलांचेरी अध्यक्ष महिला कल्याण समिति (डब्ल्यूडब्ल्यूसी) की उपस्थिति देखी गई।

इस कार्यक्रम में दीप प्रज्वलन, पुरस्कार वितरण एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के बाद छात्र सह-



समन्वयक डब्ल्यूडब्ल्यूसी भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

पोस्टर (डिजिटल) के लिए प्रथम पुरस्कार विजेता मधुकृष्णा प्रियदर्शनी और प्रतीक कुमार पाडेय उपविजेता रहे। लघु फिल्म के लिए पहला पुरस्कार पथुरी जितेंद्र तिरुमाला और गोपिनाह वेनागिरी उपविजेता रहे। पेंटिंग के लिए पहला पुरस्कार हिमानी नरजीनारी और उपविजेता पीयूष राउत रहे। वाद-विवाद में पहला पुरस्कार चिन्मय गुप्ता और अजीत कुमार नायक उपविजेता रहे। कविता के लिए पहला पुरस्कार नविन्या चिरमुर्कर और हर्ष मन्त्री ने जीता था। क्विज के लिए प्रथम पुरस्कार प्राद्वी और सार्थक ने उपविजेता रहे। अंत में स्लोगन लेखन में प्रूथर को प्रथम पुरस्कार और प्रज्ञा परिमिता मिश्रा उपविजेता रही।



वृक्षारोपण ड्राइव भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर द्वारा किया गया।

**28 मार्च, 2019**

प्रो. आर.वी.राजकुमार, निदेशक की सलाह पर और पर्यावरण के संरक्षण के लिए पर्यावरण के अनुकूल गतिविधियों की परंपरा जारी रखने के साथ, सिंडिकेट बैंक भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर शाखा के सहयोग से, भा.प्रौ.सं. मुख्य द्वार (खुदूपुर चौराहा) से नाईजर चौराहे तक जटनी-अरगुल रोड पर एक बाहरी वृक्षारोपण अभियान 28 मार्च, 2019 को किया गया। इसका मुख्य उद्देश्य स्थानीय निवासियों को

प्रदूषण मुक्त वातावरण प्रदान करने के साथ एक हरियाली पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देना था।

इस अवसर पर बोलते हुए, माननीय निदेशक प्रो. आर.वी. राजकुमार, ने कहा कि, "इस पहल के साथ, हम नागरिकों के लिए एक उदाहरण स्थापित करना चाहते हैं और विशेष रूप से आसपास के ग्रामीणों को सक्रिय हितधारकों के रूप में पर्यावरण की सुरक्षा में योगदान करने के लिए प्रेरित करना चाहते हैं। हम

इसे स्थायी पारिस्थितिकी तंत्र में योगदान देकर अपनी मातृ प्रकृति को वापस देने के लिए एक महान साधन के रूप में देखते हैं। हम भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर में एक हरे परिसर का निर्माण करने के लिए प्रतिबद्ध हैं और इस प्रयास में काफी अच्छी सफलता हासिल की है, और यह जारी रहेगा। इस पहल से मुझे यकीन है कि विश्वव्यापी तापक्रम वृद्धि को रोकने और प्रदूषण को कम करने के लिए पेड़ों के बढ़ते महत्व के बारे में आम जनता के बीच अधिक जागरूकता पैदा करने में मदद मिलेगी।” प्रो. आर.वी. राजकुमार ने भी सिंडिकेट बैंक को इस पहल में शामिल होने और वृक्षारोपण के लिए धन्यवाद दिया।

उक्त अनुसूची के अनुसार वृक्षारोपण सफलतापूर्वक किया गया। वृक्षारोपण में संस्थान के सदस्यों और कर्मचारियों की सक्रिय भागीदारी देखी। साथ ही कार्यक्रम में उपस्थित श्री के.सी. टुडू, क्षेत्रीय प्रबंधक सिंडिकेट बैंक अपने कर्मचारियों के साथ 2 लाख (प्लांट लेबर एंड ट्रांसपोर्टेशन एंड इंकलूसिव) की अनुमानित लागत पर लगाए गए 8 फीट के पूरी तरह से विकसित आकार के 240 पौधे थे। सिंडिकेट बैंक द्वारा अनुमोदित कुल बजट इस पहल के लिए 2 लाख रुपये था।



### छात्रों द्वारा एक अंतर के साथ सामुदायिक सेवा 30 मार्च, 2019

भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर के छात्रों ने प्रधान मंत्री के "स्वच्छ भारत अभियान" से प्रेरणा लेकर एक बड़े पैमाने पर स्वच्छता अभियान शुरू किया, जो कि प्रो. आर.वी. राजकुमार द्वारा प्रस्तावित एक प्रस्ताव के इशारे पर जटनी खेल मैदान और अर्गुल जटनी रोड पर स्थित परिवेश में को स्वच्छ किया गया था। जटनी मैदान कार्यक्रमों और उत्सवों के लिए एक जगह के रूप में सेवा कर रहा है, वह भारी गन्दगी और प्लास्टिक कचरे से भर गया है जो यात्रियों सहित आसपास के निवासियों के लिए एक बड़ी स्वास्थ्य चिंता का विषय बना हुआ था। भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर के एनएसएस छात्रों द्वारा स्वच्छता

अभियान को जोर-शोर से चलाया गया। भा.प्रौ.सं. छात्रों ने इन कचरों एवं गंदगी को हटा दिया गया और समस्त क्षेत्र को साफ-सुथरा कर दिया गया।



इस अवसर पर बोलते हुए, भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर के निदेशक प्रो. आर.वी. राजकुमार ने कहा कि, "क्लीन अप ड्राइव में भाग लेने से हमारे छात्र संवेदनशील एवं पर्यावरण सरोकार बनेगा। इससे परिवेश को स्वच्छ रखने, गन्दगी कम करने, प्लास्टिक के पुनर्चक्रण और पर्यावरण के अनुकूल जीवनशैली के महत्व के बारे में बताया। मुझे यकीन है, कि यह कार्रवाई क्षेत्र के निवासियों के लिए प्रेरणादायक और प्रेरक होगी और सह-संस्थानों के छात्रों के लिए एक सकारात्मक उदाहरण स्थापित करेगा। प्रो. आर.वी. राजकुमार अंत में इस पहल के साथ, छात्रों को उन

एक भारत श्रेष्ठ भारत

अप्रैल, 2018 से मार्च, 2019 के दौरान



भारत एक अनोखा राष्ट्र है, भाषाई, सांस्कृतिक और धार्मिक धागों से बुना हुआ है, जो सांस्कृतिक विकास के समृद्ध इतिहास के साथ मिलकर, हिंसा और न्याय के सिद्धांतों पर खड़े स्वतंत्रता संग्राम के साथ मिलकर एक समग्र राष्ट्रीय पहचान बनता है। एक साझा इतिहास और आपसी समझ की भावना ने विविधता में एकता विशेष एकता को सक्षम किया है, जो कि राष्ट्रवाद की एक लंबी लौ के रूप में है जिसे भविष्य के लिए पोषित और अभिलषित करने की आवश्यकता है।

सामाजिक सेवा के मूल्य को विकसित करने का इरादा रखने का आग्रह किया, जो इन दिनों एक पीछे की सीट ली हुयी हैं और मात्र कर्मकांड न बनने हेतु यह सर्वोत्तम अभ्यास है।"

भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर सर्वोत्तम प्रथाओं का परीक्षण पिछले कुछ समय कर रहा है। छोटे छात्रों का समूह जिन्होंने समय-सीमा में चूक की हैं, उन्हें सामुदायिक सेवा के रूप में अपने अवगुणों से अवगत होने तथा रचनात्मक और सकारात्मक होने की प्रेरणा मिलती है और यह आर्थिक रूप से दंडित करने के स्थान पर भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर में अनुशास्तमक दंड के मॉडल के रूप में अपनाया जा रहा है

"एक भारत श्रेष्ठ भारत (ईबीएसबी)" कार्यक्रम, 31 अक्टूबर, 2015 को आयोजित राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती को मनाने के लिए विभिन्न राज्यों के निवासियों के बीच एक निरंतर और संरचित सांस्कृतिक संपर्क का विचार था। माननीय प्रधान मंत्री जी ने कहा कि सांस्कृतिक विविधता एक खुशी है जिसे विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के लोगों के बीच पारस्परिक संपर्क और पारस्परिकता के माध्यम से मनाया जाना चाहिए ताकि देश भर में समझ की एक सामान्य भावना प्रतिध्वनित हो। भारत के सभी 36 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों को पूरे वर्ष के लिए सोलह जोड़ों में संरचित किया गया, इस दौरान वे भाषा, साहित्य, भोजन, त्योहारों, सांस्कृतिक कार्यक्रमों, पर्यटन आदि के क्षेत्रों में एक दूसरे के साथ एक साझा करेंगे।

निदेशक भा.प्रौ.सं.भुवनेश्वर, प्रो. आर.वी. राजकुमार, के सक्षम पर्यवेक्षण के तहत, हमारे राष्ट्र की विविधता में एकता का जश्न मनाने और हमारे देश के लोगों के बीच पारंपरिक एवं भावनात्मक बंधन को सख्ती से बुने रखने के इस एकीकृत पहल

को एमएचआरडी के निर्देश अनुसार पूरा करने का प्रयास किया गया। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भुवनेश्वर ने एक वर्ष की अवधि में युग्मित राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान के लिए सोलह सूचनात्मक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया, जिसमें अप्रैल 2018 से मार्च 2019 की अवधि में निम्नलिखित ग्यारह कार्यक्रम आयोजित किए गए।

कार्यक्रम	तारीख	राज्यों/संघ शासित प्रदेशों की जोड़ी
1	1अप्रैल,18	महाराष्ट्र-ओडिशा
2	29 जून,18	गोवा-झारखंड
3	5 अगस्त,18	बिहार-त्रिपुरा और मिजोरम
4	15 अगस्त,18	हिमाचल प्रदेश-केरल
5	25 अगस्त,18	उत्तराखंड-कर्नाटक
6	7 सितंबर,18	उत्तर प्रदेश-अरुणाचल प्रदेश और मेघालय
7	15 सितंबर, 18	जम्मू कश्मीर-तमिलनाडु
8	2 अक्टूबर, 18	गुजरात-छत्तीसगढ़
9	27 अक्टूबर, 18	चंडीगढ़- दादरा नगर हवेली
10	10 नवंबर, 18	पुदुचेरी-दमन और दीव
11	10 नवंबर, 18	लक्षद्वीप -अंडमान और निकोबार

कार्यक्रमों की श्रृंखला का उद्घाटन भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर के माननीय निदेशक प्रो. आर. वी. राजकुमार ने भा.प्रौ.सं.भुवनेश्वर परिसर में पारंपरिक दीप जलाकर किया। निदेशक ने माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदीजी के नेतृत्व में भारत सरकार द्वारा की गई इस पहल की सराहना की, जो विभिन्न संस्कृतियों के लोगों के बीच एकता और उन्हें

साथ आने का संदेश फैलाता है। उन्होंने दोहराया कि भा.प्रौ.सं. विविध संस्कृति और क्षेत्र के छात्रों, संकायों और कर्मचारियों वाले देश का एक प्रमुख संस्थान है और एक उत्साही तरीके से लोगों के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान द्वारा ईबीएसबी के उद्देश्य को बनाए रखने के लिए अग्रणी होगा। प्रदर्शनकारियों द्वारा शानदार और उत्साही प्रदर्शनों को देखने और प्रतिभागियों को प्रोत्साहित करने के लिए वे स्वयं अधिकांश कार्यक्रम में उपस्थित थे। ईबीएसबी की इन कार्यक्रमों का समन्वय डॉ. राजेश रोशन दाश ने अन्य संकाय सदस्यों डॉ. मनस्विनी बेहरा, डॉ. शंकरसन मोहपात्रा, डॉ. अंकुर गुप्ता, डॉ. मीनू रामदास, डॉ. सौरव सिल, डॉ. योगेश जी. भुमकर और डॉ. तबरेज ए खान के सहयोग से किया।

इन कार्यक्रमों में, युग्मित राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों के संगीत, नृत्य, हस्तशिल्प, साहित्य, त्योहार, चित्रकला, खेल, मूर्तिकला, वनस्पतियों, आदि के आधार पर सूचनात्मक वीडियो प्रदर्शित किए गए ताकि दर्शकों को विभिन्न सांस्कृतिक इकाइयों के बारे में जानकारी दी गयी ताकि विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों में बंधन और भाईचारे के जन्मजात राग को आत्मसात किया जा सके। छात्रों, कर्मचारियों, शिक्षकों और उनके परिवार के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और युग्मित राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों से संबंधित एक एकीकृत सामग्री के साथ इन सांस्कृतिक कार्यक्रमों में कई नृत्य, गीत, नाटक, गायन, और पारंपरिक पोशाक परेड का प्रदर्शन किया। दर्शकों की सक्रिय भागीदारी के साथ दो जोड़े राज्यों पर जानकारी के आधार पर प्रश्नों के साथ स्पॉट क्विज प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया था। कार्यक्रम स्थल पर फोटो और पोस्टर प्रदर्शनी आयोजित की गई थी, जिसमें विभिन्न संस्कृतियों और परंपराओं के घटकों के बीच अंतर-संपर्कता के बारे में समझदार दर्शकों को प्रभावित



करने के लिए संस्कृति, रीति-रिवाजों और परंपराओं, कला रूपों, हस्तशिल्प, या तो राज्य के व्यंजनों का प्रदर्शन किया गया, जो है राष्ट्र निर्माण की भावना के लिए महत्वपूर्ण है। इन सभी कार्यक्रमों

में, छात्रों, कर्मचारियों, संकाय सदस्यों और उनके परिवारों सहित एक विशाल दर्शक समूह इन सभी कार्यक्रमों में शानदार प्रदर्शनों को देखने और राष्ट्रवाद की भावना को आत्मसात करने के लिए मौजूद थे।



टीम प्रज्वला ने सम्मानित एनडीआरसी नेशनल बर्डिंग इनोवेटर्स अवार्ड - 2018 जीत भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर को गर्ववानित किया।

27 फरवरी, 2019

यह घोषणा करना वास्तव में बहुत सम्मान की बात है कि भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर की टीम प्रज्वल के छात्र राहुल कुमार (सीएसई, तृतीय वर्ष), राहुल महानोत (ईसीई, तृतीय वर्ष), ऋष्वंथ के (एमई, तृतीय वर्ष) और दीपक के (एमई), 3 वर्ष) ने अपने आविष्कार "इंटरनेट ऑफ थिंग्स एंड डेटा एनालिटिक्स आधारित मूल्य निर्धारण, पे-एज़-यू-यूज़ एंड सप्लाय चैन ऑटोमेशन एंड ऑप्टिमाइज़ेशन इन एलपीजी डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम" के लिए प्रतिष्ठित एनआरडीसी नेशनल बर्डिंग इनोवेटर्स अवार्ड - 2018 जीता है। यह लगातार दूसरी बार है जब

भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर ने माननीय निदेशक, भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर प्रो. आर. वी. राजकुमार और उनके अनुभवी संकाय के बहुमूल्य मार्गदर्शन में यह राष्ट्रीय पुरस्कार जीता है। यह पुरस्कार 11 मई, 2019 को एनआरडीसी द्वारा विज्ञान भवन, नई दिल्ली में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस के अवसर पर प्रस्तुत किया जाएगा।

इस खुशी के मौके पर बोलते हुए, प्रो. आर. वी. राजकुमार ने कहा कि, "भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर के हम सभी के लिए यह बहुत गर्व की बात है कि लगातार दूसरी बार एनआरडीसी नेशनल बर्डिंग इनोवेटर्स

अवार्ड जीता है। मैं इस अविश्वसनीय उपलब्धि के लिए कल के इन नवोदित टेक्नोक्रेट को विशेष रूप से बधाई देता हूँ और मुझे यकीन है कि यह सिर्फ शुरुआत है और आगे बढ़ने के लिए और भी बहुत कुछ है।”

“इस परियोजना के तहत, छात्रों ने गैस सिलेंडर के लिए आईओटी संवेदी लगाव विकसित किया है जो ऑनलाइन एक सिलेंडर में गैस की स्थिति के बारे में अंतरंग कर सकता है ताकि गैस भरने को अच्छी तरह से व्यवस्थित किया जा सके। यह लगाव विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में सरकार की महत्वाकांक्षी प्रधान मंत्री उज्वला योजना जैसी योजनाएँ बहुत प्रभावी हैं और मदद कर सकता है। ऊर्जा और उपयोगिताओं के क्षेत्र में इस समाधान का प्रभाव महत्वपूर्ण होगा क्योंकि यह डेटा का एक नया क्षेत्र है जो उनके उपयोग को मापने और उनके उपभोग की योजना

बनाने को लचीलापन और पारदर्शिता देता है।” टीम प्रज्वला ने परियोजना को पहले ही परियोजना प्रज्वला के रूप में डिजाइन इनोवेशन सेंटर (डीआईसी), भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर में पंजीकृत करा चूका है और सुविधाओं के साथ लगातार आवश्यकतानुसार मार्गदर्शन के साथ प्रूफ ऑफ कॉन्सेप्ट (पीओसी) विकसित कर रहा है।

पिछले साल, नितेश कुमार पी (बी.टेक, एमई, फाइनल ईयर) और विकास शर्मा (एम. टेक, एमई (एमएसडी), और पूर्व छात्र ने अपने आविष्कार ‘कोर्रोडेड एंड लीकिंग आयल एंड गैस पाइपलाइन के पुनर्वास के लिए मरम्मत के तरीके’ के लिए प्रतिष्ठित एनआरडीसी नेशनल बडिंग इनोवेटर्स अवार्ड - 2017 जीता था।



**भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर के छात्रों ने स्मार्ट हैकथॉन 2019 में पहला और तीसरा पुरस्कार सुरक्षित किया  
5 मार्च, 2019**

स्मार्ट इंडिया हैकथॉन 2019 हमारे देश के सामने आने वाली चुनौतियों को हल करने के लिए नई और

विघटनकारी डिजिटल प्रौद्योगिकी नवाचारों की पहचान करने के लिए एक अनूठी पहल है। यह श्री



नरेंद्र मोदी की डिजिटल इंडिया पहल का एक हिस्सा है जो 9 नवंबर, 2016 को शुरू की गई थी। यह एक गैर-रोक डिजिटल उत्पाद विकास प्रतियोगिता है, जहां नवीन समाधानों के लिए प्रौद्योगिकी छात्रों के पास समस्याओं को रखा जाता है।

शुरुआती राउंड में भाग लेने वाली कुल 22 टीमों थीं, जिनमें से 4 टीमों को हैकथॉन के अंतिम दौर के लिए चयनित किया गया, जो 36 घंटे तक लगातार प्रयोजना के विकास के लिए चला।

यह भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर में हर एक के लिए वास्तव में गर्व का क्षण है : प्रो. आर. वी. राजकुमार, निदेशक ने पहले और तीसरे पुरस्कार के लिए और फाइनल में पहुँचने के लिए टीमों को शुभकामनायें दी, और कामना की कि संस्थान में भागीदारी और जीत एक अभ्यास बन जाए। निदेशक ने पुनः यह कहा कि संस्थान के प्रत्येक संकाय सदस्य को छात्रों के बीच, क्लास रूम, प्रयोगशालाओं और उससे परे नवीन सोच और रचनात्मकता को बढ़ावा देने का प्रयास करना चाहिए।

चैंपियंस-सैम, भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर (अमन प्रताप सिंह, आदित्य पाल, मेघना साहा, सक्ष्मा अर्नेजा, माधव तुममाला, अंकुर जायसवाल) की अगुवाई में स्वयं सेवक सीईएसको द्वारा दिए गए स्मार्ट कम्युनिकेशन थीम के लिए प्रथम पुरस्कार प्रदान किया गया, जिसकी सलाहकारिता डॉ. जाँय चंद्र मुखर्जी ने की। टीम प्रज्वल (रा.) (राहुल कुमार, राहुल महानोत, अवनि पाटीदार, मन्त्री हर्ष राकेश, मुथलुरु चैतन्य शिव कुमार रेड्डी, मृदुल गुड्डा) को स्मार्ट कम्युनिकेशन थीम के तहत एआईसीटीई द्वारा

दिए गए समस्या बयान के लिए तीसरा पुरस्कार दिया गया जिसकी सलाहकारिता मोहनीश चटर्जी ने की। भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर की अन्य दो टीमों मैकहल्ली इलेवन 360 और स्काईवल्कर्स ने अन्य समस्या बयानों के लिए प्रतियोगिता के अंतिम दौर में जगह बनाई।

सार्वजनिक स्थानों (रेलवे स्टेशन, अस्पताल आदि) पर पूछताछ खिड़की आमतौर पर बड़ी कतारों के कारण उपयोगकर्ता खराब अनुभव का शिकायत करते हैं। ऐसे मुद्दों का सामना करने के लिए, टीम चैंपियंस सम ने प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण और वेब आरटीसी जैसी तकनीकों का उपयोग करके एक समाधान विकसित किया, जिसका उपयोग किसी भौतिक स्थान में सार्वजनिक घोषणाओं को प्रबंधित करने के लिए किया जा सकता है और उपयोगकर्ता इंटरफ़ेस और सुविधाओं का उपयोग करने के लिए उस सार्वजनिक स्थान से संबंधित आवश्यक जानकारी प्रदान कर सकता है।

इस परियोजना के तहत, टीम प्रज्वला ने गैस सिलेंडर के लिए आईओटी संवेदी लगाव विकसित किया है जो ऑनलाइन एक सिलेंडर में गैस की स्थिति के बारे में अंतरंग कर सकता है ताकि गैस भरने को अच्छी तरह से व्यवस्थित किया जा सके। यह लगाव सरकार की महत्वाकांक्षी विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में प्रधान मंत्री उज्वला योजना जैसी योजनाएँ बहुत प्रभावी हैं और मदद कर सकता है। ऊर्जा और उपयोगिताओं के क्षेत्र पर इस समाधान का प्रभाव महत्वपूर्ण होगा क्योंकि यह डेटा का एक नया क्षेत्र है जो उनके उपयोग को मापने और उनके उपभोग की योजना बनाने के लिए लचीलापन और पारदर्शिता देता है।



### एनएसएस के तहत गतिविधियाँ:

राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) को शैक्षणिक वर्ष 2017-18 में अतिरिक्त शैक्षणिक गतिविधियों (ईएए) के तहत पेश किया गया है। (ईएए) के तहत (एनएसएस) के लिए चुने जाने वाले बी.टेक और डुअल डिग्री पाठ्यक्रम के प्रथम वर्ष के छात्रों को क्रेडिट संरचना L-T-P: 0-0-3 के साथ 1-क्रेडिट सेमेस्टर-वार दिया जाएगा। एनएसएस स्वयंसेवकों की संख्या: 100 (पुरुष -90, महिला -10), {साधारण -46, ओबीसी-32, एससी-15, एसटी-7}

### एनएसएस के तहत गतिविधियाँ:

क्रम.	गतिविधियां	आयोजन की संख्या
1	बागान	01
2	श्रमदान और जागरूकता कार्यक्रम	02
3	रक्तदान शिविर	-
4	आत्मरक्षा प्रशिक्षण	07
5	स्वच्छ भारत मिशन / सफाई परिसर	06
6	स्वास्थ्य शिविर	01
7	विशेषाधिकार प्राप्त बाल शिक्षा	06
8	ग्रामीण विकास कार्यक्रम (सामान्य जागरूकता और स्वच्छता)	01
9	राष्ट्रीय एकता पर कार्यक्रम	02
10	शांति और सद्भाव पर कार्यक्रम	01

विभिन्न श्रेणियों में आवश्यकता के अनुसार, छात्र स्वयंसेवकों को तीन अलग-अलग उपसमूहों में विभाजित किया जाता है और प्रत्येक समूह को एक संकाय सदस्य को सौंपा जाता है:

- (i) स्कूलों के लिए स्वयंसेवक और विशेषाधिकार प्राप्त बाल शिक्षा (संख्या. 30): साप्ताहिक न्यूनतम 3 घंटे व्यक्तिगत द्वारा दिए जाएंगे।
- (ii) ग्रामीण विकास कार्यक्रम के लिए स्वयंसेवक (जिसमें वृक्षारोपण, श्रमदान, डिजिटल जागरूकता, स्वच्छता आदि शामिल हैं।) –संख्या. 50
- (iii) रक्तदान शिविर, स्वास्थ्य शिविर, आत्मरक्षा प्रशिक्षण आदि के आयोजन के लिए स्वयंसेवक -संख्या. 20

भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर (शरद ऋतु सेमेस्टर, 2018-19) में एनएसएस गतिविधियों पर संक्षिप्त रिपोर्ट:

वर्तमान शैक्षणिक सेमेस्टर (शरद ऋतु, 2018-19) के लिए एनएसएस गतिविधियां एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी द्वारा एनएसएस टीम के सदस्यों को स्वागत भाषण के साथ 12 अगस्त 2018 को द्वितीय वर्ष के छात्रों के साथ से शुरू हुई। वर्तमान सेमेस्टर की योजना विवरण के बारे में नए एनएसएस स्वयंसेवक के साथ चर्चा की गई। कार्यक्रम के अनुसार एनएसएस स्वयंसेवकों ने हमारे युबीए सदस्य द्वारा आयोजित 15 अगस्त 2018 को कंसापाड़ा गाँव में वृक्षारोपण कार्यक्रम में भाग लिया। वृक्षारोपण कार्यक्रम में लगभग साठ एनएसएस स्वयंसेवकों ने भाग लिया।



भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर की एनएसएस इकाई ने स्वच्छ भारत मिशन में सक्रिय रूप से भाग लिया और भा.प्रौ.सं. परिसर से विभिन्न गोद लिए गाँवों में स्वच्छता का संदेश फैलाया। वर्तमान शैक्षणिक सेमेस्टर में, स्वच्छता कार्यक्रम पांच बार और चार बार हमारे कैंपस में आयोजित किया गया था, जिसमें एलबीसी और एसबीएसभवन, इलेक्ट्रिकल और एमएचआर और एसएचआर के छात्रावास, आधारिक और यांत्रिक विद्यापीठ भवन का इलाका शामिल था।



2 अक्टूबर को 100 एनएसएस स्वयंसेवकों की एक टीम ने पोडापाड़ा में स्कूल परिसर को साफ करने के लिए स्वच्छता मिशन में भाग लिया और ग्रामीणों में जागरूकता फैलाने के विचार से गांव के स्कूल के मैदान के साथ पास के कुछ क्षेत्र को भी साफ किया। अभियान को लिए इस स्वच्छता कार्यक्रम में पोडोपाड़ा गांव के युवा क्लब ने भी भाग लिया।



आत्मरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम 4 बार 2 और 9 सितंबर को और 4 और 11 नवंबर को 'बालाराम रक्षा विद्यालय, सेलश्री विहार, भुवनेश्वर की मदद से आयोजित किया गया था। एनएसएस स्वयंसेवकों के साथ सभी प्रथम वर्ष महिला छात्राओं (बी.टेक) सहित, प्रशिक्षक श्री बालाराम नाइक की देखरेख में अपने कौशल को निपुण किया और प्रशिक्षण सत्र के दौरान आत्म-रक्षा के गुण सीखे। स्वयंसेवक ने हमारे गोद लिए हुए गांवों के स्कूलों में इस तरह के आत्मरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने के लिए आशान्वित हुए।





हमारी नियमित एनएसएस गतिविधियों के अलावा, हमने विशेष रूप से "हमारे गोद लिए गांवों के स्कूल में प्रयोगशाला प्रथाओं" पर जोर दिया है। कुल 30 एनएसएस स्वयंसेवक डॉ. एस. बहिनपति के मार्गदर्शन में शिक्षण टीम में शामिल हुए और स्कूली छात्रों को अंग्रेजी संचार कौशल प्रदान करने के एजेंडे के साथ पांच गोद लिए गए गांवों (अरुगुल, खुदूपुर, पोडुपद, कंसापाड़ा और पडनपुर) में नियमित रूप से सभी स्कूलों का दौरा किया और इन विद्यालयों में विज्ञान प्रयोगशाला बनाने में मदद की।

एनएसएस शिक्षण टीम के सदस्यों ने उन्नत भारत अभियान टीम के सदस्यों के साथ मिलकर पोडापाड़ा और पदनपुर के गांव के स्कूलों में विज्ञान प्रयोगशालाओं की स्थापना पूरी की। इसके अलावा, छात्रों ने उन विषयों/विषयों की पहचान की है जहां स्कूली बच्चों को थोड़ी अतिरिक्त मदद की आवश्यकता थी और उन छात्रों को हिंदी, संस्कृत और विज्ञान जैसे विषयों को पढ़ाया।

इसके अलावा, एनएसएस ने 10 नवंबर, 2018 को पादनपुर उच्च प्राथमिक विद्यालय के स्कूली बच्चों के बीच एक चित्रकला प्रतियोगिता भी आयोजित की। प्रतियोगिता के विषय थे "स्वच्छ भारत: स्वच्छता ईश्वर है", "एकता शक्ति है" और "मेरा गांव, मेरा घर"। इस कार्यक्रम में बच्चों ने उत्साह से भाग लिया। विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए गए और सांत्वना पुरस्कार भी वितरित किए।

भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर की एनएसएस इकाई और सोल्स फॉर सोलेस (छात्र समाज कल्याण सोसाइटी) ने 2 अक्टूबर, 2018 को पाँडूपाड़ा स्कूल मैदान में स्वास्थ्य और स्वच्छता शिविर का आयोजन किया। स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर की मेडिकल टीम द्वारा किया गया था, जिसमें हमारे वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ. एन. के. पटनायक और एक स्टाफ सदस्य श्री बसंत शामिल थे।

इस प्रक्रिया में हमारी टीम ने मदद की और लगभग एक सौ बीस (120) ग्रामीणों के साथ उनके स्वास्थ्य के मुद्दों पर चर्चा की और उनकी जरूरतों बारे में सुझाव दिए और जानकारी साझा की। भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर के एनएसएस यूनिट एंड सोल्स फॉर सोल्स 'के लगभग 130 सदस्यों ने इस आयोजन में स्वयंसेवकों के रूप में उत्साहपूर्वक भाग लिया।

भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर के एनएसएस स्वयंसेवकों ने सामाजिक मुद्दों पर जिम्मेदारी समझाते हुए 4 नवंबर को जिमखाना भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर द्वारा आयोजित एकता दौड़ कार्यक्रम में भाग लिया और राष्ट्रीय एकता और 'शांति और सद्भाव' अभियान के तहत 17 नवंबर को 'साइकिल रैली' का आयोजन किया। साइकिल रैली के बाद, सभी स्वयंसेवकों ने राष्ट्रीय एकीकरण, शांति और सद्भाव और स्वच्छता मिशन के मुद्दों पर एक समूह चर्चा सत्र में भाग लिया। सभी एनएसएस स्वयंसेवकों का मानना था कि भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर इन मुद्दों पर सामान्य जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करके और विभिन्न गोद लिए गए गांवों और स्कूलों में नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से एक बड़ी भूमिका निभाएगा।

**एडवेंचर प्रोग्राम, ट्रेकिंग टू बारूनी हिल, जटनी, 27 जनवरी, 2019**

**इस आयोजन में कुल 92 एनएसएस स्वयंसेवकों ने भाग लिया  
खुददूपुर उच्च प्राथमिकी विद्यालय में एक सांस्कृतिक कार्यक्रम**

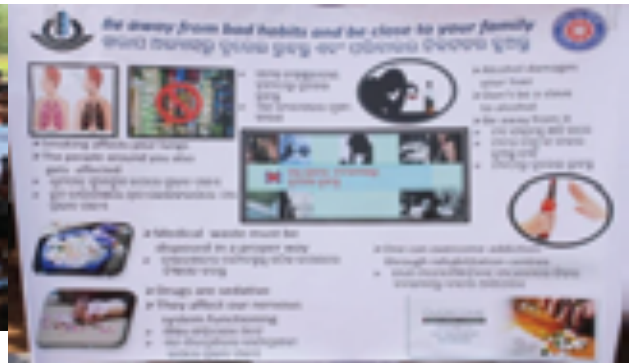
भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर की एनएसएस इकाई ने 8 फरवरी, 2019 को खुददूपुर उच्च प्राथमिक विद्यालय में एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया। सांस्कृतिक कार्यक्रम में ड्राइंग, पेंटिंग, निबंध लेखन, वाद-विवाद और 'संगीत, नृत्य और नाटक' जैसे कार्यक्रम शामिल थे। प्रतियोगिता के लिए विषय थे "स्वच्छ भारत: स्वच्छता ईश्वरीयता", "एकता शक्ति है" और "मेरा गाँव, मेरा घर"। इस कार्यक्रम में बच्चों ने उत्साह से भाग लिया। विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए गए और सभी प्रतिभागियों को सांत्वना पुरस्कार भी वितरित किए गए।

**10 फरवरी को जटनी क्रिकेट मैदान में सामुदायिक सेवा:**

भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर की एनएसएस इकाई ने स्वच्छ भारत मिशन पर जागरूकता कार्यक्रम चलाया और भा.प्रौ.सं. परिसर से एनआईएसईआर चौक तक स्वच्छता का संदेश फैलाया। 84 एनएसएस स्वयंसेवकों की एक टीम ने स्वच्छता मिशन में भाग लिया और एनआईएसईआर चक, जाटनी के पास जटनी क्रिकेट मैदान की सफाई की।

आत्मरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम 3 और 24 मार्च और 7 अप्रैल को बालाराम डिफेंस स्कूल, सेलथ्री विहार, भुवनेश्वर की मदद से आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम पर कुल 120 छात्रों ने भाग लिया था (35 छात्राओं सहित)। अंत में, हम, एनएसएस स्वयंसेवकों को इन गतिविधियों को आगे बढ़ाने के लिए आपके समर्थन की आवश्यकता है।





एकता दौड़ कार्यक्रम



एडवेंचर प्रोग्राम, ट्रेकिंग टू बारूनी हिल, जटनी, 27 जनवरी, 2019। इस आयोजन में कुल 92 एनएसएस स्वयंसेवकों ने भाग लिया







## शैक्षणिक वर्ष (2018-19) एक नज़र में रिपोर्ट:

क्रम.सं	शरद ऋतु सेमेस्टर की गतिविधियाँ	2018-19 तिथि (यां)
1.	वृक्षारोपण	लगभग, 60 एनएसएस स्वयंसेवकों ने 15 अगस्त को कंसापाड़ा गांव में वृक्षारोपण कार्यक्रम में भाग लिया।
2.	स्वच्छ भारत मिशन में कैम्पस एंड एडॉप्टेड विलेज, जटनी क्रिकेट ग्राउंड में पोदूपाड़ा सामुदायिक सेवा, लगभग एनएसएस स्वयंसेवकों ने सफाई अभियान में एक सामान्य जागरूकता कार्यक्रम के रूप में भाग लिया।	लगभग 70 एनएसएस स्वयंसेवकों ने सफाई अभियान और एक सामान्य जागरूकता कार्यक्रम में भाग लिया। 18 और 25 अगस्त, 16 सितंबर, 27 अक्टूबर, 2018 20 जनवरी, 2019, 17 मार्च, 2019 और 2 अक्टूबर, 2018 10 फरवरी, 2019 (जटनी क्रिकेट मैदान में सफाई अभियान में 84 एनएसएस स्वयंसेवकों के एक समूह ने भाग लिया)
3.	आत्मरक्षा प्रशिक्षण	आत्मरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन 2 और 9 सितंबर, 4 और 11 नवंबर 2018, 3 और 24 मार्च 2019 और 7 अप्रैल 2019 'बालाराम डिफेंस स्कूल' सैलाश्री विहार भुवनेश्वर की मदद से किया गया।
4.	दत्तक गांवों में स्कूल में प्रयोगशाला अभ्यास और अध्यापन (अरुगुल, खुदूपुर, पोदूपाड़ा, कंसापाड़ा और पदनपुर)	डॉ. एस. बाहिनीपति के मार्गदर्शन में 30 एनएसएस स्वयंसेवकों ने हमारे गोद लिए गए गांवों (शनिवार) के स्कूलों का दौरा किया। जागरूकता और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित: 10 नवंबर, 2018 (पादनपुर स्कूल) और 8 फरवरी 2019 (खुदुपुर विद्यालय)
5.	ग्रामीण विकास कार्यक्रम (सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षण, सामान्य जागरूकता और स्वच्छता)	एनएसएस स्वयंसेवकों ने 2, अक्टूबर 2018 को पाँडूपाड़ा स्कूल मैदान में स्वास्थ्य और स्वच्छता अभियान का आयोजन किया।
6.	स्वास्थ्य जांच शिविर	एनएसएस इकाई और भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर के छात्र कल्याण समाज ने स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया। भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर की मेडिकल टीम में वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ. एन.के. पटनायक और चिकित्सा कर्मचारी श्री बसंत ने 2 अक्टूबर, 2018 को 120 ग्रामीणों के स्वास्थ्य की जांच करने में मदद की।
7.	स्कूली बच्चों के बीच चित्रकला प्रतियोगिता	एनएसएस टीम भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर ने 10 नवंबर, 2018 को पडनपुर उच्च प्राथमिक स्कूल में स्कूली बच्चों के बीच एक पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया। प्रतियोगिता के विषय थे "स्वच्छ भारत: स्वच्छता ईश्वर है", "एकता शक्ति है "और" मेरा गाँव, मेरा घर "।
8.	शांति और सद्भाव पर कार्यक्रम, और राष्ट्रीय एकता।	भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर के एनएसएस स्वयंसेवकों ने 'शांति और सद्भाव' कार्यक्रम में भाग लिया और सामाजिक मुद्दों पर अपनी जिम्मेदारी के निशानी के रूप में 17 नवंबर को 'साइकिल रैली' का आयोजन किया।
9.	एडवेंचर प्रोग्राम:	27 जनवरी, 2019 को आयोजित बारकुनी हिल पर ट्रेकिंग। इस समारोह में कुल 92 स्वयंसेवकों ने भाग लिया।

### उन्नत भारत अभियान की रिपोर्ट

#### गोद लिए गए स्कूलों के छात्रों के लिए लैब का दौरा:

उन्नत भारत अभियान (यूबीए) टीम ने आधारीय विज्ञान विद्यापीठ (एसबीएस) में बी.टेक भौतिकी और रसायन विज्ञान प्रयोगशालाओं और पृथ्वी, महासागर एवं जलवायु विज्ञान विद्यापीठ (एसईओसीएस) में प्रयोगशालाओं का दौरा 12 दिसंबर, 2018 को 10:30 से 1:00 बजे तक पदनपुर और पोडापोडा उच्च प्राथमिक विद्यालयों के साठवीं और आठवीं के छात्रों के आयोजित किया।



अरुगुल हाई स्कूल के छात्र। लगभग 90 छात्र अपने शिक्षकों के साथ हमारे संस्थान का दौरा किया



इन दौरों में, भौतिकी और रसायन विज्ञान प्रयोगों का प्रदर्शन किया गया। छात्रों ने भी इन प्रयोगों में भाग लिया। एसईओसीएस के छात्रों ने जीवाश्मों का प्रदर्शन किया और उनके गुणों पर चर्चा की, और रिमोट सेंसिंग, सौर प्रणाली जैसे विषयों पर पोस्टर प्रस्तुतियां दीं। हाई स्कूल के छात्रों के लिए मैथ्स क्विज और दिलचस्प भौतिकी शिक्षा भी शामिल था। हमारे

युवा मेहमानों और उनके शिक्षकों के लिए हल्का जलपान की व्यवस्था की गई थी। छात्रों ने हमारे परिसर में आने का पूरा आनंद लिया। भविष्य में, हम एसबीएस और एसईओसीएस प्रयोगशालाओं सहित हमारे संस्थान में अन्य प्रयोगशालाओं के दौरे आयोजित करने की योजना बना रहे हैं।



**सुंदरिया गाँव में आवश्यकताओं का आकलन:**

हमारे एक कोर टीम के सदस्यों ने गांव के स्कूल और गांव की आवश्यकताओं का आकलन करने के लिए फरवरी, 2019 में सुंदरिया गांव का दौरा किया। हमारा लक्ष्य उन क्षेत्रों की पहचान करना था जहां हमारी टीम गांव में शिक्षण और रहने की स्थिति को बेहतर बनाने में मदद कर सकती है। आगामी सत्र में

एनएसएस टीम के साथ गाँव का दौरा करने के लिए (यूबीए) टीम के लिए एक विस्तृत योजना तैयार की जा रही है।





## साप्ताहिक कार्यक्रम

यूबीए कोर टीम के सदस्यों द्वारा विज्ञान प्रयोगशालाओं में छात्रों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए अरुगुल, खुदूपुर, पोडापाडा और पादनपुर गांवों में स्थापित विज्ञान प्रयोगशालाओं के लिए साप्ताहिक दौरे किए गए। कोर टीम ने प्रयोग करने के लिए छात्रों के लिए एक रोस्टर शीट तैयार की है।

इसके अलावा, इस साल जनवरी से खुदुपुर गांव के कोर टीम के सहयोग से समूह के छात्र सदस्यों द्वारा साप्ताहिक यात्राएं की जा रही हैं। इन यात्राओं के दौरान, हम मुख्य रूप से स्कूल जाने वाले बच्चों के लिए "संस्कार वर्ग" का आयोजन कर रहे हैं। यह एक कार्यक्रम है जिसका उद्देश्य बच्चों के समग्र विकास में-शारीरिक, भावनात्मक,

सामाजिक और आध्यात्मिक है और इसके मुख्य घटक योग, अभिनव खेल, गीत, कहानी और अन्य आकर्षक गतिविधियों का अभ्यास है।

साप्ताहिक कार्यक्रमों में औसत उपस्थिति लगभग 15 थी। यह कार्यक्रम विवेकानंद केंद्र, कन्याकुमारी (भुवनेश्वर शाखा) के मार्गदर्शन के साथ चलाया जा रहा है। बच्चों को ऐसे कार्य दिए जाते हैं, जिन्हें वे उत्साहपूर्वक करते हैं। घर के काम भी बच्चों द्वारा उत्साहपूर्वक किए जाते हैं। बच्चों की भागीदारी उत्कृष्ट रही है जिसने इन प्रयासों को बेहतर बनाने के लिए हमारी टीम को और प्रोत्साहित किया है।



## छात्रों की गतिविधियाँ

### सामाजिक-सांस्कृतिक परिषद

#### कलाकृती: ललित कला समाज

- कलाकृती ने अपनी ई-पत्रिका "आर्टफोलियो" - पूरा वर्ष को जारी किया, आर्टफोलियो के प्रत्येक अंक में हमने छात्र समुदाय को कला के एक अलग रूप से परिचित कराया।
- कलाकृती ने 2 सितंबर को अपने सदस्यों के लिए एक टेक्सचर पेंटिंग कार्यक्रम का आयोजन किया।
- 9 सितंबर को समाज के सदस्यों के लिए पेंसिल स्केचिंग पर एक कार्यशाला भी आयोजित की गई थी।
- 150 वीं महात्मा गांधी की वर्षगांठ के अवसर पर समाज के सदस्यों द्वारा विभिन्न चित्र बनाए गए थे।
- दीक्षांत पूर्व समारोह के लिए महानदी छात्रावास को सजाया गया।
- कलाकृती ने भुवनेश्वर के सुदर्शन आर्ट गैलरी का दौरा किया ताकि समाज के सदस्यों को "आर्ट ऑफ स्टोन नक्काशी" का परिचय मिल सके।
- कलाकृती ने ईबीएसबी कार्यक्रमों के विभिन्न स्केचिंग और पेंटिंग प्रतियोगिताओं में भाग लिया।
- कलाकृती ने राष्ट्रीय एकता दिवस पर प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जिसमें स्केचिंग प्रतियोगिता, चित्रकला प्रतियोगिता और एक फेस पेंटिंग कार्यक्रम शामिल थे।



- कलाकृती ने 7 नवंबर को सामुदायिक केंद्र में दिवाली समारोह का आयोजन किया।
- संकाय सदस्यों के बच्चों के लिए बाल उत्सव के साथ दिवाली के अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।
- कलाकृती ने भा.प्रौ.सं. रुड़की में आयोजित इंटर भा.प्रौ.सं. सांस्कृतिक बैठक में अपने 6 सदस्यों के साथ भाग लिया और चारकोल स्केचिंग में 3 स्थान, लाइव स्केचिंग में चौथा और कैनवस पेंटिंग में चौथे स्थान पर रहीं।
- कलाकृती ने अल्मा फिएस्टा के दौरान आयोजित विभिन्न ललित कला कार्यक्रमों में भी सक्रिय रूप से भाग लिया और सभी आयोजनों में अच्छे स्थान हासिल किए।

- कलाकृती ने भुवनेश्वर में "कला मेला" का आयोजन किया ताकि समाज के सदस्यों को विभिन्न कलाओं से परिचित कराया जा सके जो ओडिशा राज्य से सम्बंधित हो | समाज के सदस्यों को कला के विभिन्न रूपों जैसे "पट्टाचित्र", "क्ले मॉडलिंग", "पाँटरी" आदि से परिचित कराया गया।
- कलाकृती ने महिला दिवस के अवसर पर आयोजित पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में भाग लिया।

## उपलब्धियां:

### 1. 3 इंटर भा.प्रौ.सं. सांस्कृतिक मीट (दिसम्बर 2018)

- कलाकृती ने तीसरे इंटर भा.प्रौ.सं. सांस्कृतिक बैठक में चारकोल आर्ट में तीसरा स्थान हासिल किया।
- कलाकृती ने तीसरे अंतर भा.प्रौ.सं. सांस्कृतिक बैठक में कैनवस पेंटिंग में 4 वां स्थान जीता।
- कलाकृती ने तीसरे इंटर भा.प्रौ.सं. सांस्कृतिक बैठक में स्केचिंग में 4 वां स्थान जीता।

### 2. अल्मा फिएस्टा 2019:

- कलाकृती ने भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर के वार्षिक सांस्कृतिक उत्सव अल्मा फिएस्टा में शेड्स में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
- कलाकृती ने भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर के वार्षिक सांस्कृतिक उत्सव अल्मा फिएस्टा में फेस पेंटिंग में दूसरा स्थान हासिल किया।

### 3. महिला दिवस पर आयोजित पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में कलाकृती ने दूसरा स्थान हासिल किया।

## फोर्थ वाल : ड्रामाटिक्स सोसाइटी

- समाज ने नवागंतुक छात्रों को स्वतंत्रता दिवस (15/08/18) के अवसर पर एक नुक्कड़ नाटक से परिचय करवाया।
- फ्रेशर्स के लिए इंडक्शन 1 सितंबर, 2018 को आयोजित किया गया था। गांधी जी के 150 वीं जयंती के अवसर पर उनके जीवन पर आधारित एक स्टेज प्ले समाज के सदस्यों द्वारा किया गया था।
- ईबीएसबी कार्यक्रमों में समाज के कुछ सदस्यों ने भाग लिया।
- दिवाली के अवसर पर समाज द्वारा एक स्टेज प्ले का प्रदर्शन किया गया था।
- समाज ने 28 से 31 दिसंबर, 2018 तक तीसरी अंतर भा.प्रौ.सं. सांस्कृतिक बैठक में भाग लिया, जिसमें स्टेज प्ले और मोनो एक्ट प्रतियोगिताओं में 9 वां स्थान प्राप्त किया।
- समाज के सदस्यों ने अल्मा फिएस्टा द्वारा आयोजित प्रतियोगिताओं में भाग लिया और मोनो अधिनियम में तीसरा स्थान हासिल किया।
- स्थापना दिवस (12/02/19) के अवसर पर सोसायटी के मेम्बर्स द्वारा एक मंचीय नाटक का प्रदर्शन किया गया।
- कुछ प्रस्तुतियों से पहले ट्रेलरों को लॉन्च किया गया था।



### सिनेवेव: द सिनेमैटिक्स सोसायटी

- हमने फ्रेशर्स के लिए एडिटिंग सॉफ्टवेयर पर वर्कशॉप आयोजित की, जिसे जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली।
- सिनेमैटोग्राफी तकनीक पर नए शामिल किए गए सिनेव सदस्यों के लिए एक कार्यशाला भी की गई।
- सभी कार्यक्रमों का कवरेज अल्मा'19, ई-समिट '19, विस्सेनैर '19, खुला दिवस, एक भारत श्रेष्ठ भारत, स्वतंत्र दिवस, गणतंत्र दिवस इत्यादि जैसे संस्थानों के कार्यक्रमों के दौरान किया गया।
- हमने उनके कवरेज के लिए अन्य समाजों जैसे डी-गैंग, द फ्रॉर्ट वॉल और आरोह के लिए भी सहयोग किया और उन्हें सोशल मीडिया में पोस्ट करने के लिए संपादित वीडियो दिए।
- छात्रों जिमखाना द्वारा आवश्यक उपकरण दिए गए, जो निश्चित रूप से आगामी वर्षों में किए जाने वाले कार्यों की गुणवत्ता में सुधार करेगा।
- स्क्रिप्ट लेखन और टोस्ट और रोस्ट प्रतियोगिताओं का आयोजन और सांस्कृतिक सप्ताह के नाम पर सिनेव द्वारा आयोजित किया गया था।
- हमने अपने नए टीम के सदस्यों को संपादन, छायांकन जैसे सभी पहलुओं में मदद की ताकि काम की पूर्णता और गुणवत्ता बढ़ सके।
- सिनेवेव ने भारत भर में कई अन्य प्रतियोगिताओं में भाग लिया और महान उपलब्धियां हासिल की जिससे फिल्म निर्माण में संस्थान की प्रसिद्धि बढ़ी।
- हमने लघु फिल्मों का निर्माण किया है, 'THE DEVIL'S APPRENTICE, CALL @11 PM' आदि और दर्शकों से बहुत अच्छी प्रतिक्रिया मिली।



**उपलब्धियां:**

1. दूसरा स्थान - इंटर भा.प्रौ.सं.  
सांस्कृतिक बैठक 2018 में 51 घंटे में लघु  
फिल्म बनाने के प्रतियोगिता में।  
COLD WAR-लोगों की आंतरिक-आत्म  
और ठंड के बीच लड़ाई।



2. एफएमसी वीकेंड के टेक टू, भा.प्रौ.सं.  
वाराणसी में दूसरा स्थान प्राप्त किया।  
SCHIZO - एक मानसिक विकार  
चिज़ोफ्रेनिया पर फिल्म।



3. 6 स्थान - पटकथा लेखन प्रतियोगिता,  
इंटर भा.प्रौ.सं. सांस्कृतिक बैठक 2018।  
4. 10 वां स्थान - ऑनलाइन लघु फिल्म  
मेकिंग, इंटर भा.प्रौ.सं. सांस्कृतिक बैठक  
2018।

REVERIE- एक ऐसे व्यक्ति के पीछे की  
कहानी जो एक मशीन का आविष्कार  
करना चाहता है जो विचारों और  
भावनाओं को पढ़ता है



5. प्रथम स्थान -एडवर्टोरियल, ई-समिट  
भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर।  
HOG RIDER- सुरक्षा के लिए कंडोम के  
उपयोग पर बनाया गया विज्ञापन है।



6. प्रथम स्थान-लघु फिल्म मेकिंग प्रतियोगिता, डब्ल्यूजीसी भा.प्रौ.सं.भुवनेश्वर।  
VIRGO- तीन महिलाओं की प्रेरक कहानियाँ जिन्हें नीचे देखा गया था।



7. एएना फिल्म फेस्टिवल राष्ट्रीय शीर्ष 20 के लिए चयनित एक लघु फिल्म।

## साहित्यिक समाज

### पीएएनएसीईए

- इंग्लिश लिटरेरी सोसाइटी की शुरुआत समाज द्वारा पहली बार आयोजित की गई थी जिसमें दिलचस्प कार्यक्रम और प्रतियोगिताएं शामिल थीं। छात्रों ने सक्रिय रूप से भाग लिया और समाज की प्रकृति के बारे में सीखा।
- हमेशा की तरह इंडक्शन 3 चरणों, समूह चर्चा, लेख लेखन और व्यक्तिगत साक्षात्कार में आयोजित किए गए थे। 60 छात्रों में से, जिन्होंने इंडक्शन में भाग लिया, उनमें से 9 को शामिल किया गया।
- मॉडल संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन अल्मा फिएस्टा 19 के अवसर पर आयोजित किया गया था जिसमें भुवनेश्वर और उसके आसपास के विभिन्न संस्थानों के लगभग 120 छात्रों ने भाग लिया। सभी नए शामिल सदस्य भी प्रतिभागियों में से थे।
- सोसाइटी के मेम्बर्स ने एक भारत श्रेष्ठ भारत, एकता दिवस, और महात्मा गांधी की 150 वीं जयंती आदि सहित कई संस्थानों के कार्यक्रमों की मेजबानी की।
- संस्थान की अधिकांश घटनाओं और अन्य महत्वपूर्ण घटनाओं को सोसाइटी के मेम्बर्स द्वारा कवर किया गया था और उन्हें ओपन डे, दिवाली समारोह, और महात्मा गांधी की 150 वीं जयंती आदि सहित सूचित किया गया था।
- दीवाली के अवसर पर घर में साहित्यिक कार्यक्रम, संस्थान के विभिन्न मेम्बर्स के लिए शिक्षा दिवस और सांस्कृतिक सप्ताह का आयोजन किया गया।
- एक MUN की प्रक्रिया के नियमों पर एक कार्यशाला आयोजित की गई थी।
- इन-हाउस MUN भी आयोजित किया गया था जहाँ 20 से अधिक मेम्बर्स ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।
- संस्थान के बाहर विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लिया, जिसमें एम्स चैम्पा, भा. प्रौ. सं. बीबीएस इन्जेनियरिंग, एसएसयु मुन, वीएसएसयुटी मुन, एसओए मुन, भा. प्रौ. सं. बीबीएस मुन और एनआईएसटी मुन शामिल हैं। सोसाइटी के मेम्बर्स ने भाग लेने वाली सभी प्रतियोगिताओं में पुरस्कार जीते हैं।



**उपलब्धियां:****एसओए मुन:**

1. नवाज ने एक विशेष उल्लेख जीता।

**भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर मुन:**

1. ऋतिक राँय ने एक मौखिक उल्लेख जीता।

**भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर मुन:**

1. ध्रुव रे और ऋतिक राँय ने युएनसीएसडब्लू में एक उच्च प्रशंसा पुरस्कार जीता।
2. नवाज ने एसओएचयुएम में उच्च प्रशंसा पुरस्कार जीता।
3. अभिषेक मिश्रा ने डीआईएसईसी में एक विशेष उल्लेख जीता।

**इंटर भा.प्रौ.सं. कल्ट मीट :**

1. सौरभ, हर्ष मन्त्री, चिन्मय, चिराग, आदित्य पाल और पुलक ने शब्द खेलों में 6 वाँ स्थान प्राप्त किया।
2. वेदांत कुमार ने अंग्रेजी कविता स्लैम में 13 वां स्थान हासिल किया।
3. शोभित साहू, सौरभ, आदित्य पाल, पुलक, चिराग ने संसदीय बहस में 15 वां स्थान हासिल किया।
4. स्टैंड अप कॉमेडी में चिन्मय ने 20 वां स्थान हासिल किया।
5. हर्ष मन्त्री ने ऑनलाइन इंग्लिश क्रिएटिव लेखन में 11 वां स्थान जीता।

**भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर इन्जेनियम:**

1. वाद-विवाद प्रतियोगिता: ऋतिक राँय ने पहला और शोभित साहू ने तीसरा स्थान हासिल किया।
2. कविता स्लैम: वेदांत ने पहला स्थान हासिल किया।
3. इंटरट्रेड: ऋतिक राँय और उनकी टीम ने दूसरा स्थान हासिल किया।
4. अल्टीमेट लिटरेटी: ऋतिक राँय ने पहला स्थान हासिल किया।
5. एयरक्रेश: ऋतिक राँय ने तीसरा स्थान हासिल किया।

**एम्स चैज्मा:**

1. वेदांत कुमार ने इंग्लिश पोएट्री स्लैम में पहला स्थान हासिल किया।

**एसएसयु मुन:**

1. साई प्रसाद और आदित्य नायक ने संयुक्त राष्ट्र ईसीओएसओसी सर्वश्रेष्ठ प्रतिनिधि का पुरस्कार जीता।
2. शोभित साहू और अभिषेक मिश्रा ने युएन ईसीओएसओसी में हाई कमिंडेशन अवार्ड जीता।
3. यूएनएचआरसी में ऋतिक राँय और नवाज ने मेरिट ऑफ लीडरशिप अवार्ड जीता।
4. यूएनओडीसी में सिद्धार्थ और सौरभ ने मानद मेंशन जीता।

**वीएसएसयुटी मुन:**

1. अनीश रेड्डी ने आईआईओएम में उच्च शिक्षा प्राप्त की।
2. साई प्रसाद और सिद्धार्थ ने आईआईओएम में एक विशेष उल्लेख जीता।

**एनआईटीआर मुन:**

1. ऋतिक राँय ने युएनएचआरसी में एक उच्च प्रशस्ति प्राप्त की।
2. सिद्धार्थ ने युएनओडीसी में एक विशेष उल्लेख जीता।
3. अनीश रेड्डी ने युएनओडीसी में एक सम्मानजनक उल्लेख जीता।



### अभिव्यक्ति

- समाज परिचय 15 अगस्त को आयोजित किया गया था, जहां समाज के सदस्यों ने इसे पहले वर्षों में पेश किया और साथ ही साथ छोटे कार्यक्रम आयोजित किए गए।
- वार्षिक हिंदी पखवाड़ा का आयोजन सितंबर के महीने में 1 से 14 तारीख तक किया गया था। इस वर्ष को हमारे संस्थान के छात्रों के साथ-साथ बाहरी कॉलेजों के छात्रों की उत्साही भागीदारी और महान भागीदारी द्वारा चिह्नित किया गया था जिन्होंने बड़ी संख्या में भाग लिया था। प्रतियोगिताओं में 10 विभिन्न कॉलेजों के लगभग 120 छात्रों ने भाग लिया।
- स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर, संस्थान के सदस्यों के लिए एक ऑनलाइन लेखन प्रतियोगिता याद वतन की का आयोजन किया गया था।
- अल्मा उत्सव के दौरान, एक कविता स्लैम प्रतियोगिता आयोजित की गई थी। आयोजन में 30 से अधिक छात्रों ने भाग लिया।
- संस्थान द्वारा आयोजित एक भारत श्रेष्ठ भारत कार्यक्रमों में नियमित रूप से भाग लिया।
- सांस्कृतिक सप्ताह के अवसर पर दो प्रतियोगिताओं, एक हिंदी बहस और एक ऑनलाइन रचनात्मक लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गई।
- इंटर भा.प्रौ.सं. पंथ मीट में, कविता पाठ में 11 वीं और ऑनलाइन कहानी लेखन में 7 वीं और 12 वीं रैंक हासिल की।

- एम्स के विशमा सांस्कृतिक उत्सव में, हमारे सोसाइटी के मेम्बर्स ने भाग लिया और हिंदी श्रेणी में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
- पहली बार हमारे संस्थान में एक कविता सम्मेलन "काव्यांजलि" का आयोजन किया गया, इस अवसर पर 60 से अधिक कवियों की उपस्थिति के साथ यह एक बड़ी सफलता थी।

## क्रिज़ क्लब

### प्रश्नोत्तरी सत्र:

- क्रिज़ क्लब के सदस्यों के लिए क्रिज़ सत्र आयोजित किए गए, जिसमें एक सदस्य एक प्रश्न तैयार करेगा, बाकी सदस्यों के लिए एक क्रिज़ सेट और होस्ट करेगा। अंत में, स्कोर लंबा हो जाएगा और विजेता घोषित किया जाएगा।
- जूनियर्स के लिए सत्र के रूप में भी इंडक्शन आयोजित की गई थी।

### चालित क्रिज़:

क्लब ने एक भारत श्रेष्ठ भारत, विसेनियर, ई-शिखर सम्मेलन और गणतंत्र दिवस के लिए क्रिज़ आयोजित किए हैं।

- ई-शिखर सम्मेलन के लिए एक बिज़ क्रिज़ आयोजित किया गया था और विसेनियर के लिए एक विज्ञान-तकनीक + बिज़ क्रिज़ आयोजित किया गया था, जिसमें भुवनेश्वर के परिसरों की टीमों ने भाग लिया था।
- क्लब ने स्पोर्ट्स और जनरल क्रिज़ का आयोजन अमुसिया '19 के हिस्से के रूप में भी किया, भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर की सामाजिक-सांस्कृतिक परिषद द्वारा आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला, जिसमें छात्र समुदाय की सराहनीय भागीदारी देखी गई।



### प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताओं में भाग लेना:

क्रिज़ क्लब के सदस्यों ने भुवनेश्वर और उसके आसपास आयोजित क्रिज़ प्रतियोगिताओं में भाग लिया।

- सिलिकॉन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में अरबिंदो मेमोरियल जनरल क्रिज़ में प्रीतम शर्मा और सार्थक पटनायक ने तीसरा पुरस्कार जीता।

- प्रीतम शर्मा एसबीआई योनो क्रिज़ में सेमी-फाइनलिस्ट थे।
- अमल मैथ्यू जेम्स और प्रीतम शर्मा ने बिट्स हैदराबाद द्वारा भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर में आयोजित पहली क्रिज़ में तीसरा स्थान हासिल किया। सार्थक पटनायक ने 5 वां स्थान हासिल किया।
- सार्थक पटनायक भा.प्रौ.सं. क्रिज़ फ़ेस्ट में चौथे स्थान पर रहे। उन्होंने वर्ल्ड क्रिज़िंग चैम्पियनशिप में 1422 रैंक भी हासिल की।
- फिल्म स्क्रीनिंग सोसाइटी ऑफ़ भुवनेश्वर द्वारा आयोजित मूवी क्रिज़ में, प्रीतम शर्मा 4 वें स्थान पर और सार्थक पटनायक 7 वें स्थान पर रहे।

### भा.प्रौ.सं. कल्ट 2018 में भागीदारी:

- क्रिज़ क्लब ने भा.प्रौ.सं. रुड़की में आयोजित इंटर भा.प्रौ.सं. सांस्कृतिक मीट 2018 में भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर का प्रतिनिधित्व किया और सभी भा.प्रौ.सं. में 10 वें स्थान पर रहा। इसमें बिजनेस, मेला और जनरल क्रिज़ में 6 वें स्थान पर रहे।

### डी-गैंग: डांस सोसाइटी

- स्वतंत्रता दिवस / नृत्य समाज परिचय (15-08- 2018): विभिन्न प्रकार के गीतों के संग्रह के माध्यम से डांस सोसायटी ने भारतीय शास्त्रीय, हिप-हॉप, पॉपिंग, बॉलीवुड जैसे नृत्य की विभिन्न शैलियों का प्रदर्शन किया।
- डांस वर्कशॉप: डांस सोसाइटी ने छात्रों को उनके नृत्य कौशल को सीखने और खोजने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए एक कार्यशाला (25-08- 2018) आयोजित की।
- डांस इंडक्शन: 2 सितंबर 2018 को, डांस सोसायटी ने उन छात्रों के लिए ऑडिशन लिया, जो डांस सोसाइटी में शामिल होने के इच्छुक हैं।
- इस वर्ष 2018-19 में, डी-गैंग ने अंडर-ग्रेजुएट्स और पोस्ट-ग्रेजुएट्स दोनों से सक्रिय भागीदारी देखी है।
- इस साल हमारे पास इंटर भा.प्रौ.सं. अभ्यास के लिए एक कोरियोग्राफर था और जिमखाना की मदद से एक ट्रोल प्रकार का स्पीकर भी लाया गया था ताकि हमें कभी भी किसी भी स्थान पर अभ्यास करने की समस्या न हो।
- दिवाली प्रोडक्शंस: डांस सोसाइटी ने अपनी दिवाली प्रोडक्शंस (10-11-2018) दी और कई गीतों के साथ आश्चर्यजनक 20 मिनट का प्रदर्शन दिया जिसमें हिप-हॉप, टॉप-रॉक, पॉपिंग, शास्त्रीय और कई के सोलो, युगल और समूह नृत्य के भिन्न शैली शामिल थी।
- विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेना: डांस सोसाइटी ने अल्मा पर्व (12-01-2019), स्प्रिंग फेस्ट (भा.प्रौ.सं. खड़गपुर 2019 का सांस्कृतिक उत्सव) में समूह नृत्य प्रतियोगिता में, एम्स कॉलेज में समूह नृत्य प्रतियोगिता में, और भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर में चास फेस्ट में प्रदर्शन किया।
- इंटर भा.प्रौ.सं. सांस्कृतिक बैठक में भाग लेना: समूह नृत्य और दो-इट प्रतियोगिताओं में भा.प्रौ.सं. रुड़की 2018 में आयोजित डांस सोसाइटी में भाग लिया गया था।
- स्थापना दिवस: संस्थान के स्थापना दिवस की पूर्व संध्या पर, 'डी-गैंग' ने नृत्य की कई शैलियों और कई एकल प्रदर्शनों के साथ प्रदर्शन किया।
- स्प्रिंग प्रोडक्शंस (07/04/2019): डांस सोसाइटी के स्प्रिंग प्रोडक्शंस वास्तव में इस वर्ष के सर्वश्रेष्ठ थे और यह प्रदर्शन लगभग 45 मिनट के थे जिसमें विभिन्न शैलियों को शामिल किया गया था।

**डांस सोसायटी उपलब्धियां:**

1. आईभा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर के सांस्कृतिक उत्सव अद्वैत में समूह नृत्य प्रतियोगिता में 15 प्रतिभागी टीमों के बीच नृत्य समाज ने तीसरा स्थान हासिल किया।
2. नृत्य समाज ने एक समूह नृत्य कार्यक्रम में एम्स भुवनेश्वर के सांस्कृतिक उत्सव, करिश्मा में भी भाग लिया और तीसरा स्थान हासिल किया।
3. डांस सोसाइटी ने ग्रुप डांस में 5 वां और स्प्रिंग फेस्ट भा.प्रौ.सं. खड़गपुर में 22 प्रविष्टियों के बीच युगल नृत्य में 10 वां स्थान हासिल किया।

**आरोह: म्यूजिक सोसायटी**

- संगीत सोसायटी ने विभिन्न अवसरों जैसे स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस पर राष्ट्रीय गान, राष्ट्रीय गीत और अन्य देशभक्ति गीत प्रस्तुत किए हैं।
- 15.08.18 को म्यूजिक सोसाइटी परिचय एक शानदार पेंटिंग की तरह सुंदर था। यह एक मुखर और वाद्य मास्टर वर्ग था और सभी लोगों को "वन्स मोर!" चिल्लाते हुए छोड़ दिया।
- संगीत समिति ने (19-08-18) को अपने ऑडिशन आयोजित किए: इस वर्ष 2018-19 में, आरोह ने अंडर-ग्रेजुएट्स और पोस्ट-ग्रेजुएट्स दोनों से सक्रिय भागीदारी देखी है। 3 नए पीएच.डी. सदस्य, 2 एम. टेक सदस्य और 9 बी.टेक सदस्यों को शामिल किया गया था। उन सभी को विशुद्ध रूप से उनके कौशल, सीखने और कड़ी मेहनत के आधार पर शामिल किया गया है। सभी सदस्यों ने समाज के लिए सक्रिय रूप से काम किया है। 14 नए शामिल सदस्यों में से 4 को इंटर भा.प्रौ.सं. कल्चरल मीट 2018 में प्रदर्शन करने का मौका मिला।
- शिक्षक दिवस (05/09/2018): शिक्षकों के प्रति आभार जताने के लिए, आरोह, म्यूजिक सोसायटी ने शिक्षक दिवस के अवसर पर कुछ प्रस्तुतियाँ दीं।
- ऑटम म्यूजिक प्रोडक्शंस: 11 नवंबर 2018 को, आरोह ने अपनी ऑटम प्रोडक्शंस का संचालन किया।

- इंटर भा.प्रौ.सं. सांस्कृतिक बैठक 2018: यह दूसरा मौका था जब हमारे कॉलेज ने भा.प्रौ.सं. खड़गपुर में आयोजित इंटर भा.प्रौ.सं. सांस्कृतिक बैठक में भाग लिया।
- स्थापना दिवस: स्थापना दिवस सभी सदस्यों के लिए अपनी पूरी क्षमता दिखाने का सही मौका था, और उन्होंने अद्भुत प्रस्तुति के साथ मंच पर आग लगा दी।

• स्प्रिंग प्रोडक्शंस 2019 (06/04/2019): आरोह के सदस्यों द्वारा सुंदर प्रदर्शन प्रस्तुत किए गए। 6 अप्रैल को, भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर की म्यूजिक सोसायटी ने अपने स्प्रिंग प्रोडक्शंस का संचालन किया। अंतिम वर्ष के छात्रों के लिए जयकार करने के लिए लोगों की भारी भीड़ थी और यह कहना एक समझदारी होगी कि यह आयोजन सफल रहा।

#### संगीत समाज की उपलब्धियां:

1. संगीत समाज ने भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर के सांस्कृतिक उत्सव अद्वैत में एकाॅस्टिक बैंड प्रतियोगिता में 16 प्रतिभागी बैंडों में दूसरा स्थान हासिल किया।
2. संगीत समाज ने बैंड प्रतियोगिता में एम्स भुवनेश्वर के सांस्कृतिक उत्सव, करिश्मा में भी भाग लिया और 5 वां स्थान हासिल किया।
3. एकल गायन में 6 वें और 9 वें स्थान पर और इंटर भा.प्रौ.सं. सांस्कृतिक बैठक में स्टेज पर जोड़ी में 8 वें स्थान पर रहीं।





## क्लक्स, फोटोग्राफी सोसाइटी



## घटनाक्रम की रिपोर्ट

### निरंतर घटनाएँ:

1) फोटोग्राफिक कौशल का विकास:  
पूरे वर्ष फ्रेशर के फोटोग्राफिक कौशल को बेहतर बनाने का लक्ष्य था। वरिष्ठ सदस्यों की मदद से नए सिरे से निरंतर अभ्यास किया गया था।



## 2) घटना कवरेज:

पूरे वर्ष में, विभिन्न कार्यक्रमों को क्लिक्स समाज के सदस्यों द्वारा कवर किया गया था, जैसे कि ईबीएसबी, सेमिनार, सांस्कृतिक प्रदर्शन आदि।



## 3) इंटर भा. प्रौ. सं की तैयारी:

इंटर भा.प्रौ.सं. की तैयारी पूरे वर्ष भर की गई।



4) ऑनलाइन फोटोग्राफी प्रतियोगिताओं में भाग लेना: विभिन्न कॉलेजों जैसे भा.प्रौ.सं., एनआईटी, बीआईटीएस, आदि से विभिन्न फोटोग्राफी प्रतियोगिताओं में भाग लिया गया।

## 5) एक सक्रिय बंद फेसबुक समूह:

फेसबुक पर क्लिक्स का क्लोज ग्रुप बहुत सक्रिय था और फ्रेशर्स और सीनियर्स और पोस्ट-ग्रेजुएट दोनों लोगों द्वारा ग्रुप पर बहुत सारी तस्वीरें पोस्ट की गई थीं।



## दिनांक विशिष्ट घटनाएँ:

1) फोटोग्राफी प्रतियोगिता: 19 अगस्त को विश्व फोटोग्राफी दिवस पर एक ऑनलाइन फोटोग्राफी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था।

विजेताओं में अडाणकी सरतेज और वरुण चिल्ला थे।



2) इंडक्शन- चित्र हंट: समाज में फ्रेशर्स को शामिल करने के लिए एक ऑनलाइन फोटोग्राफी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था।



3) बेसिक फोटोग्राफी कार्यशाला: 15/09/2019 को समाज के नए शामिल सदस्यों के लिए एक बुनियादी फोटोग्राफी कार्यशाला का आयोजन किया गया था।

फोटोग्राफी की मूल बातें फ्रेशर्स के लिए पेश की गई थीं

4) पखवाड़े का थीम: पखवाड़े प्रतियोगिता का थीम (सितंबर-दिसंबर) आयोजित किया गया था जिसमें फ्रेशर्स को उस विशेष पखवाड़े की थीम के अनुसार एक तस्वीर जमा करनी होती है। परिणाम प्रत्येक पखवाड़े के बाद घोषित किए गए।

5) फोटोकॉक-बरूनी हिल्स: फोटोग्राफी में फ्रेशर्स को अलग-अलग थीम सिखाने के लिए 27/10/2019 को बरौनी हिल्स में एक फोटोवॉक किया गया।

6) शीतकालीन फोटोग्राफी असाइनमेंट: फ्रेशर्स को विंटर फोटोग्राफी असाइनमेंट दिया गया जिसमें 5 थीम शामिल थे। उन्हें प्रत्येक विषय से संबंधित चित्र प्रस्तुत करने थे।



7) आवरण कवरेज: जनवरी-फरवरी के महीने के दौरान सभी 3 फेस्ट (अल्मा फिएस्टा, विस्त्रेयर, ई- समिट) को क्लिक्स द्वारा कवर किया गया था।



8) प्रकाश कक्ष कार्यशाला: फ्रेशर्स एडवांस्ड फोटो एडिटिंग सिखाने के लिए 10/03/2019 को लाइट रूम पर फोटो एडिटिंग पर एक कार्यशाला आयोजित की गई थी।

9) पिक्सैथन: नवाचार चुनौती के दौरान एक ऑनलाइन फोटोग्राफी प्रतियोगिता आयोजित की गई थी। विषय था कॉलेज लाइफ।



#### उपलब्धियां:

- 1) स्प्रिंगफेस्ट भा.प्रौ.सं. खड़गपुर 2018- दूसरा स्थान-रामित आशुतोष मैकचन
- 2) इंटर भा.प्रौ.सं. कल्ट मीट 2017- तीसरी स्थिति-क्लिक्स
- 3) मेराज भा.प्रौ.सं. भिलाई 2018-2 स्थान -निखिल येरा
- 4) फोटोमेला 2019 भा.प्रौ.सं. आईएसएम धनबाद- फोटो चित्रित- निखिल येरा, अनिरुद्ध मानिकोंडा
- 5) ओएसिस 2019 बिट्स गोवा- 2 राउंड-आयुष मणि चौधरी
- 6) पिक्सैथन भा.प्रौ.सं.भुवनेश्वर 2019- प्रथम स्थान राहुल राजीव, द्वितीय स्थान शिवम कुमार, तृतीय स्थान गुंतुपल्ली कार्तिका
- 7) एनआईटी सुरतकल एक्सपोज 2019- दूसरा स्थान- निखिल येरा

## तकनीकी परिषद



[पूर्ण चंद्रमा, जैसा कि 28.08.2018 को सेलेस्ट्रॉन टेलीस्कोप (नक्षत्र के स्वामित्व में) के माध्यम से देखा गया है]

### नक्षत्र - एस्ट्रोनॉमी सोसाइटी

- अक्टूबर 2018 में एक मासिक समाचार पत्र लॉन्च किया गया था, और तब से, प्रत्येक छात्र को ऑनलाइन संस्करण उपलब्ध कराया जाता है।
  - नक्षत्र ने नेशनल स्टूडेंट्स स्पेस चैलेंज, भा.प्रौ.सं. खड़गपुर, 2018 में केस स्टडी इवेंट में भाग लिया और कुल 13 टीमों में से 4 वां स्थान हासिल किया।
- राष्ट्रीय छात्रों के अंतरिक्ष चैलेंज में क्विज़ 2.0 प्रतियोगिता के ऑनलाइन पहले दौर में भारत की 6 टीमों में से एक के रूप में अर्हता प्राप्त की और इस तरह भा.प्रौ.सं. खड़गपुर में हुई प्रश्नोत्तरी चुनौती के दूसरे दौर में भाग लिया।

### केस स्टडी इनोवेशन चैलेंज, दिनांक: 17.03.2019

- पूर्णिमा के दिन चंद्रमा का अवलोकन किया गया और टेलीस्कोप का उपयोग करके चंद्रमा की तस्वीरें ली गईं।
- नक्षत्र ने नवाचार चैलेंज'19 के एक भाग के रूप में दो प्रतियोगिताओं (केस स्टडी और स्टार क्लस्टर विश्लेषण) का आयोजन किया।
- फेसबुक जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर नियमित पोस्ट ने छात्रों को नवीनतम खगोलीय समाचार और विभिन्न तथ्यों से अवगत कराया।
- प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए व्यावहारिक और साथ ही खगोल विज्ञान के सैद्धांतिक पहलुओं को कवर करने के लिए दो कार्यशालाओं का आयोजन किया गया था।
- विभिन्न विषयों पर चर्चा के लिए नियमित बैठकें (समाज के सदस्यों के बीच) जैसे कि एस्टेरिज्म, कॉस्मिक माइक्रोवेव बैकग्राउंड रेडिएशन, फ्रीडमैन समीकरण आदि आयोजित किए गए।
- ब्रह्मांड विज्ञान के क्षेत्र में ज्ञान बढ़ाने के लिए समाज के भीतर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया।

### न्यूरोमांसर्स:

यह उपलब्धियों और प्रशंसा के मामले में प्रोग्रामिंग समाज के लिए एक बहुत ही सफल वर्ष था। समाज द्वारा की गई विभिन्न गतिविधियाँ थीं:

- समर ब्रेक के दौरान नेक्रोमैंकर्स समर ऑफ कोड का आयोजन किया गया था। छात्रों को सीखने के लिए प्रोत्साहित किया गया और उन्हें निर्देशित भी किया गया। इसके बाद एक प्रतियोगिता जहाँ वे अपने साथियों के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करने के लिए एक दूसरे के खिलाफ पिच किए गए थे।



- नए शैक्षणिक वर्ष की शुरुआत के साथ, संस्थान ऐप लॉन्च किया गया जो छात्र समुदाय द्वारा अच्छी तरह से प्राप्त किया गया था।
- न्यूरोमांसर्स ने कन्फेशन का पेज भी बनाया जो एंफ्रजीटी के दौरान इस्तेमाल किया गया था।
- न्यूरोमांसर्स ने कोडिंग ब्लॉग के साथ मिल कर पूरे छात्र समुदाय के लिए दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया।
- इस वर्ष ACM-ICPC क्षेत्र में न्यूरोमांसर्स की तीन टीमों ने भाग लिया। उन्होंने अच्छा प्रदर्शन किया और क्रमशः 53,56 और 101 का स्थान हासिल किया। यह परिणाम अब तक का सबसे अच्छा परिणाम था।
- न्यूरोमांसर्स टीम ने अंतर भा.प्रौ.सं. टेक प्रतियोगिता के कोडिंग हक्कथों में चौथा स्थान हासिल किया।
- न्यूरोमांसर्स में इस वर्ष दो सफल जीएसओसी आवेदक भी थे।
- इनके अलावा, अद्वैत में न्यूरोमांसर्स के सदस्यों का प्रदर्शन भी असाधारण था। हमें स्विच कोडिंग में पहला और दूसरा पुरस्कार मिला; प्रथम और द्वितीय पुरस्कार स्विग और कोड में और दूसरा प्रिन्सिपियम में।
- हमने वर्ष भर में विभिन्न कार्यक्रम करवाए थे। हमारे पास प्रथम वर्ष के छात्रों को पढ़ाने के लिए विभिन्न कार्यशालाएँ थीं।
- हमने पूरे छात्र समुदाय के लिए पूरे वर्ष कई प्रतियोगिताओं का आयोजन किया।



विभिन्न कार्यशालाओं की झलक

## रोबोटिक्स और इंटेलिजेंट सिस्टम क्लब:

इस वर्ष सभी नियोजित गतिविधियाँ समाज द्वारा आयोजित की गईं और बहुत ही उत्पादक थीं और उपलब्धियों के मामले में सफल रहीं।

- इस वर्ष का पहला समाज आयोजन इमेज प्रोसेसिंग पर अजगर के साथ आयोजित एक कार्यशाला थी। समाज के सदस्य अजगर कोडिंग और रास्पबेरी पाई से परिचित हुए। छात्रों को ओपन सीवी, एक ओपन सोर्स लाइब्रेरी का उपयोग करके इमेज प्रोसेसिंग तकनीकों से परिचित कराया गया।
- अगस्त के महीने में पहले वर्षों के लिए समाज परिचय हुआ। समाज में चल रहे कठिन रोबोटिक गतिविधियों में फ्रेशर्स को एक अंतर्दृष्टि देने के लिए कुछ मिनी प्रोजेक्ट्स का परिचय दिया गया।





- अरुदुइनो पर पहली कार्यशाला पहले वर्षों के लिए सितंबर में आयोजित की गई थी। उन्हें विभिन्न अनुप्रयोगों के लिए सेंसर का उपयोग करना भी सिखाया गया था जो उन्हें बुनियादी रोबोटिक्स का ज्ञान देता है।
- सभी शाखाओं के छात्रों के लिए सेमेस्टर चुनौती का आयोजन किया गया। समस्या का बयान प्रतिभागी की पसंद के किसी भी सेंसर से डिज़ाइन किए गए बॉट का उपयोग करके भूलभुलैया को हल करना था। प्रतिभागियों को ज्यादातर प्रथम वर्ष के उत्साही थे जो पीएस को हल करने के लिए अलग-अलग दृष्टिकोण के साथ आए थे। उन्होंने सिस्टम को अनुकूलित करने के लिए अल्ट्रासोनिक सेंसर और आईआर सेंसर और दोनों के संयोजन जैसे विभिन्न सेंसर का उपयोग किया।



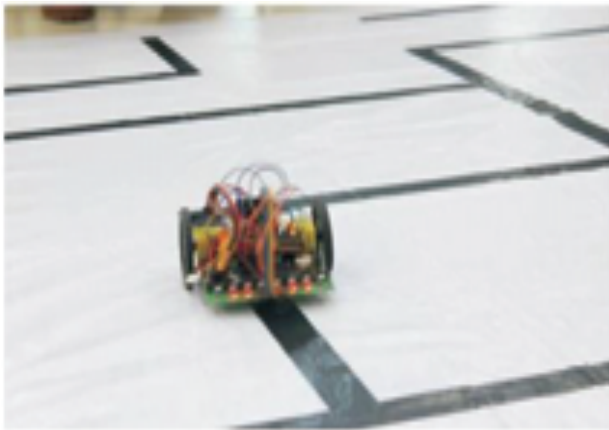
- 2018 बैच के लिए इंडक्शन जनवरी में दो चरणों में किए गए, लिखित और व्यक्तिगत साक्षात्कार। उनसे तकनीकी ज्ञान और आलोचनात्मक सोच पर सवाल किया गया। उन्होंने पहले चरण में 2 दिनों में लिखित परीक्षा दी और प्रश्नपत्रों का मूल्यांकन किया गया और शॉर्टलिस्ट किए गए उम्मीदवारों को दूसरे दिन साक्षात्कार के लिए बुलाया गया, उन्हें हमारी टीम द्वारा व्यक्तिगत रूप से साक्षात्कार दिया गया और कुछ बाधाओं के आधार पर मूल्यांकन किया गया और शामिल छात्रों को सोशल मीडिया पर घोषित किया गया।

- समाज के सदस्यों ने भा.प्रौ.सं. बॉम्बे में होने वाले बीटीआई और एआर ग्लास जैसे दो इंटर भा.प्रौ.सं. टेक मीट इवेंट्स में मेरिट स्थान हासिल किया। एक अन्य विचार प्रस्तुति ने भी अपने कार्यक्रम में अच्छा प्रदर्शन किया।



● यानिथायर के सहयोग से यानथ्रिक्स का आयोजन किया गया। पूरे भारत के प्रतिभागियों के साथ पाँच कार्यक्रम आयोजित किए गए। विभिन्न आयोजनों में 40 से अधिक टीमों ने भाग लिया।

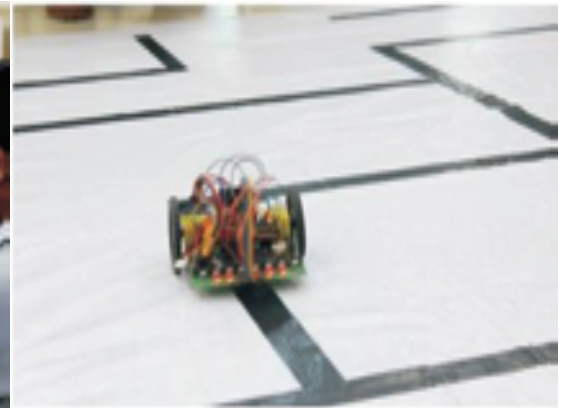
- किक ऑफ करें
- ट्रेकोन
- रोबो युद्ध
- भूलभुलैया सॉल्वर
- बॉक्स मेज़



वार्षिक दिवस का आयोजन ओपन डे पर किया गया था, जिसमें समाज के सदस्यों द्वारा स्कूली बच्चों और संस्थान के सभी छात्रों को लिए गए विभिन्न प्रोजेक्ट्स का प्रदर्शन किया गया था। सोसाइटी के मेम्बर्स विभिन्न

परियोजनाओं या उत्पादों पर काम कर रहे थे जिन्हें वे इस वर्ष विकसित करना चाहते थे। निम्नलिखित परियोजनाओं का प्रदर्शन किया गया:

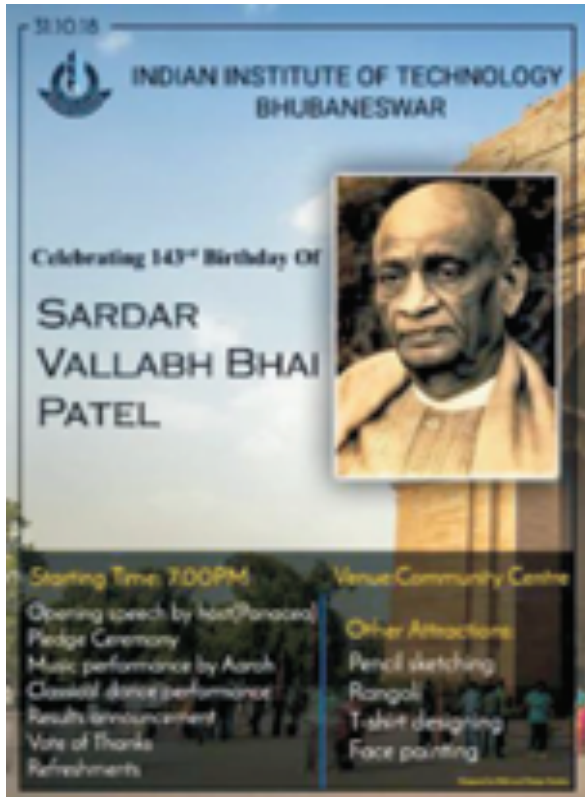
- संगीत एलईडी
- एआर चश्मा
- गैर इनवेसिव ग्लूकोज परीक्षण
- पीजो इलेक्ट्रिक जेनरेशन



- सितंबर माह में भा.प्रौ.सं. खड़गपुर में आयोजित एनएसएससी में भाग लिया।
- भा.प्रौ.सं.बॉम्बे द्वारा आयोजित ई-यन्त्र के लिए सोसाइटी की तीन टीमों को योग्य बनाया गया था।
- इंटर भा.प्रौ.सं. टेक मीट में भाग लिया और बीआईटीसी इनोवेशन चैलेंज में दूसरा स्थान हासिल किया।
- सी.वी. रमन कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग में महिला छात्रों की 2019 की नेशनल वेल्डिंग लीग में भाग लिया और एक छात्र ऑब्जेक्ट क्विज़ इवेंट में 2 वें स्थान पर रहा।

**वेब और डिज़ाइन सोसायटी:**

- **पोस्टर:** हमारे परिसर में विभिन्न घटनाओं के लिए पोस्टर और बैनर की डिजाइनिंग। मुख्यतः एक भारत श्रेष्ठ भारत, एक दिवसीय दिवस, स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस आदि।





- एकता दिवस: हमने एकता रन कार्यक्रम के लिए टी-शर्ट और निमंत्रण डिजाइन किए हैं।



- दीक्षांत समारोह: हमने दीक्षांत समारोह के लिए वेबसाइट तैयार की है।
- कार्यशालाएं: वेब और ग्राफिक डिजाइनिंग दोनों में छात्रों का सर्वांगीण विकास कार्यशालाओं के माध्यम से संभव है।
- इंटर भा. प्रौ. सं. कल्ट मीट: वेब और डिजाइन ने ऑनलाइन फोटोशॉप, ऑनलाइन ग्राफिक डिजाइन और डिजाइन मैराथन में क्रमशः 6, 9 और 9 वां स्थान प्राप्त किया है।
- जिमखाना वेबसाइट: वेब और डिजाइन समाज ने जिमखाना वेबसाइट को सफलतापूर्वक अपग्रेड किया है जिसमें व्यक्तिगत समाज पेज और पूर्ण अनुकूलन शामिल हैं।
- हार्ड डि हमारे द्वारा किए गए कार्यों को संग्रहीत करने के लिए और डेटा की कमी के कारण समाज के सदस्यों के बीच फ़ाइलों का आसान साझाकरण।



## 7 वीं इंटर भा.प्रौ.सं.टेक मीट रिपोर्ट

### उपलब्धियां:

- ओवरऑल रैंक: 12 वीं
- बीटीआईसी मेडिकल इनोवेशन चैलेंज में सिल्वर मेडल
- द आई इन द स्काई में कांस्य पदक
- कुल अंक: 525

### व्यक्तिगत घटना प्रदर्शन:

- कोडिंग हैकथॉन: कोडिंग हैकथॉन (जिओ) की आयोजन टीम द्वारा दी गई 4 वीं स्थिति, टेक मीट (15 अंक) की आयोजन टीम द्वारा दी गई 11 वीं स्थिति।
- केस स्टडी: 18 वां स्थान (योग्य नहीं, 0 अंक)
- स्टार क्लस्टर पहचानकर्ता: 20 वां स्थान (योग्य नहीं, 0 अंक)
- आकाश में आंख: 4 स्थान (कांस्य पदक, 100 अंक)
- कैंपस स्थिरता चुनौती: 9 वां स्थान (40 अंक)
- टीसीटीडी चुनौती: 10 वां स्थान (40 अंक)
- बीटीआईसी मेडिकल इनोवेशन चैलेंज: हमारे चुने हुए समस्या स्टेटमेंट में दूसरा स्थान, कुल मिलाकर 8 वां स्थान (सिल्वर मेडल, 240 अंक)
- इंजीनियर्स कॉन्क्लेव: इसकी एक गैर-प्रतिस्पर्धी घटना जहां प्रत्येक परियोजना को 30 अंकों से सम्मानित किया जाता है, इसलिए हमने इस घटना में 90 अंक हासिल किए।







### टेक मीट में अवलोकन:

अधिकांश भा.प्रौ.सं. ने उन कार्यक्रमों में भाग लिया, जो अपने अंक को अधिकतम करने के लिए अधिकतम टीमों के साथ इंजीनियर्स कॉन्क्लेव और छात्र शैक्षणिक सम्मेलन जैसे बिंदु देना सुनिश्चित करते हैं।

- एक समस्या कथन को हमारे कॉलेज में उपलब्ध संसाधनों के साथ स्मार्ट तरीके से निपटने की आवश्यकता है, ताकि अधिक से अधिक अंक प्राप्त करने के लिए सबसे अच्छा उत्पादन प्राप्त हो सके, अन्यथा हम केवल योग्य हैं जो केवल 10 प्रतिशत इवेंट पॉइंट देता है।
- मीट में जज अपने संबंधित कार्यक्रमों के क्षेत्र में पेशेवर हैं और सही तरीके से न्याय करने में सक्षम थे।
- पुराने भा.प्रौ.सं. में छात्र तकनीकी कार्यक्रमों में रुचि लेते हैं और उनकी रुचि न केवल संस्थान द्वारा समर्थित है, बल्कि विभिन्न प्रायोजकों द्वारा भी है, जो कंपनियां, पूर्व छात्र, आदि हैं।

छात्रों की जीमखाना की तकनीकी परिषद के सुझाव:

- टीमों के काम करने के लिए कार्यक्षेत्र में उचित वाईफाई सेवा की आवश्यकता होती है।
- रास्पबेरी पाई परियोजनाओं पर समानांतर रूप से काम करने के लिए स्क्रीन की संख्या बढ़ाई जा सकती है।
- तकनीकी समाजों के सुचारू संचालन के लिए कुर्सियों और अलमीरा की आवश्यकता होती है।
- समस्या बयानों पर ध्यान देना महत्वपूर्ण है जिसमें हमारे छात्र विशेषज्ञ हैं, सचिव और महासचिव को इसकी पहचान करने में सक्षम होना चाहिए।
- सचिवों को इंटर भा .प्रौ .सं .टेक मीट के चयन में सक्रिय रूप से शामिल होना चाहिए और आवश्यक अनुमोदन प्राप्त करने के लिए भी।

#### टेक बोर्ड की बैठक में चर्चा की गई बातें:

- भा .प्रौ .सं .रुड़की ने दिसंबर 2019 के महीने में 8 वीं इंटर भा .प्रौ .सं .टेक मीट आयोजित करने का प्रस्ताव रखा।
- अगस्त 2019 के आसपास आयोजित होने वाली अगली बोर्ड की बैठक में स्कोरिंग संरचना के बारे में आवश्यक संशोधन संविधान में किए जाएंगे।
- संविधान में बिंदुओं को बताने के लिए आयोजन टीम द्वारा उचित देखभाल की आवश्यकता है और न्यायाधीशों को नियम पुस्तिका और न्यायाधीश अपनी सुविधा के अनुसार चीजों को बदल सकते हैं और इससे मुद्दे बढ़ सकते हैं।

#### परिशिष्ट (कार्यक्रम और हमारी टीम के बारे में कुछ विवरण):

- कोडिंग हैकाथॉन: जिओ द्वारा आयोजित 22 घंटे का हैकाथॉन।
- केस स्टडी: एक ऑन-स्पॉट घटना जहां अपशिष्ट प्रबंधन पर एक समस्या बयान दी जाती है।
- स्टार क्लस्टर आइडेंटिफायर: एस्ट्रो-भौतिकी और मशीन लर्निंग के आधार पर एक घटना।
- आकाश में आंख: एक घटना जहां उपग्रह चित्रों को वर्गीकृत करने की आवश्यकता होती है और विभिन्न क्षेत्रों को उजागर करने की आवश्यकता होती है।
- कैंपस सस्टेनेबिलिटी चैलेंज: हमारे छात्रों ने बैटरी को चार्ज करने और फिर स्ट्रीट लाइट को बिजली देने के लिए पीजोइलेक्ट्रिक सेंसरों का उपयोग कर साइकिल के टायरों में दबाव का उपयोग कर बिजली उत्पादन की समस्या को उठाया है।
- टीसीटीडी चुनौती: एक ड्रम स्टिक हार्वेस्टर को मीट में दिखाने के लिए एक टीम द्वारा विकसित किया गया है।
- बीटीआईसी मेडिकल इनोवेशन चैलेंज: टीम द्वारा मनुष्यों के रक्त शर्करा के स्तर की जांच करने के लिए एक गैर-इनवेसिव ग्लूकोज डिवाइस विकसित किया गया है।
- इंजीनियर का सम्मेलन: इस कार्यक्रम में विभिन्न भा .प्रौ .सं . से प्राप्त परियोजनाओं को प्रदर्शित किया जाना है और हमारे कॉलेज ने 3 परियोजनाओं को प्रदर्शित किया है।

## खेल परिषद

### अंतर-वर्ष टूर्नामेंट

#### 16 अगस्त- 8 सितम्बर 2018

खेलों में फ्रेशर्स की सक्रिय भागीदारी लाने के लिए सेमेस्टर में इंटर वर्ष टूर्नामेंट का आयोजन किया गया। वॉलीबॉल, फुटबॉल और क्रिकेट जैसे खेल आयोजित किए गए थे। चौथे वर्ष वाले फुटबॉल और वॉलीबॉल में विजेता बने जबकि तीसरे वर्ष वाले क्रिकेट टूर्नामेंट जीतने के साथ समाप्त हुए। इस टूर्नामेंट ने खेल के प्रति उत्साही लोगों को इंटर भा.प्रौ.सं. टीम के प्रशिक्षण में भाग लेने और खुद को बेहतर बनाने के लिए बहुत बढ़ावा दिया।

### अंतर भा.प्रौ.सं. स्पोर्ट्स बोर्ड की बैठक

#### 16 अगस्त - 18 अगस्त, 2018

भा.प्रौ.सं. गुवाहाटी में इंटर भा.प्रौ.सं. स्पोर्ट्स बोर्ड की बैठक टूर्नामेंट के संचालन के लिए नियमों और विनियमों के बारे में चर्चा करने और प्रत्येक खेल के लिए ड्रॉ लेने के लिए आयोजित की गई थी जो आयोजित किए जा रहे थे। बैठक में अध्यक्ष छात्र जीमखाना, ओएसडी स्पोर्ट्स और छात्र सचिव खेल शामिल थे। बैठक में हमने अगली इंटर भा.प्रौ.सं. खेल की सह-मेजबानी के लिए एक तर्क रखा, क्योंकि 3 पीढ़ियों से भा.प्रौ.सं. को अपनी पूरी टुकड़ी लाने की अनुमति नहीं है। बैठक के बाद ग्राउंड का निरीक्षण किया गया।

### इंटर भा.प्रौ.सं. स्पोर्ट्स मीट ट्रेनिंग

हमने भा.प्रौ.सं. गुवाहाटी में आयोजित इंटर भा.प्रौ.सं. स्पोर्ट्स मीट 2018 में निम्नलिखित खेलों में भाग लिया

- ❖ एथलेटिक्स
- ❖ बैडमिंटन लड़के
- ❖ बास्केटबॉल के लड़के
- ❖ बास्केटबॉल गर्ल्स
- ❖ शतरंज
- ❖ क्रिकेट
- ❖ फुटबॉल
- ❖ टेबल टेनिस लड़के
- ❖ टेबल टेनिस लड़कियाँ
- ❖ वॉलीबॉल

इस इंटर भा.प्रौ.सं. खेल में हमने लॉन टेनिस और बैडमिंटन गर्ल्स इवेंट में हिस्सा नहीं लिया जो हमने पहले इंटर भा.प्रौ.सं. टूर्नामेंट में हिस्सा लिया था। लॉन टेनिस अभ्यास के लिए उचित कोर्ट की अनुपलब्धता और बैडमिंटन बालिका वर्ग के लिए पर्याप्त खिलाड़ी नहीं होने के कारण ये निर्णय परिषद द्वारा लिए गए थे। लेकिन हम इन आयोजनों में भी भाग लेना चाहते हैं, उम्मीद है कि अगले इंटर भा.प्रौ.सं. खेल में प्रयास खिलाड़ी मिलेंगे।

बाकी टीमों के लिए प्रशिक्षण काफी उत्पादक रूप से हुआ, भले ही अधिकांश अभ्यास सत्र बारिश के कारण समाप्त हो गए लेकिन छात्रों ने जिन सुविधाओं का उपयोग किया और उन समयों का प्रभावी उपयोग किया। शरद सेमेस्टर में क्रिकेट और वॉलीबॉल टीमों के लिए नए कोच नियुक्त किए गए थे।

#### ▪ इंटर भा.प्रौ.सं. कैंप

इंटर भा.प्रौ.सं. शिविर 4 दिसंबर से शुरू हुआ था। खिलाड़ियों को फिट और अच्छे स्वास्थ्य में रहने के लिए इंटर भा.प्रौ.सं. दल के लिए विशेष मेस मेनू की व्यवस्था की गई है। एनआईएसईआर और खोसला छात्रावास के खिलाड़ियों को महानदी छात्रावास में स्थानांतरित कर दिया गया था ताकि अभ्यास सत्र प्रभावी हो सके। कैंपस के बाहर प्रैक्टिस कर रही टीमों को बस सुविधा मुहैया कराई गई है।

रोजाना दो अभ्यास सत्र हुए

सुबह का सत्र- सुबह 6 से 9 बजे तक

शाम का सत्र- शाम 5.30 बजे से रात 8.30 बजे तक

मार्च पास्ट का अभ्यास भी प्रतिदिन 9 से 10 बजे तक किया जाता था।

इंटर भा.प्रौ.सं. स्पोर्ट्स मीट कैंप में कुल 82 छात्रों ने हिस्सा लिया।

#### खेलकूद वार :-

- ❖ एथलेटिक्स - 8
- ❖ बैडमिंटन लड़के - 5
- ❖ बास्केटबॉल लड़के - 11
- ❖ बास्केटबॉल लड़कियों - 9
- ❖ क्रिकेट - 16
- ❖ फुटबॉल - 16
- ❖ टीटी लड़के - 4
- ❖ टीटी लड़कियों - 3
- ❖ वॉलीबॉल - 10

#### इंटर भा.प्रौ.सं. शतरंज मीट 2018

शतरंज को इस शैक्षणिक वर्ष में मुख्य खेलों में शामिल नहीं किया गया था, लेकिन यह आगामी इंटर भा.प्रौ.सं. स्पोर्ट्स मीट के लिए एक डेमो इवेंट के रूप में आयोजित किया गया था। इस मुलाकात में हमारी शतरंज टीम ने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है और 16 अन्य प्रतिभागी भा.प्रौ.सं. में से 5 वां स्थान हासिल किया है।

#### ▪ इंटर भा.प्रौ.सं. स्पोर्ट्स मीट 2018

भा.प्रौ.सं. गुवाहाटी में इंटर भा.प्रौ.सं. स्पोर्ट्स मीट 2018 का आयोजन 13 से 21 दिसंबर तक किया गया था। हमारी टीम के खिलाड़ियों ने इस साल क्रिकेट, फुटबॉल और बास्केटबॉल लड़कियों में अच्छा प्रदर्शन किया और साबित किया कि हमारे पास आने वाले वर्षों में अधिक हासिल करने की क्षमता है। बैडमिंटन और वॉलीबॉल

टीमों को कई क्षेत्रों में सुधार करना होगा, हालांकि उन्होंने एक अच्छी लड़ाई दी, यह काफी अच्छा नहीं था और हम बेहतर कर सकते हैं। यहां 53 वें इंटर भा.प्रौ.सं. स्पोर्ट्स मीट में अपनी टीम के प्रदर्शन के बारे में कप्तानों का क्या कहना था :

### बैडमिंटन

भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर टीम	विरोधी	स्कोर
पुरुषों	भा.प्रौ.सं. गुवाहाटी	21-6, 21-15
		21-6, 21-7
		16-21, 21-17, 21-16
पुरुषों	भा.प्रौ.सं. धनबाद	21-11, 17-21, 21-7
		21-9, 21-10
		21-15, 21-6

### बास्केटबॉल लड़कियों

#### • पूल मैच

भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर टीम	विरोधी	स्कोर
लड़कियों	भा.प्रौ.सं. हेदराबाद	43-13
	भा.प्रौ.सं. मंडी	15-10
	भा.प्रौ.सं. कानपूर	16- 33

भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर ने 3 में से 2 पूल मैच जीते और क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया।

#### • क्वार्टर फाइनल

भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर टीम	विरोधी	स्कोर
लड़कियों	भा.प्रौ.सं. दिल्ली	6-59

## क्रिकेट

## • पूल मैच

भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर टीम	विरोधी	स्कोर
पुरुषों	भा.प्रौ.सं. गोवा	भा.प्रौ.सं. गोवा 110/10 (19) भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर 110/9 (20)
	भा.प्रौ.सं. पटना	भा.प्रौ.सं. पटना 105/8 (20) भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर 107/4 (14.3)

## • पूर्व-क्वार्टर फाइनल

भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर टीम	विरोधी	स्कोर
पुरुषों	भा.प्रौ.सं. दिल्ली	भा.प्रौ.सं. दिल्ली 143/9 (20) भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर 90/10 (17.3)

## फुटबॉल

## • लीग मैच

भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर टीम	विरोधी	स्कोर
पुरुषों	भा.प्रौ.सं. धारवाड	2-1
	भा.प्रौ.सं. दिल्ली	0-1

## • पूर्व-क्वार्टर

भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर टीम और खिलाडी	विरोधी	स्कोर
पुरुषों	भा.प्रौ.सं. खड़गपुर	1-1

## टेबल टेनिस

भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर टीम और खिलाडी	विरोधी	स्कोर
पुरुषों	प्लेयर 1	भा.प्रौ.सं. दिल्ली
	प्लेयर 2	11/6, 11/5, 11/8 (0-3)
	प्लेयर 3	11/6, 11/9, 11/6 (0-3)
पुरुषों	प्लेयर 1	भा.प्रौ.सं. हैदराबाद
	प्लेयर 2	11/7, 11/8, 11/7 (0-3)
	प्लेयर 3	14/12, 6/11, 3/11, 3/11 (1-3)
	प्लेयर 2 (भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर) बनाम प्लेयर 1 (भा.प्रौ.सं. हैदराबाद)	8/11, 6/11, 10/12 (0-3)
		11/5, 6/11, 12/10, 13/11 (3-1)
		6/11, 6/11, 8/11 (0-3)



	प्लेयर 1	भा.प्रौ.सं. जोधपुर	10/12, 11/6, 11/3, 3/11, 11/7 (3-2)
	प्लेयर 2		11/6, 8/11, 7/11, 5/11 (1-3)
	प्लेयर 3		13/15, 8/11, 13/11, 3/11 (1-3)
	प्लेयर 1 (भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर) बनाम प्लेयर (भा.प्रौ.सं. जोधपुर)		7/11, 11/3, 5/11, 6/11 (1-3)
	प्लेयर 1	भा.प्रौ.सं. खडगपुर	7/11, 11/8, 7/11, 3/11 (1-3)
	प्लेयर 2		4/11, 4/11, 4/11 (0-3)
	प्लेयर 3		7/11, 13/15, 12/10, 11/7, 5/11 (2-3)
महिलाओं का एकल	अनेरी द्वारा खेला गया	भा.प्रौ.सं. रोपर	3/11, 5/11, 2/11
	भाव्य श्री द्वारा खेला गया	भा.प्रौ.सं. दिल्ली	11/13, 5/11, 2/11
महिलाओं का डबल	भाव्य श्री और अनेरी द्वारा खेला गया	भा.प्रौ.सं. रोपर	5/11, 6/11, 3/11
	भाव्य श्री और अनेरी द्वारा खेला गया	भा.प्रौ.सं. दिल्ली	2/11, 4/11, 11/13

### • पूल मैच

भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर टीम और खिलाडी		विरोधी	स्कोर
महिलाओं का एकल (मैच-1)	भाव्य श्री द्वारा खेला गया	भा.प्रौ.सं. गांधीनगर	11/4, 11/1, 11/5
महिलाओं का डबल (मैच-2)	भाव्य श्री और शिप्रा द्वारा खेला गया		6/11, 8/11, 9/11
महिलाओं का एकल (मैच-3)	भाव्य श्री द्वारा खेला गया		4/11, 5/11, 4/13

### वालीबाल

#### • लीग मैच

भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर टीम और खिलाडी	विरोधी	स्कोर
पुरुषों	भा.प्रौ.सं. मंडी	22-25, 19-25, 17-25
	भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर	15-25, 10-25, 25-17, 15-25
	भा.प्रौ.सं. दिल्ली	22-25, 15-25, 16-25

### सामान्य चैम्पियनशिप

सामान्य चैम्पियनशिप या अंतर शाखा प्रतियोगिताएं जनवरी और फरवरी के महीने में आयोजित की जाती थीं। स्नातकोत्तर छात्रों सहित सभी शाखाओं ने टूर्नामेंट में सक्रिय भागीदारी की। 10 अलग-अलग खेलों का आयोजन किया गया और कुछ गहन लड़ाइयों के बाद विद्युत शाखा चैम्पियन के रूप में उभरी।

### आस-पास के टूर्नामेंट में उपलब्धियां

- गर्ल्स बास्केटबॉल टीम ने बीजीयू स्पोर्ट्स फेस्ट में दूसरा स्थान हासिल किया।
- एम्स कॉलेज के खेल उत्सव चिअस्मा में बाँयज़ बास्केटबॉल उपविजेता थे।
- वॉलीबॉल टीम खेल महोत्सव एम्स कॉलेज, चिअस्मा में उपविजेता के रूप में समाप्त हुई।
- एम्स स्पोर्ट्स फेस्ट में आयोजित शतरंज प्रतियोगिताओं में इंडोर सचिव अमलान को पहला स्थान मिला और साथ ही भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर खेल उत्सव क्रिडा में भी प्रथम स्थान मिला।

### विविध

खेल परिषद ने एकता दौड़ और ओपन डे जैसे संस्थान के कार्यक्रमों के आयोजन और स्वयं सेवा में भी सक्रिय रूप से भाग लिया। गणतंत्र और स्वतंत्रता दिवस पर अंतर भा.प्रौ.सं. खेल के चयनित खिलाड़ियों द्वारा मार्च पास्ट किया गया।









## वित्तीय सूचना

## 31.03.2019 को समाप्त वर्ष के लिए प्राप्तियां और भुगतान

क्रमांक	प्राप्तियां	चालू वर्ष 2018-19	पिछले वर्ष 2017-18	क्रमांक	भुगतान	चालू वर्ष 2018-19	पिछले वर्ष 2017-18
			(₹ में राशि)			(₹ में राशि)	
I.	प्रारंभिक शेष			I.	खर्च		
	क) हाथ में नकद				क) स्थापना व्यय	274,524,122.00	276,913,439.00
	ख) बैंक शेष राशि				ख) अकादमिक व्यय	134,593,175.58	128,044,237.42
	i) वर्तमान खाते में				ग) प्रशासनिक व्यय	47,186,757.52	54,786,257.97
	ii) जमा खाते में				घ) परिवहन व्यय	61,436.00	12,194.00
	iii) बचत खातों में	166,856,566.71	257,851,875.70		च) मरम्मत और रखरखाव	668,407.00	253,138.00
					छ) पहले अवधि व्यय	66,742.52	81,275.00
					ज) वित्त लागत	221,235.59	68,818.93
					झ) जिमखाना व्यय	4,742,127.90	3,725,794.00
II.	प्राप्त की गई अनुदान			II.	निर्धारित/एंडॉवमेंट फण्ड के बाबत भुगतान	561,918.00	309,442.31
	क) भारत सरकार से	1,309,780,000.00	3,573,520,000.00				
	ख) राज्य सरकार से						
	ग) अन्य स्रोतों से (विवरण)						
	(पूजी और राजस्व खर्च से अनुदान अलग से दिखाया जाना चाहिए)						
III.	शैक्षणिक प्राप्तियां	198,454,825.00	147,032,267.00	III.	प्रायोजित परियोजनाओं / योजनाओं के बाबत भुगतान	271,492,622.15	161,956,298.27
IV.	निर्धारित/ एंडॉवमेंट फण्ड के बाबत रसीदें			IV.	प्रायोजित फेलोशिप / छात्रवृत्ति के बाबत भुगतान		
	क) निर्धारित/ एंडॉवमेंट फण्ड						
	ख) अपने फण्ड (अन्य निवेश)						
V.	प्रायोजित परियोजनाओं / योजनाओं के बाबत भुगतान	289,938,786.56	203,615,415.11	V.	निवेश और जमा		
					क) निर्धारित/ एंडॉवमेंट फण्ड से बाहर	196,800,191.16	795,845.57
					ख) अपने स्वयं के धन से बाहर		
VI.	प्रायोजित फेलोशिप के बाबत रसीदें			VI.	अनुसूचित बैंकों के साथ सावधि जमा	1,412,816,000.00	3,275,795,325.49
VII.	निवेश पर आय/रसीद			VII.	फिक्स्ड एसेट्स और कैपिटल वर्क-इन-प्रोग्रेस पर व्यय		
	क) निर्धारित/ एंडॉवमेंट फण्ड	2,691,294.83	3,295,882.00		क) अचल सम्पत्ति	51,335,432.78	22,905,032.93
	ख) अन्य निवेश				ख) कैपिटल वर्क्स-इन-प्रोग्रेस	6,214,180.00	89,017.00
VIII.	प्राप्त की गई व्याज			VIII.	सांविधिक भुगतान सहित अन्य भुगतान	1,22,97,36,594.25	40,94,28,239.09
	क) बैंक जमा	39,560,440.14	16,113,900.54				
	ख) ऋण और अग्रिम						
	ग) बचत बैंक खाते	5,610,947.91	7,606,645.33				
IX.	भुनाया गया निवेश			IX.	अनुदान की वापसी		

X.	अनुसूचित बैंकों के साथ सावधि जमा	1,608,345,358.41	1,859,972,946.09	X.	जमा एवं अग्रिम	31,472,796.61	1,828,298,071.52
XI.	अन्य आय(पूर्व अवधि आय समेत)	14,330,667.50	19952729.79	XI.	अन्य भुगतान		
					छात्रावास भुगतान	1,972,550.81	1,868,206.71
					फिक्स्ड एसेट्स के बाबत छात्रावास भुगतान	350,955.00	536,101.00
					वर्तमान देनदारियों बाबत छात्रावास भुगतान	12,492,203.70	6,336,138.00
					सीईपी भुगतान	9,441,243.65	
XII.	जमा एवं अग्रिम	13,319,241.73	36,962,005.42	XII.	अंत शेष		
					क)नकद जमा		
XIII.	वैधानिक रसीद सहित विविध रसीदें	175,310,126.46	183,305,248.16		ख)बैंक शेष राशि		
					i)वर्तमान खातों में		
XIV.	अन्य रसीदें				ii)जमा खातों में		
	छात्रावास भुगतान	2,273,810.46	1,622,243.74		iii)बचत खातों में	172,569,182.10	166,856,566.71
	छात्रावास वर्तमान संपत्ति बाबत रसीद	19,287,444.60	28,045,730.04				
	जिमखाना प्रामियां	4,723,991.58					
	सीईपी प्रामियां	8,702,887.39					
	कुल	<b>3,859,186,389.28</b>	<b>6,338,896,888.92</b>		कुल	<b>3,859,186,389.28</b>	<b>6,338,896,888.92</b>



## अनुसंधान एवं विकास

## वित्तीय वर्ष 2018-19 के लिए प्राप्ति और भुगतान खाता

प्राप्ति		रुपये में
प्रारंभिक शेष		483,530,235.60
जोड़:वर्ष के दौरान रसीद		
परामर्श परियोजना		21,126,773.96
प्रायोजित अनुसंधान परियोजना	152,736,120.00	
कम:धनवापसी	3,384,324.00	149,351,796.00
बीज अनुदान		-
प्रायोजित फैलोशिप		4,723,098.00
संस्थान ओवरहेड्स		16,097,913.00
टीडीएस		3,109,192.00
सेवा कर		527,137.00
सामान और सेवा कर		7,519,511.00
लेबर सेस		288.00
वृत्ति कर		21,800.00
ईएमडी		3,228,000.00
पीवीजी		993,844.98
जीएसटी टीडीएस		98,319.00
अन्य वर्तमान देयता		772,000.00
विविध लेनदार		63,200,158.26
परिसमापन हर्जाना		2,061,032.89
बैंक का ब्याज		2,841,759.46
टीडीएस पर ब्याज		270,261.00
स्टेल चेक		11,872.00
टीडीएस पर अर्जित ब्याज		13,694,930.01
सीईपी अनुदान		249,600.00
निविदा शुल्क		39,500.00
कुल रसीद		<b>773,469,022.16</b>

कम: वर्ष के दौरान भुगतान	रुपये में
रिव्यू व्यय के लिए	
जेआरएफ/एसआरएफ और परियोजना सहायक के लिए वेतन	26,926,976.00
उपभोग्य	8,798,092.00
आकस्मिक व्यय	4,353,915.00
आवर्ती व्यय	1,802,943.00
यात्रा व्यय	2,751,539.00
कंसल्टेंसी शुल्क और मानदंड	10,470,664.00
डेटा संग्रह व्यय	84,434.32
बैठक और कार्यशाला व्यय	2,662,924.00
स्कूल विकास निधि	30,654,365.00
मशीनिंग	162,540.00
साहचर्य	2,105,000.00
अध्येतावृत्ति	4,432,192.00
ओवरहेड व्यय	923,556.00
आर एंड डी आवर्ति व्यय	986,577.00
तकनीकी सहायता व्यय	280,244.00
विविध व्यय	112,468.00
संचालन और अनुरक्षण	3,310.00
फेब्रिकेशन और अन्य लागत	35,208.00
स्टार्टअप और आईपीआर व्यय	115,150.00
प्रशिक्षण और विकास	902,543.00
जूटी और कर	3,359,834.00
स्टेल चेक	30,341.00
विविध लेनदार	64,528,587.26
परियोजना की देयता	500,000.00
संकाय विकास निधि	195,932.00
बैंक का ब्याज	5,762,174.00
रिसर्च अनुदान	139,960.00
ईएमडी	1,549,050.00
पीबीजी	36,000.00
वर्कशॉप ग्रांट रिफंड	323,228.00
सीईपी अनुदान	249,600.00
परिसमापन हर्जाना	497,701.00
कुल भुगतान	<b>175,737,047.58</b>
समाप्ति के समय बकाया	<b>597,731,974.58</b>



भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान  
अरवुल, खोर्द, पिन - 752050, ओडिसा  
भारत फोन: +91 674 7134560 / 7134561  
ईमेल: registrar.office@iitbbs.ac.in

[www.iitbbs.ac.in](http://www.iitbbs.ac.in)